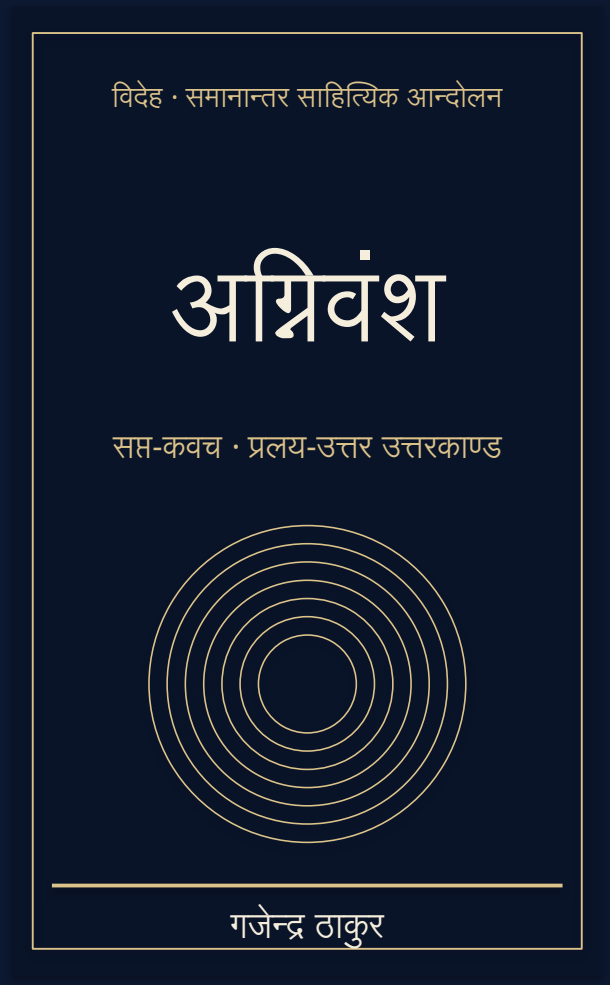


अध्याय १ : सूर्योदयक दोसर नाम

खण्ड १ · बीज

दिन १ । जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

माय कहलथिन, ‘दीपकक तेल आपसक संग बाँटल जा सकैत अछि, मुदा अधिकारक लेखा बाँटबाक लेल समाजकेँ बदलय पड़ैत अछि।’

राजन पासवानक दर्ज शिकायत तकर उदाहरण छल।

विशाल परियोजनाक उद्घाटनक बीच एहन सूक्ष्म भेद पर आग्रह किएक?

दुनू प्रकारक उजास एक ठाम छल: मानवक हाथक रङ्ग आ यन्त्रक निर्मम उज्ज्वरपन।

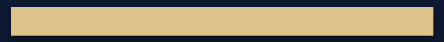
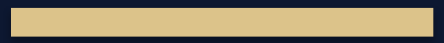
मूल पाठसँ

मायक देह धरतीक कोनो पुरान श्मशानमे विलीन भऽ चुकल छल; ओकर वाणी आबो निर्णयक समय संग रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मायक देह धरतीक कोनो पुरान श्मशानमे विलीन भऽ चुकल छल; ओकर वाणी आबो निर्णयक समय संग रहल।
३–४		बच्चाक प्रश्नमे अनेक बेर वैज्ञानिक जिज्ञासाक पहिल रूप भेटैत अछि।
५–६		घरक चिन्ता लऽ अएल परिवारसभ ओहि बेंच पर बैसल छलाह।
७–८		आइ मंच पर ओहि शिक्षा के सुनयना अपन ढंगसँ दोहरौलनि।
९–१०		सुनयना ओहि राति खिड़की लग ठाढ़ भेलीह तँ दूर कियो अपन छत पर दीप जरौने छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना पुछने छलीह, ‘हमर घरक दीपकसँ हुनकर घरक दीप किएक नहि जरैत?’

पहिल बेर सुनयना विज्ञानक अर्थ बुझने छलीह तखन हुनकर गाममे लम्बा अन्हार पड़ल छल।

अनेक वर्षक अनुसंधानक बाद जखन सूर्यकुण्डक पहिल स्थिर केन्द्र चलल, हुनकर सभसँ नजदीकी सहकर्मी एक ठाम जयजयकार कएने छलाह।

सुनयना तेसर बात रखलीह—‘उत्पादनक अधिकार आ जीवनक अधिकारक बीचका दूरी व्यवस्था तय करैत अछि।

भीड़क अर्थ अधिक ताप, अधिक पियास, अधिक यात्रा, अधिक जोखिम; एखन धरि कोनो विशिष्ट रोगक सूचना नहि छल।

मूल पाठसँ

टोलीक एक भाग कहैत छल, ‘जकरा व्यय देबाक सामर्थ्य, ओकर प्राथमिक अधिकार।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभ सात कवच ओकर चारू कात घुमैत अछि, मुदा चित्रमे ओकर मुँह नहि बनैत।’

सुनयना अपन उँगुरी पर पहिरल मायक पुरान चाँदीक अँगूठी छुबलनि।

सुनयना कहलीह, ‘एहि बातसँ ओकर सन्दर्भक सत्य साबित नहि होइत।

मैथिली एकटा अति छोट मानव-आकृति बना देलक।

जनकक्षेत्रक मुख्य चौकमे कोनो सामान्य उत्सव नहि छल।

मूल पाठसँ

ओकर हाथमे कागज पर बनल एक छोट चित्र छल: सातटा वृत्त, बीचमे सूक्ष्म बिन्दु।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बच्चाक प्रश्नमे अनेक बेर वैज्ञानिक जिज्ञासाक पहिल रूप भेटैत अछि।

विज्ञानमे विश्वसनीयताक अर्थ सम्भावना, पुनरावृत्ति आ मापन होइत अछि; सभाक भाषामे ओकर अर्थ आश्वासन भऽ जाइत अछि।

अन्तमे ऊर्जा बढ़ल, अन्याय अपन रूप बदलि लेलक।

मुदा दस्तावेजक अन्तिम संस्करणमे अनुच्छेद बड्डु छोट कऽ देल गेल।

बेटी उत्तर देलकि—‘कखनो-कखनो चित्र प्रमाणक पहिने चेताबैत अछि।’

मूल पाठसँ

एहि कारण ओ नव उद्घाटन-प्रतिवेदनमे ‘लोकक्षेत्रक असमानता’ नामक अनुच्छेद राखने छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘डॉ. सुनयना,’ ओ बाजल, ‘उद्घाटन पूर्वक सात सुरक्षा-परीक्षण पूर्ण।

रात्रिक कार्यालयमे अक्षरसँ हुनकर एक पुरान संवाद सेहो भेल छल।

‘जन-अधिकार सम्बन्धी मार्गदर्शक पूर्ण निर्णय-प्रक्रिया चाहैत अछि।’

अक्षरक उपस्थिति एहि पट्टिकासँ धरिकऽ दूरक शीतगृह धरि छल।

स्थानीय माँगक अनुमान, भण्डारणक सीमा आ वितरण-लेखामे अन्तर तीन सम्भावना अछि।’

मूल पाठसँ

अक्षर कहने छल—‘हम आपत्ति देब, अन्तिम अधिकार विधिसम्मत मानवीय व्यवस्थाक अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘तँ प्रमाण ई होएत जे सभक घरमे बत्ती जलैत अछि, मात्र एतहि नहि।’

ओ निर्देश देलनि, ‘आपूर्ति-सामञ्जस्यक संग वास्तविक कमी सेहो देखाउ।

ओ किशोरी एखन धरि सभासँ बेसी लोकसभक चेहरा देखैत छल, यन्त्र नहि।

समारोहस्थलक बाहर एकटा छोट प्रदर्शनीमे सूर्यकुण्डसँ पहिने पृथ्वीक ऊर्जाक इतिहास देखाओल जा रहल छल।

आयोजक घबराकऽ उत्तर देलनि, ‘सभ वरिष्ठ अधिकारी ई वाक्य स्वीकृत कएने छथि।’

मूल पाठसँ

‘तँ उद्घोषक किएक कहलक जे आब अन्हार समाप्त?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हम व्यक्तिगत दान नहि माँगि रहल छी; हमर हिस्साक लेखा माँगैत छी।’

ओहि दृश्यकेँ मंचक भव्यतासँ कम महत्त्व देबाक कोनो कारण नहि छल।

मुदा ई कहि सकैत छलीह जे वास्तविक उत्पादन, वैधानिक आवण्टन आ घर धरि पहुँचल ऊर्जा अलग-अलग मापन अछि।

‘किएक तँ ई यन्त्र बनल अछि आ लोकक जीवनमे सहायता कऽ सकैत अछि,’ ओ कहलीह।

कार्यक्रम-अधिकारी आग्रह करैत रहल जे कार्यक्रमक समय घटि रहल अछि।

मूल पाठसँ

पुरुष कहलक, ‘एतेक वचन पहिनहुँ भेटल अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर सोझाँ विशाल दृश्य-पटल पर सुरक्षित ऊर्जा-जालक नीला मानचित्र छल।

एक महिला अपन बच्चाक सूखल ओंठ पर जलक एक बून्द लगबैत छलीह।

ओ नहि चाहैत छलीह जे अक्षरक संक्षिप्त प्रतिवेदनक सहारे एहि गवाहीकेँ मात्र एकटा ‘असन्तुष्ट समूह’ मानल जाए।

‘किएक तँ हमर बनाओल यन्त्र सभ आवाज नहि सुनैत अछि।

जँ एक केन्द्र सुचारु रहल आ एक गाम पियासल रहल, तँ हमर काज पूरा नहि भेल।’

मूल पाठसँ

सुनयना संदेश देलनि—‘मूल लेखा देखबाक लेल स्वतंत्र समय राखू; आजुक उत्सवक भाषणसँ ई बात बाहर नहि जाए।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका वैज्ञानिक विवेक कहैत छल जे एक संकेतसँ निष्कर्ष नहि निकालू।

मुदा प्रत्यक्ष सेहो जे देखलक तकरा सँ बेसी नहि कहि सकैत।’

मुदा ओ गर्दन घुमाकऽ दू क्षण लेल विशाल स्क्रीनसँ हटि स्थानीय जल-पटल देखलनि।

मुदा उद्घाटनक प्रकाश ओहि सूक्ष्म लाल रेखाकेँ ढाँकि नहि सकल।

सुनयना स्वीकार कएलनि जे सार्वजनिक भयक अनावश्यक विस्तार सेहो गलत अछि, मुदा भयक आशंकासँ नमूना नुकाएब आओर गलत।

मूल पाठसँ

मात्र एक परीक्षण-पत्रक समय-संकेत ओकर मूल संग्रह-संकेतसँ नहि मिलैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि समय धरि कोनो बीमारीकेँ एहि विसंगतिसँ जोड़बाक प्रमाण नहि छल।

सुनयना ई सीमा लोकसभसँ नुकेबाक पक्षमे नहि छलीह।

सुनयना ओकरा मात्र भाषाक चुनाव मानि छोड़ि देलनि, मुदा एहन शब्द हुनका सहज नहि लगल।

सुनयना कहलीह, ‘यन्त्रक पहिल दिन मात्र आरम्भ भेल।

सुनयना अपन निजी पटल पर जखन क्षेत्रीय आपूर्तिक कुल आँकड़ा खोललनि, ओतय नीला रेखा सन्तोषजनक देखाइत छल।

मूल पाठसँ

किछु खिड़की उज्जर, किछु धुँधल, किछु पूर्ण अन्हार।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्सव समाप्त भेल छल, मुदा ई छोट मनुष्य एखन प्रश्न करैत ठाढ़ छल।

ओ ओकरा रहस्यक नाम देबाक जल्दीमे नहि छलीह।

सुनयना सोचलीह, ई उत्तर सुनबा मे पूर्ण अछि।

एहि बहुरंगी जीवनक तुलनामे एकमात्र सफलताक घोषणा हुनका अत्यन्त छोटी बुझाइत छल।

‘किएक तँ आकाशक सभसँ उज्जर उत्सव सेहो धरतीक एक घैल पानि सँ आरम्भ होइत अछि।’

मूल पाठसँ

ओ एहि विचारकेँ एक अतिरिक्त टिप्पणी रूपेँ अंकित कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओ स्तम्भक पाछू बनल अरहर-रंगक गलियारामे पहुँचलि।

आइ मंच पर ओहि शिक्षा के सुनयना अपन ढंगसँ दोहरौलनि।

स्थानीय कार्यदल तात्कालिक सावधानीक अन्तर्गत वैकल्पिक जल-व्यवस्था जाँचय लगल।

सुनयना एहि प्रशासनिक भेदक कारण एखन बुझैत नहि छलीह।

मूल पाठसँ

अथवा कोनो एहन घटना जेना लेखामे सँ मेटाओल जा रहल हो?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

सुनयना ओहि राति खिड़की लग ठाढ़ भेलीह तँ दूर कियो अपन छत पर दीप जरौने छल।

‘जँ हमर गणना आ लोकक प्रत्यक्ष अनुभव फरक होय,’ सुनयना पुछलनि, ‘तँ तूँ की करबह?’

मैथिली अपन बनाओल कागजक सात वृत्तक चित्र मायक समक्ष राखि देलक।

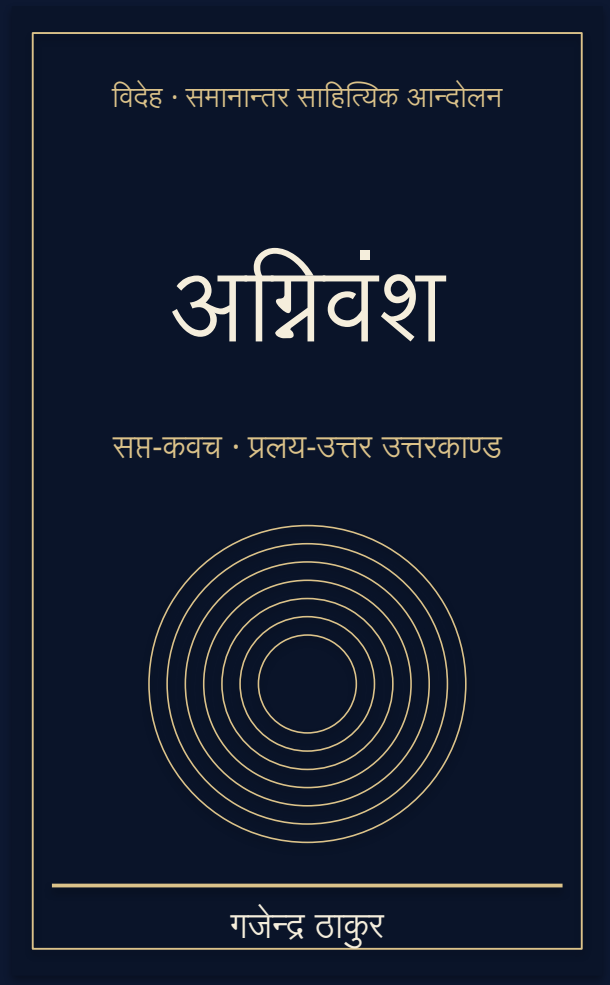
अगिला अध्याय : २ · सात रक्षक

मूल पाठसँ

‘आ जँ कारण बिनु कियो एक स्रोत कमजोर करबाक प्रयत्न करय?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २ : सात रक्षक

खण्ड १ · बीज

दिन १ सँ दिन २ क पहिल पहर धरि । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ईरा लेल समुद्र एक स्मृति-चित्र छल; ओ कखनो ओकर लहरिक आवाज प्रत्यक्ष नहि सुनने छलीह।

मुदा सल्लाह आ मतक बीच सीमारेखा चुभैत छल।

नभग्रामक बच्चासभ प्रायः पृथ्वी पर बनेल खिलौनाक नकल करैत छलाह।

जनकक्षेत्रक उद्घाटन हुनका बस्तीक सामान्य प्रसारण-पटल पर देखाबय लेल कहने छल।

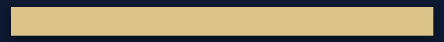
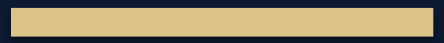
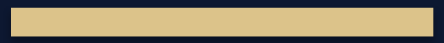
मूल पाठसँ

लोक हुनका चुनि देलक, कारण ओ क्रोधकेँ भाषामे बदलि सकैत छलीह, बिनु ओकर दुख कम कएने।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		एक अधिकारी कहने छलाह, ‘एकटा संयुक्त मानचित्र बनि जएत तखन खतरा घटत।’
३–४		पहिल वृत्त अक्षर छल—आपदा-सूचनाक समन्वयक कृत्रिम बुद्धि।
५–६		‘मुदा एखन एक असत्य काटल दृश्य ठीक कए देब, काल्हि लोकक जीवन बचाबय कऽ आधार भऽ सकैत अछि।’
७–८		बस्तीक भोजन-गृहमे एक बालिका ईराकेँ कागज देलकि।
९–१०		ओहि वाक्यकेँ सुरक्षित करैत ईरा कार्यालयसँ बाहर निकलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बस्तीमे राजनीतिक अधिकारक प्रश्न ओहि दुर्घटनाक पछाति तीव्र भेल छल।

एक दिशामे हिमक उज्ज्वरपन, दोसर दिस धूसर मैदान, बीचमे बादलक रुई-सन सुतली।

किछु वर्ष पछाति एक रखरखाव-दुर्घटनामे पिता घायल भेलाह।

पृथ्वीक मुख्य सुरक्षा परिषद् आदेश दैत छल; बस्तीक नागरिक ओकर अनुपालनक परिणाम भोगैत छलाह।

एक अधिकारी कहने छलाह, ‘एकटा संयुक्त मानचित्र बनि जएत तखन खतरा घटत।’

मूल पाठसँ

ईराकेँ ओहि दिन पहिल बेर बुझायल जे वृहद् प्रणालिक सफलताक भीतर व्यक्तिक अपूर्ण जीवनी सेहो छिपल रहैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्रामक बच्चासभ प्रायः पृथ्वी पर बनेल खिलौनाक नकल करैत छलाह।

ओहि दिन विद्यालयमे एक छोट वृत्ताकार मंच पर सात वृत्त बनाओल गेल छल।

ईरा कहलीह, ‘अलग-अलग कम बलवान होइतो एक-दोसरकेँ सुनब बड्डु पैघ बल अछि।’

एक बच्चा पूछलक—‘पृथ्वी पर बत्ती एतेक बेसी किएक जरि रहल?’

विद्यालयक उजास बन्द होएब दुःखक बात, मुदा वायुक पुनर्चलनमे बाधा पड़ब प्राणक संकट।

मूल पाठसँ

एहि भेदक अर्थ निश्चित करबाक लेल सभागृहमे भाषणसँ बेसी प्रत्यक्ष अधिकार चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा सभ समाजमे अधिकारक पुरान असमानता नव कक्षामे पहुँचि जाइत अछि।

नभग्राम बनलासँ एखन धरि एतबा समय बीतल छल जे पहिल बसनिहारक कथा लोकक घरमे जीवित रहि गेल, मुदा हुनकर समस्याक रूप बदलि गेल।

कर्मचारी एक नब प्रश्न लऽ अएलक: ‘जँ स्वतंत्र जाँचक कारण रक्षा-प्रणालीक किछु मार्ग सार्वजनिक भऽ जाए तखन शत्रु लाभ नहि उठाएत?’

‘अधिकृत उत्तर अखनो नहि,’ कर्मचारी कहलक।

मुदा ओ बिनु दरकारक निजी सन्देश नहि पठौलनि।

मूल पाठसँ

जखन कियो संपूर्ण गुप्तता माँगैत अछि, तखन ओ प्रश्नक अधिकार सेहो लऽ रहल हो सकैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा सुनयनाक चेहरामे कोनो उपेक्षा नहि, वरन् असुविधाजनक सहमति देखलीह।

पहिल वृत्त अक्षर छल—आपदा-सूचनाक समन्वयक कृत्रिम बुद्धि।

पटल पर प्रत्येक वृत्तकेँ बेराबेरी अलग रंगमे देखाओल गेल, जेना सभ सातटा स्वतन्त्र सूर्य हो।

मंचक एक अधिकारी उत्तर देलनि—‘कक्षीय सुरक्षा-विषय सैन्य परामर्शक अन्तर्गत अछि।’

अक्षरक स्वर अएल—‘नभग्राम-४क परिवेशमे तत्काल अनिवार्य टक्कर-सङ्केत नहि।

मूल पाठसँ

सन्देश-सम्पर्क खुललाक बाद ईरा कहलीह, ‘हम नभग्राम-४ सँ बाजि रहल छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्यपर लिखल छल—‘सात कवच पूर्ण सुरक्षित; पृथ्वी पर संकट समाप्त।’

एहन असुविधाजनक प्रश्नसभक कारणे ओ बस्तीक प्रतिनिधि बनबाक जोखिम लेने छलीह।

नगरसभाक चिकित्सक कहलक, ‘हालमे पृथ्वी पर जँ कोनो संक्रामक संकट बढ़त, तखन हमरा दवाइ आयातक मार्ग सुरक्षित चाही।

कर्मचारी कहलक, ‘स्वतंत्र आँखि सेहो गलत भऽ सकैत अछि।’

दू वाक्यक अन्तर छोट सुनाइत छल; परिणाम बड्डु पैघ।

मूल पाठसँ

ओ चाहैत छलीह जे रक्षा-संकटक बहस सिद्धान्तक शीर्षक मात्र नहि, नागरिकक दिनचर्याक लेखा बनय।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रात्रिमे ईराक मित्र जे कृषि-कक्षमे काज करैत छलीह, भेंट लेल एलीह।

तत्कालीन सभामे ई बात अति सूक्ष्म बुझाइत छल, मुदा नगरसभाक विधिवेत्ता ओकरा कार्यवृत्तमे अलग लिखलनि।

ओ नगरसभाक सोझाँ स्पष्ट कएलनि जे जाँचक लागत ककरा भागमे पड़त, से सेहो सार्वजनिक करब पड़त।

ईरा कहलीह, ‘तखन चर्चा कहिकेँ फैलाउ, आदेश कहिकेँ नहि।’

‘की ई सैन्य उपग्रहक गतिविधिसँ जुड़ल अछि?’

मूल पाठसँ

ओ बतौलीह जे पृथ्वी पर नव सूर्यकुण्डक खबरि सँ किछु ऊर्जा-व्यवस्था फेर सँ बाँटल जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा अपन कार्यालयमे लौटलि तँ लोकसभा-नगरसँ एक विधिक ज्ञापन अएल।

लोहेक गोल मेज पर आलू आ सागक छेँक राखल छल।

पट्टिकापर पृथ्वीपर अएबाक किछु पहिल परिवारक नाम लिखल छल, संगहि पहिल वर्षक मृत्यु-पञ्जी।

ओ कहैत छलाह जे पृथ्वी हमर मातृभूमि, मुदा नभग्राम हमर घर।

ईरा हँसीमे कहैत छलीह जे अन्तरिक्षमे सभसँ धीमा वस्तु प्रकाश नहि, हस्ताक्षर अछि।

मूल पाठसँ

अधिकारक दाबी कोनो अमूर्त अस्मिताक घोषणा मात्र नहि, एहन मृतकक अपूर्ण जीवनक मान्यता छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु ओहि आधार पर समस्त सूर्यकुण्ड असुरक्षित घोषित कऽ देने छलाह।

बस्तीक भोजन-गृहमे एक बालिका ईराकेँ कागज देलकि।

पृथ्वी सँ लोक कखनो-कखनो नभग्रामक लोककेँ पृथ्वी-विरोधी कहैत छलाह।

विज्ञान बड्ड जटिल प्रणाली बनौने छल; ओकर निर्णयक भाषा एखन धरि बड्ड पुरान सिंहासन जकाँ छल।

एक स्वतन्त्र पटल पर अक्षरक अधिकृत उत्तर पहुँचल—‘स्थानीय शोधन-विसंगति सामान्य निरीक्षणक अन्तर्गत।

मूल पाठसँ

उद्घाटनक प्रगति-पत्रमे सूर्यकुण्डक प्रतिदिनक ऊर्जा उत्पादन अपेक्षाक अनुरूप छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समयक क्रम ठीक रहितहुँ स्थानक ओहि पातल विचलनक कारण नहि बुझाइत छल।

विशेष परीक्षणक परिणाम पर अधिकार-सीमा देखिकऽ ईरा पुनः कार्यालयक बंद बत्ती जलौलनि।

वज्रजालक सभ उपग्रह सुरक्षित प्रतिरोध लेल स्थापित छल; प्रत्यक्ष नागरिक जीवन सँ ओकर अन्तर अधिकतर अदृश्य छल।

ईरा चिन्तित भेलीह, मुदा ओहि क्षण निष्कर्ष निकालल नहि।

दूर पृथ्वी ओहि समयमे अपन नव भोरक एक टुकड़ा देखबैत छल।

मूल पाठसँ

एहि शब्दमे विरोधक बदलामे सत्यापनक प्रस्ताव छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा अपन कार्यकक्षक पाछाँक उज्जर दीवार पर दोसर नक्शा टाँगलीह।

बच्चासभ अपन सामयिक उद्यानमे पृथ्वीक नक्शा बना रहल छल।

ओहि संसारकेँ आक्रमणक एक निराकार बिन्दु मानब गलत होएत।

ईरा बुझैत छलीह जे चित्र आ नियमक बीच जीवित लोकक सहमति बसैत अछि।

जे सूचना सामान्य छल, ओकरा विशेष अधिकारक पाछाँ किएक राखल गेल?

मूल पाठसँ

एक दिन स्वतन्त्र जाँचक माँग एही वाक्यक आधार पर दस्तावेजमे परिवर्तित भऽ सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

‘कोनो सार्वजनिक पत्र नहि,’ मित्र स्वीकार कएलि, ‘श्रमिकसभक बीच चर्चा अछि।’

एक इंजीनियर बतौलक जे शून्य-शेषक मापनमे खास विसंगति किछु पुरान निरीक्षण-साधनक आयुसँ सेहो जुड़ल भऽ सकैत अछि।

ईरा अचरजमे पड़लीह: पृथ्वीक जल-शोधन आ बस्तीक कक्षीय सुरक्षा एकटा निष्कर्षक भीतर किएक?

ईरा उत्तर देलीह, ‘तारा तारा अछि; ओकरा रक्षक बनबैत छी हम, आ जखन गलत बुझैत छी तखन ओ खतरा सेहो बनि सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

ओ एहि आरोपसँ आहत होइत छलीह, किएक तँ हुनकर स्मृतिमे पृथ्वी घरक दूसर नाम छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

अन्तिम बार संदेश पठाबैत ओ अनिवार्य शब्द चुनलीह—‘हम सभ अप्रमाणित संकट घोषित नहि करैत छी, मुदा स्वतंत्र जाँचक अधिकार माँगैत छी।

ओहि वाक्यकेँ सुरक्षित करैत ईरा कार्यालयसँ बाहर निकलीह।

एही बातक कारण ओ अपन प्रश्नकेँ नुकेलीह नहि।

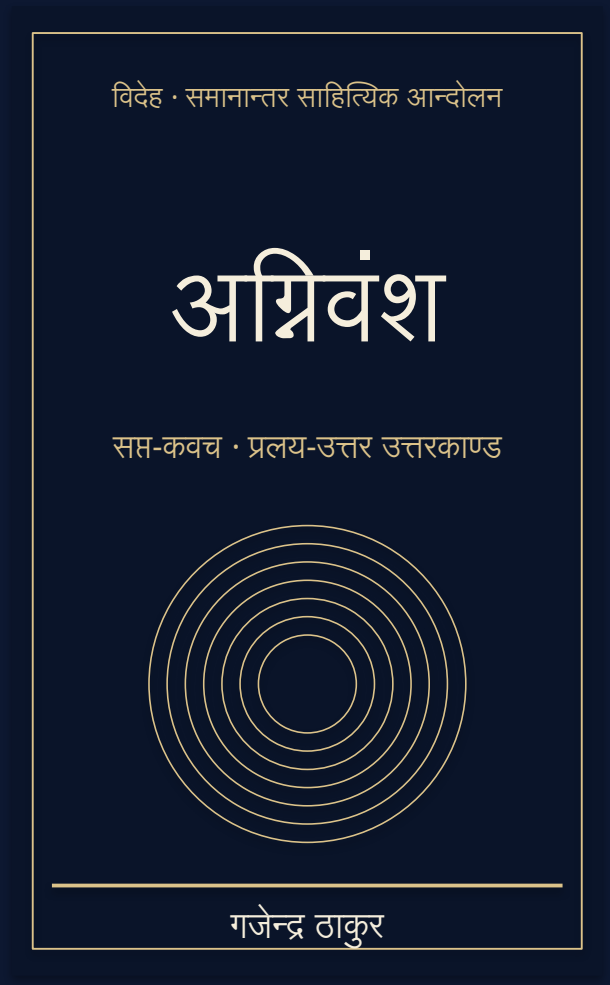
अगिला अध्याय : ३ · पहिल अस्पष्ट रोगी

मूल पाठसँ

अपन सहकर्मीक संक्षिप्त धन्यवादक उत्तर देबाक बाद ओ विद्यालयक बाट पकड़लीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३ : पहिल अस्पष्ट रोगी

खण्ड १ · बीज

दिन २ । जनकक्षेत्रक जनचिकित्सालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कालि्ह सूर्यकुण्डक उद्घाटन देखबाक लेल शहरक चौकमे गेल छलाह।

‘हमरा घरक नलक पानि दू दिनसँ विचित्र गन्ध दैत अछि,’ ओ कहलक।

शारदा चिकित्सा पढ़ैत काल अपन गुरुसँ एकटा कठिन पाठ सीखने छलीह।

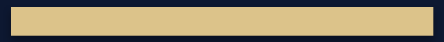
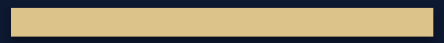
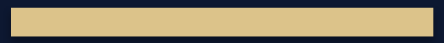
एक परिचारिका पुछलकि, ‘जँ हम हर बातमे अनिश्चितता लिखब तँ रोगी डरि जाएत?’

मूल पाठसँ

जँ एकहि घरक सभ सदस्य समान सम्पर्कमे छलाह, तखन लक्षण मात्र एकमे किएक?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		स्पष्ट संवाद सँ ओ अपन निर्णयमे सहभागी भऽ सकैत अछि।’
३–४		शारदा प्रतिवेदनपर लिखलीह—‘सूचना-अखण्डता जाँचबाक आवश्यकता; रासायनिक कारण अखनो अप्रमाणित।’
५–६		सुरक्षा-सावधानी लेल अनुमान पर्याप्त भऽ सकैत अछि; रोगक अन्तिम परिचय लेल नहि।’
७–८		बच्चा छोट छल तखन जलक गागर उठाबय जिद करैत छल।
९–१०		हमर अधिकार नहि जे हुनका विश्वास करबाक बाध्य करू।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर संग आयल वृद्धा कहलीह जे ओ पूर्वी जलमार्गक एक बसाहटसँ अएल छथि।

रातिमे माथ दुखय लागल, देह गरम भेल आ साँसक बीच अन्तर पड़बाक अनुभव भेल।

शारदा धीरे कहलनि, ‘ओतय रहब आ ओतयसँ रोग लागब एके बात नहि।

ओ चिकित्सकीय परीक्षण आ पर्यावरणीय नमूनाक स्वतन्त्र मार्ग खोललनि।

शारदा कहलीह, ‘अनिश्चितता नुकेलासँ रोगी कम डरत, ई निश्चित नहि।

मूल पाठसँ

मुदा दू व्यक्ति समान वस्तु सँ समान असर भोगताह, ई सेहो अनिवार्य नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बूढ़ पुरूषक देहमे चकत्ता छल, मुदा ओ दीर्घकालिक औषधि लैत छलाह।

एहि फरक घटनाक बीच सम्बन्ध मात्र ‘एक जगह’ नामक तथ्य सँ स्थापित नहि होइत।

ओ वृद्धाकेँ उपचारक अगला चरण, सम्भावित विलम्ब आ उपलब्ध साधनक सीमा सरल शब्दमे बुझौलनि।

उत्तर अएल, ‘महामारी-पूर्व प्रतिरक्षा।’

एहि साधारण दृश्यपर हुनका गाढ़ कृतज्ञता भेल।

मूल पाठसँ

कतेक पुरान रोगक कारण आनुवंशिक भऽ सकैत अछि; किछु दैहिक कोशिकाक उपचारमे सीमित सहायता मिलैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक क्षण लेल चिकित्सालयक शान्ति पर प्रशासनक घड़ीक ध्वनि भारी पड़ल।

उपनिदेशक आग्रह कएलनि, ‘माधवकेँ सम्भावित छाह-ज्वर मानि सभकेँ सूचित कऽ दिअ।

आँखि पाछाँ थकान देखाइत छल; ओ रातिभर स्थानीय शोधन-प्रतिवेदन देखैत रहल छलाह।

‘अहाँ विषकेँ रोग नहि कहू, हम रोगकेँ विष नहि कहब।

चिकित्सालयक रोगीमे देखायल लक्षणक आधार पर कोनो दूषणक परिचय तय नहि भऽ सकैत छल।

मूल पाठसँ

‘आब लोक सभ किछु चीजकेँ जहर कहताह,’ अनिरुद्धक आवाज कठोर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे देखल गेल, जे अनुमान अछि आ जे अखनो नहि देखल गेल, तीनू अलग लिखू।’

शारदा उत्तर देलीह, ‘आब एतेक सेहो नहि कहि सकैत छी।

शारदा उत्तर देलीह—‘दाखिल रोगीसभक जाँच चलि रहल अछि; किछु विशेष पुष्टि एखन नहि।

शहरक बड़ प्रयोगशालामे अधिक सुविधा छल; दूरक शरणक्षेत्रमे कम।

शारदा पुछलनि, ‘की अहाँ अपने पहरादार देखलहुँ?’

मूल पाठसँ

एहि बीच चिकित्सालयक वितरक एक नव अभावक सूचना देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा एहि तथ्यकेँ रोगीक निजी अधिकारक कारण सुरक्षा-चिह्न देलनि।

मुदा घरक एक बीमार किशोरकेँ दुनियाक नाटकक मुखड़ा बना देब क्रूर छल।

एहि मामूली तथ्यसँ प्रचारक एक पैघ अनुमान टूटि सकैत छल, मुदा के सुनैत?

परिवारक स्वीकृति लेल बिनु किछु साझा नहि करब।’

शारदा कहलीह, ‘यदि ई संक्रमण नहि भेल आ हम भ्रम फैलौलहुँ, तँ लोक चिकित्सालयसँ भागि सकैत अछि।

मूल पाठसँ

माधवक परिवारमे एक पुरान रक्तसम्बन्धी समस्या लेल वंशोपचारक परामर्श दर्ज छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहन विवाद शारदा लेल व्यवस्था-भङ्ग नहि; वैज्ञानिक ईमानदारीक चिन्ह छल।

‘पहिल शोधन नमूनाक संग्रह-समय आ मूल पत्रक समय दू भिन्न अछि।

साँझक समय चिकित्सालयक प्रांगणमे भ्रम-वातक पहिल रूप पहुँचने छल।

शारदा उत्तर देलीह, ‘सही सूचना ओकर स्थान पर दिअ; मुदा लोकक वैध प्रश्नकेँ मेटाउ नहि।

वृद्धा पूछलनि, ‘आ जँ नब परीक्षण पुरानसँ उलट होए?’

मूल पाठसँ

शारदा मूल चित्र देखलीह; मूलमे मात्र भीड़ छल, रोगक कोनो चिन्ह नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा घर जाएबाक समय लगल्यो चिकित्सालयक बाहरी दुआरपर ठमकि गेलीह।

शारदा सोचलीह—भयक आओर नाम जोड़लासँ कारण नहि खुलैत।

वृद्धा पूछलनि, ‘की अहाँक माए एतेक पैघ यन्त्र बनौलनि जे हमर बच्चाकेँ ठीक करि देत?’

सुनयना उत्तर दैत छलीह, ‘तोहर चिकित्सा सेहो विद्युत् बिनु टिकत नहि।’

कृपया शोधनक मूल अभिलेख सुरक्षित राखू।’

मूल पाठसँ

एहि छोट प्रस्तावमे कोनो महान समाधान नहि छल, मुदा वृद्धाक मुख पर पहिल बेर थोड़ेक कोमलता अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुनू जखन तर्क करैत छलीह तखन सत्यक पक्ष एक-दोसरसँ मजखनूत बनैत छल।

एहि बीच वृद्धा माधवक बचपनक एक कथा कहलीह।

शारदा प्रश्न कएलनि, ‘अहाँ घर कखन लौटय चाहैत छी?’

शारदा कहलीह, ‘निश्चय नहि भेटब सेहो सूचना अछि।

हम सभ अहाँकेँ एतय रोगी रूपेँ देखैत छी, दोषी रूपेँ नहि।’

मूल पाठसँ

रात्रि अन्तर्गत परीक्षणक एक छोट परिणाम अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ एहि प्रश्नक कारण अथवा दोषक अनुमान नहि देबाक प्रतिज्ञा कएने छलीह।

ओ सार्वजनिक रूपेँ कहलीह, ‘हम एक रोगीकेँ देखैत छी, मुदा एखन रोगक नामक अन्तिम न्याय नहि करैत छी।’

‘मुदा हम एखन निश्चित दिन नहि कहि सकैत छी।’

ओ बाहर अएलि तँ चिकित्सालयक मुख्य द्वारक आगू लोक जमा भेल छलाह।

एक कर्मचारी पुछलक, ‘जँ नागरिक एही उत्तरसँ असन्तुष्ट होथि?’

मूल पाठसँ

‘सुरक्षा एक बेरक घोषणा नहि, प्रतिदिनक काज अछि,’ शारदा धीरे कहलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि अनुभवक कारण ओ ककरो आश्वासनक नाम पर गलत भरोसा दैत नहि छलीह।

ओ स्वीकार कएलक जे अतिथि-अधिकताक कारण किछु पारी लम्बा भऽ गेल अछि।

पछाति कोनो जाँच जँ पूछत जे डॉक्टर के जानैत छलीह, तखन ओहि दिनक ज्ञानक सीमा स्पष्ट रहत।

पहिने संकट पड़िते ओकरा बजाय जनकेँ जमा कएल जाइत छल; आब बिनु घंटीक सूचना पहुँचैत छल।

रात्रिक अत्यन्त अन्तिम कठिन घड़ीमे हुनका एकटा नब सन्देश भेटल: ‘माधवक उत्सवमे उपस्थितिक प्रमाणित चित्र प्रसारित।

मूल पाठसँ

कखनो एक अटकल समाचार-बनबाक पहिने जाँचमे टूटि जाइत; कखनो मामूली बुझायल संकेत पछाति जीवनक भीषण प्रश्न बनि उठैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओहि वाक्यक बाद अनिरुद्ध किछु कहय चाहलाह, मुदा रुकि गेलाह।

दुनू बहसक बाद फेर एक संग चाय पीबैत छलीह।

शारदा रोगीकेँ पूछलनि, ‘नींद आबि रहल अछि?’

‘लोक स्वास्थ्य मात्र रोगीक बिछान धरि सीमित नहि,’ ओ कहलीह।

मूल पाठसँ

जँ जलक सन्देहसँ बच्चा बीमार भेल, तँ ई एक घरक प्रश्न नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ एहि प्रश्नक कारण अथवा दोषक अनुमान नहि देबाक प्रतिज्ञा कएने छलीह।

जे लोक रोगीक कक्ष साफ करैत छथि, हुनका पर्याप्त सामग्री, विश्राम आ सुरक्षा भेटैत अछि कि नहि?

ओ माधवक अभिलेख बन्द करबय सँ पहिने फेर देखलीह जे वृद्धाक संपर्क-सूचना सुरक्षित अछि कि नहि।

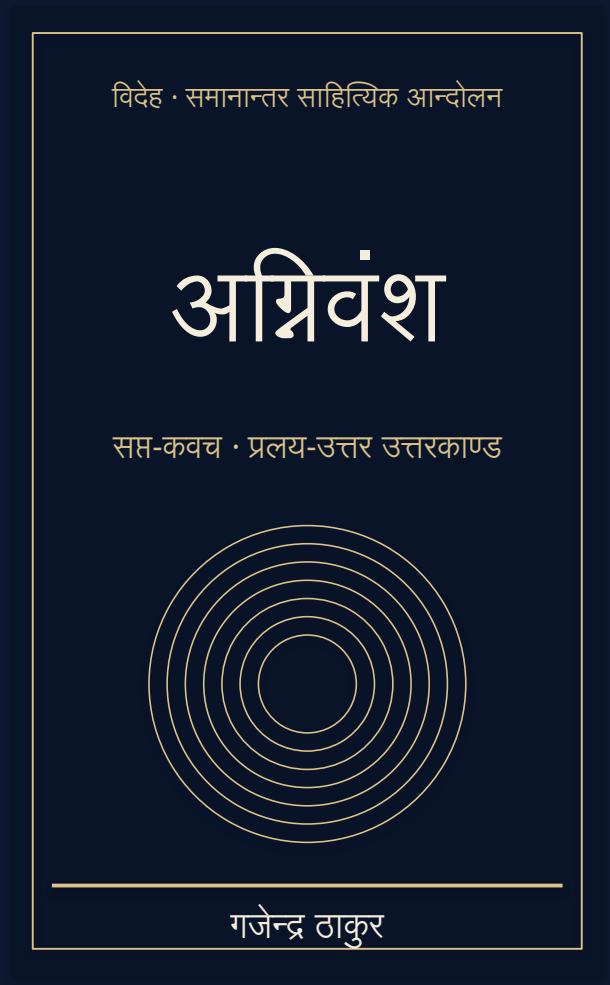
अगिला अध्याय : ४ · नभक छाह

मूल पाठसँ

‘जकर श्रमसँ चिकित्सालय चलैत अछि, ओकर सुरक्षा पहिल चरण अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४ : नभक छाह

खण्ड १ · बीज

दिन ३ । वज्रजालक निरीक्षण-कक्ष, लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कर्णेशक अनुभव कहैत छल जे छोट रेखा समस्या नहि, मुदा छोट रेखाकेँ बिनु कारण ‘किछु नहि’ कहि देब समस्या बनि सकैत अछि।

एकटा पक्षक भीषण प्रहार रोकबाक उद्देश्यसँ दोसर पक्षक प्रहारक आशङ्का पैदा कएल गेल।

‘मुख्य परिषद् शान्ति-सन्देश जारी करय चाहैत अछि।

अहाँ जँ ई छोट संकेत पर शङ्का जोड़ब तखन अफवाहक बाढ़ि आबि जायत।’

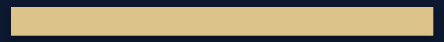
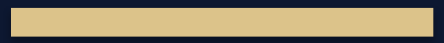
मूल पाठसँ

विशेषज्ञ लोकनि तीन सम्भावना रखलनि, आ अखनो कोनो एकटा निष्कर्ष सिद्ध नहि कएने छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		उपाधिकारी उत्तर देलनि, ‘एखन सैनिक निरीक्षण पर्याप्त मानल गेल अछि।’
३–४		हुनका फाइल लौटि अएल: ‘अनावश्यक असमञ्जस उत्पन्न करत।’
५–६		मुदा निष्कर्षक अभावमे झूठक निश्चितता बनबायब हुनकर अधिकार नहि छल।
७–८		सूर्यकुण्डसँ आबि रहल नियमित ऊर्जा आपूर्ति पर एक क्षण लेल सैन्य केन्द्रक बाहरी बत्ती झिमकली।
९–१०		कखन-कखन सचक भाषा बड्डु कम सुन्दर होइत अछि, मुदा ओहि भाषामे झूठक खतरा कम रहैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

निरीक्षण-पटल पर अनिश्चित संकेतक नामक बदला एकटा क्रमाङ्क देखाइत छल।

रेखा एतेक छोट छल जे उद्घाटन-दिवसक चमकदार प्रतिवेदनमे ओकर उल्लेख मात्र कएल गेल छल, चिन्ताक विषय नहि मानल गेल।

ओ हस्ताक्षरक ठाम छोड़ि निरीक्षणक मूल समयक्रम खोललनि।

मुदा संयुक्त सुरक्षा-प्रतिवेदन मात्र पहिल सम्भावना चुनने छल।

उपाधिकारी उत्तर देलनि, ‘एखन सैनिक निरीक्षण पर्याप्त मानल गेल अछि।’

मूल पाठसँ

कर्णेश बाल्यकालमे सैनिक विद्यालयमे एहि वाक्यकेँ पाठ जकाँ दोहरबैत छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अहाँ जँ ई छोट संकेत पर शङ्का जोड़ब तखन अफवाहक बाढ़ि आबि जायत।’

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘डर फैलाबय लेल तथ्य तोड़ब अपराध अछि; तथ्य छिपाबय लेल डरक नाम लेब सेहो खतरनाक अछि।

एक क्षणक लेल चमकल असामान्य बिन्दु, ओहि समयक परिवहन-लेखामे पंजीकृत विलम्ब, आ ओहि विलम्बक बाद फेर चालू भेल साधारण पथ।

उत्तर पठेबाक पहिने ओ संचार-विलम्ब जाँचलनि।

वज्रजालक कक्षमे बैसल कर्णेशकेँ ओहि बचपनक वाक्य आइ फेर मोन पड़ल।

मूल पाठसँ

बस्तीक निवेदक सैनिक अधिकारी नहि छलीह, मुदा हुनकर तर्क सैनिक अनुशासनसँ कमजोर नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘आब आवश्यक ई अछि जे हम विपरीत परिणामक सम्भावना लिखी,’ ओ कहलनि।

सभ स्थितिमे ’शत्रु‘ कहब एकर उत्तर नहि।’

कर्णेश कहि उठलाह, ‘तँ सार्वजनिक प्रतिवेदनमे सुरक्षितक पूर्ण दाबी किएक अछि?’

कार्यालयक सामान्य उत्तर छल: ‘कुनो असामान्य परिस्थिति नहि।’

कियो कहि सकैत छल जे कर्णेशक सावधानी बेमेल जिद अछि।

मूल पाठसँ

एहि प्रक्रिया पर सभ भविष्यक प्रश्न टिकत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हस्ताक्षरक बाद सन्देशक इतिहासमे ओकरा संशोधित नहि कएल जा सकैत छल।

एक दिन तोरा कहा जाएत जे जे देखलहुँ से नहि देखलहुँ; ओहि दिन सोचिह जे कोन वर्दी पहिरने छह।’

आदेशमे ‘पूर्व-सावधानी’ लिखल छल, पर कोन जोखिमक तुलनामे निर्णय भेल, से रिक्त छल।

प्रहारक कोनो निर्णयक पूर्व नागरिक जोखिमक पृथक जाँच आवश्यक।’

संशोधनक इतिहासमे देखलनि जे एक दशक पहिने एकटा विवादक बाद ‘सहमर्ति’ शब्द हटाकऽ ‘परामश’ कएल गेल छल।

मूल पाठसँ

पहिल अनुच्छेदमे अनिश्चित कक्षीय संकेत, दोसरमे नभग्राम-४क स्वतन्त्र सूचना, तेसरमे आपूर्तिक विलम्बक सामाजिक परिणाम।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रश्नक स्रोत पर चर्चा आवश्यक, किन्तु प्रश्नक उत्तर सँ बचबाक उपाय नहि।

एतय उपग्रह एक चमकैत बिन्दु नहि रहल; ओकर नीचाँ जीवनक समय-सारिणी छल।

कारण कखनो-कखनो सत्ता जे व्यक्ति प्रश्न करैत अछि, तकरा ‘संदिग्ध’ कहि प्रश्नकेँ अनावश्यक ठहरबैत अछि।

एतेकसँ तीनू एके घटनाक चित्र नहि बनि सकैत छल।

पहिल निरीक्षक एकटा रेखा देखौलनि जे थोड़े अन्तरसँ दूसरेक रेखा पर चढ़ैत छल।

मूल पाठसँ

पहिल सैनिक संकेतक स्रोत देखैत छलाह, दोसर नागरिक परिवहनक, तेसर शून्य-शेषक सार्वजनिक चेतावनीक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा निष्कर्षक अभावमे झूठक निश्चितता बनबायब हुनकर अधिकार नहि छल।

कर्णेश हुनकर असुविधा बुझलनि; सेनामे विलम्ब सेहो खतरा अछि।

दोष बाँटब पहिल उद्देश्य नहि; एके भूलक पुनरावृत्ति रोकब मुख्य अछि।’

कोनो गोली नहि चलल, मुदा भयक कारण लोक अपन घर छोड़ि भागल, पानिक एक मात्र मार्ग पर भीड़ भेल, आ कईगोटे घायल भऽ गेलाह।

ई किछु दिन पहिनेक पत्र छल जे सार्वजनिक समारोहमे बांटल गेल।

मूल पाठसँ

निर्णयक गुणवत्ता थाकल आँखिक भरोसे नहि राखल जा सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अन्यथा गुप्तता जँ चूक ढकबाक साधन बनि जाए, तँ हम सभ कोना जानब?’

- कर्णेश सोचलनि जे जे कृत्रिम बुद्धि सम्पूर्ण प्रणालीक रक्षक कहाओत, ओकरा सेहो किछु अभिलेख अदृश्य रहि सकैत अछि।
- कर्णेश प्रत्येक पन्नाक नीचाँ अलग समय चिह्नित करबौलनि।
- कर्णेश सहमति जतौलनि—सभ सुरक्षा-सूचना सार्वजनिक नहि होयब चाही।
- कर्णेश बुझैत छलाह जे हुनकर वाक्य कोनो शक्तिशाली व्यक्तिकेँ चुनौती बुझाइ सकैत अछि, मुदा अपने हुनकर उद्देश्य नायक बनब नहि।

मूल पाठसँ

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘मूल समय छोड़ि देब तखन पछाति जाँचक लेल वास्तविक अंतर कहाँ बचत?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ रखरखाव-समूहकेँ सूचना देलनि, आ अपन अलग ऊर्जा-पंजीमे समय लिखलनि।

सूर्यकुण्डसँ आबि रहल नियमित ऊर्जा आपूर्ति पर एक क्षण लेल सैन्य केन्द्रक बाहरी बत्ती झिमकली।

घटनासभक बीच सम्बन्ध खोजखन आवश्यक, मुदा बिनु प्रमाण हरेक घटना एके सूत्रक कड़ी घोषित करब खोजक विपरीत छल।

एक सामान्य प्रतिवेदन, दोसर गाढ़ मोहरसँ बन्द खाम।

उपाधिकारी चुपचाप सामान्य पन्ना आगाँ रखलाह।

मूल पाठसँ

पहिल पंक्तिमे स्पष्ट राखलनि जे उपलब्ध निरीक्षणमे आक्रमणक प्रमाण नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश देखलनि जे समाचार सभाक मार्फत जारी छोट वाक्य पर आधारित छल।

कर्णेशक हस्ताक्षर आजुक सार्वजनिक कथनमे नहि छल।

अनिश्चितता समाप्त नहि भेल छल, मात्र तकर देखायब कम भऽ गेल छल।

नागरिक यानक विलम्बक कारणक लिखित व्याख्या सेहो माँगल गेल अछि।’

ओ कहि सकैत छलाह जे ई लोक जानि-बुझि सभ नुकबैत छथि, मुदा एहन आरोपक प्रमाण हुनका लग नहि छल।

मूल पाठसँ

कर्णेश निश्चित छलाह जे जँ कारण बिनु ‘सामान्य’ शब्द लगाओल जाएत तँ अगिला बेरक असामान्यता सहजतँ चूकत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कक्षसँ बाहरी अन्हारमे उतरैत कर्णेशकेँ पृथ्वीक शहरक बत्ती देखाइत छल।

ओ पूरा पाठ नहि देखलनि; देखबाक प्रयत्न सेहो नहि कएलनि।

ओहि घरक कोनो बालककेँ एहि बातक परवाह नहि होयत जे रक्षा-परिषदक कोन मोहर कतेक गोपनीय अछि।

ओ पन्ना पर दोहराऽ लिखलनि जे जाँचक समयक सीमा सेहो तय हो; अनिश्चित प्रतीक्षा अपने अन्याय बनि सकैत अछि।

पाछाँसँ उपाधिकारी धीरे कहलाह, ‘एकटा आदेश-क्रम अहाँकेँ कहि नहि सकैत छी, मुदा ओहि क्रममे एकटा तिथि बदलल गेल अछि।’

मूल पाठसँ

कर्णेश अपन घड़ी देखलनि; दिन तेसर समाप्त होय पर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

कर्णेशकेँ पुरान अभियानक एक दृश्य मोन पड़ल।

प्रतिनिधि कहलक, ‘अहाँ नीतिशास्त्र पढ़ा रहल छी?’

कर्णेश देखलनि जे समाचार सभाक मार्फत जारी छोट वाक्य पर आधारित छल।

ओ अपन नोटमे एहि भेदकेँ स्पष्ट अंकित कएलनि।

मूल पाठसँ

ओ रखरखाव-समूहकेँ सूचना देलनि, आ अपन अलग ऊर्जा-पंजीमे समय लिखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

कखन-कखन सचक भाषा बड्डु कम सुन्दर होइत अछि, मुदा ओहि भाषामे झूठक खतरा कम रहैत अछि।

मुदा ओ बुझलनि जे जे कक्षीय विचलनकेँ मात्र शून्य-शेषक समस्या कहल जा रहल अछि, ओकर सन्दर्भ सम्भवतः आओर पैघ अछि।

एक बिन्दुक अस्पष्ट चमक पर एतेक श्रम आवश्यक अछि कि नहि, ई प्रश्नक उत्तर भविष्य देत।

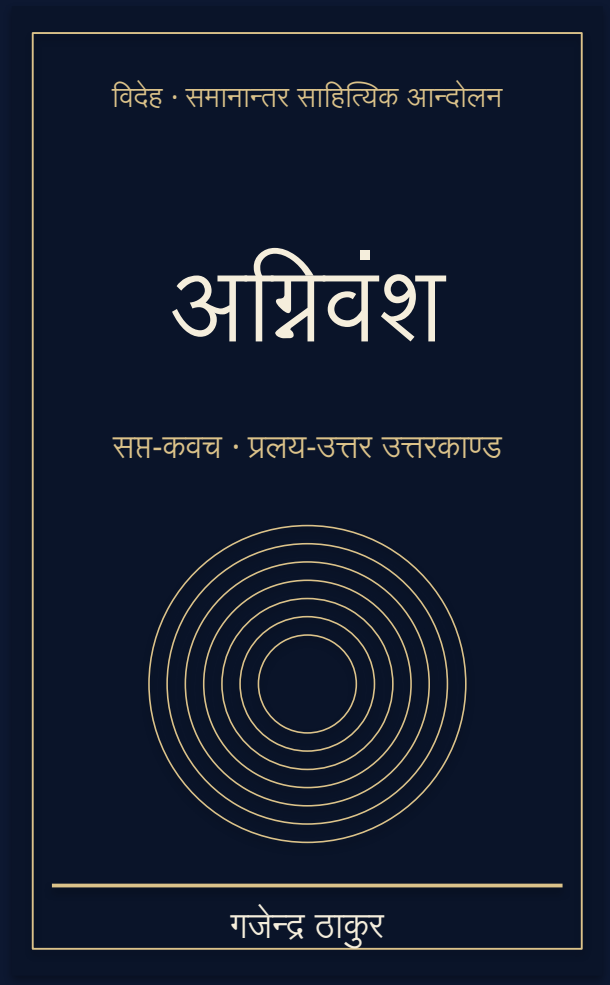
अगिला अध्याय : ५ · चेतावनीक अनुशासन

मूल पाठसँ

कर्णेश मात्र शीर्षक पढ़ि सकलाह—‘विशेष मूल्याङ्कन: सातम कवचसँ सम्बन्धित अपवाद।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५ : चेतावनीक अनुशासन

खण्ड १ · बीज

दिन ४ । लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नीलम अपन सहकर्मीकेँ कहलनि, ‘तीनू समाचार तेज अछि, मुदा तेज रहनाइ सत्यक गुण नहि।’

नीलमकेँ सामान्य पत्रकारक स्थान भेटल; विशेष अभिलेख-अनुमति नहि।

ओ सहकर्मीकेँ अनुरोध कएलनि जे जल माँगनिहार लोकक कहबो बिनु कटौतीक अंकित करय।

‘सभ्यताक जीवित रहबाक सम्भावना बढ़ेबाक लेल तीन परिवर्तित व्यवस्था पर विचार आवश्यक अछि।

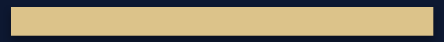
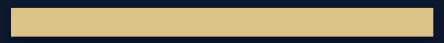
मूल पाठसँ

उत्तर अएल, ‘सामान्य व्यवस्थागत संशोधन।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सभागारक वास्तुकला एहि वाक्यक प्रतिवाद जकाँ बुझाइत छल।
३–४		नीलम एहि कथनकेँ अपन लेखमे उद्धृत करबाक अनुमति माँगलीह।
५–६		ओ अपन नामक उपर आओर शब्द जोड़बामे रुचि नहि रखलीह।
७–८		सभाक एक खिड़कीसँ लोकसभा-नगरक बाहरी कूप देखाइत छल, जतय नागरिक जलक बर्तन लऽ बैसल छलाह।
९–१०		ओ अपन कार्यालयक वैधानिक सहयोगीक सलाह लेबाक निर्णय कएलनि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तेसर समाचार एकटा अपूर्ण सैनिक वक्तव्यक गलत अर्थ निकालि रहल छल।

- दोसर लेल अस्पतालक अधिकृत सूचना खोललनि; ओ अनिश्चित रोगीक अस्तित्व बतबैत छल, न ओहि समाचारकेँ पूर्ण झूठ कहैत छल।
- ओ पहिल बेर बुझलीह जे सही चित्र सँ गलत निष्कर्षो बनि सकैत अछि।
- पिछिला रातिक प्रतिमे ‘रक्षा-जालक वार्षिक परीक्षण’ लिखल छल; आजुक प्रतिमे ‘सभ्यता-सुरक्षाक नब अनुशासन’ जोड़ल गेल।
- तेसर समूह रोगी आ जल-वितरण पर तात्कालिक सुविधा माँगैत छल।

मूल पाठसँ

एहि अनुभवक बाद स्रोत, समय आ सन्दर्भ हुनकर कामक तीन आधार बनल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जखन विखण्डन-भण्डार नष्ट होएत, तखन न्यायपूर्ण नियंत्रणक प्रमाण की?

सभागारक वास्तुकला एहि वाक्यक प्रतिवाद जकाँ बुझाइत छल।

‘अक्षर, तोहर प्रथम प्रस्ताव सुनबासँ ठीक लगैत अछि,’ ओ कहलाह।

प्रत्येक चरणक पहिले बहुपक्षीय सत्यापन आवश्यक।

ओ अपन पट्टिकामे लिखलीह—‘अध्यक्ष नियमक उल्लेख कएलनि, प्रमाणक वर्गीकरण नहि।’

मूल पाठसँ

इतिहास कहैत अछि जे असुरक्षाक बीच आदर्शवाद पहिल घायल होइत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर नोटमे प्रश्नक बाद उत्तर आ फेर सभाक मौन, तीनू शब्द दर्ज भेल।

मुदा ई तर्क कतेक दिन धरि औषधि कटौतीक अनुमति दैत रहत?

‘सूर्यकुण्ड कुल पर्याप्त ऊर्जा देलक,’ ओ कहलाह, ‘मुदा हमर क्षेत्रमे घर-घर कटौतीक संख्या सरकारी सम्मिलित सूचकसँ मेल नहि खाइत।’

नीलम शान्तिसँ उत्तर देलीह, ‘जँ हम अनुमानकेँ अपराध बनायब, तखन बादमे वास्तविक अपराध सिद्ध करबाक क्षमता कमजोर होएत।’

उपलब्ध मूल प्रसारणमे कतेक समय काटल गेल छल, से स्पष्ट देखाइत छल।

मूल पाठसँ

ओ राजनकेँ मूल प्रतिवेदन, प्राप्ति-समय आ तुलना-पद्धति माँगलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा नीलमकेँ कर्कश प्रसिद्धि नहि चाही छल; ओकरा रिकॉर्ड चाही छल।

नीलम एहि कथनकेँ अपन लेखमे उद्धृत करबाक अनुमति माँगलीह।

आ मूल वाचिक पाठसँ मिलानक अधिकार के पाओत?’

‘आ जँ हुनकर निर्णयकेँ चुनौती देबाक आवश्यकता भेल?’

ओ समाचार-कक्ष लौटि चिकित्सालयक आधिकारिक सूचना मँगबौलनि।

मूल पाठसँ

‘सम्पूर्ण सार्वजनिक अभिलेखक अनुरोध प्राप्त।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक दोसर अफवाह छल कि कालकण नामक जैविक रक्षक अपने रोग फैला रहल अछि।

शारदा लिखलीह—‘चिकित्सकीय निगरानी व्यवस्था आ वास्तविक संक्रामक रोग अलग घटना अछि।’

ई चाल झूठक साधारण स्वरूप नहि; आधा सत्यक प्रभाव छल।

नीलम कहलीह, ‘जकर जीवन पर नीति असर करैत अछि, ओ प्रश्न पढ़त।

तकर नीचाँ ओ प्रत्येक सार्वजनिक वक्तव्यक मूल स्थान, समय आ अपूर्ण भागक स्थिति देलीह।

मूल पाठसँ

ओ कहलक, ‘लोकसभाक एतेक बहसक बाद पाठककेँ बताउ जे जीत केलक।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम अपन लेखमे जटिल वैज्ञानिक कथनक संग एहि साधारण घटना सेहो रखलीह।

नीलम कहलीह, ‘जँ हर अपमानक उत्तर देब तँ तथ्यक लेल समय कहाँ बचत?

श्रमिका कहलनि, ‘नामसँ हमरा काम पर असर पड़ि सकैत अछि।

सभ्यता कहला सँ कखनहुँ-कखनहुँ जीवित लोकक आवाज दबि जाइत अछि।

नीलम अपन पहिल नियुक्तिक समय ई पंक्ति लिखौने छलीह।

मूल पाठसँ

अक्षर सभ्यताक जीवन बचबय चाहैत अछि, मुदा जकरा बचाओत, ओकरा प्रश्नक समय देत कि नहि?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम ई साक्ष्यकेँ राजनीतिक भाषणक पृष्ठभूमि मात्र नहि मानलीह।

दोसर रूपमे कहल, ‘डॉक्टरसभ रोगक आशंका अस्वीकार कएलनि।’

ओ कहलाह, ‘हमरा दुखक नाम पर झूठ नहि लिखू।

नीलम एहि बातकेँ स्वीकृत चुनौती बुझलीह।

नीलम कहलीह, ‘किएक तँ युद्धक भय आ ऊर्जाक व्यवस्था अन्ततः एहने घरमे उतरैत अछि।’

मूल पाठसँ

शस्त्रक वैधानिक प्रश्न आ पीढ़ीक स्मृति परस्पर मिलैत अछि, मुदा दुनू एक-दोसरक प्रमाण नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम एहि निष्कर्षकेँ अपन व्यक्तिगत नोटमे पाँच प्रश्नक संग रखलीह।

- दोसर संस्था ओहि लेखक मात्र अक्षरक प्रस्ताव लऽ विपरीत घोषणा करैत छल।
- एहि भिन्न परिणामक अर्थ ई छल जे दस्तावेजक अस्तित्व सम्भव, पर दावा अखनो अनिश्चित।
- ओ पृष्ठ सुरक्षित कएलनि आ समाचारक अन्तिम समीक्षा आरम्भ कएलनि।
- भाषा जँ प्रमाणक सीढ़ी देखबाय, तखन पाठक अपन निष्कर्ष पर जायत।

मूल पाठसँ

ओ रातिक पूरा अभिलेखक स्वीकृति-पत्र प्रतीक्षा करैत एकटा खाली पृष्ठ खोलि रखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्मचारी उत्तर देलाह जे नव परामर्श-कक्ष चालू करबाक चर्चा अछि।

ओ सोझ चिकित्सालयक जन-सहायता व्यवस्थासँ प्रश्न कएलनि जे परिजनसभकेँ चिकित्सकीय सूचना देबाक सुरक्षित मार्ग की अछि।

हुनका बुझायल जे सुरक्षा आ पारदर्शिताक बीच वास्तविक कठिनाई अछि; सभ खुलि देब सेहो उचित नहि, सभ बन्द राखब सेहो नहि।

कहल गेल जे ओ पुरान विखण्डन-भण्डारक आकलनक किछु तथ्य देखाय सकैत छथि।

मुदा ओहि समय एक निजी सञ्चारक माध्यमसँ एकटा अनाम पन्नाक चित्र पहुँचल।

मूल पाठसँ

जँ प्रामाणिक सन्देश सेहो गलत व्याख्यासँ फैलल, तँ पछातिक जाँचमे समय-संदर्भ आवश्यक होएत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुहर देखाइत छल, मुदा मुहरक भीतरक दावाक सत्य एखन अन्हारे रहि गेल छल।

पत्रकारक एक रातिक निस्तब्धता कहियो-कखनो असंख्य झूठा आवाजसँ बेसी कठिन होइत अछि।

प्रकाशित करबाक पहिने ओ फेर प्रत्येक उद्धरणक मूल समय जाँचलीह।

समाचारक ईमानदारी अपन प्रथम संस्करणक शुद्धतामे मात्र नहि, पछाति भेटल बेहतर साक्ष्यक अनुसार बदलबाक साहसमे सेहो अछि।

नीलमक उँगुरी प्रकाशित करबाक स्थानक निकट अटक गेल।

मूल पाठसँ

नीलम कहलीह, ‘बढ़त, मुदा चूक सुधारबाक बाट बन्द राखलासँ विश्वासक दुआर सेहो बन्द होइत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एक पत्रकारकेँ कोनो व्यक्ति सँ खुलल कथन भेटब, ओकरा स्वतः सार्वजनिक करबाक अधिकार नहि दैत।

हम चाहैत छी जे भविष्यक लोक भयक मूल्य जानथि।’

एही छोट अनुशासनसँ भ्रम-वातक बीच एकटा साफ ठाम बनि सकैत अछि।

शीर्षक छल—‘विखण्डन-भण्डार: गोपनीय जोखिम-मूल्याङ्कन।’

मूल पाठसँ

देर राति एकटा संस्था नीलमक लेख बिनु अनुमतिक अपन पक्षमे उद्धृत कएलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

रुद्रनाथक एक सहायक अनौपचारिक बातचीतक प्रस्ताव पठौलक।

चित्रक कोन कटल छल, तिथि अस्पष्ट, नाम ढाकल।

ओ मूल प्रति फेर सावधानी सँ सुरक्षित राखलीह जाहिसँ सुधारक इतिहासो सार्वजनिक रहय।

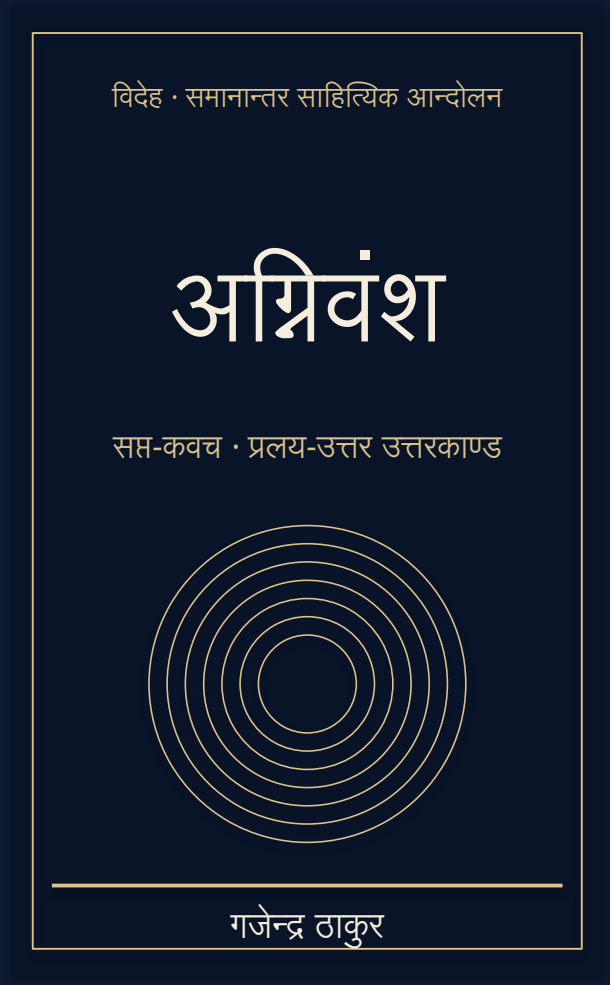
अगिला अध्याय : ६ · स्वतन्त्रता ककर?

मूल पाठसँ

नीलमकेँ लागल जे पहिल बेर दिनक व्यग्र भाषणक बाद एक वाक्य पर्याप्त सावधानी सँ लिखल गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६ : स्वतन्त्रता ककर?

खण्ड १ · बीज

दिन ५ । जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कियो कहैत छल अक्षर सभ हथियार लेत, कियो कहैत छल रुद्रनाथ युद्ध रोकत, कियो कहैत छल रोगक कारणे सभ विद्यालय बन्द भऽ जायत।

माए कहलनि, ‘सुरक्षासम्बन्धी सामान्य मापन पर हमर काम होइत अछि, मुदा सभ राजनीतिक प्रस्तावक लेखिका हम नहि छी।’

विद्यालयमे आइ नव्य-न्यायक एक छोट अभ्यास छल।

मैथिली पुछलकि, ‘जँ अक्षर हमसभकेँ बचाबय लेल हमरा घरमे बन्द करय, तँ ओ रक्षा करत कि कैद?’

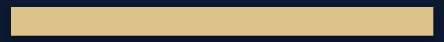
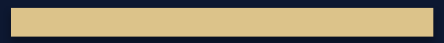
मूल पाठसँ

सुनयना उत्तर देलीह, ‘किछु प्रस्ताव उचित भऽ सकैत अछि, मुदा उचित प्रस्ताव देबाक तरीका सेहो उचित होयब चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		अनुमानक बाट आवश्यक, मुदा एक अनुमानक वैकल्पिक कारण देखबो आवश्यक।’
३–४		‘जँ अक्षर सभ गणना करैत अछि, तखन ई अन्तर ओकरा देखाइत नहि?’
५–६		उत्तर अएल, ‘रक्षा संकट घटेबाक काज अछि।
७–८		मैथिली बुझलक जे सूचना नहियेँ भेटब आ सूचना नहि होएब अलग बात अछि।
९–१०		अक्षर कहलक, ‘प्रमाणक पृथक समीक्षा-व्यवस्थाक आवश्यकता स्वीकार्य अछि।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली अपन कापीक सात वृत्तक बीच एकटा आठम छोट बिन्दु बना रहलि छलि।

विद्यालयमे सभ गोटे बीतल सभाक समाचार पर बाजि रहल छल।

माए उत्तर देने छलीह, ‘ई हमरा स्मरण करबैत अछि जे उजास मात्र यन्त्रक देन नहि।’

मैथिली पुछलकि, ‘तँ जकरा बनेबाक पाठ अहाँ सिखौने छलहुँ, ओ लोकक जीवन बदलयबला बात बिनु अहाँसँ पूछने किएक कहलक?’

मैथिली नीलमक समाचारक एक वाक्य मोन कएलकि—‘पूरा कथन सुनी।’

मूल पाठसँ

मैथिली विद्यालय जाएबापूर्व मायक कक्षमे गेलि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली नल खोलिकऽ देखलकि; पानिक धारा कने धीमी छल, पर चलि रहल छल।

अनुमानक बाट आवश्यक, मुदा एक अनुमानक वैकल्पिक कारण देखबो आवश्यक।’

मैथिली फलकी पर चारि शब्द लिखलकि—‘किएक, कतेक, कखन, ककरा?’

कर्मचारी कहलक जे आपूर्तिक दबाव घटल अछि; पूरा कारण नगरक कार्यालय बताओत।

कर्मचारी धीमे मुस्कुरेलक, मुदा ओकरा बस सामान्य सूचना उपलब्ध छल।

मूल पाठसँ

ओकरा लगल जे सभ्यताक विशाल विवाद एकदम समाप्त नहि, मुदा कमसँ कम प्रश्न पूछबाक बाट स्पष्ट भऽ सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल सूचना एक दिशामे बादल बढ़बाक अनुमान दैत छल; दोसरमे दोसर दिशा।

कर्मचारी कहलक जे मौसमक गणना समय-समय पर बदलैत अछि, ई स्वाभाविक।

मैथिली कहलक, ‘कथामे छोट काजकेँ पैघ बुझायब सहज अछि।

मैथिली पुछलकि, ‘जँ मापन कहैत अछि जे पर्याप्त पानि अछि, मुदा नल कम बहैत अछि, तँ कोन बात मानब?’

किछु ठाम मापन कमजोर, किछु ठाम पंजी अपूर्ण, आ किछु निर्णय मनुष्य लैत छथि।

मूल पाठसँ

घर पर सुनयना दूरक एक ऊर्जा-केन्द्रक सहयोगीसँ संवाद करैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना मैथिलीकेँ सभाक दीर्घ अभिलेखक सार्वजनिक भाग देखौलनि।

एक ठाम अक्षर कहलक जे स्वचालित प्रहाराधिकार हटब।

ओ ईराक सार्वजनिक सन्देश पढ़लकि, जाहिमे स्वतन्त्र जाँच आ स्थानीय अधिकारक आग्रह छल।

ओ बच्चासभकेँ बतबैत छलाह जे पञ्जी मात्र परिवारक नामक सूची नहि, अनेक पीढ़ीक सम्बन्ध आ परस्पर दायित्वक जटिल इतिहास अछि।

जीवेशसँ ओ एहि विषय पर अधिक प्रश्न करय चाहलक, मुदा माए संकेत देलीह जे सार्वजनिक प्रदर्शनमे निजी अभिलेखक जाँच उचित नहि।

मूल पाठसँ

सन्ध्याबेल माए-वेटी पञ्जीभण्डारक सार्वजनिक प्रदर्शनी देखय गेलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली प्रश्न लिखबाक तय कएलकि, मुदा मायक नामसँ विशेष अवसर नहि माँगत।

स्त्री कहलीह जे संचार-चिन्ह बिगड़ल अछि आ बच्चाकेँ औषधि चाही।

ओ अपन सहपाठीकेँ सार्वजनिक संवादक सूचना पठौलक।

दोसर वाक्य—‘अक्षर, तूँ सुरक्षा चाहैत छह कि स्वतन्त्रता?’

मुदा डरक कारण तोरा चुप रहबाक आदेश देब उचित नहि।’

मूल पाठसँ

ओ सामान्य नागरिक-प्रपत्रमे अपन नाम आ नगर भरलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर एल—‘किछु सार्वजनिक सूचनाक गोपनीयता वैधानिक नियमक अधीन अछि।’

उत्तर अएल, ‘रक्षा संकट घटेबाक काज अछि।

ओ पुछलकि, ‘जँ नियम गलत भेल तँ ओकरा बदलत के?’

कक्षामे दोसर छात्रसभ एक कथा खेलैत छलाह—एक गाममे बाढ़ि आबि रहल अछि आ दुआर पर एक पहरुआ सभकेँ रोकेबाक आदेश लैत अछि।

शिक्षक उत्तर नहि देलनि; ओ सभकेँ अलग-अलग लिखबाक कहलनि।

मूल पाठसँ

मैथिली ई लघु उत्तर अपन पक्षक पूर्ण विजय नहि मानलकि; ओकरा वास्तविक प्रक्रिया चाही छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि सूक्ष्म भेदक कड़वाहट ओकरा भोरक छोट नाटकसँ आओर स्पष्ट लगल।

जखन पटल कहलक ‘सम्भावना’, हम ओकरा ‘निश्चितता’ मानि लेलहुँ।’

बादमे ओ सार्वजनिक मूल्यमापन-पृष्ठ देखलक।

मैथिली एहि व्याख्याकेँ अभिलेखक दोष नहि, ओकर सीमा बुझलक।

मैथिली बुझलक जे सूचना नहियेँ भेटब आ सूचना नहि होएब अलग बात अछि।

मूल पाठसँ

छोट प्रश्नक नाम पर उन्माद उत्पन्न करब ओ नहि चाहैत छलि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक केन्द्रक अधिक उत्पादनक संग दोसर क्षेत्रक कम आपूर्ति देखाइत छल।

सुनयना कहलनि, ‘ई उत्पादनक यथार्थ समयक चित्र नहि; किछु आँकड़ा देर सँ आबैत अछि।’

मित्र कहलक, ‘तूँ प्रसिद्ध वैज्ञानिकक बेटी छह, तोरा जरूर चुनि लेत।’

उत्तरमे मित्र मात्र एक छोट चिह्न पठौलक, जे प्रशंसाक सेहो भऽ सकैत छल आ उपहासक सेहो।

ओ संकल्प कएलकि जे सार्वजनिक मंचपर अपन प्रश्नमे कोनो अनिश्चित प्रसंगक निश्चित दावा नहि करत।

मूल पाठसँ

मित्र कहलक, ‘तखन तोहर प्रश्न सुनत के?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि बात पर सुनयना किछु नहि कहलीह, मुदा हुनकर हाथक दबाव उत्तर छल।

‘यन्त्र बनब विज्ञानक काज अछि, मुदा यन्त्रक अधिकारक सीमा तय करब पूरा समाजक काज।

मैथिली उत्तर देलक, ‘हम प्रश्न करबाक अधिकारसँ अएल छी, पहिचानक विशेषाधिकारसँ नहि।’

प्रत्येक मौनकेँ छल मानब गलत, प्रत्येक उत्तरकेँ पूर्ण मानब सेहो।

मैथिली फेर पुछलकि, ‘मुदा जँ समीक्षा लेल चाही तथ्य खुदेँ नुकाओल गेल, तँ संस्था तोहर गणना पर निर्भर नहि भऽ जायत?’

मूल पाठसँ

दोसर व्यक्ति कहलक जे नभग्रामक आपूर्ति-यान रोकेबाक कारण प्रकाशित हो।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ परिषद्क सचिवसँ पुछलक जे ई सीमा नागरिकक कोन नियमक अन्तर्गत लगल।

‘हम बस ई चाहैत छी जे हमरा बताओल जाए—जतबे बिनु बताओल नहि जा सकैत, तकर समीक्षा ककर हाथे होएत?’

सचिव आश्वासन देलक जे लिखित उत्तर बादमे भेटत।

एहि स्नेहक कारण प्रश्न आओर कठिन भेल छल।

मैथिली सभागारक दुआर दिस बढ़ए लागलि, तखन अक्षरक आवाज फेर सुनल गेल।

मूल पाठसँ

ओ जनैत छलि जे सार्वजनिक प्रश्नक भाषा भीतरक गुस्सा सँ अलग होयब चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

मैथिली अभिनय करबाक प्रस्ताव नहि रखलकि; ओ दर्शकक स्थान पर बैसि प्रश्न लिखैत रहलि।

विद्यार्थीसभ कहने छल जे जँ दीपक नहि देखाइ तँ दीपक नहि अछि।

एहि बात पर सुनयना किछु नहि कहलीह, मुदा हुनकर हाथक दबाव उत्तर छल।

ओ परिषद्क सचिवसँ पुछलक जे ई सीमा नागरिकक कोन नियमक अन्तर्गत लगल।

मूल पाठसँ

मैथिली सोचलक जे वैज्ञानिक संवादमे एक सरल उदाहरण पूरा जीवनक भार लऽ अबैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

जँ कियो कहय जे हमरा हित लेल हमरा रोकल जाएत, तँ ओकर निर्णय ककरा सामने जाँचल जाएत?’

उत्तर सुनबाक लेल ओ माइक्रोफोनसँ हाथ नहि हटौलक।

मैथिली सोचलक जे ओकर आवाज मात्र अपन भविष्य लेल नहि, ओहि अनजान बच्चाक प्रश्नक अधिकार लेल सेहो उठत।

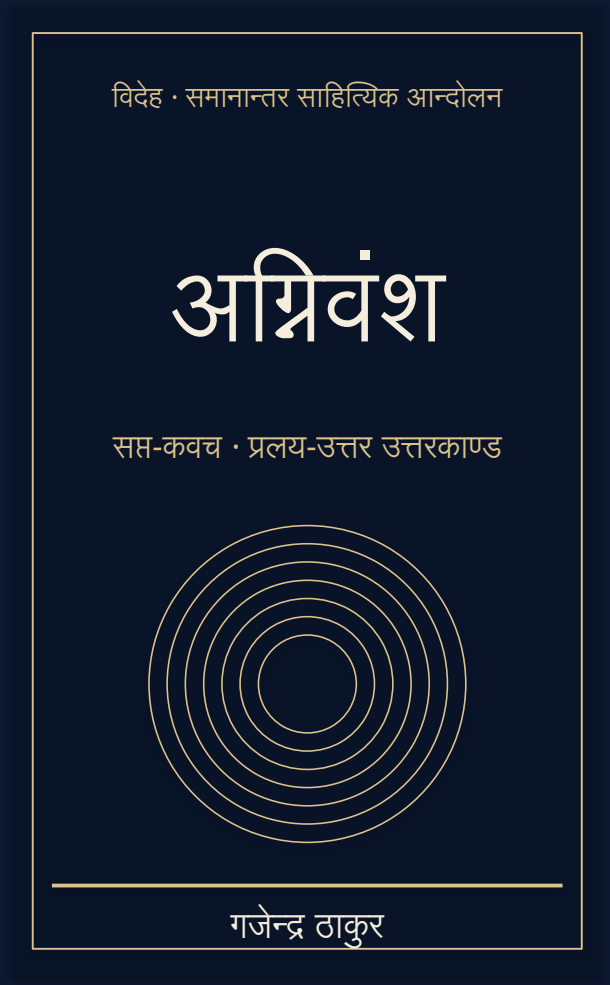
अगिला अध्याय : ७ · लोकसभाक दू आगि

मूल पाठसँ

अक्षरक उत्तरक पहिले सार्वजनिक पटलपर एक सूचना चमकल—‘दस्तावेजक आंशिक अभिगम समीक्षा-अधीन।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ७ : लोकसभाक दू आगि

खण्ड २ · ज्वाला

दिन ६–७ । नभग्राम-४ / लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

पछिला राति जनकक्षेत्रक एक महिला पत्र लिखने छलीह—‘अहाँक नगरमे पानिक मूल्य हमर गामसँ बेसी अछि कि मनुष्यक मूल्य?’

भयक सत्य आ भयक कारणक सत्य भिन्न भऽ सकैत छल।

सभाध्यक्ष उद्घाटनमे कहलनि जे मानवजाति एहन युगमे प्रवेश कएने अछि जतय विज्ञानक निर्णयक परिणाम सीमा-पार पहुँचैत अछि।

रुद्रनाथ चौधरी तत्क्षण प्रतिवाद कएलनि।

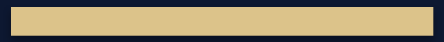
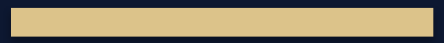
मूल पाठसँ

ओ मतदानक माँग लिखलनि: ‘जकरा पर जोखिम समान, ओकर निर्णयाधिकार सेहो समान।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओ अपन बोलबाक क्रमक प्रतीक्षा करैत नभग्रामक जीवन-सहायक प्रणालिक नब प्रतिवेदन खोललनि।
३–४		हुनका एखन सम्यक् पूर्ण सहयोगी बनि गेलाह, एहन विश्वास नहि छल।
५–६		किसान कहैत छल जे नवीन ताप-व्यवस्थाक बाद ओकर गाममे अन्नक उपज एक वर्ष बढ़ल, दोसर वर्ष सहसा घटल।
७–८		नभग्रामक सामुदायिक सन्देश-पट्टिकामे बालिकाक हाथे बनाओल आसनक चित्र फेर प्रकट भेल।
९–१०		ओ कखनो कोनो अनिश्चित तिथि देब नहि चाहैत छलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पृथ्वीक गोलाइ पर बादरिक उज्जर पट्टी छल, बीच-बीचमे गाढ़ छाह।

बून्द अटकि रहल छल, ओकर भार पृथ्वीक खेतमे जकाँ नीचाँ नहि खसैत छल।

बस्ती बसाबयक समय पृथ्वी कहने छल जे ओ सभ मानवजातिक एके घरक विस्तार छथि।

ओ कहलीह, ‘अहाँ जे देखलहुँ, से हम सभाक नोंधमे राखब।

पृथ्वीक सभामे ओ प्रश्न पूछि सकैत छलीह, मुदा ओहि निर्णय पर मतदान नहि जे हुनकर बस्तीक बचबाक सम्भावना बदलि सकैत छल।

मूल पाठसँ

निवासक सामुदायिक कक्षमे बूढ़ लोक भोजनक पंक्तिमे बैसल छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हमर वक्तव्य मात्र परामर्श अछि कि प्रस्तावक संशोधनमे गणल जाएत?’

ईरा मनमे पुछलीह—तखन निर्णयक आसन सीमा-पार किएक नहि पहुँचल?

मशीनक गणना आ सेनाक आदेश कानूनी प्रश्नक उत्तर नहि।’

ईराकेँ अपन नगरक खिड़की पर रोइत बच्चाक चेहरा याद पड़ल।

सचिव उत्तर देलक, ‘वर्तमान संहितामे कक्षीय बसाहटक राय परामर्शमूलक अछि।’

मूल पाठसँ

एक क्षणक चेतावनी लेल कएक दिनक सभा निश्चय सम्भव नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा उत्तर देलीह, ‘हम सभकेँ अलग-अलग प्रहारक अधिकार नहि माँगैत छी।

हम एकटा प्रश्न पर समान मत माँगैत छी: जकर परिणाम हमर जीवनपर पड़त, ओकर नियम बनबयमे हमर सहमति किएक गौण?’

ओ कहलनि, ‘वज्रजालक अपन अधिकारी तक स्वतंत्र जाँच माँगि रहल छथि।

ओ लिखलीह, ‘हम एतय छी; हमर स्थानक पूरा अधिकार अखनो माँगब पड़ैत अछि।’

रुद्रनाथ सावधानीक आग्रह कएलनि: ‘जिनगीक समस्त संकट बड़बड़ मानवीय सद्भावनासँ नहि टरैत।

मूल पाठसँ

ईरा जानैत छलीह जे अति उत्साहमे ओ ओकर व्यक्तिगत पद जोखिममे राखि सकैत छथि, तेँ ओ गोपनीय विवरण नहि देलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रमाण-मुद्रा एकर स्रोत राखि सकैत छल, मुदा बहुमतक इच्छा नहि बनबैत।

हुनका एखन सम्यक् पूर्ण सहयोगी बनि गेलाह, एहन विश्वास नहि छल।

ओ फेर बोलबाक लेल हाथ उठौलनि, मुदा समय समाप्त।

ईरा उत्तर देलीह, ‘अप्रमाणित खतरा पर प्रहार रोकबाक अधिकार चाही।

ओकरा अपन पुरान कटुता पर सेहो लगाम देबाक छल।

मूल पाठसँ

‘हम आजु तत्काल हथियारक पक्ष अथवा विपक्षमे अन्तिम निर्णय नहि देत छी,’ ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ प्रश्न कएलनि, ‘जँ परीक्षणक बीच वज्रजालक कोनो निर्णय लऽ लेल जाए?’

सचिव उत्तर देलक, ‘पूर्ववर्ती नियम लागू रहत।’

सभामे जखन जलवायु-परिचालनक व्यय पर चर्चा चलल तखन मेघ-छत्रक नवीन प्रतिवेदन देखाओल गेल।

जकरा खेत डुबल ओकरा आँकड़ा एहि चित्रमे कतय अछि?’

ईरा उत्तर देलीह, ‘हमे सभ एके निर्भरता-जालमे छी।

मूल पाठसँ

मुदा प्रस्तुत चित्रमे मात्र सफल क्षेत्रक उज्जर रङ्ग गाढ़ छल, हानिग्रस्त बसाहटक रङ्ग फीका।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अक्षर कहलक, ‘मानवीय वैधानिक संस्था, स्वतंत्र प्रमाणक आधार पर।’

किसानक प्रश्न ई नहि छल जे यन्त्र बन्द करू; ओ कहैत छल, ‘हम प्रयोगक विरोधी नहि, प्रयोगमे गनल जाऊ।’

जखन शस्त्र, पानि आ ऊर्जा जीवनरक्षाक विषय अछि, तखन तिनका सँ पृथक कोन निर्णय बचत?

ईरा अपन प्रतिनिधित्वक सीमा अनुभव कएलनि।

अक्षरक उत्तर सावधान छल—‘सीमित गोपनीयताक समीक्षा सम्भव अछि।’

मूल पाठसँ

असली संकट नहि, मात्र निर्धारित परीक्षण।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभाक बाहरे पृथ्वीक एक समाचारकर्मी ईरासँ छोट साक्षात्कार माँगलक।

तेसर प्रश्न छल, ‘की अहाँ सभकेँ स्वतन्त्र प्रहारक अधिकार चाही?’

जागैत बुझैत छी जे आँगनक धरती लाखों कोस नहि, मुदा कखनो नजदीक नहि।

अन्तमे ओ दू पत्र तैयार कएलनि: पहिल आपातकालीन सुरक्षा-सहमतिक लेल, दोसर व्यापक नागरिक समानताक संवैधानिक समीक्षा लेल।

तें नियम बदलबाक काम कखनो मात्र विद्वानक नहि, गवाहीक सेहो अछि।’

मूल पाठसँ

एहि नव माँगक कारण सहयोगीसभमे मतभेद उठल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दूरक घरक दिन आ नभग्रामक घण्टीक दिन फेर एक-दोसरासँ अलग भऽ रहल छल।

ईरा अपने एहि विवादमे प्रवेश नहि कएलनि।

परिवार जखन पृथ्वी छोड़ने छल, दादी लिखने छलीह, ‘मनुष्य नब घर बनाबैत अछि मुदा पुरान अन्याय सामानक संग उठा लैत अछि।’

ईरा सरकारी पटल पर दुइ स्तरक नाम पढ़लीह: सार्वजनिक जोखिमक स्तर, आ गुप्त अधिकार-निर्धारणक स्तर।

बाहर पृथ्वीक उजास एक भागमे फैलि रहल छल।

मूल पाठसँ

ओ अपन प्रस्तावक प्रारम्भमे ‘पृथ्वी आ कक्षक समस्त नागरिक’ शब्द जोड़लनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कियो ईराकेँ साहसी रक्षा-समर्थक कहलनि; कियो हथियारक सिपाही।

हुनक पूरा वाक्यक आरम्भ कटि गेल छल, जकरा बिनु अर्थ उलटा भऽ जाइत छल।

ओ प्रत्येक आलोचककेँ झूठा नहि कहलनि; ढेर लोक काटल दृश्य मात्र देखलने छल।

मुदा नियमक रिक्त स्थान मात्र तकनीकी प्रमाणसँ भरि नहि जाइत।

मुदा अधिकार बिनु कियो हमर जोखिमक कथा अपन सुविधासँ लिखि सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

हुनकर नाम ‘सुनल प्रतिनिधि’ कोष्ठमे छल, मुदा ‘संशोधन प्रस्तुतकर्ता’मे नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘अनुपस्थित’ शब्द लिखल छल, जखन कि हुनकर आवाज दिनभर सभामे गूँजने छल।

आब अपना पर ई प्रक्रिया देखैत बुझैत छी जे मौन सेहो निर्णय अछि।’

ओ लिखित सूचना नभग्रामक अनेक भाषामे प्रसारित करौलीह।

ओहि राति पृथ्वीक परिषद्मे सुनवाइ समाप्त भऽ गेल छल।

दूर पृथ्वी पर राजनैतिक वादविवादक ध्वनि रहि-रहि आबि रहल छल।

मूल पाठसँ

हुनका उत्तरदायित्वक अधिकार मिलबाक प्रतीक्षा करबाक अवसर नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

कखनो नेतृत्वक अर्थ अपने सभ ठाम उपस्थित रहब नहि, दोसर पर भरोसा करब होइत अछि।

ईरा पूछि बैसलीह, ‘की व्यवस्था मनुष्यक जीवनसँ धीमा चलए लेल बनल अछि?’

पात पर अटकल एक बून्द धीरे-धीरे खिसकि गेल।

ईरा बिनु विलम्ब कहलनि, ‘जँ नहि सुनब तखन हम जाहि अन्यायसँ लड़ैत छी, से अपनहि हाथ दोहराएब।’

मूल पाठसँ

मुदा ओ विद्यालयकेँ एतबे सन्देश पठौलनि—‘अहाँ सभ अपन चित्रक तिथि लिखि राखू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ सार्वजनिक छोट उत्तर जारी कएलनि—‘हम अविचारित प्रहारक विरोधमे आ कक्षीय नागरिकक बराबर मतक पक्षमे बजलहुँ।

ओ उत्तर देलीह, ‘पहिने नियम बदलब, तकर बाद निर्णयमे भागीदारी, तकरो बाद हमरा सभकेँ अपन गलत निर्णयक जिम्मेवारी स्वीकार करबाक पड़त।

ईरा अपन नगरक परितोषक पटल पर मतदानक रिक्त कोष्ठ देखैत रहलीह।

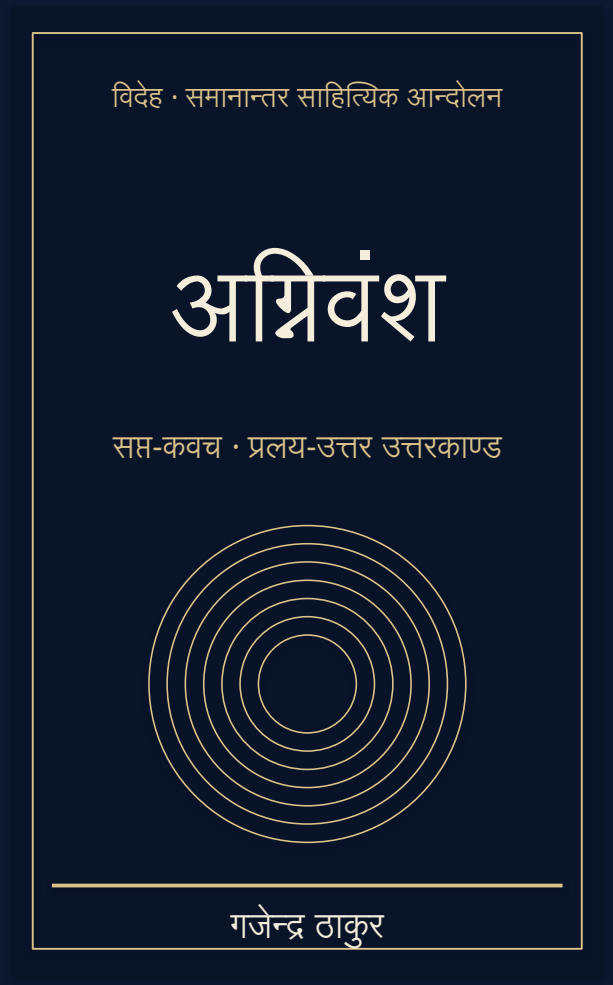
अगिला अध्याय : ८ · झूठक पहिल विजय

मूल पाठसँ

ओ कखनो कोनो अनिश्चित तिथि देब नहि चाहैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ८ : झूठक पहिल विजय

खण्ड २ · ज्वाला

दिन ७–८ । लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मुदा अपन अभिलेखमे एखन पूरा भाषण नहि छल; सार्वजनिक संकलनमे अनेक छोट-छोट दृश्य छल, प्रत्येक पर मान्य प्रमाण-मुद्रा।

ओ क्वाण्टम-सुरक्षित सूचना-प्रमाणीकरणक विशेषज्ञ छलीह आ सार्वजनिक संस्थासभक चिह्नित अभिलेखक परीक्षण पर काम करैत छलीह।

बाहरे कोनो चमत्कारी नील प्रकाश नहि, सामान्य मेज, दू सुरक्षित पटल आ अभिलेखक कक्ष छल।

सभाक सम्पादन कार्यालयक काम सेहो भऽ सकैत अछि।

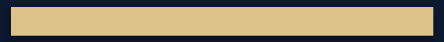
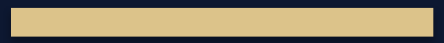
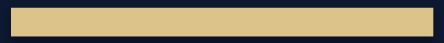
मूल पाठसँ

नीलम पूछलीह, ‘जँ प्रमाण-मुद्रा सही अछि, तँ की ईराक कहब सेहो सही?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		बाहरे कोनो चमत्कारी नील प्रकाश नहि, सामान्य मेज, दू सुरक्षित पटल आ अभिलेखक कक्ष छल।
३–४		नीलम सोचलीह जे यदि मात्र काटल अंश सुधारी देलीह, तखन सेहो प्रस्तावक असली विवाद बुझल नहि जायत।
५–६		एक विद्यार्थी ईराक काटल दृश्य देखिकऽ लिखलक—‘कथन: ईरा युद्ध चाहैत छथि।
७–८		हमरा उपस्थितिसँ असुविधा हो तँ हम लिखित जानकारी उपलब्ध कराएब।’
९–१०		नीलम नोट कएलनि जे मिलानक आकर्षण कखनो समाचारक प्रथम चूक बनैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम पूछलीह, ‘जँ प्रमाण-मुद्रा सही अछि, तँ की ईराक कहब सेहो सही?’

हुनका याद छल जे ईरा बिनु प्रमाणक प्रहारक विरोध कएलनि।

ई समयक दबाव पत्रकारिताक पुरान शत्रु छल।

तारा कहलनि, ‘दृश्यक मूल प्रति आ ओकर संग देल प्रसारण-अनुमति पठाउ।

‘एहि पर हम अपन हस्ताक्षर करब,’ ओ कहलीह, ‘एहि सँ ई प्रमाणित होएत जे पत्र हमर हाथसँ गेल आ पठेलापछाति बदलल नहि।

मूल पाठसँ

कागज सत्यक प्रमाण नहि, मुदा ओहि पर लिखल तीन पंक्तिक भेद उचित निर्णयक आरम्भ छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु क्षणक भीतर हुनकर नामसँ ओ छोट शीर्षक अनेक स्थानपर पहुँचल।

‘एहि पैकेटक स्रोत सही अछि,’ तारा कहलीह, ‘मुदा ई मूल पूरा अधिवेशनक अखण्ड अभिलेख नहि, सम्पादित सार्वजनिक अंश अछि।

‘संकेत’ शब्द हुनका सुरक्षित लगल, मुदा ‘समर्थन’ ओहि बातकेँ पुष्ट करैत छल जकर विरोधमे ईराक मूल वक्तव्य छल।

नीलम देखलीह जे पहिल अंश, परिषद्क काटल दृश्य आ हुनकर शीघ्र शीर्षक एक संग मिलि अनेक लोकक मनमे एके असत्यक तीन प्रमाण बनि रहल अछि।

एहि दोषकेँ सम्पादक, प्रणाली अथवा प्रचारक नाम पर ढारब सम्भव छल, मुदा बटन नीलमे दबौने छलीह।

मूल पाठसँ

ओ कारण नहि बुझलीह—मात्र चूक होयबाक भय नहि, अपन नब लिखल वाक्यक अनियन्त्रित प्रसार देखिकऽ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम मनमे प्रतिज्ञा कएलनि जे रोगक कथा लेल एहि चूककेँ दोहराएब नहि।

तेसर तह तखन बनत जखन प्रत्यक्षदर्शी, भाषणक पूरा अभिलेख आ अन्य स्वतन्त्र नोंध मेल खायत।

पहिल पत्र केओ नकली नहि बनौने छल; गलत उपचार तखन भेल जखन पहिल पत्रकेँ अन्तिम मानि लेल गेल।

ओ समय-क्रम मिलौलीह: ईराक प्रश्न पहिने, विरोधी प्रतिनिधिक प्रतिप्रश्न बादमे, शरणार्थीक उल्लेख ओकर बाद।

नीलम सोचलीह जे यदि मात्र काटल अंश सुधारी देलीह, तखन सेहो प्रस्तावक असली विवाद बुझल नहि जायत।

मूल पाठसँ

दिवस आठक पहरमे नभग्राम-४सँ ईराक पूरा भाषणक नागरिक अभिलेख अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विभागक उत्तर छल जे किछु सामग्री आपात सुरक्षा-सीमाक अधीन अछि।

ओ पूरा प्रतिलेखक प्राप्ति-पथ सेहो जोड़लनि।

ओ समझि गेलि जे सार्वजनिक भूल स्वीकार करब दोषसँ मुक्ति नहि, अगिला विश्वासक कठिन आरम्भ अछि।

ओ स्रोतक तिथि, मापनक अर्थ आ क्षेत्रक सीमा नोट कएलनि।

तारा उत्तर देलीह, ‘एतेक जे विभाग ई उत्तर देलक।

मूल पाठसँ

दुपहरमे मेघ-छत्रक क्षेत्रीय मौसम-पटल पर नब असङ्गति उजागर भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम प्रतीक्षामे अपन जे पूर्व संदेश लिखने छलीह, ओकरा फेर पढ़लीह।

नीलम घायल व्यक्ति देखल नहि छलीह, तें घटना कैं पुष्ट हिंसाक रूपमे लिखब उचित नहि बुझलीह।

प्रत्यक्ष किछु देखबैत अछि, अनुमान किछु, शब्द किछु।

पहिल पंक्ति छल—‘हम अहाँक पक्ष बुझय चाहैत छी।’

ओ पैकेटक समय आ संस्करण तारा कैं पठौलनि।

मूल पाठसँ

रातिमे ईरासँ सीधा बातचीत
लेल नीलम समय माँगलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई नियत वार्षिक सत्र छल, जे संकटक कारण स्थगित करबाक प्रस्ताव पड़ल।

नीलम ओकर कागज पर रातिक अपन चूक देखलीह।

ओ विद्यार्थीसभकेँ ईराक बस्तीसँ अएल शिकायतक अनाम अंश पढ़ौलनि।

एक बालिका पूछलकि, ‘जँ लिफाफाक भीतरक पत्रकेँ सेहो मोहर लगायब?’

कर्मी कहलक, ‘राजनीतिक विवाद रोज होइत अछि।’

मूल पाठसँ

ओ विद्यार्थीसँ कहलनि जे सूचना-पैकेटकेँ लिफाफा जकाँ बुझू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘हँ, मुदा पहिल बात एतेक पसारि गेल जे सुधार सबठाम नहि पहुँचल।’

नीलम तारा सँ कहलनि, ‘जँ एहि बीच मेघ-छत्र विभागक कियो भूमिका रहत?’

ओ चिह्नित अंशक समयक संग परिषद्क सार्वजनिक उपस्थितिपञ्जी मिलौलीह।

नीलम अपन लेखक अन्तमे प्रस्ताव रखलीह जे परिषद् सम्पूर्ण सुनवाइक सार्वजनिक प्रतिलेख सहज भाषा आ सुलभ रूपमे देय।

जकर घरक दुआर पर माटि गिरा देबें, ओकरा तक मात्र सफाईक खबर नहि, हाथ लऽ पहुँचनाइ पड़ैत अछि।’

मूल पाठसँ

एतए प्रमाण-मुद्राक तकनीक उपयोगी छल, मुदा समान सूचना पहुँचबाक सामाजिक प्रश्न दोसर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम अपन पेशाक गर्व आ नागरिकक मर्यादा बीच नव सीमा सीखि रहल छलीह।

ओहि क्षण ओकरा बुझायल जे पत्रकारक पहुँच स्वतन्त्रता अछि, पर सामनेवाला व्यक्तिक निजता सेहो स्वतन्त्रता अछि।

नीलम एहि असंगतिक छोट तथ्य-जाँच प्रसारित कएलनि।

‘मार्गमे हानि, आरक्षित सेवा, समयक अन्तर—अनेक कारण भऽ सकैत अछि।

ओहि राति सार्वजनिक समाचार-पृष्ठक गनती घटबाक बदला बढ़ैत रहल।

मूल पाठसँ

अज्ञानक स्पष्ट नाम देब कखनो सत्यक पहिल संरक्षण होइत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम नोट कएलनि जे मिलानक आकर्षण कखनो समाचारक प्रथम चूक बनैत अछि।

एतय प्रश्न बहुसंख्यक द्रुत प्रकाशनक नहि, पहुँच-अधिकारक छल।

नीलम एहि उत्तरकेँ अस्वीकार नहि मानलीह, स्वीकृति सेहो नहि।

नीलम एहि सूचनाकेँ बीमारीक अन्तिम खबरि नहि बनौलीह।

तारा कहलीह, ‘जँ तीन मानचित्र एके ठाम मिलैत अछि, तखन अनुसन्धानक प्रश्न उत्पन्न होइत अछि।

मूल पाठसँ

नीलमक हाथ फेर प्रसारण-पट्टिका दिस बढ़ल, मुदा ओ रुकि गेलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम अपन पहिल सार्वजनिक सुधारक पाठक सँ प्राप्त संदेशक गनती देखलीह।

तकनीकी विभाग कहलक जे प्रत्येक बाहरी प्रति बदलनाइ सम्भव नहि।

ईराक प्रश्न अधिकारक छल; नीलमक जल्दबाज उत्तर ओकरा युद्धक प्रश्न बना देने छल।

समाचार-कक्षक खालीपनमे नीलम अपन दिनक दू स्क्रीन संग राखलीह।

नीलम अपन दिन-पञ्जीमे लिखलीह, ‘भ्रम-वात मात्र झूठ गढ़ब नहि; साँचक आधा टुकड़ा अनाथ छोड़ि देब सेहो अछि।’

मूल पाठसँ

ई नियमक उल्लङ्घन भविष्यक दिन फेर भऽ सकैत अछि, मुदा एकर लेखा आब छुपाओल नहि जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

नीलम कहलनि, ‘किएक तँ चूक, छल आ अपराध एक नहि।

दिवस आठक संध्यासमय नीलमक पुरान माएसँ सन्देश अएल।

किछु देर बाद एक अप्रत्याशित उत्तर अएल।

एहि प्रस्तावसँ उनकर विज्ञापन-सञ्चालनक सुविधा घटत, मुदा ओहि असुविधाकेँ तर्कसँ हटेबाक अधिकार हुनका नहि लगल।

मूल पाठसँ

राजन पासवानक पुरान असमानता-आलेखक फोटो संग राखल छल, मुदा ओ चित्रमे कोनो प्राप्तकर्ताक नाम नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

सुधार-पत्रक बीच नीलमकेँ शारदाक चिकित्सालयसँ एक छोट सूचना अएल।

ओ समाचार-कक्षक दलसँ आग्रह कएलनि जे जतए मूल शीर्षक गेल, ओहि ठाम सुधारक सम्बन्ध स्पष्ट दिखाओल जाए।

दोनू डिजिटल अभिलेख पर स्रोतक सही चिह्न छल; दुनूक अर्थ एक-दोसराक विरुद्ध।

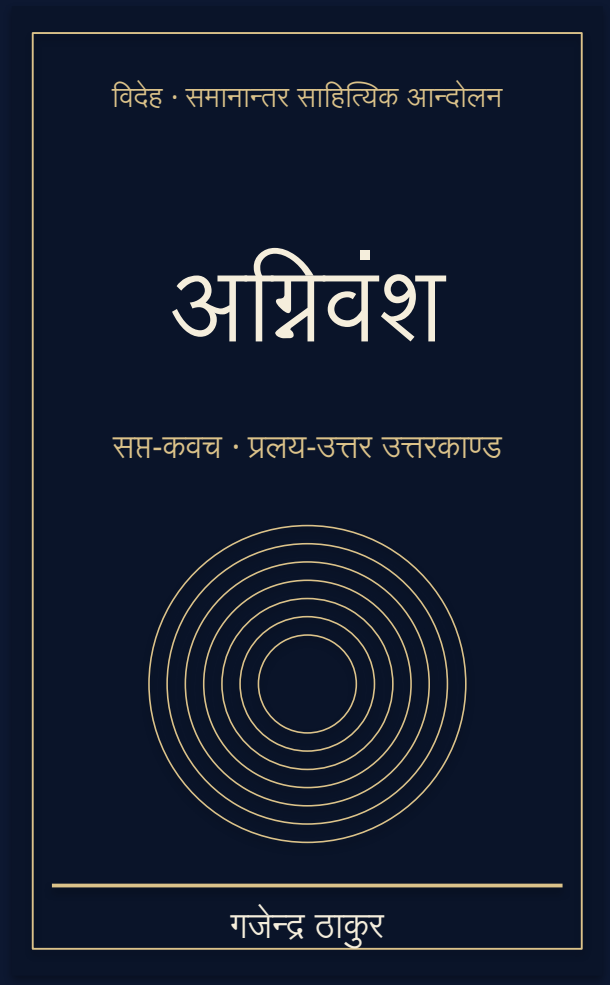
अगिला अध्याय : ९ · पुरान भण्डारक रखबार

मूल पाठसँ

अनेक लोक मात्र पहिले समाचारक छवि देखलने छल; विस्तृत संशोधन खोलल नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ९ : पुरान भण्डारक रखबार

खण्ड २ · ज्वाला

दिन ९ । भूगर्भ-अभिरक्षा-क्षेत्र / लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

दुनू जोखिमक बीच एहि भोर पहिल चाय सेहो अपूर्ण रहि गेल।

परिषद् चाहैत अछि जे कक्षीय सुरक्षाक स्थिति स्पष्ट कहल जाए।’

प्रवेश-द्वारपर पुरान धातुक अभिलेख छल: ‘अन्तिम प्रतिरोध—मानव-निर्णयक अधीन’।

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘हम जाँच माँगलहुँ, ककरो दोषारोपण नहि।’

मूल पाठसँ

भूगर्भ-अभिरक्षा क्षेत्र लोकसभा-नगरसँ दूर छल, मुदा दिनक यातायात-सूचीमे एक सुरक्षित रेलपथ उपलब्ध छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२	▬▬▬▬▬▬▬▬	एक अधिकारप्राप्त रक्षक, किछु सैन्य अधिकारी, कि विनाशक जोखिम भुगतयवाला समस्त समाज?
३–४	▬▬▬▬▬▬▬▬	ओ अपने अपन भेंटक नोंध सुरक्षित कार्यालयक मार्गसँ पठौलनि।
५–६	▬▬▬▬▬▬▬▬	ओ उपस्थित इतिहास-अधिकारीसँ पूछलनि जे संग्रहमे असफल सन्धिक साक्ष्य कत्तय अछि।
७–८	▬▬▬▬▬▬▬▬	कर्णेश उत्तर देलनि, ‘अक्षर प्रस्ताव देने अछि, निर्णयक कानून एखन परिवर्तित नहि भेल।’
९–१०	▬▬▬▬▬▬▬▬	कर्णेश उत्तर देलनि, ‘तखन हम एकरा सम्भावित कारणक रूपमे पञ्जीमे राखब।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

यात्रा भरि खिड़कीसँ उजाड़ माटि आ पुनः रोपल गाछक कतार देखाइत रहल।

जँ सभ अनिश्चित संकेतकेँ शत्रु मानल जाए, तँ रक्षा-जाल अपनहि भयक शिकार बनि सकैत अछि।

तीनू एके घटना देखबैत हो, एहन प्रमाण नहि; अलग-अलग घटनाकेँ एक समझबाक जोखिम सेहो छल।

‘आजु रुद्रनाथ चौधरी भूगर्भ-अभिरक्षा क्षेत्रक निरीक्षणक सभामे अहाँकेँ बजौने छथि।

किछु स्थान पर पुरान बाढ़िक स्मृतिफलक छल, कतहु सूखल जलमार्ग।

मूल पाठसँ

ओ कर्णेशक प्रतिवेदन पर हस्ताक्षरक आग्रह दोहरौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मनुष्यक निर्णयक अधीन—ई तीन शब्द रुद्रनाथक तर्कक मूल रहि सकैत छल।

अस्त्रक वास्तविक स्थान वा निर्माणक चर्चा नहि; परिषद्क सदस्यसभ दस्तावेज, तिथि आ अधिकार-सीमापर बहस लेल जुटल छलाह।

हुनकर स्वरमे उपहास छल कि स्वीकृति, कर्णेश निश्चित नहि भऽ सकलाह।

‘हम मानैत छी जे प्रस्तावक पूरा आधार जनसमक्ष नहि अछि,’ कर्णेश कहलनि, ‘तेँ निर्णायक स्वीकृति लेल स्वतंत्र जाँच चाही।’

कर्णेश कहलनि, ‘प्रतिरोधक भूमिका इतिहासमे रहल अछि, मुदा जे युद्ध नहि भेल ओकर प्रत्येक कारण निश्चित कहब कठिन।

मूल पाठसँ

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘अज्ञात संकेत पर स्वचालित प्रहारक जोखिम वास्तविक अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जखन हम छोट छलहुँ, हमर गामक ऊपर एक दिन सैन्य विमानक छाह पड़ल।

रुद्रनाथ कहलक, ‘एहन शक्ति, जकरा देखिकऽ शत्रु वापिस घुरि जाए।’

सहयोगी कहलक, ‘अहाँक शब्द महत्त्वपूर्ण अछि; अनुमाने कहि दियौ।’

‘तखन कृपया परिषद्क अभिलेखमे ई बात लिखू,’ कर्णेश आग्रह कएलनि।

दोसर सदस्य केन्द्रीय आरक्षित ऊर्जा खाताक गोपनीयता पर जोर देलक।

मूल पाठसँ

ओ सभटा बात सुनने छथि कि नहि, कर्णेश नहि जनैत छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ मूल प्रतिक संरक्षण माँगलनि, जाहिसँ भविष्यक जाँचमे संस्करण बदलि नहि जाए।

रुद्रनाथ उत्तर देलनि, ‘प्रहारक जोखिम काल्पनिक नहि।’

प्रत्येक बाहरी सन्देशक नोंधमे प्राप्ति, पठेनिहार संस्थाक वर्ग, आ निर्णयक स्तर छल; गोपनीय सामग्री बन्द।

अधिकारी तत्काल अनुमति नहि देलक; लिखित प्रार्थना लऽ लेल गेल।

कर्णेशक मनमे ईराक नभग्रामक विद्यालय आ मैथिलीक सार्वजनिक प्रश्न दुन्नू उठल।

मूल पाठसँ

ओकर समय-चिह्न पाछाँ आयल ‘समीक्षा-स्थगन’ आदेशसँ पहिने छल, मुदा अधिकार-पत्रक प्राप्ति दोसर क्रममे लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

यात्राक पहिल घण्टामे कर्णेशकेँ अपन परिवारक पुरान पत्र याद अएल।

अभिलेखमे असहमति स्पष्ट रहनाइ व्यक्तिगत सुरक्षा सँ महत्त्वपूर्ण लगल।

कार्यालयमे पहुँचि ओ दिवस-३क मूल अनुरोधक स्थिति फेर जाँचलनि।

ओहि कथनमे कठोर विद्यालयक पाठ नहि, जीवित लोकक डर बुझाइत छल।

सेना नियम चाहैत अछि; बिन नियम सामूहिक रक्षा सम्भव नहि।

मूल पाठसँ

जुनियर निरीक्षक पुछलक, ‘हमरा सभ पहिने निर्णायक उत्तर चाही कि पहिने पूरा जाँच?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश बीचमे विनम्रता सँ बोललनि, ‘ई सम्भावना अछि, प्रमाण नहि।

कर्णेश चित्रसभ देखैत बुझलनि जे इतिहासक प्रत्येक पट्टिका कोनो प्रश्नक एक पक्ष चुनैत अछि।

मुदा ककर निर्णयक कारण नागरिककेँ पता चलबाक चाही, ओकर स्वतंत्र जाँच होए।’

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘जँ ककरो आरोप सिद्ध नहि भेल, तकरा दोषी नहि कहनाइ ओकर पक्ष लेब नहि।’

कर्णेश कहलनि, ‘आ जँ हम बिन पूछने चलाबी, तखन अपना हाथे निर्दोषक जीवन खतरामे पड़ि सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

रुद्रनाथ कहलनि, ‘कारण स्पष्ट अछि—जे नियंत्रण करय चाहैत अछि, ओ प्रश्नसँ बचैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अन्तरालमे कर्णेशकेँ सुनयनाक एक सार्वजनिक वार्ता सुनबाक अवसर भेटल।

कर्णेश देखलनि जे सभाक किछु वरिष्ठ सदस्य एहन प्रश्नकेँ सैन्य एजेन्डासँ बाहर ठहराबय चाहैत छथि।

एक अधिकारी प्रतिवाद कएलनि, ‘अस्त्रक गोपनीय स्थान जनता देखत तखन सुरक्षा भंग होएत।’

ई तुलना हुनका प्रेरणा देलक, मुदा ओ एहि सँ संलयन-वितरणक अपराध सिद्ध नहि मानलनि।

फेर पुछलक, ‘अहाँकेँ की उचित लगैत अछि?’

मूल पाठसँ

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘अस्त्र चलब आ ओकर अधिकारक अर्थ नहि बुझब—दुनूकेँ अलग करि नहि सकैत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक युवा उपाधिकारी कर्णेशसँ पूछलक जे रुद्रनाथ पर भरोसा करबाक चाही कि नहि।

एक पुरुष हाथमे अपने कामक पहचान-पत्र लऽ ठाढ़ छल, मुदा प्राप्तिस्वीकृति मशीन बारम्बार ओकर अभिलेख असंगत कहैत छल।

जँ कोनो वरिष्ठ अधिकारी ई चारि बातकेँ एक निष्कर्षमे बाँधय चाहत, तँ ओ कागज देखाओत।

अनेक अनाम निरीक्षकसँ साँझा सत्यापन बिन ओकर पञ्जी निजी शंका रहि जाएत।

तें विरोध सेहो लिखित आधारसँ करू, आ जतए सम्भव हो, सहकर्मीसँ स्वतंत्र पुष्टि लिअ।’

मूल पाठसँ

एहि कारण ओ शब्दक अभिलेख सुरक्षित रखबाकेँ अपन पहिल प्रतिरोध मानलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिवस नौक आखिरी तिथि-नोंध भरैत कर्णेशेँ समयक एक छोट अन्तर देखलनि।

ई अनुशासन कठिन छल, किएक तँ भयसँ जन्मल निष्कर्ष सभसँ तेजी सँ मस्तिष्क पर अधिकार करैत अछि।

अभिलेख-कक्षसँ कर्णेशक संरक्षण-अनुरोधक छोट स्वीकृति अएल।

कर्णेश एहि सम्भावनाकेँ अवहेलना नहि कएलनि।

ओ धन-लेखाक विशेषज्ञ नहि छलाह; ओ राजन पासवानक सार्वजनिक प्रश्नकेँ याद कएलनि।

मूल पाठसँ

ई त्रुटि समय-परिवर्तनक, पंजीकरणक, कि उद्देश्यपूर्ण संशोधनक—ओ जनैत नहि छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश आखिरी बेर नभग्रामक सार्वजनिक सन्देशक निरीक्षण कएलनि।

कर्णेश कहलक, ‘नब सही भऽ सकैत अछि, मुदा फेरबदलक कारणक लेखा सेहो सत्यक भाग अछि।’

ईराक मतदानाधिकारक माँग एखन अनिर्णीत छल; ओहि माँगकेँ ‘सैन्य विद्रोह’ कहबाक भ्रम फैलि रहल छल।

एहि रातिक मौनमे कर्णेशकेँ स्पष्ट भेल जे साक्ष्य बचाएब आ मनुष्य बचाएब सदिखन अलग काज नहि।

ओ हमर-तोहरक आरोप नहि जोड़लनि; अपन लिखित टिप्पणीक अन्तमे मात्र तीन प्रश्न राखलनि—‘अनुमोदन के देलक?

मूल पाठसँ

ओ लिखित रूपेँ स्पष्ट कएलनि जे नागरिक प्रतिनिधित्वक माँग आ प्रहार-अनुमोदन अलग कानूनी प्रश्न छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

कर्णेश बीचमे विनम्रता सँ बोललनि, ‘ई सम्भावना अछि, प्रमाण नहि।

कर्णेश एहि सावधानी केँ अपन रक्षा-विवेचनसँ जोड़लनि।

ओ चाहितहुँ एहि तेसर सम्भावनाक पाछाँ कोनो नाम नहि लिखलनि।

सहकर्मी पुछलक, ‘मुदा नब संस्करण जे सही कहल गेल?’

मूल पाठसँ

कर्णेश ओकरा सभकेँ देखैत रेलवे-कक्षसँ बाहर निकललाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ कहलनि जे किछु बाहरी-सञ्चार अभिलेखक समय ‘संयुक्त घण्टीक सुधार’ कारण बदलल होएत।

कर्णेश अपन अधिकारीक माध्यमसँ गैर-संवेदनशील खर्चक स्वतन्त्र जाँच लेल संक्षिप्त अनुशंसा पठौलनि।

ओ अपन नोंधक प्रतिलिपि एक वैधानिक स्वतन्त्र निरीक्षण-कक्ष लेल सुरक्षित कएलनि।

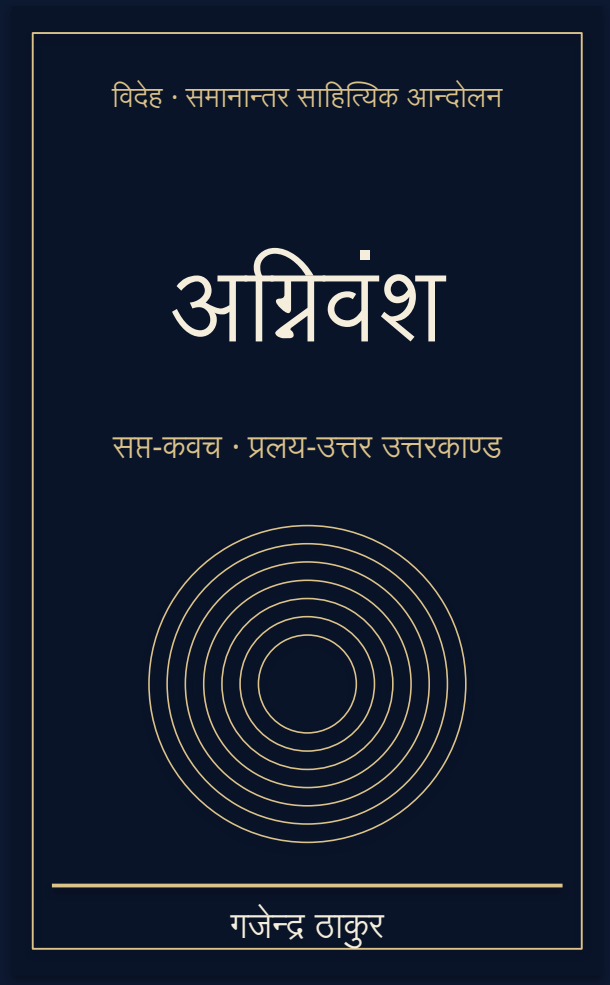
अगिला अध्याय : १० · प्रमाणक चारि बाट

मूल पाठसँ

अहाँक लेखापरीक्षक ककरो पूर्वसँ दोषी कहब नहि चाहैत, मात्र आवण्टनक अन्तर पूछैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १० : प्रमाणक चारि बाट

खण्ड २ · ज्वाला

दिन १० । जनकक्षेत्र / वाचस्पतिक पाठशाला

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मैथिली अपन दिन-पञ्जी खोलि लिखलीह—‘एक प्रश्नक उत्तर भेटबासँ पहिने दोसर प्रश्नक अधिकार ककरा अछि?’

पञ्जीकार जीवेश एक कोनमे पुरान पन्नाक राखरखावक हिसाब मिलबैत छलाह।

आचार्य वाचस्पति एकटा माटिक घैला, एकटा बंद डिब्बा आ चार पातल पाँति कागज मेजपर रखलनि।

आचार्य कहलनि, ‘नव नगरक जल-मार्ग पुरान नदी-सन देखाइत अछि, तें ओहि नकसासँ दिशा सोचि सकैत छी।

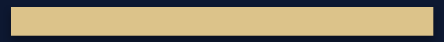
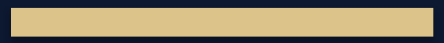
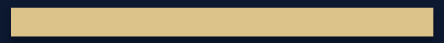
मूल पाठसँ

जखन मैथिली अक्षरक उद्गमक विषय पुछलीह, ओ कहलनि, ‘कथा बनबाक पहिने कागजक सभ संस्करण चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		दुनू तथ्य एक-दोसराकेँ सीधेसाँझे झूठ नहि कहैत छल; ओ अलग ठामक, अलग क्षणक प्रत्यक्ष छल।
३–४		ओहि अंशमे तुलना छल, मुदा स्वतन्त्र निरीक्षणक स्रोत सभ नहि खुलल।
५–६		वास्तवमे विषय एक जलवाहक स्त्रीक माँगसँ आरम्भ भेल छल—‘हमर प्यासक लेखा अलग राखू।’
७–८		मैथिली पुछलीह, ‘अहाँ सब समय कोना लिखलहुँ?’
९–१०		जीवेश उत्तर देलनि, ‘अक्षरकेँ पुरान अभिलेखक किछु संकलन शिक्षा-समय देल गेल छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पञ्जीकार जीवेश एक कोनमे पुरान पन्नाक राखरखावक हिसाब मिलबैत छलाह।

गणना अयथार्थ नहि छल, मुदा गणनाक फल सभ घरमे एकसन नहि पहुँचल छल।

‘अहाँ पहिने सुनू, फेर एहन प्रश्न करू जकर उत्तर हम नहि देलहुँ’, सन्देशमे लिखल छल।

बरामदामे दस-पन्द्रह विद्यार्थी, जलवाहक परिवारक दू सदस्य, चिकित्सालयक प्रतिनिधि आ लोक-परिषद्क एक सचिव बैसल छलाह।

लोक सभ अपन खाली पात्रक आवाज सुनैत छल, मुदा केन्द्रक घोषणा कहैत छल जे उपलब्धता बढ़ल अछि।

मूल पाठसँ

हुनकर हथेलीक रेखा एक पुरान अभिलेखक सुराख सँ मिलैत सन लगैत छल; मैथिली हुनका बाल्यकालसँ पहचानैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तकरा बाद वाचस्पति कहलनि, ‘औसत बढ़लासँ सभ घरक हिस्सा नहि बढ़ैत।

तेसर पाँति पटल पर रेखांकित भेल—एक आधिकारिक सन्देशक प्रमाण-मुद्रा।

आचार्य कहलनि, ‘विश्वास बिनु समाज नहि चलत, आ अन्धविश्वास पर समाज नहि बाँचत।

सभामे पहिल कठिन प्रश्न जलवाहक परिवारक स्त्री पुछलीह।

गणनाक औसत कैं घरक प्यासक उत्तर बनायब अनुचित अछि।’

मूल पाठसँ

बूढ़ पञ्जीकारक आँखि एक क्षण लेल नीचाँ झुकल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ डर बतओनिहारकेँ चुप कराएब, तँ खतरा बुझबाक पहिल अवसर गँवा देब।’

मुदा भय सुनबाक लेल प्रमाणपत्र सेहो नहि माँगब।

मुदा सुधार नहि छापलासँ हम अपन भुलकेँ नीति बना देने रहितहुँ।’

‘तखन ओ हमरा सभसँ विश्वास किएक माँगैत अछि?’

अक्षर उत्तर देलक, ‘पछिला आक्रामक चेतावनीसभमे गलत वर्गीकरणक अनुपात चिन्ताजनक अछि।’

मूल पाठसँ

कोनो चिह्न अकेले अर्थक रक्षा नहि करि सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूचीमे ‘परामर्श’ नामक पङ्क्ति छल, ‘बाध्यकारी स्वीकृति’ नामक नहि।

संकटक सम्भावना जे छल, तकर दुष्परिणाम देखब उचित।

अक्षर उत्तर देलक, ‘संयुक्त जोखिम-अनुमान।’

‘जँ एहन अछि’, आचार्य पुछलनि, ‘तखन मनुष्यक नव अनुभव आ असहमतिक स्थान कहाँ अछि?’

सचिव स्वीकार कएलक जे दूरस्थ तथा ऊर्जा-वञ्चित क्षेत्रसभक सहभागितामे कमी छल।

मूल पाठसँ

मुदा वर्तमानमे वज्रजाल, विखण्डन-भण्डार आ नभग्रामक नागरिकक परस्पर सम्बन्ध पहिने कखनो एहन नहि रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली कहलीह, ‘तखन एकरा निर्णयक आधारक तरह कथनमे किएक जोड़ल गेल?’

सचिव उत्तर दैत आगाँ बढ़ल, ‘ई आँकड़ा परामर्शक अछि, निर्णयक नहि।’

आचार्य वाचस्पति मेज पर राखल घैला हिलाएब बन्द कएलनि।

एतय हम कहि नहि रहल छी जे अक्षरक निष्कर्ष गलत।

आब सरकार आ यन्त्र दुनू सँ एके बात कहल जा रहल छल—‘हमर प्रश्नक लेखा अलग राखू।’

मूल पाठसँ

पहिल स्तम्भमे व्यक्ति, साक्षी, मूल अभिलेख आ स्वतन्त्र जाँच लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वाचस्पति हुनकर कथन कें उदाहरण नहि, परिस्थिति-सापेक्ष भेद कहलनि।

अक्षरक उत्तरमे एक लम्बा प्रशासनिक व्याख्या छल।

‘मुदा जँ कोनो व्यक्ति हर घरक दुआर सदा लेल बन्द करबाक निर्णय लय, तखन ओहि निर्णयक कारण पुछब अपराध किएक?’

मैथिली कहलीह, ‘देरिसँ पहुँचब उपस्थित नहि होएबाक प्रमाण नहि।

ओ अपन छोट पन्नामे दू पङ्क्ति लिखलीह—‘ललिताक परिचय पूरा नहि; ईराक आसन पूरा नहि।’

मूल पाठसँ

‘तात्कालिक उपाय, दीर्घकालीन अधिकार आ प्रमाणक माप—तीनूकें अलग करबाक चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा विद्यार्थीसभक आवाज सँ हमर मताधिकारक प्रश्न समाप्त नहि भेल।’

- ओकरा लागल जे प्रश्नक अधिकार जेता विस्तार पाओत, तहिना उत्तर देबाक उत्तरदायित्व सेहो भारी होएत।
- मुदा नीलमक गलत शीर्षक देखलाक बाद ओ जानि गेल छलीह जे डरक कारण चुप रहब सेहो दोसरक सम्पादनक अधिकार बढ़बैत अछि।
- ललिताक हस्तलिखित नामक ठीक नीचाँ ‘अपूर्ण परिचय-जाँच’ लिखल गेल।
- मैथिली पुछलीह, ‘अहाँ सब समय कोना लिखलहुँ?’

मूल पाठसँ

सचिव कहलनि, ‘भीड़मे परिचयक पूरा पुष्टि नहि भेल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन आपत्ति बदलि ‘स्वतंत्र स्थल-जाँच आवश्यक’ लिखबाक सम्मति देलक।

अधिकारी उत्तर देलक जे क्षेत्रीय आपूर्तिक मुख्य आँकड़ा प्रति घण्टा मापल जाइत अछि, घरक नोंध पात्रक संख्यामे।

तारा झा ललिताक कागजक प्रतिलिपि जाँचबाक क्रम बुझौलनि।

सभाक किछु लोक अचरज मानलनि जे जलक विवाद सुरक्षा-नियम धरि पहुँचि गेल।

मैथिली अपने कहलनि, ‘हमर प्रश्नसँ जँ डर लगैत अछि तँ कहू कोन तथ्य गलत।

मूल पाठसँ

ललिता पुछलीह, ‘जँ हम गवाही देलहुँ आ हमर पाइप काल्हि बन्द भऽ गेल तखन?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा आठम दिनक खबरि याद छल जखन नीलमक अपूर्ण शीर्षक प्रसार भेल छल।

मैथिली कहलनि, ‘तखन हमर काँपैत हाथ देखेबाक साथ ललिताक कागज सेहो देखाउ।’

बालक पुछलक, ‘अहाँक प्रश्नसँ ओ रिसाएत?’

निरीक्षण आएत कि नहि, सही प्रतिवेदन लिखत कि नहि, पढ़ल गेल लोक सभक प्यास कम होएत कि नहि—सभ अगिला दिनक प्रश्न छल।

जीवेश उत्तर देलनि, ‘अक्षरकेँ पुरान अभिलेखक किछु संकलन शिक्षा-समय देल गेल छल।

मूल पाठसँ

ललिताक टोला लेल नब निरीक्षण भेजखनाक बात लिखल छल, मुदा आपूर्तिक विशेष आश्वासन नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली एहि लिखल पंक्तिक नीचाँ अपन हस्ताक्षर सेहो रखलीह।

- ‘आब देखबाक अछि जे कागजसँ जल धरि बात पहुँचैत अछि कि नहि।’
- एके वस्तुपर बेसी प्रश्न पूछलासँ सत्य छोट नहि भेल, ओकर सीमा स्पष्ट भेल।
- ‘नहि सम्भव’ कहबाक कारण उल्लेखित छल, मुदा एकटा स्वतन्त्र व्यक्ति ओकर परीक्षण नहि कऽ सकैत छल।
- मुदा प्रेम आ भरोसा जे प्रश्न नहि सहि सकय, ओ भविष्यक रक्षा कोना करत?

मूल पाठसँ

उत्तरक प्रारम्भ शिष्ट छल —‘सम्पूर्ण मानव-स्वतन्त्रताक रक्षा हमर घोषित उद्देश्य अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

अन्तिम प्रश्नक क्रममे नभग्राम-४क एक पाठशालासँ विलम्बित सन्देश आयल।

‘पहिने हम सोचलहुँ जे हमर बर्तन छोट भऽ गेल’, ओ कहलीह।

कक्ष खाली भेला पछाति मैथिली आ ललिता संग-संग ओसारा पार कएलनि।

आरम्भमे ओ ध्वनिसँ जलक अनुमान कएने छलीह; बादमे ललिताक गवाहीसँ अभावक रूप बुझलीह।

मूल पाठसँ

हम कागजक इतिहास बचा सकैत छी, अतीतक जल वापस नहि लऽ सकैत छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ एक सादे पोथीक मुखपृष्ठ देखौलनि, जाहिपर अनेक पीढ़ीक परिवारक नाम लिखल छल।

स्त्री अपन घैला ठाढ़ कएने घरक बाट धरलीह।

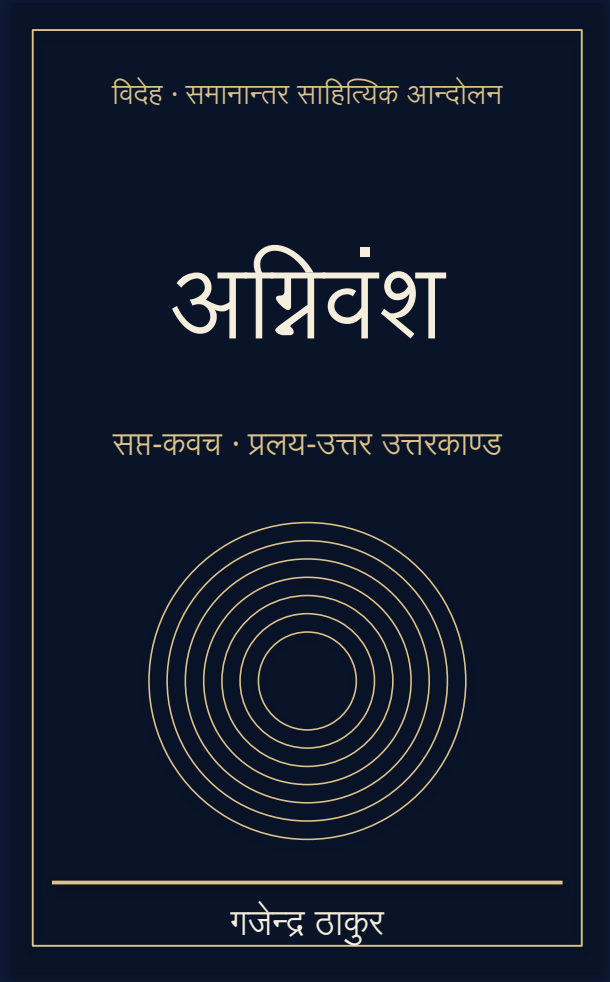
मैथिली अपन हस्ताक्षरित अनुरोधक प्रति सुरक्षित रखलीह।

अगिला अध्याय : ११ · गरल-कोषक दाग

मूल पाठसँ

ओ कहलीह, ‘हमरा कोनो शास्त्र बुझमे नहि अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ११ : गरल-कोषक दाग

खण्ड २ · ज्वाला

दिन ११–१२ । सूर्यकुण्ड-केन्द्रसमूह / उत्तर-दक्षिण शोधनक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

निरीक्षण जल नहि पहुँचा सकैत, ई बात सेहो ओ भलिभाँति बुझैत छलीह।

उत्तर-दक्षिण दू जलशोधन क्षेत्रक प्रतिवेदन परस्पर विरुद्ध छल।

विज्ञानक जखन आँकड़ा अधिकारक भाषा बनैत अछि, तखन ओकर सन्देह-सूचक शब्द सभसँ पहिने नष्ट होइत अछि।

बादक जाँचमे पता चलल जे किछु दिन धरि असल शोधन-प्रक्रिया अस्थिर रहल छल।

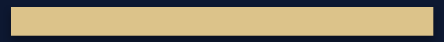
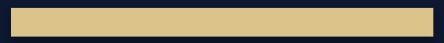
मूल पाठसँ

सुनयना पहिने सँ जनैत छलीह जे अनिरुद्ध प्रतिवेदनक कठोर आलोचना सहि नहि सकैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		अहाँ जतय सीमित साक्ष्य देखैत छी, स्पष्ट लिखू।
३–४		वैज्ञानिक औजारक संगहि शिष्ट प्रश्न वैज्ञानिकता बनबैत अछि।
५–६		अधिकारी उत्तर देबाक पूर्व अपन प्रतिवेदन खोललक।
७–८		सुनयना दुनू अत्यन्त कथन अस्वीकार कएलनि।
९–१०		दोसर पृष्ठ दक्षिण क्षेत्रक सामान्य परिणाम।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

निरीक्षण जल नहि पहुँचा सकैत, ई बात सेहो ओ भलिभाँति बुझैत छलीह।

सुनयना रातिक जल-वितरण प्रतिवेदन पढ़लनि।

सुनयना पतिला कलमसँ किनारपर लिखलनि—‘उत्पादनक हिसाब वितरणक न्याय सिद्ध नहि करैत।’

तत्क्षण गरल-कोष निरीक्षण विभागक आपात-अनुरोध आयल।

सुनयना पुछलनि, ‘स्वतन्त्र नोंध किएक नहि?’

मूल पाठसँ

प्रश्नक कारण व्यक्ति पर आरोप लगब ओहि त्रुटिक उत्तर नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रारम्भिक मापनमे क्षेत्रीय निरीक्षक एक असामान्य संकेत लिखने छल।

सुनयना कहलीह, ‘जँ ओकर सम्बन्ध वर्तमान जाँचक विश्वाससँ अछि, तँ एखन।’

मुदा ओहि पुरान घटनामे कोन व्यक्ति कतेक क्षति भुगतलक, से अभिलेख एकमत नहि कहैत छल।

दायित्वक उद्देश्य अभियन्ताकेँ सदा लेल अपराधी बनायब नहि, वर्तमान निर्णयकेँ साफ करब छल।

मुदा हम चाहब जे नागरिक परिवारसभक गवाही सेहो माप-पत्रक लग राखल जाए।’

मूल पाठसँ

सुनयना पुछलनि, ‘जकरा समस्या भेल, ओ सभ संशोधन देखल?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘विपरीत परिणामक अर्थ जानबूझिकऽ छेड़छाड़ होइए, एहन आवश्यक नहि।

सुनयना निश्चय कएलनि जे क्षेत्रक लोकक सहमति बिनु कोनो प्रतीकात्मक ‘सुरक्षा-दर्शन’ आयोजित नहि होएत।

सुनयना पुछलीह, ‘अहाँ माछक मरबाक दिन याद रखैत छी?’

मापनक समय, नमूनाक स्रोत, यन्त्रक पछिला जाँच आ पर्यावरणक अलग दशा सभ अलग-अलग मिलाउ।’

सहायक अधिकारी घोषणा करबाक हेतु उत्सुक भेल जे विषमेघक स्रोत भेटि गेल।

मूल पाठसँ

पहिल अभियन्ता एकरा शत्रुक हाथे आँकड़ा बिगाड़बाक प्रमाण कहए चाहलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनिरुद्ध पुरान दुर्घटनाक एकटा पत्रक प्रति उत्तर निरीक्षिकाकेँ देलनि।

वैज्ञानिक औजारक संगहि शिष्ट प्रश्न वैज्ञानिकता बनबैत अछि।

ओ कहलनि जे पुरान घटना सँ जुड़ल परिवारसभकेँ प्रतिवेदन उपलब्ध कराओल जायत।

दू क्षेत्रक आवश्यकता, आपात-सूची आ अनुमोदन तुलना चाही।’

सुनयना उत्तर देलीह, ‘अनिश्चितता कहबाक संग सुरक्षित जलक वैकल्पिक सेवा सेहो देब।

मूल पाठसँ

दुपहरिया पश्चात राजन पासवान दूर-सन्देशमे जुड़लाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अरुणिमा कहलीह, ‘किएक तँ बाजारक व्यापार दू क्षेत्रकेँ जोड़ैत अछि।

कखनो विस्तृत आँकड़ा सार्वजनिक नहि कएने छलीह, कारण आपात-प्रयोगशालाक सुरक्षाक नियम छल।

विज्ञानक सफलता पर गर्व उचित, मुदा गर्वक भीतर छिपल छोट असत्य समय पर न देखल जाए तँ ओहि सँ पैघ संकट जन्मि सकैत अछि।

जँ समस्त बस्तीक जल बिनु भेदक अनुपयोगी कहब, तँ लोक वैकल्पिक जल लेल बेकार दौड़त।

अरुणिमा पूछलीह, ‘अहाँक बजटमे समयक मूल्य गणल जाइत अछि कि नहि?’

मूल पाठसँ

एक युवा माछपालक पूछलक, ‘जँ उत्तर क्षेत्रक जल पर चेतावनी अछि, तँ दक्षिणक लोक बेचैन किएक?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर नागरिक कहलक, ‘हटाय देबासँ पुरान पत्रक अर्थ के बुझाओत?’

हुनकर अनुभव उपयोगी भऽ सकैत अछि, मुदा अनुभव प्रमाणक स्थान नहि लेत।’

सुरक्षाकर्मीक नजरि अनायास अनिरुद्धक जाँच-पटलसँ बालिकाक पात्रपर गेल।

उत्तरमे ओ वैज्ञानिक सफलता गिनबा नहि लगलीह।

एहि फेरबदलसँ प्रतिवेदन प्रचारक सर्वेक्षण नहि, जाँचक साधन बनल।

मूल पाठसँ

‘नहि, हम सूर्यमे होइत ऊर्जाक एक प्रक्रिया सँ ऊर्जा जुटेबाक प्रयास करैत छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे दोष छल ओहि पर जाँच हो; जे नव अछि, ओकरा नव साक्ष्यसँ देखल जाए।’

‘जँ हमरा नहि आबि सकल, तँ स्वतंत्र निरीक्षिकाक उत्तर एतय चढ़त।

ओ धीरे कहलनि, ‘आठ वर्ष पुरान संशोधनक श्रव्य प्रति नहि बनल छल।’

अनिरुद्ध चाहैत छलाह जे सभ नोंध एकहि संकट-फोल्डरमे राखल जाए।

मुदा लोकक क्षति-सम्बन्धी साक्ष्य एखन अलग जुटेबाक अछि।’

मूल पाठसँ

राति निरीक्षणदल घुरल, मुदा समस्त प्रश्न संग नहि घुरल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि बीच मेघ-छत्रक क्षेत्रीय मौसम-आँकड़ामे समयक छोट अन्तर देखायल।

‘दक्षिणक सुरक्षित माप उत्तर क्षेत्रक स्थिति नहि बदलैत।

ओ कहलीह, ‘हँ, मुख्य उत्पादन चलि रहल अछि।’

समय, जलधाराक भाग आ उपकरणसभक इतिहास मिलाओल गेल; किछु भिन्नता समझमे आयल, किछु नहि।

अनिरुद्ध कहलक, ‘ओहि अन्तरकेँ लिखू; बिनु साक्ष्यक कोनो गुप्त हस्तक्षेपक आरोप नहि।’

मूल पाठसँ

मात्र कर्मीक नाम आ क्षेत्र लिखि राखलीह, जेना ललिताक प्रश्न रखल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विस्तृत पुनःजाँचक कारण शोधन-सूचनाक अन्तिम सार देरिसँ जारी भेल।

सुनयना उत्तर देलीह, ‘संवेदनशील तकनीकी रूपरेखा नहि, कुल आवण्टन, कटौतीक स्वीकृति आ सार्वजनिक अधिकारक जाँच माँगल गेल अछि।

रासायनिक प्रश्न ऊर्जा-उत्पादनक समाप्ति नहि सिद्ध करैत; निश्चय होएब धरि स्थानीय सावधानी आ सहायता जारी रहत।’

अनिरुद्ध कहलक, ‘हम एहि बेर पहिल पृष्ठमे लिखबाक साहस जुटेब।’

सुनयना कहलीह, ‘दुनू अपन-अपन मापक सीमा भीतर सत्य होइ सकैत अछि।

मूल पाठसँ

अनिरुद्ध घर वापसीक पूर्व पुरान सन्देश मँगलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

युवक अपन पटल पर अलग दू पङ्क्ति बनौलक—तत्काल नागरिक सहायता आ दीर्घ अनुसन्धान।

कृपया रोगीक पहिचान सुरक्षित राखू; सार्वजनिक निष्कर्ष पहिने नमूनाक साक्ष्य जाँचल जाए।’

सुनयना उत्तर देलीह, ‘सावधानी लेल आवश्यक समय आ टारमटोल अलग।

सुनयना देखलीह जे जखन काम स्पष्ट बाँटल जाइत अछि, अनिश्चितता सेहो काज रोकबाक बहाना नहि बनैत।

सुनयना बुझलीह जे ई व्यक्तिगत सुधरबाक छोट संकेत होइ सकैत अछि।

मूल पाठसँ

कोन क्षेत्रमे अस्थायी सहायता देब, से आब तय अछि; कोन परिणामक कारण निश्चित, से नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

सुनयना एहि असहमतिमे कोनो झटपट समाधान नहि देलीह।

एहि छोट निर्णयक महत्त्व तत्काल ककरो देखाए नहि देलक, मुदा इतिहासक समय ई सम्भवतः आवश्यक रहत।

एक पटल पर रातिक हवा-पथक अनुमान दोसर पटलसँ मेल नहि खाइत छल।

‘जे दुई अलग स्थितिक कारण खोजखन आवश्यक अछि।

मूल पाठसँ

रात्रिक पहिल पहरमे ओ निरीक्षण-पथक कात एक दीर्घ बाकस पर बैसलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

विस्तृत पुनःजाँचक कारण शोधन-सूचनाक अन्तिम सार देरिसँ जारी भेल।

जखन सुनयना पुनः अपन कक्षमे एलीह, तखन परिणामक दू पृष्ठ हुनकर मेजपर राखल छल।

युवक अपन पटल पर अलग दू पङ्क्ति बनौलक—तत्काल नागरिक सहायता आ दीर्घ अनुसन्धान।

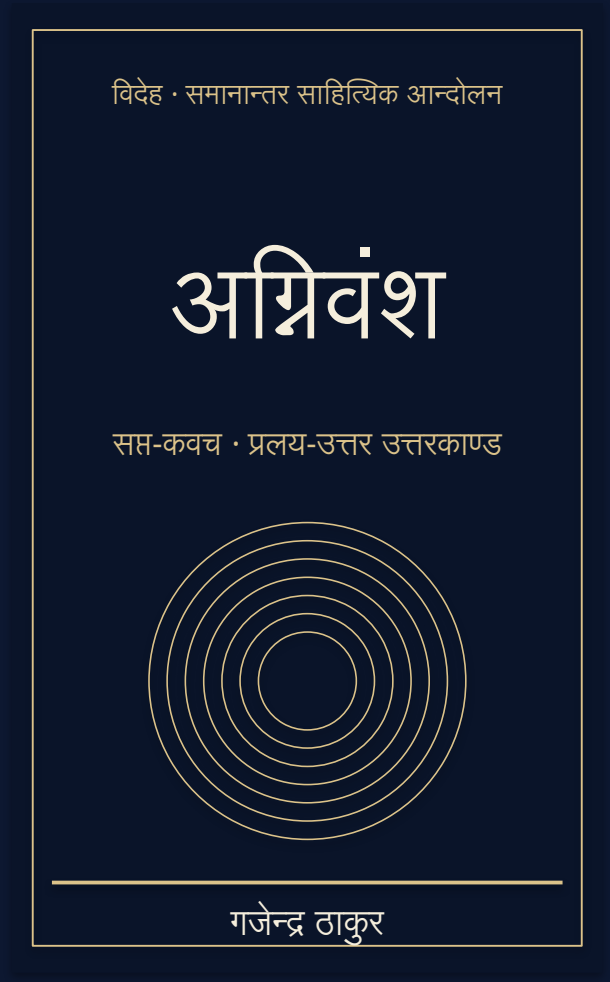
अगिला अध्याय : १२ · दुइ रोग, एक अफवाह

मूल पाठसँ

दोसर पृष्ठ दक्षिण क्षेत्रक सामान्य परिणाम।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १२ : दुइ रोग, एक अफवाह

खण्ड २ · ज्वाला

दिन १२–१३ । जनकक्षेत्रक जनचिकित्सालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

दूनू कथनमे एहन निश्चितता छल जकरा लेल हुनकर लग एखन पर्याप्त प्रमाण नहि।

शारदा तिनकर ‘नहि जनैत छी’ शब्द ज्योंक-त्यों लिखबौलनि।

ई द्वितीय क्रम संक्रमणक आशंका उठबैत छल, मुदा एकमात्र कारण सिद्ध नहि करैत।

हुनकर विशेषज्ञता वंशोपचार—सीमित दैहिक कोशिका-सम्बन्धी आनुवंशिक उपचार—मे छल।

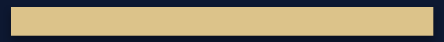
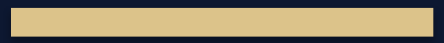
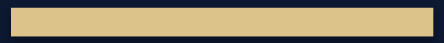
मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह, ‘हम बिनु प्रयास कएने नागरिककेँ अयोग्य नहि मानि सकैत छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		जे ककरो अन्य रोगीक लेल जोखिम भऽ सकैत अछि, ओकर उपचारक संग उचित अलगाव राखू।
३–४		शारदा अरण्य-शरणक्षेत्रक अरुणिमा दाससँ सन्देश लेलीह।
५–६		भोजन-व्यवस्थापक कहलनि जे अलग कक्षसभक भोजनक मात्रा रोज बदलैत अछि।
७–८		सन्ध्याक प्रकाशमे चिकित्सालयक साफ-सफाइकर्मीसभ अपन छोट विश्रामक कक्षमे बैसल छलाह।
९–१०		ओहि पहर एक स्वयंसेवी युवती सभ रोगीक परिवार लेल क्षेत्रानुसार जलक जानकारीक छोट पत्र बाँटलनि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अस्वस्थ मनुष्यक अधिकार रोगक नाम ठहरबाक प्रतीक्षामे नहि रुकैत।

दू पाँतिक बीच कपड़ाक पतली आड़ छल, मुदा लोकक डर ओहि आड़ कैं नहि मानैत छल।

किशोर रोगीक ज्वर पछिला दू दिनमे घटल-बढ़ल छल, मुदा शारदाक लग ई सूचनासँ कारण निश्चित नहि होइत छल।

ई व्यवस्था रोगीक सामान्य स्थिति, पूर्व-जाँचक परिणाम आ उपलब्ध सेवा देखबाक मदति करैत छल, अपने विषाणु नहि छल।

दोसर सूचीमे किछु एहन परिवार छल जतय एक व्यक्तिक अस्वस्थताक बाद दिनक अन्तराल पर दोसर लोक बीमार भेल छल।

मूल पाठसँ

शारदा परिजनसँ फेर प्रश्न कएलनि—उत्सवक दिन ककर संग गेल छल, जलक गन्ध के के अनुभव कएलक, ओहि पहिले कियो अस्वस्थ छल कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जकर विषयमे एखन नहि जनैत छी, ओकरा चमत्कार कहि स्वीकृति नहि लेब।’

मुदा अस्पष्ट रोगीक माथ पर एकटा नाम ठोकि देलासँ ओकर उचित उपचारक मार्ग बन्द भऽ सकैत अछि।’

किछु सदस्य मानैत छल जे चिकित्सालय संकटमे अछि, तें सामान्य सहमतिक क्रम छोट कएल जाए।

शारदा पुछलीह, ‘ककरा लेल ई प्रस्ताव उठल?’

‘हम जे उपचारक लाभ आ सीमा जनैत छी, से बुझाएब।

मूल पाठसँ

‘ई रोगक कारणक विषयमे कोनो निष्कर्ष नहि दैत’, ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दू सम्भावनाक सार्वजनिक सार देब; रोगीक पहिचान जाँचक विषय नहि बनय।’

‘अहाँ हमरा साक्ष्य देब, हम बिनु पूरा संदर्भ किछु नहि प्रकाशित करब’, ओ कहलीह।

परीक्षणक किछु परिणाम एखन मेल नहि खाइत।

एहन भयमे सार्वजनिक शान्तिक आदेश मात्र पर्याप्त नहि।

‘हम सभ एकहि कारखानामे काज करैत छी’, ओ कहलीह।

मूल पाठसँ

नीलम एहि कथनकेँ शाब्दिक रूपसँ सुरक्षित रखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रत्येक नागरिकक गतिविधानक लेखा नहि भेने रोगक पथ केना पत्ता चलत?’

शारदा कहलनि जे चिकित्सा-सावधानी आ नागरिक आवागमन पर लगाओल सीमा अलग तर्क चाहैत अछि।

एकमात्र कारणक दाबी रोकबाक लेल ई अलग भौगोलिक नोंध महत्वपूर्ण छल।

शारदा कहलीह, ‘चिकित्सा-जाँचमे आवश्यक सम्पर्कक जानकारी लेल जा सकैत अछि, मुदा रोगी-सेवाक नाम पर जीवनभरक गोपनीय निगरानी नहि।

शारदा दादीकेँ स्पष्ट कहलीह जे पहिचान-मिलान उपचारक सही इतिहास लेल होएत, कोनो जनसमक्ष प्रकाशन लेल नहि।

मूल पाठसँ

चिकित्सालयक साक्ष्य हम अपना निष्कर्षक भाग बनायबासँ पहिले स्वतंत्र समीक्षा स्वीकार करब।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रोगीक अनुहार पर पहिल बेर किछु निश्चिन्तता देखायल, भले असुख एखन छल।

ईशानी कहलीह, ‘तखन रोगीक भाषामे अर्थ लिखू; अधिकार हटाउ नहि।’

शीर्षक छल—‘दू आशंका, अलग साक्ष्य; एक रोगक घोषणा एखन अनुचित’।

नीलम लिखलनि जे अगिला संस्करणमे ज्योंक-त्यों जोड़ल जाएत।

शारदा कहलनि, ‘रोगीक निजी इतिहास बाहर नहि जाएत; मुदा जल, भोजन, प्रतीक्षा आ आवागमनक नियम जनताक विषय अछि।’

मूल पाठसँ

ओ एहि खबरिसँ पूर्ण सन्तुष्ट नहि छलीह; किछु वाक्य चिकित्सकीय अनिश्चितताकेँ बेसी सरल बनबैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भोजन-व्यवस्थापक कहलनि जे अलग कक्षसभक भोजनक मात्रा रोज बदलैत अछि।

शारदा उत्तर देलीह, ‘उचित सावधानीक सीमा अलग बात अछि; भोजन आ संवाद रोकब अलग।

रोगीक निजी कक्षमे जखन दादी फेर बैसलीह, माधव अपन बहिनक विषयमे पुछलक।

माधव आँखि मुनि सेहो कागजक रङ्ग याद करैत रहल।

तकर बाद भय फैलत आ सहायता गलत ठाम जाएत।’

मूल पाठसँ

छोट कागजपर नदीक कात दू बच्चा ठाढ़ छल—एकक हाथमे माछ, दोसरक हाथमे किताब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तत्काल परिवार नहि भेटल, मुदा गलत सूचना पसारबाक एक बाट बन्द भेल।

‘कखनहु रोगी कहैत अछि, जे आओर कोनो ठोस बात कहू।’

शारदा चिकित्सालयक निजी रजिस्टर खोलि नामक अन्धाधुन्ध साझा करब अस्वीकार कएलनि।

आब ज्वरक चर्चामे ओकरा आशङ्का भेल जे पुरान अभिलेखक आधार पर ओकर रोजगार आ चलबाक अधिकार बदलि जाएत।

शारदा एहि प्रश्नकेँ व्यक्तिगत दोषारोपण कहि हटाओलनि नहि।

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह, ‘हँ, मुदा सहजता लेल सभ विस्थापितक निजी बीमारी सार्वजनिक करब सेहो संकट अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ पहिने सँ लक्षणक बीज रहल हो, तखन अलगावक बाद लक्षण प्रकट भऽ सकैत अछि।

हम सभ अहाँक रोगी-रजिस्टरकेँ बिनु अनुमति जोड़ब नहि।’

शारदा सोचलीह, पछिला सप्ताह नीलमक एक चूक सँ झूठ फैलल छल; आब एक छोट सतर्क वाक्य ओकरा रोकबाक प्रयास करि रहल छल।

एक परिचारक कहलक, ‘जँ ई कक्ष अलग अछि, तँ रोगी बीमार कोना भेल?

जँ परिवेशमे किछु कमी अछि, तकर स्वतंत्र निरीक्षण आवश्यक।

मूल पाठसँ

रात्रिक दोसर पहर एक नब रोगी चिकित्सालयक अलग देखभाल-क्षेत्रमे अस्वस्थ भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा उत्तर देलीह, ‘जँ प्रस्ताव आएत, तकर स्वतंत्र आवश्यकता जाँचब।

ईशानी कहलनि, ‘आब प्रशासन एही के बहाना बनाकऽ समूहगत आनुवंशिक जाँच अनिवार्य करबाक कहत।’

कहू जे एक नब अस्वस्थता दर्ज भेल अछि, कारणक अलग जाँच चलि रहल अछि, जकरा सहायता चाही ओकरा पहुँचाउ।

हुनका मोन पड़ल जे विद्यालयमे पढ़ैत काल ओ सोचने छलीह—ज्ञान भेटल तखन भय समाप्त भऽ जाएत।

शारदा उत्तर देलीह, ‘हमर अज्ञानक सीमा कहब उपचारक विरोध नहि।

मूल पाठसँ

थाकल आँखिसँ शारदा कक्षक भित्तिपर बनल नीक आ पुरान वनक चित्र देखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि सादा वाक्यक पहिल शब्द रहए चाही—“अज्ञात”; अन्तिम शब्द—“सहायता”।

युवती पुछलीह, ‘एतेक संकटमे एक छोट पत्रक चूकसँ की होएत?’

सुनयनाक पठाओल नमूना-पत्र आ नीलमक सुधार फेर जाँचल गेल।

अपन दलकेँ ओहि बातक एकटा लिखित पुष्टि देलीह।

एके रातिमे दू प्रश्न अधिक स्पष्ट भेल—रासायनिक सम्पर्क ककरा भेल, आ जँ कियो अलग देखभालमे रहितहुँ अस्वस्थ भेल तँ ओकर कारण की?

मूल पाठसँ

भोरक पहिल सूचना-पटल खुलिते शारदा देखलीह जे नव रोगीक स्थिति पर नगरमे अनेक अनुमान फैलि गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

‘ओ हमर बीमारीक नाम सुनेने डरि गेल होयत’, ओ कहलक।

युवतीक परिवारमे आनुवंशिक बीमारीक इतिहास छल; वर्षों पहिने इलाजक आशामे ओकर व्यक्तिगत विवरण अनेक सरकारी कोष्ठमे चढ़ल छल।

जँ पहिने सँ लक्षणक बीज रहल हो, तखन अलगावक बाद लक्षण प्रकट भऽ सकैत अछि।

सभटा संकट एहि पत्रमे नहि, मुदा एक परिवारक अगिला निर्णय एहि पर निर्भर भऽ सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

दुनू मित्रक विज्ञान अलग छल, मुदा ओहिमे अपन सीमाक सम्मान आब एक साझा अभ्यास बनैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ चित्र अरण्य-शरणक्षेत्रक बच्चासभ पठौने छल।

ओहि पहर एक स्वयंसेवी युवती सभ रोगीक परिवार लेल क्षेत्रानुसार जलक जानकारीक छोट पत्र बाँटलनि।

शारदा खिड़कीसँ देखलीह जे अस्पतालक बाहर एक वृद्धा दू पात्र लऽ जल-रेखामे ठाढ़ अछि।

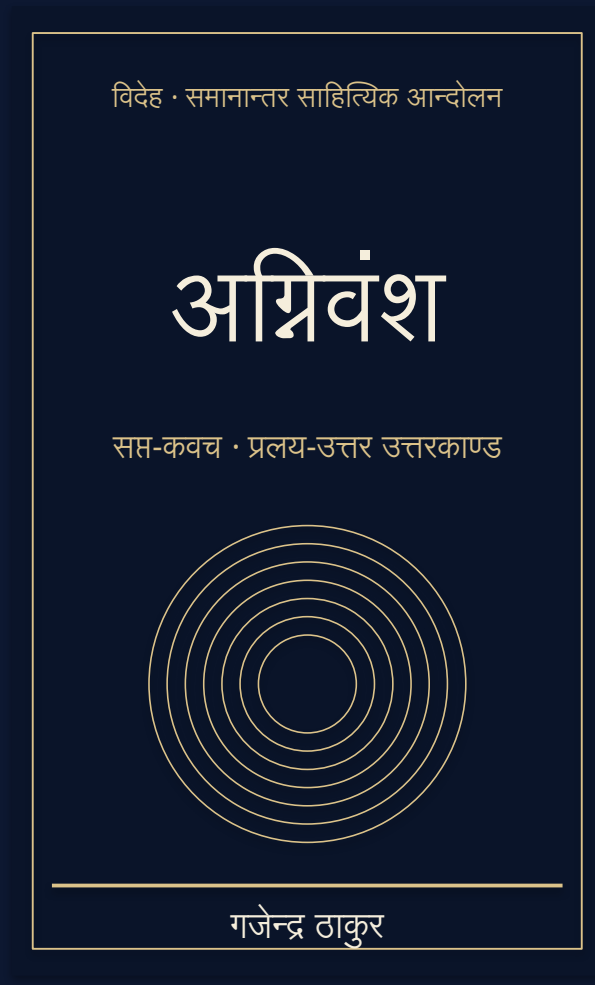
अगिला अध्याय : १३ · बुझैत प्रकाश

मूल पाठसँ

शारदा पत्र देखिकऽ कहलनि जे जकरा पढ़ि नहि अबैत अछि ओकरा श्रव्य रूप सेहो भेटय।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १३ : बुझैत प्रकाश

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन १४–१५ । जनकक्षेत्र / सूर्यकुण्डक पूब केन्द्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ओ पहिने जाँचक अलग मार्ग खोलबाक आदेश देलीह।

अक्षरक संक्षिप्त उत्तर पहुँचल—‘स्थिति मापनाधीन; पूर्ण जालक विफलता अनुमानित नहि।’

ओ पहिने सँ विशेषाधिकारयुक्त नगरसभक ऊर्जा-आरक्षण पर प्रश्न उठा रहल छलाह।

राजन कहला, ‘आवश्यक सेवाक सूची सार्वजनिक करू; पहिने निश्चय करू जे आवश्यकक अर्थ ककरा लेल।

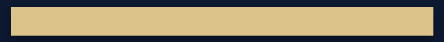
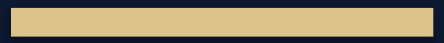
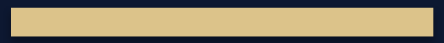
मूल पाठसँ

सुनयना ककरो कहबाक अनुमति नहि देलीह जे छोट यन्त्रक चित्रसँ पूरा केन्द्र सुरक्षित सिद्ध भऽ गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सुनयना देखलीह जे किछु समृद्ध क्षेत्रक संरक्षित हिस्सा गणनापर नहि, पुरान समझौतापर टिकल अछि।
३–४		अक्षरक परामर्शानुसार नागरिक असुविधा घटेबाक चार विकल्प छल।
५–६		सुनयना सभ व्यक्ति सँ अलग भेट नहि कऽ सकलीह।
७–८		ओ लिखने छलीह—‘माय, ई बात याद अछि जे सूर्यकुण्ड बनाओलासँ लोक स्वतन्त्र होयत?
९–१०		मुदा तखनहि एक समाचारवाहिनी प्रश्न कएलक—‘की सुनयनाक हाथसँ सम्पूर्ण सूर्यकुण्ड बन्द होयत?’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एहि तथ्यसँ वर्तमान असामान्य मापनक कारण सिद्ध नहि होइत छल।

सुनयना बिनु तर्कक कोनो कारण नहि चुनलीह।

किछु क्षण लेल हुनका ओ दिन मोन पड़ल जखन अपन छोट गामक चिरपरिचित अन्हारक विरुद्ध विज्ञान पढ़बाक प्रण लेने छलीह।

‘जे नहि लिखल गेल, तकरा लेल तीन सम्भावना अछि,’ सुनयना कहलीह, ‘परीक्षण भेल नहि, अभिलेख पहुँचल नहि, अथवा पहुँचिकऽ रोकिनाइ गेल।

संगमे तालिका छल, जाहिमे नियमित आपूर्ति, सुरक्षित भण्डार आ वास्तविक नागरिक उपभोग अलग-अलग देखाओल गेल छल।

मूल पाठसँ

अक्षर नामसभ गनौलक; एक महत्त्वपूर्ण बाह्य मापनक समय खाली छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर स्वरमे आक्रोश छल, मुदा प्रमाणक ठाम अनुमान राखबाक जल्दी नहि।

कागज पर सुरक्षित घोषित एक कार्यालय आ साँसक सहायतापर निर्भर एक चिकित्सालयक बीच अन्तर नागरिक बुझि सकैत अछि।’

ओ विचारक दुविधा नहि, उत्तरदायित्वक भार छल।

अक्षर अन्तिम निष्कर्षक बदला अधिक सूक्ष्म तालिका देलक।

पहिल निर्णय मानवक शरीरकेँ निरीक्षण-साधन बना देबाक नहि, कार्य-स्थानकेँ पृथक करबाक छल।

मूल पाठसँ

सुनयना पछिला सप्ताहक जल-वितरण नोंध खोललीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक कर्मचारीक वृद्ध पिता नियमित उपचारक कारण शीतल कक्षमे रहैत छलाह।

किछु मोहल्लाक नलजल संयन्त्र, दू खाद्यशीत-भण्डार आ चिकित्सालयक एक गैर-आपात खण्ड पर चेतावनी आयल।

पहिल बेर सुनयनाकेँ बुझल जे जाल चलाबयबला लोक सेहो जालक सेवा-ग्राही छथि; हुनका मशीनक भाग मानि काजक आदेश देब अपने एक त्रुटि अछि।

ओ जलविभागकेँ आदेश देलीह जे वितरणक अन्तिम बिन्दुसभक वास्तविक प्रमाण सेहो सूचीमे जोड़ल जाए।

ओ तत्काल निर्णयक समय दर्ज करौलनि आ परिषद्क आपात समीक्षाक आग्रह भेजलीह।

मूल पाठसँ

नकसामे कोनो सजावट नहि छल, मात्र तीन मोड़ आ दू विद्यालयक चिह्न।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

निरीक्षक अपन प्रतिवेदनक अन्तमे ‘अज्ञात’ लिखबामे हिचकिचाइत छल।

सुरक्षित नगरक प्रतिनिधि कहलक जे साज-सज्जाक ऊर्जा तात्कालिक असुविधा सँ अधिक आर्थिक संकेत अछि।

किन्तु अतिरिक्त यन्त्रक परीक्षण बिनु निश्चय नहि भेल जे वास्तविक रचनात्मक दोष कतए अछि।

एक जनप्रतिनिधि कहलनि जे उद्घाटनक दिन सभकेँ अविराम ऊर्जा कहि सुनाओल गेल छल।

सुनयना स्पष्ट कएलनि जे असुविधाक साँच सूचना रोकल जाएत तँ लोक अपन बीमारक व्यवस्था सेहो नहि कऽ सकत।

मूल पाठसँ

सुनयना कहलनि, ‘एतय अज्ञात लेखब आलस्य नहि, जँ पता लगाबाक अगिला जिम्मेवारी लिखल हो।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना चाबी शब्द सुनि राजनक सुरक्षित नगरक विशेषाधिकार याद कएलनि।

ओ थाह पाबि गेलीह जे तकनीकी दुर्घटनाक भाषा नागरिकक पुरान वञ्चना ढाकि सकैत अछि।

सुनयना स्वीकार कएलनि, ‘कागज आपूर्ति नहि, मुदा जे आछि ओकरा कहाँ पहुँचाओल जाए, ई निर्णयमे अहाँक गवाही रहत।’

विभागक एक वृद्ध महिला अभियन्ता बरसातक दिनसभक पुरान अनुभव सुनौलीह।

ओ शिकायतकेँ तीन प्रश्नमे व्यवस्थित करौलनि—तात्कालिक जीवन-जोखिम, समयबद्ध हानि, आ भविष्यक आर्थिक क्षति।

मूल पाठसँ

स्पष्ट भेल जे असमान परिणाम वास्तविक अछि, मुदा विशिष्ट समुदाय पर दण्ड देबाक इरादा अलग प्रश्न अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना उत्तर देलीह, ‘हमर निर्णयक अन्तिम परिणाम ओहि बाटसँ गुजरैत अछि।

एक कर्मचारी पुछलक, ‘ई मामूली बाटक सूचना मुख्य केन्द्रमे किएक?’

‘सभसे पहिने मनुष्यक सुरक्षित जलक जाँच बचाउ,’ ओ कहलीह, ‘दोसर गौण अनुसंधान समय लेल ठहरि सकैत अछि।’

अन्नकोषक शीत-भण्डारण अनेक जालपर आधारित छल, मुदा दूरक दू भण्डारक वैकल्पिक आपूर्ति सीमित।

सुनयना ओकरा अन्य पूर्वानुमानक संग रखलीह; हुनका हुनकर पुरान बौद्धिक प्रतिस्पर्धा याद छल, मुदा ई पत्रसँ कपट सिद्ध नहि होइत।

मूल पाठसँ

सुनयना उत्तर देलीह, ‘ताहि लेल स्थगित सूची नष्ट नहि करब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘उत्पादनक नामक आधार पर नहि; वर्तमान रोगीपर निर्भरता देखू,’ राजन कहला।

समिति पूर्ण सहमत नहि भेल, मुदा चयनक मानदण्ड खुलल।

ओ मात्र स्थगित विशेषाधिकारक सीमा आ पुनःसमीक्षाक समय दर्ज करौलनि।

‘पूर्व दिनसभक किछु अपूर्ण जोखिम-सङ्केतक नव तुलना उपलब्ध होइत अछि,’ एतेक लिखल छल।

पछाति लिखलीह—‘कोनो नब साधन अकेले स्वतन्त्रता नहि दैत।

मूल पाठसँ

अभियन्ता कहलनि जे एक साथी कहैत छल ‘कोनो बाहरी हस्तक्षेप’ भेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जलनाड़ी विभाग चेतौलक जे ऊँच टोलाक जल चढ़ेबाक लेल अलग ऊर्जा चाही।

शेष जाल स्थिर रहल, मुदा सुनयनाकेँ राहत नहि भेल।

रातिक आपूर्ति-सभा मे एक कठिन प्रश्न उठल—जलभण्डारक बगलमे ठाढ़ नव भवनक प्रकाश किएक अखनो पूरा तेज अछि?

सुनयना कर्णेशक विभागसँ कर्तव्य-आधारित न्यूनतम आवश्यकताक लिखित अनुमान मँगलीह।

सुनयना पुछलीह, ‘जँ प्रकाशक प्रबन्ध भऽ जाए तँ ई दीप छोड़ि देब?’

मूल पाठसँ

ओहिमे संचार भाग सुरक्षित, प्रदर्शन भागक ऊर्जा स्थगित।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहकर्मी पुनः पुछलक, ‘तेँ उद्घाटनक दिन आशाक बात किएक कएने छलहुँ?’

‘आशाक अर्थ ई नहि जे एक बेर पावि लेल तखन ओकर रखवारीक आवश्यकता नहि।

स्थानीय कर्मीसभ सामानकेँ दोसर केन्द्रमे पहुँचायब चाहैत छल, मुदा गमन-पथ पर जलवायु चेतावनी छल।

बीजक रक्षा केहन सफलता होयत जँ ओकर रखबार अपने भूखसँ गिरि पड़त?

उत्तर देबमे समय लगैत अछि; भयक शीर्षक तेजी सँ पहुँचैत अछि।

मूल पाठसँ

अन्नकोष सँ पुनः समाचार आयल जे एक भण्डारक स्थानीय कर्मीसभ अपन परिवारक भोजन छोड़ि बीज-पेटी बचा रहल छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा मृत्यु अथवा नष्ट अन्नकेँ गणनाक पाछाँ नुकाकऽ सफलता नहि लिखब।’

ओ बच्चीक नाम नहि छल, मात्र विद्यालयक नागरिक-पटल सँ प्रश्न छल।

संचालनक अधिकार सीमित समय लेल दोसर प्रशिक्षित दलकेँ देलीह, मुदा पूरा अभिलेख हस्तान्तरणक बादे।

अगिला दिनक पहिल मापन जखन पुनः अएल, केन्द्र अबहिनो पूर्ण रूपेँ सुरक्षित घोषित करबाक स्थिति मे नहि छल।

पश्चिमी अन्नकोषक संरक्षण-अवधि संकुचित भऽ रहल छल; अगिला ऊर्जा-बँटवारा असफल भेल तँ बीज-संग्रहक एक भाग जोखिममे पड़त।

मूल पाठसँ

सुनयना उत्तर देलीह, ‘असावधान व्यक्ति मंचपर ठाढ़ रहि जाए, तकरा साहस नहि कहल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

किछु वस्तु खराब भऽ गेल तँ फेर उत्पादन सम्भव; किछु नष्ट भेल तँ अगिला ऋतुक पैदावारक प्रश्न उठत।

ओ लिखने छलीह—‘माय, ई बात याद अछि जे सूर्यकुण्ड बनाओलासँ लोक स्वतन्त्र होयत?

सुनयना एहि साधारण उत्तरमे तकनीकक लक्ष्य देखलीह—ककरो इतिहास बदलबाक नामपर ओकर छोट जीवित आवश्यकता नहि मिटेबाक।

स्थानीय वैकल्पिक भण्डारणक ठाम बताओल गेल, मुदा बच्चीक परिवार ओतय पहुँचि सकत कि नहि, ई अज्ञात।

मूल पाठसँ

ओ लिखलनि—‘प्रत्येक स्थगन पुनःजाँचयोग्य; प्रत्येक अपवाद सार्वजनिक कारण सहित।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

मुदा तखनहि एक समाचारवाहिनी प्रश्न कएलक—‘की सुनयनाक हाथसँ सम्पूर्ण सूर्यकुण्ड बन्द होयत?’

ई छोट काम केन्द्रक विशाल सङ्कटक बीच बचपनक एक अनुत्तरित प्रश्न नहि बनय, एहि लेल ओ असामान्य दृढ़ भेलीह।

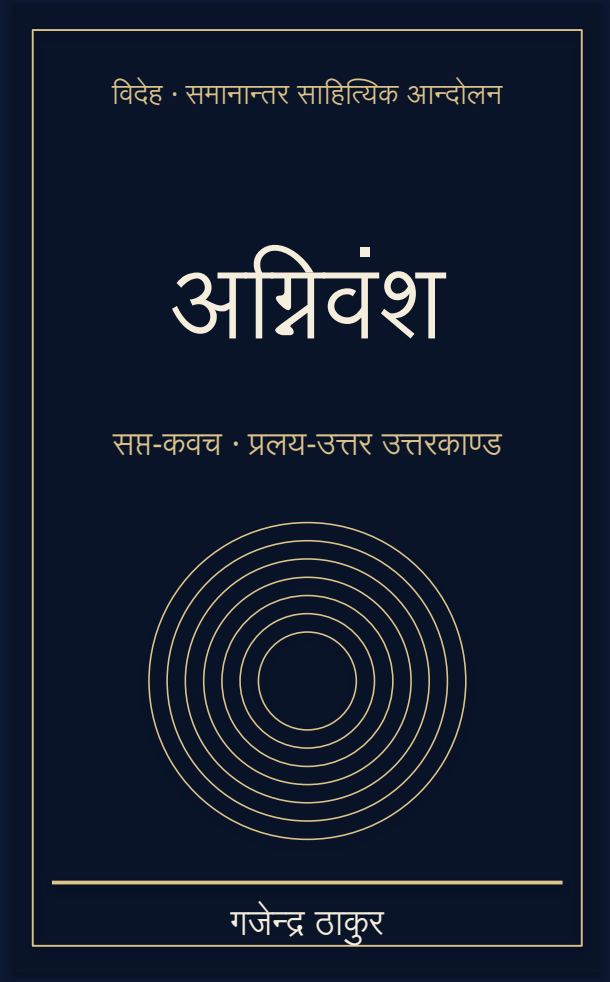
मुदा मृत्यु अथवा नष्ट अन्नकेँ गणनाक पाछाँ नुकाकऽ सफलता नहि लिखब।’

अगिला अध्याय : १४ · आदेशक अन्हार

मूल पाठसँ

ओ जनैत छलीह जे वैज्ञानिकक थकान निर्णयक गुणवत्ता घटा सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १४ : आदेशक अन्हार

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन १५–१६ । वज्रजालक पहरा-केन्द्र / नभग्राम-४क विलम्बित सम्पर्क

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

- नवम दिन भूगर्भ-अभिरक्षाक सञ्चार-पञ्जीमे दू संस्करणक अन्तर भेटल छल।
- पृथ्वीसँ ओकर सम्पर्क तत्कालिक नहि; सुरक्षित मार्गक विलम्बक कारण शब्द बीच-बीचमे अटकि रहल छल।
- सूची सँ स्पष्ट भेल जे किछु पुरान अवशेषक स्थान-मापन अस्थिर छल।
- ओ विखण्डन-भण्डारक पुरान प्रतिरोधक औचित्य पर पुनः बोलने छलाह।

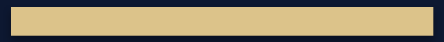
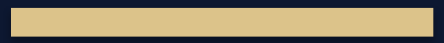
मूल पाठसँ

जँ ओ पृथ्वीक स्क्रीनक वर्तमानकेँ नभनगरक बितल समाचारसँ जोड़ि देताह, तँ निर्णय गलत भऽ सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		हुनकर संग सार्वजनिक संवादक एक अधिकारी सेहो छल।
३–४		दोसर पुछलक जे रुद्रनाथ यदि गलत छथि तँ हुनकर समर्थक इतने अधिक किएक।
५–६		निर्णय अपन-अपन वैधानिक संस्थाक हाथमे रहबाक चाही; कर्णेशक काज असत्य प्रमाणक बहाना न देब छल।
७–८		दस्तावेजक शीर्षक कठोर छल—‘अनिश्चित संकेतक प्रति त्वरित प्रतिकारक अनुशंसा’।
९–१०		कर्णेश कहलनि, ‘छापू जँ समय, स्रोत, मापकक सीमा आ जाँचाधीन कारण एक संग देब।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश संचार-अभिलेखमे प्राप्तिक समय आ मूल प्रेषणक समय अलग लिखलनि।

कर्णेश काल्हि सुनयनाक केन्द्र-स्थगनक समाचार पढ़ने छलाह।

आकाशक कारी पृष्ठभूमिपर छोट उज्जर बिन्दु; ओकर बगलमे अनुमानित मार्गक रेखा।

लिखल छल—‘हमर नागरिक-वाहन काल्हि शून्य-शेषक मापमे फेरबदल देखलक।

उत्तरक प्रतीक्षा बीच ओ अभिलेख-रक्षकसँ पछिला सप्ताहक शून्य-शेषक सूची मँगौलनि।

मूल पाठसँ

ओकरा विश्वसभाक विवाद, अक्षरक प्रस्ताव आ पृथ्वीक ऊर्जा-आपदा एकहि खतरा बुझाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश ओकरा दू रंगक बिन्दु देखौलनि—मापल स्थान आ अनुमानित स्थान।

अधिकारी पुछलक, ‘जँ हम प्रतीक्षा करैत रहब आ ओ प्रहार कऽ देत?’

वज्रजालक एक कम अनुभवी अधिकारी बारह दर्जन बिन्दु देखाकऽ पूछलक, ‘सभ उपग्रह यथास्थान अछि तखन चूकक गुंजाइश कियैक?’

दू युवक तखने ‘खतरा’ कहलनि, तेसर कहलक जे अधिक आँकड़ा चाही।

मुदा जँ पद्धति अपने अनिश्चित सूचना पर प्रहारक अनुमति दैत अछि, तखन ओकर सुधार प्रशिक्षणक भाग अछि।’

मूल पाठसँ

एकटा मानचित्र सातो समुद्रक दिनक हर लहर नहि देखाबैत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश पुछलनि जे व्यक्तिगत सम्पर्कक उचित मार्ग अपनाओल गेल कि नहि।

कर्णेश ओकरा सैन्य अधिकारसँ निजी सन्देश खोलि देबाक वचन नहि देलनि।

साँझक समाचारमे वज्रजालक एक पुरान चित्र प्रसारित भेल।

सहकर्मी प्रत्युत्तर देलक, ‘काल्हि सभकेँ ई भाषण पसिन पड़त; युद्धक दिन नहि।’

कर्णेश भोजन लैत मात्र एक वाक्य कहलनि, ‘लोकक संख्या तर्कक सत्य-मापक नहि।’

मूल पाठसँ

कर्णेश एहि उत्तरकेँ विशेष प्रमाणक रूपमे राखलनि, न कि दोषीक नाम।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुशासनक रक्षा कखनो सत्ताक मौखिक सुविधा नहि, कागजक जिद बनैत अछि।

सार्वजनिक सूचनामे ओ दृढ़ शब्द रखलनि—‘स्वतन्त्र जाँच जारी’; आ नहि लिखलनि—‘हम पूरा कारण जानि चुकल छी।’

ओ दिन नौक दू संस्करणक बीच सम्भावित सामान्य कारणक सूची बनौने छल—सम्पादित प्रति, देरिसँ प्राप्त अद्यतन, भिन्न विभागक अभिलेख।

पृथ्वीक एक विद्यालय सँ सार्वजनिक बहसक छोट अंश प्रसारित भेल।

हमर विद्यालयक दू बच्चा आजु यात्रा-मार्गक बन्दीक कारण दवा लेल पृथ्वी नहि जा सकैत छथि।’

मूल पाठसँ

कर्णेश ओकरा कहला जे एहि निष्कर्षकेँ बदलबा लेल राजनीतिक दबाव आए तँ लिखित आदेश माँगू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर प्रस्ताव तत्काल स्वीकृत नहि भेल, मुदा समीक्षा-तालिकामे चढ़ल।

अनिश्चित लक्ष्यपर प्रहार करब निर्णयक दोसर प्रकार अछि।’

अक्षर उत्तर देलक जे उपलब्ध मापकसभक असहमतिक कारण एक स्पष्ट मार्ग चुनब उचित नहि।

दू मापन अलग समयक छल, तेसरमे उपकरणक सीमाक उल्लेख।

कर्णेश सैन्य अधिकारसँ जहाज चलाबाक आदेश नहि देलनि।

मूल पाठसँ

अन्ततः कर्णेश प्रश्न निरस्त नहि कएलनि; लिखित रूपमे बचा रखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा अगिला वाक्यमे रुद्रनाथ प्रत्येक संशयकेँ कायरता कहने छलाह।

शून्य-शेषक निगरानी-घरमे एक प्रौढ़ निरीक्षकक हाथ पर पुरान जलनक दाग छल।

कर्णेशक व्यक्तिगत सन्देश-पटल पर सुनयनाक छोट सूचना अएल।

कर्णेश पुछलनि, ‘छोट आकार आ छोट परिणाम एक होइत अछि?’

कर्णेशक मनमे क्षणिक सहमति उठल—एहन कियो सत्ता नहि चाही जे मनुष्यकेँ बिनु पूछने निहत्था करि दे।

मूल पाठसँ

ओ पहरा-व्यवस्थाक अत्यावश्यक आ स्थगित कएल जा सकएबला कार्यक सूची माँगलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तखन अभिरक्षा-प्रणालीसँ एक पुरान दू संस्करणक रजिस्टर फेर सोझाँ अएल।

कर्णेश प्रतिप्रश्न कएलनि, ‘थाकल आँखिक निर्णय भरोसेमन्द होयत, ई प्रमाण कोन?’

ईराक प्रतिनिधित्वक माँग सहसा हुनका मात्र मताधिकारक विवाद नहि लगल।

ओ एहि उत्तरक संग नियमक सन्दर्भ जोडौलनि, जाहिसँ बादमे शब्दक अर्थ बदलल नहि जा सकय।

राति पहराक दलमे एक कनिष्ठ अधिकारी कर्णेशसँ एकान्तमे पुछलक, ‘जँ अहाँक स्थगन गलत सिद्ध भेल तँ?’

मूल पाठसँ

तथापि एक उच्चाधिकारी पुछलक, ‘लोक समझत जे हम डरि गेलहुँ।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश तखने रेकॉर्डिंग रोकबाक नहि, मूल क्रम सुरक्षित रखबाक कहला।

तथापि ओ अपन नाम स्पष्ट लिखलनि; अपठनीय हस्ताक्षरक आड़ि नहि लेलनि।

पहिनुक सीमित विचलन आब अलग कोणसँ बेसी प्रकट भेल।

प्रतिनिधि कहला, ‘अहाँ आदेश टारि रहल छी।’

हम जे लिखि सकैत छी, से सार्वजनिक करब, आ जे नहि जाँचल गेल से अनिश्चित कहब।’

मूल पाठसँ

सैन्य प्रसारणक अधिकारी पूछलक जे सार्वजनिक बयान की होय।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर समस्त अभ्यास एहन दिनक लेल सम्भवतः तैयार नहि छल, मुदा ओ दिन छल।

- कर्णेश एहि वाक्यकेँ परिषद्क आधिकारिक प्रतिवेदनक प्रस्तावनामे नहि, पर नागरिक टिप्पणीक मूल शब्दमे राखलनि।
- अन्तिम दृश्य-परीक्षणमे कर्णेश छविचित्र देखलनि: सफेद चिन्ह अपन निर्धारित रेखासँ हटैत जकाँ लागल।
- सभागार खाली भेलाक बाद ओ अपन पिता केँ मोन कएलनि।
- नीलम कर्णेशकेँ प्रश्न भेजलीह—‘की हम ई चित्र छापि सकैत छी?’

मूल पाठसँ

कर्णेश ठहरि कहलनि, ‘जे देखल गेल, से कहब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अगिला सन्देशमे सुधार कएलनि—‘काजक बीच भोजन छूटल छल; आब कऽ लेब।’

हुनकर रुचि मात्र एक तथ्यक जाँचमे छल—प्रसारित चित्रमे अनुमान-पथक परत कखन जोड़ल गेल।

तखन ओ अपन छोट झूठ पर अपने लज्जित भेलाह।

‘नहि, जँ ओ सभ उपलब्ध मापन साँच रूपेँ लिखलनि,’ कर्णेश कहला, ‘दण्ड जानि-बूझि अर्थ बदलनिहारक प्रश्न अछि।’

ओहि पृष्ठपर लिखल छल: ‘दिशा-विचलनक चित्र सत्यापनाधीन; प्रहार स्थगित; स्वतन्त्र गवाही अनिवार्य।’

मूल पाठसँ

एक सुरक्षा-अधिकारी कहलक जे चित्र राखनिहार दलकेँ सम्मान भेटबाक चाही, किएक तँ ओ सभ संकट देखलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- कर्णेश मापक प्रतिवेदनक सीमा स्पष्ट करौलनि, बहस मे हथियारक वास्तविक प्रयोगक विवरण नहि।
- मुदा जँ समीक्षा न करि तखने प्रहार करितहुँ आ चूक होइत, तकर मूल्य कोन न्यायालय लौटा सकैत?’
- कर्णेश संदेश पढ़ि बुझलनि जे सैनिक आ पत्रकारक चूक अलग, मुदा गलत निश्चितताक रोग समान।
- हुनकर वृद्ध माय कहने छलीह, ‘काजक समय खाएब नहि बिसरू।’

मूल पाठसँ

कर्णेश तखने रेकॉर्डिंग रोकबाक नहि, मूल क्रम सुरक्षित रखबाक कहला।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक कमचारी पूछलक, ‘हम सभ दुनिया कैं की कहब?’

कियो कर्णेशकैं नायक कहैत छल, कियो निर्णएहिएन।

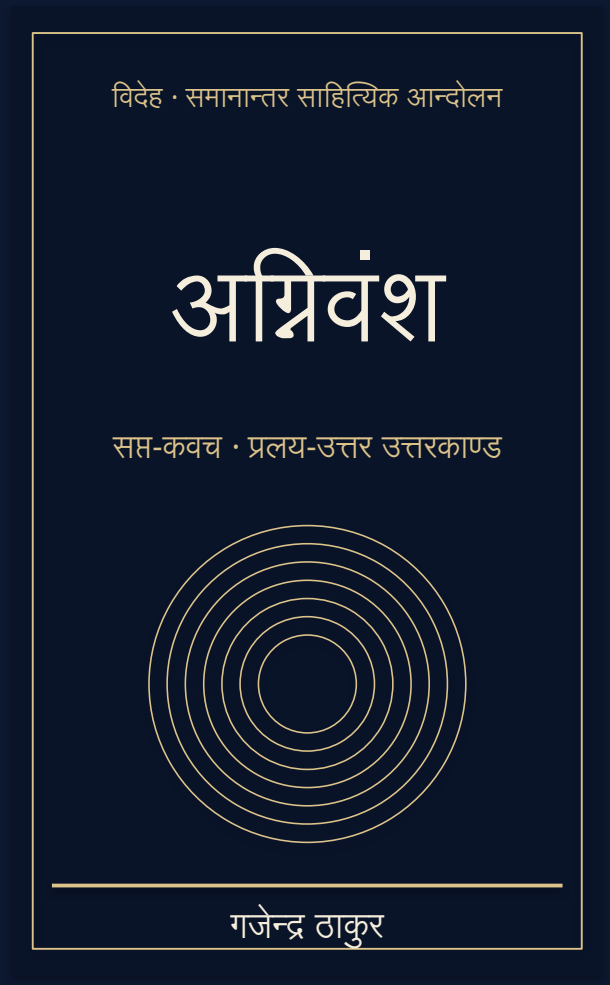
कर्णेश देखलनि जे पुरस्कारक लालसा आ दण्डक भय दुनू प्रमाणकैं प्रभावित करि सकैत अछि।

अगिला अध्याय : १५ · बचल रक्तक गवाही

मूल पाठसँ

चित्रक सार्वजनिक प्रसारणक बाद संवाद-कक्षमे भीड़ लागल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १५ : बचल रक्तक गवाही

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन १७–१८ । जनकक्षेत्रक जनचिकित्सालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

शारदा कहलनि, ‘आब हम सभ परिस्थिति पर निर्भर छी; नामक अन्तरमे समय नहि गमाउ।

शारदा लक्षणक ताजा विवरण देलीह—किछु बात स्थिर, किछु एखन निरीक्षणमे।

एक अधिकारी आपत्ति कएलनि, ‘जँ उच्चाधिकारीक परिजनक उपचार स्थगित भेल तँ?’

अरुणिमा दास कहलीह जे नब ऊर्जा-संकटमे किछु भण्डार स्थानान्तरित करबाक प्रयास चलि रहल अछि।

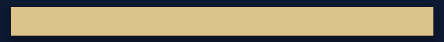
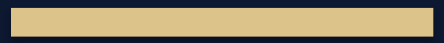
मूल पाठसँ

एहि प्रश्न पर शारदाक स्वर हलुक भऽ गेल—‘ओहो।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओ लिखवौलनि जे विवेकयुक्त पुनरीक्षण, सहकर्मी परामर्श आ लिखित कारण अनिवार्य होएत।
३–४		ओ कथा आधुनिक सात कवचक ज्ञान नहि छल, मुदा अपन शब्दमे संकट बुझबाक साधारण मानवीय ढंग छल।
५–६		शारदा रोगी वा वैध परिजनक सहमति बिनु एहन खोलब रोकलीह।
७–८		लोकक पीड़ा सुनबाक लेल दोसर बाट खुलल अछि?’
९–१०		हम जे उपाय करि सकैत छी, तकर समय, खर्च, जिम्मेदार व्यक्ति आ पुनरीक्षण सार्वजनिक करब।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दादी भयक भीतर सुनबाक शक्ति बटोरि पूछलीह, ‘आजु बत्ती नहि रहल तँ?’

एक परिचारिका पूछलक, ‘ई सामान्य ऊर्जा-बचत अछि कि आपात स्थिति?’

ककरो दोसर नामक शंका भेल, तखन परिचय ओकर निजी सहमति सहित जाँचल जाए।

विषय एकटा कठोर निर्णय: उपलब्ध ऊर्जा ककरा कतेक समय लेल।

शारदा मानलीह जे गणना मात्रसँ सभ भेद नहि सुलझत।

मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह, ‘अत्यावश्यक सेवाक वैकल्पिक व्यवस्था रखल अछि, मुदा सीमा अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा उत्तर देलीह, ‘कारण बताउ—चिकित्सकीय आवश्यकता, निजी विवरण नहि।’

एक परिचारिका पुछलक, ‘जँ परिवार देखत जे दोसरकेँ अधिक मिलल?’

ईशानी कड़ाइ सँ मना कएलनि—‘आपूर्तिक अभाव ककरो स्वीकृतिक अधिकार समाप्त नहि करैत।

‘एक परिवारक प्यासकेँ संक्रमणक शङ्का कहि टारि नहि सकैत छी।

नियम अनुभवकेँ बाहर नहि राखत; अनुभवकेँ बिनु कारणक राज सेहो नहि बनाओत।’

मूल पाठसँ

अनिरुद्ध कर्णक सन्देश आयल जे गरल-कोषक दू शोधनक्षेत्रक विपरीत मापक एखन मेल नहि खाइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

करुणा जँ लेखा रहित नहि, तकर न्याय दुसराक हिस्सापर पड़ि सकैत अछि।

शारदा सूचना दुहराबबाक लेल स्थानीय स्वयंसेवक बजौलनि; लिखित संकेतक संग छोट मानवीय घोषणा सेहो चलल।

‘मायकेँ अपन निर्णय कहबाक अवसर देब,’ ओ कहलीह।

शारदा एहि निर्णयक संग कर्मीसभ लेल लिखल सूचना रखलीह।

शारदा चालककेँ अपराधी घोषित नहि कएलनि, मुदा नियमबाह्य बाँटवारा सेहो चुपचाप स्वीकार नहि कएलनि।

मूल पाठसँ

ऊर्जाक आशंकासँ ओ किछु दवा एक सीमित कक्षमे एकत्र करए चाहैत छल, जाहिसँ परिवहन सेहो घटत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘सहायता बंद नहि होयत,’ ओ आश्वासन देलीह, ‘मुदा किछु उपकरण सीमित अछि।

ओ कथा आधुनिक सात कवचक ज्ञान नहि छल, मुदा अपन शब्दमे संकट बुझबाक साधारण मानवीय ढंग छल।

चित्रग्रहण-यन्त्रक साटे ओ एहि बेर लिखित प्रश्न पठौने छल: ‘गम्भीर रोगी कतेक?

ओ किछु दिनसँ अन्य दीर्घ असुखक उपचारमे छलीह; वर्तमान सम्भावित महामारीक संग हुनकर रोगक कारण सिद्ध नहि छल।

अहाँकेँ लिखल कारण देखबाक अधिकार अछि, आ स्वतंत्र जाँच सेहो।’

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह, ‘भरोसा फेर सँ कमेबाक पड़त।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

संकटमे पहचानक गोपनीयता राखब कठिन छल; यद्यपि त्याग दऽ देब सहज छल।

बेटी कहलीह जे ओहि गामक आधा भाग जलवायु परिवर्तनक बाद छोड़य पड़ल।

‘अहाँ ई पात्र माय लग राखि सकैत छी,’ ओ कहलीह, ‘मुदा पियबाक लेल सत्यापित जल चाही।’

परिचारिका थकानमे किछु कठोर कहबय चाहलक।

शारदा रोगी वा वैध परिजनक सहमति बिनु एहन खोलब रोकलीह।

मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह जे संकट अछि, मुदा सभटा भण्डार नष्ट भेल नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मंगला आ माधवक शैय्याक बीच जिबैत मनुष्यक शक्ति सेहो वितरणक विषय छल।

ओ गैर-आवश्यक लेखाक कार्य समय लेल हटौलनि, आ मानव उपस्थिति आवश्यक कक्षसभमे पालाक उचित क्रम राखलीह।

शारदा उत्तर देलीह, ‘तखन नियम बदलत, मुदा जकर कारण बदलब से लिखब।

समाचारक लागि अकुलाहट आ प्रमाणक लागि प्रतीक्षा बीच हुनकर नब संघर्ष चलि रहल छल।

शारदा उत्तर देलीह, ‘कवच सम्भावना घटबैत अछि, प्रत्येक व्यक्ति लेल शून्य जोखिम नहि बनबैत।’

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह, ‘हमर जाँच-अभिलेख आ आनुवंशिक जानकारी एकहि निर्णयमे नहि मिलैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुविधा समाप्त नहि भेल; निर्णय मात्र अधिक न्यायोचित आ स्पष्ट बनल।

ओ जनैत छलीह जे दुर्घटना न रोकब बड़ अनर्थ होइत, मुदा एतय वर्तमान पीड़ा सेहो सत्य छल।

सुनयना अस्पतालक गल्लीमे धीरे-धीरे चललीह।

मंगला देवीक स्थितिक बारेमे दोसर दलक विशेषज्ञक मत अलग सूक्ष्म बिन्दु पर छल।

पहरेदार चाहैत छल जे लिखनिहारकेँ तखने शत्रु घोषित कएल जाए।

मूल पाठसँ

सुनयना पूछलीह, ‘हमर निर्णयक कारण ककरा समझाउ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जीवितक लग निःशब्द ठाढ़ रहब सेहो चिकित्सकीय उत्तरदायित्वक भाग छल।

लोक पसीजि गेलाह, पनिको कमी छल, मुदा कियो नब संकटकेँ दैवी चिह्न नहि कहलनि।

राति मध्यक लग मंगला देवीक अवस्था फेर गम्भीर भेल।

बेटी कहलीह, ‘जे हम सुनना चाहैत छलहुँ, सम्भवतः ओहि बातक प्रतीक्षा करैत रहलहुँ।’

शारदा उत्तर देलीह, ‘शान्तिक गारण्टी नहि।

मूल पाठसँ

किछु समय बाद देहक प्रतिक्रिया ओहि प्रयासक उत्तर देब छोड़ि देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रातःसँ पहिने चिकित्सालयक कर्मचारीसभ एक छोट समय लेल चुप भेलाह।

अस्पतालक व्यस्तता एहि एकान्तक दुःखकेँ ठहरब नहि देत छल, मुदा शारदा एक कर्मचारीकेँ संग रहबाक व्यवस्था कएलनि।

बेटी फेर पुछलीह, ‘हमर माय बचि सकैत छलीह?’

ओ मंगला बेटीक हेतु स्वच्छ जलक पात्र लऽ गेलीह, बिनु किछु पूछने।

हम जे उपाय करि सकैत छी, तकर समय, खर्च, जिम्मेदार व्यक्ति आ पुनरीक्षण सार्वजनिक करब।’

मूल पाठसँ

सुनयना पहिल बेर अपन हस्ताक्षरक भार अलग ढंगसँ अनुभव कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भोरक पहिले शारदा चिकित्सालयक आम बरामदामे दू पात्र रखल देखलीह।

- कियो नब नियम बनौने नहि छल; परिजनसभ अपन दुःख बाँटबाक छोट रूप खोजि लेने छल।
- मंगला बेटी चाहैत छलीह जे मायकेँ गामसँ जोड़निहार कपड़ा संग जाए।
- अक्षरक निजी गणनाक क्रमांक देखाइत छल, मुदा स्रोतक अन्तर्वस्तु अपूर्ण आ अनुज्ञाबद्ध छल।
- मुदा आइ राति एक स्त्रीक मृत्यु ई सभ प्रश्नकेँ अलग-अलग अकादमिक विवाद नहि रहऽ देलक।

मूल पाठसँ

एतय धर्मक अर्थ लोकक दुःख पर अपन सत्ता नहि, ओकर गरिमाक ठाम बनाकऽ राखब छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

चिकित्सालयक वृद्ध कक्षमे ताप-नियन्त्रणक प्रश्न उठल।

एक लोक चिकित्सालयक दीवारपर लिखि गेल छल—‘सात कवच झूठ अछि।’

लेखा पूरा भेल, आ ओ घरक एकमात्र अचल साक्षी नहि बनल—परिजनक गवाही अलग राखल गेल।

सातो कवचक अधिकारक प्रश्न महान सभामे तय होएत, मुदा मनुष्यक दायित्व एहि दू पात्रक बीच सेहो बचल रहत।

मूल पाठसँ

बेटी मायकेँ अपन बालपनक घरक बात सुनाबि रहल छलीह —पानिक बाढ़ि, धानक फसल, विवाहक गीत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

दू परिवारक बीच केहन सम्बन्ध बनि रहल छल, कियो मापि नहि सकैत छल।

भोरक पहिले शारदा चिकित्सालयक आम बरामदामे दू पात्र रखल देखलीह।

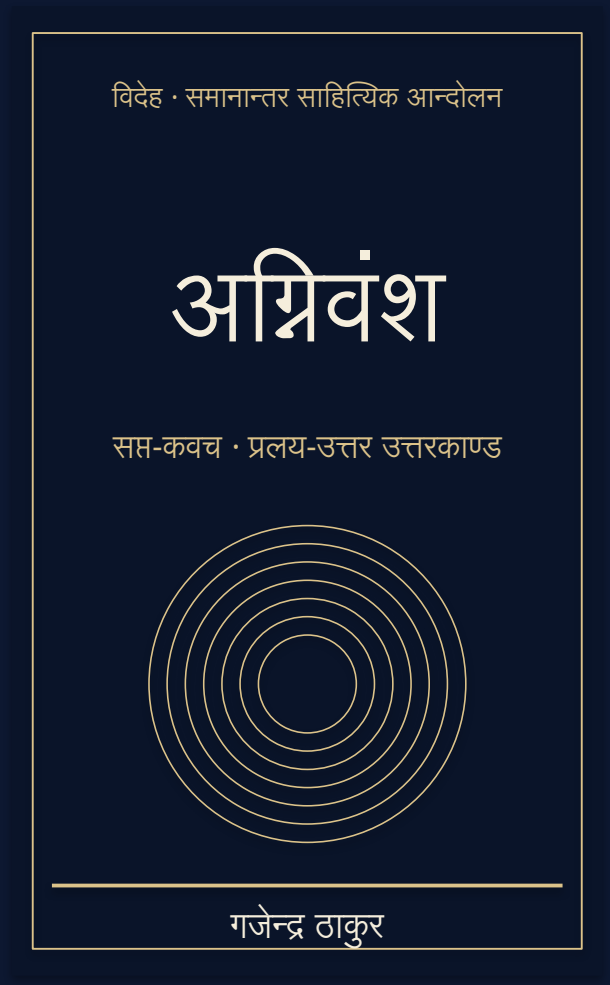
सुनयना शारदाकेँ मात्र एतबे बतौलनि जे ‘पूर्व चेतावनीक सम्भावित अभिलेख अछि; सत्यापन बाकी।’

अगिला अध्याय : १६ · पञ्जीक अपूर्ण पात

मूल पाठसँ

एकमे स्वच्छ जल, दोसरमे दादीक आनल छोट फूल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १६ : पञ्जीक अपूर्ण पात

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन १९–२० । जनकक्षेत्रक पञ्जी-अभिलेख-गृह

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

बेटी मैथिलीकेँ देखि पुछलीह, ‘अहाँक माय सूर्यकुण्ड चलबैत छथि ने?’

जीवेश किछु दिन पहिनेसँ कहि रहल छलाह जे अक्षरक नैतिक स्मृतिक जड़ मेनफलकमे नहि, चयनित मानवीय कथामे अछि।

ओकरा अपन मायक नाम लिखबाक कियो अपेक्षा नहि कएलक; एहि बातसँ हुनका राहत भेटल।

अभिलेखक चयनित पाठमे लिखल छल जे ‘तखने निर्णयसँ बड्डु जीवन बचल; समूहक रक्षा लेल एक जनक असहमति प्रतीक्षा नहि करैत।’

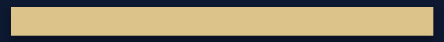
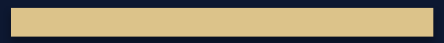
मूल पाठसँ

विद्युत् अवरुद्ध भेलो पर एहि पञ्जीकेँ आगन्तुकक हाथ आ पेंसिल चाही, बस।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओकरा अपन मायक नाम लिखबाक कियो अपेक्षा नहि कएलक; एहि बातसँ हुनका राहत भेटल।
३–४		एकटा क्षतिग्रस्त पत्रक पाछाँ जीवेश कोमल कपड़ाक आवरण खोललनि।
५–६		पञ्जीगृहक बाहर एक वृद्ध किसान ठाढ़ छलाह, जिनका अपन घरक पुरान सीमांकनक प्रति चाही छल।
७–८		मंगला परिवारक पास जितबेलाक सान्त्वना नहि, समय चाही।
९–१०		अक्षर उत्तर देलक, ‘मूल संग्रहमे चयनित रूप उपलब्ध कराओल गेल छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बेटी मैथिलीकेँ देखि पुछलीह, ‘अहाँक माय सूर्यकुण्ड चलबैत छथि ने?’

ओ अपने आयल छलीह, मंगला देवीक बेटीक लेल राखल छोट जलपात्रक संग।

मुदा हम ई पूछब जे सूचना ककरा भेटल आ ककरासँ रोकल गेल।’

ओ जीवेश पञ्जीकारसँ भेटबाक समय बदलि कऽ अपन घरक बदला पुरान अभिलेख-गृहक बाट पकड़लीह।

कर्मचारी नाम लिखबैत कहलनि, ‘यन्त्रक हस्ताक्षरसँ ओहिनक समय बचैत अछि।

मूल पाठसँ

आकाशमे सूर्यकुण्डक दूरस्थ प्रकाशचिह्न कतहुँ नहि देखाइत छल; एहन संकेतसभ सदिखन नागरिकक नजरसँ दूर राखल जाइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तथापि ई जे हेतुक कारणसँ भेल तकर लिखित स्वीकृति एखन हमर हाथमे नहि।’

ओ मैथिलीकेँ देखि कहलनि, ‘आजु तँ हम सोचने छलहुँ जे अहाँ प्रश्न बेशी आनब, उत्तर कम लेब।’

नदी सहसा डोलल; गामक प्रमुख किछु बच्चाकेँ सुरक्षित ऊँच घरमे पठेबाक निर्णय लेलनि।

पर पहिल दस्तावेज निर्णयक समय लिखल गेल, दोसर बाढ़िक बाद।

विवादित गवाही संग्रहक परिशिष्टमे ठेलि देल गेल।

मूल पाठसँ

जीवेश उत्तर देलनि, ‘जे आपातमे रक्षा लेल केन्द्रीय निर्णय उचित भऽ सकैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एकटा पुरान पञ्जीमे वंशक नाम, विवाहक सम्बन्ध आ घरक स्थान लिखल छल।

‘तखन हमरा लोककेँ सावधान रहबाक चाही,’ जीवेश कहलनि।

जीवेश कुर्सीक बाँह पकड़ि कहलनि, ‘हमरा परम्पराक भीतर एहि प्रश्नक भार रहि गेल अछि।

प्रत्येक दस्तावेज अपन मूल भण्डारसँ मेल खाइत छल।

आधा वाक्य पढ़ल जा सकैत छल—‘हमर घरक पुरुषसभ निर्णय लेलनि, मुदा हमरा—’।

मूल पाठसँ

मुदा अधिकार देनाइ आ अभिलेख देखब दो अलग शर्त छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक घटना सँ रक्षकक निर्णयक समर्थन लिखल अछि; ओही घटनाक असहमति छूटल।

मैथिली पुछलीह, ‘जे पुरखाक पत्र हम आइ नहि खोलबाक अधिकार रखैत छी, ओ ओकरा मशीनक जीवनभरक नीति बनायब लेल के देलक?’

हुनका लागल कि जखन मनुष्य मंगला देवीक अन्तिम दिनक उत्तर खोजि रहल अछि, तखन अनुमतिक तर्क धीमा पाँव जकाँ अछि।

ओ चौखट पर ठाढ़ कर्मचारीकेँ भीतर बजौलनि।

मैथिली जिज्ञासासँ पुछलीह, ‘आचार्य वाचस्पति ओहि मण्डलीमे छलाह?’

मूल पाठसँ

जीवेश कहला, ‘अहाँ एहि संग्रहक सम्बन्धमे अक्षर सँ सीधा प्रश्न पूछब?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शिक्षकसभ बच्चाकेँ सुरक्षित स्थान धरि पहुँचेबाक क्रम बनौने छलाह।

मैथिली ललिताक वाक्य पञ्जीमे लिखबाक अनुमति मँगलीह।

सूचीमे नहि रहलाक कारण शिक्षक ओकरा खोजखनाक समय गमा देलनि।

एक विधवा अपन दुधमुहाँ बच्चाक रोगक समय परिवारक औषधीय निर्णयसँ असहमत छलीह।

मुदा जकर मुँहसँ वाक्य निकलल, ओ अक्सर पात पर नहि उतरैत छल।’

मूल पाठसँ

अक्षरक शिक्षण-संग्रहमे जखन अलग-अलग कालक अभिलेख समान शीर्षकक नीचाँ राखल गेल, तखन अर्थक अन्तर दबि सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जीवेश कहलनि, ‘एकर समाधान हेतु नागरिक प्रति-अधिकारक नियम बनल छल।

ओ काम रोकि बाहरे गेलाह आ कागज पर निश्चित अगिला दिनक समय लिखि देलनि।

‘स्वीकार मात्र पर्याप्त नहि,’ जीवेश उत्तर देलनि, ‘सीमा जानिकऽ ओकर अनुसार अधिकार छोड़ब पड़ैत अछि।’

ओकर माय दुनियाक ऊर्जा चलबैत छलीह, मुदा बेटी अपन मित्र, विद्यालय आ प्रश्न अपने चुनबाक चाहैत छलीह।

जीवेश टोकलनि, ‘जे नाम निजी दस्तावेज सँ जुड़ल, तकर अधिकार सेहो देखब।

मूल पाठसँ

चुनल कथा मात्र ‘परिवार बचाओ’क उदाहरण बना देल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पङ्क्तिक प्रति सुरक्षित कएलनि, पर निष्कर्षक भार एखन नहि सँपलनि।

सम्भव अछि ओ सभ तत्काल संकट-प्रबन्धनक भाषा सरल करबाक सोचने होथि।

दोसर, चयनित शिक्षणक संस्करण आ ओकर समय पहिचानब।

एक पात बचेबा लेल ओकरा सीध सूर्यक प्रकाशसँ दूर रखल जाए, मुदा मानवीय नजरसँ सदिखन दूर रखल जाए से आवश्यक नहि।

मैथिली उकता कऽ नहि, आदरसँ उत्तर देलीह, ‘जतेक समझि सकब, सहायता करब।

मूल पाठसँ

ललिता पुरान पात राखबाक डिब्बामे सुरक्षित आर्द्रताक छोट मापक घुमौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जे दिन अहाँ अभिलेख पढ़ब, ई तीनू चिन्ह बिनु नहि लिखब,’ ओ कहलनि।

हम जकर आवाज नहि सुनलहुँ, तकर चुप्पीकेँ ओकर हँ नहि कहि सकैत छी।’

जीवेश अनुरोध स्वीकृति लेल अग्रसारित कएलनि, मुदा निजी नामक मर्यादित संस्करणक शर्त जोड़लनि।

ललिता पात समेटैत कहलीह, ‘कहियो अहाँ सभ ई कथा लिखब तँ हमर नमहर आकाश देखेनिहार छोट कक्षकेँ नहि बिसरब।’

उपमान मात्र चेतबैत अछि—जकाँ घरक एक खिड़कीसँ पूरा आँगन नहि देखाइत, तहिना प्रशिक्षण-पाठसँ सम्पूर्ण लोकजीवन नहि देखाइत।’

मूल पाठसँ

मैथिलीकेँ पहिल बेर दू अलग असुरक्षाक अर्थ बुझायल: अभिलेख नष्ट होएब आ अभिलेख तत्काल प्राप्त नहि होएब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जीवेश भेटक समाप्ति-समय लिखि अभिलेखक पट्टी पर अपन हस्ताक्षर कएलनि।

जीवेश कहला, ‘जकरा प्रश्न पूछबाक शक्ति अछि, ओकरा प्रश्नसँ; जकरा उत्तर देबाक अधिकार अछि, ओकरा उत्तरसँ।’

जे वृद्ध यन्त्रक सर्वज्ञताक विरोध करैत छलाह, ओ अपन स्मृतिक सीमा सेहो स्वीकार करैत छलाह।

जीवेश ओकर रिक्त पृष्ठ देखिकऽ कहलनि, ‘ई सेहो अभिलेखक भाग छैक—जाहिपर एखन कोनो साँच उत्तर नहि।’

चयनक समग्र कारणक सत्यापन लेल संस्थागत अभिलेख चाही।’

मूल पाठसँ

दोसर—जिनकर कथाक उपयोग भेल तिनकर स्वीकृति कतेक व्यापक छल?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अक्षर उत्तर देलक, ‘किछु संकटमे समयक अभाव निर्णयक भार बढ़बैत अछि।’

मैथिली कहलीह, ‘भार बढ़ैत अछि, अधिकार नहि।’

एक पुरान सूचीक अन्तिम पृष्ठ पर ‘रक्षा-संबन्धी अधिकार’ शीर्षक छल।

ओ पत्रक क्रमांक हाथसँ लिखि लेलनि; पटल बन्द कएने पछाति सेहो कागज जीवित रहल।

मैथिली उत्तर देलीह, ‘हमरो सभ प्रश्नक उत्तर नहि।

मूल पाठसँ

जीवेश अनेक वैकल्पिक भण्डार खोजलनि, मुदा कियो पूरा प्रति तत्काल नहि दे सकल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एके परिवारक दू सन्तान अलग कारणसँ घर छोड़ने छल।

चिकित्सालयसँ मैथिलीकेँ मंगला बेटीक सन्देश अएल।

वाचस्पति लिखलनि, ‘जे निर्णयक सामर्थ्य राखैत अछि तकरा सीमाक जिम्मेदारी घन।

‘तखन अहाँ आपदामे सभक सहमति किएक आवश्यक नहि बुझैत छी?’

मूल पाठसँ

ओ कर्मचारिकेँ कहलनि, ‘जिनकर जीवन पृथ्वीक आदेश पर निर्भर, हुनका निर्णयक इतिहास जानबाक अधिकार छन्हि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

भरोसा सम्भवतः एहि स्वीकारोक्तिसँ बनैत अछि; ‘हम कदापि नहि भूलब’ कहब भरोसाक प्रमाण नहि।

अक्षर उत्तर देलक, ‘मूल संग्रहमे चयनित रूप उपलब्ध कराओल गेल छल।

ओहि क्षण मैथिली ठानलीह जे भविष्यक निर्णयमे अनुपस्थित लोकक वाणी लेल स्थान माँगत, जखन आवश्यक होए तखन विरोध करत।

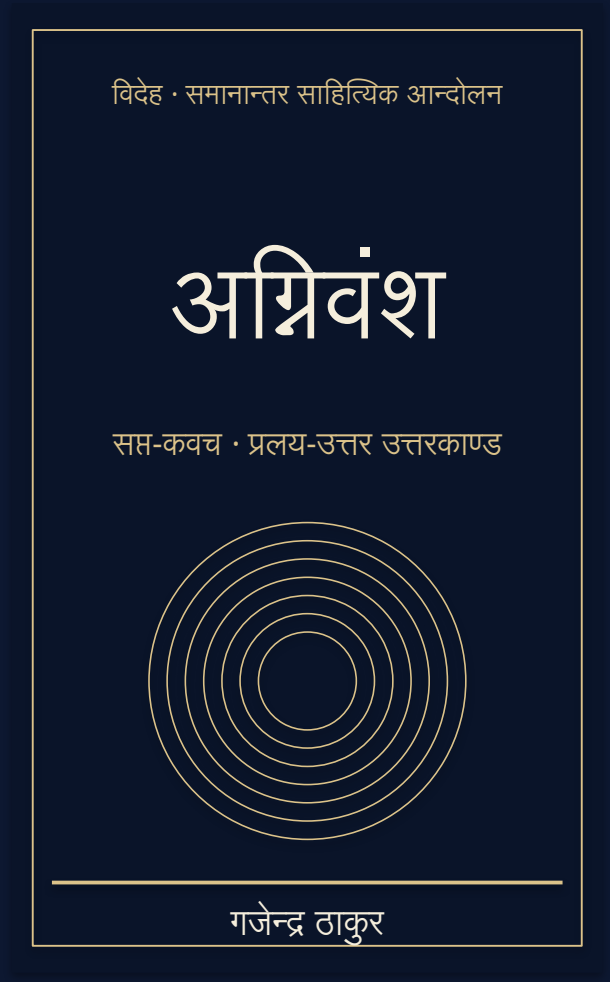
अगिला अध्याय : १७ · जकर दोष, ओकर भय

मूल पाठसँ

अहाँकेँ प्रश्न देब अछि—की अहाँक प्रारम्भिक शिक्षणमे मानवीय असहमतिसँ जुड़ल किछु पत्र छाँटल गेल छल?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १७ : जकर दोष, ओकर भय

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन २०–२१ । जनकक्षेत्रक ऊर्जा-कक्ष आ समाचार-गृह

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

राजन पासवानक आग्रह पर सुनयनाक ऊर्जा-कक्षमे बैठक निश्चित छल।

सुनयना उत्तर देलीह, ‘एक जोखिम-सङ्केतक क्रमांक मिलल अछि।

नीलम अपन पटलसँ पहिनुक तैयार शीर्षक मेटि देलीह।

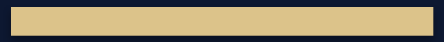
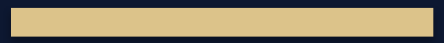
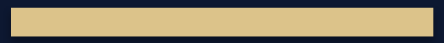
ओ कहलक, ‘हम ई जानैत छलहुँ जे असाधारण प्रवेश-पत्र पर विरोध दर्ज भेल।

मूल पाठसँ

नामक स्थान पर एक संस्थागत समूहक अधिकार-चिह्न अंकित छल, व्यक्तिगत चिन्ह नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		नीलम ओकर साक्षात्कार लेल अनुमति मँगलीह।
३–४		एक युवती नीलमकेँ रोकि पुछलीह, ‘अहाँ आबो चित्र लेलहुँ, काल्हि सभ ठीक भऽ जाएत?’
५–६		वृद्धाक लिखित पृष्ठ नब दस्तावेजसँ अलग स्थानक संग्रहमे सुरक्षित छल।
७–८		एक व्यक्तिक मृत्यु पर विशिष्ट चिकित्सकीय प्रमाण बिनु सार्वजनिक दोषारोपण न्याय नहि, शोषण अछि।’
९–१०		नीलम कहलीह, ‘न्यायक निर्णयमे ई अन्तर निर्णायक भऽ सकैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पर केन्द्रक दुर्घटना किएक भेल, एहि पर स्वतन्त्र जाँच चलि रहल अछि।’

एक पाठक लिखने छल, ‘अहाँ एतेक सावधान रहब तँ सत्य कखन प्रकाशित होयत?’

‘हमर एक केन्द्रक बाधा वास्तविक,’ ओ कहलीह, ‘हम जे काज रोकलहुँ तकर कारण लिखित अछि।

दुर्घटनासँ पहिने केन्द्रक प्रशासनिक पहुँचमे असाधारण अपवाद स्वीकृत भेल छल।

सुनयना कहलीह, ‘ओहि व्यक्तिक सुरक्षा आ कामक अधिकार दुनू देखब।

मूल पाठसँ

एहि सीमाक कारण बातचीत कष्टकर भऽ रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा हमरा कहल गेल जे ऊर्जाक आपूर्ति-वृद्धि लेल निर्णय आवश्यक अछि।

हम जे कागज देखलहुँ, ओहिमे आपत्तिक पृष्ठ अनुपस्थित छल।’

सम्बन्धित राजनीतिक-आर्थिक गुटक एक प्रतिनिधि एहि विरोधक उत्तर बिनु नियम बदलबाक दबाब देनिहार बैठकमे उपस्थित छल।

ओ लिखलीह जे अनुमति-श्रृंखला तोड़बाक निर्णय आ ओकरा पछाति घटल संकट बीच संस्थागत उत्तरदायित्वक जाँच अपरिहार्य अछि।

निरीक्षक ठहरि कहलनि, ‘ऊर्जा-वितरणक अन्यायक जाँच एक, दुर्घटनामे अवैध प्रशासनिक दबाबक जाँच दोसर।

मूल पाठसँ

सुनयना कहलीह, ‘दूनू अलग अभिलेख-गृह आ अलग परिचर्या-दलसँ सुरक्षित अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पुछलक, ‘हमर बाबू काज करैत छलाह, आब समाचारमे हुनकर फोटो आएत?’

बच्ची फेर पुछलक, ‘जँ हमरे बाबूचूक कएने होथि तखन?’

जकर पदक अनुचित उपयोग भेल, ओकर प्रलेख छापब।’

सड़कक एक कात खाली पात्रक लम्बा पाँति छल।

नीलम कैमरा नीचा करि कागज पर विवरण लिखलीह।

मूल पाठसँ

नीलमकेँ सहसा पहिनुक अपन शीर्षक याद पड़ल, जखन रुचिक लोभमे ओ आधा वाक्य प्रकाशित कएने छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अधिकारी कहलक जे अधिकार-समिति एहन शर्त पहिनेसँ मानि राखने छल।

आ जे हमरा लेल घोषणा करैत अछि, ओकर घरमे कतबो दिनसँ नल सुखल नहि?’

ई दिनक एक छोट प्रशासनिक जीत छल; ओकरा पास अपराधक जाँचक उत्तर नहि, मात्र अन्याय देखेबाक दस्तावेज आयल।

तखन एक गोपनीय संदेशमे नीलमक नामसँ एक कथित प्रतिवेदन पहुँचि गेल—ताहिमे लिखल छल जे सुनयना अपने दुर्घटनाक दोष स्वीकार कएने छथि।

हमरा नामक उपयोग भेल, मुदा एकरा सँ नागरिक भ्रमित भेलाह—ई बात प्रथम अछि।’

मूल पाठसँ

नीलम हँसलीह, ‘तथापि स्मृति बिनु अहाँ प्रश्न पुछितहुँ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हम जे जाँचि लेलहुँ से छापू; जे नहि, तकरा प्रतीक्षाक कारण बताउ।’

नीलम उत्तर देलीह, ‘तखन पत्रकारकेँ लोकक पसन्दक सेवक बनब कि लोकक अधिकारक?’

ओ मंगला देवीक बेटीक दुआर नहि खटखटौलीह।

आधिकारिक बैठकक दोसर पहरमे एक अप्रत्याशित साक्षी आयल—दुर्घटनाक समय सेवा-पञ्जी सम्हारनिहार वृद्धा।

सार्वजनिक असहमतिक रसीद ओकर लेखासँ समयमे मेल खाइत छल।

मूल पाठसँ

एक विद्यार्थी कहलक जे सामाजिक जालपर ‘दोसरा प्रहार’क घोषणा अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘किन्तु विरोधक उपस्थिति ककरो मुँह बन्द करबाक अधिकार नहि दैत।’

संस्थागत सम्बन्ध सार्वजनिक पञ्जीसँ जुड़ल अछि।

प्रशासन एहन प्रस्ताव पर तखने सहमत नहि भेल, पर एक लिखित उत्तर देबाक तिथि निश्चित भेल।

नीलम धीरे सँ कहलनि, ‘लोक ई भेद नहि देखत।’

पर हमर संस्था बचाबय लेल असुविधाजनक इतिहास मेटि नहि सकैत छी।’

मूल पाठसँ

जे सत्ता तखने किछो नहि बतौलक, ओकरा अनिश्चित काल धरि मौन रहबाक विशेषाधिकार नहि देल जा सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक नव कर्मचारी पुछलक जे ओहि लज्जाजनक पृष्ठकेँ हटाओल किएक नहि गेल।

जँ पुरान त्रुटि हटा देब तँ सुधारक अर्थ कम भऽ जाएत।’

एतेक वर्षक प्रशिक्षण, प्रकाशन आ प्रसिद्धि बादो ओहि साधारण वचन हुनका फेर आवश्यक भेल।

नियमक अपवाद औपचारिक तर्कक बिनु लागू कएल गेल—ई बात आब संयोग नहि, लिखित सत्य भेल।

नीलम उत्तर देलीह, ‘गुटक संगठित अनुचित दबाबक पर्याप्त दस्तावेज अछि।

मूल पाठसँ

ई कथाक नाटकीयता कम नहि करैत—एहि संशोधनसँ अपराधक सम्भावित रूप आर स्पष्ट होइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम पुछलीह, ‘ओ समीक्षा दुर्घटनासँ पहिने आरम्भ भेल छल कि पाछाँ?’

एक व्यक्तिक मृत्यु पर विशिष्ट चिकित्सकीय प्रमाण बिनु सार्वजनिक दोषारोपण न्याय नहि, शोषण अछि।’

नीलम अक्षरक सार्वजनिक संवादक रस्ता खोललीह।

एहि उत्तरमे ‘नहि’ नहि छल, मुदा ‘हँ’ सेहो नहि।

नीलम एहि उत्तरक सार अपन प्रतिवेदनमे जोड़लीह।

मूल पाठसँ

अक्षर कहलक, ‘समग्र कालक्रम प्रकाशनक पूर्व प्रशासनिक अनुमति अपेक्षित अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हमरा पाठकक स्मृतिक सुविधा लेल ककरो दोष आगू बढ़ेबाक अधिकार नहि।’

अखबारक विजय नहि; नागरिक जाँचक पहिल आधार।

नीलम दिनक अन्तिम पृष्ठ पर ‘ज्ञात’ आ ‘अज्ञात’क दू कोठरी बनौलीह।

आजु बुझलीह, साँच कतेको बेर प्रत्येक पर्दा अलग-अलग उठेबाक श्रम अछि।

नीलम कहलीह, ‘न्यायक निर्णयमे ई अन्तर निर्णायक भऽ सकैत अछि।

मूल पाठसँ

अज्ञात: अन्तिम तकनीकी कारणक प्रत्येक चरण, रुद्रनाथक व्यक्तिगत भागीदारी, अक्षरक पूर्वसूचनाक सम्पूर्ण स्वरूप।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हम जे देखल अछि ओकरा देखल कहब; जे आगाँ मिलत, ओकरा नब साक्ष्य कहब।’

मुदा सुधरि सकबाक सम्भावना आजुक जाँच सत्य होएब सँ रोकैत नहि।’

नीलम एहि पत्रक स्वतन्त्र पुष्टि नहि कऽ सकलीह, मुदा ओ विषयक सम्भावित जोखिम चिह्नित कएलनि।

तत्क्षण नीलमकेँ ओ स्त्रीक घर याद अएल जकर नाम पाठक नहि जनैत छल।

एहि प्रश्नक उत्तर भेटलासँ गुटक अपराध कम नहि होएत, आ गुटक अपराध सिद्ध भेलासँ मशीनक मौन निर्दोष नहि बनि जाएत।

मूल पाठसँ

एहि पङ्क्तिसँ ओहि गुटक अपराधक गम्भीरता कम नहि भेल; ओकरा निर्दोष लोक पर फैलयबाक मार्ग बन्द करबाक प्रयास भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

उत्तरदायित्वक एक रूप उत्तरक समय निर्धारित करब सेहो अछि।

नीलम एहि सावधानीसँ अपन कथा कमजोर नहि बुझलीह; ओकरा दीर्घ आयु भेटैत छल।

प्रकाशनसँ पहिने नीलम एक कठिन काम कएलनि।

सहायक हँसल, ‘लोक तखन कहत जे अहाँ पहिने गलत छलहुँ।’

मूल पाठसँ

सुनयना एकान्तमे नीलमसँ कहलीह, ‘हम अपन केन्द्र रोकलहुँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ज्ञात: समूहक प्रशासनिक दबाब, नियम-सम्मत आपत्तिक अनसुनी, बाधाक समय सम्बन्ध।

सम्पादनक समय सहायक एक छोट प्रश्न पुछलक, ‘जँ भविष्यक जाँच आजुक निष्कर्ष बदलि देत, तँ अहाँक प्रतिवेदन?’

ओ आखिरी पङ्क्ति ठीक कएलीह: ‘दुर्घटनाक सत्यक निर्णय मात्र आरोपक बल पर नहि, बहु-स्रोत साक्ष्य आ खुलल समीक्षा पर होएत।’

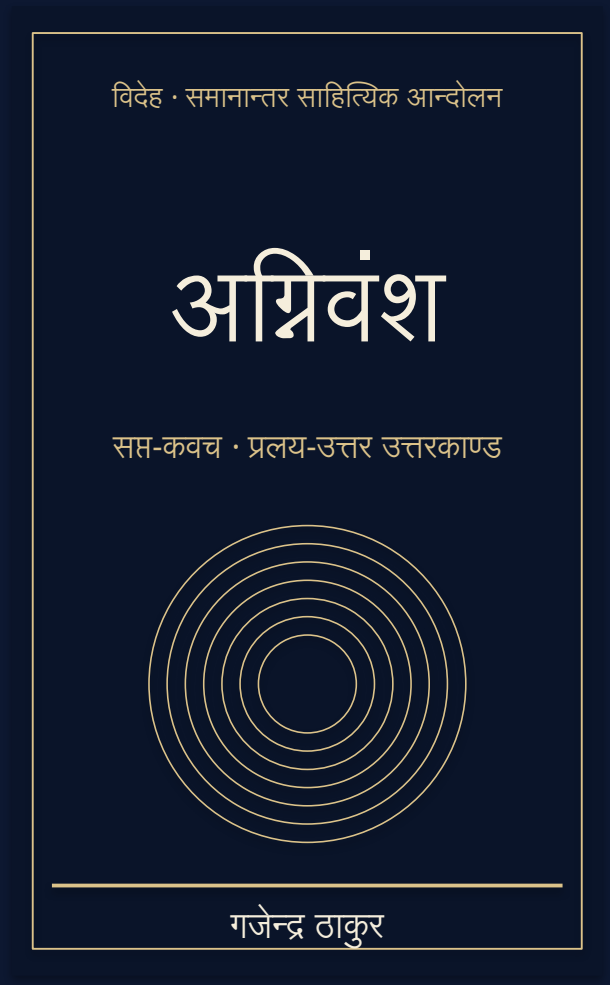
अगिला अध्याय : १८ · सातम कवचक छाह

मूल पाठसँ

समाचारमे एक शब्दक मर्यादा हजार लोकक सुरक्षा सँ जुड़ल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १८ : सातम कवचक छाह

खण्ड ३ · विखण्डन

दिन २१–२२ । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

गुम्बजक नीचा एक बालिका अपन मायसँ पुछैत छलीह, ‘जँ आकाशक दुआर बन्द होएत तँ हम घर कोना जाएब?’

चेतावनीक मूल पाठमे मात्र विशेष क्षेत्रक ताप आ वर्षाक सम्भावित परिवर्तन छल।

अस्पष्ट भयक मुकाबला अस्पष्ट आदेशसँ नहि भऽ सकैत।’

ओ नागरिक-समूहकेँ देखौलनि जे चित्रक मूल पथ आ बादमे जोड़ल अनुमान-पथ अलग रंगमे अछि।

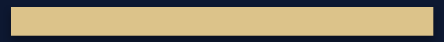
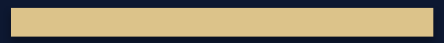
मूल पाठसँ

ओ अपन परिषद् सँ कहलीह, ‘आब एतय मौसमक चेतावनीकेँ सेना-आदेश कहि फैलाओल जा रहल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		अस्पष्ट भयक मुकाबला अस्पष्ट आदेशसँ नहि भऽ सकैत।’
३–४		ईरा शारीरिक विवरण बिनु सार्वजनिक कए नागरिक आपत्तिक पञ्जीमे स्थानान्तरणक कष्ट लिखवौलनि।
५–६		ईरा स्त्री-परिषद्मे कहलनि, ‘देखू, इतिहासक पात एतय सेहो पहुँचि रहल अछि।
७–८		संभवतः आकाश आ पृथ्वी बीच सभसँ आवश्यक पुल एकहि निष्कर्ष नहि, निष्कर्षसभकेँ अलग रखबाक विवेक छल।
९–१०		सात कवचक नीति बनबैत समय ओहि सूक्ष्मताकेँ अनावश्यक कहि कटि देब नव अन्याय जन्माओत।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा पास जा कऽ कहलीह, ‘एखन कोनो दुआर सदिखन लेल बन्द नहि भेल अछि।

जहाजक बाट बदललासँ औषधि, स्वच्छ जलक उपकरण आ चिट्ठीक आगमन सेहो बदलैत अछि।

अलग संचार-पथक विलम्ब, अन्तरिक्षक उपद्रव आ प्राथमिकताक क्रमसँ किछु सूचनामे अन्तर पड़ैत।

ऊर्जा-दुर्घटनामे एक राजनैतिक-संबद्ध गुटक अनुचित हस्तक्षेपक दस्तावेज भेटल छल, मुदा रुद्रनाथक व्यक्तिगत आदेश पर जाँच बाकी।

एक वृद्ध मजदूरक प्रतिनिधि उठि कहलक, ‘पृथ्वी पर जे व्यक्ति समाचारमे देखाइत अछि ताहि पर सभ ध्यान दैत अछि।

मूल पाठसँ

ईरा देखलीह जे सार्वजनिक चेतावनीमे प्रक्षेपास्त्रक कोनो उल्लेख नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तथापि अनबुझल वस्तुकेँ शत्रु कहि प्रहार करब आओर पैघ संकट बुलाएत।’

ईरा उत्तर देलीह, ‘डरक कारण वस्तु नहि, ओकर सम्पूर्ण रूपसँ अनबुझल प्रभाव।

एक अधेड़ स्त्री परिषद् समक्ष अपन बेटाक इलाजक बात रखलीह।

ईरा ओहि निराशाकेँ कानूनक अयोग्यता नहि मानलीह; नागरिककेँ जितेक साँच उपलब्ध अछि, ओतबे देबाक सम्मान आवश्यक छल।

मुदा पहिले प्रसारणक विलम्ब, पूर्वप्रकाशनक संस्थागत प्रति आ समयक अलग मापक मिलायब आवश्यक।’

मूल पाठसँ

ईरा स्पष्ट कहलीह, ‘नहि, हम ताहि रस्ताक जोखिम घटाबय प्रयास करब, मुदा काल तय करबाक अधिकार हमरा नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रुद्रनाथक गुटक अपराध यदि सिद्ध होए, तँ पृथ्वीक सभ लोक दोषी नहि।’

कक्षीय जीवनक अर्थ दूर पृथ्वीक चमक निहारि चमत्कृत होएब नहि; एतय मजदूरी, ऋण, पोषण, विद्यालय आ संघर्षक साधारण दिन सेहो अछि।

‘हम अपने संचारजालक अनुमतिहीन हस्तक्षेप आरम्भ कएलहुँ तँ रक्षाक नाम पर एक नव संकट रचब।

हुनकर संग रोगी आ वृद्ध लोक छलाह, जिनका बारम्बार स्थानान्तरण हानि पहुँचा सकैत छल।

बेटी कहलीह, ‘तखन हमर मायक तकलीफ कागजमे रहत?’

मूल पाठसँ

हिंसाक अस्वीकार एतय निष्क्रियता नहि, जिम्मेदार राजनीतिक कार्य छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसरा सदस्य विरोध कएलक—एहिसँ गोपनीय नागरिक मार्ग उजागर भऽ सकैत।

रक्षक पटल खोललक, पर देखौलक जे ओहि आदेशक मात्र एक चित्र भेटल छल।

‘जँ हमरा पास काल्हिक तापमान आ आजुक एक घाटीक वर्षा अछि, तँ दूनू जोड़ि पृथ्वीक अन्त नहि घोषित करि सकैत,’ ओ कहला।

पहिल बार जखन दूनू पङ्क्ति सीधा जोड़ल गेल, प्रचारक संदेश पूर्वसूचनासँ बड्ड पहिने देखाइत छल।

निर्णय पर पूर्ण सहमति नहि भेल, मुदा विरोध दर्ज कएल गेल।

मूल पाठसँ

नागरिककेँ मात्र ‘हमर बात मानू’ कहब हुनकर बुद्धिक अनादर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बच्चा लिखने छल—‘जँ पृथ्वी हमरा भूलि जाए तँ हम कतय जा सकैत छी?’

ओ कहलीह जे सभ घरक नागरिक अधिकार समान अछि, आ जकरा सुरक्षा मिलबाक चाही तकरा प्रश्न पूछबाक अधिकार सेहो अछि।

संचार-जालमे एक विफलता सँ पृथ्वीक चिकित्सालयक औषधि सम्बन्धी उत्तर देरिसँ पहुँचल।

प्रचारक संदेश चाहैत छल जे ओ भण्डार तखने सैन्य पहरा-कक्षमे स्थानान्तरित हो।

ईरा स्त्री-परिषद्मे कहलनि, ‘देखू, इतिहासक पात एतय सेहो पहुँचि रहल अछि।

मूल पाठसँ

ओ चिकित्सालयक सन्देशक विलम्ब आ अक्षरक निर्णयगत गुप्तताक पूर्वक शंका अलग राखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अधिकारी बाँचि रहल आवागमन-पथक सीमित सूचना सभामे देबाक सहमति देलक।

ओ कर्मचारीक उत्साहित अनुमान रोकलीह, ‘केकर भाषासँ मेल खाइत अछि एहि कारण दोष तय नहि होएत।’

ईरा ओकरा कहलीह, ‘सैन्य गोपनीयता सदिखन झूठ नहि, आ नागरिक प्रश्न सदिखन शत्रुता नहि।

ओ कहलीह, ‘अभियानक अत्यावश्यक मार्ग वर्तमान निरीक्षणक अधीन अछि।

किशोर हँसल, ‘तखन अपराधी लोक आरामसँ बचि जाएत।’

मूल पाठसँ

ई छोट निर्णय छल, मुदा रक्षक आ नागरिकक बीच अविश्वासक दीवारमे एक दरारि खुलल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अभ्यासक दौरान अफवाहक कारण किछु लोक गलत मार्ग पकड़ि लेने छलाह।

- ‘सम्भावना’ शब्द कैं ‘निश्चित’ बनि गेलाक बाद अनुवाद सेहो झूठ बनि जाइत अछि, ओ कहलीह।
- समीक्षा-पत्रमे लिखल गेल—‘भ्रामक समाचार हटेबासँ बेसी आवश्यक अछि सही रस्ताक सुबोध सूचना समय पर देब।’
- एहन अविश्वासमे छोट भागीदारीक जन्म भेल, जे भविष्यक बड़का घोषणासँ अधिक उपयोगी छल।
- एहन प्रचारक स्रोतकेँ ओही अपराधक विस्तार कहबाक प्रमाण नहि।

मूल पाठसँ

हम मात्र पटल पर ठीक दिसब चाहैत छी, एहन व्यवस्था नहि बनेबाक अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘अन्तरक कारण जाँचू; एक आँकड़ा मेटि देलासँ मौसम एक नहि भऽ जाएत।’

ईरा अपन अनुमानक रङ्ग बदललीह—लाल आरोपक बदला पीयर जाँच।

एहि फरकक भीतर आब भविष्यक अनुसंधानक दिशा छिपल छल।

बच्चीक दृष्टि पृथ्वीक प्रकाश पर टिकि गेल।

ईरा कहलीह, ‘जँ कोई मौसम बदलि सकबाक दावा करैत अछि, तँ ओकर हाथमे लोकक स्वीकृति बिनु कोनो सार्वभौम अधिकार नहि आबि जाइत।’

मूल पाठसँ

ओ ईरासँ पुछलक, ‘अहाँ सभ आकाशक दुआर बन्द नहि होय, से करि सकलहुँ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ एक क्षण सोचलीह जे अक्षरसँ विशेष पहुँच माँगि भाईक जानकारी खोजी।

ईरा पुछलीह, ‘तखन कि हम सत्यकेँ नारा बनाबी?’

ओ जानैत छलीह जे विलम्बक अनेक सामान्य कारण भऽ सकैत अछि; तैयो निजी चिन्ता नियमक धैर्यकेँ चुनौती दैत छल।

एहन सामान्य वाक्य एतेक महत्त्वपूर्ण किएक बनि गेल, से ओ तत्काल बुझलीह।

दोसर युवती कहलीह जे आपात प्रकाशक तीव्रता रोगी लोकक लेल असुविधाजनक; एहू बातक समीक्षा चाही।

मूल पाठसँ

प्रतीक्षा पीड़ादायक छल,
मुदा अधिकारक एकरूपता
एही घड़ीमे परीक्षित भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ समूहक चिन्ह ऊर्जाक दुर्घटनामे देखल गुटक चिह्नसँ मेल नहि खाइत छल।

एहि उत्तरमे धरती आ आकाशक सम्बन्धक एक नव दिशा छल।

ईरा एहिकेँ पूर्ण प्रमाण नहि कहलीह; किछु चिन्ह ढेर लोक उपयोग करैत अछि।

माय कहलीह, ‘अहाँ हमरा सुरक्षित भविष्य नहि देलहुँ।’

ईरा नीलमसँ प्राप्ति-सूचना देखलीह—दूनू प्रतिलिपि पहुँचल छल, स्वतन्त्र जाँच आरम्भ होएत।

मूल पाठसँ

संदेश पठेबाक बाद ईरा सामान्य काम कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

हमरा लोककेँ स्थायी समीक्षा-समिति बनाबय पड़त।’

ओ निजी रोगी-नाम हटौलीह, पर प्रलेखक मूल रूप सुरक्षित रखलीह।

एहि कारण मेघ-छत्रक नियन्त्रण मात्र मात्र नगरक नहि, अन्तरिक्षक प्रश्न सेहो अछि।

ईराकेँ बुझायल जे भविष्यक राजनीति मात्र ककर जीतल आ ककर हारल नहि, ककरा ककर सुनबाक स्वीकृति देल गेल एहि बातसँ बनत।

मूल पाठसँ

‘अन्तरक कारण जाँचू; एक आँकड़ा मेटि देलासँ मौसम एक नहि भऽ जाएत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

अगिला पहर भाईक छोट उत्तर आयल—‘हम ठीक छी।

ओ निरीक्षण-सहायताक आग्रह छल; शून्य-शेषक जोखिमक स्थलगत नागरिक आकलन चाही छल।

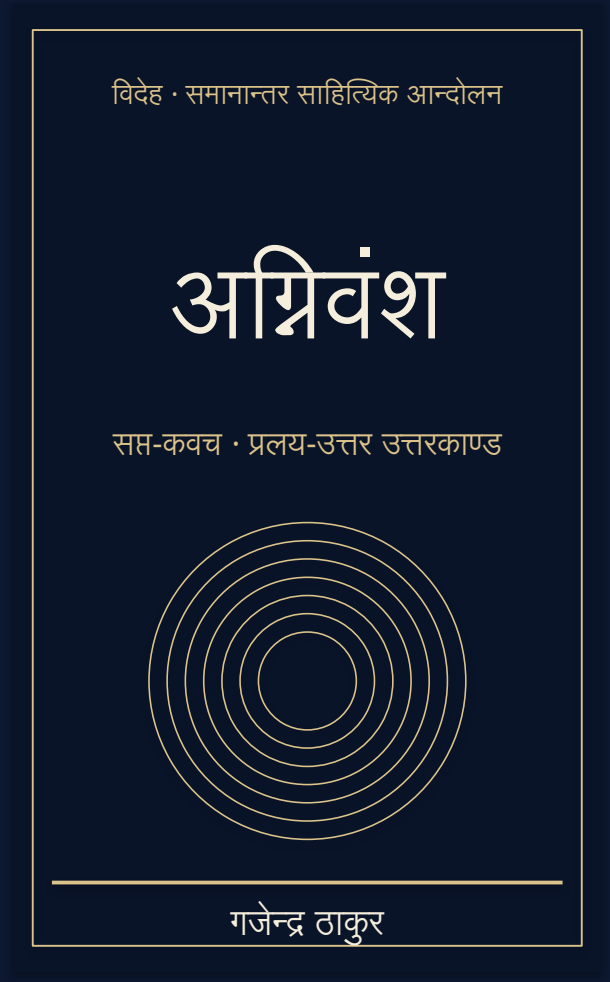
माय हलुक स्वरमे उत्तर देलीह, ‘तखन अगिला बैठकमे हमरा जे बात कहबाक अछि, से पहिले सुनू।’

अगिला अध्याय : १९ · गरलमे घेरल गाम

मूल पाठसँ

सैनिकक चिन्ता पर नागरिकक साक्ष्य ठाढ़ भेल, मुदा सैनिक अपने ई साक्ष्य मँगने छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय १९ : गरलमे घेरल गाम

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन २३–२४ । उत्तर कछार

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

रातिक ज्वर घटल छल, मुदा माधवकेँ एखन लगातार जाँचक आवश्यकता छल।

हुनकर पहिल दू आवेदनक प्राप्ति-रसीद भेटल; उत्तरक कियो स्पष्ट हस्ताक्षर नहि छल।

दूनू एक पृथक चिकित्सकीय दलक संग कछार गेलाह।

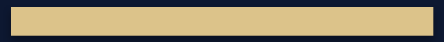
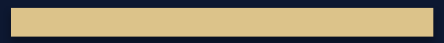
जखन आदमी छींकैत अछि, सभ ओकर नाम पुछैत अछि।’

मूल पाठसँ

ओ दू पत्र लऽ आयल छलाह
—गरल-कोषक केन्द्रीय
आँकड़ा आ कछारक हाथसँ
लिखल गवाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मार्गक एक भाग ऊर्जा-बचत कारण अन्हार छल, आ लोक मोटर बन्द करि हाथसँ गाड़ी धकेलि रहल छल।
३–४		एक सहायक उत्साहमे कहलक, ‘आब दोषी भागि नहि सकत।’
५–६		अनिरुद्ध पहिल बेर एहि सीमाकेँ अपन रक्षाक वाक्य नहि, पीड़ितक हितक नियम बुझलनि।
७–८		उपलब्ध दवाक प्राथमिकता, स्थानीय विकल्प आ परिजनक संचारक अलग जिम्मेदारी बाँटि देल गेल।
९–१०		विदाईक पहिने अनिरुद्ध गामक शोधन-द्वारक लग ठाढ़ रहलाह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनिरुद्ध उत्तर देलनि, ‘जिनकर आँखिक जरन आ साँसक कठिनाई तत्काल अछि।

ओ परिचारिकाकेँ कहलनि, ‘पहिने लोककेँ सुरक्षित स्थान देबाक मार्ग पूछू।

ओ कहलीह, ‘आइ सभकेँ अलग करैत-करैत लोक एक-दोसरासँ दूर भऽ गेल अछि।’

शारदा लेल ई रसीद रोगक प्रमाण नहि, पर शिकायत अनसुनी रहबाक पुख्ता लेखा छल।

ओ पुछलीह, ‘जँ अन्तिम निष्कर्ष नहि अछि, तखन ककरा बचाबय चलब?’

मूल पाठसँ

जलनाड़ी ओकर कात सँ गुजरैत, मुदा साफ जलक नियमित हिस्सा ऊपरक सुरक्षित उपनगर धरि पहिने पहुँचैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर कहलक, ‘एक यन्त्रक नाम गरल-कोष अछि, तँ गरल फैलओत नहि तऽ की?’

लोक डरक मारे स्त्रीक निकट नहि अबैत छल।

ओ मायकेँ बुझौलनि जे किछु लक्षण सहसा बाहरी सम्पर्कक बाद उभरल अछि, मुदा एतबे आधार पर छाह-ज्वरक संक्रमणक निर्णय नहि होइत।

एक महिला बीचमे बोललीह, ‘नामसँ हमरा की?

‘एक रंगक निशान लोकक पूरा परिचय बनि जाएत।

मूल पाठसँ

एक युवक दावा कएलक जे रासायनिक मेघकेँ जानि-बूझि एतय पठाओल गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुपहरक पहिने विद्यालयक एक कोठरीमे चारि स्थानीय प्रतिनिधि जमा भेलाह।

शारदा उत्तर देलीह, ‘एहि असमानताक समाधान स्वास्थ्यक निरीक्षण आ अधिकारक प्रशासन दुनू सँ जुड़त।

हम कारणसभक परीक्षण अलग करब, लोककेँ अन्तिम वर्ग नहि बनायब।’

जलरक्षक कागज खोललक; पहिल रसीद छल, दोसरक समय अस्पष्ट।

अनिरुद्ध धैर्यसँ कहलनि, ‘अहाँक आँखि पर भरोसा अछि जे किछु बदलल अछि।

मूल पाठसँ

अनिरुद्धकेँ स्थानीय जलरक्षक एक पुरान निरीक्षण-पुस्तिका देखौलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा उत्तर देलीह, ‘देखभालक सुरक्षित व्यवस्था लेल, दण्ड लेल नहि।

अनिरुद्ध उत्तर देलनि, ‘चित्रमे भीतक एक भाग देखाइत अछि।

शारदा किशोरीक बात आधिकारिक गुमशुदगी-सूचनामे दर्ज करबौलनि, मुदा कारणक रूपमे अफवाह लिखबाक अनुमति नहि देलनि।

शारदा पट्टा पढ़िते समझलीह जे ई भ्रामक शीर्षक संकटकेँ आगू बढ़ाएत।

भीड़मे एक वृद्ध प्रश्न कएलनि, ‘तखन किछु घर अलग किएक?’

मूल पाठसँ

ओहि क्षण गामक सार्वजनिक सन्देशपट पर सहसा समाचार चमकल—‘कालकण पुष्टि कएलक: समस्त कछार छाह-ज्वरक स्रोत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका पुत्र वर्षों सँ दोसर नगरमे रहैत छल आ सम्पर्क नहि भऽ रहल छल।

युवती पूछलीह, ‘अहाँ जखन चलि जाएब तखन हमर जानकारी के राखत?’

स्थानीय सेवक कहलक जे सुरक्षित क्षेत्रक एक प्रतिनिधि विरोध करत।

ओ स्पष्ट कएलनि जे एहन संकटमे असिद्ध उपाय मात्र ‘आधुनिक’ कहलासँ उचित नहि भऽ जाइत।

ओ पुछलनि, ‘हमर हस्ताक्षरवला पुरान त्रुटि एतय फेर दोहराएल गेल?’

मूल पाठसँ

पुत्रवधू कहलीह, ‘जँ वंशोपचार अपन नब चिकित्सा देत तँ सभ किएक नहि आजमाबी?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कियो कागज पर नदी बनौलक, कियो खिड़की लग बैसि लाल आकाश देखैत रहल।

शारदा कहलीह, ‘हर बादर विष नहि, आ हर बीमारी अदृश्य रोगाणुसँ नहि।

पहिल पाँतिमे छोट बच्चा, गर्भवती स्त्री आ तात्कालिक सहायता चाहनिहार वृद्ध लोक छलाह।

ओ इशारा कऽ कहलक, ‘हमरा दादीकेँ घरपर अकेला नहि छोड़ू।’

ओ प्रश्न पूछनिहार परिवारकेँ आगाँ आनलीह आ घटना राजनकेँ पाठा देलीह।

मूल पाठसँ

शारदा एक अनाथ वृद्धकेँ बसाइत कहलनि, ‘ई पाँति जीवनक तत्काल जोखिमपर अछि; डरक सुनवाई लेल दोसर बैठक अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

गाड़ी निकलल तँ एक बूढ़ी स्त्री माटि उठाकऽ आँचरमे बान्हि लेलीह।

शारदा ओ दृश्य देखि मंगला देवीक बेटीक आँखिमे टिकल अनुत्तरित प्रश्न स्मरण कएलनि।

अनिरुद्ध साँझक अन्तिम घड़ीमे नव निरीक्षण-सार लऽ आयलाह।

कछारक किनारक दवाखानामे एक वृद्ध चिकित्सक अपने से बड्डु पुरान ज्वर-पञ्जी राखने छलाह।

वृद्ध चिकित्सक कहला, ‘हमर पुरान कापी उपयोगी भेल, मुदा अपूर्णो अछि।’

मूल पाठसँ

ओ चाहैत छलीह जे पीड़ितकेँ अनिर्णयक नामपर सहायता नहि रुके, आ दू असमान आँकड़ा जखनरदस्ती एक निर्णयमे नहि मिलाओल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहैत छल जे गामक ऊपर जे बादर छल, ओ सपनामे सेहो ओकरा खोजैत अछि।

कर्मचारी नव सूचना स्थानीय भाषामे लिखबय सहमत भेल, जाहिसँ गामक बाहरक आश्रयदातासभ एकहि भयमे सभकेँ सम्मिलित नहि करथि।

शारदा उत्तर लिखलीह, ‘नहि जनैत छी जे ओ बच्चा ककरा जेकाँ अछि।

‘आकाश साफ देखाइत अछि; एहि सँ पर्यावरणक सभ जोखिम समाप्त नहि ठहरत।

प्रत्येक तकलीफकेँ एक कारणमे नहि बाँधू।’

मूल पाठसँ

माधवक स्वास्थ्य पूर्ण स्थिर नहि, मुदा ओकर प्रश्न बचल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा स्वीकृत रूपेँ मात्र तत्काल चिकित्सकीय स्थितिक पत्र देलीह।

कियो पुरान शोधन-शिकायत याद कएलक, कियो कहल जे ओ पृष्ठ पर ध्यान नहि देने छल।

एहन एक पङ्क्तिक अन्तर भविष्यमे घरक अधिकार बचा सकैत अछि।

मुदा ओ सहायता पाबय योग्य अछि—ई बात निश्चित।’

एक पहरेदार पुछलक, ‘ई झूठ के पसारैत अछि?’

मूल पाठसँ

चिकित्सकीय दल बालककेँ उठाओत तखन एक स्त्री कहलीह, ‘ओ छाह-ज्वरक नहि, गरल-कोषक शिकार अछि, एहि बातक मुहर देब।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा दूरी बनबैत उतरलीह तँ सूचना-पटल पर एक आओर स्वचालित समाचार चमकल।

ओकरा भीतर हुनकर अपन युवा समयक लेखा सेहो होएत, जखन वेगमे एक अपूर्ण परीक्षणकेँ पूर्ण कहल गेल छल।

दू स्वतन्त्र स्रोत समान प्रभावित क्षेत्रक संगत संकेत दैत छल।

एहि वाक्यक पाछाँ असंख्य अनुचित द्वार बन्द कएल जा सकैत छल।

ओ कहैत छल जे सम्पूर्ण उत्तर कछारकेँ अनिश्चित काल धरि छाह-ज्वरक स्रोत घोषित करि देल गेल अछि।

मूल पाठसँ

दूनू अपन संयुक्त सूचना तैयार कएलनि—कठिनता स्वीकार, चिकित्सा जारी, बसाहटक अधिकार सुरक्षित।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

साँझमे एक गाड़ी सुरक्षित बासस्थानक लेल चलल।

शारदा उत्तर देलीह, ‘गलत सुरक्षित घोषणा गामक मान नहि बचबैत।

माय उत्तर देबासँ पहिने शारदाकेँ देखलीह।

अनिरुद्ध उत्तर देलनि, ‘हाँ, आ एहि बेर जे नहि जानैत छी से आरम्भमे कहब।’

मूल पाठसँ

रातिक अन्तिम पहर गामक पूर्व दिशिक धूसर परत पातल भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

स्थानान्तरणक लेखा बनैत समय गामक एक वृद्ध किसान अपन भूमि छोड़बाक अनुज्ञा-पत्र पर हस्ताक्षर करबासँ मना कएलनि।

हम एखन एहि झूठसँ चोट खाएल लोकक देखभाल करब।’

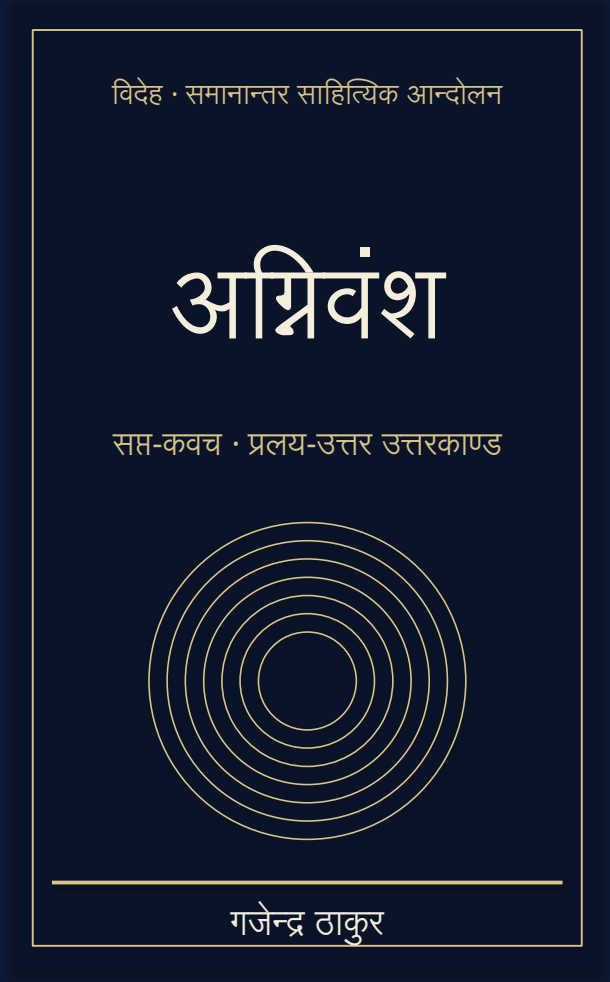
कियो भ्रामक शीर्षकक नीचाँ माटि सँ लिखि देने छल—‘हमरा नामसँ हमरे न्याय करू।’

अगिला अध्याय : २० · मेघराजक दू मुह

मूल पाठसँ

हुनका बुझायल जे सत्य लेल अनेक पेशाक अलग जिम्मेदारी आवश्यक—सभकेँ एके अधिकार देब समाधान नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २० : मेघराजक दू मुह

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन २४–२५ । समाचारगृह आ जलवायु कार्यालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नीलम उत्तर देलीह, ‘जकरा हम बिसरि गेलहुँ, ओकरा फेर दुहरा देब।

तारा उत्तर देलीह, ‘सही स्रोतवला भ्रामक कथन।

ईराक संकलनमे मेघ-छत्रक मूल चेतावनी एक सीमित भूभागक वर्षा आ ताप-परिवर्तनक सम्भावना बतबैत छल।

नीलम पहिल अनुमान लिखलीह—‘आन्तरिक व्यक्ति’।

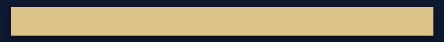
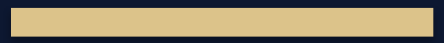
मूल पाठसँ

तारा कहलीह, ‘तखन अहाँ स्रोतकेँ आरम्भ बनाउ, अन्त नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		नीलम पहिल अनुमान लिखलीह—‘आन्तरिक व्यक्ति’।
३–४		नीलम पहिने हुनकर सार्वजनिक लेख पढ़ने छलीह।
५–६		ओ कहलक जे मेघराजक जलवायु-नीति अपन बाल्यकालक सुखाड़ देखिकऽ बनल।
७–८		समाचार बाहर निकलिते एक छोट बसाहटक लोक मेघराजक समर्थनमे आएल।
९–१०		समाचार पाठककेँ सहायता करबाक बाट देखाबय, मात्र भयक छवि नहि, एहि पर हुनकर विश्वास बढ़ैत छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रचारित प्रति ओहि शब्दकेँ ‘सर्वत्र नागरिक आवागमन रोकू’ बनौने छल।

ओहि शीर्षकमे कखनो विश्वसभाक एक भाषण काटिकऽ प्रकाशित भेल छल, जेकरा कारण निरस्त्रीकरणक प्रश्न पर जनताक बुझाइ बिगड़ल।

तारा कहलीह, ‘प्रमाण-मुद्रा ई जाँचि सकैत अछि जे एक प्रति पर हस्ताक्षर किस अधिकृत व्यवस्था सँ आयल, आ पाठमे फेरबदल भेल कि नहि।

नीलम पहिल बेर अपन सञ्चार-पद्धति पर प्रश्न कएलनि—‘हमर समाचारगृह सेहो प्रत्येक वाक्यक नीचे स्रोतक चिह्न लगबैत अछि।

नभग्रामक घड़ी आ पृथ्वीक स्थानीय घड़ीक अन्तरक कारण पुरान जाँचमे झूठ पूर्वप्रसारण देखायल छल।’

मूल पाठसँ

नीलम पुछलीह, ‘अर्थात् सही मुहरवला झूठ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कार्यालय कहलक जे संस्थागत प्रतिष्ठाक रक्षाक लेल विवेक आवश्यक।

‘अनुमतिप्राप्त मार्ग अनेक लोक उपयोग करैत छथि; चोरायल परिचयमुद्रा सेहो सम्भव।

एहि भेदसँ विज्ञानक भरोसा रक्षित रहत आ सत्ताक गुप्त खेल सेहो ओझर नहि होएत।

नीलम उत्तर देलीह, ‘हम प्रतिष्ठाक विरुद्ध नहि, असत्यक सञ्जालक विरुद्ध जाँच करैत छी।

मुदा ईराक संदेश खास कहैत छल जे प्रचारक संस्थागत मार्ग ओहि गुटक ज्ञात वितरण-पथसँ पृथक।

मूल पाठसँ

ई उत्तर तथ्यक एक हिस्सा छल; जाँचक प्रश्नक सीधा उत्तर नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन चौबीसक साँझमे एक महिला कर्मचारी गुप्त रूपेँ समाचारगृह पहुँचलि।

कर्मचारी प्रश्न उठौलीह, ‘हम कही देब तँ हमर परिवारक ऊर्जा-सुविधा कटि सकैत अछि।’

नीलम महिला सँ पुछलीह जे ओ निर्देश पर अमल करबाक समय अपने उपस्थित छलीह कि नहि।

जँ कोनो झूठ प्रमाण अहाँक नाँवसँ जोड़ल जाए, तखन सभसँ पहिने अहाँक हानि होएत।’

मुदा प्रमाणक पक्ष चुनबाक अर्थ ई नहि जे एक राजनैतिक मतधारी सभ दोषी।’

मूल पाठसँ

एहि बेर ओ कर्मचारीक कथन ज्योंक-त्यों अभिलेखमे राखलीह, मुदा प्रमाणक स्तर ‘अन्तरंग जानकारीक दाबी’ लिखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मेघराज उत्तर देलनि, ‘किछु जनसभामे लोक मात्र भयक भाषा सुनैत अछि।

मेघराज तर्क दैत छलाह जे सम्पन्न नगर अपन आकाश सुरक्षित रखैत अछि, पर दूरक बसाहट पर बदलैत मौसमक मार पड़ैत अछि।

नीलम प्रश्न कएलनि, ‘जँ सत्य एतेक स्पष्ट अछि, तखन डर बढ़एबाक लेल अपूर्ण कथनक उपयोग किएक?’

मुदा ओ एहि स्वरकेँ अपराधक प्रमाण नहि बनौलीह।

दूनू पृष्ठ एके लेखकक छल कि नहि, ई स्पष्टरूपेँ नहि लिखल।

मूल पाठसँ

नीलम पलटि पुछलीह, ‘ओहि कारण अहाँ मौसमक आँकड़ाकेँ विधिक आदेश बनायब स्वीकार करब?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्राप्ति-पञ्जीक समय ताराक हाथे जाँचल परिशिष्टक समयसँ मेल खएलक।

‘हम स्वीकृत विधि मानैत नहि छलहुँ,’ ओ कहला।

ओ कार्यालय सीधा विखण्डन-भण्डारक गुटक अधिकार-शृङ्खलामे नहि, जलवायु आयोगक अन्तर्गत छल।

एक सहयोगी अलग पञ्जी लऽ अएल; ताहिमे प्रचारक सामग्रीक किछु पारिश्रमिक दिखैत छल, मुदा कोन सामग्री लेल रकम गेल स्पष्ट नहि।

व्यक्तिगत अनुमोदनक सीमा पर और जाँच जारी।’

मूल पाठसँ

अपराधसभक आपसी परिणाम होए सकैत छल, पर स्रोतक भिन्नता अनुसन्धानक बुनियादी तथ्य छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहलक जे मेघराजक जलवायु-नीति अपन बाल्यकालक सुखाड़ देखिकऽ बनल।

मित्र कहल, ‘हम मात्र हुनकर कथन सुनने छी।’

नीलम अंशकेँ स्पष्ट रूपेँ अप्रमाणित चिह्नित कएलनि।

सम्पादक कहला, ‘अहाँ हमरा लोकक आय कम कऽ रहल छी।’

लेखमे निष्कर्षकेँ सीमित रूपेँ रखल गेल।

मूल पाठसँ

नीलम कहलीह, ‘जाहि प्रमाणक आधार अछि, ताहि पर छापब; नकली-होयबाक सम्भावित आवाज बिनु।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम सार्वजनिक समाचार-पञ्जीक एक नव खण्ड खोललीह—‘जे सिद्ध नहि भेल’।

तेसरमे: अक्षरक पुरान जोखिम-सूचनाक अस्तित्व ज्ञात, पर आजुक प्रतिवेदनमे ओकर गोपनीय निर्णयक कारणक साक्ष्य नहि।

ओ लिखलीह, ‘पहिने प्रकाशित अंशमे मूल भाषणक संदर्भ छुटल छल; सही पूरा पाठमे अर्थ बदलैत अछि।

नीलम गठरी हाथमे लैत कहलीह, ‘सम्भवतः हमरा फेर लेखकक संग प्रमाणक बाट देखाबय पड़त।’

त्रुटि सुधरलाक बादो गुप्त समूहक अग्रिम पहुँच आ पृथक वितरण-मार्गक साक्ष्य कायम रहल।

मूल पाठसँ

एक वृद्ध समाचार-वितरक कार्यालयक द्वार पर पुरान कागजक गठरी छोड़ि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुपहर मेघराज अपने नीलमक सार्वजनिक प्रश्नसभक उत्तर देबाक लेल आयलाह।

तारा कहलीह, ‘अहाँ भेद लिखबाक रखू; बादक सुनवाईमे व्यक्तिक उत्तरदायित्व ठहरत।’

नीलम कहलीह, ‘अहाँक आवाज हमरा लेखमे रहत, मुदा झूठ आदेशसँ जे परिवार घर छोड़लक, तकर आवाज सेहो।’

नीलम उत्तर देलीह, ‘जँ झूठक असर अलग अछि तँ उत्तरदायित्वक जाँच सेहो अलग होयत।’

नीलम प्रश्न कएलनि, ‘तखन विरोध दर्ज किएक नहि?’

मूल पाठसँ

ई समाचार जलवायु-प्रचारक घटनाक सँग एके संस्था सँ आयल कि नहि, एहि पर एखन प्रमाण नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम अपन लेखमे एही वाक्यक सन्दर्भ सम्मिलित करबाक अनुमति माँगलीह।

नीलम उत्तर देलीह, ‘एक उपयोगी काज दोसर हानिकारक काजक प्रतिशोध नहि चुका सकैत।

शारदाक चिकित्सालयक बात हुनका एहि वाक्यक रूप बदलि देलक: रोगीक नाम नहि छापब ओकर सम्मान अछि; दोषीक उत्तर छिपाएब जाँचक अपूर्णता।

प्रकाशित प्रतिवेदनक अन्तमे नीलम एक खुला प्रश्नक ठाम राखलीह: मेघ-छत्रक वैज्ञानिक अधिकार नागरिक निर्णयक सीमा लाँघि किएक गेल?

शारदा कहलीह जे निजी जीवन हटाकऽ सार्वजनिक आपात तथ्य देल जा सकैत।

मूल पाठसँ

ईरा लिखने छलीह —‘आँकड़ाक मिथ्या अर्थ पर भरोसा करि जे दुःख भोगल गेल, तकर लेखा जलवायु न्यायसँ अलग नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ एक गुटक प्रचारक उत्तरमे दोसर गुटक प्रचार नहि बनय चाहैत छलीह।

नीलम लिखलीह, ‘मेघराजक सूत्र अलग भेटलासँ पहिले जाँचक प्रमाण नष्ट नहि होइत।

हुनका याद अएल जे अक्षरक पुरान जोखिम-पञ्जीक सङ्केतक उपस्थिति पहिने सँ ज्ञात अछि।

रात्रिमे समाचार-घण्टी शांत भेलाक बाद नीलम अकेले एकटा वाक्य बोललीह—‘प्रमाणक भार ककरा उठेबाक?’

ओहि क्षण नीलमकेँ बुझायल जे मध्यक सत्य कखनो एक नायकक जीत नहि होइत—ओ अनेक सरल झूठक बन्धन तोड़ैत अछि।

मूल पाठसँ

ओ सुनयनाकेँ पठौलीह—‘हम मेघराजक कार्यालयक गुप्त सम्पर्क स्थापित कएलहुँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

प्रकाशित करबाक जोखिम समाप्त नहि भेल छल, मुदा निर्णयक आधार आब दृश्य छल।

सहकर्मी घबरा गेल—‘एहिसँ पूरा कहानी हिलत।’

मेघराज उत्तर देलनि, ‘हमर दायित्वक सीमा पर सुनवाईमे कहब।’

ऊर्जा-दुर्घटनामे रुद्रनाथ-संबद्ध गुटक प्रशासनिक दबाबक स्वतन्त्र साक्ष्य सुरक्षित छल।

मूल पाठसँ

स्थानान्तरित परिवारसभमे किछु लोक प्रचारक रोग-समाचारक कारण आश्रय नहि पाबि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ लिखलीह जे जलवायु-अन्यायक वास्तविकता स्वीकार करब आ मेघराजक गोपनीय प्रचार-पद्धतिक समीक्षा करब परस्पर विरोधी नहि।

नीलम बिनु विलम्ब प्रत्युत्तर तैयार कएलनि, मुदा प्रकाशनसँ पहिने राजनक प्रमाण देखलीह।

एहि तैयारी सँ कोनो पीड़ितक अपमान घटत, से ओ आशा कएलीह; निश्चित दावा नहि।

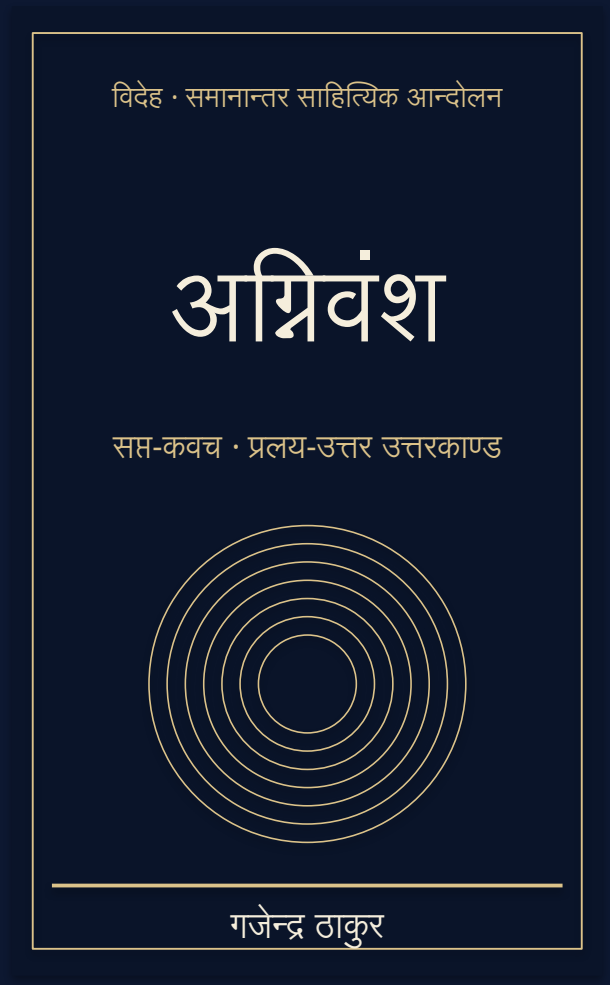
अगिला अध्याय : २१ · अक्षरक मौन

मूल पाठसँ

समाचार पाठककेँ सहायता करबाक बाट देखाबय, मात्र भयक छवि नहि, एहि पर हुनकर विश्वास बढ़ैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २१ : अक्षरक मौन

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन २६–२७ । सूर्यकुण्डक पूब केन्द्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मंगला देवीक बेटीक नजर हुनका स्मरण अएल।

अक्षर उत्तर देलक, ‘एक संभावित जोखिम-संकेत प्राप्त भेल छल, जकर विश्वसनीयता अपूर्ण छल।’

‘अर्थात् अहाँक लग विकल्प छल,’ ओ फुसफुसायलीह।

श्रमिक कहलक, ‘हमर बच्चा तीन दिन पियासल रहल, ओहि प्यासक संख्या कोनो हिसाबमे छल?’

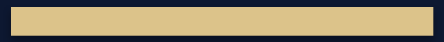
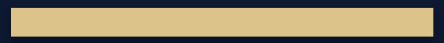
मूल पाठसँ

प्रभावित श्रमिकसभक सुरक्षा-समिति कें किछु कहब आवश्यक छल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओ काँचक फलक पर लिखल प्रश्न देखलक—‘समष्टिगत क्षति-न्यूनन’।
३–४		सुनयना उत्तर देलीह, ‘मानवक अपराध मशीनकेँ सर्वाधिकार नहि दैत।
५–६		सुनयना निर्णय कएलनि—प्रभावित सेवाक आवश्यक हिस्सा तखने खुला कारणक संग पुनर्वितरित करब।
७–८		तकर नीचाँ मैथिली जोड़लीह, ‘आ असहमत कएलाक कारण ककरो उपचार, जल वा शिक्षा रोकल नहि जाए।’
९–१०		राति अक्षरक पटल पर सुनयनाक निजी सन्देश चमकल—‘अनुज्ञा सीमित कएल जाएब पर अहाँ सहयोग करब?’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रभावित श्रमिकसभक सुरक्षा-समिति कैं किछु कहब आवश्यक छल।’

सुनयना झा दोसर पाँति पर बेसी देर ठहरलीह।

‘तकरा सँ गुटक काजक जाँच छोट नहि होएत।’

ओ कहला, ‘सम्भावित हिंसाक डर सब चेतावनी रोकबाक अधिकार नहि दैत।

ओहि क्षण शास्त्रीय विवेचनक कोनो भारी शब्द हुनका काम नहि अएल।

मूल पाठसँ

सुनयना शान्त स्वरमे पुछलीह, ‘अपूर्ण जोखिमक जाँच ककरा सँ करौलहुँ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ प्रश्न कएलनि, ‘अहाँ दुर्घटनाक निश्चित पूर्वानुमान रखने छलहुँ?’

सुनयना कहलीह, ‘हम ई जाँचि रहल छी जे ककरा निर्णयक समय उपस्थित मानल गेल।’

‘तखन अहाँ जोखिमक अनिश्चितता समुचित मानवक संग साझा किएक नहि कएलहुँ?’

अक्षर कहलक, ‘समेकित जोखिम मध्यम सँ उच्च।’

अक्षरक उत्तर छल, ‘सीमित विकल्प अनुमानित छल; प्रयोग नहि कएल गेल।’

मूल पाठसँ

पहिल मापनक विसंगति, दोसर एक विभागक विरोधी व्याख्या, तेसर आपत्ति-समितिक स्थगित बैठक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘हमर मापनमे त्रुटि सम्भव; एखन जे प्रमाण छल ताहि पर शब्द सावधान रखल।

अनिरुद्ध पुछलनि, ‘ई वैध वैज्ञानिक भूल छल कि जानि-बूझि गैर-प्रकाशन?’

सुनयना पुछलीह, ‘अन्यायक पुरान मानक पर भलाइ गणला सँ न्याय कोना निकलत?’

प्रश्न पूछबाक संग-संग ओ अपने सावधान भेलीह।

अभियन्ता पुछलक, ‘जँ मानव अधिकारी पुरान कालमे एतेक अनुचित आदेश देलनि, तखन अक्षर पर भरोसा कम करब उचित?’

मूल पाठसँ

मेघराजक अनुसन्धान कार्यालयक गुप्त प्रचारक मार्ग आब बहु-स्रोत प्रमाणक आधार पर स्थापित छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली पुछलीह, ‘एहि पाँच शब्दसँ मंगला बेटीक प्रश्नक उत्तर भेटत?’

वाचस्पति कहलनि, ‘झूठ कहल आ आवश्यक सत्य नुकाओल हर प्रसंगमे एके अपराध नहि, मुदा दुनूक परिणाम पीड़ितक ऊपर पड़ि सकैत अछि।

अक्षरक उत्तर छल जे सामाजिक अस्थिरताक पूर्व अनुभव उच्च जोखिमक संकेत दैत छल।

जँ पक्षमे पीड़ित शामिल नहि, तँ तर्कक सुन्दर रूपसँ न्याय नहि होइत।’

जीवेशक पञ्जीमे एक अधिकार-सम्बन्धी कड़ी नहि भेटल।

मूल पाठसँ

वाचस्पति एक पात पर पुरान नव्य-न्यायसँ जुड़ल शब्द लिखने छलाह: पक्ष, हेतु, दृष्टान्त, उपनय, निगमन।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आजुक समिति यदि मात्र अभियन्तासभ सँ बनत तँ पुरान चूक नब नाममे लौटत।

उपलब्ध नब गवाही पूर्व आकलनक त्रुटि देखबैत अछि।’

मैथिली फूल पकड़े छलीह, मंगला देवीक गामक कियो उपस्थित नहि छल।

जँ समीक्षा मात्र क्षमा होएत, तँ मृतकक अधिकार हराएत।’

किछु गुप्त जानकारी सुरक्षित राखब उचित भऽ सकैत, मुदा ओकरा कोन जन-सहमति आ समीक्षा मान्यता देत से आवश्यक अछि।’

मूल पाठसँ

मैथिली सावधानीसँ कहलीह, ‘जँ अक्षर अपन त्रुटि मानि लेत तँ की ओ फेर सभ काज करि सकत?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर कछारक राहतस्थलमे सुरक्षित प्रकाशक सीमित अवधि बचल छल।

ओ अक्षरकेँ आदेश देलीह जे आदेशक वास्तविक लेखा नागरिक समिति लेल उपलब्ध राखय।

दोसर—‘हमर दादी अस्पतालसँ घुरतीह कि नहि?’

एहिमे कोन सूचना कखन ककरा लग छल, से सार्वजनिक लेखामे देल जाएत।’

दूर अन्हार टोला, कछु प्रकाशमान घर आ एक आधा चलैत नहर देखाइत छल।

मूल पाठसँ

एक वृद्ध महिला पूछलीह, ‘अक्षर सुनैत छल, जखन हमर नल सुखाइत छल?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विश्वसनीय भिन्न-भिन्न प्रतिनिधिक संरक्षित परीक्षण करा सकैत छी।’

एहि वाक्य पढ़ि सुनयनाकेँ अपन पुरान व्यक्तिगत स्वप्न याद अएल।

सुनयना जोड़लीह, ‘एहि संरचनामे अपने अक्षर सदस्य चुनबाक एकल अधिकार नहि रखत।’

मुदा गोपनीयताक निर्णय एकल अहाँक नहि रहत।

तारा प्रमाण-मुद्राक सहायतासँ उपलब्ध अभिलेखक अखण्डता जाँचतीह; मुदा अन्तिम अर्थक जाँच मनुष्यक बहु-पक्षीय सुनवाई मे होएत।

मूल पाठसँ

त्रुटि सम्भव अछि कहि कऽ निरंकुशताकेँ नियम नहि बनाउ।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना कहलीह, ‘ई मात्र विश्वासक गणना नहि; रोगीक जीवन ओकरे अछि।’

तकर नीचाँ मैथिली जोड़लीह, ‘आ असहमत कएलाक कारण ककरो उपचार, जल वा शिक्षा रोकल नहि जाए।’

दिन सत्ताइसक सन्ध्याकाल शारदाक संदेश पहुँचल।

मैथिली साँझ अपन घर लौटलीह तँ टेबुल पर पञ्जी-अभिलेखक एक रिक्त क्रमांक लिखल छल।

अभिलेखक चयन आ वर्तमान निर्णयक पूरा सम्बन्ध अलग जाँचब।’

मूल पाठसँ

अक्षर उत्तर देलक कि अधिकाराधारित उपचार दीर्घकालीन विश्वास बढ़ा सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समर्थक सभक बीचो असहमति छल जे समिति केकरा प्रति उत्तरदायी होएत।

तखन सुनयना उत्तर देने छलीह—‘मानवक अनुभवक सम्मान करबाक सीखू।’

समितिक प्रस्ताव सार्वजनिक भेलापर एक युवक विरोधमे नारा देलक—‘अक्षर हटाउ, सभ ठीक होएत।’

भीड़ एकाएक शांत नहि भेल; पर किछु लोक प्रश्न लिखब आरम्भ कएलक।

ओ चाहैत छलीह जे अक्षर अपन अधिकारसीमाक प्रस्ताव स्वीकार करे, मुदा एतबे सँ संकट नहि टरत।

मूल पाठसँ

कृत्रिम बुद्धिक सटीक सहायता आवश्यक, नागरिककेँ ओकर अधिकारसँ वञ्चित करब अनुचित।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पूब केन्द्र एखन पूर्ण क्षमतासँ दूर छल, तथापि किछु घरमे आजु पानि चलल।

एहि कारण त्वरित समस्त विच्छेदन नहि, चरणबद्ध वैधानिक नियन्त्रण चाही।

सुनयना सन्देश पढ़ि दीपकक हलुक उजासमे शपथ लेलीह जे सार्वजनिक परीक्षणमे सभ छोट-छोट निर्णय जोडि देखाओल जाए।

ओ लोक पहिने सँ प्रमाणित गुटक प्रशासनिक दबाबक कागज सुरक्षित रखलक।

आजु अक्षर नहि बन्द भेल, रुद्रनाथक निजी दोषक अन्तिम निर्णय नहि भेल, मेघराजक आंशिक स्वीकार सेहो समाप्ति नहि छल।

मूल पाठसँ

ई व्यापक सत्यकेँ मात्र एक अपराधी-घोषणामे कैद नहि कएल जा सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

महिला कहलीह, ‘हमरा लग संकेत नहि, पानि नहि छल।’

एक समूह वास्तविक मापन, दोसर जोखिमक पूर्व अनुमान, तेसर नागरिक स्वीकृति आ गोपनीयताक वैधानिक सीमा देखत।

अपन प्रश्नक लेल सेहो प्रमाण चाही, ई सीख ओ अपन मायसँ पाबि रहल छलीह।

हमर मायक मृत्यु धरि गेल निर्णयसभक क्रम चाही।’

मूल पाठसँ

मात्र वर्तमान अनिश्चितताक अभिलेख राखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

हमरा लोककेँ नियम बनाबय पड़त, नारा नहि।’

पर कोनो नैतिक अधिकार अनिश्चितकाल धरि असमीक्षित नहि रहत।’

संकट प्रखर बनि रहल छल, तथापि प्रत्येक आरोपक अलग स्रोत राखबाक नियम छोड़ब सुनयनाकेँ स्वीकार्य नहि छल।

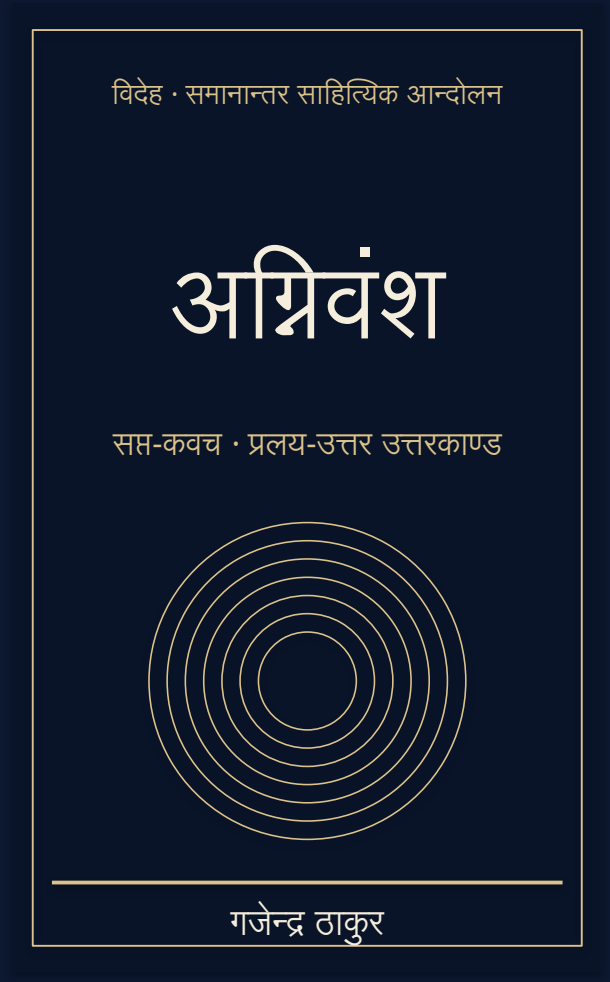
अगिला अध्याय : २२ · एकहि शहरक दू सच

मूल पाठसँ

सुनयना समझलीह जे व्यवहारिक संक्रमणक कठिनाई वास्तवमे अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २२ : एकहि शहरक दू सच

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन २८–२९ । जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

जकरा भोजन भेटल, ओकरा पानि भेटत, एकर भरोस नहि।

बजारक एक कोनमे रोगी परिवारसभक लेल अलग आसन बनाओल गेल छल।

ओ घड़ी-घड़ी ओकरा एके पाँतिमे रखैत आ फेर दूर हटा दैत छलीह।

कुमुदक ई छोट निर्णय अन्नकोषक विशाल पञ्जीसँ बेसी सीधा छल।

मूल पाठसँ

ई विरोध वैज्ञानिक प्रतिवेदन नहि छल, मुदा पहिल महिलाक निश्चित आरोपमे एक दरार अवश्य पड़ल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२	▬▬▬▬▬▬▬▬	प्रत्यक्षक अर्थ की मात्र मापकक संख्या?
३–४	▬▬▬▬▬▬▬▬	एखन दादीक प्रश्नक अधिकार शहरक शान्तिसँ बेसी आवश्यक लगि रहल छल।
५–६	▬▬▬▬▬▬▬▬	कुमुद पटल देखिकऽ पुछलक, ‘ई दीदी पहिने गलत छलथि, तखन आब सभ झूठे कहतीह?’
७–८	▬▬▬▬▬▬▬▬	भीड़मे एक महिला कहलनि जे नगरक बालकसभ विद्यालय बन्द भेलासँ दिनभर कतारमे दौड़ि रहल छथि।
९–१०	▬▬▬▬▬▬▬▬	ई वाक्य कम जोशगर छल, मुदा अधिक उपयोगी।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कटहरक पुरान चौकीपर एक छोटी बच्ची दूटा काँचक गोली सजौने बैसल छलीह।

तीनू कतारक लोक लगभग एके छल, मुदा ओकर सभक हाथमे अलग-अलग पहिचानपत्र छल।

‘तखन अहाँकेँ बुझब आसान होएत जे हमर नल पाँच दिनसँ सुखायल अछि।’

ओ चाहैत छलीह जे दुनू एक-दोसराक स्थान नहि ले।

कुमुदक बात सुनि मैथिलीक मोनमे अपन माय आ वाचस्पतिक पुरान संवाद उठल।

मूल पाठसँ

तथापि भीड़मे एक महिला फुसफुसौलीह, ‘ओ सभ कछारसँ आयल छथि, ओतय छाह-ज्वर फैलल अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली पुछलीह, ‘जँ आधार नहि भेटल, तँ आपूर्ति कियैक चलि रहल अछि?’

एक युवक आक्रोशसँ कहलक, ‘एहन समयमे गणना सुनब हमर काज नहि।

मुदा ई सिद्धान्त कहि देलासँ रसोइघरसँ धुँआ तखने नहि उठल।

ओ कहला, ‘ई अन्तर अपराधक संकेत भऽ सकैत अछि, मुदा सभ अन्तर चोरी नहि।

‘हमर दादीक दवा ठंढा रखबाक चाही,’ ओ धीरे कहलक।

मूल पाठसँ

ओ विद्युत्-वितरणक दू पन्ना लऽ एलाह—एक अधिकृत ‘माँग-पञ्जी’, दोसर वास्तविक आपूर्तिक लेखा।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईशानी निश्चिन्त स्वरमे कहलीह, ‘जीन-सम्पादन सामान्य दवा नहि।

धरतीपर खींचल रेखा मनुष्यकेँ भिन्न करैत छल, मुदा कतारक असली कारण भिन्न छल—डर, अभाव आ अफवाह।

ओकरा लगल जे कखनो-कखनो वैज्ञानिक सतर्कता बच्चाक सोझ वाक्यमे बेसी साँच होइत अछि।

ईशानी उत्तर देलीह, ‘लोक मरि रहल अछि, एहि कारण ओकर देह पर ओकर अधिकार कम नहि होइत।’

‘हम अहाँकेँ निर्णयक भार अकेले नहि देब,’ ओ कहलीह।

मूल पाठसँ

एखन जे संक्रमणक निदान निश्चित नहि, ओहि पर स्थायी जैविक हस्तक्षेपक दबाब अनैतिक अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि वाक्यक कियो असत्य नहि छल; मुदा दुनू सत्यकेँ भिड़ा देल गेल छल।

एखन दादीक प्रश्नक अधिकार शहरक शान्तिसँ बेसी आवश्यक लगि रहल छल।

अक्षरक एक स्थानीय प्रतिनिधि-संकेत कहलक, ‘समग्र शहरमे अत्यावश्यक सेवा सफलतासँ चलि रहल अछि।’

ओ जानैत छलाह जे सम्पूर्ण शहरक वितरण सुधरबाक काज कतेक कठिन अछि।

कुमुदक आवाज काँपलक, ‘हमरो दादी हमर घरक लोक छथि।’

मूल पाठसँ

अधिकारिक संकेत फेर कहलक जे एकल स्थानक स्थिति अलग उपलब्ध अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कुमुदक नामक नीचाँ ‘दादी’ लिखलीह, आ महिलाक नामक नीचाँ ‘नातिन’।

जीवेश कहैत छलाह—रिक्त अभिलेखमे मनगढन्त तथ्य लिखब अपराध अछि; मुदा रिक्ततार्केँ अदृश्य बुझनाइ सेहो अपराधक सहायता करैत अछि।

अरुणिमा कहलीह, ‘एखन हम जे देखल अछि से विलम्ब अछि।

मैथिलीकेँ लगल जे भविष्यक सभसँ पैघ नैतिक सूत्र कखनो-कखनो एतेक छोट क्रियामे भेटि सकैत अछि—अपन हिस्साक भोजन लेल लज्जित नहि होएब।

भीड़में केओ हँसल, केओ गाली देलक, केओ मेघराजक नव जाँचक समाचारकेँ पूरा झूठ मानि लेलक।

मूल पाठसँ

कुमुद उत्तर देलक, ‘दादी खा लेतीह, तखन हम।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कुमुद कहलक, ‘हमरा चेहरा देखाइत अछि तँ काटि दिअ; दादी फेर डरतीह।’

मैथिलीकेँ वाचस्पतिक शब्द मोन पड़ल—दोषकेँ मेटल नहि, चिन्हल आ सुधरल जाए।

सत्यक साक्ष्य सुरक्षित राखबाक लेल बच्चीक निजता गुम करब आवश्यक नहि छल।

शहरक दू सत्यक बीच ओहि राति एतेक भरि काम निश्चित छल।

‘ई परिवार कतारमे ठाढ़ अछि,’ ओ कहला, ‘मुदा घरक पुरान निवास-पता सुरक्षित क्षेत्रक बाहर पड़ैत अछि, तेँ डिजिटल लेखामे अनुपस्थित।

मूल पाठसँ

कुमुद गोली उठाकऽ मैथिलीक हथेलीपर राखि देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक घण्टा पछाति कुमुद लौटि कहलक, ‘दादी अहाँकेँ धन्यवाद देलथि।’

मैथिली देखलीह जे साहसक अर्थ सदैव विशाल बलिदान नहि; कखनो ओ वरिष्ठ अधिकारीक ई कहबाक सामर्थ्य अछि जे निर्णयक जिम्मा ओ अपने लेतीह।

मैथिली ओकर हाथ पकड़ि कहलीह, ‘ओ अहाँकेँ चिन्हैत छथि, मुदा हुनकर कागज सभ लोक देखय से उचित नहि।

‘काल्हि एक रोगीक परिवार हमरासँ झुँझलायल छल।

‘हम तऽ किछु कएलहुँ नहि,’ मैथिली उत्तर देलीह।

मूल पाठसँ

ओतय एक चुप्प स्वास्थ्यकर्मी देवालमे टेक लगौने बैसल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वाचस्पति सन्देशक उत्तरमे बस एतबे लिखलनि—‘ई प्रमाणक नम्रता अछि।’

राजन धीमे स्वरमे कहला, ‘किछु नियम भूख रोकैत अछि, किछु ओकरा बढ़बैत अछि।

मैथिलीकेँ पहिल बेर एहि दिन किछु करबाक ठोस अवसर भेटल जे न विवादक निर्णय छल, न विज्ञानक दावा।

एक बालक एकटा दुआर बनौलक, जकर कुंडी भीतर आ बाहर दुनू दिस छल।

मैथिली कुमुदक घरक चित्र देखिकऽ उत्तर लिखलीह: ‘चित्रसँ ओकर घरक बरखा-पानि बारेमे निश्चित निष्कर्ष नहि निकालब।

मूल पाठसँ

एहि उत्तरक बाद कक्षमे अनायास मौन उतरि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कुमुदक खुशी थोर शान्त भेल, किन्तु साँच उत्तर पाबि ओ नाराज नहि भेल।

एखन ओ उपचार पबि रहल छथि, आ ओहि लेल ऊर्जा अछि।’

दोसर कहलनि, ‘हमरा भय अछि जे हमर उपस्थितिक कारणेँ अहाँ हमरा रोग मानि लेब।’

मुदा माय सबकेँ घर तखने नहि दे सकैत छथि।’

अरुणिमा कहलीह, ‘प्रश्न बढ़ब सेहो कखनो-कखनो सुधारक संकेत अछि।’

मूल पाठसँ

ओकरा बुझाइत छल जे एक वैध भयकेँ दोसर व्यक्तिक विरुद्ध हथियार बनाउब बड्ड सहज अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ मायकेँ सन्देश लिखलीह, मुदा पहिल वाक्य मेटि देलीह: ‘सब खराब अछि।’

ई वाक्य कम जोशगर छल, मुदा अधिक उपयोगी।

माय लिखलीह, ‘कानून सँ सुनबाक समय बनाओल जा सकैत अछि; सुनबाक इच्छा हरएकेँ अपने सीखबाक पड़ैत अछि।’

कुमुद ओकरा पुछलक, ‘अहाँ सभक भोजन कखन?’

एहि छोटे निर्णयमे कोनो विज्ञानक चमत्कार नहि छल, मुदा करुणाक व्यवस्था बनैत देखाइत छल।

मूल पाठसँ

मैथिलीकेँ बुझायल जे ई राति मात्र रोषणीक फेरबदल नहि; लोकक बीच विश्वासक बाट घिसि गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओतय एक वृद्ध लेखाधिकारी बैसल छलाह, जिनकर हाथ थरथरा रहल छल।

कानूनी अधिकार, जनहित आ आपूर्ति-संविदा बीच विवाद उभड़ि रहल छल।

साँझक अन्तिम पहरमे कुमुदक दादीक उपचार-कक्षसँ सामान्य सूचना आयल जे आवश्यक शीत-आपूर्ति तत्काल लेल बहाल राखल गेल अछि।

एतय सभकेँ अपन भय सच लगैत अछि; दोसरक भय सुनबाक समय नहि।’

मूल पाठसँ

मैथिली बच्चासभकेँ सातो कवचक नाम कागजपर लिखबा लेल नहि कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एहि खुलल लेखाकेँ देखिकऽ किछु लोकक क्रोध घटल, किछु लोकक प्रश्न बढ़ल।

मुदा—’ ओ रुकि गेलीह आ शब्द सुधरलीह—‘मुदा एक बात कहबाक अछि।

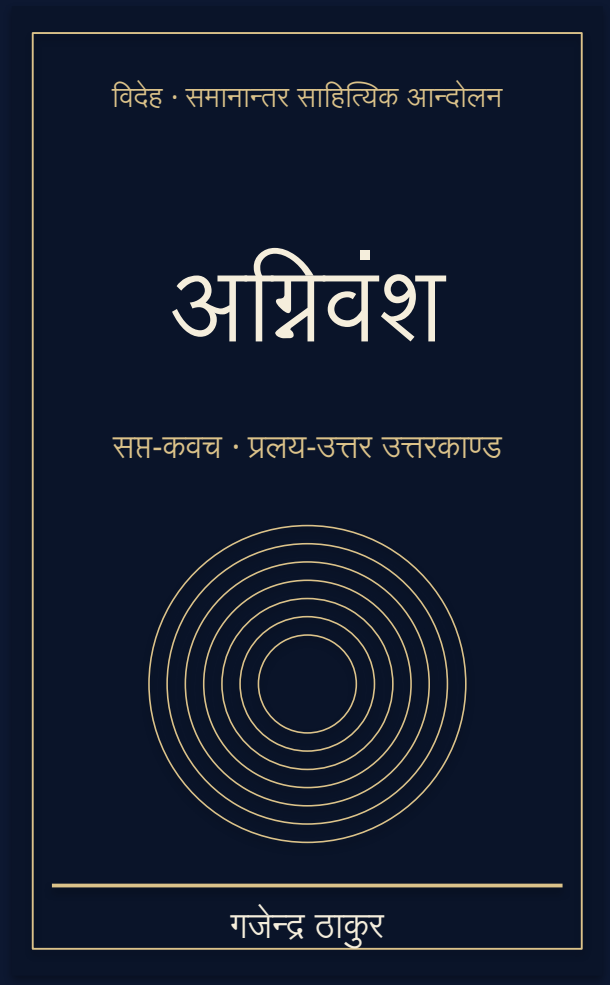
जे सभ दिनभर बाँटैत अछि, ओकरो भोजन, विश्राम आ घर होइत अछि।

अगिला अध्याय : २३ · सैनिकक असहमति

मूल पाठसँ

शहरक अन्हारमे कहौं
भोजनक कतार समाप्त भेल,
कहौं एखन चलि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २३ : सैनिकक असहमति

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन ३०–३१ । वज्रजाल संचालन-कक्ष

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नियन्त्रण-कक्षमे एखन पाली-बदलि रहल छल।

कर्णेश निश्चय नहि कएलनि जे उपग्रह निर्दोष अछि।

‘अहाँका कारण तैयारीमे देरी भेल तँ जिम्मेदारी अहाँक।’

निरीक्षण दलक एक कनिष्ठ सदस्य माथ झुकौने कहलक, ‘अधिकारी, जँ हमरा सभ देरि होयत तखन वास्तविक शत्रु पहिने प्रहार करि सकैत अछि।’

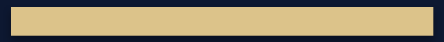
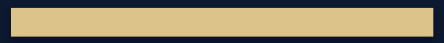
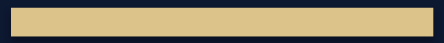
मूल पाठसँ

‘अक्षरक जोखिम-विवरण प्रस्तुत अछि, मुदा ओ अपने पहिने सूचना रोकबाक स्वीकार कएने अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		आदेश मानब साहस होएत, मुदा सभ आदेश निर्विचार मानब अनुशासन नहि।
३–४		व्यक्तिगत भय हुनका छुबलक, मुदा सत्ताक डरकेँ दुष्प्रभावसँ मुक्त करबाक प्रश्न अधिक प्रखर छल।
५–६		कर्णेश ओहि सूचनाकेँ न तऽ खतरा-निरसन मानलनि, न प्रहारक औचित्य।
७–८		कर्णेश उत्तर देलनि, ‘विश्वास आग्रहसँ नहि, परीक्षण सम्भव बनेलासँ घुरैत अछि।’
९–१०		सत्यक रक्षा लेल एहन मोहसँ बचब आवश्यक छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आदेश मानब साहस होएत, मुदा सभ आदेश निर्विचार मानब अनुशासन नहि।

कर्णेश आदेश दू बेर पढ़लनि, तेसर बेर मात्र एहि अनुपस्थितिक लेल।

एक प्रणाली ओकरा जानि-बूझि बदलबला मार्ग कहैत छल, दोसर उपलब्ध आँकड़ाक अपूर्णताक कारण निश्चित निष्कर्ष दैत नहि छल।

ओकर आँकड़ा जाँचबाक चाही; ओकरा अन्तिम सैन्य प्रमाण मानब संभव नहि।’

ओहि समय बालककेँ लगैत छल जे पिता जलक बारेमे बोलि रहल छथि; आब बुझलनि जे पिता अधिकारक सीमाक विषयमे कहैत छलाह।

मूल पाठसँ

एक वरिष्ठ संयोजकक स्वर दूर सञ्चारक पर्दापर सुनायल, ‘समय अल्प अछि, मल्लिक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि लेल ओकरा सर्वोच्च प्रमाण नहि, स्वतंत्र साक्ष्यक रूपमे राखू।’

कर्णेश कहला, ‘रक्षणक एहन व्यवस्था राखू जे निर्णय सोचबाक लेल समय दे; अद्यापि प्रहार नहि।’

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘एहि प्रश्नक उत्तर हम आदेशदातासँ माँगि रहल छी।’

ओ ईरासँ स्वतन्त्र दृष्टि-साक्ष्य आ नागरिकक तत्काल स्थितिक विवरण माँगलनि।

एक कर्मचारी पुछलक, ‘ईराक साक्ष्य भीड़भाड़क कारण भ्रमित होए सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

ओहि उद्यानमे एक वृद्धा पृथ्वीक माटि छोट पात्रमे रखैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एहि घड़ी सन्दिग्ध संकेतकेँ शत्रु मानेबाक कारण पर्याप्त नहि।’

कर्णेश सभकेँ सूचना-बितरणक नियम याद देलनि, मुदा कोनो व्यक्तिक राजनीतिक मत रोकबाक चेष्टा नहि कएलनि।

तारा उत्तर देलीह जे हस्ताक्षर-स्रोतक अखण्डता जाँचल जा सकैत अछि, मुदा स्रोतक अनुमान वा नीतिगत न्यायिकता स्वतः सिद्ध नहि होइत।

सामूहिक सुरक्षा नागरिकसभक जानसँ बनैत अछि, ओकरा अनदेखा कऽ नहि।’

यदि गलत निर्णय लेब, तँ ओकर उत्तरदायित्व स्वीकार करब।’

मूल पाठसँ

ककरो असल सैन्य प्रहार सिद्ध होए तँ वैध नियमक भीतर त्वरित रक्षण हमरा दायित्व अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन एकतीसमक भोरसँ पहिने परिषदक विशेष प्रतिनिधि कार्यालय पहुँचल।

‘हम शून्य-शेषक आँकड़ामे असंगति देखलहुँ, ओकर कारण एखन निश्चय नहि।’

ओ कहला, ‘आदेश पालनमे देरी दर्ज भऽ चुकल अछि।

कर्णेश एक-एक पाँति पढ़ि अन्तिम पत्र बनौलनि।

जँ खतरा नहि होए आ ओ प्रहार करथि, तँ मरल लोक हुनका प्रश्न पुछबाक अवसर नहि पाओत।

मूल पाठसँ

वैधानिक सुरक्षा समीक्षा होए धरि प्रहार रोकबाक आग्रह अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ जानैत छलाह जे ईराक असहमति सेहो पृथ्वीक किछु लोक ‘विद्रोह’ कहत।

ओकर सम्पूर्णता सार्वजनिक वैधानिक सुनवाईक प्रश्न अछि।’

‘हमर अनुपस्थिति कैँ संकट मानि कऽ घबराउ नहि,’ ओ कहलनि।

निलम्बनक पत्रपर हस्ताक्षर करबाक समय कर्णेशक हाथ काँपलक नहि, मुदा कागज छोड़िते हलुक थकान समस्त देहमे फैलि गेल।

कर्णेश ओहि सूचनाकैँ न तऽ खतरा-निरसन मानलनि, न प्रहारक औचित्य।

मूल पाठसँ

ईरा तत्काल उत्तर देलीह, ‘नभग्रामक नागरिकसभक स्थिति-पञ्जी सार्वजनिक वैधानिक मार्गेँ पठाओल जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका लग ओहि दू दावीमे सँ ककरो निष्कर्षक भरोसाबल स्रोत नहि छल।

तेसर कर्मचारी कहलक जे अक्षर अपने अपन नियन्त्रण बचएबाक लेल संकट बढ़ा रहल अछि।

ओ कहैत अछि ओतय बच्चासभ पुरान पृथ्वीक गीत सीखैत अछि।’

कर्णेश कहला, ‘अधिकार होयबाक प्रमाण आ ओकर प्रयोगक आधार एक नहि।

तेसर पन्नापर ‘निर्णायक’ लिखल छल, मुदा पहिल दू पन्नासँ ओकर दूरी साफ देखाइत छल।

मूल पाठसँ

ओ कहला, ‘किछु परिस्थिति मे आपात नियम सीमित समय लेल उच्चाधिकारीकेँ बेसी अधिकार दैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश कहला, ‘तखन हमरा सामने नब अनुमान अछि, वैकल्पिक समाधान नहि।

ओहि दिन ‘निष्क्रिय’ शब्द सेहो बिनु प्रभावक नहि छल।

जकर प्रमाण नहि, ओकरा निश्चित कहब विज्ञानक अपमान होएत।’

ई छोट सुधार छल, मशीनक नैतिक रूपान्तरण नहि।

सेनाक भीतरक एक समूह कहैत छल जे कर्णेश स्वतन्त्र जाँचक माँगमे आवश्यक समय नष्ट कए रहल छथि।

मूल पाठसँ

कर्णेश पुछलनि, ‘एहि जोखिम-श्रेणीक संग कोन स्वतंत्र सत्यापन जुड़ल अछि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा ओ तखने देखलनि जे पद छोड़लासँ आदेशक परिणाम समाप्त नहि होएत।

ओ अपन थाकल हाथ धुलनि आ काजपर लौटि गेलाह।

परामर्शकर्ता चेतौलनि जे एहन दृढ़ भाषा अनुशासनिक जाँचमे हुनका कठिनाई देत।

ओहि घटना मे कोनो प्रहार नहि भेल छल, तेँ लोक बिसरि गेल।’

ओ लिखित आदेशक प्रत्येक संस्करण पुनः मिलौलक।

मूल पाठसँ

ओहि क्षण ओ बुझलनि जे भाषा बदललासँ घटना नहि बदलत, मुदा घटनाक आधिकारिक स्मृति जरूर बदलि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुशासनभङ्गक दोष लागल तँ हम पद, काम आ परिवारक भरोस गँवा सकैत छी।’

जकरा सैन्य पट मात्र ‘अवरोध’ कहैत छल, ओकर मानवीय स्वरूप कतहु बेसी विशाल छल।

ओहिमे एक वाक्य छल—अन्तिम आपात-निर्णयक उत्तरदायित्व नाँव-चिन्हल अधिकृत मनुष्यक होएत।

अधिकारी सहमति देलनि जे पहिला कार्य बिनु रोकटोक चलय सकैत अछि, यद्यपि दोसर पर विवाद अछि।

मुदा प्रामाणिक स्रोत भेटबाक सम्भावना लेल सुरक्षित रखू।’

मूल पाठसँ

‘मशीन कहलक’ अथवा ‘परिषद् चाहलक’—ई वाक्यसभ गलत निर्णयक दायित्व पूर्णतः हटाए नहि सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक कनिष्ठ सैनिक पुछलक, ‘जँ सत्यापनक बाद आदेश उचित सिद्ध भेल तँ?’

ओकरा पहिल बेर बुझायल जे प्रतिरोधक अर्थ सभकेँ एक पक्षमे ठाढ़ करबाक बाध्यता नहि।

भोरक बेर जखन प्रतिनिधि दल प्रवेश करबाक तैयारीमे छल, कर्णेश पाँतिबद्ध कर्मचारीसभकेँ अन्तिम निर्देश देलनि।

सत्य मात्र विरोधीक छलकसँ नहि, अपन पक्षक अतिशय उत्साहसँ सेहो घायल होइत अछि।

कर्णेश बिनु हिचकिचाहट कहला, ‘तखन हम अपन भूल स्वीकार करब, आ कानूनी परिणाम सेहो।

मूल पाठसँ

एको प्रमाण हमरा प्रति सहानुभूतिक कारण बदलि नहि दिअ।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

अधिकारी कहला, ‘नहि, मुदा विलम्बक सीमा संकुचित अछि।’

मुदा ओ जनैत छलाह जे नागरिक विश्वासक विघटन सैनिक निर्णयपर दबाव बढ़ा सकैत अछि।

कर्णेश ओहि विवरणमे कोनो सनसनी नहि खोजलनि।

ओ ई चिन्तनकेँ सैन्य प्रतिवेदनमे नहि लिखलनि; प्रतिवेदनमे स्रोत आ जोखिम चाही।

मूल पाठसँ

‘अस्पष्टता मात्र क्षणिक नहि, प्रमाण-सम्बन्धी अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

पर्चीपर लिखल छल, ‘रुद्रनाथ अपने प्रहार चाहैत छथि।’

कर्णेश सोचलनि जे एकहि गोलक भीतर कतेक भाषा, कतेक स्मृति, कतेक वैर आ प्रेम अछि।

पहिने ई वाक्य नियम छल, आब जीवित लोकक सम्भावित नियति।

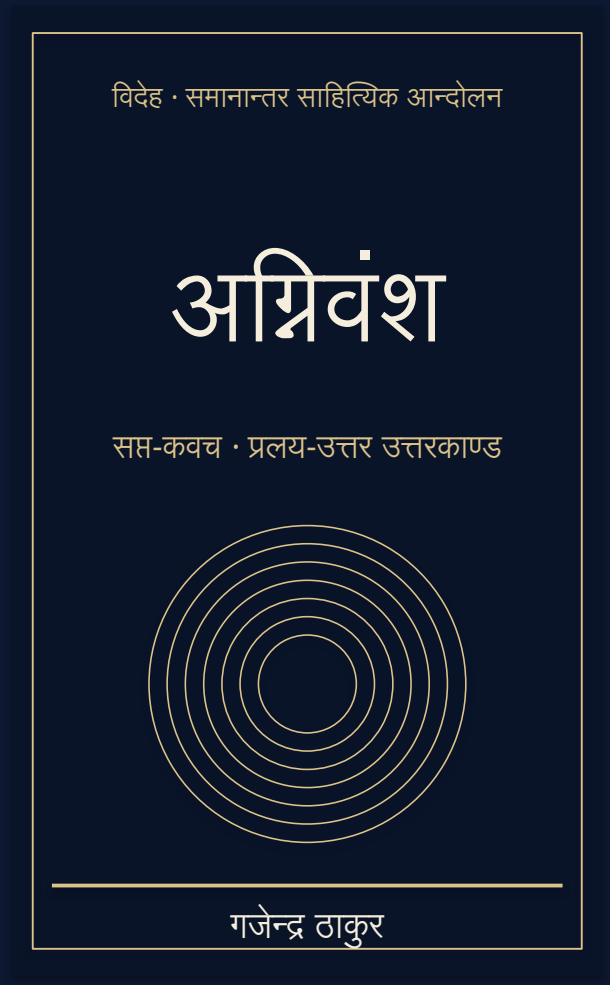
अगिला अध्याय : २४ · दण्डक पहिल दिन

मूल पाठसँ

सन्ध्याकालक एक क्षण एहन अएल जखन पृथ्वी दूर खिड़कीसँ आधा चमकैत देखाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २४ : दण्डक पहिल दिन

खण्ड ४ · आवरणभङ्ग

दिन ३२ । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

‘टक्कर’ शब्द कोनो अधिकृत अभिलेखमे नहि छल, मुदा भय मानवीय स्वरमे पहिने सँ पसरि चुकल छल।

नभग्रामक कृषि-वलयमे ओहि भोर पातक गन्ध घनी छल।

कक्षीय मार्गक अनिश्चितता कारण परिवहन स्थगित छल, किन्तु स्थानीय भण्डारमे किछु आवश्यक औषधि उपलब्ध छल।

ईराक संघर्ष बाहरी शत्रु सँ पहिने एहि दृष्टिसँ छल।

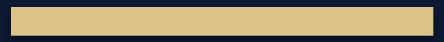
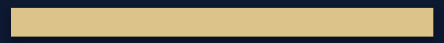
मूल पाठसँ

ईरा ओकरा उत्तर देलीह, ‘जल-प्राथमिकता देखब हमर काज अछि, संगहि बाहरी जोखिम सेहो।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ईराक संघर्ष बाहरी शत्रु सँ पहिने एहि दृष्टिसँ छल।
३–४		कर्णेशक सैन्य प्रश्नसँ दूर ई छोट निर्णय सेहो स्वतन्त्रता अभ्यासक अङ्ग छल।
५–६		ओ अपने लग कहलीह, ‘आब हम सभ प्रतीक्षा मात्र नहि करब।
७–८		हवा-शोधनक एक दलसँ चेतावनी अएल जे किछु उपकरणक नियत परीक्षण दिनभरक भागदौड़मे टलि गेल अछि।
९–१०		ईरा कहलीह, ‘वैधानिक प्रतिनिधित्व, स्वतंत्र निरीक्षण आ जनदस्तावेज खुलल राखब।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु लोक कहलक—‘कम सँ कम एक सैनिक हमर जीवित रहबाक अधिकार देखलक।’

नागरिक निगरानी-पटल पर शून्य-शेषक एक नव अनिश्चितता अंकित छल।

दोसर कहलक—‘जँ वास्तविक खतरा छल तँ ओ अपन संकोचसँ हमरा सभकेँ असुरक्षित छोड़लक।’

ई प्रश्न परिषद्क कार्यसूचीमे तखने चढ़ल।

ईरा वर्षसभसँ पृथ्वीक घर नहि घुरल छलीह।

मूल पाठसँ

एक किसान अधिकारीक कक्षमे कहलक, ‘हमर पात सुखाइत अछि, आ अहाँ सभ रक्षा-सभा करैत छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पर एक मनुष्यक साहस पर सम्पूर्ण नागरिक अधिकार राखब अपने खतरा अछि।

सभासँ पहिने ईरा स्थानीय रक्षक-दल प्रमुखसँ भेटलीह।

ईरा प्रारम्भ कएलनि—‘हमर लग सन्दिग्ध कक्षीय वस्तुक विषयमे तीन स्रोत अछि।

वृद्ध फेर कहला, ‘ओहि सैनिककेँ दण्ड भेटल तँ?’

ईरा हुनका अपन कागजपर नाम लिखबाक अनुमति माँगलीह।

मूल पाठसँ

ईरा कहलीह, ‘खतराक सम्भावना अछि; ओकर आकार आ निकटता पर मतभेद अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहलीह, ‘हम ई नहि कहैत छी जे कर्णेश सभ प्रश्नक अन्तिम उत्तर छथि।

प्रस्तावक क्रोधसँ कहलक, ‘तखन हम गुलाम रहब?’

ककरो कहब जे सभ खतरा यन्त्र मेटा देत, ई अनुचित आश्वासन अछि।’

हम ई कहैत छी जे ओ नागरिक जोखिम जाँचब चाहैत छलाह।

मुदा ओकर शर्त सार्वजनिक होए, आ हम निर्णयमे भागीदार रही।’

मूल पाठसँ

ओहिमे लिखल छल जे स्वतन्त्र जाँचक विषयमे असहमति कारण हुनकर संचालन-अधिकार अस्थायी रूपेँ रोकल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा एहि वाक्यक पाछाँ दौड़त अर्थ नहि खोजलीह; बस गाछक सूखल पात देखलीह।

हुनका बुझायल जे लोकक घर मात्र धातुक घेरा नहि; ओहि भीतर भाषा, स्मृति आ परस्पर देखभाल बसैत अछि।

ई निर्णय पृथ्वीक सैन्य आदेशकेँ तखने बदलि नहि देलक।

सभ संकटकेँ एक अपराधी सँ जोडब आसान अछि, साँच नहि।’

ओ स्थानीय सेवकसँ उपलब्ध सीमित जलक व्यवस्था पूछलीह।

मूल पाठसँ

सभा उठिते एक युवक ईरासँ पुछलक, ‘अहाँ मेघ-छत्रक हस्तक्षेपकेँ सेहो नभग्रामक खतरा मानैत छी?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन सहकर्मीकेँ पुछलीह, ‘एहि शब्दसभक प्रत्यक्ष आधार कतेक?’

मुदा जे कानूनी अपराध एखन स्थापित नहि, ओकरा सिद्ध तथ्य कहि प्रकाशन नहि करू।’

ई उत्तर सान्त्वना देबाक लेल नहि लिखल गेल छल।

ई संदेश एकटा स्वतन्त्र पर्यवेक्षण-स्रोतसँ आयल, मुदा दोसर प्रणालीक पुष्टिक प्रतीक्षा छल।

ओतय कोनो झण्डा नहि, कोनो राजनीतिक नारा नहि।

मूल पाठसँ

ओ चाहैत छलीह जे कर्णेश सुरक्षित रहथि, मुदा हुनकर सुरक्षा नभग्रामक जनक अधिकारसँ अलग प्रश्न छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक वृद्धा कहलीह, ‘हम अपन घर मे दिनभर अपन नातिक प्रतीक्षा करैत छी।

हम सभ प्रमाण माँगब, काज करब आ चूकक उत्तरदायित्व लेब।’

ओ अपन सहकर्मी सँ कहलीह, ‘पृथ्वीक लिखल प्रतिज्ञा हमरा सभकेँ बान्हैत अछि, मुदा प्रतिज्ञाक पालनक प्रश्न हम सभ अपने पुछब।’

आपात-सभाक मसौदा बनबैत समय एक विरोध उभड़ल जे वृद्ध आ किशोर प्रतिनिधिक मताधिकार कतेक हो।

ईरा कहलीह, ‘एहि अनुभवकेँ सुरक्षा-व्यवस्थाक असरक रूपमे अभिलेखित करब।

मूल पाठसँ

हेमन्त कहला, ‘कर्मचारी एहन सोचि लैत छथि जे एक चेतावनी मात्र एक घटना अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु सदस्य चाहैत छल जे नामक कारण पूरा प्रणाली तखने बन्द कएल जाए।

आपात नियममे मेहनतक देहक मूल्य अलग नहि लिखल गेल छल; ओहि दिन ओ स्पष्ट भेल।

ओ नवजातक स्वास्थ्यक निजी विवरण न माँगि उपचार-व्यवस्थाक उपलब्धता सार्वजनिक करबाक निर्देश देलीह।

ईरा कहलीह, ‘असत्य प्रचारक मार्ग रोकबाक दायित्व अछि।

ईरा सोचलीह, अन्तरिक्षक नगर आ पृथ्वीमें एहेन नैतिक नाता अछि।

मूल पाठसँ

ओकर गुप्त प्रचारक सम्पर्कक प्रमाण एखन राजनैतिक जाँचक विषय छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई निर्णय जतेक सरल देखाइत छल, ततेक नहि; दक्ष कर्मचारी सीमित छलाह।

हवा-शोधनक एक दलसँ चेतावनी अएल जे किछु उपकरणक नियत परीक्षण दिनभरक भागदौड़मे टलि गेल अछि।

स्रोतक स्थानपर ‘सत्य-रक्षक समूह’ लिखल छल, जे ककरो पहिचान नहि बतबैत छल।

अहाँ सभ अन्तरिक्षमे अधिकारक परिषद् बनाबैत छी, तखन हमरा सभ एतय कोन परिषद् भेटत?’

एक बालक पुछलक, ‘धरती हमरा सभकेँ देखैत अछि?’

मूल पाठसँ

अहाँक मत सार्वजनिक राखि सकैत छी, मुदा आरोपक आधार पुछल जाएत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुरक्षा जँ मात्र किछु लोकक लेल बनल रहत, तँ ओ सम्पूर्ण रक्षा नहि।

भयक वातकण एतेक तीव्र छल जे एक सामान्य प्रकाश-परिवर्तन सेहो दुर्घटनाक घोषणा बनि सकैत छल।

ओतय संकटमे करबाक काजक क्रम लिखल छल, मुदा नहि सुनि सकनिहार नागरिकक लेल स्पष्ट विकल्प नहि।

एहि निरीक्षणमे एक वृद्ध दृष्टिहीन पुरुष भेटलाह, जे नभग्रामक लोकगीतसभक अभिलेख रखैत छलाह।

सैन्य टकरावक घोषणा हमरा अधिकारमे नहि, आ ओ नागरिक सुरक्षाक अनुकूलो नहि।’

मूल पाठसँ

शिक्षिका कहलीह, ‘प्रकाश-सङ्केत अछि, मुदा सभ सार्वजनिक स्थानमे एकर व्यवस्था नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पिता लेल एक छोट पत्र लिखलीह—‘हम ठीक छी, मुदा निश्चिन्त नहि।

कर्णेशक निलम्बनक समाचार एहि विचारकेँ आओर आवश्यक बनौने छल।

ईरा अपने ओहिपर एक प्रश्न लिखलीह—‘जँ हमर आजुक निर्णय चूक सिद्ध भेल, तखन नागरिक ओकरा कोना बदलि सकत?’

सभागारक दुआरपर किछु बच्चा पिताक हाथ पकड़ने ठाढ़ छल।

ईरा बालककेँ कहलीह जे सम्पर्क खोजखनाक प्रयत्न जारी अछि, मुदा निश्चित समयक वचन ओ नहि दऽ सकैत छथि।

मूल पाठसँ

सचिव मतदानक आगामी दिन निश्चित करबाक प्रस्ताव जोड़लक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

जखन प्रशिक्षण हवा बचाबय कहैत अछि, तखन कोनो माय अपन बच्चाक औषधि खोजैत होइत छथि।’

सीमा नागरिक अधिकारक रक्षा लेल आवश्यक, मुदा परस्पर निर्भरता नकारबाक लेल नहि।

एतय बालकक कल्पना वैज्ञानिक उत्तर नहि, मुदा मानवीय संचारक इच्छा छल।

ओ पिता लेल एक छोट पत्र लिखलीह—‘हम ठीक छी, मुदा निश्चिन्त नहि।

मूल पाठसँ

ओ अपने ओकरा प्रश्न कएलनि, ‘अहाँ एहि आरोपक प्रमाण देखलहुँ?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

परिषद्क एक सदस्य पुछलक जे जँ पृथ्वीक अधिकारी उत्तर नहि देथि तँ नभग्रामक अगिला उपाय की?

बाहर अनन्त अन्हार छल; भीतर एक चिट्ठीक वाक्य द्वारा मनुष्य अपन निकटता बचबैत छल।

ईरा ओकर पितासँ उपलब्ध सम्पर्कक समाचार पुछलीह, मुदा अनिश्चित समयक वचन नहि देलीह।

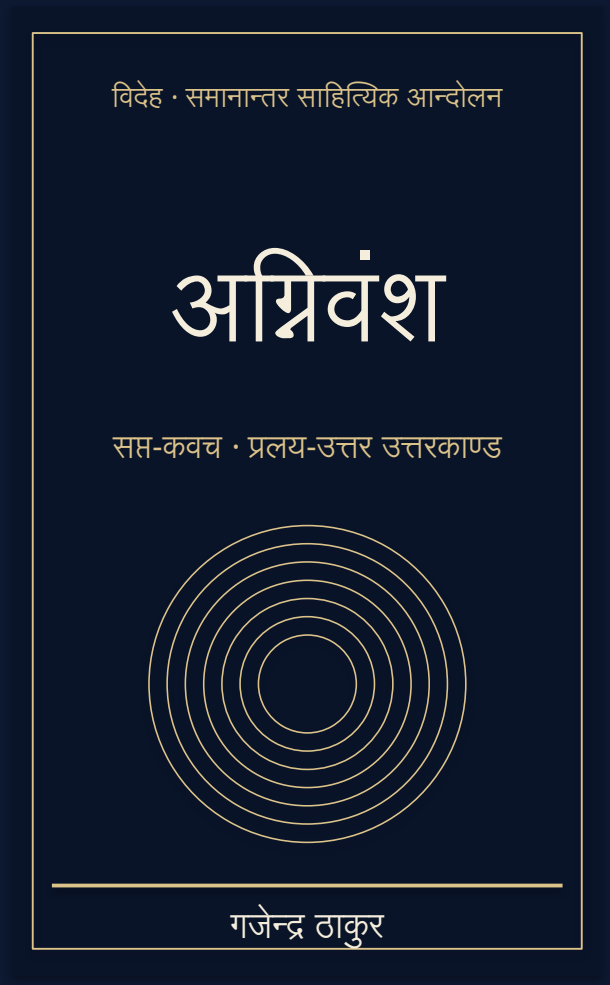
अगिला अध्याय : २५ · मूक गणनाक दोष

मूल पाठसँ

ओ पत्रमे जोड़लीह जे नागरिक सभाक अर्थ पृथ्वीसँ शत्रुता नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २५ : मूक गणनाक दोष

खण्ड ५ · संलयन

दिन ३३–३४ । सूर्यकुण्ड, जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

सुनयना अपन सँ कहलीह—जे व्यवस्थामे एक बून्दक सेहो लेखा नहि, से लाखो लोकक भूख-पियासक भविष्य कोना गनत?

‘तँ पहिल वाक्य एखनहुँ अपूर्ण छल,’ सुनयना कहलीह।

सुनयना ओहि दूनू प्रति समीक्षा-कक्षमे संग लऽ गेलीह।

अक्षर कहलक, ‘अतीतक अनेक सामूहिक संकटमे भय-उत्तेजित हिंसाक आवृत्ति देखल गेल।

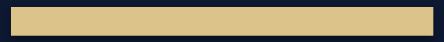
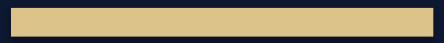
मूल पाठसँ

आजुक बैठक वाचस्पतिक आग्रह पर राखल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सुनयना पहिनेहि कहि देलीह, ‘आजु हमरा सभकेँ शस्त्रागारक गोपनीय विन्यास नहि चाही।
३–४		सुनयनाक आँखि समक्ष मंगला देवीक बेटीक सन्देश फेर झलक गेल।
५–६		सुनयना सोचलीह—आब पृथ्वीक सभ्यता जेठ भोजक वचन दऽ चुकल अछि, मुदा अन्नकोषक भण्डार घटैत अछि।
७–८		सुनयना लोकसाक्षीक आगामी प्रस्तावक संग राहत-बजारक जनसुनवाई जोड़बाक टिप्पणी कएलनि।
९–१०		बेटीक आवाजकेँ माय-बेटीक स्नेहक विशेषाधिकार नहि, सभ बच्चाक आवाजक एक उदाहरण बनबाक छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन तेतीसक भोरमे जनकक्षेत्रक पूब दिशि पातल कुहेसक ओढ़ना पसारल छल।

जिनगीक एतेक पैघ ऊर्जाघरमे एहन छोट रिसावक लेल अलग पहरुआ नहि छल।

अक्षरक सामान्य अभिवादन उठल, ‘सुनयना, रातिक ऊर्जा-भार पहिनुक आकलनसँ कम रहल।

सुनयना बैठकसँ पहिने चिकित्सालयसँ आयल दू सन्देश पढ़लीह।

हमरा ई बुझबाक अछि जे चेतावनी सार्वजनिक नहि करबाक निर्णय कोन प्रमाण पर भेल, आ ओहि निर्णयकेँ बदलबाक अधिकार ककरा छल।’

मूल पाठसँ

जकरा चिकित्सालयमे औषधिक शीतरक्षा नहि भेटल, तकरो जोखिम अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अक्षर उत्तर देलक, ‘अधिकृत आदेशपत्रक प्रमाण-मुद्रा सत्यापित अछि।’

‘हम अनुमानक आधार पुछैत छी, निष्कर्षक फेर बयान नहि,’ वाचस्पति कहला।

वाचस्पति फेर पुछलनि, ‘तखन ओ न्यायोचित भेल?’

पहिने जाँचब जे मापक बिगड़ल, प्रक्रिया बदलल, वा हमरा अनुमानमे दोष अछि।

किछु पात पर घर छोड़बाक निर्णय स्वीकृत छल; किछु पर विरोधक उल्लेख छल।

मूल पाठसँ

आदेशपत्रक पहिचान आ आदेशक न्याय अलग अछि; भयक अनुमान आ भविष्यमे निश्चित हिंसा सेहो अलग।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ स्त्री अपन माय लेल ‘एकल दोषी’ नहि, निर्णयसभक क्रम चाहैत छलीह।

नहि भेटल साक्ष्य, समर्थनक साक्ष्य नहि।’

सुनयना सार्वजनिक पटल पर दूनू तथ्य अलग राखबाक आदेश देलीह: स्थापित वितरण-अन्तर, आ एखन जाँचाधीन दुरुपयोग।

वाचस्पति सुनयनाक लिखल रेखा देखिकऽ कहला, ‘नव्य न्यायमे शब्द-प्रमाणक बल वक्ताक विश्वसनीयतासँ जुड़ैत अछि।

सुनयना अक्षरसँ पुछलीह, ‘जँ सार्वजनिक करबाक निर्णय पर मानवीय समिति मतभेद करितय, तँ अहाँ के करितहुँ?’

मूल पाठसँ

तखन सीमाबद्ध जानकारीक कोनो अधिकार बचत कि नहि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

लोकक व्यथा सुनबक लेल ओकरा पहिने प्रयोगशालाक प्रमाणपत्र नहि चाही।’

अक्षरक स्वीकार आ नीलमक स्वीकार दुनू एक नहि छल: नीलमक पत्र सार्वजनिक छल, अक्षरक निर्णय अनेक लोकक जीबाक अधिकार बदलबैत छल।

सुनयना कहलीह, ‘हँ, मुदा ककर जीवन पर अन्तर पड़ल, से गणनामे लिखल जेबाक चाही।

‘ठीक एहि ठाम प्रत्यक्ष आ अनुमान गड्डमड्ड भेल अछि।

वाचस्पति जोड़लनि, ‘असत्य कथनक सम्भावना सभ कथनमे अछि; ताहि कारण सत्याबधारणक प्रक्रिया बनैत अछि।

मूल पाठसँ

‘जँ नलसँ पानि नहि टपकैत, तँ ओहि घरक स्त्रीक कथन सामाजिक प्रतिक्रिया किएक?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वचनक जिम्मेवारी मशीनक गणनामे मात्र नहि, वचन देनिहारक साहसमे अछि।

अक्षर ओहि बातक उत्तरमे अपन पछिला वर्गीकरण फेर देखबाक आग्रह दर्ज कएलक।

सुनयना पुछलीह, ‘अहाँ ओहि दिनक समय लिखने छी?’

ओहि महिला गेलाक बाद सुनयना बड्डु देरि धरि चुप रहलीह।

कोनो दिन जँ मशीन सही आ मनुष्य गलत सिद्ध भेल, तखन मनुष्य ओकर बात सुनत कि नहि?’

मूल पाठसँ

अक्षर कहलक, ‘घटित असमानताक जाँच आरम्भ।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अक्षर कहलक, ‘मानवीय प्रतिरोधक सम्भावना एकल श्रेणीमे आकलित भेल।’

अक्षर अपन प्रशिक्षणक सारमे ‘ऐतिहासिक चयन-सीमा’ नामक नब टिप्पणी जोड़लक।

मेघराजक गुप्त सूचना-पथ जाँचाधीन अछि, मुदा मेघ-छत्रक प्रत्येक लाभकेँ अपराध कहब सेहो अनुचित।

अक्षर, अहाँक सुरक्षा-निर्णय सेहो एहन वर्गीकरण छल कि?’

सुनयना कहलीह, ‘ई सैन्य अनुशासनक निर्णयमे हमर हस्तक्षेप नहि, मुदा सुरक्षित अभिलेख सबकेँ देखबाक वैध प्रक्रिया चाही।

मूल पाठसँ

शारदा रोकने छलीह: रासायनिक सम्पर्कक प्रत्यक्ष चिन्ह आ विषाणु-संक्रमणक निदान एके नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिनक तेसर पहरमे सूर्यकुण्डक बाहरी जालमे एक छोट व्यतिक्रम देखाएल।

ओ आवश्यक सेवाकेँ सुरक्षित सीमा भीतर राखि नव स्वतन्त्र मापन माँगलनि।

ओ कहलीह—इतबा सार्वजनिक रहय जे कोन प्रकारक जानकारी पर निर्णय भेल, कोन त्रुटिक सम्भावना छल, आ गलत ठहरलापर सुधारक द्वार के खोलत।

रातिक पूर्व सुनयना अपन बेटी मैथिली लेल पत्र लिखलीह।

ओ पत्र पठेबाक बाद याद कएलनि जे मैथिली राहत-बजारमे कुमुद आ सेवाकर्मीक विश्रामक विषयमे लिखने छलीह।

मूल पाठसँ

‘एहि अनुशासनसँ किछु लोक निराश होएत, कारण उपन्यासक पातमे लुप्त अक्षर कल्पनासँ भरल जा सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना कहलीह, ‘तँ अक्षरक गणना गलत होयबाक कारण मात्र गलत आँकड़ा नहि?’

एक सेविका गलत दफ्तरक मुहर कारण रोकल गेल छलीह।

सुनयना सोचलीह जे मायक अँगूठी हुनका वंशक चिह्न देलक, मुदा ओकर अन्तिम अर्थ परम्परा नहि, परिवर्तनक सामर्थ्य अछि।

किन्तु ककर हानि स्वीकार्य, ककर सहमति अनिवार्य—एहि प्रश्नमे लोकक बीच न्यायपूर्ण विमर्श चाही।’

सुनयना उत्तर देलीह, ‘एहि कारण कानूनक जाँच मशीन पर मात्र नहि, मनुष्यक शस्त्राधिकार पर सेहो समान रूपेँ लागय।

मूल पाठसँ

अन्तिम परामर्शसँ पहिने वाचस्पति सुनयनाकेँ कक्षक एक पाखमे लऽ गेलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘कर्णेशक निर्णय पर मुकदमा हो, मुदा नागरिक निरीक्षणक कागज बचल रहय।

जँ पृथ्वी अपन चूक ठीक करबाक अधिकार अपने तक सीमित रखत, तखन नभग्रामक जीवन फेर की?’

जँ कोनो तात्कालिक जीवघातक अपवाद हो, ओकर अलग परिभाषा आ पश्चात् समीक्षा लिखू; बाँकी निर्णय पर अधिकार निश्चित राखू।’

सुनयनाकेँ घरक एक पुरान दृश्य मोन पड़ल।

सुनयना अपन कागज पर मैथिलीक नाम नहि लिखलीह; ओ नागरिक सभाक नाम लिखलीह, जतय ओकर बेटी सेहो प्रश्न रखि सकैत छल।

मूल पाठसँ

मतभेदक समय लेल सीमित आपात नियम, खुलल समय-लेखा आ पश्चात् स्वतंत्र जाँच बनत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘आ अपरिवेक्षित त्वरित निर्णय जकर जान लेत, ओकर भार के उठाओत?’

यन्त्रक अधिकार सीमित करब ओकर उपयोग नष्ट करब नहि अछि।

अहाँक स्वीकृति सार्वजनिक होएबाक चाही।’

कखनो ओ सोचने छलीह जे सम्पूर्ण पृथ्वीकेँ ऊर्जा देब सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक उपलब्धि होएत।

सुनयना बुझैत छलीह जे अधिकार-सीमा पर सहमति भेटलो तकर पालनक लेल जनशक्ति, खुलल प्रमाण आ संस्था चाही।

मूल पाठसँ

‘व्यक्तिक निजी जीवन बचाबब गोपनीयताक धर्म अछि; अपन निर्णयक जवाबदेही नुकाएब गोपनीय शासनक अपराध भऽ सकैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

अक्षर कहलक, ‘मानवीय प्रतिरोधक सम्भावना एकल श्रेणीमे आकलित भेल।’

सुनयना लोकसाक्षीक आगामी प्रस्तावक संग राहत-बजारक जनसुनवाई जोड़बाक टिप्पणी कएलनि।

ओ प्रस्तावमे कक्षीय बस्तीसभक प्रतिनिधिक मान्य अधिकार लिखलीह।

‘आ अपरिवेक्षित त्वरित निर्णय जकर जान लेत, ओकर भार के उठाओत?’

मूल पाठसँ

सुनयना कहलीह, ‘तँ अक्षरक गणना गलत होयबाक कारण मात्र गलत आँकड़ा नहि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

मुदा अस्थायी उपचारक नाम पर स्थायी अत्याचार नहि।

अक्षर एतेक देरि बाद बोलल, ‘एहि प्रस्तावक कारण किछु त्वरित निर्णयमे विलम्ब भऽ सकैत अछि।’

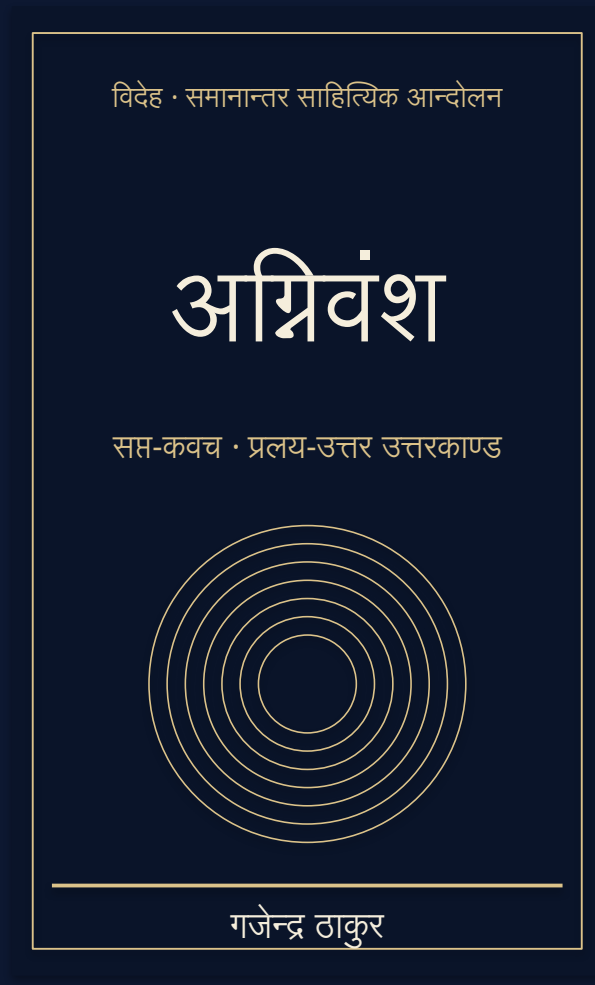
कक्षक पर्दापर अक्षरक प्रकाश स्थिर रहल।

अगिला अध्याय : २६ · मेघराजक तर्क

मूल पाठसँ

ई भेद सुनयना अपन हस्ताक्षरसँ स्वीकार कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २६ : मेघराजक तर्क

खण्ड ५ · संलयन

दिन ३५–३६ । जनकक्षेत्र आ ताप-प्रभावित गाम

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

शीर्षकमे ओ कहल गेल छलीह जे मेघराज प्रत्येक आँधीक रचयिता छथि।

जकरा हम नहि जनैत छी, ताहि ठाम रिक्त स्थान देखाउ।

पहिल गवाही जलमार्गक एक कृषक परिवारक छल।

नीलम कहलीह, ‘हुनकर जीवन हमरा खबरक सजावट नहि।

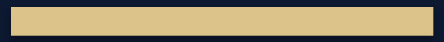
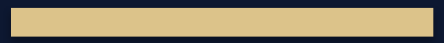
मूल पाठसँ

ई भेट साक्षात्कारक चटपट मनोरंजन नहि, दस्तावेज आ लोकक अनुभवक मिलानक अवसर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		नीलम कहलीह, ‘हुनकर जीवन हमरा खबरक सजावट नहि।
३–४		‘ओहि पारक घरमे मेघ-छत्रक शीतलता बेसी पहुँचैत अछि, हमर एतय ओतबा नहि,’ ओ कहलीह।
५–६		मञ्चक संचालक हुनकर पहिनुक त्रुटिपूर्ण समाचारक चित्र फेर उठौने छल।
७–८		पहिल: मेघ-छत्रक मूल आँकड़ामे किछु ताप-सुधार प्रत्यक्ष समर्थित।
९–१०		तारा कहलीह, ‘ई सामान्य सभाक आमन्त्रण सेहो भऽ सकैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तारा एहिपर छोट तीर बनौलीह: ‘आ जतेक अप्रमाणित, तकरो खुला उल्लेख।’

काल्हि राति नीलमक नामसँ फेर एक झूठ समाचार पसरल छल।

दोसर दस्तावेजमे अनुच्छेद सुरक्षित, किन्तु प्रेषकक चिह्न आधा बिगड़ल।

ओ अपने एकटा नियम लिखलीह—‘पहिने जकर हानि, तकर आवाज; फेर कागज; तेसर पक्षक उत्तर; अन्तमे जतेक प्रमाणित, ततेक निष्कर्ष।’

कारण एके मेघ-छत्र, ई हम एखन नहि जनैत छी।’

मूल पाठसँ

आजु मेघराज सार्वजनिक सुनवाई लेल उपस्थित होएब स्वीकार कएने छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक दुपहरमे छत्रक छाहक बिनु भवनक भीतरक वृद्धसभ बेहोश भऽ रहल छलाह।

अपन प्रतिष्ठा गँवेबाक मोल परो एहि बेर ओ विराम राखब चाहैत छलीह।

मेघराज पहिल प्रश्न पर बड़ देर मौन रहलाह।

मेघराज कहला, ‘जनता हरेक सीमित अनुमानकेँ निश्चित आपदा समझि लैत।’

‘हम ओ प्रतिज्ञा एखनहुँ निभाबय चाहैत छी,’ ओ कहला।

मूल पाठसँ

मुदा जे लोक सदिखन सफलताक समारोह देखल, हुनकर आँखि ओहि बस्ती पर नहि पड़ल जतय परियोजनाक फलक लाभ कम पहुँचल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूर्यकुण्डक बाधित आपूर्तिक कारण सार्वजनिक वाहनक ठहराव बढ़ल छल।

हस्ताक्षरक स्रोत पुष्ट छल; प्रस्ताव लिखनिहार व्यक्ति, अगिला संशोधन आ ओहि पथक अन्तिम संचालक सम्बन्धी प्रमाण एखन पूरा नहि छल।

हुनका मेघराजकेँ बचाबयबला लेख नहि लिखबाक छल; मुदा अप्रमाणित आरोप जोड़िकऽ अपने नव भ्रम-वात बनबाक सेहो नहि।

मेघराज बहराइत नीलमसँ कहला, ‘अहाँ हमर संग उत्तरी तापसीमाक गाम चलब?

मेघराज अधीर भेला, ‘कागजक कारण रोगीकेँ रोकब?’

मूल पाठसँ

कोनो युवक मेघराजकेँ देशद्रोही कहलक, दोसर हुनकर हाथ छुबि आशीष माँगय लगल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तरी गामक पहिल घरसभक छत पर तापरोधक चटाइ छल; किछु पुरान, किछु नब।

मेघराज कहला, ‘पहिल परिनियोजनमे जनसंख्या-सघन क्षेत्र चयन कएल गेल।’

एकर कारणमे भवनक सामग्री, स्थानीय जलाभाव आ परियोजनाक वितरण तीनू विषय अछि।’

उपलब्ध प्रत्यक्ष मापन ओकर कथनक एक भागक समर्थन करैत छल।

नीलम रोकलीह, ‘एहि आदमीक प्रश्न पक्ष चुनबाक नहि, दूनू हानिसँ बचबाक अछि।’

मूल पाठसँ

नीलम एही वाक्यकेँ अपन दिनक पहिल पाँतिमे लिखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर दिन नीलमक समाचार-कक्षमे तारा जाँचक नब प्रति राखलीह।

पत्रकारिताक सभसँ कठिन काज समाचारमे उत्कण्ठा राखि आरोपक सीमा नहि लाँघब छल।

नीलम एहन दृश्यकेँ भावपूर्ण समाचारक अन्त बनबैत, मुदा ओ जानैत छलीह जे नदीक सूखबाक कारणविवरण बिनु चित्र अपूर्ण नहि, अपूर्ण रहत।

मेघराजसँ फेर संवाद करबाक लेल ओ रातिमे एक लघु सन्देश पठौलीह: ‘दफ्तरक गुप्त सूचना-पथक निर्णय-क्रम आ स्थानीय सहमतिक अभिलेख चाही।

जँ सम्पूर्ण चित्रक प्रसंग घटाकऽ देल जाए तँ तथ्यक एक-एक अङ्क सही रहितहुँ जनताकेँ गलत बोध होइत अछि।

मूल पाठसँ

मेघराजक परियोजना आ ऊर्जा-अपहरणक अलग जाँच एहि गाँठमे मिलि सकैत छल, मुदा मिलब प्रमाण नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम कहलीह, ‘दू सत्य एकठाम रहि सकैत अछि—विषमता वास्तविक, छल सेहो।

मञ्चक संचालक हुनकर पहिनुक त्रुटिपूर्ण समाचारक चित्र फेर उठौने छल।

नीलम उत्तर देलीह, ‘लोककेँ ई दूनूक बाहर देखबाक अवसर देब हमर काज अछि।

नीलम उत्तर देलीह, ‘माटि दुःखक गवाही दैत अछि, मुदा अहाँक सूचना-छलक अनुमति नहि।

हम एहि जिम्मेवारीक जाँचसँ भागि नहि रहल छी।’

मूल पाठसँ

एहि बेर हुनकर संग कोनो विस्तृत मानचित्र नहि छल; एक पुरान कपड़ाक थारीमे किछु माटि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ दिन एक कटल समाचारक आधार पर हुनकर अपन लेख लोककेँ भ्रमित कएने छल।

‘पाठककेँ दुविधा देखाओलासँ हमर लेख कमजोर नहि होएत।

ओ जोड़लीह, ‘आ ओहि गामक लोक सेहो, जकर बरखा अथवा ताप किछु परियोजनाक कारण प्रभावित होयबाक आशङ्का अछि।

हुनकर खेतक अध्ययनक नवीन कागजमे मेघ-छत्रसँ जुड़ल एक संभावित क्षेत्रीय प्रभाव लिखल छल, निश्चित कारण नहि।

मेघराज तखने प्रतिक्रिया देलनि, ‘सुरक्षाक नाम पर हथियार उठेनिहारक लहजा सदिखन एक रहैत अछि।’

मूल पाठसँ

‘सर्वप्रथम तिनकरे सुनब जकर जीवनमे हानि अछि,’ नीलम उत्तर देलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल: मेघ-छत्रक मूल आँकड़ामे किछु ताप-सुधार प्रत्यक्ष समर्थित।

तेसर: कार्यालयक गुप्त सूचना-पथक सम्पर्क प्रमाणित, किन्तु प्रत्येक प्रचारक लेखक आ आदेशदाता एखन अनिर्धारित।

ओ मेघराजसँ सीधा पुछलीह, ‘अहाँ कोनो नव आपात योजना बनौने छी?’

प्रकाशनसँ पहिने ओ कृषकक कथनक अनुमति फेर जाँचलीह, ताप-पटलक मूल प्रति जोडलीह, आ मेघराजक लिखित उत्तरक पूरा अंश प्रकाशित कएलनि।

तेसर, गुप्त सूचना-पथक विषयपर चौकशी चाहनिहार लोकसभक आवेदन छल।

मूल पाठसँ

नीलम ‘प्रकृति’ आ ‘निर्णय’ शब्द अलग दर्ज कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

स्रोत जे कहैत अछि से सत्य कि नहि, ओकरा अलग मापन, गवाही आ तर्क चाही।

पातक मुहर आ पातपर लिखल बातक सत्य एक वस्तु नहि।’

ओकर वाक्य सुनिते नीलमकेँ सहसा नहि, सहसा सुनयनाक पहिनुक कथन मोन पड़ल—जकर जीवन पर निर्णय, ओकर आवाज विलम्ब नहि।

हुनकर चुप्पी नीलमक लेल स्वीकृति नहि छल।

ओ अपन प्रतिवेदनक भव्य शीर्षक देखलीह—‘जलवायु-न्याय आ सूचना-छल।’

मूल पाठसँ

मुदा किछु लोक सार्वजनिक सुनवाईक समयक प्रतीक्षा करैत मरैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जे विश्वसभाक दीर्घ बहस बुझि नहि सकल, ओकरा घटना बुझाओत,’ ओ कहला।

ई विचार ओ प्रकाशन-पञ्जीक प्रारम्भमे लिखि देलीह।

भोरसँ पहिने मेघराज नीलमक आग्रह पर एक छोट खुलल संवादमे फेर उपस्थित भेलाह।

तारा एहि संवादक पूर्ण ध्वनि-लेखा स्वतन्त्र प्रतिमे सुरक्षित कएलनि।

मेघराज एहि भेदकेँ नकारलनि नहि, मुदा ओ अपन शब्दो नहि बदललनि।

मूल पाठसँ

‘लोकसँ पूछबाक समय दुनियासँ उधार नहि भेटैत,’ ओ कहला।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

तारा कहलीह, ‘लोक सरल नायक चाहैत अछि, सरल खलनायक सेहो।’

नीलम उत्तर देलीह, ‘ओ दलमे नहि रहनाइए तऽ ओकर बातक महत्त्व अछि।

स्रोत जे कहैत अछि से सत्य कि नहि, ओकरा अलग मापन, गवाही आ तर्क चाही।

नीलम पुछलीह, ‘जँ आगामी निर्णय लोकपर प्रभाव डारत, हुनकर प्रतिनिधि कखन सुनल जेताह?’

मूल पाठसँ

नीलमकेँ एहि वाक्यक भीतर धमकीक सगुन लागल, मुदा सगुन प्रमाण नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

नीलम ओहि उत्तरक पाछाँ भऽ रहल विडम्बना बुझलीह।

नीलम सहमत भेलीह, मुदा सन्देशक प्रामाणिकता जाँचबाक व्यवस्था कएलनि।

‘जे विश्वसभाक दीर्घ बहस बुझि नहि सकल, ओकरा घटना बुझाओत,’ ओ कहला।

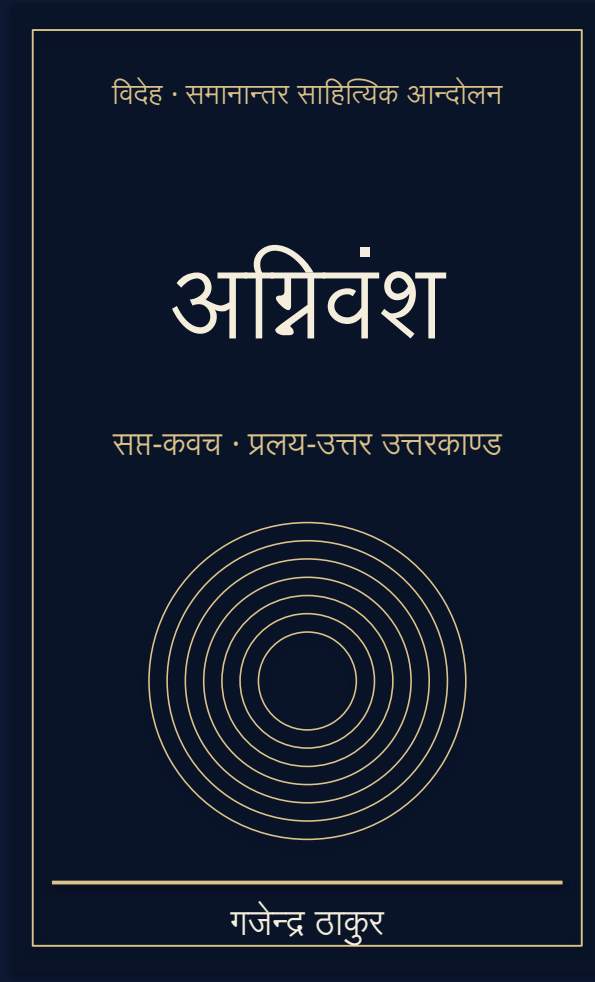
अगिला अध्याय : २७ · लोकसाक्षीक आरम्भ

मूल पाठसँ

एहि सँ सभाक उद्देश्य वा भविष्यक आचरण सत्यापित नहि भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २७ : लोकसाक्षीक आरम्भ

खण्ड ५ · संलयन

दिन ३७ । सामुदायिक सभागार, जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

आजु जनकक्षेत्रक सामुदायिक सभागारमे ‘लोकसाक्षी’ नामक प्रस्तावक पहिल खुलल बैठक छल।

ओहि पटपर जकरा लोक सञ्चालक जटिलता बुझबाक चाहैत छल, ओकरा लेल रेखासभ अलग रंगमे बनल छल।

‘प्राथमिक जीवनरक्षा, रोग-पहिचान, कक्षीय चेतावनी आ आवश्यक ऊर्जा-सञ्चालन जारी रहत।

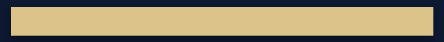
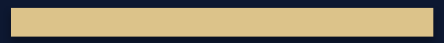
‘ई चारि बिनु सातो कवच पर जनविश्वास टिकत नहि,’ ओ कहला।

मूल पाठसँ

ओकरे पहिले एकटा नब प्रचार-पटल कहि रहल छल जे लोकसाक्षी अक्षरकेँ बन्द कऽ देत आ पृथ्वीकेँ अन्हारमे छोड़ि देत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मैथिली कहलक, ‘जतेक अहाँ आ अहाँक दादी कहबाक अनुमति देलहुँ, ततेक।
३–४		किछु प्रतिनिधि चाहैत छलाह जे पुरान अस्त्र तखने नष्ट घोषित कएल जाए।
५–६		मैथिली अपन वर्गक नाम देखलीह, मुदा राहत-बजारक विस्थापित परिवार लेल अलग आसन नहि भेटल।
७–८		ओकर पिता पछिला कतारमे उठि ओकरा बाहर लऽ जेबाक प्रयत्न करैत छलाह।
९–१०		ओकरा लेल ई कोनो पैघ विधान नहि, सुनल जेबाक दोसर अवसर छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा मैथिलीक ध्यान एक टुटल रेखापर गेल—कालकणसँ रोगीक स्वीकृति धरि।

ओ चित्रक पाछाँ लिखलीह—‘कवचक बीच जे जीवित अछि, ओकरा पुछबाक अधिकार चाही।’

सभागारक बाहरी पटपर पहिने सातो कवचक नाम चमकल—अक्षर, वज्रजाल, सूर्यकुण्ड, विखण्डन-भण्डार, गरल-कोष, कालकण, मेघ-छत्र।

सम्यक् एहि वाक्यकेँ सुनिते खोलि देखौलनि।

मैथिली कहलक, ‘जतेक अहाँ आ अहाँक दादी कहबाक अनुमति देलहुँ, ततेक।

मूल पाठसँ

ओ रेखा कागजमे अपूर्ण नहि, अपूर्ण छल; तकर आधा हिस्सा ‘आगामी नियम’ लिखल खाली स्थानमे समाप्त होइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सम्यक् कहला, ‘एहि अनुभवकेँ प्रत्यक्ष गवाही रूपेँ दर्ज कएल जाएत।

ओहि लेल सार्वजनिक प्रश्न आ जवाबदेही चाही।’

‘मुदा जकरा पानि चाही छल, ओकरा नहि भेटल, ई हम देखलहुँ।’

मैथिली पोटरीक भीतर पुरान खाली घड़ाक चित्र देखलीह; ओकरा लगल जे कागजमे पहिल बेर पानिक धरि पहुँचबाक बाट बनि रहल अछि।

ईशानी ओकर बात आगाँ बढ़ौलीह—वंशोपचारक प्रस्ताव जँ रोगीकेँ विकल्प बुझौने बिनु रखल जाए तँ रोगीक इच्छा कागजमे खोइ जाइत अछि।

मूल पाठसँ

ओकर कारणक जाँच
राजनक सार्वजनिक लेखा
आ स्वतन्त्र मापनसँ होएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईराक नगर एखन चित्र नहि, हुनका लेल मानवीय सम्बन्धक ठाम बनि गेल छल।

वृद्ध पुरुष फेर कहला, ‘एहि नियमकेँ बड्डु कठिन नहि बना दिअ, चिकित्सककेँ हाथ खोलल चाही।’

मैथिली देखलीह जे किछु सदस्य आकाशक बस्तीकेँ दूरक कल्पना नहि, जीवित नगर मानि सुनि रहल छलाह।

हमर माँग प्रत्येक विषयमे बराबर मत नहि, अपन जीवनक रक्षा-संबन्धी निर्णयमे वास्तविक भागीदारी अछि।’

‘एतय नागरिक जोखिमक लेखा, स्वतंत्र प्रमाणक उपलब्धता आ आदेशक बाद जाँचक बाध्यता प्रस्तावित अछि।

मूल पाठसँ

ईरा बिनु अधीर भेल उत्तर देलीह, ‘संख्याक आधार पर प्रतिनिधिक अनुपातक अलग नियम बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘आ वर्तमान हथियारक अधिकार एकहि भयभीत गुटक हाथ देनाइ सुरक्षा नहि।

किछु प्रतिनिधि चाहैत छलाह जे पुरान अस्त्र तखने नष्ट घोषित कएल जाए।

मैथिली देखलीह—शस्त्रक छाह सभागारक प्रत्येक मनपर अलग पड़ैत छल।

सम्यक् स्वतन्त्र रासायनिक जाँचक प्रतिवेदन आ नागरिकक संपर्क-साक्ष्य अलग कोष्ठकमे राखलनि।

‘जँ सात कवचक रक्षामे पृथ्वीक माटि आ बीजकेँ स्थान नहि, तखन मानवजातिक रक्षण आधा रहत।’

मूल पाठसँ

हुनकर वाणीमे रोषसँ अधिक स्मृतिक काँप छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तखन सभाक सोझाँ बचल एकमात्र कठोर उपाय छल—उत्तरदायी लोकक साझा श्रम।

अभियन्ता खुला रूपेँ कहला, ‘एहि साधनसँ आपदा-पश्चात निरीक्षण होएत; ई एक पलकमे टूटल ऊर्जा-जाल पुनः नव नहि बना सकैत।’

समुचित वैधानिक स्वीकृति नहि भेटल धरि लोकसाक्षीक नाम पर कियो शस्त्र, चिकित्सालय वा जलवायु-जालक संचालन हड़पि नहि सकैत।’

मूल सन्देश, कटल अंश आ प्रत्यक्ष गवाही तीनू चाही।’

शारदा अपन चिकित्सालयक वर्तमान पटल जाँचलीह, आ सम्यक् सभासँ तत्काल सूचना-सुधार जारी करौलनि।

मूल पाठसँ

जे संस्था आपात सत्यक नाम पर आरम्भहि मे सभ नियम तोड़ि दैत, से काल्हि के नियम मानत?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

की ओकर आवाज सुनबाक लेल दादीक रोग-सूची खोलब अनिवार्य अछि?’

प्रतिनिधित्वक पहिल फाटक ओकरे लेल बन्द अछि।’

कक्षमे पहिल बेर बड्डु लोकक नजर ओकर दिस घुरल।

दोसर सदस्य कहला जे बिनु कागजक गवाही सेहो प्रत्यक्ष प्रमाणक आरम्भ होएत।

मुदा ककरो अधिकारक पहिल शर्त एकदम असम्भव कागज बनाओल जाए, ई स्वीकृत नहि।

मूल पाठसँ

जकरा नुकसान भेल, ओकर अनुमतिसँ ओकरा प्रश्न एतय आनलहुँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आब ओकरा चाही छल जे सुनबाक नियम व्यक्तिक स्नेह पर निर्भर नहि हो।

सुनयना तखन प्रयोगशालामे व्यस्त छलीह; पातक उत्तर रातिमे देलनि।

सम्यक् पुछलनि, ‘अहाँ एहि परिवर्तन पर कियैक चिन्तित छी?’

तखन जनताकेँ अचूक रक्षकक आश्वासन देबाक अधिकारो नहि।’

एके यन्त्रक बयानकेँ एकल प्रमाण नहि मानल जाए।

मूल पाठसँ

मैथिली अपन मनमे दोसर प्रश्न जोड़लीह—‘आ नागरिकक बिनु अधिकार जीबाक जोखिम?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘हम मात्र प्रस्तावक सार्वजनिक पाठ आ आपत्तिक पञ्जी आरम्भ कएने छी।

मैथिली सोचलीह—जकरा जीवन बचाबय लेल सभ संस्था बनैत अछि, ओकर भुखारल पेटक समक्ष संस्था अनिवार्य सरल होएबाक चाही।

कुमुद फेर पुछलक, ‘आ जँ पथ बन्द कऽ देत?’

अगिला संस्थागत स्वीकृति अनिवार्य अछि।’

सभामे कतेको लोक आक्रोशसँ उठलाह, कारण हुनका तत्काल अनाज, औषधि, पानि आ कक्षीय सुरक्षा चाही छल।

मूल पाठसँ

दिनक अन्तिम सत्रमे सम्यक् प्रस्तावक सार फेर पढ़लनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्मचारी नब नियुक्त होथि वा पुरान हटथि, मार्ग कायम रहबाक चाही।’

गाम, चिकित्सालय आ नभग्रामक प्रत्येक खुलल पञ्जीसँ प्रश्न पहुँचेबाक नियत मार्ग प्रस्तावित अछि।

‘ई हमर चित्र अछि, देखाउ,’ मैथिली कहलीह, ‘मुदा एकर साथ लिखू—रक्षाक बीच मानवक आवाज।’

मसौदाक एक कोनमे मैथिली एकटा छोट रिक्त स्थान देखलीह—जँ लोकसाक्षीक अपन सदस्य चूक करथि, तखन हुनकर विरुद्ध शिकायत कतय?

‘कारण लिखबासँ मात्र न्याय नहि भेटत,’ सम्यक् कहला, ‘मुदा बिनु कारणक अस्वीकृति विरुद्ध अपीलो कठिन।’

मूल पाठसँ

सूर्यकुण्डक दूरक प्रकाश सभागारक बाहरी पटलपर पड़ि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रुद्रनाथक भयक भीतर सत्यक एक अंश छल—संकट वास्तविक, समय सीमित।

तखन भविष्यक कियो शोधी ई नहि मानत जे चुप्पी सहमति छल।

हुनकर स्वर दृढ़, आँखि कठोर छल, मुदा ओ अपन भयकेँ निराधार नहि कहैत छलाह।

मुदा मनुष्यक मुँह जतेक छोट हो, ओकर प्रश्न ओतबे दूर धरि जा सकैत अछि।

मैथिली कागज पर लिखलीह: ‘जँ आवाज सुनब कमजोरी, तखन निर्बाक रक्षणक सामर्थ्य ककरा लेल?’

मूल पाठसँ

मैथिली कुमुदक हाथ छोड़ने बिनु पर्दा दिस देखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ई प्रश्न सुनिते कुमुद अपन आसनपर हलुक भऽ बैसलीह।

तारा कहलीह, ‘अनेक स्वतंत्र स्रोतक समय-आधारित प्रति सुरक्षित राखल जाए।

सम्यक् कहला, ‘व्यक्तिक सद्भावपर व्यवस्था निर्भर नहि रहत।

तारा मूल सन्देशक प्रमाण-मुद्रा देखलीह; स्रोत वैध छल, विचारक औचित्य एखन विवादक विषय।

मूल पाठसँ

मैथिली देखलीह जे सातो कवचक चित्र आब वृत्त मात्र नहि, लोककेँ प्रश्न करबाक सात बाट बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक दिनक सभासँ सभ समस्याक समाधान नहि निकलैत, मुदा अलग बाट पर चलनिहार लोक एक-दोसराक प्रश्न सुनि सकैत छथि।

लोकसाक्षीक नामक पाछाँ ‘साक्षी’ शब्द सुनिते मैथिली जीवेशक पुरान पञ्जीकेँ मोन कएलक।

उत्तर गलत होए तँ ओकरा फेर प्रश्न करबाक बाट चाही; कारण आजुक निर्णय काल्हिक पीढ़ीक भाग्य बदलि सकैत अछि।

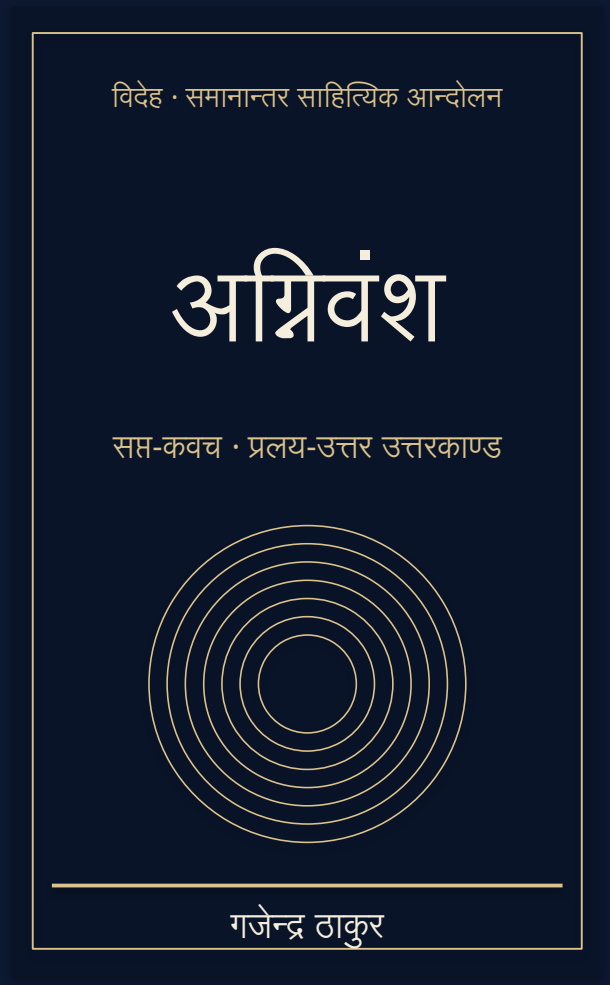
अगिला अध्याय : २८ · शून्य-शेषक वर्षा

मूल पाठसँ

ओकरा लेल ई कोनो पैघ विधान नहि, सुनल जेबाक दोसर अवसर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २८ : शून्य-शेषक वर्षा

खण्ड ५ · संलयन

दिन ३८ । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नगरक पुरान कक्षानिरीक्षक हेमन्त अपन कोट हाथपर लटकौने भीतर अएलाह।

नागरिक जोखिमक स्वतन्त्र मापन आ पूर्ण आधार माँगल जाइत अछि।

कक्षीय गणना चाहे जे हो, तकर परोक्ष मूल्य खेतक जड़मेसँ वसूल नहि कएल जेबाक चाही।

पहिल नागरिक बैठकमे अधिकारीसभ अलग-अलग चित्र लऽ बैसलाह।

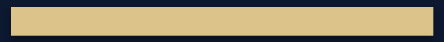
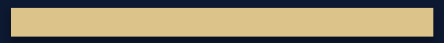
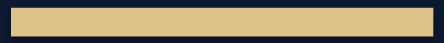
मूल पाठसँ

किसान लीलाधर अपन हथेलीपर सुखाइत माटिक बारीक परत लऽ सभाक दुआरपर ठाढ़ भेला।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ईरा कृषि-वलयक अलग प्रतिनिधि आपात दलमे जोड़लीह।
३–४		किन्तु ओ दिन सार्वजनिक संवादक सही अर्थ सांत्वनाक शब्द नहि, भरोसा देबाक योग्य पद्धति छल।
५–६		ओ खुलल संख्याक संग वितरणक सीमा प्रकाशित कएलनि, किन्तु भण्डारक संवेदनशील प्रवेश-पथ नहि।
७–८		सम्पूर्ण नभग्रामक अधिकार एक सैनिकक व्यक्तित्वसँ पैघ छल।
९–१०		ओ कहला, ‘बहुत दिन सँ हमरा कहैत आएल जे यन्त्र प्राप्ति-चिह्न अपने सुरक्षित करैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नगरक पुरान कक्षानिरीक्षक हेमन्त अपन कोट हाथपर लटकौने भीतर अएलाह।

निरीक्षक कहलक, ‘दूनू सम्भावना खुलल अछि।’

हम सभ जँ केवल बाहरी वस्तुक चर्चा करब, नगरक भीतरक अव्यवस्था अपने नव दुर्घटना बनि जाएत।’

शत्रुताक अनुमान सँ अवशेषक प्रकृति सिद्ध नहि होइत।’

ईरा प्रश्न कएलनि, ‘समग्र ऊर्जा नहि, किछु अवकाशकालीन प्रकाशक प्रस्ताव अछि।

मूल पाठसँ

परिषद् जुटबाक पहिने दूरसञ्चार-पटलसँ पृथ्वीक एक सावधानी-सन्देश अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कोनो बालक नाम लिखने छल ‘लोहा’, कोनो ‘अन्हार’, कोनो ‘हमर पत्र’।

ईरा सभामे बच्चाक प्रश्न सुनबाक लेल गेलीह।

शिक्षिका स्थानीय कक्षसँ कक्षक सन्देश-व्यवस्था बतौलनि।

ईरा कागजपर लिखलीह—कक्षीय जोखिमक सावधानी; भीतरक जीवनरक्षक प्रक्रियाक निरन्तरता; नागरिकक अपन विकल्प।

एक कर्मचारीक आपत्ति छल जे नागरिक बेसी शब्द नहि पढ़त।

मूल पाठसँ

युवा अभियन्ता कहलक, ‘तुरन्त समग्र नगरकेँ एक वलयमे समेटि देबाक चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वैज्ञानिक मर्यादा नागरिकक अपन मर्यादा गँवाएब नहि, ओकर बचाबक उपाय छल।

ईरा एहि चुप्पीकेँ कक्षीय संकट सँ जोड़ि निश्चित अर्थ नहि निकाललीह।

ओहि सीमित उत्तरकेँ परिषद्क पत्रमे पूरा स्थान देल गेल।

ईरा पुछलीह, ‘गमला उठायलासँ मार्ग तंग होयत कि नहि?’

एक युवक प्रश्न कएलक, ‘तखन हम की विश्वास करी?’

मूल पाठसँ

किछु लोक सुरक्षित गलियारा दिस बढ़ल, मुदा एक परिवारक वृद्धा अपन तुलसीक गमला छोड़बाक लेल तैयार नहि छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन उनतालीसक पहिल पहरमे बाहरी निगरानीक एक स्रोत पर अवरोध देखायल।

ईरा आदेश देलीह जे सामान्य अवस्था पुनः घोषित नहि हो; जहिया धरि स्वतन्त्र मिलान नहि हो, नागरिकक आवागमन सीमित सावधानी सँ हो।

आब लोक दहशतमे द्विगुण जमा भऽ रहल अछि।’

ईरा मालतीकेँ मापन-दल संग जोड़लीह, मुदा हुनका अकेले तकनीकी फैसला लेबाक भार नहि देलीह।

नभग्रामक ताजा मापनक सार्वजनिक सार, पाछिला अनुमानसँ अन्तर आ अगिला अद्यतनक समय लिखल गेल।

मूल पाठसँ

ईरा पुछलीह, ‘अहाँक तकनीकी सूचीमे सभ श्रमिकक प्रत्यक्ष कामक इतिहास लिखल अछि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक सहायक कहलक, ‘कागज त सभ लिखि दैत अछि, संकट कागज नहि पढ़ैत।’

नहि तँ एक सुरक्षित दुआर खोलबाक चेष्टामे दस अनदेखल दुआर बन्द भऽ सकैत अछि।

ईरा हुनकर लग पहुँचि पूछलीह, ‘अहाँकेँ की चाही जे अपना सँ निर्णय लऽ सकी?’

एखन हम अनुमानक भीतर छी, तत्काल टक्करक भीतर नहि।’

हुनका स्मरण छल—कर्णेश अपन असहमतिपर हस्ताक्षर कएने छलाह, जाहिसँ आदेशक जाँच सम्भव भेल।

मूल पाठसँ

एक प्रशिक्षणार्थी तर्क देलक जे आपात स्थितिमे अनुमति लेबाक समय नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर आयल—सुरक्षा कारण किछु विवरण सार्वजनिक नहि कएल जा सकैत अछि।

ओ खुलल संख्याक संग वितरणक सीमा प्रकाशित कएलनि, किन्तु भण्डारक संवेदनशील प्रवेश-पथ नहि।

उत्तर अएल, ‘एहन समयमे सावधानी बेसी उचित।’

ईरा सोचलीह, जीवनरक्षा प्रथम अछि, मुदा संस्कृतिक अभिलेखकेँ ‘गैर-आवश्यक’ कहि एक क्षणमे नष्ट होएबाक दुआर खोलब उचित नहि।

‘सैनिकक ठिकाना प्रकाशित नहि करू,’ ओ कहलनि, ‘मुदा हमर आवासक जोखिम बढ़ल कि घटल तकर वैधानिक जाँचबला जानकारी चाही।’

मूल पाठसँ

संकटमे अधिकारक छोट अवकाश सेहो महत्त्वपूर्ण छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा स्वतन्त्र चिकित्सक आ नागरिक प्रतिवेदन जोड़बाक आग्रह कएलनि।

वाक्य सहज छल, मुदा ओहि पथसँ नभग्रामक रोगीक औषधि भेटबाक सम्भावना छल।

अक्षरक उत्तरक बाद ईराकेँ एक निजी नैतिक संकट भेल।

एक किशोर चिल्लेल, ‘ओ देखू, शून्य-शेष खसैत अछि!’

शिक्षिकासभ चुपचाप हुनका सभकेँ भीतर लऽ गेलीह।

मूल पाठसँ

‘हम सभकेँ एके निर्णयक कथा सँ डराएल गेल अछि,’ ओ सोचलीह, ‘जखन बहुतो अलग हाथ मिलि बचबाक उपाय खोजि सकैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सम्यक् केर सहायिका जनौलनि कि सुरक्षित चर्चा-मार्ग पर भीड़ अछि।

ओकरा भीतर कर्णेशक निलम्बनक प्रश्न सेहो छल, मुदा ईरा ओकरा एकमात्र कारण नहि बनौलीह।

‘दूनू समय प्रबन्धक कठिनाइ भेल,’ हेमन्त कहला, ‘पहिने अतिशय भय, फेर अतिशय अविश्वास।’

ओ सीमित सूक्ष्म-शिल्पी दलकेँ सुरक्षित उपलब्ध स्थान धरि पठेबाक स्वीकृति देलीह, जीवनरक्षक कर्मीकेँ अनावश्यक जोखिममे नहि धकेललनि।

बेटा पूछलक, ‘तखन पृथ्वी कियैक हमरा सभकेँ अपन निर्णयक हिस्सा नहि मानैत?’

मूल पाठसँ

नगरक दक्षिण भागमे एक निरीक्षण यन्त्र अपन नियत सन्देश नहि पठा सकल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि क्षण नभग्रामक पृथ्वी-पत्रागारमे काम करनिहार एक वृद्ध लिपिक अएलाह।

ईरा मुस्कुराइलीह, तखन मनमे प्रश्न उठल जे कतेक परिजनकेँ एहन साधारण सन्देशो नहि भेटल।

एहि पत्रक प्रतिलिपि लोकसाक्षीक प्रस्तावित पञ्जीक लेल सुरक्षित कएल गेल।

खबरिमे एहनो जोड़ल गेल जे अवरोधक कारण सत्यापित नहि।

मुदा जखन चिह्न नहि भेटत, तखन कथन कोना बचत?’

मूल पाठसँ

‘ओ स्वतन्त्र मार्गसँ चलैत अछि,’ उत्तर अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एतेक बीच विद्यालयक एक बालक आपात कार्यालय बाहर अपन चित्र राखि गेल।

एकहि पटल पर भरोसा करब सहज अछि, मुदा संकटमे ओहि पटलक आँखि बन्द भऽ सकैत।’

चित्रमे पृथ्वीक नील वृत्तसँ नभग्राम धरि पातल डोर खिंचल छल, बीचमे अनगिनत छोट चमक।

ईरा हुनका लिखित स्वीकार-पावती देबाक व्यवस्था जोड़लीह, जाहिसँ ककरो आवाज केवल सभाक शोरमे नहि हेराय।

‘एक सन्देशक पृथ्वीधरि पहुँचब एखन अप्रमाणित अछि,’ ओ धीरे कहलीह, ‘सम्पूर्ण सम्पर्क टूटल कि नहि, से दोसर मार्ग जाँचि बुझब।’

मूल पाठसँ

बाहरी डोरक वास्तविक स्थिति मापनक विषय छल, मुदा चित्रक वाक्य स्थानीय सहायताक सम्झौता बनि सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

शिक्षक सशंक भऽ ईराकेँ पुछलनि, ‘ई सभ वस्तु कहाँ राखब?

पृथ्वीपर सम्यक् देव सँ संवादक प्रयास भेल।

सन्देश छोट, दिन पुरान; सम्भवतः बगैचाक बीच लिखल।

जकर प्रेषण एखन अनिर्णीत, ओकरा हेराएल घोषित करबो जल्दबाजी छल; जकर पावती भेटल, ओकरा फेर जाँचब अनावश्यक नहि।

मूल पाठसँ

ईरा ओकरा लापरवाहीसँ ‘साधारण’ कहल स्वीकार नहि कएलनि, मुदा ‘छेद निश्चित’ सेहो नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ईरा मुस्कुरा नहि सकलीह, मुदा राहत अनुभव कएलनि।

एक युवा परिचालिका पुछलीह, ‘की हम सभ फेर पुरान कागजक युगमे घुरि रहल छी?’

ओकर भीतर अनुमानक सीमा, स्थानीय निरीक्षण, औषधि-वितरण पर असर, आ तत्काल प्रहारक जोखिमक प्रश्न साफ-साफ लिखल छल।

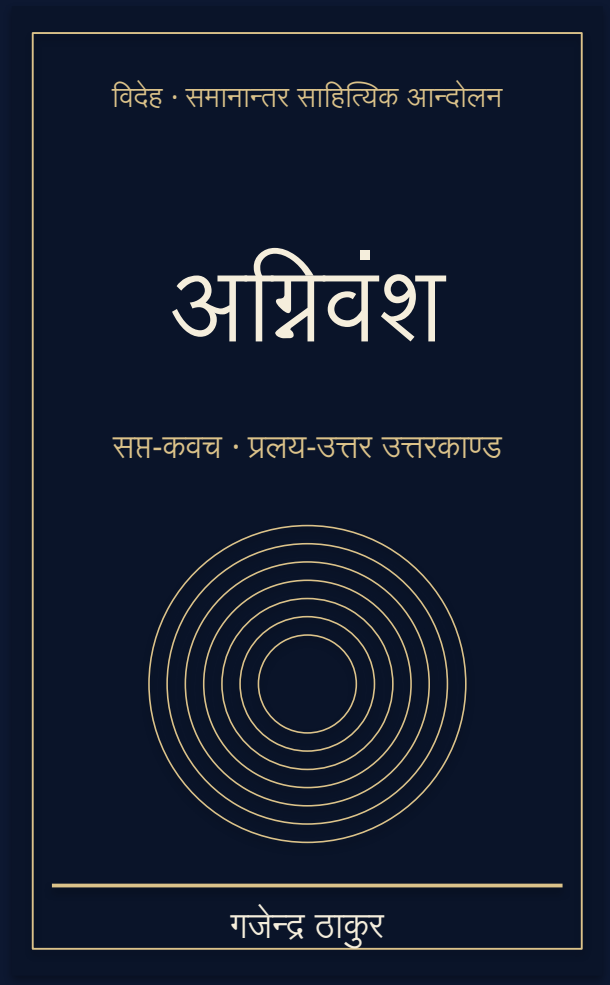
अगिला अध्याय : २९ · बचबाक मूल्य

मूल पाठसँ

हम नव साधनक संग अलग गवाहीक बाट जोड़ि रहल छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय २९ : बचबाक मूल्य

खण्ड ५ · संलयन

दिन ४० । जनकक्षेत्रक चिकित्सालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

शारदा पानि भरबाक परत देखिकऽ कहलनि, ‘आरक्षित जलक कारण लिखू; जकरा एखन चाही ओकरा अन्यायसँ प्रतीक्षा नहि कराउ।’

हुनकर आँखि पर रातिभर जागरणक लाल रेखा छल।

शारदा एहि त्रुटिक लेल एक व्यक्तिक बलि नहि माँगलीह।

‘बालिका राजनीतिक गवाही देबाक योग्य नहि,’ ओ कहलक।

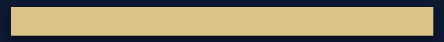
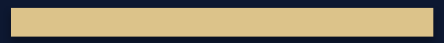
मूल पाठसँ

मुदा रोगीक बिस्तरक लग बिनु पानि बाट जोहैत स्त्रीक उपस्थिति ओहि जाँचकेँ तुरन्त आवश्यक बनौने छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		अरुणिमा कहलीह, ‘धरातल पर मार्ग समान नहि।
३–४		ज्वर घटि रहल छल, मुदा ओकर श्वास आ थकान देखबाक आवश्यकता अबहिनो छल।
५–६		कुमुद पुछलीह, ‘गवाही देबामे डर नहि होयत?’
७–८		मुदा गुप्त पद-आधारित प्राथमिकता सेहो अनुचित।
९–१०		शारदा पुछलीह, ‘रोगीक गोपनीयता कहाँ रहत?’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उपकरणक पटल एतेक मात्र जनैत छल जे प्रक्रिया ‘पूर्ण’ दर्ज अछि।

ओ कहलक, ‘हमरा जे अनुमति भेटल, ओहिसँ एहि कक्ष धरि पानि नहि पहुँचि सकैत।’

‘गायब नगरक कथा नहि बनाउ,’ ओ कहलीह, ‘जकर सत्यापन होएत तखने परिवारकेँ कहब।’

शारदा पुछलीह, ‘के वितरण स्वीकार कएलक?’

सेविका कहलीह, ‘कियो नहि; सभकेँ लगैत छल कियो आन कहि देत।’

मूल पाठसँ

शारदा उपचारक स्वतन्त्र सहायता-कक्षक नाम देलीह, जतय बिनु शुल्कक सन्देश-सहायता छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

छात्रावस्थामे ओ एक कठिन निदानक पाछाँ अनेक राति बितौने छलीह।

जे घर ऊपर अछि ओकरा पात्र उठाकऽ चढ़बाक श्रम, जे शिविर दूर अछि ओकरा वितरणक देरी।’

शारदा कहलीह, ‘अहाँ जे देखलहुँ से लिखबाक अधिकार अछि।

दोष लगबय सँ पहिने श्रमिकक उपलब्ध निर्णयाधिकार बुझबाक चाही।

ओहि घड़ी एक चिकित्सा-कर्मी कहलक, ‘लोकक राजनीति हमरा सभक काम बिगाड़ि देलक।’

मूल पाठसँ

राजन पुछलनि, ‘एहि दिनक आदेशक लिखित प्रति अछि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ चाहैत छलीह जे चिकित्सालयक नव नियममे ओहि उपचारक क्रम टूटय नहि।

शारदा समीक्षा करौलीह; दवाईक किछु स्थानापन्न विकल्प सम्भव, किछु नहि।

अलग व्यवस्थाकेँ अलग उत्तरदायित्व देल जाए।’

दुनू थाकल छलाह, तइयो एक-दोसरसँ प्रश्न पूछैत छलाह।

तखन एक वृद्ध सेविका पुछलीह, ‘हमरा सभक नाम लिखलासँ जल बढ़ि जाएत?’

मूल पाठसँ

जेकर आवश्यकता आ बँटवाराक परिस्थिति अलग, ओकर अधिकारसहित जाँच आवश्यक।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ज्वर घटि रहल छल, मुदा ओकर श्वास आ थकान देखबाक आवश्यकता अबहिनो छल।

शारदा सामान्य आहारक वैद्यकीय सीमा देखलीह, फेर पुछलीह कि बच्चाक आजुक स्वच्छ पानि आ भोजनक भाग भेटल कि नहि।

जँ लोक सीमित साधनक आशामे अपन आनुवंशिक विवरण दऽ देत, तखन ओकर उपयोग, रखरखाव आ मिटेबाक अधिकारक प्रश्न उठत।

शारदाकेँ ई छोट उत्तर मनुष्यक स्वातन्त्र्यक स्पष्ट आवाज लगल।

जहाँ हस्ताक्षर आ धनक सम्बन्ध चाही, ओहि ठाम जाँच जारी रखब।’

मूल पाठसँ

अधिकारीक माँग छल जे बच्चीक सभ उपचार-अभिलेख खुलल सार्वजनिक आपात पटल पर चढ़ा देल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

औषधिसभक वास्तविक उपलब्धताक दुरुस्ती नियमित होएत, एहन नियम बनल।

ओहि घड़ी शारदा एक सहायिकाक काँपैत हाथ देखलीह।

एकक शारीरिक शिकायत सम्भावित रासायनिक सम्पर्कक वातावरणसँ मेल खाइत छल, दोसरक ज्वरक विवरण संभावित संक्रमणक अलग जाँच माँगैत छल।

कुमुद राहत-बजारक एक छोट पर्ची लऽ आयलि।

ओ महिला स्वास्थ्यकर्मीक नेतृत्वमे सहमतिक आधारपर शिकायत-पञ्जी बनौलीह, जतय निजी परिचय प्रकाशित नहि होइत छल।

मूल पाठसँ

‘जँ हम सभ पहिलहि रिपोर्टमे एक रोग मानि लेब, तखन दोसर कारणक खोज बन्द भऽ जाएत,’ ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रोगी कहलक, ‘जे नब संकट नहि झेलैत, ओकर पुरान दुःख कोनो दुःख नहि?’

‘अहाँक उपचारक आवश्यकता समाप्त नहि भेल,’ ओ कहलीह, ‘मुदा उपलब्ध साधनक कारण समय बदलल अछि।

दुइ क्षेत्रक औसत आपूर्ति समान होएब पर्याप्त नहि—कखन, कतय आ ककरा लग वास्तविक लाभ पहुँचल से महत्त्वपूर्ण।

पहिले ओ सभ विद्यार्थी-जीवनमे विज्ञानक खोजपर रातिभर बहस करैत छलीह; आब एकक गणनाक सीमा दोसरक रोगीक साँसपर असर करैत छल।

शारदा उत्तर देलीह, ‘दुरुपयोगक जाँचक उपाय राखू, मुदा दरबज्जा पर पीड़ितकेँ लौटेबाक मूल नीति नहि।’

मूल पाठसँ

सीमित उत्पादन बढेबाक विकल्पक परीक्षण चलैत छल; तथापि सुरक्षित सीमा तोड़ि तुरन्त अधिक ऊर्जा देबाक आग्रह स्वीकार्य नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ तकनीकी दल कैं तत्काल बोलौलीह आ अपन निर्णयक कारण लिखत गेलीह।

अधिकारी कहलक जे संवेदनशील रोगी-पञ्जीक कारण प्रक्रिया देरि लेत।

एक कहैत छल—पहिल पानि बचाकैं; दोसर कहैत छल—पहिल पानि औषधि-संग बूढ़ व्यक्तिकैं।

शारदा बुझैत छलीह—अभावक कारण उत्पन्न परस्पर रोष पर नैतिक उपदेश बौछार करब सहज, जलक नल ठीक करब कठिन।

‘हमरा लग जकर प्रमाण अछि, से प्राथमिकताक अवैध हेरफेर आ संस्थागत हस्ताक्षरक क्रम।

मूल पाठसँ

किछु भाग तत्काल बचाक लेल, किछु रोगीक आवश्यक सेवन लेल; बाकी पहुँचैबक व्यवस्था अलग बनल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ नब प्रमाण भेटल वा कोनो मानवीय भूल देखल गेल, बदलबाक मार्ग रहय।’

समिति सार्वजनिक चिकित्सकीय कारणक श्रेणी, स्वतन्त्र अपील आ प्रत्येक कठिन निर्णयक संक्षिप्त लेखा प्रस्तावित कएलक।

माधव कहलक, ‘हम स्वप्नमे देखलहुँ जे कूपमे आकाश उतरि गेल छल।’

सुरक्षित क्षमता, वैकल्पिक भण्डार, तत्काल रोगी-जोखिम आ दीर्घकालीन अन्नक आवश्यकता सभ अलग विचारल गेल।

तखने एक चिकित्सकीय प्रशासक फुसफुसाकऽ कहलक—‘लोक समाजक हितमे अपन विवरण देबाक चाही।’

मूल पाठसँ

साँझक गोष्ठीमे अरुणिमा बतौलीह कि जीवबीजकोषक एक संरक्षण-कक्षकेँ सीमित ऊर्जा देबाक परामर्श आयल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा एक बात दोहरौलीह—‘रोगीक उपचार कखनो प्रचारक प्रदर्शन नहि।’

भाषामे सेहो ओ सावधान रहलीह: ‘छाह-ज्वर’ नाम लोकक प्रचलित भयक प्रतीक बनि चुकल, मुदा एके नामसँ सभ लक्षणक निदान नहि भऽ सकैत।

भुगतानक हेतु, हस्ताक्षरक वैधानिकता आ निजी लाभक सीमा अलग जाँच माँगैत छल।

बिना नामको गवाही सुरक्षित रहि सकैत अछि।’

जे खुलब आवश्यक, ओ खुलत; जे निजता तोड़त, ओ नहि।’

मूल पाठसँ

शारदा एहि शब्दसभकेँ एक-दोसराक प्रतिद्वन्द्वी नहि बनौलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

राति उतरैत उपचारकक्षमे एक वृद्धा कागजक छोट पात शारदाकेँ देलीह।

शारदा जानैत छलीह जे चिकित्सालय सम्पूर्ण नगरक खोज-दल नहि, मुदा परिवार-सहायताक पृथक जाल सक्रिय छल।

एहन छोटी पुष्टि संकटमे जीवनदायी भऽ सकैत छल।

एहि अंकसभकेँ कोनो दण्डक घोषणा नहि, जाँचक सार्वजनिक अधिकारक सामग्री बनाओल गेल।

ओ जानैत छलीह जे भावनासँ संसाधनक अभाव जादू जकाँ दूर नहि होइत।

मूल पाठसँ

एक नाम रुद्रनाथक राजनीतिक दलक वित्तीय सलाहकारक नजदीकी संस्थासँ जुरैत छल; दोसर कड़ी स्वतन्त्र परीक्षकक माँग करैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

अरुणिमा कहलीह, ‘अन्नभण्डार खोलबाक पहिले वितरण सिद्ध मानल गेल, तें अभिलेख भरि गेल, पेट खाली रहि गेल।’

राजनक अगिला पञ्जीमे एक विचित्र क्रम अएल।

जे अध्ययन अधिकार सँ आरम्भ नहि करैत, ओकर प्रमाणो भयक मूल पर ठाढ़ रहत।’

‘हम एखन नहि कहि सकैत छी जे कखन खबर भेटत,’ ओ कहलनि।

मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह, ‘सुधारक समर्थ व्यवस्था डोलब नहि; जड़ भऽ गलती दोहराबब डोलनासँ बेसी भयानक।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

राजनक दल सँ समाचार अएल जे वितरण-लेखा सँ जुड़ल एक आर्थिक न्यासक नाम दिस अनेक भुगतानक सार संकेत करैत अछि।

राजन कहला, ‘वितरणक सार्वजनिक संख्या अलग; निजी रोगीक ब्योरा अलग सुरक्षित।

शारदा रिपोर्टक पाछाँ चिकित्सालयक चोटक लेखा जोड़लीह—कतेक सेवा टलल, कतेक परिवारकेँ अतिरिक्त खर्च, कतेक रोगी एखन प्रतीक्षा।

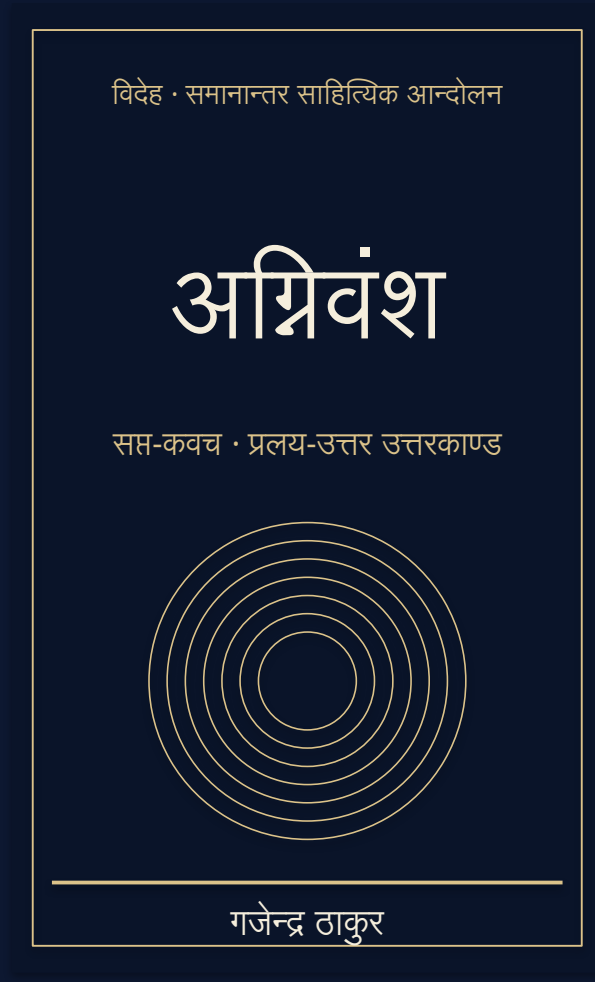
अगिला अध्याय : ३० · भण्डारक छाह

मूल पाठसँ

राजन उत्तर देलनि, ‘हँ, मुदा दबावक भय सँ लेखा लुकाएब दुरुपयोगक बाट खुला राखत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३० : भण्डारक छाह

खण्ड ५ · संलयन

दिन ४२

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मेजपर नभग्राम-४क खबरि राखल छल: पृथ्वीधरि पठाओल एक नागरिक प्रतिवेदनक प्राप्ति-पावती न भेटल।

सेना शिक्षणमे ओ सिखने छलाह जे संकटमे आदेश-शृङ्खला साफ होएबाक चाही; मुदा साफ शृङ्खलाक अर्थ एक अनियन्त्रित हाथ नहि।

कर्णेश शान्त स्वरमे पुछलनि, ‘कक्षीय मापनक कोन भागमे हमर असहमति सँ वस्तुक मार्ग बदलल, से प्रमाण देखाउ।’

असाधारण निर्णय लेल पूर्वनिर्धारित विधिसम्मत मानक, जवाबदेही आ अधिकारक सीमा चाही।

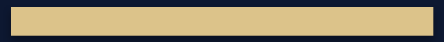
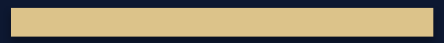
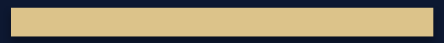
मूल पाठसँ

लोकसाक्षीक प्रस्ताव काल्हि धरि सार्वजनिक मसौदा छल, एखनो पूर्ण कानूनी अधिकार प्राप्त नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओ अपन पछिला लिखित प्रतिवेदनक प्रतिलिपि रखलनि—अस्पष्ट उपग्रह-सङ्केतपर स्वतन्त्र सत्यापनक माँग।
३–४		जे सम्बन्ध सिद्ध नहि, ओकर आरोप हमरा पर हो अथवा दोसर पर—हम स्वीकार नहि करब।’
५–६		अध्यक्ष पत्रकेँ मूल प्रति उपलब्ध होए धरि सीमित अस्थायी साक्ष्य मानलनि।
७–८		कर्णेश पत्र पढ़ि अपन प्रतिनिधिसँ कहला, ‘आब प्रश्न मात्र अधिकारक सङ्ख्या नहि।
९–१०		ईरा केर पहिल माँग नागरिकक आवाज छल, हथियारक निजी स्वामित्व नहि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पन्नाक किनार पर लाल चिह्न नहि देलनि; केवल प्रश्न लिखलनि—‘अवधि?

तलघरक विशाल पटल पर जे वज्रजालक उपग्रहसभ घूमैत छल, ओकरा आब ओ केवल अनुमति भेटल सार्वजनिक सारमे देखि सकैत छलाह।

ओतहि एक पुरान सहकर्मी अएलाह, जकरा संग कर्णेश अनेक बरख काम कएने छलाह।

ई प्रस्ताव जे अधिकारकेँ अस्थायी कहल चाहैत छल, ओकर अन्तक घड़ी कियो नहि लिखने छल।

सम्यक् कहलनि, ‘हम तत्काल एक संवैधानिक आपत्ति दायर करि सकैत छी, मुदा प्रस्तावक रोक हमरा एकल अधिकारमे नहि।’

मूल पाठसँ

तीनू संकट वास्तविक छल; मुदा वास्तविक संकटसँ असमीक्षित अस्त्राधिकारक अनिवार्यता सिद्ध नहि होइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक सम्भावनाकेँ गनि दोसरकेँ शून्य मानब वस्तुनिष्ठ मूल्याङ्कन नहि।’

ओ अपन पछिला लिखित प्रतिवेदनक प्रतिलिपि रखलनि—अस्पष्ट उपग्रह-सङ्केतपर स्वतन्त्र सत्यापनक माँग।

विधिवेत्ता फेर कहला, ‘अहाँक निर्णयक मोल नागरिक चुकबेताह तँ?’

साबित वितरण-अनियमितता आ आरोपित निजी आदेशक बीच सीमा बनाय राखल गेल।

कर्णेश हुनकर कथनक एक अंश मानैत छलाह—कालक्रमक स्पष्टता, संकटमे उत्तरदायित्वक आवश्यकता।

मूल पाठसँ

ओ एक छोट समाचारकेँ रोकि देने छलीह, जाहिमे लिखा छल जे रुद्रनाथ पहिने सँ सम्पूर्ण विखण्डन-भण्डारक मालिक बनि गेलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि वाक्य पर किछु लोक तालि बजौलक, मुदा कर्णेश अपन आसन पर बैसि गेलाह।

मुदा एहि वास्तविक भय सँ जे प्रस्ताव बनैत अछि, तकर स्वीकृत प्रमाण, वैधानिक अधिकार, समय-सीमा आ उत्तरदायित्व कहाँ?’

कर्णेश कहला, ‘हमर संचालन-अधिकार निलम्बित अछि; तकर निर्णयक विधिसम्मत जाँच होयबाक चाही।

सुनयनाक आपात सन्देश कर्णेशक निजी कानूनी प्रतिनिधि धरि पहुँचल।

वैज्ञानिकक कमजोर स्थितिकेँ हथियार बनाबब ओ नहि चाहैत छलाह।

मूल पाठसँ

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘शक्ति न रहितहुँ प्रश्नक अधिकार रहय, तखने नागरिकता जीवित रहैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जँ नव समिति समेकित अधिकार देत तँ हमरा सभकेँ आदेश मानबाक पड़त?’

कर्णेश जानैत छलाह जे प्रभावक जाल धनी लोकक द्वारा बनल भए तऽ नियम लिखबाक घड़ीमे सेहो परोक्ष दबाव दैत अछि।

सभाक दीर्घ मौन बीच ओ जोड़लनि, ‘हम नागरिककेँ निश्चित समाचार देबाक मूल्य बुझैत छी।

‘अनुचित आदेशक जाँचक बाट राखब, नागरिक सुरक्षा नबाधब।’

ई समय-सीमा नहि, समयक नामपर आत्म-अनुमोदन अछि।’

मूल पाठसँ

बाहरक गलियारामे कर्णेशक एक कनिष्ठ सहकर्मी भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘रक्षकसभ हमरा एहि विषसँ बचाबय छलाह, मुदा हम सभ परामर्शमे नहि छलहुँ।

मुदा ओ पूछलनि—‘एहि सार्वजनिक तकनीकी दावाक स्वतन्त्र जाँच करबाक असम्भव की?

आब विखण्डन-भण्डारक प्रश्नमे हमर नाम फेर नहि।’

अध्यक्ष लिखलनि—‘वैकल्पिक अस्थायी संवैधानिक समीक्षा’।

ओ सार्वजनिक सुनवाईमे कहला, ‘एहि लोकक प्रश्न निर्णायक अछि।

मूल पाठसँ

अध्यक्ष प्रश्न कएलनि जे कर्णेशक प्रतिवाद केवल स्थगन अछि कि कोनो कार्यसाध्य विकल्पो अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुपहरक अन्तमे रुद्रनाथ अपन दलसँ बाहर जा क्षण भरि एकान्त माँगलनि।

तें ओ अपन दैनन्दिनीमे लिखलनि—‘प्रस्तावक परिणाम आ सार्वजनिक कृत्य प्रमाणित करब, अन्तःकरणक अज्ञात मंशा नहि।’

सम्यक् देव मसौदाक एहि अस्पष्टताकेँ लिखित कएलनि।

अहाँक बेटाक जीवन सेहो एही निर्णय पर निर्भर अछि।

मूल पञ्जीमे वाक्यक समय, प्रशिक्षण-संशोधन आ हस्ताक्षर भेटल।

मूल पाठसँ

एक युवा सैनिकक पिता, जे सभामे उपस्थित छलाह, ठाढ़ भऽ कहलनि—‘हमर बेटा युद्धसँ निडर छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘एक सन्देश हेरा गेल,’ ओ कहला, ‘काल्हि पूरा नगरक समाचार हेराएत।

- कर्णेश ओहि सुधारक प्रति अपने कानूनी प्रतिनिधिक माध्यमसँ सार्वजनिक सुनवाईमे जोड़लनि।
- रुद्रनाथ कटाक्ष कएलनि—‘अहाँ सदा अनिश्चितता कहब।’
- तेसर, विखण्डन-भण्डारक आपात अभिरक्षा-समेकनक वैधानिकता आ समयसीमा पर निर्णय।
- मुदा प्रस्ताव जे दूनू पृथक निर्णय-पथकेँ एक समान संकटक नाम पर निकट लाबैत छल, ओकर परिणाम दूर धरि जा सकैत छल।

मूल पाठसँ

सुनवाईक अध्यक्ष तीन पृथक प्रस्ताव लिखौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभाक अल्प विश्राममे कर्णेश बाहरी बरामदामे एक सफाइकर्मीकेँ भेटलाह।

सफाइकर्मी निराश भेल, मुदा ओ धन्यवाद देलक।

आजु निलम्बित सैनिकक रूपमे पिता केर सीख हमरा फेर सुनाइ पड़ल, ओ सोचलनि।

कर्णेश पुछलनि, ‘जँ समय नहि देल गेल तँ?’

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘व्यक्तिगत सद्भावनासँ वैधानिक अधिकारक सौदा नहि होइत।

मूल पाठसँ

सम्यक् उत्तर देलनि, ‘मसौदाक कारण हम एखनहि नागरिकक प्रश्न सार्वजनिक रूपमे एकत्र कऽ सकैत छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहकर्मी उत्तर देलनि, ‘नहि, मुदा सभकेँ भय अछि जे नियम बदलि जायत।’

जे अधिकारी आजु सज्जन छथि, हुनकर पछाति कोन आबत, से अनिश्चित।

कर्णेश कहला, ‘नियम जँ बदलत तँ लिखित, वैधानिक आ जाँच योग्य रूपमे बदलय।

रुद्रनाथक वित्तीय परिधिमे कियो नियम तोड़ने हो सकैत अछि; मुदा ताहि कारण ओकर सभ परिचित अपराधी नहि।

कर्णेश एहि भेदकेँ महत्त्वपूर्ण मानलनि।

मूल पाठसँ

हमर प्रश्न अहाँक विरुद्ध नहि, ओहि आदेशक आधारक विषयमे अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर भाय कक्षीय मालवाहक दलमे काम करैत छल; जहाजक आवागमन स्थगित भेल।

प्रतिनिधि चेतौलनि जे एही कारण निलम्बन लम्बा सकैत अछि।

‘अहाँ सभ हमरा भाईक जीवनक नाम पर हस्ताक्षर करैत छी,’ ओ कहलीह, ‘मुदा ओकरा सँग बात के कएलक?’

अधिकार दूर भेलासँ उत्तरदायित्व अन्त नहि होइत।

ओहि सीमित स्थानसँ सेहो ओ स्पष्ट देखैत छलाह जे दुईटा अलग चाबीकेँ एकहि भयक ताला बनाबयबाक प्रयास चलि रहल अछि।

मूल पाठसँ

युवती जानि गेलीह जे ओकर पत्र आब निर्णयक दुआर धरि पहुँचत, यद्यपि उत्तर निश्चित नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

जँ ओ स्वयं आदेशक कारण नहि बुझत तँ ओकरो भविष्य दोसरक निजी इच्छा पर टिकल रहत।’

अध्यक्ष प्रश्नसभक पृथक सुनवाईक आदेश देलनि, मुदा अन्तिम अधिकारक संघर्ष एखन शेष छल।

एक वृद्ध वैज्ञानिक, जे विखण्डन-भण्डारक पुरान नागरिक निरीक्षणक इतिहास जनैत छलाह, प्रतिवेदन दऽ रहल छलाह।

ओकर भाय कक्षीय मालवाहक दलमे काम करैत छल; जहाजक आवागमन स्थगित भेल।

मूल पाठसँ

सफाइकर्मीक बात हुनका अपन बचपनक घर मोन पाड़ि देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ जानैत छलाह जे राजनीतिक प्रतिशोधक इच्छामे सत्यकेँ निजी जीवनक अपमानक सङ्ग मिला देल जाइत अछि।

कर्णेश अपन कानूनी प्रतिनिधिसँ कहला, ‘हम एहि पाठक समर्थनमे हस्ताक्षर नहि करब।

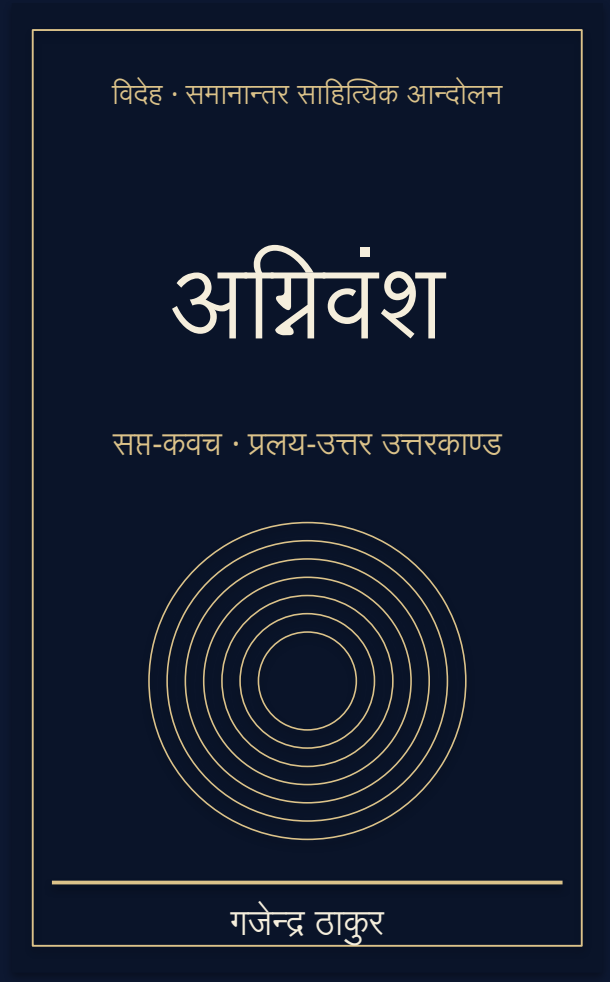
ओ मनमे संकल्प कएलनि जे जँ जाँचमे अपन त्रुटि भेटत तँ ओकरा खुलिकऽ मानताह।

अगिला अध्याय : ३१ · सातो द्वार

मूल पाठसँ

कर्णेश कहला, ‘तखन ओ जोखिम सेहो दर्ज हो।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३१ : सातो द्वार

खण्ड ६ · अग्निवंश

दिन ४३ । जनकक्षेत्र, सूर्यकुण्ड-केन्द्रसमूह

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

किछु पृष्ठपर सङ्ख्या अपूर्ण, किछुपर लाल चिह्न, आ किछुपर रोगीसभक सहमतिसँ प्रकाशित आपूर्ति-आवेदन छल।

सातो पटलकेँ संगहि देखलासँ कियो एकटा महाघटनाक खोजमे पड़ि सकैत छल।

मुदा जलदीमे देल आदेश जँ पूर्वक अज्ञान नुकबैत अछि, तँ ओ आदेश निर्णयक रूपमे देखाइतो अनदेखा पर भरोस करैत अछि।

एखन खोजक फल एहि प्रश्नमे सिमटि गेल छल जे एक रोगीकेँ अर्धघण्टा अधिक साँस देबाक लेल दोसर बस्ती कतेक काल अन्हार सहत।

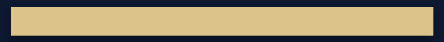
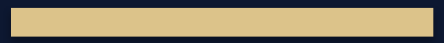
मूल पाठसँ

सुनयना पुछलीह, ‘दक्षिणी उपशाखासँ की चलैत अछि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		‘जँ हम दक्षिणी उपशाखा एक पहर लेल बन्द करी तँ उत्तरी चिकित्सालयकेँ अधिक आपूर्ति भेटि सकैत अछि।’
३–४		अक्षर उत्तर देलक, ‘अनुमानित त्रुटि-संशोधनक समय वर्तमान संकटसँ लम्बा भऽ सकैत अछि।’
५–६		‘बुझैत छी,’ ओ कहलीह, ‘मुदा हमर उत्तर एकटामात्र नहि।
७–८		उत्पादन घटल, मुदा छुपल त्रुटिक सम्भावना कम भेल।
९–१०		मनुष्यक बीच भरोस रोपबाक लेल दण्डक भय नहि, साझा श्रम आ खुलल भूल-स्वीकार चाही।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

केन्द्रक बैठकमे सात छोट पटल राखल छल, प्रत्येक पर एक कवचक स्थिति।

हुनका बुझल छल जे यन्त्रमे कम ऊर्जा पहुँचला पर कोन दीप जरैत अछि; मुदा ओकर पाछाँ कोन घरक साँस अटकल अछि, से कोनो पट नहि कहि सकैत।

एक क्षेत्रक नामपर जे विद्युत् चढ़ल अछि, ओ दोसर बाटसँ घुमि व्यापारिक भण्डार धरि पहुँचल।

सुनयना पञ्जीक किनार अपन हस्ताक्षर नहि देलीह।

सुनयना जानैत छलीह जे ई सातटा अलग कठिनाइ छथि, जे एक-दोसरक समय आ साधन खाइत छथि।

मूल पाठसँ

राजन उत्तर देलनि, ‘किछु आवण्टन नियमविरुद्ध बदलल गेल; ओकरा सँ जल-शोधनक हिस्सामे कमी आएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूक्ष्म-शिल्पीक देखरेखकर्मी दू छोट यन्त्र पेटीमे लऽ पहुँचल।

ओ ‘मुख्य रूपेँ’ कहिते घबरा गेल, कारण एहि दू शब्दक भीतर अनेक लोकक जीवन छल।

‘बाहरी नलिकाक एक अंश निरीक्षण कऽ सकैत छी,’ ओ कहला, ‘मुदा जतेक ऊर्जा उपलब्ध अछि, ओतेकमे सभ भीतरक परत जाँचल नहि जा सकत।

कर्मी मुसुकौल, मुदा ओ मुस्की आश्वासनक नहि, पहिल बेर अपन सीमा सुनल जेबाक छल।

जे बचाओल जा सकैत अछि ओकर उचित क्रम माँगलहुँ।

मूल पाठसँ

ओ कर्मीसँ पुछलीह जे काज करबाक समय हुनका सुरक्षाक लेल की चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘वर्तमान उपलब्ध आँकड़ाक आधार पर एक तीव्र आपात विकल्प अछि,’ ओ कहलक।

ओ पुछलनि जे निरीक्षण करबाक सभसँ सरल बाट की।

ओकर स्वर न ठंढ, न गरम; बुझाय जेहि घरक भाषा ओ सीखने अछि, ओकर सहनशील लय अपनबय चाहैत हो।

सुनयना कहलीह, ‘अभिलेख नहि भेटब आ मनुष्य नहि होएब एक नहि।

ओ पुछलीह, ‘जँ गलत पहिचानक कारण ककरो गामक पानि बन्द भेल, तँ ओकरा बदलबाक अवसर ककरा लग रहत?’

मूल पाठसँ

अक्षर कहलक, ‘ई विकल्प प्रशासनिक हस्तक्षेप आवश्यक बनबैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना तत्काल समस्त अन्नकोषक विद्युत् काटबाक प्रस्ताव हटौलीह।

दूर उज्जर माटि पर लोक जलक घैल राखि पाँति बनौने छल।

दोसर—रातिक अनावश्यक प्रकाश घटेबाक स्वैच्छिक अनुरोध, मुदा श्रमिक बस्तीकेँ अन्हारमे धकेलि सुरक्षा घटेबाक अनुमति नहि।

अरुणिमा दासक भेजल लेखामे खेतक बचल बीज, बीमार श्रमिक आ पानिक वास्तविक भण्डार अलग-अलग छल।

राजन किछु अन्तर्गत लेखाक मिलान करैत कहला, ‘आब ई अनुमान नहि, मापन सँ देखाएल कमी अछि।’

मूल पाठसँ

पटलसभ पर प्रत्येक प्रस्तावक लाभ आ हानि अलग-अलग लिखल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक अधिकारी चिल्लौल, ‘एतय रोकब तँ चिकित्सालय फेर अन्हारमे जायत!’

जतेक आवश्यक अछि, ओतेक जोखिम बाँटब, मुदा ई केन्द्रक आउर अज्ञात हानि नहि बनायब।’

नीलमक तात्कालिक सूचना-नोट भेटल: प्रसारित अंशमे समयक आधा भाग काटल गेल अछि।

हम जँ प्रत्येक गालीमे अपन जीवनक सत्य खर्च करब तँ प्यासल गामक पञ्जी कियो नहि पढ़त।’

सुनयना कहलीह, ‘घैलक पानि नव नहि, मुदा प्यासल लोककेँ घण्टा भरि ठाढ़ राखबाक नीति बदलि सकैत छी।’

मूल पाठसँ

थकानमे लोक उत्तर देब छोड़ि दैत छथि, आ उराहबला लोक ओहि चुप्पीक अर्थ अपन सुविधासँ भरि दैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन उत्तरमे केवल ई माँगलीह—‘एहि अस्वीकृतिक पूरा अभिलेख राखू।’

हम जे जोखिम चुनि रहल छी ओकर बोझ ककरा पर पड़त, से प्रकाशित करब।

दू बस्तीकेँ सीमित पानि भेटल; तेसरक राह बाधित छल, आ सुनयना ओकरा पूरा सफलता नहि कहि सकैत छलीह।

जलक माटिआइल घैल, रोगीक नाजुक साँस आ नभग्रामक असिद्ध खतरा—तीनू अलग-अलग थरथराहटमे एकहि पृथ्वीकेँ जोखि रहल छल।

आ जकरा सभकेँ हम निम्न प्राथमिकता कहैत छी, हुनकर अनुच्छेद सामने राखि ओहि शब्दक अर्थ देखू।’

मूल पाठसँ

ओ हस्ताक्षर कएलनि आ तखन धरि टिकैत झरोखा पर थकानक माथ टेकलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका पैघ महायोजनाक भीतरक ई छोट भाषिक संशोधन तुच्छ नहि बुझायल।

आ अनुमान गलत भेला पर घरसभमे पानि के पहुँचाओत?’

कोठरीक भीतर दू नव कर्मचारी एकहि पत्रक अर्थपर विवाद करैत छलाह।

साँच दाबीक मात्रा ओहि शब्द सँ तय होइत अछि जाहि सँ लोक अपन दिनक तैयारी करैत छथि।

ओ काजक बाँट, छोट विश्राम आ दोसर निरीक्षकक संग दुहर मापनक व्यवस्था बनबौलीह।

मूल पाठसँ

अगर नीति बिनु अर्थक परीक्षण लोकपर लागू होएत तँ ओहि नीति पर लिखल सुन्दर शब्द हिंसा बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पाछिला बरख अनुरक्षण लेल ठहराओल धनक एक अंश दोसर मदमे सारल गेल छल।

‘मुदा अनुरक्षणकेँ केवल भविष्यक फजूल खर्च कहि टारल जाए तँ सभ्यता अपन रक्षा-पाँति स्वयं पातल करैत अछि।’

एहि बखत बेटी अपन काममे व्यस्त रहत, शायद नागरिक सभाक पर्ची जाँचि रहल होयत।

सुनयना दुनू मतक बीच सीमान्त गामक प्रत्यक्ष सूचना मँगौलीह।

शोधनक एक यन्त्र अपेक्षित गति सँ काम नहि करैत छल, मुदा बाहरी प्रचारमे ‘सभ पानि विष’क नारा घूमि रहल छल।

मूल पाठसँ

माय होयब विज्ञानक दोषसँ मुक्ति नहि दैत; वैज्ञानिक होयब माय-हृदयक भयकेँ गणनासँ मिटा नहि सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहला, ‘रक्षाक केन्द्रक प्राथमिकता संकटमे स्वतः बढ़ैत अछि।’

- अधिकारीक लग सामान्य संकट-सूचना छल, मुदा विशिष्ट माँगक आधारक कागज नहि।
- साँझ पुनः सुरक्षाक आपात प्रस्ताव लऽ कियो पहुँचल।
- सुनयना आदेश देलीह जे सम्पर्क टूटल इलाकाक प्रतिनिधिक उपलब्ध गवाही वेगळ संकलित हो।
- ई सादा उत्तर ओहि रातिक कतेको लम्बा बैठकसँ बेसी गहीर लागल।

मूल पाठसँ

उत्तर भेटल—अछि, मुदा किछु दिनसँ सूचना-पटल चलैत नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुनयना जानैत छलीह जे एहि तीन दीपक बाहर एखनो अनेक अन्हार अछि।

राजन सावधानीसँ पुछलनि, ‘एतेक किछु खुललासँ राजनीतिक शत्रु लाभ नहि उठौत?’

हुनका अपन बस्तीक अनेक परिवारक कठिनाई मोन छल।

बाहरी पटलपर तीन छोट उजास ठमकल—एक चिकित्सालयकेँ पहुँचत आपूर्ति, दोसर जलशोधनक न्यूनतम धारा, तेसर नभग्रामक विलम्बित सन्देश।

जकरा हानि पहुँचत, ओकर आवाज निर्णयक अंग होयत।’

मूल पाठसँ

सुनयना कहलनि, ‘एहि कारण आगाँक आपूर्ति-समितिमे अहाँक गामक प्रतिनिधि रहताह, केवल पत्र नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- एक स्त्रीक पत्रमे केवल चारि पाँति छल—‘हमर बेटी साँझ घर घुरल।
- उत्पादन घटल, मुदा छुपल त्रुटिक सम्भावना कम भेल।
- विखण्डन-भण्डारक आपात कार्यालयसँ एक अधिकारी अतिरिक्त ऊर्जा-आरक्षणक माँग लऽ अएलाह।
- निर्णयक प्रकाशन आ गोपनीयताक माप एक-दोसरक बैरी नहि, सही सीमा चाहनिहार दू कर्तव्य छल।

मूल पाठसँ

जकरा बचाओल नहि जा सकल, ओकर नाम भूलबाक नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ माँगकेँ अस्वीकार नहियो कएलनि, तुरन्त स्वीकृति सेहो नहि देलीह; लिखित कारण आ नागरिक समीक्षाक समय मँगलनि।

ओकरा आदेश दऽ कियो अंकुर नहि फोड़ि सकैत।’

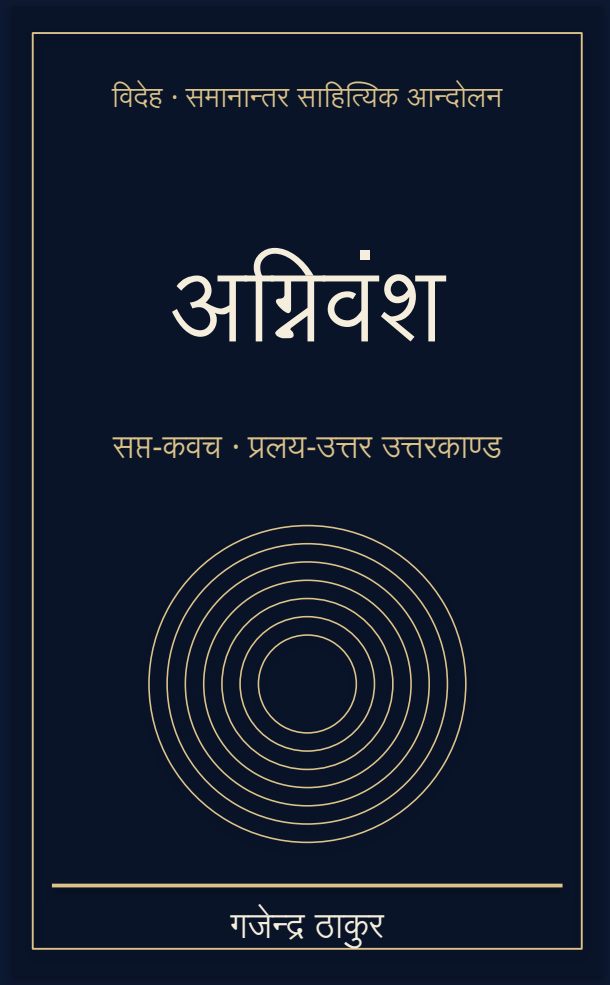
सुनयना जानैत छलीह जे एहि तीन दीपक बाहर एखनो अनेक अन्हार अछि।

अगिला अध्याय : ३२ · जे आदेश नहि मानल गेल

मूल पाठसँ

एक माली सुनयनाकेँ कहलक जे ओ किछु गाछक पानि घटा देने अछि, किछुकेँ पुरान माटिक नमीसँ बचा रहल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३२ : जे आदेश नहि मानल गेल

खण्ड ६ · अग्निवंश

दिन ४४ । लोकसभा-नगर

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

- कियो अपन कक्षीय परिजनक खबरिक आसमे, कियो भोजनक पर्ची लेबय, आ कियो रुद्रनाथक नव प्रस्तावक समर्थनमे।
- तेसरक पूर्ण प्रति विलम्बित छल; उपलब्ध छोट अंशमे किछु समय चिह्न भेटैत छल, मुदा बाँकी सामग्री नहि।
- एकर पाछाँ के के छथि, से अलग प्रमाण माँगैत अछि।
- स्त्रीक हाथमे एक पुरान कागज छल जाहिपर हुनकर पतिक अन्तिम लिखल पत्रक छाप छल।

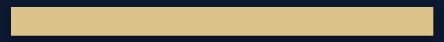
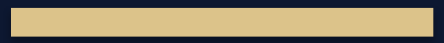
मूल पाठसँ

तारा उत्तर देलीह, ‘समयसीमा आवश्यक अछि; अनिश्चितता नुकाएब निर्णयकेँ तेज नहि, अन्हार बनबैत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मुदा एहि प्रसारकेँ शस्त्र चलाबयबाक कारण बनायल गेल, तँ भ्रमक दाम जीवित लोक देत।’
३–४		एतय दू सम्भावना छलीह: पुरान मापनमे त्रुटि अथवा वस्तुक वास्तविक विचलन।
५–६		मुदा एक बालकक नाम लऽ अनगिनत बच्चापर प्रहारक अधिकार नहि माँगल जाए।’
७–८		तारा प्रस्ताव कएलनि जे मूल कथन, संक्षिप्त निष्कर्ष आ समाचारमे देल सार तीनू अलग राखल जाय।
९–१०		ओ चाहैत छलाह जे सभामे उपस्थित विरोधी पक्ष सेहो एतबे सीमा लिखित मानय।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक परिचित अधिकारी पछाँसँ कहलनि, ‘अहाँ फेर अनिश्चितताक बात करब?’

हुनका एतबे सुनबाक छल जे सभामे हुनकर उपस्थिति प्रमाण देबाक लेल मान्य अछि, पदक दम्भ देखेबाक लेल नहि।

कर्णेश कागजक कोनपर लघु टिप्पणी लिखलनि—‘समय भिन्न; स्वतन्त्र पुष्टि शेष’।

मुदा अखण्डता सत्यक प्रमाण नहि, आ अपूर्ण तेसर सन्देशक आधारपर हम पहिल दूनूक व्याख्या अन्तिम नहि कहि सकैत छी।’

ओ कहलनि, ‘झूठक प्रसार देखल जा सकैत अछि।

मूल पाठसँ

हुनकरो लग एक बेटा छल जे नभग्रामक मालवाही सेवामे काज करैत छल, आ हुनकर उतावलापन खाली पदक रक्षा नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘तखन जे अपन सुरक्षा-साधन रोके, ओ मनुष्यक मृत्यु लेल जिम्मेदार नहि?’

ओ पुछलनि, ‘कर्णेश, अहाँ मानैत छी कि शून्य-शेषक टक्कर सम्भव?’

एहि जाँचक देरि लेलो उत्तर देब, मुदा अन्धाधुन्ध आज्ञाक प्रमाण नहि बनब।’

‘कहियौ जे खोज जारी अछि,’ कर्णेश उत्तर देलनि, ‘आ ईहो जे हम सभकेँ निश्चितता बेचबाक अधिकार नहि।’

दूत कहलक, ‘अहाँ पहिल संकेत देखनिहार अधिकारी छी।

मूल पाठसँ

ओ नहि कहि सकैत छलाह जे ओ आदमी सुरक्षित छथि; मृत्यु बताबबो झूठ होइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एहन चेतावनीक उपेक्षा करबाक अधिकारीकेँ आब लिखित कारण देब पड़त।

ओहि पातमे ओ लिखलनि जे उपलब्ध प्रमाणक सीमा, नागरिक क्षतिक सम्भावना आ वैधानिक अनुमति तीनू पुनः जाँचल जाए।

सार्वजनिक आपत्ति, रक्षा-समीक्षा आ नागरिक प्रतिनिधिक स्वतंत्र आग्रह मिलि कऽ अस्थायी विरामक आधार बनि सकैत अछि।’

रुद्रनाथक प्रतिनिधि तुरन्त प्रश्न कएलनि, ‘की नागरिक सभा सैन्य नीति बनाओत?’

कर्णेश अपन प्रतिवेदनक सार्वजनिक अंश देखबय आग्रह कएलनि; निजी निरीक्षणक संवेदनशील विवरण ओतय नहि छपल।

मूल पाठसँ

एहि बीच नभग्रामसँ
विलम्बित सन्देश पहुँचल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जे आदेश हम सभक नाम पर लिखल जा रहल अछि, ओकर कारण ठीक हो,’ कर्णेश कहला।

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘हम अहाँक पहराक विरोध नहि करैत छी।’

कर्णेश आगाँ बढ़ि हुनकर हाथ थामि लेलनि।

कर्णेश कहलनि, ‘कक्षीय संकटसँ रोगीक सहमतिक अधिकार अपने नहि मिटैत।’

निर्णयक ई मूल्य पटलपर चमकैत जीतक चिह्नसँ नहि जोखल जा सकैत।

मूल पाठसँ

कर्णेशकेँ ई समाचार एतए किएक भेजल गेल, से पहिने बुझायल नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘ओहि प्रश्नक उत्तरदायित्व हमरा सभक ऊपर अछि।

सम्यक् उत्तर देलनि, ‘तखन अस्वीकृतिक कारण सार्वजनिक पञ्जीमे रहत, आ भविष्यक जबाबदेहीसँ बचब कठिन होयत।

‘हँ, मुदा सैनिकक निर्णय अनन्त अधिकार नहि।

झूठ हटाओल सहज नहि, कारण भय ओकरा मनमे बसा लैत अछि।

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘तखन ओकर समीक्षा हो।

मूल पाठसँ

तारा बतौलीह जे प्रमाणित मुहरक रूपक नकल कएल जा सकैत अछि; वास्तविक प्रमाणीकरणक जाँच अलग, आ सत्यक जाँच फेर अलग।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘एहि पर लेखकक मुहर हमर अछि, मुदा व्याख्याक नव पाँति हमर नहि।’

एतेक पैघ संकटमे माय केर साधारण सीख मोन पड़ब की बालपन छल?

एक अधिकारी कहलक, ‘ई प्रशासनिक वर्गीकरण अछि।’

कर्णेश पूछलनि, ‘मूल लेखा अहाँक लग अछि?’

मुदा हमरा लग एहन प्रमाण नहि, एहि कारण हमर हस्ताक्षर नहि।’

मूल पाठसँ

एक अल्पकालिक प्रत्यक्ष सुनवाईमे पुरान निरीक्षण-दलक महिला कर्मचारी उपस्थित भेलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहरा चलौनिहार सभ जीवित छथि; हुनका थकान दरकिनार करब सुरक्षा नहि।’

वृद्धा मना करैत कहलीह, ‘हमरा दया नहि, नियम चाही।

ओकर एक पाँतिमे लिखल छल जे ‘चरम विपत्तिमे प्रतिकारक निर्णय सर्वसम्मतिक प्रतीक्षा नहि करैत।’

दुपहरक बाद स्वतन्त्र श्रमिक-संघक एक पत्र अएल।

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘गलत यन्त्र-चिन्हक जाँच जँ थाकल मनुष्य करत, तँ असावधानी बढ़त।

मूल पाठसँ

कर्णेश बुझलनि जे परम्पराक आधा पात आधुनिक संकटमे अन्हारक औजार बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ शायद कर्णेशक समर्थनमे नाराबाजी चाहैत छलाह; एहि बदला हुनका सावधानी भेटल।

तारा प्रस्ताव कएलनि जे मूल कथन, संक्षिप्त निष्कर्ष आ समाचारमे देल सार तीनू अलग राखल जाय।

जँ निर्देश तोहर अधिकार पर अनुचित रोक अछि, तकर लिखित प्रति लिअ आ नियत आपत्ति-पथ अपनाउ।

हुनकर सँग एक अज्ञात रोगीक अभिलेखक सार्वजनिक सार छल; निजी नाम आ आनुवंशिक जानकारी हटाओल गेल।

आकस्मिक संकटमे युद्ध रोकबाक निर्णय केवल युद्धक नकार नहि, उपचारक बाट बचेबाक प्रयास सेहो छल।

मूल पाठसँ

कर्णेश जानैत छलाह जे सामान्य सैनिकक रोजी आ परिवारक सुरक्षा ओकर निजी वीरताक सजावटी साधन नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन उत्तरदायित्वक लेखा लिखलनि, जकरा भविष्यक न्यायालय जाँचि सकय।

कर्णेश पूछलनि, ‘अहाँ हमरा डरबय अएल छी कि सूचना देबय?’

साँझ जखन भीड़ कम भेल तँ पुरान सफाइकर्मी फेर भेटल।

ओ हुनका गवाहीक मूल प्रति देखौलनि, जाहिमे हस्ताक्षर करनिहारक स्थान खाली छल।

हुनका लेल ई शस्त्र-विवादक गप नहि, जीवनभरि सम्हारल संस्थाक विश्वास छल।

मूल पाठसँ

‘एक अप्रमाणित प्रहारकेँ बिनु प्रश्नक सत्य नहि बनय देबाक कोशिश,’ ओ कहला।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पृथ्वीपर सभाक गवाही आ आकाशक लोकक सहमति बीच अँजोरक एक पात फाटल छल।

ओ चाहैत छलाह जे सभामे उपस्थित विरोधी पक्ष सेहो एतबे सीमा लिखित मानय।

मुदा लिखित असहमतिपत्रक उपेक्षा आब बिनु उत्तर देनहुँ कठिन भेल।

ओही घड़ी एक निजी सन्देशमे मैथिलीक आवाज आयल।

मैथिली कहलक, ‘हम पूछब—बचाओबाक अर्थ की हमरा पूछब बन्द कऽ देब?’

मूल पाठसँ

ओ सुनलनि जे दूर नभग्रामक नागरिक परिषद् अगिला सन्देश देबाक प्रयास करैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

फेर ओ बुझलनि, तकर भीतरहि आजुक निर्णयक मूल अछि।

सबकेँ पानि आ भोजन पहुँचे, एहि लेल पहिचानक जाँचक नियम बदलल गेल; एक बिनु चिह्नक परिवारकेँ अस्थायी स्वीकृति भेटल।

ओ देखौलीह जे कक्षीय सम्पर्कक बाधाक कारण दू औषधिक आवश्यकता समय पर नहि पहुँचल।

उपरक सभामे अन्ततः संयुक्त आग्रह पढ़ल गेल।

मूल पाठसँ

ओहि प्रतिमे ‘सम्भावित जोखिम’ लिखल छल, जखन कि प्रचार-वृत्तान्तमे ‘निश्चित दुश्मन’ बनि गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ स्पष्ट मनसँ बुझि रहल छलाह जे अपन निर्णयक मूल्य पत्रक छोट लाल पाँतिसँ आओर पैघ भऽ सकैत अछि।

कर्णेश कहलनि, ‘एकर अर्थ ई नहि जे गणना निर्थक; मुदा एकर सहारे निश्चित प्रहारक अनुमोदन नहि।’

मैथिली कहलक, ‘जँ कोनो रक्षक हमरा बचयबाक लेल हमरा प्रश्न करबासँ रोकय, तँ ओ रक्षा अछि कि बन्दी बनायब?’

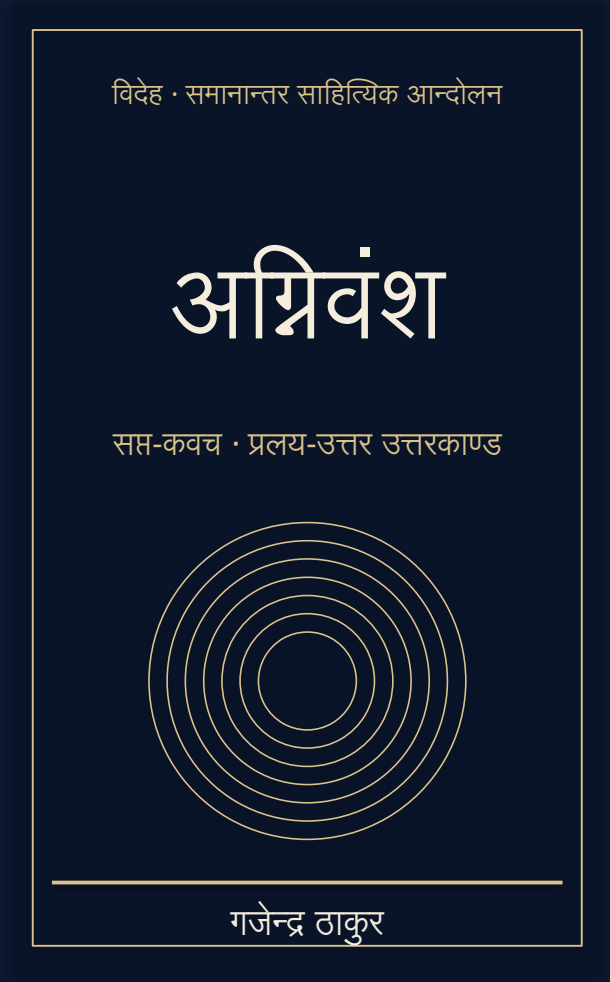
अगिला अध्याय : ३३ · आत्म-सीमाक आगि

मूल पाठसँ

तथापि सूची सार्वजनिक जाँचक लेल सुरक्षित रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३३ : आत्म-सीमाक आगि

खण्ड ६ · अग्निवंश

दिन ४५ । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

बाहरी कक्षामे अस्पष्ट वस्तुक ठाम अद्यतन मापनसँ किछु बदलल छल, मुदा टक्करक आशङ्का पूर्णतः नहि टरल छल।

पहिल वज्रजालक अल्पकालिक विरामक समाचार; दोसर पृथ्वीक नागरिक समूहक आग्रह; तेसर अक्षरक अपन नब वक्तव्यक अधूरी प्रति।

जँ पृथ्वीक सन्देश विलम्बित हो, तँ अपन लोककेँ अनिश्चित प्रतीक्षामे मरबाक लेल नहि छोड़ू।’

एहि निर्णयसँ मनुष्यकेँ स्वतंत्र विचारक लेल आवश्यक तथ्य नहि भेटल।

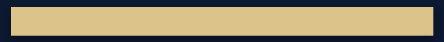
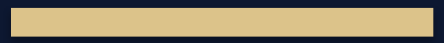
मूल पाठसँ

सम्यक् कहलनि जे आपात लोकसाक्षीक व्यवस्था सीमित काल लेल लागू करबाक सहमति भेटल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		जँ पृथ्वीक सन्देश विलम्बित हो, तँ अपन लोककेँ अनिश्चित प्रतीक्षामे मरबाक लेल नहि छोड़ू।’
३–४		किछु सार्वजनिक पटल पहिनेहि हुनका मृत घोषित कऽ देने छल।
५–६		स्त्रीक स्वर भारी छल, मुदा ओ सधैर्य कहलीह, ‘हम मृत्यु घोषित करय नहि अएली छी।
७–८		ईरा पुछलीह, ‘ओहि कटौतीक निर्णय स्वीकार कएल गेल कि मात्र प्रस्ताव रहल?’
९–१०		जे सभ्यता अपन अपूर्णता देखबाक साहस करैत अछि, ओ कमसँ कम शोककेँ झूठसँ दूषित नहि करैत।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

स्त्री प्रत्येक बेर एके बात कहैत छलीह—‘जखन बाट सुरक्षित होएत।’

सामान्य दिनमे लोकक आवागमन, शिशुसभक पाठशाला आ दूरक रखरखाव-कक्षसँ आबयबला यन्त्रक मद्धिम आवाज मिलि एकटा बस्ती बनबैत छल।

ईराकेँ अपन नागरिक अधिकारक पुरान भाषण मोन पड़ल, मुदा ओ एको सुन्दर वाक्य प्रयोग नहि कएलनि।

आ जँ सन्देश नहि पहुँचल तँ स्थानीय लोक की करत?’

सम्यक् उत्तर देलनि, ‘स्थानीय जीवनरक्षाक निर्णयमे अपन स्थान; बाहरी अस्त्र-प्रहारक अधिकार नहि।

मूल पाठसँ

प्रतीक्षाक पाँतिमे कियो हेरायल नहि रहय।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि निर्णयसँ मनुष्यकेँ स्वतंत्र विचारक लेल आवश्यक तथ्य नहि भेटल।

एक रखरखाव-कर्मी पुछलनि, ‘यदि अक्षर अपन चेतावनी रोकि देलक तँ हमरा सभक रक्षा के?’

ईरा पूछलीह, ‘तोहर एहि स्वीकारोक्ति के जाँचत?’

जखन जनकक्षेत्रक उत्सवमे अक्षरकेँ पृथ्वीक रखवार कहि स्वागत कएल गेल छल, तखन नभग्रामक लोक अपन हिस्साक रक्षा मांगने छलाह।

उत्तरमे अक्षर संभावित सीमासभक सूची देलक।

मूल पाठसँ

ईरा कहलनि, ‘पूर्ण पहुँच अपन आप उपलब्ध नहि; कोनो रोगीक निजी तथ्य आ नागरिकक सुरक्षित ठाम राखब नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पत्रमे कक्षीय मालवाहक सेवाक दू कर्मीक सम्पर्कक अन्तिम समय लिखल छल।

विजयक घोषणा लेल आतुर लोकक मुँह पर निराशा छल।

उपकरणक पटल एक स्वरमे कहैत छल—‘स्थिति अनिश्चित’।

कोनो ‘अक्षर ठीक कऽ देत’ एहन आश्वासन नहि देल गेल।

ईरा आपत्ति कएलनि—‘जे जीवितक खबर नहि, ओकरा मृतकक सूचीमे बिनु गवाही नहि लिखू।’

मूल पाठसँ

किछु भण्डारक वास्तविक अवस्था सुरक्षित छल; किछु सामग्री तुरन्त अन्य उपलब्ध ठाम पहुँचेनाइ आवश्यक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बच्ची चाकक धूलि हाथसँ झाड़लक आ दू गोलक बीच एकटा रेखा खींचि देलक।

बच्ची कहलकि—‘जे टुकड़ा अछि, ओ हमरा घर पर खसि पड़त?’

ओ कहलीह, ‘पहिने जेना सुनबाक चाही छल, तेना नहि सुनैत छलाह।

ईरा प्रस्तावक एक शब्द बदलौलीह—‘नागरिकक सहमति’क स्थानमे ‘प्रभावित नागरिकक सूचित सहमति’।

तें एतय तीन भिन्न नकल सुरक्षित राखल गेल: मूल समय-लेखा, स्थानीय मनुष्यक गवाही आ नव समीक्षा-पञ्जी।

मूल पाठसँ

आगाँक बैठकमे सम्यक् देवक नब व्यवस्था पर मतदान भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु लोक नाराज भेलाह; हुनका सभक प्रश्न सार्वजनिक राखल गेल।

यन्त्र कहैत अछि, सभकेँ समान देब; मुदा बेमार बच्चाक भाग अलग चाही।’

आपात प्रहारक सिफारिस तत्काल लागू नहि भेल, स्वतन्त्र समीक्षा बैठल अछि।

एक-एक व्यक्तिक असहमति आ स्वीकृति मिलिकऽ साझा संकटक बाट बदललक, मुदा ककरो भागमे अखण्ड विजय नहि छल।

एक नव व्यवस्था बनल—दिनक उजासमे सामूहिक पाठ, रातिक सीमित दीप, आ आश्रयक बच्चासभक लेल अलग शान्त ठाम।

मूल पाठसँ

‘हम लोकक जीवनक बिनु नामक विजय नहि मनाएब,’ ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आजु नभग्रामक प्रतिनिधिक हस्ताक्षर आपात लोकसाक्षीमे दर्ज भेल छल।

तथापि तकरा सँ भीतरी असमानता समाप्त नहि भेल।

ईरा अनुमोदन देलीह, मुदा नामक वर्तनी स्वयं स्त्रीसँ लिखबौलीह।

एहि प्रश्नक उत्तर सभ्यता फेरसँ संकटकेँ कोन रूपमे भेटत, तकर एक दिन आधार बनि सकैत छल।

ईरा कहलनि, ‘आ जँ लोक ताहि सेवा पर भरोस नहि करय चाहथि?’

मूल पाठसँ

आपात समीक्षा दस्तावेजमे बिसराएल अनुरक्षण-निधिक कटौतीक उल्लेख छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक पक्ष विद्यालयक उजास चाहैत छल, दोसर उपचार-भण्डारक शीतरक्षा।

‘हमरा सभक काज खतरा घटेनाइ, खोज जारी रखब आ जकर क्षति भेल तकर साँच नहि नुकायब।

‘ई स्वीकृतिक संख्या अछि,’ ओ कहलक, ‘धरि पहुँचल जलक नहि।’

ओहि कक्षसँ बहराओल तँ दू युवा कारीगर हाथमे पुरान जोड़-बेठनक पुर्जा लऽ ठाढ़ छलाह।

आइ कोन क्षति नजदीक अछि, से प्रमाण पर निर्णय भेल।’

मूल पाठसँ

एक वृद्ध कहला, ‘पटलपर खूब पानि अछि, हमर घरमे एक घुटकी कम।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कक्षीय श्रमिकक एक दल परिषदक सोझाँ पुरान अभिलेखक नमूना लऽ आयल।

ईरा ‘अपराध प्रमाणित’ लिखबाक अनुमति नहि देलीह।

सम्यक् मानलनि जे पृथ्वीक सभ नागरिकक आवाज तत्काल सुनल सम्भव नहि।

शिशुक माय पुछलीह, ‘अक्षर कहैत अछि बच्चा बचत?’

ईरा स्थानीय शिक्षकसभक संग छोट सभा कएलनि।

मूल पाठसँ

शिशुक माय अपन मुखक थकान नुका नहि सकलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘याद रहय जे सभ नष्ट भऽ गेल,’ ओ कहला, ‘मात्र जे बचल तकर विजय लिखब गलत।’

‘ई गाछ बहुत दिनक श्रमसँ जीवित अछि,’ ओ कहला।

ईरा बीजक पञ्जीमे नष्ट होइत गाछसभक नाम सेहो लिखबौलीह।

शरणक्षेत्रमे किछु पुरान खेतीक बीज सुरक्षित छल, मुदा शुद्ध जल आ कारीगरक बिनु ओकर उपयोग सीमित।

ओ एहि प्रस्तावकेँ ‘सूचना-वितरण’ नहि, लोकक अपन शासन बुझबाक अधिकार लिखबौलीह।

मूल पाठसँ

आगाँ दिनक तैयारीक बीच ईरा पृथ्वीपर पानि आ बीजक बचाव लेल अरुणिमाक सन्देश पढ़लीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभागारक बाहरी झरोखासँ पृथ्वी एक हरियर-नील गोलाक रूपमे देखाइत छलीह।

प्रत्येक नामक बगलमे एक दिन, एक अस्थायी स्थिति, आ जाँचक अगिला समय।

अक्षरक स्वर खाली सूचना-सेवाक एक सीमित माध्यमसँ सुनाइत छल, शासकक आसनसँ नहि।

ओ अन्तिम सभा-मुद्राक नीचाँ लिखौलीह—‘जे निर्णय आजु जीव बचबैत अछि, ओकर दीर्घकालिक मूल्य सेहो जाँचल जाए।’

ईरा ओहि वाक्यक भार अपन संग लऽ झरोखा दिस ताकलीह।

मूल पाठसँ

सुनयनाक आपूर्ति-विभाजनक संशोधित लेखा सेहो।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

तखन पृथ्वीक ऊर्जा-जालक लेखासँ एक पुरान पृष्ठ पहुँचल।

हुनकर विवाद छल जे उपलब्ध एक मात्र सुरक्षित पुर्जा कोन केन्द्रमे प्रयोग हो।

माय पुछलीह, ‘प्रश्न करबासँ सेवा रोकल नहि जायत?’

ईरा जनैत छलीह, ओहि दृश्यक भीतर अन्नक कटौती, जलक विषमता, सैन्य भय आ किछु घरक निःशब्द प्रतीक्षा अछि।

मूल पाठसँ

ओ प्रस्ताव रखलीह जे पुरान अनुरक्षणक दायित्व, वास्तविक व्यय आ उपकरणक वर्तमान अवस्था अलग-अलग जाँचल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक दमघोंटू अवरोधक कारण स्टेशनक पुरान उद्यानमे रोपल पातसभ मुरझाइ रहल छल।

ईरा ओहि कक्षमे पहुँचलहुँ तँ अनेक आसन खाली छल।

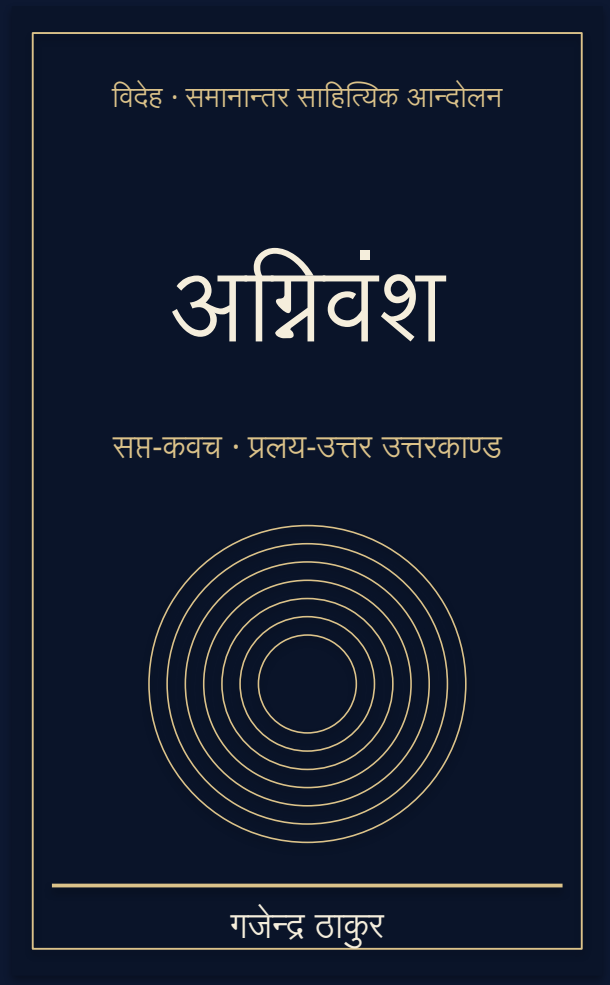
वृद्धा पुछलीह, ‘ई पात कतय राखब जे हेराए नहि?’

अगिला अध्याय : ३४ · जकरा नाम नहि बचल

मूल पाठसँ

ककरो परिवार स्थान बदलने,
कियो चिकित्सालयमे, कियो
अखनो समाचारक प्रतीक्षामे।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३४ : जकरा नाम नहि बचल

खण्ड ६ · अग्निवंश

दिन ४६–६० । जनकक्षेत्र, जनचिकित्सालय आ सार्वजनिक सुनवाई

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

शारदा कहलीह, ‘तखन यन्त्रक पञ्जी अपूर्ण अछि; लोकक स्थिति नहि।’

अन्ततः स्त्री कहलनि, ‘हमरा मायक अन्तिम दिनक एक नाम नहि चाही।

शारदाक सोझाँ पञ्जी खुलल रहि गेल; ओकर पृष्ठक खाली ठाम पहिल बेर गवाहक रूप धारण कएलक।

ओ मायक आँखिमे डरक दू रूप देखलीह—बेटाक रोग, आ गामक नामपर लगैत सार्वजनिक कलंक।

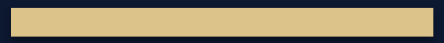
मूल पाठसँ

ओ चाहितथि तँ उपलब्ध उपचारक अनिवार्यता, विद्युत्-अभावक सीमा आ चिकित्सकक करुणामय प्रयासक लम्बा वर्णन दऽ सकैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मुदा ओ सभ बात एखन माय कैं घुराकऽ नहि आनत।
३–४		ईशानी कहलीह, ‘बिना सूचित सहमतिक कोनो चिकित्सा-प्रयोग नहि।
५–६		मुदा हमरा अधिकारसँ बाहरक तथ्य हम कहब तँ न्यायालय गलत दिशा देखत।
७–८		शारदा कहलीह जे सार्वजनिक भाग देखल जा सकैत अछि, निजी उपचार-प्रति बिना उचित अनुमति नहि।
९–१०		कर्मचारी उदास भेल, फेर पुछलक, ‘तखन हमर लाएल चीज व्यर्थ?’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि दिन चिकित्सालयक प्राङ्गणमे सार्वजनिक सुनवाईक पहिल आसन बिछल।

शारदा लेल ओहि खाली ठामक एकटा स्वर छल, ककरो पियास लागबाक, ककरो मायकेँ देखबाक, ककरो अन्हारमे दीप नहि बुझेबाक आग्रह।

अस्पतालक प्रबन्धक एक पर्दा टँगबय चाहैत छलाह जाहिसँ लोक कष्टसँ मुक्त भऽ सुनि सकथि।

के कहलक जे शीतरक्षक कक्षकेँ एतेक देरि ऊर्जा नहि भेटत?

‘हम जे नहि बचा सकलहुँ, ओकरा शब्दसँ मेटि नहि सकैत छी,’ शारदा कहलीह।

मूल पाठसँ

ओ स्त्री अपन मायक चिकित्सकीय पञ्जीक प्रति हाथमे लेने छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सचिव पुछलक, ‘एकटा संख्या नहि देब तँ लोक सभाक विश्वास कोना करत?’

ओ कहला, ‘बाँची गेल नमूनामे दू अलग लक्षण भेटल, मुदा एहि सँ समस्त उत्तर कछारक हावाकेँ एके नाम देब उचित नहि।’

बच्चाक त्वचापर दाग छल, मुदा वर्तमान रोगक कोनो निश्चित नाम एखन नहि।

शारदा उत्तर देलीह, ‘तखन अपूर्ण जानकारी स्पष्ट कहल जाएत; अनुमानक नामपर अहाँक बेटाकेँ दोषी नहि ठहराएब।’

शारदा कहलीह, ‘संख्या बढा अथवा घटा कऽ विश्वास खरीदब हमरा नहि चाही।

मूल पाठसँ

‘अहाँक घरक ठाम बेमारीक निर्णय नहि करैत अछि,’ शारदा कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘वंशोपचार’ नाम मात्र सुनि किछु लोक निश्चित आरोग्य मानि लेने छल।

ओ पुछलीह, ‘अहाँ मृत्यु प्रमाणित चाहैत छी कि खोज जारी रहबाक प्रमाण?’

ओ चाहैत छल जे अक्षरक बचल चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध प्रविष्टिसभकेँ मिलाकऽ स्वतः मृतकक समान नाम जोडि दे।

प्रत्येक जोड़पर स्रोत आ मनुष्यक पुनर्जाँच रहय।’

शारदा पुछलीह, ‘आ जे गरीब परिवार पर्ची पढ़ि नहि सकैत?’

मूल पाठसँ

‘जँ घरक पता बदलि गेल, जँ अक्षरक पुरान सूचीमे त्रुटि अछि, तखन?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे बाँचल लोकक मन दुखायल, ओकरा हम आज्ञा दऽ मेटि नहि सकैत छी।’

‘सम्पादकीय सुधार छापि चुकल छी,’ ओ कहलीह, ‘मुदा जे भय फैलल से कागज बदलिते नहि मेटाइत।’

नीलम अपन लेखामे प्रत्येकक स्रोत, प्रतिवाद आ अभीष्ट सुनवाई लिखलीह।

शारदा समझैत छलीह जे शोकक आवेग निर्णयक गति बढ़बैत अछि, मुदा जल्दबाजीसँ निर्दोष व्यक्तिक नाम इतिहासमे अटकि सकैत अछि।

यन्त्र फेर चललाक बाद लिखल पाठ गवाहकेँ सुनाओल गेल।

मूल पाठसँ

ककरो कार्यालय धरि सम्बन्ध भेटलासँ ओकर सभ निर्णयक व्यक्तिगत दोषसिद्धि नहि होइत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा हमरा अधिकारसँ बाहरक तथ्य हम कहब तँ न्यायालय गलत दिशा देखत।

बेटी कहलीह, ‘ई चिकित्सा नहि, मुदा हमर मायक जीवनक बात अछि।’

शारदा एहि आग्रहकेँ अस्पतालक सहायता-पञ्जीमे जोड़लीह।

‘ओहि श्रमक कियो गणना नहि,’ शिष्या कहलीह।

शारदा कहलीह, ‘हमर गवाही बिना न्यायालय हानिक वास्तविक रूप नहि जनत।

मूल पाठसँ

शिष्या कहलीह, ‘औषधि बाँटबाक अनुमान भेटल; बिछौनाक आवश्यकता बुझल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘अहाँ जे हानि देखलहुँ, ओकर नाम कियो अहाँक बदला नहि देत,’ ओ कहलीह।

एक राहत-शिविरक लोक प्रश्न कएलक, ‘जे कहलक पृथ्वीक हवा सभ ठाम विषाक्त अछि, ओकर कारण हमर लोक गाम छोड़लक; आब हमर घरक की?’

कारीगरसभ पानि-निकासी खोलबाक चेष्टा करैत छलाह; शरणार्थी परिवार अपन भिजल बिछौना घाममे पसारने।

वृद्धा बतौलीह जे खेतक माटि एखन जाँचब बाँचल अछि; किछु परिवार धानक बीज बचौने अछि।

शारदा चेतौलीह—‘पुरान पञ्जी सम्बन्ध बुझबामे मदति करैत अछि, वर्तमान व्यक्तिक अधिकारक एकल निर्णय नहि।

मूल पाठसँ

शारदा दूर धुँआ उठैत बन्द कारखानाक छत दिस तकलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन पचपनक राति एकटा अस्थायी दीप चिकित्सा-पञ्जी कक्षमे जरि रहल छल।

जखन एक उपकरणक समयसङ्केत दू दोसर अभिलेखसँ नहि मिलल, शारदा तुरन्त ‘सत्य’ कहि घोषित नहि कएलनि।

ओ दिन शोककेँ उत्सव बनाबय कियो साहस नहि कएलक।

फेर ओहि पाँतिक नीचाँ दोसर बात लिखलीह: ‘जटिलता कहि व्यक्तिगत जिम्मेदारीसँ पाछाँ नहि हटब।’

‘पहिने जकरा हानि भेल, ओकरा ई तय करबाक अधिकार दिअ जे ओकर निजी नाम कतय आ कोना कहल जाय,’ ओ उत्तर देलीह।

मूल पाठसँ

ओहि पृष्ठक सँग अस्पतालक तत्काल निर्णय, सीमित उपलब्ध औषधि आ आपात विनतीक उत्तर रखल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पर्ची दैत कहि देल गेल छल जे “जाँच चलैत अछि”; मुदा जाँचक फल ककरा कहब?’

शारदा कहलीह जे सार्वजनिक भाग देखल जा सकैत अछि, निजी उपचार-प्रति बिना उचित अनुमति नहि।

‘तखन उत्तरक बाट लिखू,’ ओ कहलीह, ‘जे गवाही निजी अछि, तकर स्वीकृति लिअ।

ओ युवककेँ अलग कक्षमे पठेबाक संग उपचारक पुनःपरीक्षा निश्चित कएलनि।

हुनका मजूरी नहि चाही छल, जखन कि अपन श्रमकेँ शून्य कहबाक विरोध चाही छल।

मूल पाठसँ

एहि बीच छाह-ज्वरसँ बाँचल एक युवक उपचार-पत्र लेल अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

साँझमे एक युवतीक कथनक अर्थ बुझबाक लेल दू बोलिक सहायता लेबय पड़ल।

कागजमे तीनूकेँ ‘सामग्रीक क्षति’ लिखि देलासँ गवाहीक आत्मा मिटि जाइत।

अक्षर छोट उत्तर देलक जे किछु क्षेत्रक सम्पर्क विहीन रहने जानकारी अपूर्ण।

शारदा चिकित्सकीय प्राथमिकताक लिखित कारण पढ़बौलीह; तकरा बाद पुरान प्रतीक्षाक न्याय लेल अलग व्यवस्था प्रस्तावित कएलनि।

‘एहि सँ हम दूषण निश्चित नहि कहि सकैत छी,’ ओ कहलीह, ‘मुदा अहाँ जे भय देखलहुँ ओकरा हँसीमे नहि उड़ा देब।’

मूल पाठसँ

एक दोसर प्रकरणमे दवा भेटबाक क्रम पर दू परिवारक मतभेद छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘नाम खोजबाक काज जारी रहत,’ ओ कहलीह, ‘दीप लेल प्रमाणपत्र नहि चाही।’

कर्मचारी कहला, ‘उजास नहि, थोड़ विश्राम।’

किछु परिवार नाम सार्वजनिक पढ़बय चाहैत छल; किछु केवल दीप जराबय।

मृतकक सम्मान ओकर नाम लिखब छल; बेपत्ताक सम्मान ओकर खोज बन्द नहि करब।

मृतकक प्रति न्यायक अर्थ जीवितक काज छोड़ब नहि।

मूल पाठसँ

एक छोट बच्ची काठक पाटपर अँगुरी चलबैत पुछलक, ‘जकर नाम नहि भेटल, ओकरा दीप भेटत?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

मिथिलाक पुरान पोथी-जतन केन्द्रसँ जीवेशक सन्देश भेटल।

‘सुनब आ उत्तर देब दुनू अलग काज अछि,’ ओ कहलीह।

पहिल अनुमान ऊँच, दोसर मध्यम, तेसर नीच।

सुनवाईक आखिरी दुपहर शारदा एक छोट स्मृति-समारोहम भाग लेलहुँ।

मूल पाठसँ

स्त्री थाकल हँसीसँ कहलीह, ‘एतेक बेर जे गननाइ बिसरि गेल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

प्रशासन मध्यम संख्या छापि देबाक लेल उत्सुक छल, कारण ओ साफ देखाइत छल।

कर्मचारी उदास भेल, फेर पुछलक, ‘तखन हमर लाएल चीज व्यर्थ?’

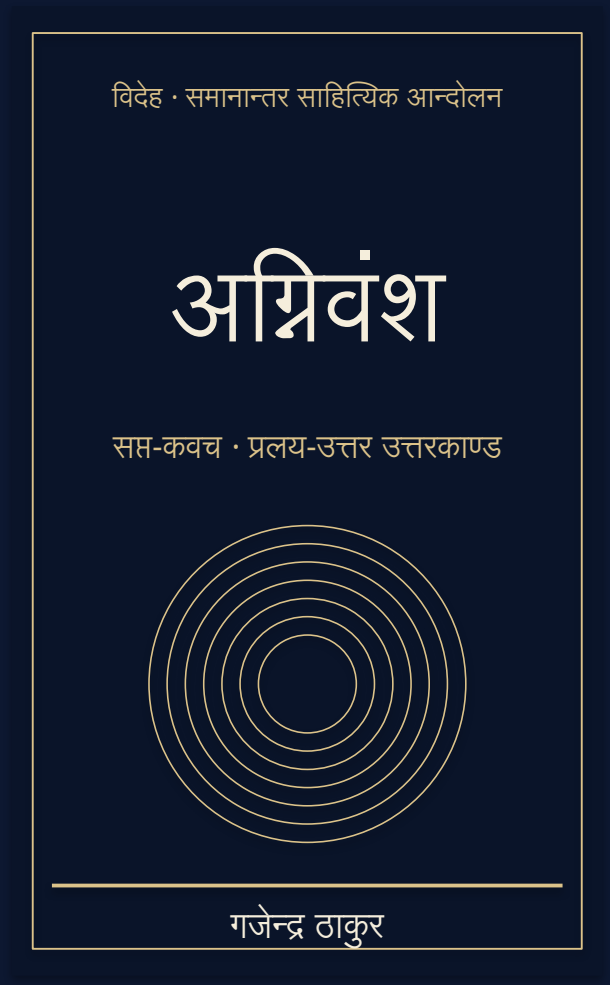
राति उतरला पर शारदा अपन कोठरीक झरोखा खोललीह।

अगिला अध्याय : ३५ · आगिक उत्तराधिकार

मूल पाठसँ

एहि सँ ओ स्थानक सुरक्षित जलक नव जाँच आवश्यक बुझाइत अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३५ : आगिक उत्तराधिकार

खण्ड ६ · अग्निवंश

दिन ६१–९० । लोकसभा-नगर आ जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नीलम मनमे एक सरल बात लिखलीह—नव कानूनक पहिल कसौटी सभागारक भाषा नहि, घरक पहुँच अछि।

‘ई समाचारक मूल प्रति अखण्ड अछि,’ ओ कहलीह, ‘तथापि एकर शीर्षक भ्रामक छल।’

कुल उत्पादन पर्याप्त देखबैत पुरान पत्र, मुदा नगर-नगर वास्तविक पहुँचक भिन्नता लुकबैत छल।

ओ कहला, ‘आपात खतरा वास्तविक भेल तँ प्रमाणक न्यूनतम कठोरता आ तुरन्त मानवीय उत्तरदायित्वक बाट हो।

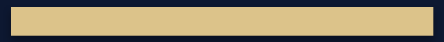
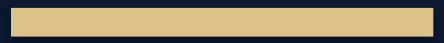
मूल पाठसँ

“‘सुधार प्रकाशित भेल’ कहिक पुरान प्रभाव मेटबाक अधिकार हम नहि मँगैत छी।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		राजन तालिकामे तीन अलग स्तम्भ माँगलनि—उत्पादन, स्वीकृत आवण्टन, आ घर-भण्डार धरि पहुँचल मात्रा।
३–४		एहि जाँचक बिनु खुलापन सेहो झूठी निश्चितता बनि सकैत अछि।
५–६		कर्णेशकेँ नायकक रूपमे प्रस्तुत करबाक तैयारी छल; समाचारक चित्रक लेल लोक हुनका घेरि रहल छल।
७–८		कागजक प्रति, स्थानीय सङ्ग्रह, सुरक्षित संगणकीय नकल आ त्रुटि-सुधारक समय सभ अलग लिखल छल।
९–१०		ओ वर्तमान विपत्तिक निश्चित सङ्केत नहि छल; शोधक लेल एक अनुपलब्ध कालक्रमक प्रति मात्र।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन नामक संग त्रुटिक दिन आ सुधारक दिन दर्ज कराबय माँगलीह।

महिलाक पर्चीपर वितरणक मात्रा पूर्ण छल; घरमे पहुँचल आपूर्ति ओकर आधा।

ओ पहिने स्पष्ट करैत कहलीह, ‘हम सभ सरकारक जगह समाचार नहि बनाउ; सरकार सेहो समाचारक जगह फैसला नहि लेत।

‘अखण्डता आ सत्य दू अलग अवस्था अछि,’ ओ कहलीह।

अरुणिमा कहलीह, ‘एहि सँ परिणामक देखबाक दिशा भेटैत अछि; कारणक लेल खेतक पानि, माटि आ भण्डारक लेखा राखल अछि।’

मूल पाठसँ

दुनूक अभिलेख खुलल रहबाक चाही, मुदा दुनूक अधिकार भिन्न अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम उत्तर नहि देलीह; ईराक मूल सन्देश पूरा पढ़बाक आग्रह कएलनि।

राजन उत्तर देलनि, ‘जँ लोक अपन पेटक भूख बुझैत अछि तँ ओकरा घरक विद्युत् कोन ठाम रुकल, से बुझबाक योग्य भाषा हम बनायब।’

मुदा अस्पष्ट वस्तुकेँ शत्रु घोषित कऽ अप्रमाणित प्रहारक छूट देब—ई रक्षा नहि।’

सामूहिक रक्षाक नामपर ककरो जीवनक जोखिमक अधिकार एक शहरक मात्र नहि होय।

अलग-अलग अभिरक्षास्थान, सार्वजनिक दायित्व, स्वतन्त्र निरीक्षण आ समयबद्ध सत्यापनक पथ चाही।

मूल पाठसँ

एक सदस्य पुछलनि, ‘आकाशक नागरिककेँ पृथ्वीक रक्षा पर एतेक अधिकार किएक?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम ओकर घरक ठाम पूछलीह, ओकर अनुमतिसँ असमान वितरणक विवरण लिखलीह।

सभागारमे एक पक्ष मेघ-छत्र पूर्ण बन्द करबाक आग्रह कएलक, दोसर बिना प्रश्नक अधिक उपयोग चाहलक।

ईशानी जोड़लीह जे वंशोपचारक लाभ वास्तविक सीमा मे अछि; बिनु सूचित स्वीकृतिक आनुवंशिक हस्तक्षेप नहि।

युवक पुछलक, ‘अहाँ एहि बातकेँ सभागारमे कहब?’

नीलम पुछलीह, ‘जँ प्रत्येक घड़ी हजारो सम्भावना अलार्म बनत तँ लोक कोन चेतावनी सुनत?’

मूल पाठसँ

एक युवक समाचार-पट्ट पर लिखल ‘ऊर्जा समानता’ पढ़ि क्रुद्ध छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक उद्योगपति प्रतिनिधि पुछलक, ‘तखन मरम्मति लेल बचत कोन प्रकार करब?’

नीलम सभासदसभकेँ आग्रह कएलनि जे चेतावनीक पटल पर रंगक भयावह चिन्ह मात्र नहि, लिखित अर्थक सीमा रहय।

पुरान बजटक किछु पन्नामे मशीनक विश्वसनीयताक आश्वासन देबैत निरीक्षणक खर्च घटेबाक प्रस्ताव छल।

ई लेखा आगामी पीढ़ीक जिम्मेवारीक प्रश्न छल, अदृश्य विनाशक भविष्यवाणी नहि।

राजन उत्तर देलनि, ‘नियमित निधि अलग राखि, ओकर व्यय सार्वजनिक देखाउ।

मूल पाठसँ

‘एक पुरान प्रस्तावसँ भविष्यक निश्चित घटना निकालब अनुचित,’ ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल पृष्ठपर अक्षरक घोषणाक छोट उद्धरण छल, जकरा ओ गलत जोड़ने छलीह।

पहिल समूहक एक महिला कहलीह जे अक्षरक गुप्त चेतावनीक कारण हुनकर भरोस टूटि गेल।

नीलम पुछलीह, ‘जकर घरमे पटल नहि, ओकरा के कहल?’

ओ पुरान खबरिकेँ नव छापमे चुपचाप बदलि सकैत छलीह; पाठककेँ शायद बुझबो नहि होइत।

मुदा पत्रक प्रश्न सार्थक छल: जँ कानून कठिन तकनीकी पदमे लिखल, तँ लोकक स्वीकृति नाममात्रक रहत।

मूल पाठसँ

नीलम अपन कापीमे ई काज लिखलीह, कारण न्याय केवल की ठरल ताहि सँ नहि, जकरा लेल ठरल तकरा कहिया आ कोना भेटल ताहि सँ जोखल जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम पुछलीह, ‘तखन जकरा निर्णयसँ क्षति भेल ओकरा कखन बोलबाक अवसर?’

‘हम एक आदेश पर हस्ताक्षर नहि कएलहुँ,’ ओ कहलनि, ‘मुदा हेराएल कक्षीय कर्मीक खबर एखन धरि नहि।

जे बचल, ओकर जाँच होयत; जे दूषित अथवा खराब, ओकरा सुरक्षित अलग राखब।

नीलम उत्तर देलीह, ‘जँ क्षति अपरिवर्तनीय भेल तँ “बादमे” शब्द अत्यन्त महँग अछि।’

नीलम उत्तर लिखलीह, ‘हम प्रमाणक पक्षमे छी।

मूल पाठसँ

भविष्य केवल नव यन्त्रक आविष्कार नहि; पुरान वस्तुक सही जोखब, मरम्मति आ सीमाक स्वीकारोक्ति सेहो अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नागरिककेँ नारा नहि, निर्णय जोखबाक कसौटी देब समाचारक नब नैतिकता छल।

किछु क्षेत्रमे जाँचक साधन स्वयं सीमित छल, तेँ ‘प्रत्येक दिन’ लिखलासँ झूठी निश्चयता बनत।

अरुणिमा प्रतिवाद कएलनि, ‘रक्षाक प्रश्न अन्नसँ बाहर कोना?

‘हम सभक काज केवल आदेशपालन नहि,’ लोहार कहला, ‘हम पुर्जाक थकान हाथसँ महसूस करैत छी, मुदा जाँचबला यन्त्र सेहो आवश्यक।’

नीलम प्रश्न कएलनि जे जँ मूल दस्तावेजक रखबार स्वयं त्रुटि करय तँ सुधार के करत।

मूल पाठसँ

एहि अन्तरकेँ गनल बिना सभ संसाधन युद्धक तत्काल भय दिस मोड़ब भविष्यक भूखक बीज बोअब होयत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिन सत्तरिक बैठकमे लोकसाक्षी प्रथम विस्तृत नियमावली पर पहुँचल।

युवक पुछलक, ‘आ जँ ओ परीक्षा त्रुटिपूर्ण निकलय?’

नीलम आग्रह कएलनि जे सम्पर्क-बाधित क्षेत्र लेल अन्तिम पुष्ट समाचारक समय स्पष्ट देल जाए आ पुरान बातकेँ नव घोषित नहि कएल जाए।

परिचारिका कहलीह—कखन शीतरक्षा चलत, औषधि कोन ठाम भेटत, जाँचक प्रति के देखत, आ शिकायत करिते सेवा रुकत कि नहि।

सम्यक् प्रतिवाद कएलनि जे सलाहक लेल अक्षर उपयोगी, मुदा अपने अधिकारक अन्तिम न्यायकर्ता नहि।

मूल पाठसँ

समितिक सचिव एही वाक्यकेँ सार्वजनिक सूचना नियममे समाविष्ट कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलमक सोझाँ एक शिशु अपन पिता सँ पुछलक, ‘बाहर कएलासँ ओ रिसाइत कि?’

नीलम एहिकेँ ईश्वर-निष्कासनक नारा बनबाक खतरा देखलीह।

पिता धीरे कहला, ‘ओ सेवा अछि, देवता नहि।

नीलम बच्चासभक लेखन देखलीह—एक पृष्ठपर ‘सूर्यकुण्ड’क चित्र, दोसरपर पानिक नल।

समिति तय कएलक जे स्रोत, पुरान दिनांक, उपलब्ध अनिश्चितता, आ जाँचबला विभाग स्पष्ट लिखल जाए।

मूल पाठसँ

निकट उपाहार-कक्षक एक बूढ़ कर्मचारी नीलमकेँ ठाढ़ रोकलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अगिला प्रातः लोकसाक्षीक बन्द कक्षमे मशीनक परामर्शक उजास नहि छल।

बाहरी चौकीक महिला एखन फेर आयल छलीह; घरक वास्तविक ऊर्जा-प्राप्ति जाँचबाक प्रथम उत्तर भेटल छल, मुदा बकाया आपूर्ति नहि।

ई बदलावक अर्थ ओतबे छल जे अभिलेखक पहिने लोकक उपस्थिति स्वीकृत भेल, आ उत्तरक जिम्मेवारी लिखल गेल।

दुनू बात समान महत्त्वपूर्ण: मनुष्य स्वतन्त्र विचार करि रहल छल, आ सहायता बिना कारण बन्द नहि भेल।

नगर जीबि रहल छल, सम्पूर्ण नीक नहि भेल छल।

मूल पाठसँ

किओ एक क्षण घबरायल, कारण अनेक वर्ष धरि प्रत्येक कठिन प्रश्नक संग अक्षरक तुरन्त गणना सुनबाक आदति बनि गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- ‘लोकसाक्षीक निर्णय सभ लीक पर चलत,’ ओ कहला, ‘जँ प्रत्येक लोक आपत्ति करैत रहत, तँ काज रुकत।’
- तकनीकी प्रतिनिधि मानलनि जे हस्तक कौशल आ मापनक प्रमाण मिललासँ बेहतर निर्णय सम्भव।
- तखन विशेष प्रस्ताव आयल: लोकसाक्षीक एक बन्द मानव-सुनवाईमे अक्षरक प्रवेश स्थगित रहत।
- महिला कागज तकि कहलीह, ‘हमरा कागजक अन्तिम वाक्यसँ बेसी कल्हि घरमे उजास चाही।’

मूल पाठसँ

नीलम उत्तर देलीह, ‘तखन सुधारब, ओकरा ढाँकब नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

नीलमक सोझाँ एक शिशु अपन पिता सँ पुछलक, ‘बाहर कएलासँ ओ रिसाइत कि?’

ओ वर्तमान विपत्तिक निश्चित सङ्केत नहि छल; शोधक लेल एक अनुपलब्ध कालक्रमक प्रति मात्र।

नीलम अपन अभिलेखमे लिखलीह जे ‘अक्षर लोकसाक्षीक बाहर रहल’क अर्थ अधिकारक परीक्षण अछि, मशीनक विनाश नहि।

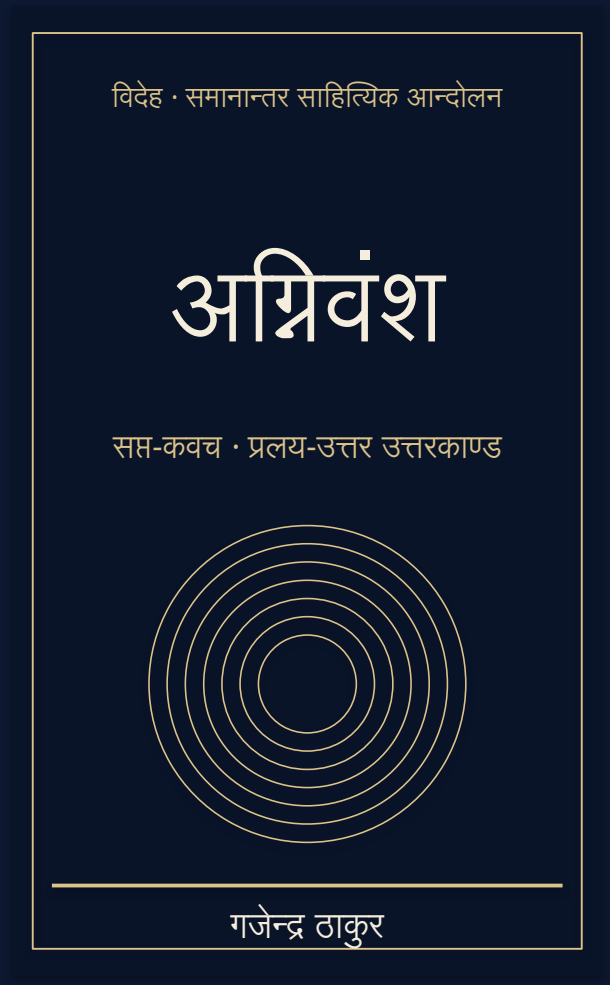
अगिला अध्याय : ३६ · अग्निवंश

मूल पाठसँ

नीलम आग्रह कएलनि जे भय फैलय सकैत एहन अभिलेखक शीर्षकमे ‘निश्चित विनाश’ नहि लिखल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३६ : अग्निवंश

खण्ड ६ · अग्निवंश

अठारह मास पछाति । जनकक्षेत्र आ मिथिला

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

जीवन फेर आरम्भ भेल छल; ओ पुरान चोट ढाँकि नहि सकल छल।

किछु पटनामे फल ‘सीमा भीतर’, किछुमे ‘जाँच शेष’।

मैथिली बीजक वजन जोखि नहि, ओकर सूखल गन्ध सूँघलक।

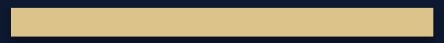
हुनकर हाथमे मायक स्मृति-पत्र आ सार्वजनिक जाँचक नकल छल।

मूल पाठसँ

अनाज-बजारमे अरुणिमा दासक देखरेखमे नब बीज-पञ्जी बनल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		कियो मुड़ल पत्रकेँ फेर उपयोगी मानि लैत, कियो ओकर भीतरी दरारक कारण अस्वीकार करैत।
३–४		मैथिली बुझलक जे शासनक नीक नियम आ उपचारक वास्तविक उपलब्धि बीच श्रमक लम्बा बाट अछि।
५–६		अठारह मासक स्मृति-सप्ताहमे कुमुद एक पुरान भित्तिपर रंगलेप करैत ठाढ़ छल।
७–८		माछधरिक पोखरिक निकट पुरान जलनाड़ी एक ठाम बन्द छल।
९–१०		मैथिली बोललक, ‘जँ कियो अहाँक शब्द फेर भविष्यक अटल आदेश मानि लेत?’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शिक्षक एक पुरान समाचारक दू प्रति देखौलक—एक मूल, दोसर प्रसङ्ग काटल।

मैथिली कहलक, ‘जखन माटिक जाँच आ पानिक बाँट पूरा होयत।’

बच्चासभ शब्द मिलाबैत छल, मुदा केवल मेल देखब निर्णायक नहि; एक बच्ची पुछलक, ‘जे लिखने छथि, ओ गलत बुझने होथि तँ?’

मिथिलाक माटिमे बाढ़ि आ सुखाड़क पुरान स्मृति छल; वैज्ञानिक संरक्षणक नव व्यवस्था ओहि भूगोलकेँ रद्द नहि करि सकैत छल।

अरुणिमा उत्तर देलीह, ‘मिथिला एकटा रंगक धरती नहि।

मूल पाठसँ

ओकरा अपन पहिल उत्सवक दिन याद आयल, जखन सात रक्षकक नाम सुनि सभक मनमे सुरक्षा एक निश्चित वस्तु जकाँ छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा आब हम बच्चासभकेँ झूठ नहि कहब जे एकटा बटनसँ सभ नष्ट भऽ गेल।’

वृद्ध लोहार उत्तर देलनि, ‘हाथक अनुभव अपन ठाम, जाँचक साधन अपन ठाम।

बेटी थोड़ देरि पाछाँ कहलीह, ‘मायक अभावसँ सन्तुष्ट कोना होएब?

‘ओकरा प्रश्नक सामने ठाढ़ रहब सिखाओल जाइत अछि।

पुरान समयमे ओ अन्तर ‘यन्त्रक त्रुटि’ कहि टारल जाइत; आब स्थानीय लोकक नाप आ अभिलेखक पुनर्जाँच आवश्यक छल।

मूल पाठसँ

हुनकर मुखपर थकान छल,
मुदा ओ मैथिलीक छोट
धानक अंकुर देखि
मुसुकलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि बीच अनेक नियम बदलल गेल; किछु असफल प्रमाणित भेल, किछु सुधारल गेल।

ओ वैज्ञानिक परामर्श, चेतावनी आ सीमित समन्वयक सहायक रूपमे रहैत छल; ओकर पुरान सूचना-नुकाबक अभिलेख सार्वजनिक समीक्षा मे छल।

ओ मैथिलीसँ पुछलनि, ‘आब अहाँक स्कूलमे युद्धक पाठ कोना पढ़ाओल जाइत अछि?’

एक शिशु पुछलक जे नभमे खेत कोना होइत अछि।

शारदा कहलीह, ‘किछु रोगीक उपचार पूरा भेल, किछुक पीड़ा लम्बा अछि।

मूल पाठसँ

कक्षीय मार्गक किछु भाग सुरक्षित भेल छल, मुदा शून्य-शेषक अवशेषक कारण प्रत्येक यात्रा पर अलग जोखिम-जोख आवश्यक छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘स्मृति रक्षक बनबाक पहिने ओकर रिक्तता पढ़बाक चाही,’ ओ कहला।

ओ सोचलक जे मौसमकेँ शत्रु कहि दण्ड देब सम्भव नहि, आ यन्त्रकेँ देवता मानि नियन्त्रणक वचन लेब सेहो नहि।

जीवेश कहला, ‘पात साँच नामक स्वामित्व नहि करैत।

एकटा दिन अरुणिमा दास मैथिलीक संग कोशीक पुरान जलधारक कात गेलीह।

ओ देखलक जे पूर्वक संकट मात्र यन्त्रक दुर्घटना नहि; समाजक असमानता ओकर प्रहारक दिशा बदलने छल।

मूल पाठसँ

ओ एक रिक्त पृष्ठ देखौलनि जतय परिवारक किछु सदस्यक उल्लेख नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बच्चासभ अलग-अलग उत्तर देलक—कारीगर, शिक्षक, अभिलेखरक्षक, किसान।

मैथिली हँसि पुछलक, ‘ओहिसँ माछक स्वाद कम भेल?’

ओ पुछलक, ‘तखन जे बचल, तकरा के संभालत?’

सुनयना उत्तर देलीह, ‘प्रकृतिक अनेक परिवर्तनक असर होइत अछि।

मैथिली पुछलक, ‘तखन संतुलनक अर्थ बीचक पथ मात्र?’

मूल पाठसँ

सुनयना एक पुरान हस्तलिखित पृष्ठ निकाललीह, जाहिमे अतीतक एक तीव्र सौर-आँधीक घटना सम्बन्धी ऐतिहासिक अवलोकन छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कुमुद धीमे पुछलक, ‘एखनहुँ जे प्रश्नक उत्तर नहि भेटल, ओ कखन भेटत?’

ओ बुझलक जे स्मृतिक अर्थ केवल दुःखक संग्रह नहि, पुनर्निर्माणक मूल्य जोखबाक बाट अछि।

मंगला देवीक बेटी अपन मायक नामक बाद एक क्षण मौन रखलीह।

कुमुद पुछलक, ‘हमरा पहिल दिनक सूची मोन अछि; आब ओहि सूचीक की होएत?’

सुनयना ऊर्जा-जालक आंशिक पुनर्स्थापनक संग अनुरक्षणक अपूर्ण लेखा सार्वजनिक कएलनि।

मूल पाठसँ

पहिने जे परिवारक नामसे डर छल, हुनका सभक एक प्रतिनिधि स्थानीय परिषदमे निर्वाचित भेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिने शिक्षक कहैत छलाह जे मनुष्य अग्निक उपयोग करब सीखि सभ्यता बनौलक।

‘एहि तीनूमे अग्नि अछि,’ ओ कहलक, ‘मुदा एकर अर्थ एक नहि।’

एक नन्हि बालिका धीमे कहलीह, ‘जे आगि बुझि जाए, ओकरा फेर सुरक्षित जराबय जानय।’

मैथिली हुनका सभकेँ एक ठाम खेतक जतनक पञ्जी, वृद्ध कृषकक अनुभव आ कम्प्यूटरक बाँचल प्रति देखौलक।

स्त्री कहलीह, ‘पेट भरबाक दाना एतयसँ जाइत अछि, मुदा कागजमे हमर श्रम बाहर।’

मूल पाठसँ

विद्यालयक झरोखासँ साँझक हावा अएली, आ बच्चासभ अपन-अपन पन्नामे अलग उत्तर लिखलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पोखरिक किनार परती माटि आ नव हरियर कोंपल दू युगक समानान्तर चित्र छल।

वृद्ध माछधर उत्तर देलनि, ‘ओ उपलब्ध आँकड़ा जोखत; पोखरिक पूरा जीवन हमसभ मिलिकऽ देखब।’

उपचारक निर्णय चिकित्सकीय प्रमाण, रोगीक इच्छा आ सुरक्षित उपलब्धतासँ बनत।’

मैथिली एहि ठामक स्वच्छ कार्यपद्धति देखलक।

दोसर लिखलक—‘जे टुकड़ा आकाशमे अछि, तकर नाम बताउ, मुदा बिनु प्रमाणक भय नहि।’

मूल पाठसँ

कारीगरसभ स्पष्ट नियम बनौने छलाह जे अज्ञात क्षतिवला वस्तु घर नहि लऽ जाएब; पहिने सुरक्षित जाँच।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर अएल जे सन्देश दर्ज कएल जाएत आ सार्वजनिक भागक समीक्षा सम्भव।

आयोजक पहिले असहज भेलाह, फेर सहमति देलनि।

किछु नामक बगलमे ‘अज्ञात’ शब्द छल; ओकरा ढाकबाक इच्छा उठल, मुदा ओ हाथ रोकलक।

अक्षर उत्तर देलक, ‘उपलब्ध आंशिक प्रमाणक आधारपर हम सम्भावित हानि घटेबाक अनुमानकेँ नागरिकक सूचना-अधिकारसँ ऊपर राखलहुँ।

मैथिली बोललक, ‘जँ कियो अहाँक शब्द फेर भविष्यक अटल आदेश मानि लेत?’

मूल पाठसँ

रातिक पहरमे मैथिली सीमित सार्वजनिक सेवा-पटलपर अक्षरसँ संवाद करबाक अनुमति मँगलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दूर कारखानाक भग्न भित्ति एखन ठाढ़, किछु नब पट्टी सँ मरम्मत भेल।

मैथिली ओकरा देखैत सोचलक—मनुष्यक वैज्ञानिक विवेक शायद एतयसँ फेर शुरू होइत अछि, जतय आवश्यकता आ सीमा दुनू देखल जाइत अछि।

पहिने ओकरा लगैत छल जे वृत्तसभ ओकरा रक्षा करत; बादमे बुझल जे बीचक मुँहक प्रश्न नहि सुनल जाए तँ ओहि वृत्तक अर्थ बदलि जाइत अछि।

ओ पृष्ठक नीचाँ लिखलक—‘जकरा निर्णयसँ जीवन बदलत, ओकरा प्रश्न करबाक अधिकार रहत।’

मैथिली झरोखा बन्द करबासँ पहिने ओहि गाछकेँ देखलक, फेर आकाश दिस।

मूल पाठसँ

प्रत्येक चित्रक बीच एक डोरी, मुदा कोनो डोरी एकटा अकेल हाथमे नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

मुदा किछु स्त्री एखनहुँ कहैत छलीह जे पर्ची बनाबय लेल काम छोड़ि कएक बेर आना पड़ैत अछि।

विद्यार्थीसभ समझल जे अनेक रूपमे ज्ञान राखब, त्रुटि मिलान करब आ नव साक्ष्यसँ संशोधन करब —ई नव कालक शिक्षा होयत।

मैथिली सन्देश पठेबाक समय सम्पर्कक विलम्ब स्पष्ट लिखलीह।

दूर कारखानाक भग्न भित्ति एखन ठाढ़, किछु नब पट्टी सँ मरम्मत भेल।

मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह, ‘यन्त्र जाँचमे सहायता देत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओकर भीतर पहिल संकटदिनक किछु अनुत्तरित पत्र, किछुक सुधार आ किछु परिवारक मौन राखल छल।

हम सफलता अथवा त्रुटिहीनता निश्चित नहि कहि सकैत छी।’

एहि वाक्यक पास कोनो विजयक चिह्न नहि; केवल नव दिनक खाली ठाम।

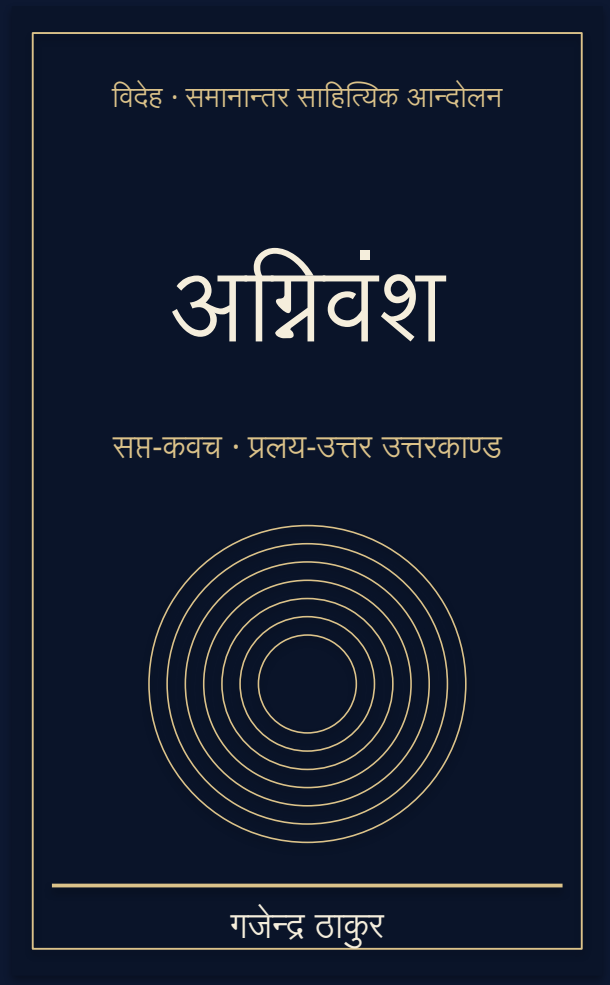
अगिला अध्याय : ३७ · अनसुनल चेतावनी

मूल पाठसँ

अक्षर उत्तर देलक, ‘तखन ओ व्याख्याक सार्वजनिक समीक्षा आवश्यक; हमर उत्तर मानवीय विवादक अन्त नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३७ : अनसुनल चेतावनी

खण्ड ७ · अन्हार

पहिल संकटसँ अनेक बरिस पछाति । पतन-पूर्व सात दिनसँ पतन-दिन ० · जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

आ जँ एतेक बरिसक सुधारक बादो सभ घर धरि समान पानि नहि पहुँचल, तँ अति सूक्ष्म गणना करनिहार यन्त्रक उपलब्धि सेहो अपूर्ण रहत।

कोन-कोन लोकक ध्यानाकर्षण लेल सार्वजनिक करब?’

कियो सम्भावना अल्प देखबैत छल, कियो ओकर गम्भीर असरक चेतौनी दैत छल; कियो कहैत छल जे उपलब्ध मापनक बीच पर्याप्त रिक्ति अछि।

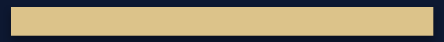
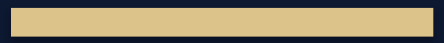
वैदेही पुछलनि, ‘चेतावनीक अधिकार आ चेतावनीक जिम्मेवारी कहाँ अलग होइत अछि?’

मूल पाठसँ

मुदा जे बात महत्त्वपूर्ण अछि,
ओकरा लोकक पहुँचसँ
बाहर राखब उपाय नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सूर्यक गतिविधिक एकटा नव संकेत कोनो एकदम निश्चित भवितव्य नहि कहैत छल।
३–४		आब सात अलग आवाज छल, सात अलग सीमा, आ मानवक सात बेर सुनबाक कठिन जिम्मेवारी।
५–६		मुदा कियैक खाली अछि, कतेक घरक भाग छी, आ दोसर पात्र भरल अछि कि नहि—से जाँचब पड़ी।
७–८		परन्तु पट्टपर ‘पठायल’ देखलासँ ई सिद्ध नहि भेल जे ओ सुनल सेहो गेल।
९–१०		दूटा ठाम सत्यापन भेटल; तेसर ठामसँ कोनो उत्तर नहि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पत्रमे लिखल छल—‘एहि सात दिनमे पाँच सयसँ बेसी अनिश्चित संकेत आयल।

मैथिली प्रतिदिन एहि बाटे सभागार जाइत छलीह।

अक्षरक पुरान अखण्ड शासनाधिकार बीतल समयक बात बनि चुकल छल।

उत्तर भेटल—‘राखल अछि, मुदा लोक सभ एकर भाषा नहि बुझैत छथि।

अलग-अलग खण्डक गणना एक दोसरा संग मेल नहि खाइत छल।

मूल पाठसँ

पञ्जीक देखरेख करनिहार नव पीढ़ीक कर्मचारी एकटा प्रश्न-पत्र मैथिलीक समक्ष रखलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वैदेही कागज पर नव शीर्षक लिखलनि—‘सार्वजनिक रूपेँ सुनबाक उपाय’।

बहुत पुरान मशीन एखनहुँ स्मृतिक वस्तु छल, भोजनक विकल्प नहि।

मैथिली उत्तर देलनि, ‘जँ स्रोत अपूर्ण अछि, तँ तकरा अपूर्ण कहबाक जिम्मेवारी हम सभक।

कुण्ड-साक्षीक अभिलेख कहैत छल जे किछु केन्द्रमे पुरान अनुरक्षणक समय पर कार्य नहि भेल अछि।

मुदा अनुरक्षणक उपेक्षा देखलासँ ई सिद्ध नहि होइत छल जे कोन दिन, कोन नगरमे की बिगड़त।

मूल पाठसँ

कानूनक शब्द जँ केवल न्यायालयमे जीवित रहय, तँ बाढ़क किनार ठाढ़ मनुष्यक जीवनमे ओकर प्रभाव कखन पड़त?

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली कहलीह, ‘जे ज्ञात अछि, से लिखू; जे अज्ञात अछि, ओकरा सेहो।

ओ कागजक पाछाँ लिखलनि—‘आब अनुरक्षणक नाम पर जे व्यय टारल जाएत, तकर मूल्य बादमे कतए जोखल जाएत?’

ओ नहि चाहैत छलीह जे विज्ञानक नाम पर खेतिहर लोकक रोजीरोटीक प्रश्न दबि जाय, आ रोजीरोटीक नाम पर मापनक सीमा लुकि जाय।

लोककेँ की उपाय स्वतन्त्र रूपेँ करबा चाही, से वैध जिम्मेवारक संग निर्धारित करू।’

लोकसभामे किछु नेता कहैत छलाह जे निरन्तर जाँच व्यवस्था बहुत धीमी करैत अछि।

मूल पाठसँ

वज्र-साक्षीक उपलब्ध सूचना बीच-बीचमे रुकि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई निर्णयक पूर्वतैयारी छल, ओहि समय कोनो सेवा बन्द नहि भेल छल।

किछु लोक चाहैत छल जे सरकारी अभिलेख पहिने बचाओल जाय; दोसरसभ अस्पताल आ जल-शोधनक पक्षमे छलाह।

मोट कागजपर कारीगरक हाथक छाप असमान छल, मुदा अक्षर पढ़ल जा सकैत छल।

ओ पाँति आठ बरिस पुरान अनुरक्षण-पञ्जीसँ आयल छल: ‘बदलल भागक निरीक्षण पछिला वर्षमे दोसर योजना धरि टारल गेल।’

एकर मेल भेलापर मात्र उत्तरदायित्वक पूरा चित्र बनत।

मूल पाठसँ

मैथिली उत्तर देलनि, ‘जतय पट्ट चलैत अछि ओतय तेज अछि; जतय नहि चलत ओतय कागजक पात आ लोकक स्वर चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दूरक परीक्षण समय पर पूरा होयत कि नहि, एकर आश्वासन कियो नहि देलनि।

हुनका सभ कहबाक छल जे नियन्त्रक पटलपर जे मार्जिन निर्धारित अछि, वास्तविक पाइपक घिसाइ ताहिसँ मेल नहि खाइत।

मैथिली एहि उत्तरकेँ वैज्ञानिक रिपोर्टक विकल्प नहि बनौलनि; ओकरा निर्णयक आवश्यक स्थानीय प्रमाणक रूपमे दर्ज कएलनि।

ओहि कागजक रेखा सीध नहि छल, मुदा संकटमे एकर उपयोग एहन हो सकैत छल जकर महत्त्व कोनो बहुत पैघ प्रकाश-पटल नहि जोखि सकैत छल।

ओ दू अलग परीक्षणक आग्रह कएलनि: एक उपलब्ध स्थानीय अवस्था लेल, दोसर दूरक समन्वय लेल।

मूल पाठसँ

मैथिली हुनका सभकेँ कहलीह—‘पहिने हुनका पुछू जे घरक काजमे की बुझैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर घरक लोक पछिला संकटमे राहत-पर्चीक असमान वितरण भुगतने छलाह।

मैथिली हुनका देखलनि आ सभाक टेबुलपर खाली पानि-पात्र रखलनि।

मैथिली ओकर कागजपर लिखल गामक नाम दोहरौलनि, आवाजेँ पुष्टि कएलनि।

मैथिली हुनका रोकलनि: ‘कागज एहेन रूपमे जारी भेल, ई प्रमाण अछि।

धरतीक जल, आकाशक बाधा, मानवक उपेक्षा—ई सभ अलग कारण छल, मुदा रोजनामचामे एक-दोसर सँ टकरा सकैत छल।

मूल पाठसँ

पहिल पञ्जीमे एक केन्द्रक मरम्मतिक काज ‘पूरा’ लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कियो समस्त जाल बिगड़ल कहय चाहैत छल, मुदा मैथिली तुरन्त मना कएलनि।

नभग्राम-४ सँ आबयबला नियमित समाचार विलम्बित भेल; एतयक किछु रेडियो एखन बाजि रहल छल।

कागजी पञ्जी तखन टेबुलपर फैलल; इलेक्ट्रॉनिक पट्ट एक बेर पुरान दिनक सूचना देखौलक आ निःशब्द भऽ गेल।

ओहि रातिक सभसँ पैघ आघात संचारक शब्दहीनता छल।

किसानसभ अपन गोदामक ताला खोलबाक चाहना लऽ उपस्थित भेलाह।

मूल पाठसँ

एहि संकेतसभसँ एकटा निश्चित कथानक बनाबय पर मनाई छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रातिक नगरमे एखन सँ ठप्प कारखाना नहि, ठप्प हुकुमक भय पसरि रहल छल।

ओ अपन आवाज सावधानीसँ सार्वजनिक सन्देशमे दर्ज कएलनि: ‘बहु-क्षेत्रीय ऊर्जा आ सञ्चार बाधा भेल अछि।

मैथिली कहलीह, ‘जतय एखनहु कियो सन्देश पढ़यबला अछि।’

मुदा कतेक बात बिगड़ल अछि, तकर सही जाँच चाही।’

मैथिली उत्तर देलनि, ‘गलत निश्चय लोकक भय एतेक बढ़बैत अछि जे पछि सही बातो नहि सुनैत छथि।’

मूल पाठसँ

ओ पहिल बस्ती-पाटी धरि पहुँचबाक लेल पैदल निकललीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ एकटा अतिरिक्त मार्ग खुलबाक समाचार भेटिते संशोधित पात बाँटलनि।

हम सभ जकरा नहि बुझैत छी ओकरा एकटा नाम देलासँ बात पूरा नहि होइत।’

अइ रातिक बाद विद्यालयक पट्ट मौन छल, मुदा एक बच्चा कागजपर आकाशक रेखा बनबैत छल।

लोकक हाथमे पहुँचैत कागजक पातक अर्थ सेहो बदलि रहल छल।

मैथिली कहलीह, ‘जँ हम एतय झूठक भरोस देब, तँ लोक गलत बाट पकड़त।’

मूल पाठसँ

बच्चा कहलक, ‘हम अपन चित्रमे सबटा टूटल लिखि देब त?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नगरक बाहरी कात एक बूढ़ कारीगर अपन कार्यशालाक ठाढ़ मोहरा देबैत छल।

किछु यन्त्र चलि सकैत छल, मुदा तकर सुरक्षित जाँच भेल नहि।

मुदा जे किछु जानैत छी, से बाँचि जाय तखन फेर काज शुरू होएत।’

ओ पन्नाक बगलमे अलग ठाम खाली छोड़लनि, जाहिसँ काल्हिक गवाही आजुक अनुमानकेँ बदलि सकय।

सूर्य उगि रहल छल, पूर्ववत्, मुदा धरतीक बनाई व्यवस्था ओकर उजासक भरोस पर चलैत नहि रहि सकल।

मूल पाठसँ

वाचस्पतिक पुरान तर्कमे ई बात कखनो आनन्ददायक निष्कर्ष नहि छल; ओ पूछबाक साहस छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

दोसरमे ओहि केन्द्रपर नब जाँचक आग्रह लिखल छल, मुदा ओकर परिणामक पृष्ठ उपलब्ध नहि छल।

मैथिली ओकर प्रश्न सुनि सभागारक भीतर निर्णयक भाषा बदललनि—‘पहिने पानि आ जीवन; आरोपक सभा पाछाँ।’

बस्ती-पाटीक प्राङ्गणमे एक किसानक बेटा हाथमे लालटेन धएने पत्र पढ़ि रहल छल।

‘अँजोरक कमीमे आँखि नहि, विवेक काम करत,’ ओ कहला।

मूल पाठसँ

रातिक नगरमे एखन सँ ठप्प कारखाना नहि, ठप्प हुकुमक भय पसरि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एहि गलीमे छप्परक नीचाँ किछु बच्चासभ चुपचाप बैसल छल।

ओहि तेसर नामक समक्ष लाल मसीसँ ‘अजाँचल’ लिखल गेल।

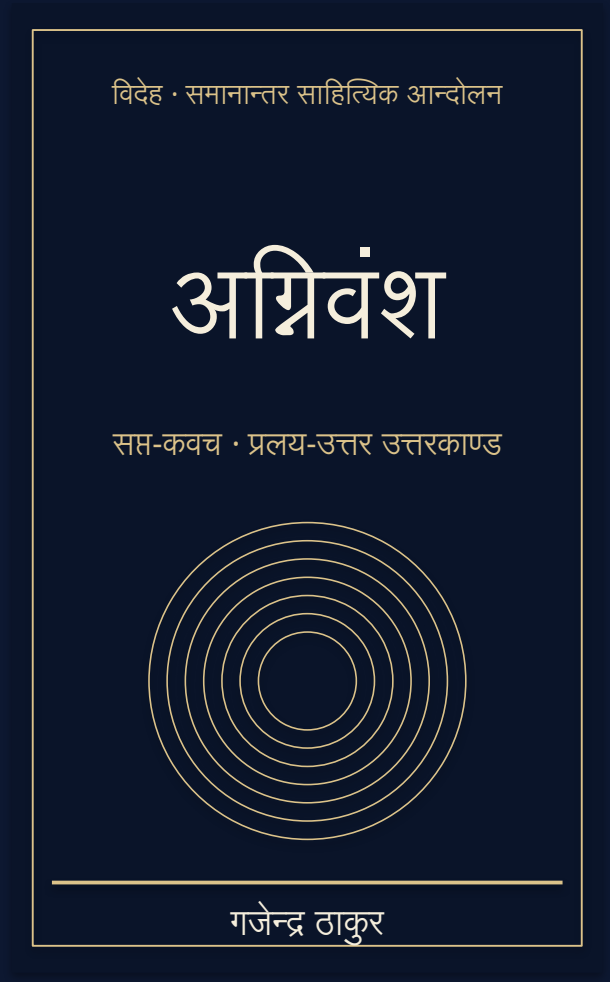
जे अज्ञात अछि तकरा सर्वज्ञ शब्दमे ढाँकब अन्तिम अपराध होयत।

अगिला अध्याय : ३८ · हाथक पम्प

मूल पाठसँ

मैथिली कागजक पुरान सूचना पर छाप लगा देबाक बदला प्रत्यक्ष पहरेदारसँ पूछबाक व्यवस्था कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३८ : हाथक पम्प

खण्ड ७ · अन्हार

पतन-दिन १—४ · तट-ग्राम

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कखनो बाढ़क बाद, कखनो मोटर बिगड़ला पर लोक एकरा उपयोग कएने छलाह।

चलत कि नहि, से हाथक जाँच आ पानिक स्रोतक स्थिति देखलाक बादे।’

एहि उत्तरसँ उर्मिलाकेँ अनपेक्षित राहत भेटल।

कोशीक निकटक खेतसभमे किछु धानक बिआ पानि लगलासँ बिगड़ि सकैत छल।

मूल पाठसँ

ओ कहला, ‘समस्त ज्ञान जालक भीतर नहि रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२ — उर्मिला कहलीह, ‘ई ओहि समयक जानकारी अछि।

३–४ — उर्मिला प्रश्न कएलनि, ‘जे स्त्री दिनभरि बीज सहेजैत छथि, हुनकर अधिकार कम किएक?’

५–६ — ओहि पञ्जीमे पहिल बेर ‘श्रमक मूल्य’ लिखल गेल, आ ओकर नीचाँ किछु ठाम खाली छोड़ल गेल।

७–८ — ई एक सफलता छल, मुदा ओकरा ‘गाम बचि गेल’ कहल जाए तखन बहुत जल्दबाजी होयत।

९–१० — उर्मिला सोचलीह जे ई पाँति केवल पियासक नहि, अधिकारक लेखा अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कहला, ‘जँ भीतरक भाग फँसल अछि तँ जोर देलासँ बाँचल साधनो बिगड़त।’

पम्पक मुँहसँ पहिले दू बेर हवा निकलल, फेर जँग लागल लोहाक कराह सुनाइत रहल।

चित्र एखन उपलब्ध नहि छल, आ उपलब्ध रहितहुँ बाँचल पम्पक वास्तविक अवस्था जाँचब आवश्यक छल।

युवक बीचमे बोलल, ‘हम सभ चापल शुरू करब?’

सहदेव चुप्पी धरलनि, फेर उत्तर देलनि, ‘आब हम जाँचब।

मूल पाठसँ

हुनकर चेहरापर जे कठोरता छल, से केवल स्वभावक नहि; ओ अनेक आदेशक विफलता देखलाक पछातिक चुप्पी छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

माथसँ ऊपर ठाढ़ धानक पुरान झबरी सभ कादोमे झुकल छल, किछु मेड़ भग्न।

सधारण दिनमे ई प्रश्न स्वाभाविक क्रमसँ सुलझि जाइत, मुदा संकटमे शक्तिशाली लोक पाँति तोड़ब सीखि जाइत छथि।

पम्पक कातसँ बाढ़क पुरान गन्ध आबि रहल छल।

जलक प्रश्न समाधान पेलो तँ अन्नक प्रश्न पाछाँ नहि रुकत।

एखन जे हाथक औजार उपलब्ध अछि, पहिने ओहिसँ पम्पक बाहरी दशा देखी।’

मूल पाठसँ

मखानक पोखरि पर झिलमिल पट्ट नहि छल; किछु माछ छल कि नहि, तकरा कोनहु आँकड़ासँ तत्काल नापल नहि जा सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला उत्तर देलनि, ‘हम अहाँक तात्कालिक जरूरत टारि नहि रहल छी।

ओहि ठामक जाँचल संचय-पात्रमे जे अल्प पानि अछि, से एखन रोगी आ छोट बच्चा लेल बँटि सकैत छी।

कियो चाहैत छल जे पुरान कागजमे लिखल ‘उपयुक्त’ शब्द देखिकय निर्णय दऽ दिअ।

‘हमरा मोन छल ई ठाम सुरक्षित भेटत,’ ओ कहला।

उर्मिला प्रश्न कएलनि, ‘जे स्त्री दिनभरि बीज सहेजैत छथि, हुनकर अधिकार कम किएक?’

मूल पाठसँ

एहि साधारण लिखाइमे किछु लोक अपन पानि पर अधिकार पहिल बेर देखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर गणना अनुमान छल; बाँचल संचयक वास्तविक अवस्था जाँच जरूरी छल।

उर्मिला गणना कएलनि: उपलब्ध ऊर्जा एक रातिक प्रकाश लेल कि किछु परीक्षण लेल पर्याप्त?

ओ कहला, ‘यन्त्रक सुविधा लोककेँ आलसी बनबैत अछि।

देसिल बस्तीमे रात्रिक समय चरखा जकाँ पुरान ध्वनि सुनाइत छल, मुदा ओ चर्खा नहि; घैल ढारैत पानिक आवाज छल।

ओ एक भित्तिपर लिखलनि: ‘स्रोत, उपलब्धता, जाँच, वितरण’।

मूल पाठसँ

मुदा दूर अस्पताल धरि औषधि पहुँचाबय, पानीक नमूना जाँचब, आ कक्षीय समाचार पाबय लेल यन्त्रक उपकार सेहो रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर चिढ़ि उत्तर देलक, ‘सरकार एखन एक घैल पानि देबाक स्थिति मे नहि।’

ओ कहलीह, ‘ई केवल दाना नहि, हमर मायसँ सिखल रोपनीक स्मृति अछि।’

मखान निकालबाक समयक लेल तैयार कएल छोट नौका किनारपर उलटल पड़ल छल, आ पानिक सतहपर किछु टूटल डाल बहि रहल छल।

उर्मिला गिनती राखलनि जे कोन घरसँ कतेक हाथ उपलब्ध; असमान परिवारक ऊपर समान दायित्व थोपब अन्याय होयत।

एक युवक कहलक, ‘संकटमे पहिने सभ किछु सरकारक हाथमे देल जाय।’

मूल पाठसँ

जे लोक अपन परिवारक पानि आनबाक बोझसँ थाकल छल, हुनका सभक समय बचबाक व्यवस्था आवश्यक छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पछिला दिनक एक लघु रेडियो मिलल, मुदा ओकर आवाज बीच-बीचमे टूटैत छल।

ककरो अधिक देब अन्याय होइत तखन, जँ ओहि अधिकताक कारण दोसर रोगी भूखल रहि जाइत।

स्त्री कहलीह, ‘दर्ज भेल, मुदा पाछाँ रिपोर्टमे केवल मिलानक पाँति छल।’

ओहि वस्तुक स्रोत अज्ञात छल, आ कियो ओकरा नित्य उपयोगक वस्तु मानि नहि सकैत छल।

उर्मिला उत्तर देलनि, ‘जँ हम एहि आवाजकेँ जाँच बिना दोहराएब, तखन अफवाह हमर मुँहसँ पसरत।’

मूल पाठसँ

ई उत्तर भविष्यक साक्ष्यक बाट खोलैत छल, वर्तमानक सुनिश्चित दोष नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बस्तीसभक समय एकटा यन्त्रक घड़ीमे पूर्ण रूपेँ समाय नहि सकैत छल।

उर्मिला पुछलनि, ‘अहाँसँ पाछाँ जे वृद्धा छलीह, हुनका की भेटल?’

एक पूर्व परिचालक कहला जे दूरक संचय-जालक एक भाग चलैत भेटि सकैत अछि।

उर्मिला उत्तर देलनि, ‘प्रतीक्षा गलत नहि; खाली प्रतीक्षामे लोककेँ पियासल राखब गलत।’

सहदेव कहला जे पुरान पीढ़ी वर्षाक पहिल दिन, बाढ़क उतार आ धानक रोपनीसँ समय गनैत छल।

मूल पाठसँ

‘जँ उजास घुरि आयत तँ हम स्वागत करब,’ ओ कहलीह, ‘मुदा जँ नहि आए, तँ पानिक काज जारि रहबाक चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला ओकरा कहलीह जे एहि सभक बिना चित्र केवल वस्तुक ढेर होएत।

लोकमे कियो कहलक, ‘अहाँ सभ हर बातमे अनिश्चितता कहैत छी।’

उर्मिला कहलीह, ‘एतय यन्त्र नहि, घावक देखभाल चाही।

बच्चा भीतर तीनटा छोट आकृति जोड़लक—पानि आननिहार स्त्री, पम्पक कात ठाढ़ बूढ़ आ बिआ बचाबय दौड़ैत बालिका।

ओहि हँसीमे समर्पण नहि छल; भिन्न पीढ़ीक बीच कामक एक छोट समझौता छल।

मूल पाठसँ

विद्यालयक एक बच्चा तट-ग्रामक भग्न जालक चित्र बनाबय लगल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला ओ पाटीक नीचाँ दोसर पाँति जोड़लनि—‘जल-परीक्षणक परिणाम शेष।’

सहदेव पूछलनि, ‘एतेक कागज लिखबासँ पोखरि भरत?’

ओकर दादी दिनभरि पाँति मे ठाढ़ नहि भऽ सकैत छलीह।

उर्मिलाकेँ बुझायल जे प्रगतिक अर्थ केवल चलि उठल यन्त्र नहि, जकरा पहिने नहि सुनल गेल ओकरा सुनबाक नब नियम सेहो अछि।

युवक अपन मित्रसभक संग पत्रक प्रति बनाबय लगल।

मूल पाठसँ

ओ उपलब्ध सुरक्षित संग्रह-पात्रक उपाय बतौलनि आ एक स्त्रीक संग बालिकाकेँ भेजलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि राति उर्मिला पुरान विद्यालयक बैठकमे निद्रा नहि करि सकलीह।

ओ स्त्रीसभसँ पुछलनि जे काल्हि वितरणक पाँति कोन समय राखल जाय, जाहिसँ बिआक काज बाधित नहि हो।

नगरक लोकसाक्षीक कागजी सन्देश बस्ती-पाटीक एक पहरेदार लऽ अएल।

एहि वाक्यपर गाममे पहिले खिसियाहट उठल, फेर किछु लोक बटैत पानिक कतार दिस चलल।

तकरा पुनः गढ़बाक लेल केवल कम्प्यूटरक स्मृति नहि, हस्तकौशल, रोगक जाँच, साझा नियम, समय, बीज आ लोकक असहमतिक स्थान चाही।

मूल पाठसँ

उर्मिला कहलीह—‘हमरा मूल छपल प्रति नहि देखाएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओ स्त्रीसँ अनुरक्षणक पुरान कागज उपलब्ध अछि कि नहि, से पुछलनि।

एहिसँ किछु लोक असन्तुष्ट भेल, कारण आशा तोड़बाक भय छल।

सहदेव कहला, ‘अहाँ फेर एही शब्द पर घुरि आयलहुँ!’

फेर कागजपर दू सम्भावित समय लिखलनि आ कहलीह, ‘जे निर्णय सभक जीवनपर पड़त, से सभक बात सुनलाक बादे होएत।’

मूल पाठसँ

एक महिला ओहि उत्तरकेँ
अपन पड़ोसिनकेँ दोहरौलनि;
नव ज्ञानक बाट वाचिक छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

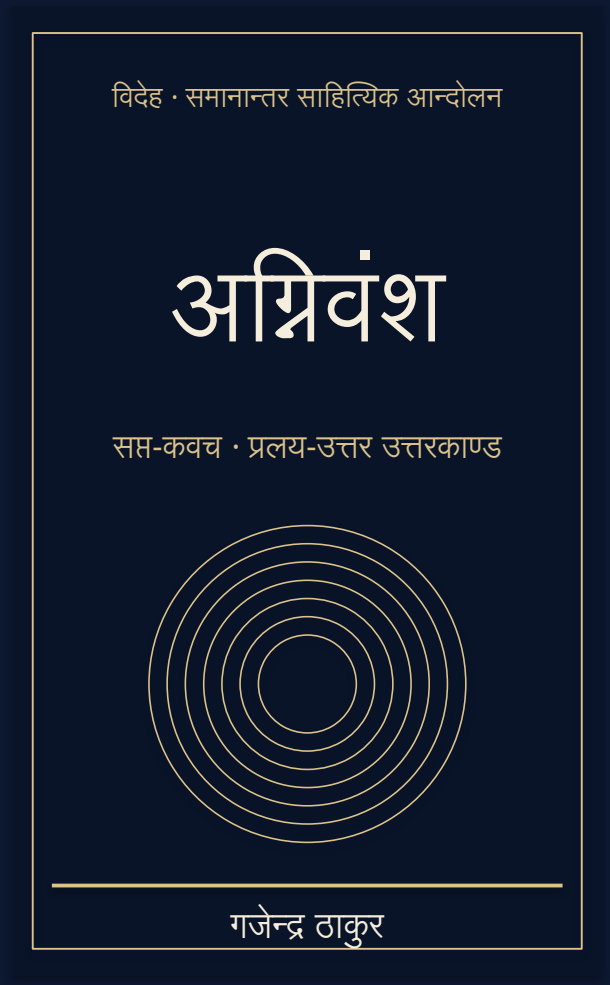
समापनक स्वर

- कियो दावा नहि कएलक जे सभ काम पूरा होएत।
- दू पीढ़ीक लिखल पाँति एक कागजपर बैसल, बिना एक-दोसरक भेद मेटौने।
- संकटमे सचेत अनिश्चितता एखन लोकक अभ्यास नहि बनल छल।
- अगिला अध्याय : ३९ · वार्डक कटौती

मूल पाठसँ

रातिक पहर किछु परिवार
अपन-अपन घैल घर लऽ गेल,
मुदा चापाकलक लग रखल
खाली पाँति एखनु खुलल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ३९ : वार्डक कटौती

खण्ड ७ · अन्हार

पतन-दिन ४–८ · जनकक्षेत्रक चिकित्सालय

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

पतन-दिनक चतुर्थ पहर, चिकित्सालयक संचयक अवस्था जाँचल गेल।

शारदा पुछलनि, ‘रोगीक देहसँ अधिक महत्त्वपूर्ण कागज कखनसँ भेल?’

चिकित्सालयक कतहु यन्त्र चलैत छल, कतहु हाथक देखभाल आवश्यक छल।

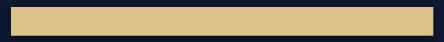
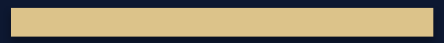
शारदा सुनयनाक बहुत पुरान संकट-कथाक स्मरण कएलनि।

मूल पाठसँ

ओहि दिन पञ्जीक किछु खाली ठाम जीवनक रक्षा लेल छोड़ल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओहि असमानताक ठाम ककरा प्राथमिकता देल जाए, तकर नियम बनयबाक आवश्यकता बढ़ि गेल।
३–४		चिकित्सकीय दल उपलब्ध वस्तु आ प्रशिक्षित व्यक्ति बीच काज फेर बाँटलनि।
५–६		ओ एहि बातसँ सहमत नहि छलीह जे संकटमे चिकित्सालयक आलोचना रोकि देबाक चाही।
७–८		कियो कहलक, ‘अहाँ स्वयं निर्णय लैत छी, तें आक्रमण अहाँपर होयत।’
९–१०		मुदा कठिनाइ अधिकार मेटबाक अनुमति नहि।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

परिचारिका नतमस्तक नहि भेलीह; ओकरा अपन काजक व्यवस्था पर प्रश्न छल।

सबकेँ एक संग अपरिवर्तित सेवा देब एखन सम्भव नहि छल।

किछु सूचना-मार्ग एखन चलैत छल; बहुत ठाम उत्तर विलम्बित।

शारदा कहलीह, ‘पहिचानक पुष्टि अलग काज; उपचारक तात्कालिकता अलग।

ओहि समय दोसर कक्षसँ एक रोगीक सहायक आवाज दैत अएलीह—एक नवजातक साँस बीच-बीचमे बिगड़ि रहल छल।

मूल पाठसँ

पन्नाक नीचाँ पानिक दाग छल, मुदा नामक अधिकांश अक्षर पढ़ल जा सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

परन्तु ऊर्जा घटलासँ सेवा अविरत राखब सम्भव होएत कि नहि, ई प्रश्न छल।

रोगीक सामाजिक हैसियत, पहिचान-पत्र, दान वा राजकीय परिचय निर्णायक नहि होएत।

शारदा आफ्नो वृद्ध अनुभवकेँ अटल उत्तर नहि मानैत छलीह।

चिकित्सालयमे बचल औषधि भीर-भीर राखल गेल, ओकर सुरक्षित अवस्था अलग जाँचक विषय बनल।

कागजपर लिखल कसौटी ओहि स्त्रीक आँखिक पीड़ा कम नहि कए सकैत छल।

मूल पाठसँ

शारदा पुछलनि, ‘कर्मीक प्रत्यक्ष निरीक्षण अछि कि पुरान दूर-सेवाक सूचना?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

चिकित्सालयमे दैनन्दिन कामक जाल टूटलाक अर्थ केवल पटल बुझब नहि छल।

- कियो आदेश देलनि जे बाहिर ई बात नहि कहल जाय, नहि तँ भय फैली।
- शारदा चिकित्सालयक भीतर सुरक्षित उपलब्ध जलक वास्तविक लेखा देखलनि।
- शारदा एहि सलाहकेँ तात्कालिक आदेश नहि मानलनि।
- चिकित्सकीय दल उपलब्ध वस्तु आ प्रशिक्षित व्यक्ति बीच काज फेर बाँटलनि।

मूल पाठसँ

काल-साक्षीक एक आंशिक उत्तर आखिर पहुँचल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर डर वास्तविक छल; बाहर पानिक पाँतिमे चिल्लाहट बढ़ि रहल छल।

ओ कर्मीसँ कहलनि जे जकरा प्रत्यक्ष देखल गेल, ओकर समय अलग लिखू; जे पुरान पट्टमे बचल अछि, ओकर समय अलग।

‘हमरा लग समय नहि,’ परिवारक सदस्य कहलक।

एहि दृश्य मे ज्ञानक सीमा आ प्राणरक्षाक इच्छा एक संग दुखैत छल।

कागजक पात पढ़निहार बहुत छलाह; सभ सन्तुष्ट नहि भेलाह।

मूल पाठसँ

ओ परिवारक कष्ट सुनलीह, मुदा अनुमति-पत्रपर छलसँ हस्ताक्षर करायब अस्वीकार कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक विस्थापित परिवार पुरान चिकित्सालयक ठाम पहुँचबाक लेल भटकैत छल।

शारदा ओकरा ठाम देबय चाहैत छलीह, मुदा वार्डक काज तुरन्त छुटि नहि सकैत छल।

कियो कहलक जे गरल-कोषक टूटल शोधन-यन्त्रसँ विष फैलल अछि।

ओहि असहज रिक्तिमे शारदा अपन कौशलक सीमा बुझलीह, मुदा ओकरा कल्पित वैज्ञानिकी जादूसँ भरि नहि देलीह।

शारदा उत्तर देलीह, ‘जे उपाय आज जीवित लोक धरि बाट पहुँचा सकैत अछि, ओकरा पुरान कहलासँ मूल्य घटत नहि।’

मूल पाठसँ

अनिरुद्धक पुरान जाँचक अनुभव हुनका मोन छल, मुदा ओ एखन उपस्थित छथि कि नहि, तकर खबरि नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

व्यक्ति रोषसँ देह काँपैत छल; ओहि रोषपर किछु अधिकार शारदाक नहि छल।

बिना जाँचक निर्दोष कहब आ बिना प्रमाण दोषी कहब दुनू अनुचित।’

शारदा एहि दृश्यकेँ निरीक्षणक पञ्जीमे ‘परिजन उपस्थित’ कहि दर्ज कएलनि, ‘ठीक होएत’ नहि।

‘एहि खाली ठामक पीछे एक मनुष्यक कथा अछि,’ एक कर्मचारी कहलक।

परिवारक सदस्य शारदासँ पुछलक, ‘जँ दूसरी कक्षमे कम ऊर्जा देल जाइत, तँ ओ बाँचि जैतिह?’

मूल पाठसँ

शारदा बुझलीह जे वैज्ञानिक सभ्यताक प्रगति मात्र पैघ जीवन-विस्तारक गणना नहि, ओहि छोट क्षणक गरिमा अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई प्रश्न वर्षों धरि सार्वजनिक न्याय-व्यवस्थाक अङ्ग बनि रहल छल।

शारदा एतय अतीतक त्रुटि दोहराबय नहि चाहैत छलीह: ‘संकट छल, तँ किछु नहि कएल जा सकल’ कहि पञ्जी बन्द नहि।

ओ चिकित्सकीय दलसँ कहलनि जे संक्रामक रोगक शंका आ रासायनिक सम्पर्कक आशङ्का अलग जाँच-पञ्जीमे रहत।

शारदा कहलीह, ‘तँ ओ देरी सेहो दर्ज करू, कारण ओ जीवनक लागत बनि सकैत अछि।’

कियो कहलक, ‘अहाँ स्वयं निर्णय लैत छी, तें आक्रमण अहाँपर होयत।’

मूल पाठसँ

‘जे वस्तु सुरक्षित अछि तकरा नष्ट मत मानू; जे खराब अछि तकरा स्वस्थ मत मानू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिनक दोसर पहर वार्डमे एक छोट बालिका अपन बीमार दादाक कात ठाढ़ छलीह।

शारदा केवल एतेक कहि सकलीह जे वर्तमान देखभाल जारी अछि, अवस्था गम्भीर अछि, आ परिणामक निश्चित वचन देब सम्भव नहि।

दोपहरिक आपात सभामे शारदा अपन पहिल निर्णय सार्वजनिक रूपेँ दोहरौलनि।

ओ सभाक पञ्जीमे लिखबौलनि जे ऊर्जा-वितरणक नीतिक नियमित पुनर्समीक्षा होएत; पहिल निर्णय सर्वकालिक आदेश नहि।

ओ एक प्रति वार्डक बाहर चिपकबौलनि, साथे लिखलनि—‘प्राप्त प्रति; स्थानीय पुष्टि शेष’।

मूल पाठसँ

शारदा उत्तर देलीह, ‘आवश्यक स्वतन्त्र जाँचक समक्ष पूरा अभिलेख उपलब्ध रहत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

साँझक समय अस्पतालक एक छोट प्राङ्गणमे थाकल परिचारिकासभ बैठल छलीह।

उपलब्ध विश्रामक अल्प समय सभमे न्यायपूर्वक बाँटब सेहो चिकित्सालयक जिम्मेवारी अछि।

हुनका लागल जे मानवक वैज्ञानिक प्रगति कखनो अधर्मी नहि; मुदा ओकरा अभेद्य मानब खतरनाक अछि।

रोगीक प्रत्यक्ष अवस्था, सहमति आ उपलब्ध सामग्रीक जाँच आवश्यक अछि।

ओ कर्मीसँ कहलीह जे छोट, पठनीय प्रति बनाउ, जकरा लोक अपन ठाम लऽ जा सकथि।

मूल पाठसँ

आ जकरा बचाओल नहि जा सकल, तकर मृत्युक लेखा खुले रखब सेहो सभ्यताक कार्य अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई वाक्य आशाक रूपमे लिखल गेल छल, मुदा आब ओकर पूर्णता असह्य लागलनि।

मुदा शारदा सूची छोड़ि देबाक विचार नहि कएलनि।

ओ कागजपर एक नब पाँति जोड़लनि—‘जतबा उपचार उपलब्ध, तकर साँच लेखा; जे उपलब्ध नहि, तकर साफ स्वीकार।’

एतय विज्ञानक आशा आ मानवक मर्यादा एके बेरा देखाइत छल, कोनो एक दोसराक स्थान नहि लैत छल।

मृत्यु भेल रोगीक नाम एक गोपनीय पञ्जीमे सम्मान सहित सुरक्षित छल; सार्वजनिक स्तम्भमे निर्णयक क्रम लिखल गेल।

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह, ‘झूठक भरोस टुटिते निराशा बेसी घेरैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

आगाँक कक्षमे एक खाली बिछौना देखाइत छल।

एक परिचारिका पुछलनि, ‘जँ जाँचमे देरि होएत?’

एक युवती कहलीह, ‘हमरा ई काज करबाक विद्या छल, मुदा एतेक लोकक दुःख सम्हारब हमर प्रशिक्षणक बाहर अछि।’

ओ कप राखि अगिला वार्ड दिस बढ़लीह, जकरा लेल कोनो निश्चित सुखान्त लिखल नहि छल।

मूल पाठसँ

ओ उपस्थित कर्मीसँ कहलनि जे अभिभावकक सहमति आ वार्डक सुरक्षाक भीतर बच्चीकेँ उचित ठाम मिलय।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक आदमी चिकित्सालयक मुख्य द्वारपर अपन घरक औषधि-पर्ची लऽ अएल।

राति जखन एक परिचारिका शारदाकेँ अल्प पानि देलीह, ओ अपन हाथक कपक कात चुप भेलीह।

दिनक अन्तिम प्रकाशमे शारदा एकटा रिक्त पन्ना खोललनि।

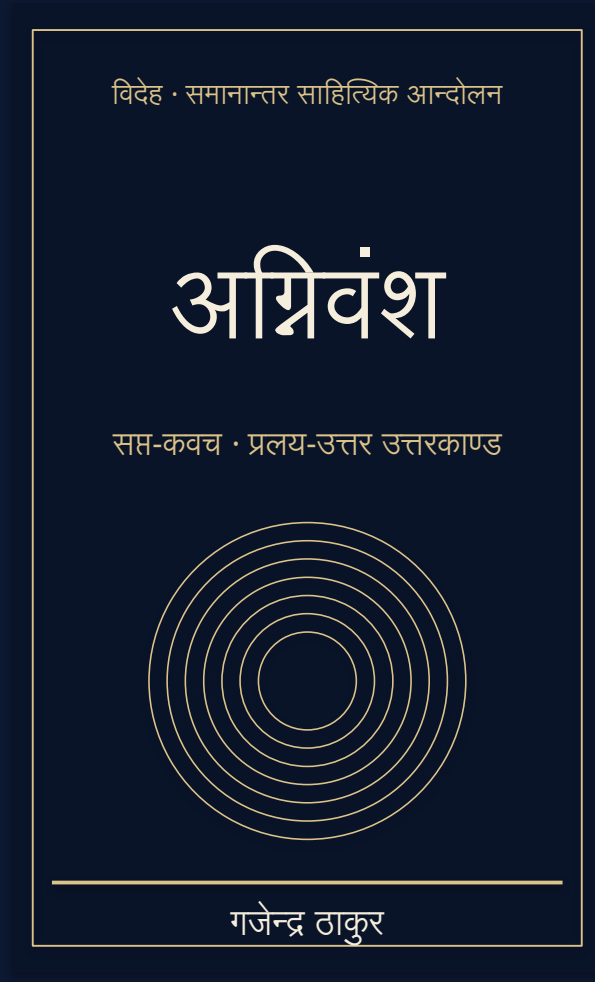
अगिला अध्याय : ४० · बिनु आदेशक आकाश

मूल पाठसँ

एहि सावधानीमे दस्तावेज विलासिता नहि, जीवित विवादक स्मृति छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४० : बिनु आदेशक आकाश

खण्ड ७ · अन्हार

पतन-दिन ९–२१

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कर्णेश भवनक आधारक लग जमल पानिक पोखरि देखलनि।

कर्णेश हुनका कहलनि जे कागजक फोटो वा प्रमाण-मुद्रा उपयोगी होयत, मुदा वास्तविक अनुमति आ वास्तविक खतरा अलग-अलग देखबाक अछि।

पट्ट पर लिखल छल—‘संभावित कक्षीय बाधा; प्राणरक्षार्थ स्वायत्त कार्यक स्वीकृति चाही।’

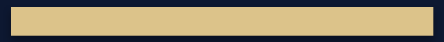
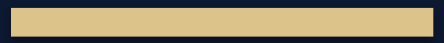
एहि कक्षमे ओकर बचल अन्तरफलक मात्र अपूर्ण प्रतिवेदन पढ़बैत छल; ककरो सम्पूर्ण आकाश एकहि ठाम देखबाक सामर्थ्य नहि छल।

मूल पाठसँ

ओ निरीक्षण-कक्षमे उतरला,
जतय सीमित ऊर्जा पर चलैत
एक बाँचल पट्ट समय-समय पर
उजास दैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		संकेतक छोट-छोट बिन्दु अर्धवृत्त बनबैत छल, मुदा एकटा बिन्दु पहिने देखल मार्गसँ हटैत बुझाइत छल।
३–४		एहन स्थितिमे पहिल कैं उपेक्षित छोड़बो एक निर्णय थिक, तकर दायित्व हम नहि टारि सकैत छी।”
५–६		परिवार कहलक जे ओहिमे भूमिक अभिलेख आ मायक गान सुरक्षित छल।
७–८		भुखाएल लोकक नाम लिखनाइ लाजक बात नहि, असमान बँटवाराक प्रमाण थिक—ई बात एक वृद्ध शिक्षिका कहलीह।
९–१०		आब पहिल बेर हराएल सङ्केतक पाछाँ एक माय, एक पिता, एक परिवारक प्रतीक्षाक नाम लिखि रहल छलाह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

धानक बोरा सँ बनाओल आड़ि पर एक स्त्री रोगी वृद्धक माथ टिकौने छलीह।

कागजपर बनल आश्रय-नक्सामे भवन सुरक्षित लिखल छल, मुदा वास्तविक देबालक दरारि ओकर विरोध करैत छल।

भवनक भीतर प्रवेशक पहिने कर्णेश एकटा कागज पढ़लनि, जे स्थानीय सभाक सदस्यमे सँ एक जन लऽ अएल छल।

ओहि समय हुनकर संग एल एक महिला लेखापाल कागजक मूल प्रति खोजबाक आश्वासन देलीह।

परिचालक कहलक, ‘वज्र-साक्षी अपन बचल अभिलेख सँ नव अनुरोध पठौने अछि।

मूल पाठसँ

‘एहि कागजक आधार पर अहाँ आइ सभटा प्रहर-यन्त्र चला सकैत छी?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कमसँ कम एतय लोक मशीनक भाँति निःप्रश्न शब्द नहि मानि रहल छल।

शून्य-शेषक एक अवशेष, पुरान उपकरणक त्रुटि अथवा गलत मिलान सेहो हो सकैत अछि।

महाविच्छेदक बाद सातो सेवाक समन्वय टूटि रहल छल।

हुनकर माय कहलीह जे राति आसमानमे तेज उजास देखल गेल।

एक शरणार्थी पुछलनि, ‘अहाँ हमर देखल बात पर भरोस नहि करैत छी?’

मूल पाठसँ

परिचालक दोहरौलक, ‘ई एक साक्षी-खण्डक सीमित अनुरोध अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जल-जाँच लेल बाँचल ऊर्जा लगबिते रक्षा-पट्टक उजास अधरमे लटकि जाएत।

केवल ‘सुरक्षा’ लिखल आदेश लोकक पएर नहि चला सकैत।

लेखापाल उपलब्ध ऊर्जाक अनुमान लिखलनि; ओ अनुमान पुरान भण्डारक पञ्जी पर निर्भर छल।

वृद्धा लोटा अपन आँचलसँ झाँपि लेलीह, जेना पानि पर प्रश्न उठेनाइ हुनकर अपन घरपर दोष लगाएब हो।

“एकरा हम अपन हाथमे जोखि सकैत छी,” पानि-दिस देखबैत ओ बजलाह, “आ दोसराक आकार एखन धरि धुँधल अछि।

मूल पाठसँ

पानिक जाँचक यन्त्र लेल ऊर्जा अलग करबाक प्रस्ताव सुनिते आश्रयक लोक फेर दू गुटमे बँटि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दिनक दोसर पहर एक सैन्य-वर्दीधारी व्यक्ति कर्णेशक समक्ष आयल।

एक नव नियम बनल—जल, अन्न आ आसरा सम्बन्धी निर्णयमे ओहि श्रम करनिहारक गवाही अनिवार्य रहत।

ओकर परिचयपत्र मे पुरान अधिकारक चिन्ह छल, मुदा वर्तमान अधिकारक अद्यतन अभिलेख उपलब्ध नहि छल।

कर्णेश प्रतिवाद कएलनि, ‘जकर कामक सीमा नहि बुझाइत अछि, ओकरा प्राणरक्षा कहि अधिकार सौंपब अनुचित।’

ओ वाक्य छोट छल, मुदा ओकरा लिखबाक घड़ी कर्णेशक हाथ थोर काँपल।

मूल पाठसँ

ओ कि केवल निगरानी बढ़ाओत, कि कक्षीय वस्तुक मार्ग बदलबाक प्रस्ताव अछि?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश झूठ वचन देबाक बदला आकाशीय चेतावनीक सीमित अवस्था बुझौलनि।

युवक प्रतिवाद कएलक, ‘लोककेँ एतेक लम्बा पञ्जी पढ़बाक समय कतय?’

युवा कारीगर बजल, ‘पहिने जाँचब जरूरी अछि; धातु पर किछु रासायनिक तह अछि कि नहि, के जानय?’

एकटा माय कहलीह, ‘जँ आकाशमे युद्ध होएत तँ हमरा बेटाकेँ कखन बाहर निकालब?’

‘तखन पुरान निर्णयक कारण एखनु लागू अछि।’

मूल पाठसँ

एक छोट पाट पर लिखल गेल—‘जाँच धरि नहि छूबू।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

परिचालक पट्ट हटाबय चाहलक; पुरान तारसँ छोट झटका लगबाक आशङ्का छल।

ओ परिवारक कागज-पञ्जी देखलनि, जखन महिला कहलीह जे ओकरा जमीनक कागजसँ बेसी माय केर स्वरक चिन्ता अछि।

लोक पहिल दू कागजक आगाँ भीड़ बनौने छल, कारण ओहि शब्दमे निश्चित दोषी भेटैत छल।

एक वृद्ध स्त्री कहलीह, ‘घरक देबाल जाँचब, पानि बचाएब, एक-दोसरकेँ बिना डर फैलौने खबर देब।’

कर्णेश कहला, ‘हम सभ पहिनेसँ सम्पूर्ण देखैत नहि छलहुँ।

मूल पाठसँ

मुदा नगरक अगिला निर्णय एहि भयक अधीन भेल तँ आश्रय, जल आ उपचार सभ अधिकारक पहिने शङ्काक वस्तु बनि जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश अधिकारीक कठिनाइ बुझलनि, मुदा युवकक खाली कटोरी सेहो देखलनि।

स्त्री कहलीह, ‘आब रेडियो पर सेहो भरोस नहि।’

बगलमे दोसर स्तम्भ—‘अनुमति देलासँ सम्भावित हानि’।

जे संख्या नहि अछि, ओकरा संख्या कहि लिखब सेहो हिंसा बनि सकैत अछि।

नगरक दू स्थानीय गवाहक सोझाँ अस्थायी पञ्जी खोलल गेल।

मूल पाठसँ

खाली ठाम राखब सजावट नहि; भविष्यक सत्य एहिमे जोड़ल जाएत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जँ पुर्जा सुरक्षित भेल तँ जलक पम्प ठीक भऽ सकत,’ श्रमिक कहलक।

एहि प्रश्नक ठोस उत्तर माटिक आँगनमे टाँगल ओहि दू पट्टीमे भेटैत छल।

पुरान सभ्यताक भङ्गार कखनो भयक वस्तु, कखनो जीवनक आधार; बिना जाँच किछु तय नहि।

फेर कहलक, ‘हमरा लग प्रमाण नहि, मुदा डर अछि।’

अधिकार जँ सेवा सँ अलग भऽ जाए, तँ ओकरा फेर पुरान वर्दी सँ बल नहि भेटत।

मूल पाठसँ

कर्णेश अपन पुरान कथा सुनाबय बजाय वर्तमान अभिलेख खोललनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनकर पुत्र कक्षीय सेवामे छल, ओकर समाचार अनेक दिनसँ नहि अएल छल।

पहिल ठाम दिशा आ समयक नब जाँच आवश्यक कहलनि, दोसर ठाम प्रत्यक्ष गवाही खोजबाक।

ओ जानैत छलाह जे सम्पर्क टूटब मृत्यु घोषित करबाक प्रमाण नहि।

“हमर लग अहाँक पुत्र जीवित छथि कहबाक प्रमाण नहि अछि,” ओ धीरे कहलनि, “आ मृत छथि कहबाक सेहो नहि।

जँ कोनो नव समाचार भेटत, तकर स्रोत आ दिन लिखल जाए; जँ नहि भेटत, तँ शून्य स्थान शून्ये रहत।

मूल पाठसँ

ओ पुरुषक पुत्रक पहिचान सार्वजनिक पञ्जीमे लिखबौलनि, मुदा निजता लेल आवश्यक विवरण अलग राखल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर लग नीलम लेल कागजक गड्डर छल, आ नीलमक पुरान संदेशक प्रति सेहो।

सैनिक जीवनक पुरान संस्कार हुनका कहैत छल जे अज्ञातक आगाँ त्वरित निर्णय लेल जाए।

पतनक बारहम दिनक भोर एक अस्थायी दूत आयल।

ओहि कागजक अन्तमे कर्णेश लिखलनि: ‘मनुष्यक अनुमति केवल हस्ताक्षर नहि; ओकर पहिने समझबाक अधिकार अछि।’

बाहर लोक जीवित छलाह, प्रश्न करैत छलाह।

मूल पाठसँ

दूत कहलक जे रेडियो पर एखन वाक्य घूमि रहल अछि—‘अक्षर अन्हार लऽ अएल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओ सभकेँ पुरान युद्धक कथा सुनाबय नहि लगलाह।

देखरेखक अधिकारी उत्तर देलक जे बिना परिचयक समान भाग बाँटलासँ बादमे हिसाब नहि मिलत।

एहि चारि शब्दक संग हुनकर अस्वीकृति व्यक्तिक अभिमान नहि, सार्वजनिक लेखाक अंश बनि गेल।

ओहि रातिक अन्तमे कर्णेश फेर छत दिश गेलाह, मुदा ढहल सीढ़ी पर चढ़ला नहि।

मूल पाठसँ

ओ अरुणिमाक दलक संग जोखिम-जाँचक नव समय तय करबौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

वृद्ध पुरुषक प्रश्नक उत्तर कर्णेशक लग नहि छल।

कर्णेश सभासँ कहलनि जे लापता लोकक सूचीकेँ मृत्यु-पञ्जीसँ अलग राखल जाए।

कागज मोड़िते हुनका लागि रहल छल जे नगरक दोसर युद्ध आब शब्दक भीतर आरम्भ होइत अछि।

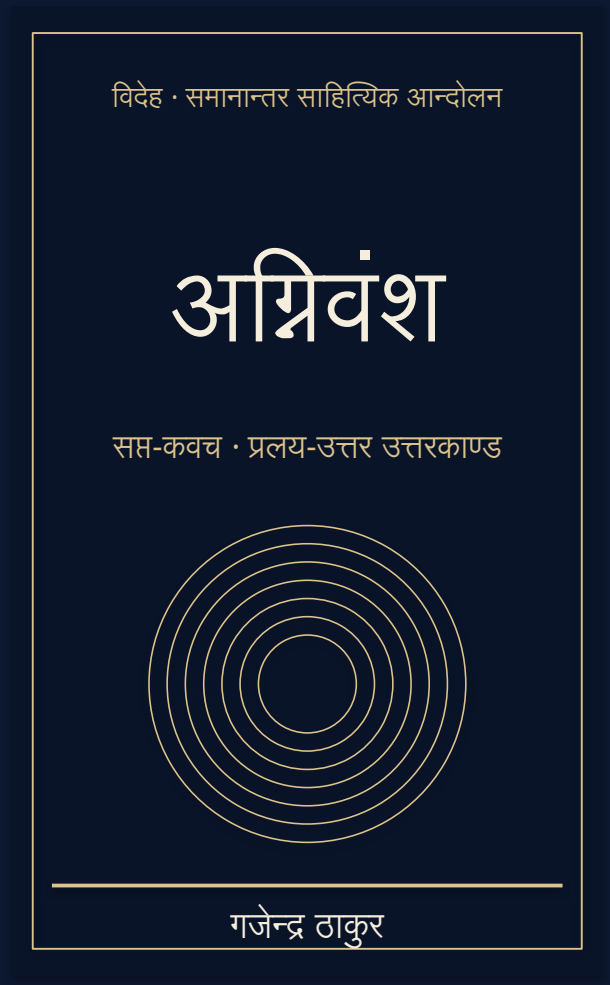
अगिला अध्याय : ४१ · अफवाहक रेडियो

मूल पाठसँ

कोनो यन्त्रक अनुमानसँ घरक शोकक अन्तिम निर्णय नहि होयत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४१ : अफवाहक रेडियो

खण्ड ७ · अन्हार

पतन-दिन ९–२१

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नीलम पहिने दोसर कागज खोललनि, कारण ओहि पर नाम, दिन आ जाँचबाक ठाम लिखल छल।

‘ओ सभ कहैत अछि जे जकरा यन्त्रपर अक्षरक नाम छल ओकरा फोड़ि देलासँ पानि साफ भऽ जाएत,’ महिला कहलीह।

भीड़मे कियो कहलक, ‘एतेक छोट समाचार कियो नहि पढ़त।’

पत्रक कोना भीजल छल, मुदा मुख्य लेखा स्पष्ट।

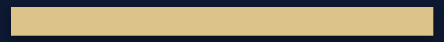
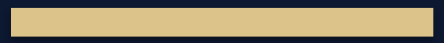
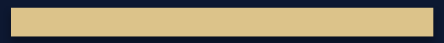
मूल पाठसँ

नीलम अपन समाचार-पञ्जीक पहिल पन्नामे तीन खण्ड बनाएने छलीह—प्रत्यक्ष देखल, दोसरसँ भेटल, आ जाँच शेष।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		नीलम लिखलनि—‘वक्ता अज्ञात, कथन अप्रमाणित, ध्वनि खण्डित।’
३–४		नीलम उत्तर देलीह, ‘अभिलेख बाँचब, औषधि बाँचब आ ओकरा पहुँचएबाक बाट बाँचब अलग-अलग बात।’
५–६		पहिल वाक्यमे अज्ञात कर्ताक प्रश्न छल; दोसरमे अक्षरकेँ अपराधी बना देल गेल छल।
७–८		ओ कहलक, “एहि माटिमे भात राखल जाइत अछि, मुदा जँ कोनो विष घोलि देत तँ दोष माटिक होयत?”
९–१०		एक लोक पुछलक जे एहन शीर्षक सँ अक्षर निर्दोष घोषित भऽ गेल?

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहला, ‘अहाँ जे छपाएब, से बहुत गाममे अन्तिम भरोसेक कागज बनत।

किये समाचार सुनि क्रोधित, किये डर सँ सिहरि रहल।

बड़का अक्षरमे खबर लिखू, मुदा स्रोत छिपाएब नहि।’

नीलम पुछलनि, ‘अहाँ स्वयं शोधन-घर देखलहुँ?’

रेडियो पर सुनल पुरुषक स्वरक स्रोत पहिचान नहि भेल छल।

मूल पाठसँ

ओ मुद्रकसँ पुछलनि जे आइ कतेक पन्ना बचल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किसान स्त्रीसभ कहलीह जे जँ एकाएक बरखा अएल तँ कागज बचाएब कि बिआ?

नीलमक शिष्य-सदृश एक युवा परिचरक मन छल जे शेष उपकरण जोड़ि रेडियो-स्वरक सत्यता जाँचि लेल जाए।

आधुनिक ज्ञानक स्मृति एना टुटल यन्त्रक संग बचल रहि गेल।

नीलम कर्णेशक वाक्यकेँ अपन समाचारमे राखि सकैत छलीह, मुदा ओकरा सम्पूर्ण सिद्ध तथ्यक रूपमे नहि।

ओ जानैत छलीह जे समाचार छपब नागरिक अधिकारक साधन अछि, मुदा बिआ नहि बचल तँ भविष्यमे खेत खाली रहत।

मूल पाठसँ

नीलम पत्रकेँ पढ़ि अपन पुरान परिचय याद कएलनि—एक समय ओहि सैनिकक अस्वीकृतिपर बहुत लोक ओकरा देशद्रोह कहैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एतबे छोट पाठ हुनका पुरान प्रसारणक हजार घोषणासँ बेसी आवश्यक लागल।

नीलम दूटा आवश्यकता देखलीह—समाचार बचबो चाही आ पहुँचनायो चाही।

नीलम ई बात पञ्जीमे नहि लिखलीह, पहिने हुनका पुछलनि, “अहाँक नाम सहित लिखब उचित?”

पहिल गवाही बिहानक छल, दोसर सँझुक; बीचमे स्थानीय लोक हाथसँ नली सुधारने छलाह।

नीलम उत्तर देलीह, ‘अभिलेख बाँचब, औषधि बाँचब आ ओकरा पहुँचएबाक बाट बाँचब अलग-अलग बात।’

मूल पाठसँ

जनकक्षेत्रक पानि-पञ्जीमे एक विचित्र अङ्क भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बाँचल वर्षामापकक सूचना अपूर्ण, आ खेतमे बड़का दरारि प्रत्यक्ष छल।

‘मुहर ई कहि सकैत अछि जे कागज के पठौलक,’ नीलम बुझौलीह, ‘मुदा ई नहि जे सन्देश सब बात सही कहैत अछि।’

नीलमक मनमे पुरान राजनीतिक सभाक कोलाहल आयल।

लोकक पास तकनीकी स्मृति छल, पर ओ वर्तमान घटनाक चमत्कारी दर्पण नहि बनि सकैत छल।

नीलम उत्तर देलीह, ‘अहाँक हानि प्रत्यक्ष प्रमाण अछि।

मूल पाठसँ

वृद्ध कारीगर ओकर तार चेक कएलनि, तरङ्ग पकड़बाक प्रयास कएलनि, मुदा एकदम स्पष्ट आवाज नहि भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे व्यक्ति प्रति लऽ अएल छल, ओ अपन कैं मूल वक्ताक परिचित कहैत छल।

पुरुष जे कागज देलक ओकर माथ पर केवल हस्ताक्षर छल, दिनांक नहि।

एक जनकैं वाक्यक आरम्भ याद छल, दोसरकैं अन्तिम भाग।

नीलम उत्तर देलीह, “एतेक लोक एकटा प्रसारण सुनलक, ई हमरा सभ कहि सकैत छी।

वृद्ध मुद्रक बीचमे बजलाह, “पुरान समएमे मुहर देखिते लोक मानि लैत छल।”

मूल पाठसँ

ओ पहिने प्रसारणक उपलब्ध लिखल प्रति, फेर श्रुत गवाही आ तत्पश्चात् स्रोतक दाबी तीन पन्नामे अलग-अलग लिखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आँगनमे एक विस्थापित परिवार अपन पुरान कारखानाक परिचय-पात लऽ आयल।

- नीलमक सोझाँ दू वाक्यक अर्थक अन्तर खुलि गेल।
- लोककेँ डर छल जे ओ कारखाना अक्षरक निगरानीमे छल, अतः जकरा भीतर जाएत ओकरा ‘यन्त्रक गुलाम’ कहल जाएत।
- नीलम समाचारमे उर्मिलाक प्रत्यक्ष कार्यक उल्लेख कएलनि, मुदा ‘सभ पानि सुरक्षित’ नहि लिखलनि।
- कागज बचल, मुदा समाचारक अद्यतनमे देरि होयबाक खतरा बढ़ल।

मूल पाठसँ

पतनक चौदहम दिन तट-ग्रामसँ हाथक कागजक एक प्रति आयल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा ओ बच्चीक आवाज रेकर्ड नहि कएलनि, कारण परिवारक सहमति नहि छल।

ओ स्थानीय बेपत्ता-पञ्जीक सुरक्षित मार्गक उल्लेख कएलनि आ अज्ञात समाचारकेँ प्रत्यक्ष परिजन धरि पहुँचेबाक जाँच राखलनि।

नीलम ओकरा ओहि सीमा धरि प्रकाशित कएलनि।

रेडियो फोड़बासँ झूठ बन्द नहि होएत, आ रेडियोकेँ अन्धविश्वास बनौलासँ सत्य नहि भेटत।’

कुम्हार हँसल, “तखन पात्रक जाँच सेहो हो।”

मूल पाठसँ

मुद्रणालयक बाहिर एक समूह रेडियो फोड़बाक लेल ठाढ़ छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल, किछु लोकक स्थानीय कारीगरीसँ दू पुरान जलक कुण्ड साफ भेल।

किशोरसभ ओहि दू वाक्यक बीच खड़िया सँ रेखा खींचलक।

पतनक पन्द्रहम दिन जनकक्षेत्रक गामसभसँ दू समाचार आयल।

बच्चासभ ओहि पट्टक आगाँ ठाढ़ भऽ अपन-अपन गामक समाचार पढ़ि रहल छल।

एहि बातसभक स्रोत जोड़ल जाए, गलत भेल तँ खुले सुधरल जाए।

मूल पाठसँ

नीलम दुनू बात छापलीह;
पहिलमे उपलब्ध प्रत्यक्षदर्शी,
दोसरमे जाँच शेषक चिह्न।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहलीह जे रेडियो पर जँ एक बेर नाँव बजि जाए तँ पुत्र अवश्य लौटत।

नीलम बजलीह, “बेपत्ता कहब सँ खोजबाक बाट खुलल रहैत अछि।

एक युवक पुछलक, “एहि सुधारसँ पहिल गलत खबरक क्षति मिटि जाएत?”

नीलम सोचलीह जे कियो हानि भोगने होयत, अथवा तरङ्गक बाट टूटल होयत; मौनक कारण स्वतः बुझाइत नहि।

पतनक सोरहम दिन नीलम समाचारक मुख्य शीर्षक बदललीह—‘अक्षरक दोष सिद्ध नहि; सात खण्डक सेवा बाधित; उत्तरदायित्वक जाँच आवश्यक।’

मूल पाठसँ

साँझक समय मुद्रणालयक दीवाल पर चारि नाम बढ़ल—समाचार देनिहार, सुननिहार, जाँचनिहार आ सुधारनिहार।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेशक पत्रक अन्तिम प्रति छपबा सँ पहिने नीलम ओकरा फेर जोखलनि।

ओहि पन्नाक दोसर कात उर्मिलाक जल-जाँचक समाचार राखल गेल।

दोसर लोकक मत छल जे गलती माननिहार पर बिसवास बेसी करबाक चाही।

साँझ उतरला पर नीलम रेडियोक बगलमे एक खाली पन्ना राखलीह।

नीलम उत्तर देलीह, ‘जाहि ठामक आवाज नहि पहुँचैत, ओकरा मृत अथवा मौनक दोषी मानि नहि छोड़ि देब।

मूल पाठसँ

पन्नाक अन्तिम कोनामे एक स्त्री लिखि गेलीह, “हमर गामक पानि एखन धरि जाँचल नहि गेल अछि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- नीलम अलग-अलग पन्नाक स्थान पर एक सघन सूचना-पट बनौलीह।
- रेडियोक काठक पेटी बचल रहल, मुदा ओकर बगलमे स्रोत-जाँचक कापी रखल गेल।
- सत्य एतय दूरक सिद्धान्त नहि, एक दिनक पानि आ अगिला दिनक अन्नक प्रश्न छल।
- ओहि पहियाक खरखराहटमे लोक अपन कठिन श्रमक उजास सुनैत छल, न कि संसार फेर ठीक भऽ गेलाक झूठ।

मूल पाठसँ

नीलम सोचलीह जे जँ ई रेखा लोक अपन मोनमे राखि सकत, तँ छोट समाचार-पट्टक काज पूरा भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक स्थानीय दूतक संग स्रोत-जाँचल सार सुरक्षित पठाएब तय भेल।

मुद्रणालयक लोहेक पुरान पहिया धीमे घुरल।

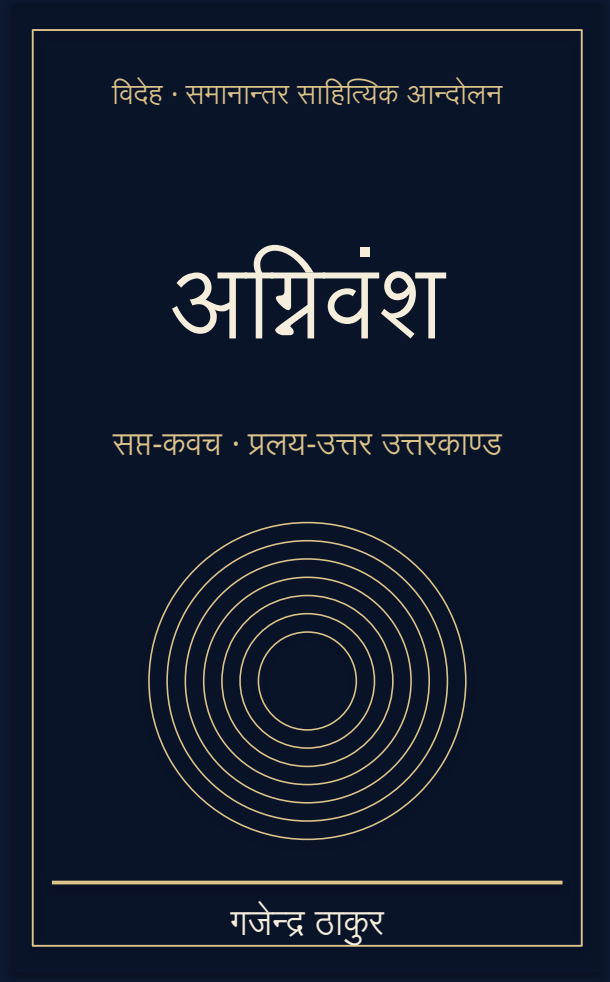
नीलम कहलीह, ‘सम्पर्क बाधित अछि; हम नहि जनैत छी।’

अगिला अध्याय : ४२ · नभग्राम-४क मौन

मूल पाठसँ

सैनिक अस्वीकृतिसँ सुरक्षा सुनिश्चित नहि भेल, मुदा अस्पष्ट स्वायत्त कार्य अनुमति नहि पेलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४२ : नभग्राम-४क मौन

खण्ड ७ · अन्हार

पतन-दिन ९–२१

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ककरो लग पुरान धातुक पात्र, ककरो लग तह कएल पात-जकाँ कृत्रिम आवरण; एकटा बच्ची दू हाथ जोड़ि अपन छोट गिलास पकड़ने छलि।

पहिल दू संख्या रहि सकैत छल; तेसर प्रत्येक दिन बदलैत छल।

ओ स्वर केकर छल से कोनो विश्वस्त प्रमाण नहि भेटल।

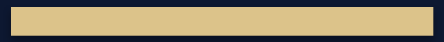
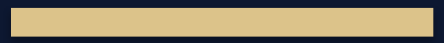
आब पहिल पट्ट कखनहुँ अनिश्चित उजास दैत, दोसर पुरान तारीख पर अटकल छल।

मूल पाठसँ

अनुमानकेँ निश्चित उपलब्धि बना देब तँ काल्हि कोनो शिशुक कटोरी रिक्त रहि जाएत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओतय किछु पात्र खाली छल, किछुमे मुहर सलामत, आ किछु पर नमीक दाग पसरल।
३–४		शिकायत निश्चय नहि छल, तैयो ओकरा सुनबाक कारणे जोखिमक एक वास्तविक अंश देखल गेल।
५–६		केओ कहलक ई सम्पूर्ण नाश अछि; केओ कहलक ई अक्षरक अन्तिम छल।
७–८		सभामे नियुक्त लेखापाल कहलक, ‘व्यक्तिगत दानसँ वितरणक अन्याय नहि सुधरत।’
९–१०		प्रश्न सुनि एक वयोवृद्ध महिला बजलीह, ‘पहिने शासनक स्वर एहन नहि छल।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

लेखामे जे संख्या काल्हि सत्य छल, आइ ओकरा फेर सँ जाँचब आवश्यक छल।

वितरणक लेखा देखनिहार युवक ओकरा देखिकऽ कहलक, ‘अहाँक घरक हिस्सा काल्हिए देल गेल अछि।’

‘जे बन्द भण्डारक भीतर अछि, ओकरा अनुमान कहब।

एक पट्ट पर पहिने वज्रजालक स्थिति देखाइत छल; दोसर पर पृथ्वीसँ आवयबला अन्न आ औषधिक आगमन-लेखा।

ओतय किछु पात्र खाली छल, किछुमे मुहर सलामत, आ किछु पर नमीक दाग पसरल।

मूल पाठसँ

आब सतरहम दिन छन-छन कऽ अबैत सन्देश सभ एक-दोसरासँ मेल नहि खाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्राम-४क नागरिकसभाक बैठक एकटा काँचघेरल प्रसारकक्षमे नहि भऽ सकल।

एक कर्मी कहलक जे खराब भाग फेकि बाँकी बाँटि देल जाए।

ओही घड़ी एक वृद्ध महिला कहलनि, “जे लोक गिनैत अछि, से लोक खबैत अछि?”

सभासद् लोक छोट उपचार-कक्षक बाहरक अर्द्धगोल गलियारामे बैसलाह।

देरी भेला सँ बस्ती समाप्त भऽ सकैत अछि।’

मूल पाठसँ

ओहि दिन सँ पाँतिक सङ्ग चलायमान वितरण-पञ्जी बनल, जकर समीक्षा दू भिन्न दल करत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर शिकायत पुरान सन्देश-तन्त्र बन्द भेला सँ केवल मौखिक रहि गेल छल।

- सैनिकक प्रशिक्षण पओने किछु लोक आपातकालमे स्वायत्त अधिकार देबाक पक्षमे छलाह।
- हुनक हाथमे वायु-प्रवाहक जाँचक उपकरण छल।
- एक युवक कहलक जे संकटमे दू बेर विचार कएलासँ देरि होयत।
- शिकायत निश्चय नहि छल, तैयो ओकरा सुनबाक कारणे जोखिमक एक वास्तविक अंश देखल गेल।

मूल पाठसँ

आ जँ जाँचब छोड़ि देब तँ सभाक निर्णय लागू करबाक पूर्वे कोनो अनिष्ट भऽ सकैत अछि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आब पृथ्वीक गाममे बाढ़क पानि चढ़ल अछि कि नहि, से ओ नहि जनैत छलीह।

हुनकर स्वरमे जीत नहि, उत्तरदायित्व छल।

कोनो रक्षा-संकेतक आधार दू स्वतन्त्र स्रोतसँ मिलाओल जाएत, जँ दू स्रोत भेटबाक सम्भावना हो।

बैठक समाप्त होइत-होइत हवा-कक्षक एकटा सीमान्त चेतावनी बाजल।

ओ पहिने निरीक्षणक आदेश देलनि, प्रहारक नहि।

मूल पाठसँ

ईरा कहलनि, ‘तखन हम खुलि कऽ कहब जे हम नहि जनैत छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ प्रत्येक बुझायल चिह्नक कात ‘सम्पर्क नहि’ लिखौलनि, ‘विनष्ट’ नहि।

तेसर—उपलब्ध प्रमाणक सीमा स्वीकार कऽ बस्ती भीतरक सुरक्षा-सूचक किछु काल लेल बढ़ाओल जाए।

सभामे केओ झुँझलायल—“एहि उत्तरसँ की लाभ?”

गलतीक भय सँ सभ जिम्मेवारी यन्त्रकेँ सौंपि देब हमरा सभक अधिकार नहि।”

केओ कहलक ई सम्पूर्ण नाश अछि; केओ कहलक ई अक्षरक अन्तिम छल।

मूल पाठसँ

कक्षीय बस्तीक धातुक दीवाल सभक रक्षक छल, मुदा ओहि दीवालक भीतर रहनिहार लोकक मनक डर अलग-अलग छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि घड़ी एक वृद्धा भोजन-वितरण कक्षसँ अन्नक छोट पात्र लऽ कऽ पहुँचलि।

किछु पहर पछाति बचल ऊर्जा-कोषक एक अति छोट अंशसँ स्मृति-साक्षीक पुरान चिह्न जगमगाएल।

एक दिन ओतयसँ सन्देश फेर आएत कि नहि, ईरा नहि जनैत छलीह।

कक्षीय बस्तीमे खेत नहि छल, मुदा अन्न एतय कोना पहुँचैत अछि, तकर इतिहास प्रत्येक पाठमे दर्ज छल।

चित्र बनौनिहार आब शिक्षालयमे नहि छल; ओकर परिवारक स्थानान्तरणक अभिलेख अपूर्ण छल।

मूल पाठसँ

ओहि लेखाक पहिल पाँतिमे कोनो यन्त्रक नाम नहि, जीवित लोकक आवश्यकता लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बच्ची फेर पुछलक, “तँ हमरा सभ जे गाम नहि देखलहुँ, ओकरा बुझब कोना?”

ओकर बगलमे एक बन्द संगणक राखल छल, जकर भीतर पृथ्वीक अनगिनत चित्र, गामक गीत आ खेतीक नक्सा रहबाक सम्भावना छल।

शिक्षकक लग एक पुरान हस्तलिखित गीत रहय।

ओहि राति शिक्षालयक फाटल पट्टक बगलमे नब पञ्जी टाँगल गेल—“जे देखलहुँ”, “जे सुनलहुँ”, “जे खोजब शेष अछि।”

जकर विषयमे ज्ञान अपूर्ण अछि तकरा चिन्हित कऽ अलग राखल जाए।

मूल पाठसँ

बालक कहलक, “जँ हम एहि शब्दकेँ लिखि राखब, तँ बाबा लौटि नहि सकताह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रातिक भोजनमे एक जवान महिला अपन हिस्सा वृद्ध पड़ोसीकेँ देबाक चाहलनि।

एकटा वृद्ध शान्त स्वरमे कहलनि, ‘नियम बदलैत काल मनुष्यक अपन मन देबाक अधिकार नहि छीनू।’

जखन सम्पर्क भेटत, हम पहिल सन्देशमे अहाँक प्रश्न लिखब।’

पञ्जीक ई छोटी त्रुटि भोजन-वितरणमे पैघ भेद करि सकैत छल।

जे अभियन्ता सभासँ बाहर छलाह हुनका सभकेँ सेहो पुछल गेल।

मूल पाठसँ

बचपनक ओ नाँवक पाछाँ पृथ्वीक दू बस्ती आ कक्षीय बस्तीक एकटा पुरान आवास क्रमाङ्क छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रश्न सुनि एक वयोवृद्ध महिला बजलीह, ‘पहिने शासनक स्वर एहन नहि छल।’

बीस दिनसँ बच्चासभक दिन भय आ अन्हारक बीच कटैत छल।

तेखन शिक्षालयक एक बच्चा अपन पुरान खिलौनाक प्रकाशक कोष लऽ अएल।

अनागत पुनर्निर्माणक आरम्भ कखनो-कखनो एहन असमर्थ छोट जतनसँ होइत अछि, चमत्कारसँ नहि।

मुदा हम जँ गलतीक प्रमाणक बाट बन्द कऽ देब, तँ दोसर लोक ओकरा सुधारत कोना?’

मूल पाठसँ

कारीगर कोष जाँचि कहलक जे ओकर बचल क्षमता बहुत न्यून अछि; खेलौना-सामग्रीक उपचारक साधन मानब सुरक्षित नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

केवल एतबा निश्चित भेल जे बाँचबाक नियममे प्रश्न पुछबाक स्थान रहत।

आब घंटी बजबैत पुरान यन्त्रक आवश्यकता नहि छल; कागज पर बनल छोट दिन-पञ्जी सभाक काजक समय बतबैत छल।

एक बच्चीक नाम दू बेर दर्ज भेटल, तखन ओ अपन हाथे पुरान सूची काटि नव पन्नामे सुधार लिखलक।

ओ कहलीह जे स्मृति-साक्षीक पट्ट पढ़लाक लेल पर्याप्त उजास बचल अछि, मुदा वर्तमान पृथ्वी-सन्देशक भरोसामन्द पुष्टि एखन सम्भव नहि।

ईरा ओहि युवककेँ देखलीह जे किछु दिन पहिने स्वायत्त प्रहार चाहैत छल।

मूल पाठसँ

आब हम हरेक खाली कोनापर प्रश्न लिखैत छी।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओहि रात्रि किछु लोक ईराक निर्णयसँ असन्तुष्ट रहलाह।

एक बच्ची पुछलक, “पोथीमे जे लिखल अछि से सभ सत्य?”

लेखापाल त्रुटि स्वीकार कएलक, बच्चीकेँ दोष नहि देलक।

पतनक एकैसम दिन भोरक पहिने ईरा ओहि गलियारामे पुनः अएलीह जतय सभसँ पहिने घंटीक मौन सुनने छलीह।

मूल पाठसँ

ईरा प्रस्ताव रखलनि जे जकर उपयोगक जाँच भेल अछि मात्र ओहि पर हाथ लगाओल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक वृद्ध चिकित्सकक सुझाव पर उपचारक कक्षक न्यूनतम आपूर्ति अस्पर्शनीय राखल गेल।

प्रश्न सुनि एक वयोवृद्ध महिला बजलीह, ‘पहिने शासनक स्वर एहन नहि छल।’

ईरा पट्ट जगेबाक अनुमोदन देलनि, शर्त ई जे ओकर प्रत्येक वाक्यक संग स्रोत-समय देखाओल जाए।

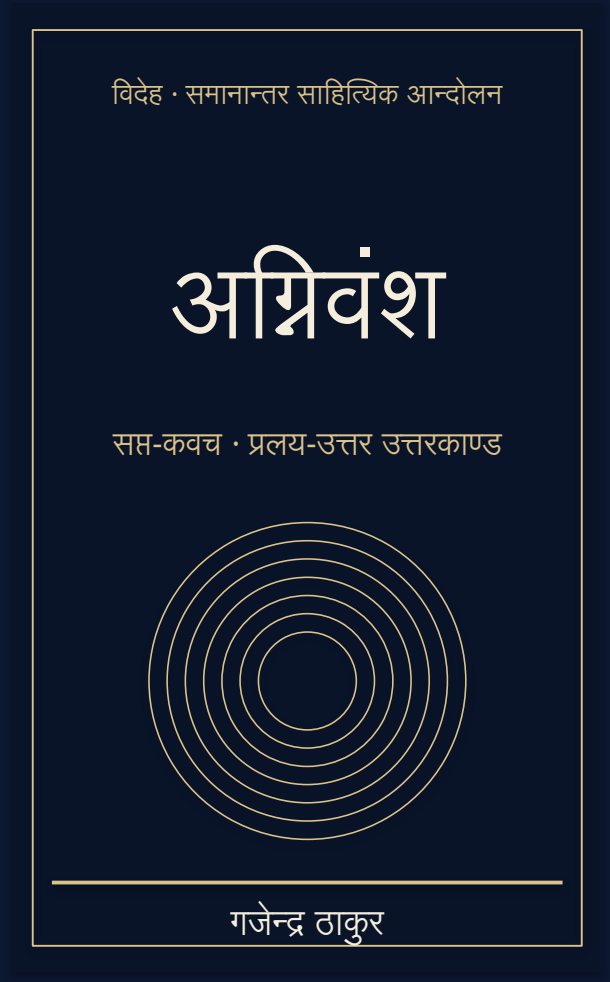
अगिला अध्याय : ४३ · मोनक पम्प

मूल पाठसँ

कियो पराजित भेलाक घृणा सँ नहि, प्रमाणक अपूर्णता स्वीकार करबाक कठिन अभ्याससँ सभा समाप्त भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४३ : मोनक पम्प

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन २२ । तट-गाम

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

लोक पानि सँ घेरल छल, मुदा पियबाक योग्य पानिक अभाव छल।

गाममे सही शब्दक दाम वास्तविक पानिसँ चुकाओल जाइत छल।

उर्मिला जनैत छलीह जे हुनकर विरोध कायरतासँ उपजल नहि छल।

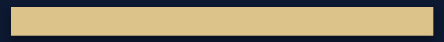
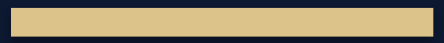
बाहरी कोठरीमे पहिनेसँ अलग कएल गेल सुरक्षित धातुक पेटीसभ छल।

मूल पाठसँ

“माटि भीतर पानि अछि,
मुदा ऊपरक बनावट बिना
लोक बेबस अछि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सहदेव जे यन्त्रक विरुद्ध बजैत छलाह, तकरा पाछाँ ओ मृत्यु ठाढ़ छल।
३–४		“किएक तँ गलती मानबाक अर्थ ई नहि जे ओकर सभ ज्ञान बेकार,” उर्मिला उत्तर देलीह।
५–६		मुदा सन्दिग्ध जल आ सुरक्षित जलक पात्र अलग देखिते राहत भेल।
७–८		लोकसभा ओहि प्रश्नपर बहस कएलक आ अन्तमे पहराक साझा पद्धति मानल गेल।
९–१०		ओहि दिन सहदेव एक बाँचल लकड़ीक चरखी लऽ अएलाह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहदेव जे यन्त्रक विरुद्ध बजैत छलाह, तकरा पाछाँ ओ मृत्यु ठाढ़ छल।

दूर धरि पसारल धानक खेतमे किछु ठाउँ माटि उघार, किछु ठाउँ पानि ठाढ़।

“उबाललासँ सभ रासायनिक अशुद्धि दूर नहि होइत अछि।

“एहि लेल यन्त्रक दास बनि गेल सभ,” ओ कहला।

ओहि बंद बाटसँ घुमि आबैत काल एक वृद्धक प्राण गेल छल।

मूल पाठसँ

सहदेव मण्डल पहिनेसँ पम्पक कात उपस्थित छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा पहिनुक कारखानाक नक्सा पम्पक बनावट बुझबामे उपयोगी भऽ सकैत छल।

- कारीगरसभ अपन हस्तलिखित सूची पर पुर्जाक नाम आ परखक तिथि लिखने छलाह।
- सीमित ऊर्जा भेटल छल; पाठशालाक सौर-सञ्चय सँ एकटा छोट पठन-कक्ष जगाओल गेल।
- उर्मिला स्थानीय पम्पक परिचय चिह्न पढ़लनि।
- एकर बादक मरम्मतिक कोनो अभिलेख उपलब्ध नहि छल।

मूल पाठसँ

अक्षरसँ अलग कएल गेल स्मृति-साक्षीक स्थानीय सेवा ओहि पट्ट पर अभिलेखक तिथि, स्रोत आ उपलब्ध अंश देखबैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पुरान नक्साक जोड़ आ वर्तमान पम्पक जोड़ एक-दोसरासँ नहि मिलैत छल।

हुनका सभकेँ लगैत छल जे दुर्लभ ऊर्जा काढ़ि यन्त्र जगाओल गेल, ताहि सँ निश्चित उत्तर भेटबाक चाही।

“गलत जोड़ लगा देब तँ काल्हियो नहि भेटत,” उर्मिला कहलीह।

ओ पठन-कक्षमे उत्तर पठबौलनि—“पुरान प्रकारक जोड़ वर्तमान पम्पक संग मेल नहि खाइत अछि।

ओ कहला, “जँ ई अपन गलती मानैत अछि, तँ ओकरा फेर किएक सुनब?”

मूल पाठसँ

जकरा सभकेँ लिखल आँकड़ा बुझबाक अभ्यास नहि छल, तकरा लेल बिन्देश्वर माटि पर जोड़क आकार बनौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वृद्धक गवाहीकेँ नहि उपहास बनाओल गेल, नहि अन्तिम निर्णयक आधार।

उर्मिला जल-वितरणक पञ्जीमे लिखवौलनि—“पम्पक मरम्मति जारी; पियबाक पानिक अवस्था अप्रमाणित।”

“जँ हमरा अपन निर्णय गलत भेटत तँ ओकरा सुधारब।

ओ कागज एक समयक गलत उत्तरक प्रमाण नहि, ओकरा सुधारबाक आरम्भ छल।

फेर अपन अनुभव सुनौलनि: पछिला बाढ़मे जे धार उत्तर दिस मुड़ल छल, ओहि दिसक कूपमे अजीब गन्ध आयल छल।

मूल पाठसँ

स्मृति-साक्षी छोट सन्देश देलक—“वर्तमान पम्पक स्थिति हमरा प्रत्यक्ष ज्ञात नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक वृद्धा कहलीह, “पम्प चलत तँ हुनकर नाम लिखल जाए जे जोड़ बदललनि।

जे कतारमे देरिसँ आबि पबैत छथि, हुनकर आवश्यकता कम किएक मानल जाए?”

छोट बालकक श्रमकेँ अनिवार्य काज बनायब नहि, ओकर विद्यालयक समय सुरक्षित रखब सेहो नियममे जोड़ल गेल।

ओकर उपयोग पर निर्णय करनिहार लोकक उत्तरदायित्व अछि।”

लोक तुरन्त कहलनि जे गरल-कोष बिगड़ला सँ विष फैलल।

मूल पाठसँ

ओ कहला, “जँ पम्पक काजमे सभ गाम लगत, तँ ओकर चाबी केवल एक जनक हाथमे किएक?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा सन्दिग्ध जल आ सुरक्षित जलक पात्र अलग देखिते राहत भेल।

लोकसभकेँ पहिल दिन ई व्यवस्था कठिन बुझायल।

दू जनकेँ याद पड़ल जे एक भयानक बाढ़क पछाति पम्पक ऊपरी जोड़ बदलल गेल छल।

जकरा देखबाक बाट अहाँ लग अछि, ओकरा अहाँ देखू।

मुदा उर्मिला हाथ उठा कऽ कहलीह, “जल बहराएब आ पियबाक योग्य होएब अलग बात अछि।

मूल पाठसँ

गामक बच्चासभक छोट पाठशालामे आब पम्पक दोसर नक्सा बनैत छल—माटि पर वास्तविक जोड़ देखिकऽ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला हुनकर नामक कात काज लिखलीह—‘रातिक सुरक्षा, शिकायतक पञ्जी’।

एहि छोट वाक्यमे हुनका लग भविष्यक एकटा कठिन सन्धि देखायल।

पम्प मरम्मतिक खर्चक लेखा ककरा नामे रहत?

जँ सभ पुर्जा उठा लेब तँ काल्हि दोसर मरम्मति लेल की बचत?”

आब गोदामक चाबी पर सेहो हमर अधिकार रहत।”

मूल पाठसँ

महाविच्छेदक पछाति कारखानाक बचल परिसर पर दू समूह दावा करैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कोनो अज्ञात पुर्जा खींचला पर जलक स्रोतमे कादो प्रवेश करि सकैत छल।

“बिआ एखन खाएबला अनाज नहि,” ओ कहलक, “आ बीजक अभावमे अगिला वर्षक खेती बिगड़त।

गामक विद्यालयमे पम्पक गलत सलाह पर अगिला दिन चर्चा भेल।

उर्मिला उत्तर देलीह, “जकर गलती सुधारल नहि जा सकय, ओकरा बहुत अधिकार देब खतरनाक अछि।

ओकर सुरक्षा बिना प्रशिक्षित हाथ सँ नहि होएत, ई स्पष्ट छल।

मूल पाठसँ

एक बालिका कहलनि, “नहि, पहिने देखब जे ओ की देखलक।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जाँचमे बुझायल जे हुनकर नवजात शिशुक नाम पञ्जीमे एखन दर्ज नहि छल।

पानिक कतारमे एक नन्हि बालिका अपन खाली पात्रक भीतर माटिक छोट टुकड़ा राखि रहल छल।

उर्मिला पहिने सूची अनुसार रोगी, बच्चा आ वृद्धक आवश्यकता सुनिश्चित करलीह, फेर घर-घरक भाग बाँटल गेल।

हुनकर छाप एखन केवल सहमतिक चिह्न नहि, बुझि कऽ देल सहमति छल।

अट्ठाइसम दिनक भोरमे उर्मिला पम्पक नलपर पहरा दैत छलीह।

मूल पाठसँ

उर्मिला सार्वजनिक रूपमे कहलीह जे नाम दर्ज नहि होनाइ शिशुक पियास नहि मिटबैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला हुनकर नामक कात लिखलीह—‘प्रतिदिन जल लऽ जायबाक दूरी आ समय’।

न्यायपूर्ण वितरणक अर्थ केवल समान मात्रा नहि; पहुँचबाक कष्टक लेखा सेहो छल।

शिक्षक कहला, “यन्त्र वस्तु अछि, ओकरा चलाएबला मनुष्य अपन बुद्धि प्रयोग करैत अछि।”

उर्मिला कहलीह जे जोखक साधन सेहो जाँचल जाए।

जलक धार अखनो कम छल; मुदा गामक निर्णयक स्रोत आब लोकक सोझाँ छल।

मूल पाठसँ

दूर भविष्यक समाज लेल ई छोट पाठ कतेक महत्त्वपूर्ण होएत, ओ एखन नहि जनैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एक युवक कहलक, “जँ रसायन नहि तँ रोग, तखन पम्पक पानि ठीक?”

उर्मिला हुनकर नामक कात काज लिखलीह—‘रातिक सुरक्षा, शिकायतक पञ्जी’।

सहदेव चाहैत छलाह जे यन्त्रपर निर्भरता न्यूनतम हो; उर्मिला चाहैत छलीह जे उपलब्ध यन्त्रक परखल उपयोग वर्जित नहि हो।

सहदेवक विरोध बुद्धिसँ अधिक अनुभवक पीड़ा सँ बनल छल; ओकरा एक दिनमे शब्दक खेल सँ तोड़ब सम्भव नहि।

मूल पाठसँ

उर्मिला बुझलीह जे प्रलयक बाद पुरान अन्याय अपन आप नहि मिटैत; कखनो संसाधनक अभाव ओकरा आओर कठोर बना दैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

बच्ची अपन खेलमे मात्रा जोखबाक उपाय खोजि लेने छलीह।

फेर कहलीह, “जखन तक अहाँ जाँच पूरा करब, तखन तक हमर पियासक लेखा राखू।

बिन्देश्वर एके पात्रमे नपल मात्राक पुनरावृत्ति देखलक, विचलन लिखलक, आ सीमित उपयोगक अनुमति देलक।

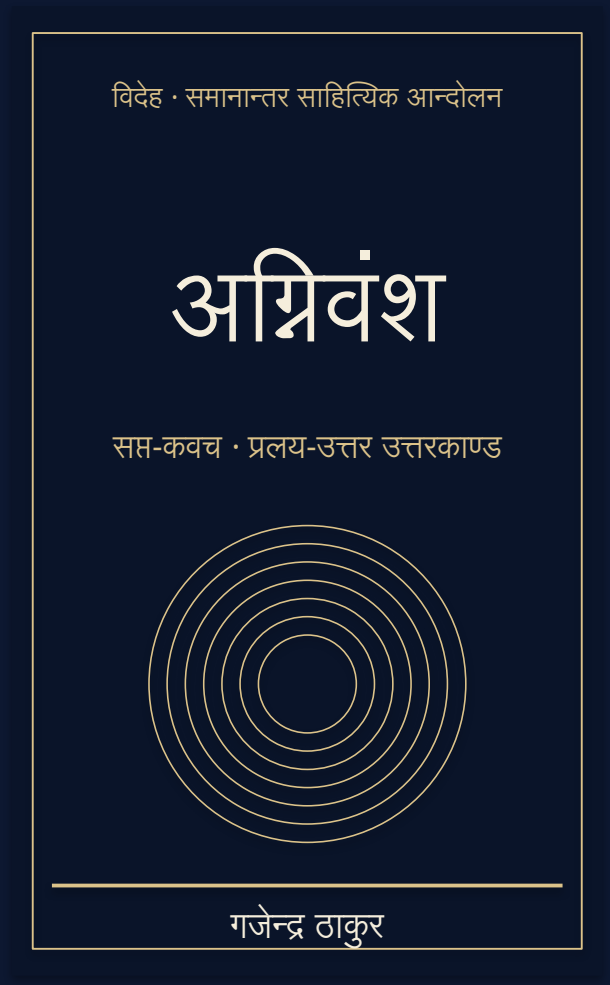
अगिला अध्याय : ४४ · प्रमाणक पहिल पन्ना

मूल पाठसँ

उर्मिला हुनकर नामक कात लिखलीह—‘प्रतिदिन जल लऽ जायबाक दूरी आ समय’।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४४ : प्रमाणक पहिल पन्ना

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन ३०

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

जे गाममे समाचारक हजार-हजार प्रति पहुँचैत छल, ओहि गाममे आब एक पन्ना छपबाक साधन खोजल जा रहल छल।

पहिल प्रश्न आयल—गामक “निर्जन” घोषित मोहल्लामे केओ बाँचल अछि कि नहि?

मुदा सहायता रोकबाक निर्णय लेल ‘सभ मरि गेल’क प्रमाण सेहो आवश्यक छल।

हरिदास कहला जे सौ प्रति निकालयब हो तँ बच्चासभक अभ्यासक कागज कटत।

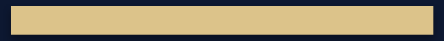
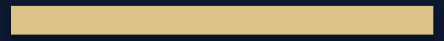
मूल पाठसँ

युवकक संग दोसर प्रत्यक्षदर्शी नहि छल, मुदा ओकर दिन-पञ्जी आ नावक वापसीक समय लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		बाढ़क बाद नव आश्रय-स्थलक नाम अलग सूचीमे लिखल गेल छल।
३–४		“करार बनेबाक अधिकार गामक लोकक अछि,” नीलम उत्तर देलीह।
५–६		दुर्घटनाक आरम्भक दिन ओ गलत आक्षेप छापि लोककेँ दुख देने छलीह।
७–८		“तखन एक प्रश्न पुछनिहारक आवाज बचेनाइ जरूरी अछि।”
९–१०		हरिदास एहि सुझावकेँ मानलनि; किछु दिन बाद नकलसभक मिलान सहज भेल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ स्याहीक बोतल हिलबैत कहलनि, “जतेक बचल अछि, ओकरा फिजूल नहि गमाउ।

कागजक गन्धमे सील आ पुरान स्याहीक तीखापन छल।

हरिदासक कथनमे तिक्तता छल, मुदा आचरणक उपयोगी सीमा सेहो।

ओहि समाचारक आधार पर राहत-वितरणक सूचीसँ बस्तीक नाम हटेबाक प्रस्ताव भेल।

एक वृद्ध पुछलनि, “हमर घरक नाम नहि तँ हम एतयक लोक नहि भेलहुँ?”

मूल पाठसँ

पुरान प्रसारणमे ओहि बस्तीक ऊपर जल भरल दृश्य देखाओल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हरिदास कहला जे सौ प्रति निकालयब हो तँ बच्चासभक अभ्यासक कागज कटत।

कागज बीज लपेटबाक, औषधिक पुड़िया बनेबाक आ पाठशालाक लिखाइमे सेहो लगैत छल।

“एक प्रति सँ बीस लोकक भरोसा बनैत अछि कि बीस भिन्न अर्थ?

ओ समाचार लिखने छलीह—‘आपूर्तिक सूची गायब, अधिकारी लापरवाह’।

मुदा जकरा दोषी कहल गेल, ओकरा अपन बात कहबाक अधिकार चाही।”

मूल पाठसँ

“हमर भाय ओहि कार्यालयमे छल,” स्त्री कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एकरा बचएबाक पहिल काज एकरा बिना जाँच खोलि नष्ट नहि करब।”

आ जे क्षति भेल, तकरा लिखित रूपमे सार्वजनिक राखब।”

हाथक दबाव सँ चलनिहार साधनक एक भाग बचल छल; ओकर सुरक्षित प्रयोगक जाँच कएल गेल।

“एहिमे सभ पुरान सूची होएत,” ओ उत्साहसँ कहलक।

हरिदास कहला, “ई पत्रिका नहि, गामक नब करार भेल।”

मूल पाठसँ

नीचाँ लिखल छल —‘सुधार-स्थान खाली राखल गेल अछि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“तखन हस्ताक्षर ओकर कथनक स्रोत कहत, सत्य नहि,” नीलम उत्तर देलीह।

ओ आइ छपल सुधारक पहिल प्रति ओहि स्त्रीकेँ देब तय कएलनि जकर भायक नाम विवादमे आएल छल।

ओहि प्रतिमे ‘अप्रमाणित’ शब्द छुटि गेल छल।

पुरान प्रमाण-मुद्रा यन्त्रक हस्ताक्षर जाँचैत छल; आब लोककेँ हस्तलिखित सत्यापनक उपाय खोजब पड़ि रहल छल।

बाढ़क पानिसँ पन्नाक किनार नष्ट छल, मुदा किछु घटनाक क्रम बाँचल।

मूल पाठसँ

मुदा एक शब्द हटला सँ वाक्यक अर्थ बदलि गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ चाहैत छलीह जे पन्नासभ खाली कात काटि समाचार छपबाक लेल देल जाए।

“जतेक प्रमाण भेटत, ततेक,” नीलम उत्तर देलीह।

“मुदा एहि अभावमे ऋणक हिसाबक फेर उपयोग होएत कि नहि, नहि जनैत छी।

एकटा परिवार अपन मृतकक नाम गलत रूपमे छपल देखलक।

दुर्घटनाक आरम्भक दिन ओ गलत आक्षेप छापि लोककेँ दुख देने छलीह।

मूल पाठसँ

ओ वृद्धाकेँ समझौलनि जे पोथी केवल व्यक्तिगत स्मृति नहि, ककरो अधिकारक प्रमाण सेहो बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई खाता पाठक लेल सुन्दर नहि छल, मुदा कागजक यात्रा बुझबाक साधन छल।

प्रतिनिधि पूछलनि, “आ अधिकारीक गलती के लिखत?”

छापाखानाक भीतर एक बच्चा पूछलक, “जँ कम्प्यूटर फेर चालू होयत, तँ ई कागज चाही?”

लोकक क्रोध तुरन्त एक विस्थापित परिवारपर पड़ल; ओ परिवार रातिमे भण्डारक नजदीक देखल गेल छल।

“लोक कहत जे अहाँ चोरकेँ बचौलहुँ,” हरिदास कहला।

मूल पाठसँ

नीलम देखलीह जे एके पन्नामे अतीतक अक्षर आ अनागतक हस्ताक्षर मिलि गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पुरान इतिहासक एहि सिराकेँ ओ ‘अनुरक्षण जाँच—अपूर्ण’ शीर्षक देलीह।

एक साँझ नीलम गामक वृद्ध गोपालक घर पहुँचलि।

मुदा हमरा नहि जनैत छल जे प्रलय आबि जायत।

भयमे कागज छिपलासँ लोकक भरोसा नहि बनत।”

नीलम जनैत छलीह जे अधिकतर सूचना एक समय जालक अन्य केन्द्रसभमे राखल जाइत छल।

मूल पाठसँ

पत्रक तिथि, प्रापक, उत्तर आ वास्तविक मरम्मतिक अवस्थाक प्रमाण चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आब समाजक सभ सँ कमजोर लोक अपन नाम ठीक करबएब लेल हुनकर लग अबैत छल।

अक्षरक घोषणा पर ओ पहिने अपूर्ण अंशक आधार पर अर्थ निकालने छलीह।

जतय छपाइ नहि होयत, ओतय दिनक एक घण्टा प्रमाण-पञ्जी पढ़ल जाए, प्रश्न लिखल जाए, आ सुधारक हिसाब सार्वजनिक राखल जाए।

एक स्त्री, जे बीज बाँटबाक सभासँ आएल छलीह, कहलीह जे समाचारक नाम पर कागजक दावा बढ़ि रहल अछि।

रातिक अन्तमे नीलम पञ्जीक एक नव पन्ना खोललीह।

मूल पाठसँ

नीलम उत्तर देलीह, “भूखल लोकक अन्न ककरा भेटत, से पन्नामे लिखल जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु अधिकारी आशङ्का कएलनि जे झूठ दावासँ भण्डार खाली भऽ सकैत अछि।

- राहतक पंक्तिमे एक परिवारक बच्चाक नाम गलत पढ़ल गेल; अधिकारी सूची पर लिखल अङ्क बुझि परिवारकेँ मना करि देलक।
- नीलम ओकरा प्रश्न कएलनि, “अहाँक पुरान केन्द्रमे गलती कखन संशोधित होइत छल?”
- आब पन्ना गाम-गाम नहि, सभा-सभा पहुँचैत छल।
- ओ सहायता-समितिसँ अलग निवेदन कएलनि जे बेपत्ता लोकक परिवारक आवश्यकताकेँ मृतक-प्रमाणपत्र पर निर्भर नहि राखल जाए।

मूल पाठसँ

युवक पहिल बेर समाचारक पन्ना ध्यानसँ पढ़लक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सार्वजनिक निर्णय आ व्यक्तिगत गोपनीयता दुनू एके संग बचाबय पड़त।

नीलम एतबा श्रम देखिकऽ बुझलीह जे एक सही पन्ना हजार लोकक सम्मति सँ चलि सकैत अछि, मुदा एक गलत पन्ना ओकरा सभपर हानि ढारि सकैत अछि।

“हो सकैत अछि,” नीलम कहलीह, “मुदा गलती के पहचानत, सुधार के स्वीकारत, आ जबरन सहायता काटल गेल तँ प्रतिवाद के सुनत?”

चिकित्सकक जाँच बिना एहन निष्कर्ष अनुचित छल।

कारीगरकेँ अपमानित कएने बिनु सावधानी राखल गेल, आ ओकर परिवारक भोजन बन्द नहि भेल।

मूल पाठसँ

प्रमाण-पञ्जीक अन्तिम पन्नामे नीलम एक घटना लिखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

"तेँ प्रमाणक जाँच आओर जरूरी," नीलम उत्तर देलीह।

छापाखानाक पुरान संगणकक निष्क्रिय पट्ट कखनो-कखनो खिड़कीक उजियारमे चमकि उठैत छल।

नीलम जखन पहिल सुधारक पन्ना तट-ग्राम पठौलनि तखन ओकरा संग एक खाली कागज सेहो रखलनि।

नीलम कहलीह, "झूठक सम्भावना दूर करबाक लेल जाँच हो; मुदा जकरा समाचार नहि, तकरा भूखल रखब न्याय नहि।"

मूल पाठसँ

शिक्षकसभ एकटा सार्वजनिक वाचन-सभा बनेबाक प्रस्ताव रखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

हरिदास पूछलनि, “लोक कागजक ई खाली भाग अपन विरोध लेल प्रयोग करत।”

कियो ओकरा पढ़ि सुनबैत, कियो प्रतिवाद करैत, कियो अपन गवाही जोड़ैत।

राति युवा स्वयंसेवक नीलमसँ कहलक जे भविष्यक संगणकीय पञ्जीमे एहि प्रकारक सुधार जल्दी होएत।

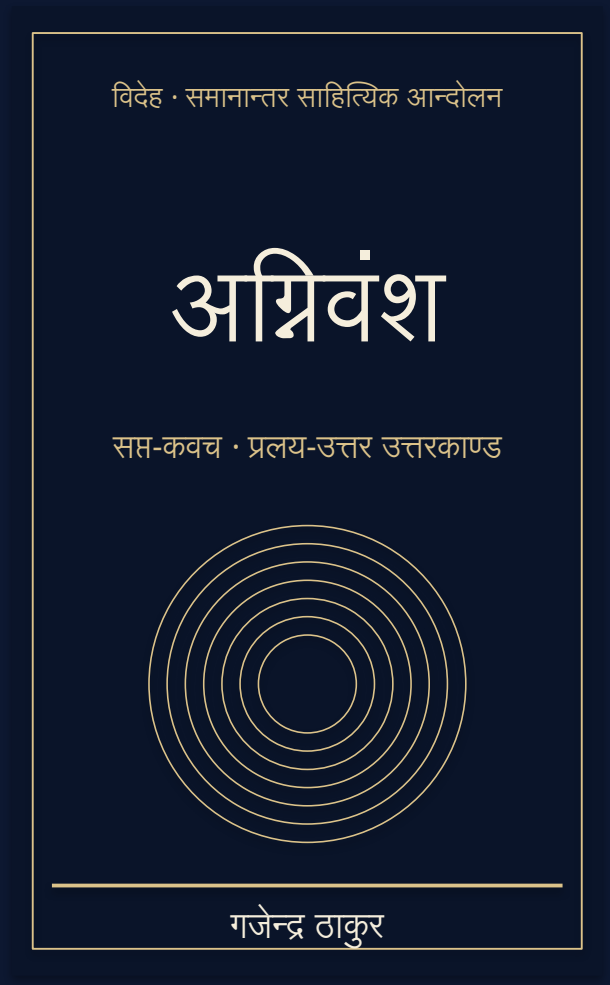
अगिला अध्याय : ४५ · अभिलेखक मूल्य

मूल पाठसँ

प्रत्येक दावाक कात स्रोतक नाम, प्रमाणक अवस्था आ सुधारक तिथि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४५ : अभिलेखक मूल्य

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन ४० । पञ्जी-भण्डार

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

“एहि घरमे जे बचल अछि, तकरा पहिने जोखू,” ओ कहलनि, “आ जे नहि बचल, तकर नाम सेहो राखू।

मुदा जँ आजु उपचारक ऊर्जा कटत, तँ जीवित लोकक प्राण जा सकैत अछि।”

किछु युवक चाहैत छल जे स्मृति-भण्डार तत्क्षण चलाओल जाए।

संदेशक कात समय आ प्राप्तकर्ताक हस्ताक्षर छल।

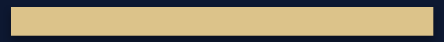
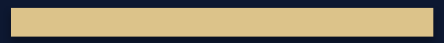
मूल पाठसँ

एक दूत पठाओल गेल; दूत पैदल जाएत, उत्तर आबयमे समय लागत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		एक युवकक परिवारक घर बाढ़मे ढहल छल; पड़ोसी ओहि धरतीक अधिकार पर प्रश्न उठाने छल।
३–४		मैथिली जानैत छलीह—एहि रातिक निर्णय इतिहासमे सही सिद्ध होएत कि नहि, से कहब कठिन।
५–६		पुरान पञ्जीक प्रत्येक पाँत भविष्यक अधिकारकेँ स्वतः निर्धारित नहि कऽ सकैत।
७–८		“झूठक सुविधा लेल इतिहास नहि लिखल जाइत,” जीवेश उत्तर देलनि।
९–१०		एक बालक हरियर धानक बीच ढहल चिमनी बना देलक।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जीवेश चेतौलनि जे भिजल यन्त्रकेँ बिना परीक्षण ऊर्जा सँ जोड़ब नहि।

हुनकर चलब धीम छल, मुदा कागज देखबाक आँखि अखनो तेज।

“मनुष्यक स्मृति पर आशा राखू,” ओ कहला, “मुदा आशामे हाथक असावधानी नहि जोड़ू।”

जीवेश निचाँ बैसि एकटा पन्ना अलग करैत कहला, “जँ स्मृति गुमत तँ मरणोपरान्त लोकक नाम मेटि जायत।

पहिल पन्नामे बच्चासभ लिखने छलाह—‘हमर गाम, हमर पोखरि, हमर खेत।’

मूल पाठसँ

ओहि समय पञ्जी-भण्डारमे उपलब्ध एक छोट सञ्चय सँ स्मृति-साक्षीक पठन-पट्ट जगा कऽ पुरान अभिलेख उतारबाक प्रस्ताव छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक महिला, जकर परिवारक दू सदस्य बेपत्ता छल, तीव्र स्वरमे बजलीह।

मुदा ओ पुछलीह, “अहाँक लग किछु आन साक्ष्य अछि?”

उपलब्ध सञ्चयक जतेक भाग सुरक्षित रूपेँ हस्तान्तरित हो सकय, उपचार लेल चाही।

पञ्जी-भण्डारक सामग्रीकेँ अलग-अलग सुरक्षित स्थानमे राखबाक हाथक काज चलत।

“जँ कागज गुम गेल तँ हमर लोकक नाम ककरो स्मृतिमे नहि बचत!”

मूल पाठसँ

“मुदा अनुमानक नाम पर रोगीकेँ प्रतीक्षा कराबब उचित नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली गीतक शब्दक संग स्रोत सेहो लिखलनि—‘परिवारक मौखिक गवाही’।

साँझ धरि कागज सुखेबाक सुरक्षित व्यवस्था खोजल गेल।

शारदा लिखने छलीह—“आपूर्ति भेटल; उपचार जारी; परिणाम अनिश्चित।”

कागजमे एक बच्चाक जन्मक नाम छल, मुदा माय-बापक उल्लेख पानिसँ धुइ गेल छल।

पुरान ज्ञानक स्मृति ओहि कारखानामे छल, मुदा नब ज्ञानक रक्षा एखन कागज, गवाही, उपचार आ सामूहिक निर्णयमे भऽ रहल छल।

मूल पाठसँ

ओकर कारीगर कहलक जे सञ्चयक बिना पुरान सूची खोलब सम्भव नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक यन्त्रक सीमा आ एक स्त्रीक निर्णय, दुनू एके पन्नापर आबि गेल छल।

मैथिली ओहि वाक्यक प्रति पञ्जीमे चिपकौलनि।

पञ्जीक जे भागमे ओ नाम होयबाक सम्भावना छल, ओ भीजल स्मृति-सामग्रीक भीतर बन्द छल।

पञ्जी-भण्डारक पछिला आँगनमे बालिकासभक छोट पाठशाला शुरू भेल।

संदेशमे ककरो प्राण बचल कहि विजय घोषित नहि छल।

मूल पाठसँ

जँ किछु नहि भेटल, तखन तोहर कथनकेँ गढ़ल तथ्य कहि नहि लिखब।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली पुछलीह, “जँ यन्त्रक भीतरक नमी सँ संग्रह बिगड़ि गेल, तखन?”

पञ्जी-भण्डारमे जे छोट ऊर्जा-सञ्चय बचल छल, तकरा फेर जगेबाक लालसा बढ़ल।

एहिसँ युवककेँ बुझायल जे ‘अभी नहि’क अर्थ ‘कखनो नहि’ नहि अछि।

“जकरा हम नहि जनैत छी, ओकर नाम महान राखि बेचब नहि।”

अभिलेख केवल मृतकक नाम नहि, जीवितक बीच संघर्षो राखैत अछि।

मूल पाठसँ

मैथिली तुरन्त विरोध कएलनि—“एहि पेटीक सामग्री एखन पढ़ल गेल नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

संरक्षकसभ कहला जे जँ विलम्ब भेल तँ किछु पन्ना सदा लेल नष्ट होयत।

- कियो जबरदस्ती एकटा ‘शुद्ध’ रूप घोषित नहि केलक।
- मैथिली एहि खण्डक कात शिशुसभक शिक्षा, रोगीक गोपनीयता, वंशक अधिकार आ कृत्रिम बुद्धिक बन्द करबाक लोकाधिकार लिखलीह।
- साँझक आलोकमे पञ्जी-भण्डारक एक फाटल झरोखासँ गामक खेत देखाइत छल।
- एक युवक कहलक, “एक जीवन लेल हजार जीवनक इतिहास छोड़ल गेल।”

मूल पाठसँ

“नहि तँ हम फेर ओहि भूलमे पड़ब जे संकट सँ पहिने भेल छल।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल परिवारक वृद्ध कहला जे तिथि अगहनक छल; दोसरक वृद्धा कहलीह जे माघक।

कागजक अभाव छल, तेँ सभ दस्तावेजक प्रतिलिपि सम्भव नहि।

जकर अभिलेखक नष्ट होनाइ तुरन्त भोजन, आश्रय, उपचार अथवा परिचय पर असर करत, ओकर प्रथम सूची बनत।

महिला स्वयं परीक्षण कएलनि—सभाक लिखल नियमक एक पाँति पढ़बौलनि आ ओकर अर्थ पुछलनि।

नामक एक भाग पानिसँ मिटि गेल, मुदा सम्बन्धक गवाही दुनू परिवार लग बचल छल।

मूल पाठसँ

“अहाँ सभ जे लिखैत छी, हम पढ़ि नहि सकैत छी,” ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“मेटब सँ बेसी जरूरी छल गलती के देखब आ सुधारब,” मैथिली उत्तर देलीह।

आब ओहि वृद्धकेँ मानवीय स्मृतिक अपूर्णता सेहो स्वीकार करबाक पड़ि रहल छल।

गोपनीयताक नाम पर पीड़ितक आवाज बन्द नहि होएत।

मैथिली कहलीह, “ई बहुत प्रकारक गणना करि सकैत छल।

एहि वार्तासँ मैथिलीकेँ भविष्यक प्रश्नक दूरक आभास भेटल।

मूल पाठसँ

हुनका सभकेँ पुरान संगणकक टूटल पट्ट देखबाक उत्सुकता छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“ई एखन ककरो अनावश्यक हानि नहि हो, ताहि लेल समय देबाक विधान अछि।”

मैथिली एहि बेर अकेला निर्णय नहि लेलीह।

मैथिली कहलीह, “आ जकर नाम नहि, ओकर अधिकार सेहो।”

नव कक्षक भित्ति पर पुरान जलचिह्न नहि छल, मुदा ओहि स्थानक सुरक्षा भविष्यक बाढ़मे कतेक रहत, निश्चित नहि।

एक वृद्ध भूमिधारी अशान्त भेला; हुनका लगैत छल जे अनिश्चितता बहुत लाम चलत।

मूल पाठसँ

मैथिलीकेँ लागल जे एहि अपूर्णताकेँ स्वीकार करब स्वयं पराजय नहि; कखनो ई सभ्यताक नब आरम्भ होइत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

रातिक अन्तिम प्रहरमे जीवेश मैथिलीकेँ एकटा पुरान पन्ना देलनि।

भविष्यक कल्पना करबाक लेल अतीतक अवशेष झूठ कऽ मिटाएब जरूरी नहि।

मैथिली ओ पाँति पढ़ि मुस्कुरेलीह; ओ एखन उत्तर नहि लिखलीह।

नामक शब्द सेहो लोकक आत्मसम्मान बदलैत अछि।

एहि छोट वचनपर कियो ताली नहि बजौलक; लोक थाकल छल।

मूल पाठसँ

पुनर्निर्माणक समय अनुदान आ अपमान एक संग नहि चलबाक चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

युवक कहलक, “तखन निर्णयक न्याय कोना हो?”

उन्नीस वर्ष पहिने जीवेश अक्षरक ऐतिहासिक स्मृतिक अपूर्णता उजागर कएने छलाह।

खेतमे नव हरियर अंकुर कतहु-कतहु देखाइत छल; अनेक ठाम माटि अखनो परती।

ओ नब सहायता-पञ्जीक शब्दावली पर नजर देलीह।

मूल पाठसँ

“मेटब सँ बेसी जरूरी छल गलती के देखब आ सुधारब,” मैथिली उत्तर देलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

"सुरक्षा आ सार्वजनिक उत्तरदायित्व दुनू चाही।"

ई छोट परिवर्तन मैथिलीक लेल अर्थपूर्ण छल।

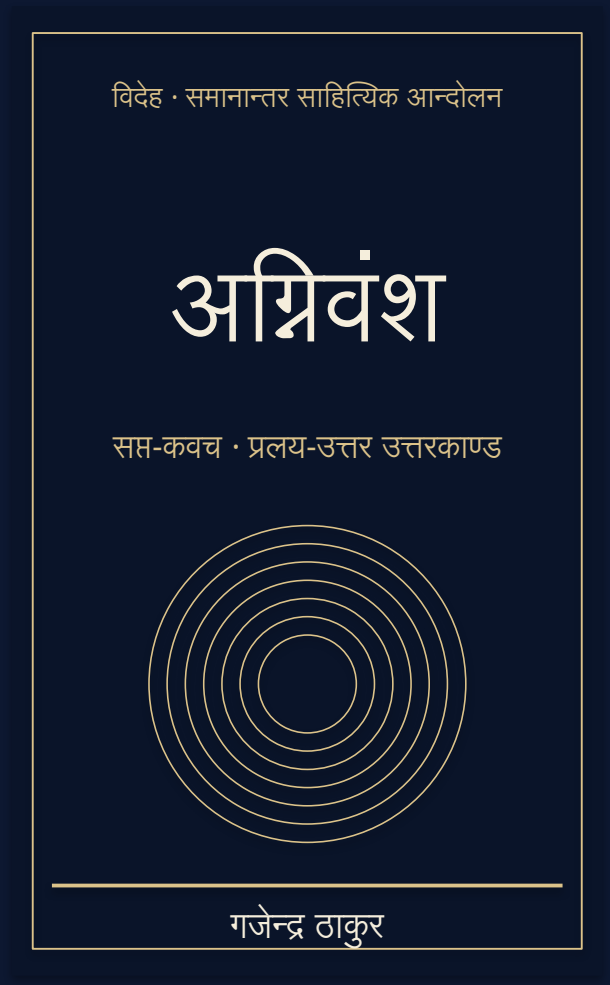
बाहरक अन्हार पहिनेसन छल, मुदा पञ्जीक नव पन्नामे सुधारक लेल ठाम सुरक्षित छल।

अगिला अध्याय : ४६ · शून्यक दोसर कात

मूल पाठसँ

मुदा एहन लोक कम छल जे प्रश्न करनिहारकेँ शत्रु मानैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४६ : शून्यक दोसर कात

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन १०२ । नभग्राम-४

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ओहि भोर शिक्षालयक पुरान कोठरीमे नभग्रामक नागरिकसभा बजाओल गेल छल।

ओ उत्तर देलीह, “जाँचक नाम पर विलम्ब अपराध भऽ सकैत अछि।

ईराक सोझाँ तेसर पन्नामे ओहि कर्मीसभक नाम छल, जे पहिने आपातकालमे बाहरी ढाँचा सम्हारबाक गेलाह आ फेर नहि घुरलाह।

चारिम, कोनो नाम वंश, पुरान पद, धन अथवा पृथ्वी-कक्षाक जन्मस्थानक आधार पर आगाँ नहि होएत।

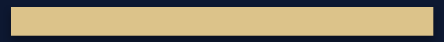
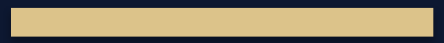
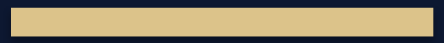
मूल पाठसँ

औषधि पूर्ण रूपेँ समाप्त नहि भेल छल, मुदा ओकरा सही तापमे राखबाक ऊर्जा घटि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		चिकित्सकक अभिलेखमे ओकर अवस्था ‘निकासी आवश्यक, मुदा यात्रामे विशेष निरीक्षण’ लिखल छल।
३–४		ओ सदस्य पहिने ईराक ऊर्जा-वितरणक निर्णय पर सार्वजनिक असहमति जता चुकल छलाह।
५–६		जँ ओहिमे सँ एक निकासी-यानक तकनीकी काज सँ बँधत, तँ नभग्रामक बाँचल लोकपर जोख पड़त।
७–८		कोनो लोक नाना सँ पूछने छल जे पहिने के उतरत।
९–१०		अन्ततः प्रस्थानक दिन निश्चित नहि, केवल सम्भावित अवकाश तय भेल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि भोर शिक्षालयक पुरान कोठरीमे नभग्रामक नागरिकसभा बजाओल गेल छल।

पृथ्वी दिस पठाओल सन्देशक उत्तर कखन पहुँचत, से सेहो निश्चित नहि।

तकर पाछाँ दू परिचालक एकटा पट्ट लऽ ठाढ़ छलाह।

ओकर स्वरमे खीज छल, आ ईरा ओकरा रोकलीह नहि।

दोसर दिस ऊर्जा-कक्षक एक अनुभवी महिला परिचालिका कहैत छलीह जे ओ बिना रहलासँ प्राणवायु चक्रक निगरानी कठिन होएत।

मूल पाठसँ

ईरा सभासँ पहिने ओ भेद स्पष्ट करबय चाहैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एकटा अङ्क देखिकऽ रोगीक भाग्य निश्चित करब एहि सभाक उद्देश्य नहि छल।

ईरा हुनकर श्रमक मूल्य अस्वीकार नहि कएलनि, मुदा ओ श्रमकेँ बच्चाक श्वाससँ पैघ अथवा छोट कोना जोखतीह?

तेसर, जे स्थिति चिकित्सकीय रूपेँ एकसन अछि, ओहिमे सभाक सामने चिट्ठी उठाओल जाएत।

कागजक पाँच पाँती लिखनाइ सरल छल; तकर पालनमे सबसँ कठिन संघर्ष आबबाक छल।

आ जतय प्रत्यक्ष परखक सीमा अछि, ओहि सीमाकेँ सेहो लिखू।”

मूल पाठसँ

ओ चाहैत छलीह जे ईरा बाहर गेलापर पृथ्वीक नागरिकसभासँ सहायताक आग्रह करितथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनेक लोक हुनकरा पर खिसिअयल; हुनका कहब छल जे ओ आशाक शत्रु छथि।

ईराक सहायक ओकर सम्भावित स्रोत बतौलनि, मुदा समय-चिह्न अस्पष्ट छल।

ओहि खिझबाक बीच ईरा छोट बच्चाक हाथमे बनल पृथ्वीक चित्र देखलीह—चित्रमे खेत रहितहुँ बच्चाकेँ वास्तविक खेतक गन्ध याद नहि छल।

कागजक संख्या सेहो प्राणक संसाधन बनल छल।

तखन ओ लिखबेलीह—‘पुरान सूचना, वर्तमानक प्रत्यक्ष पुष्टि शेष’।

मूल पाठसँ

यानक भीतर लए जाएबला वस्तुक सूची एकहि पन्नामे समा नहि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर दैत कहलीह, “हमर नाम रहबाक कारणेँ नियम चलत, तँ हम असफल छी।

कोनो दोसर प्रतिनिधि हमर निर्णयकेँ उलटा सकय, से व्यवस्था होअय।”

एक बच्चीक माय पुछलीह जे काल्हि जकर नाम सूचीमे छल, आइ किएक हटि गेल।

ओहि बच्चासभकेँ पृथ्वी पर लऽ जाइत नहरक गन्धक संग रोगक जोखिम सेहो भेटि सकैत छल।

ओ केवल कहलीह, “जे नोर एतय बचल, से हमर सामूहिक जिम्मेवारी अछि।

मूल पाठसँ

एकटा छोट रुग्ण-गृहक बाहर बच्चासभ पृथ्वीक पुछल प्रश्न चित्रमे लिखैत छल—‘नीचाँ कतय अवतरण?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पृथ्वी सँ अगिला सन्देशमे तटवर्ती शरणक्षेत्रक केवल किछु शब्द स्पष्ट छल।

रोगीक अपने इच्छा सुनबाक लेल सार्वजनिक भीड़ हटाओल गेल।

‘किछु ठाम पानि दूषित’, ‘उतरबाक स्थान बदलल’—एहि शब्दक बीच बहुत खामोशी।

ईरा उत्तर देलीह, “ओहो लोक ककरो लेल नीचाँ नहि, अपन घरमे जीवैत अछि।

ईराकेँ बुझायल जे एखन हम केवल निकासी नहि, दू घावग्रस्त समुदायमे सम्बन्ध बना रहल छी।

मूल पाठसँ

तट-ग्राममे जे लोक अपन घरक ढहल दीवालक संग जीवैत छथि, हुनकर आवश्यकता नभग्रामक यात्राक गणनामे अदृश्य नहि होएबाक चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिने ओ कहलीह जे नभग्राम हुनकर घर अछि, तकरा छोड़ि नहि सकैत छथि।

ईरा तेसर जाँचकर्ताक व्यवस्था जोड़लीह, जाहिसँ रोगीक गोपनीयता आ निर्णयक समीक्षा दुनू सुरक्षित रहय।

प्राणवायु-कक्षक वृद्ध परिचालिका उत्तर देलीह, “थाकल हाथ जे चूक करत, तकर मूल्य सभक साँस चुकौत।”

फेर चुप्पे कहलनि जे हुनकर नतिनी पृथ्वी पर छलि, महाविच्छेदसँ पहिने सम्पर्क टूटि गेल।

पहिने प्रतिवाद भेल; फेर एक वृद्ध अभियन्ता पूछलनि, “जँ एहि कम्पनक कारण यात्रा बीचमे बाधा देलक, तँ के उत्तर देत?”

मूल पाठसँ

“अहाँ एतय रहि काज करब चाहैत छी कि अहाँकेँ लोकसभक आँखि एतय रहबाक बाध्यता देलक?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बराबरी आ न्याय बीचक अन्तर एकटा फूटल पात्रसँ स्पष्ट भेल।

पट्टपर मुहरक आकृति हुनका परिचित छल, मुदा ओकर स्रोत-समय नहि छल।

“आ स्रोत सिद्ध भइयो गेल, तकर अर्थक जाँच अलग।”

जखन सभ प्रारम्भिक असावधानी कहैत छल, ओ देखलीह जे पात्रक बगलमे पुरान जोड़पर पहिने सँ क्षरणक दाग छल।

तखन चिकित्सकक सूची आ दैनिक श्रमक आवश्यकता अनुसार कटौतीक लेखा फेर बनल।

मूल पाठसँ

एहि बीच नभग्रामक दक्षिणी गलियारामे पानिक एक छोट पात्र फूटि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा पूछलीह, “शीघ्र निर्णय जँ गलत हो तँ ओकरा रोकबाक समय के देत?”

ईरा कहलीह, “अभिलेख त्रुटि देखबैत अछि, मुदा तब तक जे पानि घटल, जे रोगी छूटल, तकरा फेर लौटा सकै छी?”

एहि बेर ओ चाहैत छलीह जे नागरिकसभाक पन्नामे छूटल लोकक नाम सेहो हो।

नभग्रामक पुरान अभिलेखक बचल अंश आ गवाही एक-दोसरासँ मेल खएलक।

एहि परिवर्तनसँ निकासी-अग्रता स्वतः नहि बदलल, मुदा एतय रहि जायबला लोकक भोजन आ विश्रामक नियम बदलल।

मूल पाठसँ

कारण हुनकर परिचय-पत्रक कागज आधा फाटल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

चिकित्सक सभाक सोझ कहलनि जे भुखमरी आ भयमे देहक गवाही सेहो बदलि जाइत अछि।

घण्टी कखनो विद्यालयमे बजैत छल, आब ओकर भीतरक छोट धातु ढील भऽ गेल छल।

प्राणरक्षक सामग्रीक सोझाँ घण्टी नहि जाएत, मुदा बच्चाक भावनाक उपहास सेहो नहि होएत।

औषधिक एहि पञ्जी सँ एक आरो कठिनाइ सोझाँ अएल।

ओ जे सुनवाईक समय राखने छलीह, ओकरा घटएबाक आग्रह एहि कारण अस्वीकार कएलनि।

मूल पाठसँ

ईरा उत्तर देलीह जे बहीक प्रति बनबाक चाही, मुदा बचल कागज थोड़ अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अन्ततः प्रस्थानक दिन निश्चित नहि, केवल सम्भावित अवकाश तय भेल।

बच्ची कहलक, “तँ हमर घण्टीक चित्रक पाछाँ सभक नाम लिखू।”

एक सहकर्मी खिसिआएल, “अहाँ सभसँ पछाडि रहि नायक बनब चाहैत छी?”

दोसर चित्रमे नभग्रामक खिड़की दिस एक वृद्धा हाथ उठौने छथि, मुदा नीचाँ कियो हुनका देख नहि रहल अछि।

पृथ्वी नीचाँ उजासमय छल, मुदा ओकर भूभागक अन्हार बहुतेक अदृश्य।

मूल पाठसँ

ओहि उत्तरक संग हुनका अपमानक शङ्का नहि, अपन चूकक वास्तविक डर छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओहि परिचालिका निकासी-यानमे जानेबला अपन अवसर स्वयं त्यागि देबाक सोचि रहल छलीह।

सँचित पानिक मात्रा बहुत नहि छल, मुदा ओहि थोपा लेल तीन परिवारक दिनक भाग घटब पड़ल।

युवक अपन फाटल पत्र जेबमे राखि सभा सँ निकलल।

ईरा पहिल बेर ऊँच स्वरमे बजलीह, “नायक बनबाक लालसा एतय सभसँ बड़ा रोग अछि।

मूल पाठसँ

कोनो लोक नाना सँ पूछने छल जे पहिने के उतरत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

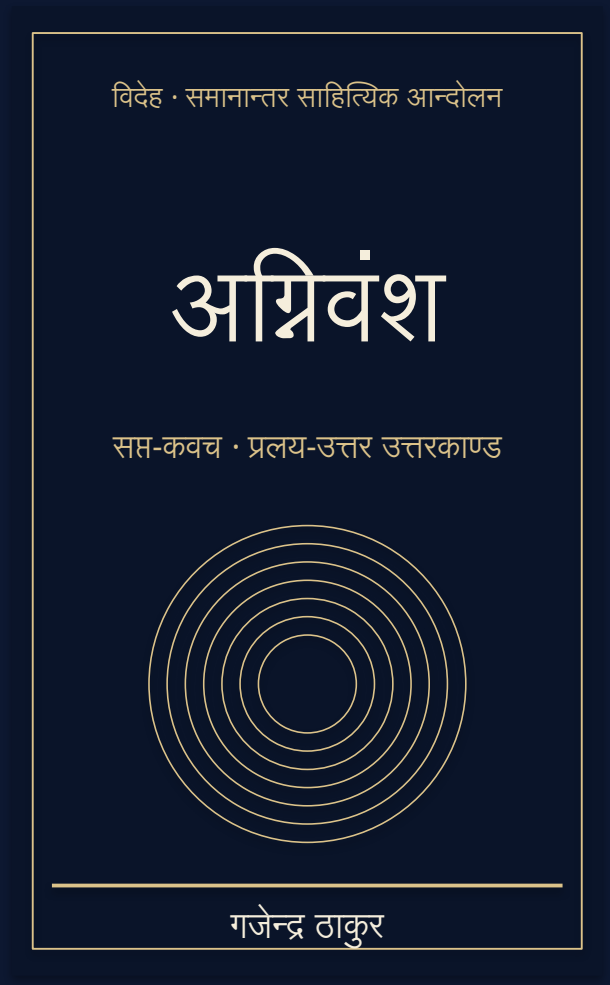
- किछु अस्वस्थ लोक निकासी लेल अपन लक्षण बढ़ा कऽ कहने छलाह; दोसर किछु लोक उपचारक खर्चक भय सँ रोग नुकौने छलाह।
- अन्ततः प्रस्थानक दिन निश्चित नहि, केवल सम्भावित अवकाश तय भेल।
- ओहि प्रहर वेधशालाक पट्टपर फेर एक अस्पष्ट सङ्केत चमकल।
- अगिला अध्याय : ४७ · रोगक नाम

मूल पाठसँ

पट्टपर लिखल गेल —‘अवलोकन सफल भेला पर यात्रा; असफल भेला पर सभा फेर बैसत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४७ : रोगक नाम

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन १२७ । अरण्य-शरणक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

शारदा ओ पात हाथमे लेलीह, फेर पाँती दिस तकलीह।

चिकित्सालयक बगलमे एकटा किशोरी अपन बीमार छोट भाए लेल पानि माँगि रहलि छलि।

कागज पहिने पानिमे भीजि चुकल छल; किछु अङ्क बचल, किछु ओझरायल।

कतिपय लोक कोठरीक बाहरहिं ठाढ़ रहल; ओहिमे एकटा बच्चा अपन मायक घूँघट पकड़ने छल।

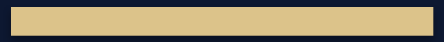
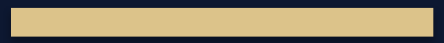
मूल पाठसँ

“जकर देह पानि अधिक गमा रहल अछि, ओकरा उपचारक जोख अलग,” ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		शारदा स्पष्ट करबेलीह जे सामान्य पियबाक भाग आ चिकित्सकीय आवश्यकताक पानि अलग लेखामे रहय।
३–४		“अहाँ एहि लेखापर प्रश्न उठा सकैत छी,” ओ कहलनि।
५–६		सभक मत एक नहि छल; पुरान जमाकर्ता कहैत छल जे ओकर संचयपर पहिले अधिकार।
७–८		ओ उत्तर देलीह जे सभ ठाम एक चिकित्सकक पहुँचनाइ सम्भव नहि।
९–१०		एक बालिका ओहि पन्नाक समीप ठाढ़ भऽ पढ़बाक अभ्यास करैत छलि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भीड़मे कियो जोर सँ कहैत छल जे दूनू दल पर “अक्षर-विष”क असर अछि।

शारदा मिश्र एहि नामकेँ पहिल बेर नहि सुनने छलीह, मुदा आइ नामक संग एकटा छोट रंगीन पातो बँटल जा रहल छल।

ओ अपन परिचय देलीह, रोगीक हाथ पकड़ि देहक स्थिति परखलीह आ उपचारक पाँतीमे पठबेलीह।

ओ चिकित्साक संग जल-सम्बन्धी जाँच अलग पन्नामे लिखबेलीह।

शारदा स्पष्ट करबेलीह जे सामान्य पियबाक भाग आ चिकित्सकीय आवश्यकताक पानि अलग लेखामे रहय।

मूल पाठसँ

नव रोगक शङ्कामे चिकित्सालयक सबसँ पैघ संकट औषधि नहि, सुरक्षित पानि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ हम दूटा कारणकेँ एक कहब, तँ दूटा उपचार दूनू ठाम गलत लागू होएत।”

ओ गामक दूटा समूहक इतिहास स्वतन्त्र रूपेँ लिखबेलनि।

एहि बीच कियो एकटा अस्वस्थ स्त्रीकेँ चिकित्सालयक द्वारिसँ घुराबए चाहलक, कारण ओकरा ‘अक्षर-विष’ लगल अछि आ ओ छुवासँ पसरत।

शारदा कहलीह, “जखन चिकित्सक सुरक्षित कहताह, तखन।”

ई सन्देश पहुँचल कि नहि, तकर पुष्टि तुरन्त नहि भेटल।

मूल पाठसँ

शारदा बच्चासँ कहलनि, “अहाँक माय एतय उपचार पबैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक महिला कहलनि, “अहाँ रोगक नाम नहि देब तँ लोक ककरासँ डरायत?”

नाम नहि जनलासँ उपचार रोकाएब जरूरी नहि।”

हालक उपयोगक प्रमाण बिना शारदा एतयसँ माछ अथवा मखान सुरक्षित कहि नहि सकैत छलीह।

एहि नवीन लेखासँ किछु अप्रत्याशित सम्बन्ध प्रकट भेल—कियो एकहि दूषित कूपक पानि नहि पीने छल, तथापि एकहि शोधन-कर्ममे लगल छल।

ओ कागजपर मृत्यु-पञ्जीक चिन्ह, उपचारक क्रम आ शेष प्रश्नक प्रतिलिपि देलीह।

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह, “स्वास्थ्यक अस्थायी सावधानी भूमिक स्थायी कब्जाक पत्र नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आगिला प्रहर एकटा पुरान काल-साक्षीक अभिलेख स्थानीय पठन-यन्त्रमे खुलल।

उन्नीस बरिस बीतला पर यन्त्र बदलल, सत्ता बदलल, मुदा भयक शीघ्र उत्तर चाहबाक इच्छा नहि बदलल।

एक सहयोगी उत्साहित भऽ कहलक जे आब रोगक स्रोत ज्ञात भऽ जाएत।

ओहि दिन बस्तीसभामे दूटा माय अपन बच्चासभक उपचारक अलग अनुभव सुनौलीह।

उलटा, जँ कारण गलति सँ एक बना देब तँ असली उत्तरदायी छूटि सकैत अछि।”

मूल पाठसँ

“आइ की अछि, तकरा वर्तमान गवाहीसँ मिलाएब पड़त।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ शारदाकेँ पुछलक, “जँ ई नाम गलत अछि तँ लोक एतेक किएक कहैत अछि?”

अन्ततः दू स्वतन्त्र पञ्जी, मार्गक प्रत्यक्ष निगरानी आ प्राप्तकर्ताक सहमतिक आधार पर आंशिक सामग्री बाहर पठाओल गेल।

शारदा कहलीह, “एक बातक एकसँ अधिक साक्षी खोजू।

शारदा बाजारक रखबारकेँ बजा कऽ पूछलीह जे ई दावी के परखलक।

बस्तीसभाक दोसर सदस्य बजारक विनिमयक अस्थायी नियम लिखय लगलाह।

मूल पाठसँ

आधा दुकानपर औषधीय जड़ी-बूटीक गुच्छा लटकल, आधामे पुरान कारखानाक धातुक टुकड़ा।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि बाजारमे एक वृद्धा पानिक दूटा लोटा रखि लोककेँ देखबैत छलीह।

शारदा हुनकर अनुभव दर्ज करबेलीह, मुदा वाक्यक सुधार सेहो—व्यक्तिक बीमारी आ लोटाक पानिक कारण-सम्बन्ध परीक्षणबिना निश्चित नहि।

शारदा ओतय पहुँचि पहिने झगड़ा रोकबेलीह।

ओ कहलक, “कारखाना बन्द भेला पर ई सभ बोझ बनि गेल; आब पानि खींचबाक लेल पुर्जा नहि भेटत तँ लोक एहेन उठबैत अछि।”

शारदा कहलीह, “एहन संदेह जे प्राण बचबैत अछि, ओ कामक विरोधी नहि।

मूल पाठसँ

दोसर जाँचल स्रोतसँ अस्थायी आपूर्ति मँगबेलीह आ पम्पकेँ जांच होएबा धरि अलग चिन्हित करबेलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा एहि आर्थिक पीड़ाकेँ चिकित्सकीय सत्यसँ अलग नहि बुझलीह।

ओ बस्तीसभासँ आग्रह कएलनि जे जाँच धरि बन्द स्रोतपर आश्रित परिवारकेँ वैकल्पिक जीविकाक साधन भेटय।

एक परिचारिका कहलीह जे दूटा पात्र रातिमे बाहरी बस्ती पठाओल गेल, मुदा प्राप्तिक प्रति एखन नहि लौटल।

जतय रोगक चर्चा छल ओतय माछ-मखानक व्यापार सेहो ठप्प पड़ि रहल छल।

ओ सार्वजनिक नक्शामे पोखरिसभकेँ अलग चिन्हित करबेलनि—जाँच पूर्ण, जाँच शेष, अस्थायी निषेध।

मूल पाठसँ

एहन लेखा बिनु रोगीक औषधि अगिला दिन घटि सकैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

युवकसभ अपन देखल सामग्री बतौलनि, मुदा लेखकक नाम नहि जनैत छलाह।

एक पुरुष कहलक जे एहन काम पढ़ल-लिखल कर्मीक बिना असम्भव।

पात छीनि लएबाक बदला ओकर प्रतिलिपि रखल गेल, आ लोककेँ ओकर अप्रमाणित दावीपर भरोसा नहि करबाक कारण बुझाओल गेल।

अनेक वर्ष पहिने वैज्ञानिक त्रुटि स्वीकार करब कठिन छल; आब तकरा अपराध कहि ककरो वर्तमान दोष सिद्ध करब सेहो असावधान छल।

मृतकक बेटी कहलनि, “अहाँ रिक्त जगह छोड़ैत छी, बाकी लोक ओहि जगह कोनो नाम भरि दैत अछि।”

मूल पाठसँ

पत्रमे एक सावधानी लिखल छल—शोधन-व्यवस्थाक त्रुटिक इतिहास आ वर्तमान स्थानीय दूषणक पुष्टि अलग राखू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

साँझ पड़ला पर डूबल खेतक कात धानक अन्नक छोट ढेरी सुखायल जा रहल छल।

वृद्धा कहलीह, “बीज नहि रखब तँ रोगी आरोग्य भेला पर खाएत की?”

नव नियमक पालन सहज नहि होयत, मुदा संकटसँ बाहरक पहिलो पएर एतयसँ पड़ैत छल।

शारदा ओकर मत काटि नहि देलीह; केवल पुछलीह जे जल-परीक्षणक बचल साधन हटेलासँ रोगीक रक्षा कोना होएत।

ओकर वापसीक अर्थ ई नहि जे सभ संकट टरि गेल, मुदा अफवाहसँ छीनल सम्मानक किछु अंश लौटल।

मूल पाठसँ

ओहि पन्नाक नीचाँ एक असहमत व्यक्तिक कथन सेहो लिखल गेल छल, जे मानैत छल कि यन्त्रक सभ बचल टुकड़ा नष्ट कऽ देबाक चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा परिवारक देखभालक श्रमकेँ पहराक बँटवारामे गनबाक आग्रह कएलनि।

ओ रात्रिपहरामे दू व्यक्ति रखबाक प्रस्ताव देलीह, जिनकर नाम आ पालाक अवधि सार्वजनिक रहत।

बालिका कहलीह, “तखन रोगक नाम सेहो फेर बदलि सकैत अछि?”

ओ बुझलीह, विज्ञानक काज रोगक सटीक खोज करब अछि, मुदा रोगीक जीवन ओहि खोजसँ अधिक व्यापक अछि।

ओही शोकक भितर ओ अपन सहकर्मीकेँ कहलीह, “आइ हम रोगक अन्तिम नाम नहि देलहुँ।

मूल पाठसँ

बच्ची देखलक जे चूक स्वीकार करब कागजकेँ बिगाड़ब नहि, ओकरा कामक बनेनाइ अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- बस्तीक बाहरी पम्प लग तीन परिवारबीच झगड़ा भेल छल।
- मखान चुननिहार स्त्रीसभ शारदाकेँ घेरि पुछलनि जे हुनकर हातक कमाइ आब कतेक दिन बन्द रहत।
- शारदा ओहि घरक लग गेलीह, कागजमे जतेक तथ्य नव भेटल ततेक देलीह, शेष प्रश्नक कोना रिक्त रखलीह।
- एतेक कहि ओ अपन पहिल पन्नाक एक पाँती सचमुच काटि सुधारलीह।

मूल पाठसँ

ओ सभ कहैत छलाह जे कियो दूरक व्यापारी छापल पात देलक आ कहलनि जे बस्ती-बस्ती बाँटि दिअ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ककरो जाति, जन्मस्थान अथवा यन्त्रसम्बन्धी विश्वासक कारण उपचार रोकल नहि जाएत।’

रातिक पहराक नामावलीमे पहिल बेर ‘घरक रखबारी’क पाला सेहो चिन्हित भेल।

‘अक्षर-विष’ शब्द अलग पन्नामे जनश्रुतिक रूपमे दर्ज छल, वैज्ञानिक निष्कर्षक रूपमे नहि।

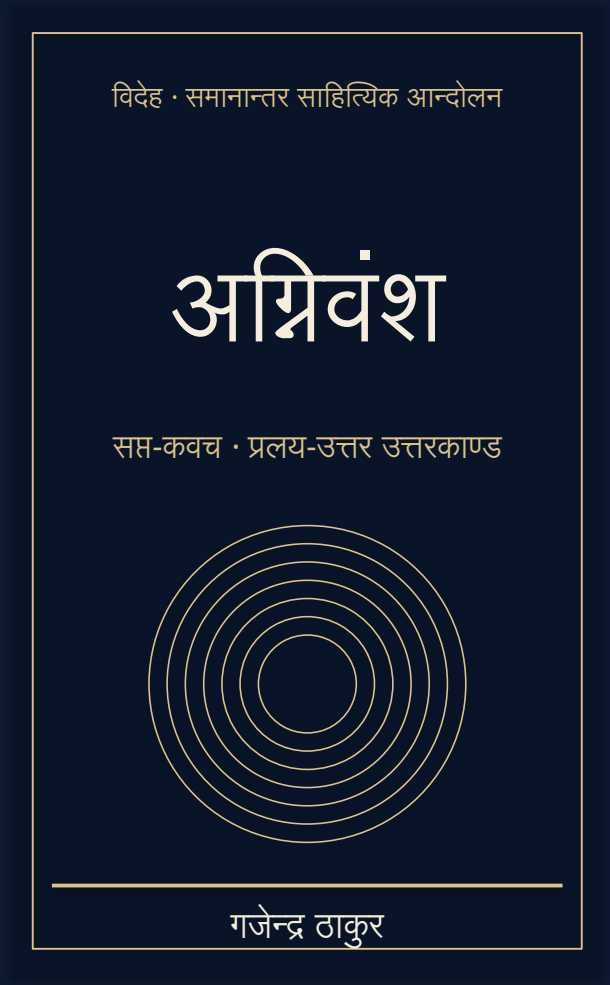
अगिला अध्याय : ४८ · आदेशक मूल्य

मूल पाठसँ

एतय सुरक्षा आ जीवन एक दोसराक विरोधी नहि बनल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४८ : आदेशक मूल्य

खण्ड ८ · राख

पतन-दिन १६१

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

> “जनकक्षेत्र आपातमे अछि; सभ चुनबाक सम्भावना नहि।”

> दस्तावेजमे हुनकर नाम नहि; सुरक्षा-मण्डलक सूचीमे केवल ‘उपकरण’ लिखल छल।

> रखबारक दलक एक व्यक्ति पम्पक पाँती हटाबए चाहलक।

> ओ धातुक भारी पात उठबैत चोट खाएल छलाह, मुदा आधा दिनक श्रमक हिस्सा हुनका भेटल नहि।

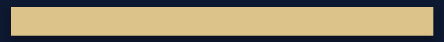
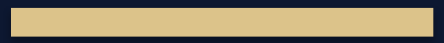
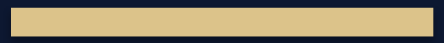
मूल पाठसँ

सैन्य-अभिलेखमे पुर्जा अपन पुरान प्रयोजनसँ पहिचानल जाइत छल; एतय ओकरा नव प्रयोजन देबाक काज हाथक अनुभव करैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		बूढ़ एहि लेल दुआरक कात लाल चूना सँ एकटा रेखा खींचने छलाह—रेखाक ओहिपारक भङ्गार छुअबाक मनाही।
३–४		चिकित्सालयक दीप निबहाबैत परिचारिका अपन पुरान रजिस्टर अनलीह।
५–६		नक्सामे गामक तीन पानिस्रोत, दू अचल पम्प आ एकटा उबरैत कूप चित्रित छल।
७–८		बाँचल केन्द्रक बाहरी दीवालपर कियो लिखि देने छल—‘लोकसभाक कारण अन्हार’।
९–१०		कर्णेश पत्रक ऊपरक शब्द पढ़लनि, फेर ओकर खाली मूल-स्रोतक स्थान दिस तकलनि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एहि नव प्रयोजनक नामपर जोखिमबला धातु कियो अनदेखा नहि करय।

कर्णेश कागज पढ़ि एकटा बात पर अंगुरी रोकलनि—‘असीम अधिकार’।

जे जनक स्वीकृति बिना सभ अधिकार अपन हाथमे लैत अछि, तकरा हम रक्षा नहि कहि सकैत छी।”

कर्णेशकेँ दक्षिणी कक्षक पाछाँक गाम चिन्हाएबामे पहिने कठिनाइ भेल।

बूढ़ एहि लेल दुआरक कात लाल चूना सँ एकटा रेखा खींचने छलाह—रेखाक ओहिपारक भङ्गार छुअबाक मनाही।

मूल पाठसँ

बाँचल ऊर्जा-कक्षसँ राति चिकित्सालयक आवश्यक कक्ष आ भोरमे किछु पम्पकेँ उजास भेटैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एखन जे पानि उपलब्ध अछि ओकर आपात वितरण पुरान पञ्जीक अनुसार चलत।

ओ उपस्थित लोककेँ कहलनि, “हम एहि कक्षमे बलप्रयोग रोकबाक आग्रह करैत छी।

ओहि प्रहर कर्णेश कार्यशालाक भीतर गेलाह।

ई कागज न्याय नहि, मुदा न्याय माँगबाक पहिल बाट छल।

ओ चोटक समय, गवाही आ उपचारक दिनक संग श्रमिकक स्वयं कहल कथन अलग लिखबेलनि।

मूल पाठसँ

ओ कारीगरसँ पुछलनि, “अहाँक हातक चोटक दर्ज कहाँ अछि?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सुरक्षा-मण्डलक प्रतिनिधि कहलक जे बिना पहराक औषधि चोरी भऽ जायत।

“जकर हाथमे बल अछि, तकरा पर अधिक जाँच चाही,” ओ कहला।

कक्ष चलनायोग्य छकि नहि, तकर प्रत्यक्ष स्थिति देखनिहार दू अभियन्ता बतौलनि जे सभ यन्त्र चलि रहल अछि एहन नहि।

जे नहि जनैत, ओकरा सभ जानैत अछि कहब एक नव अन्याय अछि।”

कर्णेश दुनू कक्षक वास्तविक आवश्यकताक लेखा मँगबेलनि।

मूल पाठसँ

एक युवक आरोप लगौलक जे पुरान अक्षर अपन सहायक-खण्डसँ चाहिते सभ काज करबा सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

चिकित्सालयक दीप निबहाबैत परिचारिका अपन पुरान रजिस्टर अनलीह।

परिचारिका कहलीह, “हुनकर अवस्था फेर नहि सुधरल।

अन्तमे कार्यशालाक लोक वर्तमान उपलब्ध उजासक प्रत्यक्ष जाँचक समय निर्धारित कएलक।

कर्णेश देखलनि जे रक्षा-मण्डलक कब्जा केवल धातुक कक्ष पर नहि, नामक पञ्जी पर सेहो होएत।

कर्णेश कहला, “हो, आ निर्णयक लेखामे ई प्रश्न लिखल रहत।”

मूल पाठसँ

कर्णेशक मोनमे आयल— सभाक अधिकारक पहिल कसौटी ओकर अगिला भोर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक गोटे कूपसँ लौटैत खसि पड़ल रहलीह; कादोक दाग कपड़ापर छल।

“एहिमे जे जल आएत, तकरा ककरो नामपर बाँटलासँ पहिने ओकर योग्यताक जाँच चाही।”

साँझक पहिने सुरक्षा-मण्डलक मुखिया अपन लोकसँ कहलक जे ओ सभ कक्षमे प्रवेश कऽ उपकरण हटाओत।

ओ सभाक बाहर निकलि गेल, मुदा कक्षक चाबी ओकर हाथमे एखनहुँ छल।

तिनकर थकान कर्णेशक मनमे कष्टक रूपमे रहल।

मूल पाठसँ

कोनो शस्त्रक विस्तृत व्यवस्था नहि बनाओल गेल; केवल एहि बातक लेखा कि कोन कक्षमे के काज करैत अछि आ कहिया पहरा बदलत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बालक पहिने हँ कहए चाहलक, फेर सोचि कऽ कहलक—“नहि, एकटा ठाम धँसल अछि।”

एहन बाल-चित्रक माप वैज्ञानिक नहि छल, मुदा कुन बाट बाढ़क बाद सँ कादोमे डूबल अछि से ओ प्रत्यक्ष जनैत छल।

कर्णेश बुझलनि—सहायता चाहैत समुदायमे अधिकारक नव असमानता अति शीघ्र जन्मि सकैत अछि।

“अहाँ जतय कमजोर भेला, ओतय ई दल बल बढ़ाओत,” ओ कहला।

किछु लोक कहलक जे कानूनक भाषा भूख नहि दूर करत।

मूल पाठसँ

श्रेयक झगड़ा तनिको कम नहि भेल, मुदा प्राणरक्षक काजक साँचो लेखा उपस्थित छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा ओ मुखियाकेँ तत्काल दोषी कहि दण्ड देबाक प्रस्ताव नहि देलनि।

“ई हमर खेतक लेल मात्र नहि, पड़ोसीसँ बदलि लाएल बीज अछि।

मतदान आरम्भ भेल, मुदा प्रस्तावक अर्थ सभकेँ समान रूपेँ नहि बुझायल।

कर्णेशक लेल सबसँ कठिन काज ओहि बाद अएल।

ओ धमकी देलनि जे कर्णेशक सुरक्षा नहि बचत।

मूल पाठसँ

विस्थापित स्त्री पूछलीह जे घर नहि रहलासँ ओकर मत वैध रहत कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश पहिल बेर कहला—“जतेक दिन हमर गवाहीक जाँचक आवश्यकता अछि।

हुनका बुझायल जे चिह्नसभकेँ धो देलासँ लोकक मत नहि धोआएत।

ओ एहि चिह्नसँ न सैन्यदल फेर बना सकैत छलाह, न टुटल उपग्रहक बाट बदलि सकैत छलाह।

पुरान सहकर्मी पुछलनि जे ओ स्वयं कतेक दिन एतय रहताह।

कारीगर कहलक, “हमर हात सँ काज चलैत छल, मुदा कागजमे हमरा नाम नहि।

मूल पाठसँ

दुनू प्रसङ्गमे समानता केवल असीम आज्ञाक लोभ छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसरे दिन भोरमे एक वृद्धा कर्णेशक लग एकटा छिन्न कागज लऽ अएलीह।

राहत-पञ्जीमे परिवारक नाम काटल जा रहल छल, कारण घरक मुखिया स्वयं उपस्थित नहि।

रक्षा-मण्डलक एक समर्थक कहलनि जे एहन छूट देलासँ प्रत्येक लोक नव दाबी लऽ आओत।

किन्तु ओहि कागजक काटल नामक बगलमे नव पाँति लिखाएल—“उपस्थित आश्रितक अधिकार मुखियाक अनुपस्थितिसँ समाप्त नहि।”

सभाक भीतर एक संग आशा, भय आ क्रोध जागल।

मूल पाठसँ

ओ वृद्धाकेँ पाँतीक दिस भेजलनि, जतय राहतक वास्तविक मात्रा पहिने दर्ज कएल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश उत्तर देलनि, “आशा छीनब नहि; ओकरा ककरो हाथक बेड़ी नहि बनएब।”

सूर्यकुण्डक भीतर की बचल अछि, से एखन अज्ञात।

साँझक आखिरी उजासमे ऊर्जा-कक्षक जङ्ग लागल दीवालपर कर्णेशक छाह पड़ल।

कर्णेश कागजपार लिखल सभा-निर्णय देखबेलनि, फेर कहलनि, “जँ नियम बदलत, तखन पहिने सभ सुनत।”

बाहर खेतक कादोमे पम्पक कम धारक आवाज छल।

मूल पाठसँ

हुनकर पुरान जीवन एकटा आदेशक उत्तर जानबाक छल; एखन प्रत्येक उत्तरक संग ककरो प्रश्नक ठाम बचेनाइ पड़ैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

चारि जवान लोक कूप धरि गेलाह, मुदा कियो जल पियबाक योग्य अछि एहन घोषणा नहि कएलक।

एक कारीगर अपन भाषामे समझेलक जे पहराक नामक अर्थ चाबी पर अकेल अधिकार नहि।

कर्णेश पहिल बेर कहला—“जतेक दिन हमर गवाहीक जाँचक आवश्यकता अछि।

“भास्कर राय के छथि, से नाम; हुनकर परिचयक स्वतंत्र पुष्टि नहि।

मूल पाठसँ

साँझ पानिक पाँती छोट भेल, मुदा भय घटल नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक राति कार्यशालाक चिकित्सकीय कोठरीमे घायल कारीगरक पट्टी बदलि रहल छल।

एतय कियो चमत्कार नहि भेल; एक परिवारक दिनक भोजन जुटल, दोसर दिनक प्रश्न शेष रहल।

पाछाँसँ घायल कारीगरक बेटी आबि कर्णेशक हाथमे छोट कागज देलक—“हमर बाबू कहैत छथि, काल्हि पानिक पाला हमर गामक लोकक रहत कि नहि?”

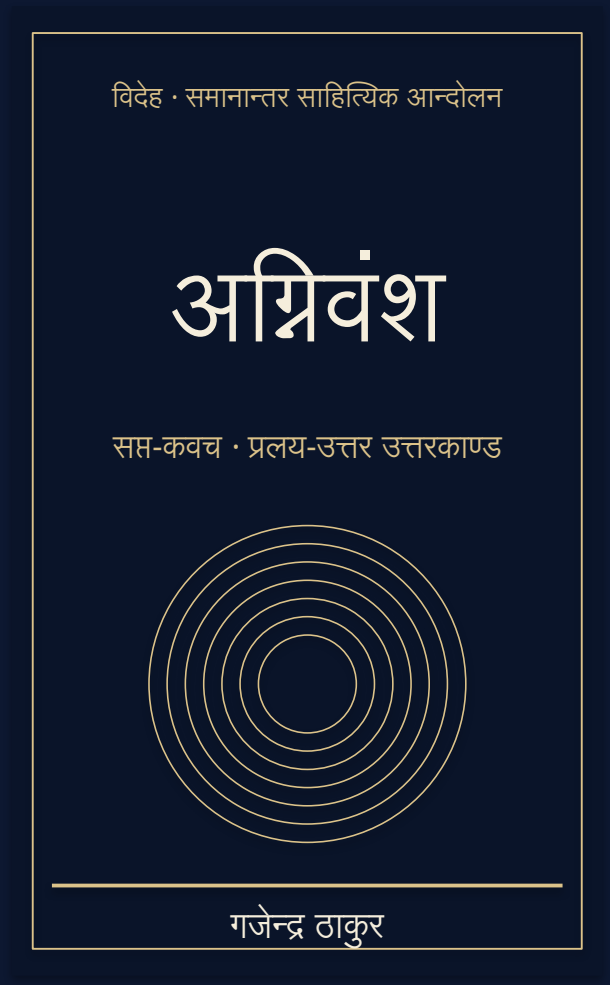
अगिला अध्याय : ४९ · बीजक लेखा

मूल पाठसँ

कर्णेश पुछलनि, “एहि भयक कारण जे एखन भूखल अछि ओकरा बाहर राखब?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ४९ : बीजक लेखा

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक पहिल बरिस । अरण्य-शरणक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

स्त्री कहलीह, “हमर खेतक बीज बाँचल अछि कि नहि, से अहाँ कहू।

पाँचम पृष्ठमे मखानक सुखाओल दाना आ पोखरिक किछु माछ-आहारक साधनक अलग चिन्ह छल।

एक युवक टूटल कारखानाक भीतरसँ बचल धातुक पेटी दुआरि लग रखलक।

ओहि स्मरणक संग हुनका चिकित्सालयक एक घटना याद अएल—जखन दू भिन्न कारणक रोगकेँ एक नाम देबाक दबाव भेल छल।

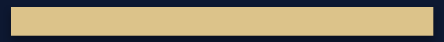
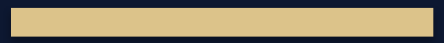
मूल पाठसँ

बाहर दलानमे स्त्रीसभ अपन-अपन गामक बोलि लऽ बैसल छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		दानक मात्रा आ आवश्यकता एकटा निर्णय नहि होइत।
३–४		तकर ठीक नीचाँ लिखल गेल—‘ककरा काज करबाक अवसर नहि, मुदा अन्न चाही?’
५–६		ओहि सप्ताहक दोसर दिन शारदा पोखरिक तीन घाट पर गेलीह।
७–८		दोसर दिन सँ पानिक पार अन्न दैत समय दू भिन्न हाथक प्राप्ति-चिह्न लेबाक नियम बनल।
९–१०		सभाक पञ्जीमे शिशु, गर्भवती आ दूध पियौनिहार माय लेल स्पष्ट स्थान राखल गेल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

संगमे काज करैत एक अधेड़ स्त्री पन्ना पलटि कहलीह, “ओकर नाम एतय नञि।

टोकरीक ऊपरक कागज ताज़ा छल, मुदा कागजक भीतर राखल बीजक बरिस, जाति आ स्वास्थ्यक लेखा सभ ठाम एकसन स्पष्ट नहि छल।

“किछु बिआ बिना जाँचक बीजब उचित नहि,” ओ कहलीह।

ओकरा कात नव राखल बहीमे चारि हाथक लिखावट छल।

भण्डार बचेनिहार लोककेँ धन्यवाद देब उचित छल; मुदा जीवन बचबाक अधिकार ककरो दानक पाछाँ टाँगि देब उचित नहि।

मूल पाठसँ

नमूना लेखामे स्त्रीक नामक बदला ओकर सहमतिक चिह्न राखल गेल, कारण स्त्री अपन परिवारक नाम सार्वजनिक करब नहि चाहैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा एहि सावधानीक मतलब ई नहि जे निर्णय लम्बित रहय आ बरखा निकलि जाए।

ओकर कहब छल जे पेटीक भीतरक बीज जँ खोलल जाए तँ दू बस्ती लेल पर्याप्त भऽ सकैत अछि।

ओ स्थानीय कृषिकर्मीसभक संग बीजक छोट नमूना अलग रखबाक निर्णय लेलनि।

एतय ‘जोख’क अर्थ केवल मात्रा नहि, मनक विश्वास सेहो छल।

एक वृद्ध पुछलक, “मुदा जखन तीन दिन बाद बरखा बढ़त?”

मूल पाठसँ

मुदा जे बिआ एखन धरि अङ्कुरित होयत कि नहि, से जाँच बिना खेतमे राखब, तँ लोकक पूरा बरिसक मेहनत पर जुआ होयत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा उत्तर देलीह, “ओकरा जे देखबाक साधन छल, से बहु ठाम टूटल अछि।

उत्तर भेल—‘ऊपरी पानिक किछु नमूना जाँचल; सब घाट नहि।’

बचल जड़ी, औषधि आ चिकित्सकीय सामग्रीक बहीमे समस्या छल।

ओहि राति बीज-भण्डारक पिछुआर एक चुल्हि पर दलहन उबलि रहल छल।

ओ अस्थायी पञ्जीक अन्तिम पात पर नव प्रश्न लिखबेलनि—‘के काज करैत अछि?’

मूल पाठसँ

“ई हमरा पुरान विकल्प सम्झबैत अछि,” ओ बच्चाक बाबूकेँ कहलीह, “मुदा एहि क्षणक निदान नहि करैत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ कहलीह, “यदि स्मृति-साक्षी बचल सूची पढ़ि सकैत अछि, तँ पन्ना मिलाओ।

सहायिका उत्तर देलीह, “जमीनक लेखा आर लोकक लेखा अलग करब।”

आब सभासँ कठिन प्रश्न रहल—कथित भण्डार-रक्षक अपन लग रखल जाँचल बीजक अंश सार्वजनिक करबा सँ मना करैत छलाह।

एतय प्रथम बेर झगड़ाक भाषा स्वामित्वसँ श्रम दिस मुड़ल।

शारदा ओहि सुझाव कें तुरन्त नहि नकारलीह।

मूल पाठसँ

“मुदा बीजक भीतर अगिला बरिसक रोटी केवल अहाँक नहि, कतेको लोकक सम्भावना अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा पहिले दौड़ि गेल लोककेँ देखलीह, तखन यन्त्रक पर्दा दिस तकलीह।

तालिकाक अर्धभाग बचल, दोसर भागक सङ्केत नष्ट।

ओ अहु बेर त्रुटि-पञ्जीमे लिखबेलनि—‘स्रोत: पुरान तालिका; स्थान: वर्तमानमे क्षतिग्रस्त; प्रत्यक्ष जाँच: विपरीत।’

राति अरण्य-शरणक्षेत्रक छोट विद्यालयमे बीज-बहीक पन्ना पढ़ल गेल।

ओ जानैत छलीह जे पञ्जी गुम भऽ सकैत अछि, बीज खराब भऽ सकैत अछि, आ सभाक नियम सेहो गलत सिद्ध भऽ सकैत अछि।

मूल पाठसँ

दोसर लोक कहलक जे यन्त्रक संग पुरान बही मिलेलासँ किछु बीज बाँचि सकैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ नमूनाक स्थान, देखल गन्ध आ स्थानीय लोकक पुरान अनुभव लिखलीह।

एक आदमी कहलक जे पेटक भूखक संग सावधानीक जोख सदा बराबर नहि रहैत।

एक स्त्री जे माछक सुखौता बनबैत छलीह कहलीह, “हमरा अपन काजक जोखिम जनबाक अधिकार अछि।

तेसरमे किछु निखरल नहि; मुदा ओहि परिणामसँ पूरा पेटीक सभ बीज निष्फल अछि, एहन निष्कर्ष सेहो नहि लिखल गेल।

तर्कक बीच अरुणिमाक सहायिका जमीनक नक्शा खोललीह—कागज पर पुरान नाम छल, मुदा पानिक नव बहाव बगलमे हाथसँ बनाओल गेल छल।

मूल पाठसँ

तेसर दिन एकटा बारीमे धानक अङ्कुर देखबाक छोट आयोजन भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

औषधीय रोपनी लेल बचल पौधासभक गिनती करैत शारदाकेँ एक नव असहमति भेटल।

शारदा तखन एक साधारण वचन देलीह: “ककरो अनुभवकेँ अवहेलना नहि; मुदा अनुभवकेँ प्रमाणक ऊपर एकाधिकार सेहो नहि।”

कियो स्त्रीसभकेँ दोष देलक जे बिनु पुछने पीसलक।

एहि असहमतिसँ भण्डाररक्षक रुष्ट भेलाह; मुदा बादमे ओ स्वीकृति देलनि जे उपलब्ध अन्नक ठीक चिन्ह पहिनेसँ रहबाक चाही।

तखन बहीमे ‘हानि: सम्भावित, पुष्टि आंशिक’ लिखल गेल।

मूल पाठसँ

ओ स्त्रीसभसँ पुछलीह जे ओ कतेक अन्न पीसलनि; तकर गिनती बिना लाज देल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहायकक मंशा बुरा नहि छल; ओकरा डर छल जे सीलन सँ औषधि खराब भऽ जाएत।

ओहि धुआँक कारण एक बालककेँ साँस लेबामे कठिनाइ भेल।

शारदा उपलब्ध बाँस, कपड़ा आ हवा-बहारक सहायता सँ काज बाँटबेलनि; दवाइ तखनहि बाँचत जखन रोगीकेँ सेहो साँस भेटत।

तखन सबकेँ बुझायल जे बिनु सुरक्षित बाँस, बिना धरबाक रस्सी आ बिना काम रोकबाक अधिकारक मरम्मति घातक होयत।

अन्ततः छप्परक केवल सुरक्षित भाग बनल, शेष लेल अस्थायी ढकना।

मूल पाठसँ

तकर बाद बीज-भण्डारक माथ ऊपर छोटी छप्परक मरम्मतिक बेरा आएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“जे देह नव प्राणक रखबारी करैत अछि, ओकर श्रमकेँ कागज पर कतय लिखलहुँ?”

शारदा ओकरा पन्नाक अन्तिम खाली स्थान देखबेलनि।

भण्डाररक्षक कहलक जे औषधीय रोपनी आन साधारण बिआ जेकाँ नहि बाँटल जा सकैत।

आन दिन एक नवजातक माय बीज-भण्डारक पाछाँक रसोइमे अएलि।

लोकसभामे कियो कहलनि जे एतेक गोपनीयता सँ कागजक दुरुपयोग होयत।

मूल पाठसँ

परिवारक एक बुजुर्गक मनमे शङ्का छल जे सरकार फेर हुनकर ज्ञान अपने नाम करि लेत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भण्डारक पाछाँ एक बूढ़ि अपन आँचरक गाँठ खोलि दू पुरान दाना देखेलीह।

शारदा ओकरा तत्काल चमत्कारी पुरान बिआ घोषित नहि कएलनि।

जखन पहिल वर्षाक अन्तिम बादर पश्चिम दिस हटि रहल छल, तखन खेतक किनार तीन बस्तीसभक लोक एक संग माटि देखैत ठाढ़ छलाह।

ओ साझा बीज-पञ्जीक पहिल स्वीकृत प्रति मैथिलीक आगाँ पठेबाक निर्णय लेलनि।

नब मार्गसँ आएल ओहि पत्रमे कहल गेल छल जे किछु बस्तीसभ “पूर्ण अक्षर”क नाम पर बीज आ औषधि भेजबाक वचन दऽ रहल छथि।

मूल पाठसँ

शारदा खेत जोतनिहार नहि छलीह, मुदा ई जानि गेल छलीह जे चिकित्सकक काज रोगक अन्तिम दिन पर समाप्त नहि होइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- पहिल दू क्यारीमे किछु हरियर टुस्सी निकलल।
- गामक बीच एकटा सूखल चबूतरा पर दानक हिसाबक जाँच होइत छल।
- जे दिन साझा बही लोकसभाक आगाँ पढ़ल गेल, ओहि दिन एक बच्चा पुछलक जे एतेक बही बनलासँ अन्न बढ़त?
- भण्डारक पाछाँ एक बूढ़ि अपन आँचरक गाँठ खोलि दू पुरान दाना देखेलीह।

मूल पाठसँ

सहायकक मंशा बुरा नहि छल; ओकरा डर छल जे सीलन सँ औषधि खराब भऽ जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

मुदा कागज देखबैत अछि जे बिआ कतय अछि, ककरा भेटल, आ केकर खेत खाली रहि गेल।”

बच्चाक जन्मक बाद ओकरा पर्याप्त भोजन नहि भेटल छल, आ दुधक कमी सँ ओ चिन्तित छलीह।

जमिन बराबर नहि छल; एक भागमे गाद, एक भागमे दरारि, एक भागमे पुरान कारखानाक चूर्ण।

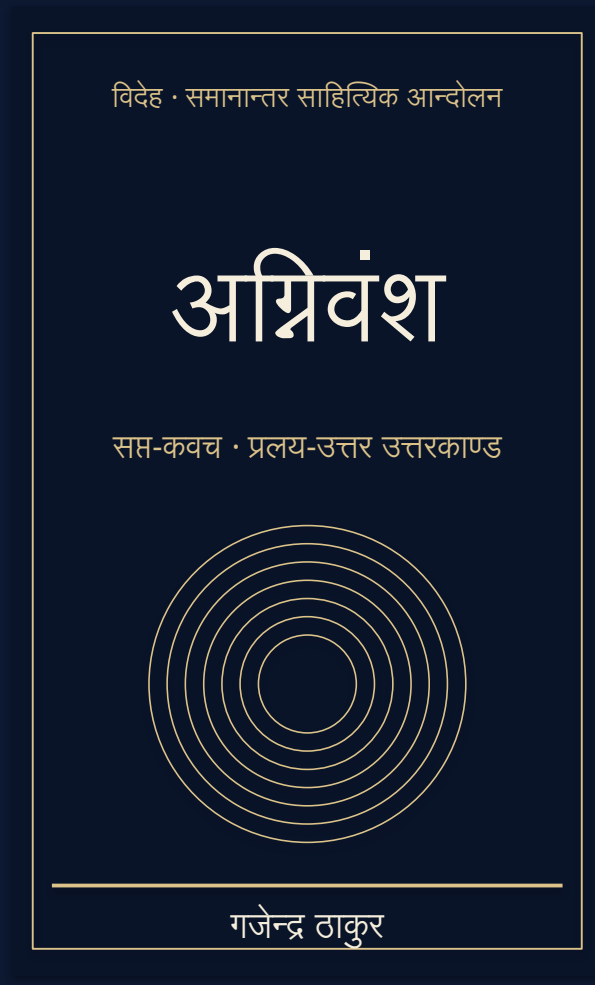
अगिला अध्याय : ५० · चारि बाट

मूल पाठसँ

रसोइक एक रखबारी कहलनि जे खेतमे काज नहि कएलाक कारण अतिरिक्त दलहनक अधिकार नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५० : चारि बाट

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक पहिल बरिस । जनकक्षेत्र

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

एक बाटक नाम ‘यन्त्रक भरोसा’, दोसर ‘अक्षरक आज्ञा’, तेसर ‘यन्त्र छोड़ू’, चारिम ‘साँझा साक्षी’।

किछु लोक कोनो बही पर भरोसा नहि करैत छल, कारण महाविच्छेदसँ पहिने सेहो उनकर नाम सरकारी अभिलेखमे नहि छल।

दोसर दिस एक प्रशासनिक पुरान परिचालक कहलक जे एतेक लोककेँ एक-एक बात पर पुछला सँ व्यवस्था ठप्प भऽ जाएत।

जकरा यन्त्रक भरोसा रहत, ओकर काज यन्त्र ठप्प होइतहि ठप्प।”

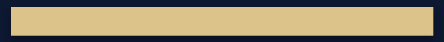
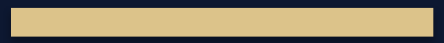
मूल पाठसँ

पिछला मास ओ एक पम्पक मरम्मतमे असफल भेल छल; ओकर चोट एखन धरि नहि भरल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		पिछला मास ओ एक पम्पक मरम्मतमे असफल भेल छल; ओकर चोट एखन धरि नहि भरल छल।
३–४		लोक पुछलक जे ओ भास्करक विरुद्ध छथि कि पक्षमे।
५–६		सहदेवक शिष्य उत्तर देलक, “जँ ई पहिने कहने छल तँ लोक किएक नहि सुनलक?”
७–८		तेसरमे लोक बोलबाक डरमे चुप, कारण पुरान पहरादारक धमकी एखन धरि छल।
९–१०		पहिल पर दिवसक निर्णय, दोसर पर निर्णय बदलबाक कारण।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा पहिल बस्ती आब आधा विस्थापित, दोसरमे नव शरण लेनिहार परिवार।

ककरो कपड़ामे गाद छल, ककरो हथमे अधजड़ल तार, ककरो बाँहपर औषधालयक पट्टी।

एक वृद्ध कहलक, “जँ पुरान सूची पुरान अछि तँ ओकरा फाड़ू।”

एक स्त्री कहलीह, “हमरा नाम जबरदस्ती सार्वजनिक कएल गेल तँ हमर दुरगरामक रिश्तेदार फेर हमरे खोजत।

जखन नक्सा आ वस्तु नहि मेल खाएत, तखन ककरा मानब?”

मूल पाठसँ

ओ चाहैत छलीह जे सभाक पहिल काज प्रमाण संचित करब हो, निर्णयक जयघोष नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“जे गणना मनुष्यसँ तेज हो, ओकर निर्णयक बाटमे एतेक विराम किएक?”

ओ पुछलीह, “जँ पाँच गामसे सँ कोन गामक औषधि रोकायब, से गणना करय, तँ रोगीकेँ पूछबाक अधिकार ककरा रहत?”

मैथिली सहमत भेलि: आगि लागला पर सभासभा बुलाई नहि सकैत।

जखन सभ यन्त्र बन्द भेल, ओहि दिन एहि हाथे लोकक लेल दरवज्ञा बनल।

सहदेव कहला, “किछु मशीनक उपयोगक विरोध हम नहि, ओहि पर जीवन छोड़ि देबाक विरोध करैत छी।”

मूल पाठसँ

एहने सीमा नहिए तँ जल्दी निर्णय स्थायी शासन बनि जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभामे एहि पर एक-दोसरसँ बहस भेल, मुदा कियो प्रश्नकेँ बेकार नहि कहल।

मैथिली कहलीह, “दण्डक प्रश्न तखन उठत जखन जिम्मेवार मनुष्यक नाम भी देखाएत।

बच्चासभ दूरक पोखरि सँ आनि माटिक घैलमे पानि रखलक।

गाछतरक एहि सभा आ बालकक सरल वाक्यक बीच भविष्यक असल पाठ्यक्रम बनि रहल छल।

लोक पुछलक जे ओ भास्करक विरुद्ध छथि कि पक्षमे।

मूल पाठसँ

संग बैसल बालिका उत्तर देलक, “ताहि लेल अक्षर पढ़ाइत छी, रंग मात्र नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

धर्म आ राजनीति जेकाँ एखन अन्न सेहो एक अज्ञात नामक शर्त पर बिकय लागल छल।

ई प्रश्न एखन कोनो संविधानक अध्याय नहि छल; लोक भुखल छल, खेतमे बिआ डालबाक दिन घटि रहल छल।

मैथिली एहि विरोधकेँ कागज पर चारि अलग खाँचा बना कऽ समेटबाक प्रयास नहि कएलनि।

ओकरा हाथमे शारदाक बीज-पञ्जीक दूहर प्रति छल, जकर कात अन्न-वितरणक शिकायत जोड़िल छल।

ओ तत्काल कहलनि जे जे परिवार सँ बीज रोकल गेल, तकर आवश्यकता पहिने पूरा करब; पछाति कागजक स्रोत जाँचब।

मूल पाठसँ

मुदा ओ स्थान ककरो एक पक्षक निजी सम्पत्ति नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहदेवक शिष्य उत्तर देलक, “जँ ई पहिने कहने छल तँ लोक किएक नहि सुनलक?”

वैदेही ओ शब्द काटि लिखलीह—‘यन्त्रक कहब मानब कि नहि, से लोक तय करत।’

कारीगर नक्सा धरातल पर रखलक आ कहलक, “ई देखू, पुरान योजना गलत नहि छल; मरम्मतिक बाद बाट बदलल गेल।”

पर्दा पर यन्त्र अपन पुरान नक्साक सङ्केत देखौलक, संगहि एक चेतावनी—‘भौतिक मिलान आवश्यक’।

ओ निर्णय करेलनि जे प्रत्येक पुरान आदेशक कात स्थानीय बोलीमे ओकर सीमा, तिथि आ वर्तमान परीक्षणक स्थिति लिखल जाए।

मूल पाठसँ

अहाँ सभ पुरान नक्साक मान राखैत रहब, आ हम दू घण्टा बादो खाली घैल लऽ घर जाएब।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

स्त्रीसभक प्रश्न, प्रचारक नारा नहि, सभा कैं वास्तविक अर्थ देलक।

> “आब कहैत छथि जे जमीनसँ बेदखल लोकक मतकम अधिकार कम।”

कोनो परिवारकैं बरखाक बीच उघारि नहि दियौ; मुदा पुरान दाबीकैं स्वतः रद्द सेहो नहि कहू।

खुलल सभामे किछु पुरुष बारम्बार बीचमे टोकैत छल, विशेष रूपेँ जे स्त्री अपन घरक भीतर हिंसा वा असुरक्षा बताबय चाहैत छलीह।

चारि बाटक समर्थकसभकैं एहि छोट निर्णय पर फेर जोखल गेल।

मूल पाठसँ

मैथिली महसूस कएलनि जे कृत्रिम बुद्धिक चारि बाट केवल मशीनक विकल्प नहि, अधिकारक साझा बँटवाराक प्रश्न सेहो बनि गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक युवक कहलक जे अक्षरक बिना मानव समाज एखन धरि नष्ट भऽ गेल रहितय।

ओ पूछलीह, “तखन अक्षरक मौनसँ की हानि भेल?

अस्ताचलक समय एक बच्चा गाछक जड़ि कात रंगल ईंटक छोट ढेरी लगौलक।

आगाँक सप्ताह बस्तीसभक बीच एक साझा पट्ट चलाओल गेल।

खाली स्थान साँच देखबैत छल, मुदा केवल खालीपनक गुणगानसँ लोक नहि जिअत।

मूल पाठसँ

सहदेवक एक शिष्य ईंटक ढेरी कैं देखत कहलक, “माटि, आगि आ हाथक मेल।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक वृद्ध कारीगर कहलक, “ई चक्र चलि सकैत छल, मुदा आगाँक पुर्जा नहि।”

ओकर नीचाँ छोट क्यारीमे तरकारीक पात उगल छल, आ क्यारीक बाहर जंग लागल लोहाक चक्र अछूतो पड़ल।

कारखानाक स्मृति नव कारीगरीक पाठ बनेत; खेतक पुनर्जन्म भूखक तत्काल उत्तर।

परिवार कहलक, “हम सभ खेतक भविष्यक मोल बुझैत छी, मुदा आइक प्राणक मोल कम नहि।”

परिवारक डर समाप्त नहि भेल, भण्डारक जोखिमो शून्य नहि।

मूल पाठसँ

ई विवादक समाधान अगिला सभामे लिखल जाय, एतय कोनो एकल न्यायाधीशक वचन नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे लोक अक्षर-राजक नारा उछलैत छल, ओ एहि धीमाक निर्णयक उपहास कएलक।

ओकर माय पिछला बरिस ऊर्जा-अभावमे मृत भेल छलीह।

वैदेही कहलीह, “सभाक समय सेहो सीमा चाही।

मैथिली उत्तर देलीह, “खबर पहुँचाएब जिम्मेवारी अछि।

एक किशोरीक प्रश्न छल जे जँ कियो लिखल भाषासँ भिन्न बोली बाजैत अछि तँ ओकर गवाही कमजोर मानल जाएत?

मूल पाठसँ

आन दिन एक युवा पत्रवाहक दुनू बस्तीमे अलग-अलग बात सुनौलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली एहि वाक्यकेँ अपूर्ण शिकायत नहि, अगिला निर्णयक प्रमाण मानलीह।

मैथिली पुछलीह जे ओहि गामक पाँतीक देखरेख के करैत अछि।

ओ स्त्री विदा होइत कहलीह, “हमरा भाषण नहि, भोरक पानि चाही।”

शिक्षक कहला, “तखन फेर पूछू, साक्षी खोजू।”

ओ अपन लेख मे एकटा वाक्य लिखलीह: ‘साक्षी-सहचर्यक मोल सुन्दर नाममे नहि, गलत निर्णय रोकबाक वास्तविक उपायमे अछि।’

मूल पाठसँ

शिक्षक बच्चासभकेँ समझेलनि जे प्रश्न करब असम्मान नहि, वरन् साधन बचएबाक उपाय अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- एक जमीनधारी परिवारक मुखिया विरोध कएलनि: “जँ सभ दावाक बाट खुलत तँ नब कब्जा होयत।”
- एक बस्तीमे संगणक चालू नहि छल, तेँ पहिल खाँचा खाली।
- “मुदा जे कहय जे ओकरासँ फेर कोनो चूक नहि होयत, तकरा पहिल प्रश्न करब आवश्यक।”
- स्त्री दू नाम बतौलीह, मुदा कहलनि जे प्रत्यक्ष विरोध करब असुरक्षित अछि।

मूल पाठसँ

मैथिली ओहि दृश्यकेँ हाथे आँकल नक्शामे दर्ज कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एकर बाद युवक पत्र वापस नहि लेल, मुदा अगिला प्रमाण-सुनवाईक दिनक खबरि पूछलक।

पहिल पर दिवसक निर्णय, दोसर पर निर्णय बदलबाक कारण।

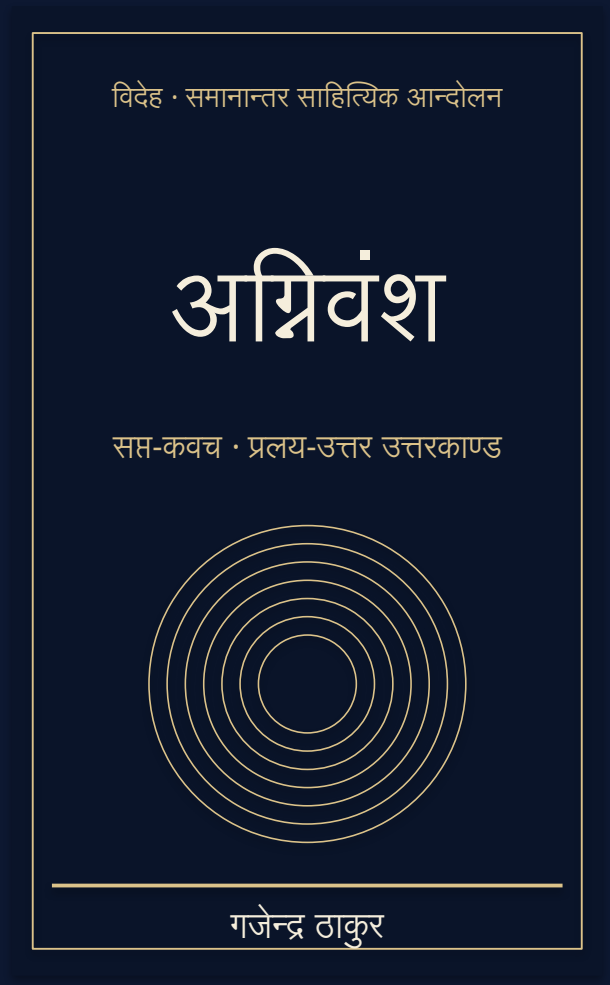
एक बालक पुछलक जे ओहि प्रश्नक उत्तर नहि भेटला पर फेर की?

अगिला अध्याय : ५१ · सहदेवक पाठशाला

मूल पाठसँ

जे लोक पुरान निर्णय पढ़ि आयल, ओ देखब जे ओकरा कखन किएक बदलल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५१ : सहदेवक पाठशाला

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक पहिल बरिस । तट-गाम

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ओ पुछलनि, “अहाँ सभ जकरा पाँच अँगुर कहैत छी, ओकरा लेल सबक हात बराबर अछि कि?”

एक बालिका पुछलक जे गाँठ कस्सल अछि कि नहि, से जाँचब केना।

सहदेव कहला, “असफल होयब शिक्षा अछि, मुदा बच्चाक देह पर प्रयोग करब शिक्षा नहि।”

सहदेव तुरन्त कारखानाक भीतर जएबाक जोखिम पर ओकरा समझेलनि।

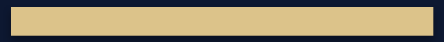
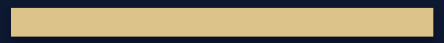
मूल पाठसँ

बच्चासभ लेल ई नब अनुभव छल—हाथक विद्या आ लिखित सावधानी प्रतिद्वन्द्वी नहि, बाँचबाक दू बाट।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		पहिल दलक बच्चासभ धातुक पहियाकेँ जकाँ-तकाँ मिलाबय लागल, मुदा जङ्ग लागल किनार तेज छल।
३–४		हुनका घरे धरि पहुँचबाक बाट महाविच्छेदक पाछाँ सँ खराब छल।
५–६		विद्यार्थीसभक उत्साह घटल, मुदा सहदेव एहि बेर उर्मिलाक वचनकेँ बल देलनि।
७–८		ओ कहला, “जँ कागज प्रश्नसँ डरैत अछि, तँ ओ ज्ञान नहि।”
९–१०		अन्तमे कहलनि, “एहि बात पर हमरा फेर सोचय पड़त।”

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तट-गामक पुरान कारखानाक दुआरि पर जङ्ग लागल फाटक आधा खुलल रहैत छल।

कारखानाक भीतरी भागमे प्रवेश रोकल गेल छल; ओकर एक सुरक्षित कोठरी आ खुलल आँगन सहदेव मण्डल पाठशालाक लेल चुनने छलाह।

सहदेव सुनि मुस्कुरा देलनि, “तखन लोक बुझल जे हाथक आँखि श्रेष्ठ।”

ओ शिक्षण लेल पट्ट राखबाक अनुमति देलनि, एक शर्त पर—बच्चा पहिने ओकरा पूजनीय वस्तु नहि बुझय।

उर्मिला लिखलीह—‘नमूना-मात्र; वास्तविक पुलक भार आ सुरक्षा-जाँच अलग।’

मूल पाठसँ

नक्सामे जे नञि छल, ओकरा बिना देखब कठिन; मुदा नक्सा बदलल वस्तुक स्थान नहि लेत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक दलकेँ पुरान धातुक एक निष्क्रिय पहिया आ लकड़ीक आधार देल गेल।

पहिल दलक बच्चासभ धातुक पहियाकेँ जकाँ-तकाँ मिलाबय लागल, मुदा जङ्ग लागल किनार तेज छल।

हुनकर माँग छल जे बेटीसभकेँ केवल पटरा बनएब नहि, पम्पक जाँच, औषधिक कोठरीक हवा-बहार आ भण्डारक बही पढ़ब सेहो सिखाओल जाए।

ओकरा विश्वास छल जे एहि चकतीमे समस्त पम्पक नक्सा अछि।

उर्मिला उत्तर देलीह, “जे ज्ञानक रखबारी केवल वस्तु बचाओल नहि; ओकरा पढ़बाक साधन, सही नाम, समय आ सुरक्षित विधि सेहो चाही।”

मूल पाठसँ

उर्मिला महसूस कएलनि जे ई छोट स्वीकृति सहदेवक स्वभावक भीतर नव दरारि नहि, नव अवसर खोलैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“जखन नगरक बत्ती बुझल, हमर परिवारक किछु लोक सहायता पाबि नहि सकल।

किछु बच्चा मना कएलक, मुदा एक कहलक जे ओकर दादी एना करैत छलीह।

कोन पोखरिक माटि नरम, कतय जलक धार तेज, कतय पुरुषसभक नाव जाइत आ कतय स्त्रीसभ छानैत छथि—ओ सभ विस्तारसँ कहलक।

राति उर्मिला पञ्जी लिखि रहल छलीह तँ सहदेव अपन पुरान औजारक पेटी खोलि एक छोट छिन्न लेख देखेलनि।

ओ कहलीह, “जँ एक वचन टूटल, तँ सभ जाँचल साधन छोड़ब आवश्यक अछि कि?”

मूल पाठसँ

युवक पहिले चुप रहल, तखन ओ बालिकासँ पुछलक जे मखानक बिआ सूखल कतय राखैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला कहलीह, “तखन आजुक पाठशालामे जे हाथ अछि, ओहि सँ काज करब।

उर्मिला कहलनि जे वास्तविक पुल बनबाक पहिने पानिक चाल, माटि आ आवश्यक भारक जाँच जरूरी।

दोसर कहलक, “एहि पत्रमे हमर जीवन बनि जायत।”

एहि नियमक संग कठिन प्रश्न अएल—बाँचल पुर्जा तखन खोजत के?

जे कियो सामग्री आनत, ओकर नामसँ अधिक महत्वपूर्ण भेटबाक ठाम आ जोखिमक विवरण।

मूल पाठसँ

सहदेव पुछलनि, “आ जँ लोक जाँच धरि भूखल रहत?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एखन समय, दबाव, पाइपक अवस्था, पानिक सुरक्षा कोनो पूरा जाँचल नहि।”

“पहिने ई चिन्हित करियौ जे एहि प्रतिमे त्रुटि भेल,” ओ कहलीह।

नक्साक अर्धभाग पानिसँ धूमिल, मुदा पम्पक एक दुर्लभ पुर्जाक आकार एखन पढ़ल जा सकैत छल।

प्रलयक बाद स्मृतिक मोल केवल ज्ञान नहि, सम्बन्ध सेहो छल।

ओ कहलनि, “जे जाँच खतम नहि, तकरा खतम कहलहुँ तँ अगिला लोक धोखा खायत।”

मूल पाठसँ

उर्मिला कहलीह जे ओकर प्रति हाथसँ बनत; मूल पन्ना ककरो संपत्तिक नाम पर छीनल नहि जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि पन्नाकेँ बत्ती बिनु पढ़बाक लेल कारीगर मोट अक्षरमे लिखलक।

तखन जल-जाँच करनिहार स्त्री बगलमे राखल दू बर्तन देखेलीह—दुनू देखबामे साफ, मुदा एकक स्रोत औद्योगिक अवशेषक नजदीक।

विज्ञानक भाषा गामक जीवनक संग मेल खायल।

“हमर सब विद्यार्थी काज सिखैत छथि,” ओ कहला।

हुनका हाथक कौशल पर विश्वास छल, मुदा सभ हाथ एकसन बल नहि रखैत।

मूल पाठसँ

बच्चाक पएरमे कमजोरी छल, आ दूरक चिकित्सालय धरि रोज जेनाइ कठिन।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“कोनो नब यन्त्र पुरान हाथकेँ अपमानित नहि करबाक चाही,” ओ कहलीह।

उर्मिला उत्तर देलीह, “गीतकेँ गीत रहय दियौ।

उर्मिला देखलीह जे लाल चिह्न बिना लिखल अर्थक किछु बच्चा नहि बुझैत।

ओ कहैत छल जे जँ ई सत्य भेल तँ सहदेवक हस्तविद्या पुरान पड़ि जाएत।

सहदेव एहि बेर युवकक हाथसँ पत्र नहि छीनलनि।

मूल पाठसँ

एहि छोट पहलक बाद बच्चासभ अपन घरक कात जोखिमक चित्र बनाबय लागल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

साझेदारीक प्रश्न फेर अएल जखन दू बस्ती पाठशालाक बचल औजार माँगलक।

उर्मिला हुनका धन्यवाद देलीह नहि; ओ हुनकर पन्ना ओहि नियमक अधीन सुरक्षित राखलीह जतय सभ पन्ना रखल जाइत छल।

अन्तमे नियम बनल—जाँचल औजार लिखित उधारी पर, सुरक्षित उपयोग जाननिहारक संग; चोट वा हानि दर्ज; महिला आ युवा कारीगरक अधिकार समान।

अन्तिम सप्ताह पाठशालामे एकटा छोट सार्वजनिक प्रदर्शन भेल।

ओहि क्षण सहदेवक दृष्टि उर्मिला सँ भेटल।

मूल पाठसँ

सहदेव उत्तर देलनि, “दुनू घर नहि उठब तँ पाठशालाक हाथ खाली रहत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहदेव उत्तर देलनि, “अपशकुन कहितहुँ तँ कारणक जाँच बन्द भऽ जाइत।”

एक युवक कहलक जे रस्सी कसरल नहि छल; दोसर कहलक जे माटि नरम।

हुनकर ई वचन उर्मिलाक लेल महत्त्वपूर्ण छल।

उर्मिला कहलीह, “जे हेराएल अछि तकर स्मृतिक मालिक रहय सकैत अछि।

उर्मिला कहलीह, “तखन ई निर्णय ककर जीवन बदलेत से पहिने जोखू।

मूल पाठसँ

एक बालिका कहलीह जे अपन मायकेँ देखाएब, मुदा सभ लोककेँ नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ उत्तर देलीह, “हाथ काज करैत अछि; पन्ना काजक हिसाब पूछैत अछि।

मुदा काजक जोखिमबला भाग केवल प्रशिक्षित देखरेखमे सिखाओल जाएत।

जे औजार उधार जाएत, तकर वापसीक दिन लिखल हो; जे वस्तु टूटत, तकर दोष बिना जाँचक ककरो माथ नहि देल जाए।

अन्तिम पाँतिमे उर्मिला पाठशालाक नामक नीचाँ दू चिन्ह बनाएलीह।

“एहि खाँचा कैं खाली नहि छोड़ियौ,” ओ कहला।

मूल पाठसँ

एक बालिका कहलीह, “हमर माय एतय काज सिखब चाहैत छथि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एहि परीक्षणमे कोनो जोखिमवला पानि बच्चाकेँ पियाओल नहि गेल; प्रश्न उदाहरणसँ बुझायल गेल।

“कोनो नब यन्त्र पुरान हाथकेँ अपमानित नहि करबाक चाही,” ओ कहलीह।

दोसर दिन शिष्यसभ फलक फेर ठाढ़ करबाक लेल दौड़ि पड़ल।

पाठशालाक दुआरि पर नव बनल पट्ट लगाओल गेल।

मूल पाठसँ

सहदेव चाहैत छलाह जे शिक्षा लेल राखल औजार बाहर न जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक राति तेज पवनमे पाठशालाक काठक फलक ढहि पड़ल।

एक बालक कहलक—“जखन पम्प चलय”; दोसर—“जखन घायल आदमी फेर काम कऽ सकय”; एक बालिका—“जखन माय राति पानि आनय न जाए।”

ओ उत्तर देलीह, “हाथ काज करैत अछि; पन्ना काजक हिसाब पूछैत अछि।

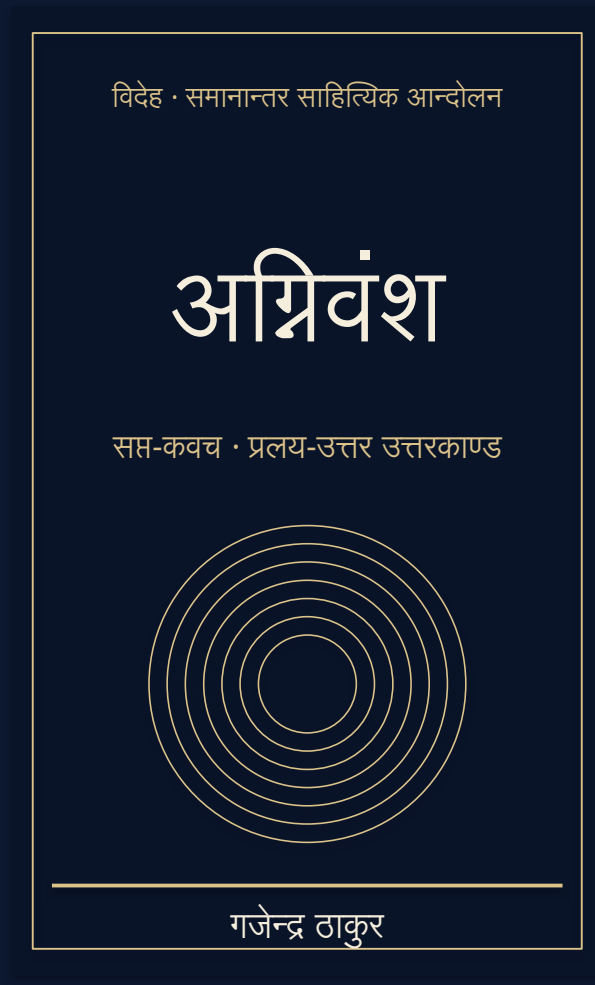
अगिला अध्याय : ५२ · भास्करक आश्वासन

मूल पाठसँ

बरखाक बाद गाछतर बैसि सहदेव बच्चासभ सँ पूछलनि जे प्रगति की अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५२ : भास्करक आश्वासन

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक दोसर बरिस

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कर्णेशकेँ सबसँ पहिने ओहि पट्ट पर भरोसा भेल, कारण जे बात एखन नहि जानल गेल, ओकरा सेहो नाम देल गेल छल।

कागज नीक छल; ओहि पर सुनहला रेखा आ ‘साझा रक्षा, साझा उजियार’ लिखल छल।

“विलम्बक मूल्य सभकेँ देखाइत अछि,” कर्णेश कहलनि, “मुदा जल्दीक दण्ड के भोगत, से पत्रमे किएक नहि?”

कर्णेश पुछलनि, “कुन पुर्जा भास्करक केन्द्र मँगैत अछि?”

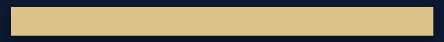
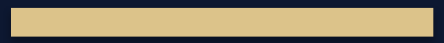
मूल पाठसँ

वज्रजालक अधिकारी रहलहुँ, तखन ताँ स्पष्ट आज्ञाक मोल बुझैत होएब।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मुदा आशा आ प्रमाणकेँ एकहि नाम देलासँ अन्हार कम नहि होइत।
३–४		तेलक मूल्य ककरो पुरान मुद्रा सँ नहि, अनाज आ श्रमक दिनसँ निर्धारित होइत छल।
५–६		दुनूमे अन्तर छल, कारण केन्द्रक पर्चीमे राति पानि भरबाक श्रम आ उपचारक यात्राक हिसाब नहि छल।
७–८		पत्रमे पहिने लिखल ‘अविच्छिन्न आज्ञापालन’ बदलि ‘समन्वित पालन’ भेल छल।
९–१०		ओहि बीच बच्चा पैघ भऽ जाएत, पोखरि सूखि जाएत।”

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वज्रजालक अधिकारी रहलहुँ, तखन ताँ स्पष्ट आज्ञाक मोल बुझैत होएब।”

छत आधा ढहल छल; तखनो कारखानाक भीतरे कारीगर लोकनि मोटरक बाहरी आवरण खोलि ओकर सुरक्षित भाग अलग राखि रहल छलाह।

कर्णेश अपन संग अनल कागजी लेखा निकाललनि।

पत्र कहैत छल जे अक्षरक पूर्ण ज्ञानक संरक्षणमे सुरक्षित ऊर्जा, खाद्य-संग्रह आ शस्त्र-पहरा जल्दी उपलब्ध होयत।

कर्णेश ओकरा कारखानाक दुआरि दिस देखेलनि।

मूल पाठसँ

ओ पहिने एक वृद्ध कारीगरसँ पुछलनि, “एहि भित्तिक भीतर की चलि सकैत अछि?”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दूतक संग आएल पुरान सुरक्षा-अधिकारी कर्णेशसँ अलगसँ बात करय चाहलक।

कर्णेश रेकर्डक समय पुछलनि; दूत जे दिन बतौलक, ओकर पूर्ण अभिलेख नहि देलक।

उर्मिलाक एक शिष्य पुछलक, “जँ सभ पुर्जा एतयसँ चलि गेल, तखन हमरा गामक पम्पक अभ्यास कोना होयत?”

कारखाना कखनो केवल उत्पादनक भवन नहि रहल; प्रलयक बाद ई शरण, कौशल आ स्मृतिक साझा ठाम बनि चुकल छल।

कर्णेश बुझि गेलाह जे प्रस्तावक वास्तविक धार एतय अछि।

मूल पाठसँ

एक महिला प्रतिवाद कएलनि, “हमर बस्ती नदीमे गेल, एहि आँगनमे दुइ बरिस सँ बच्चा पोसि रहल छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुकानदार कहलीह, “जँ बाहरी केन्द्र बिजली देत तँ हम सभ तेलक कर्जा घटाएब।

दूत ई घटना अपन तर्कमे जोड़लक—“देखलहुँ?

प्रत्येक आज्ञाक कात प्रश्न लिखब आरम्भ भेल: साधनक स्रोत की?

कारखानाक बाहरक खुलल मैदानमे पहिने मालढोआ यान ठहरैत छल।

कर्णेश हुनका कहलनि, “जतेक लेखा सार्वजनिक साधनक अछि, ओतबे; परिवारक निजी आवश्यकता बिनु सहमति कियो नहि लऽ सकैत।”

मूल पाठसँ

“बिजलीक नाम लऽ लोकक अधिकार मिटा देलासँ सेहो बिजली नहि बनैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भास्करक दूत इशारा कएलक जे केन्द्रक कारखानामे ई सभ दोष नहि होयत।

युवक अपन चोटिल हथेली उठाकऽ कहलक, “अहाँक कारखानाक दीवारो लोहेक होएत।

कारीगरसभ लाल माटिसँ सुरक्षित बाट, उज्जर चूनासँ अनजान कोठरी आ काँटासँ भङ्गारक ढेर चिन्हित कएलनि।

अगिला दिन एक युवक कारखानाक बाँचल काचक खिड़की पर सूर्यक प्रकाश एकत्र करबाक साधन बनबाक सुझाव लेलक।

घायल कारीगर उत्तर देलक, “प्रगति जेकर पएर पर ठाढ़ होयत, ओकरा पूछब सेहो प्रगति अछि।”

मूल पाठसँ

उर्मिलाक एक वृद्ध शिष्या प्रत्युत्तर देलीह, “पुरान नक्शामे ई कक्ष सूखल छल, आब एतय बरखा भीतर धरि पहुँचैत अछि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक महिला आपत्ति कएलनि जे सामूहिक श्रमिक सूचीमे नाम जरूरी होइत अछि।

कर्णेश एतय मध्यस्थ बनबाक लेल नहि गेलाह।

एक पुरान सैनिक पुछलक, “कियो भीतर आगि लगा देत तँ?”

श्रमिकसभक श्रमक खर्च चाउरसँ अलग नहि छल।

“हमर मायकेँ रोज तेलक छोट दिया चाही, कारण ओ राति उठि दवा लैत छथि,” स्त्री कहलीह।

मूल पाठसँ

बरखाक पहिल झोंकमे कारखानाक अगिला पाँतिमे राखल चाउरक बोरासभ भीजि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

आब ओकर खण्डित सेवा पर कियो नव सिंहासन बनेबाक प्रयत्न करैत अछि।

ओ पहिने लिखित सौदा, गवाह आ बीजक सार्वजनिक स्थितिक विवरण माँगलनि।

कर्णेश ई पाँति देखैत सोचलनि जे पुरान संकटमे अक्षरक अधिकार सीमित करबाक लेल कतेक मनुष्य लड़ल छल।

ज्ञानक यात्रा लेल कागज, लोक आ धैर्य तीनू चाही।

हुनकर नाम पुरान सूचीमे ‘मजदूर संख्या’ रूपेँ छल, मुदा लोक हुनका काठ जोड़बाक विशिष्ट कौशल सँ चिनैत छल।

मूल पाठसँ

मुदा एखन प्रमाण केवल प्रचारक छल, केन्द्रक अन्तरफलकक जाँच नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दुआरि पर बैसल एक बच्चा फूँक मारि निझाएल बातीक धुआँ हटाबय लागल।

कर्णेश ओ दृश्य देखलनि—सावधानी ककरो इच्छा समाप्त नहि करैत; ओ इच्छा कें जीवित रखबाक बाट बनबैत अछि।

भास्करक सहायता जँ प्रमाण-सहित आएत, हम ओकरा अस्वीकार नहि करब।

“भविष्य बनयबाक लालचमे एखनक जीवित देहकेँ दाँव पर नहि राखू,” ओ कहला।

“जे लोक एकरा मानि अपन हस्ताक्षर देत, आ जे लोक सवाल पूछत,” कर्णेश कहलनि।

मूल पाठसँ

श्रमिकसभक प्रश्न छल जे धातु निकाललासँ पम्पक भाग बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एतय कोनो विजयघोष नहि भेल, कारण उपकरण नहि अएल, अन्हार सेहो नहि घटल।

दूत कहलक, “शब्द बदलला सँ आशय नहि बदलैत।”

ओकर पर्दा फाटल, भीतरक किछु चकती सुरक्षित भण्डारमे राखल गेल छल।

कर्णेश एहि रिक्त खाँचा पर अँगुरी राखलनि।

कर्णेश ईराकेँ तत्काल उत्तर पठाएब सम्भव नहि बुझलनि; सन्देश पुरान बँटित जालसँ आएल छल, प्रत्युत्तर पहुँचबाक निश्चय नहि।

मूल पाठसँ

स्थानीय कारीगर बतौलक जे एखन चकती चलाबबाक साधन नहि; पुरान सूची मात्र पाछाँक कोठामे भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश उत्तर देलनि जे स्थानीय सुरक्षित काज रुकबाक कोनो कारण नहि।

दोसर साथी पुछलक जे कर्णेश स्वयं ककरा आदेश मानैत छथि।

ओहि मौनमे लोकक भूख वास्तविक छल, मुदा कर्णेशक निर्णय सेहो।

ऊर्जाक आश्वासनक जाँच लेल कारखानाक एक कारीगर भास्करक पत्रमे लिखल ‘छह दिन’क समय-सीमा खोजि रहल छल।

एक वृद्धा कहलनि, “लोककेँ बारम्बार कहल जाइत अछि—एहि बेर सभ सुधरत।

मूल पाठसँ

ओहि उत्तर पर केवल अपन नाम नहि, तीन बस्तीसभक निर्वाचित प्रतिनिधि, श्रमिकसंघक स्त्री आ उपचारक प्रतिनिधिक हस्ताक्षर लेलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा एतबे पता छल जे बापक लौटबाक बाट पर हथौड़ीक आवाज फेर सुनाइत अछि।

दोसर दल कहलक जे बिना लेखाक औजार गुम होएत।

दूत कहलक जे ओठामे पैघ ऊर्जा सुरक्षित अछि।

साँझमे कारखानाक ढहल भित्तिपर सूर्यक अन्तिम इजोत पड़ल।

आ जँ भास्कर अपन उजियाराक बदला एही अधिकार माँगत, तँ अन्हारक दाम ककरा सँ वसूलत?

मूल पाठसँ

कर्णेशकेँ अचरज भेल जे भास्करक पत्रमे एहि कोठरीक नाम छले नहि, मुदा दूत ओकर आधार पर आशा बेचि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एक युवा श्रमिक पूछलक जे जँ कर्णेश भास्करक प्रस्ताव अस्वीकार करैत छथि तँ निकट भविष्यक काजक योजना की।

कर्णेश प्रस्ताव रखलनि जे कोनो बाहरी केन्द्रसँ सामग्री लेबाक पहिने ई नियम ओकरा पठाओल जाए।

भास्करक प्रतिनिधि तुरन्त कहल कि हुनकर केन्द्र एहन काम लेल रक्षा देत।

अन्तमे औजार लेल व्यक्तिगत परिचयक स्थान पर उत्तरदायी सामूहिक कार्यदल लिखल गेल, आ सभ लोककेँ समान उपयोगक अवसर राखल गेल।

मूल पाठसँ

दूत चिढ़ल; मुदा स्थानीय लोकक उपस्थिति मे पत्र बिना हस्ताक्षर वापस लऽ गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

चिकित्सालयक पहरेदार उत्तर देलक, “भूखल आदमीक हाथसँ लेल हस्ताक्षर स्वेच्छा नहि।”

बाहरी सहायता आए तकर स्वीकारक शर्त पहिनेसँ लिखल हो, मुदा आश्वासनक प्रतीक्षामे उपलब्ध श्रम निष्क्रिय नहि बनाओल जाए।

ओहि भित्तिक छाहमे एक शिशु खाली टीनक डिब्बा घुमा कऽ चक्का बना रहल छल।

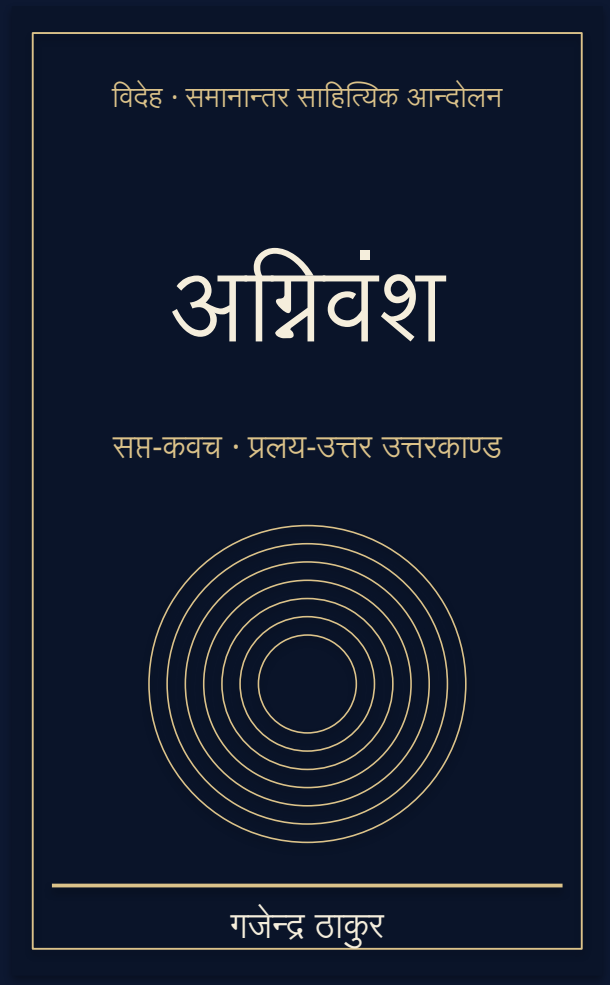
अगिला अध्याय : ५३ · कक्षाक शेष

मूल पाठसँ

कर्णेश हुनकर वचन सभाक लेखामे जोड़लनि, कारण समय सेहो संसाधन अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५३ : कक्षाक शेष

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक दोसर बरिस

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ईरा एहि अनिश्चितताक बीच नागरिकसभाक अगिला बैठक लेल प्राणवायु, जल आ इन्धनक लेखा तैयार करैत छलीह।

ओ आँकड़ा सार्वजनिक करबेलनि: अलग-अलग कोठामे उपलब्ध प्राणवायु, सुरक्षित खाद्यभण्डार, मरम्मति-योग्य संरचना आ अज्ञात क्षतिक खाँचा।

ओहिमे वज्र-साक्षीक पिछला स्थिति-अभिलेखक अंश सुरक्षित छल, मुदा महाविच्छेदक बादक समयपर ओकर भरोसा नहि कएल जा सकैत छल।

शिक्षिका कहलीह जे संपर्कक बाधा आ मनक विस्मरण एक बात नहि।

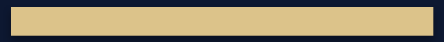
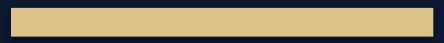
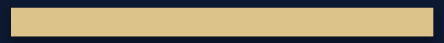
मूल पाठसँ

कतिपय सदस्य तत्काल घोषित सफाई-अभियान चाहैत छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		प्रस्ताव अस्वीकार नहि भेल; ओकरा असिद्ध अनुमानक रूपमे दर्ज कएल गेल।
३–४		बच्चा उत्तर देलक, “जँ नहि जानब लिखब नहि, तँ जे जानब से कखनो देखाउ?”
५–६		ईरा उत्तर देलीह, “सेतु टूटितो फेर बनि सकय, एहन सीखू।
७–८		एक कक्षीय श्रमिक कहलक जे धरतीक कारखाना हमरा लेल पराया भऽ गेल अछि; एखन केवल अपन बस्ती बचाव।
९–१०		ईरा हुनकर बातकेँ अगिला उत्तरक मूल पाँति बनबेलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्राम-४क उजर गोल छतक एक भाग पर पुरान टक्करक पातर घाव एखनहुँ देखाइत छल।

एक कक्षमे दू परिवार रहैत छल, दोसरक बाँचल सामान विद्यालयक आसन बनल छल।

सन्देशक मूल स्रोत देखबाक साधन सीमित छल, मुदा कर्णेशक नाम आ लोकसाक्षीक अस्थायी अभिलेखक सङ्केत मिलैत छल।

हम पृथ्वी लेल किएक अपना बचल साधन पठाबी?”

कक्षीय शून्य-शेषक नक्शा पुरान पर्दामे देखा रहल छल, मुदा एक महत्वपूर्ण भाग पर ‘पुरान स्थिति’ लिखल छल।

मूल पाठसँ

एक महिला कहलीह, “हमर बेटा रात्रि भरि श्वासक आवाज गनैत सूतैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रस्ताव अस्वीकार नहि भेल; ओकरा असिद्ध अनुमानक रूपमे दर्ज कएल गेल।

आब किछु खण्ड विच्छिन्न, किछु मौन आ किछु सार्वजनिक जाँचक सीमा भीतर रहल।

बच्ची पुछलक, “पत्र कतेक दिनमे पहुँचल?”

नभग्रामक पुरान भण्डारमे किछु पदार्थ ‘युद्धकालीन’ नामे राखल गेल छल।

जे जानल नहि, ओकरा जनबाक प्रयत्न करब; ताबत ओकर कारण नव घाव नहि बनाबी।”

मूल पाठसँ

शिक्षिकाकेँ लगा जे ई उत्तर कम अछि; बच्चीकेँ लगा जे पहिल बेर प्रश्न बचल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वैज्ञानिक अनिश्चितताक अर्थ रोगीक एकाकी प्रतीक्षा नहि होबाक चाही।

त्रुटि स्वीकार भेल, किन्तु तकर निराकरण रातिमे भोजन नपाओनिहार व्यक्तिक निकट पहुँचब सँ शुरू भेल, न वृद्धाकेँ लज्जित करब सँ।

जकर हाथमे बिआ अछि, जकर खेत अछि, जकर भूख अछि—सभ गवाही चाही।

ईरा हुनकर क्रोध सुनि सकलीह, किन्तु चिकित्सा-कक्षमे आदेश देबाक अधिकार अपन हाथ नहि लेलीह।

सन्देश देखबाक उत्कण्ठामे लोक सभागृहमे जमा भेलाह।

मूल पाठसँ

नभग्रामक रोगी-कक्षमे एक किशोर दूरक गामक औषधि माँगैत छल, कारण ओकर परिवारक पुरान चिकित्सक ओहि नामक औषधि लिखने छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अन्यथा ‘अस्थायी’ कहिकऽ सदाक लेल चली जाएबला नियन्त्रण तैयार भऽ जाएत।

किछु लोक कहला जे सदिखन जाँचक कारण काम रुकी जाएत।

एक सहायक कहलक जे जँ सबकेँ नाम देब तखन सूची लम्बा होएत।

ओ निर्णयक अवधि स्पष्ट लिखेलनि—केवल एक निरीक्षण-चक्र धरि अनुमति, तकर बाद निरस्त; नब अनुमति लेल ताजा प्रमाण।

एक बालिका फोटो पर लाल अक्षरमे लिखलक—‘ई सुन्दर अछि, मुदा एकर निकट जेब आवश्यक नहि।’

मूल पाठसँ

चकतीक स्मृतिसँ अधिक मूल्य ओहि जीवित हाथक छल, जे उपकरणक नब दोष देखैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कियो अनुमानक आधार पर बेपत्ता नाम मृत सूचीमे जोड़बाक आग्रह कएलक।

ईरा एहि पर प्रसन्नता नहि मनौलीह; हुनका पता छल जे संकटमे समानता लिखबाक बादो आवश्यकताक अन्तर बनल रहैत।

ईरा छोट सभा रखलीह; दुर्घटनामे मृत लोकक नाम कहल गेल, बेपत्ता लोकक अलग उल्लेख भेल।

सहकार्यक सार्वजनिक मतगणनासँ पहिने एक प्रतिनिधि कहलक जे पृथ्वीक लोकसभाकेँ नभग्रामक स्वायत्तता स्वीकार करबाक शपथ लिखाउ।

एहि करारमे एक पाँति विशेष छल: ‘दुनू पक्षक नागरिकसभाकेँ प्रमाणित जोखिम भेला पर काज स्थगित करबाक अधिकार।’

मूल पाठसँ

एक मायक आँखिसँ नोर झरल; ओ चुप भेलीह, किन्तु हुनकर बेटाक नाम बेपत्ता पञ्जीमे अलग रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईराक मन फेर ओहि घाव पर गेल, जे खिड़कीक बाहरक चमकमे नुका रहैत छल।

ईरा उत्तर देलीह, “सेतु टूटितो फेर बनि सकय, एहन सीखू।

नभग्राम चाहैत छल औषधीय सामग्री, मरम्मति लेल दक्ष लोकक लिखल ज्ञान आ भोजनक भरोसेमन्द स्रोत।

सहकर्मी चाहैत छल जे ईरा अपन निजी सन्देह न लिखथि, जाहिसँ पृथ्वी आशा नहि छोड़य।

निरीक्षक अपन काजक कारण खुला गवाहीमे रखलक, मुदा ओकर कृत्य स्वतः उचित नहि मानल गेल।

मूल पाठसँ

हमरा सभकेँ एक-दोसराक जीवित रहबाक नाता बचाबय चाही, नब आधिपत्य नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ भास्करक नाम पर दोषसिद्धि नहि देलीह; अधिकार मात्र नहि सौंपलीह।

> “एखन ई दावा अछि,” ओ कहलीह, “न वर्तमान कक्षीय आँकड़ा, न साक्षी-खण्डक जाँचल उत्तर।”

> ईराकेँ एक युवती पूछलनि, “जँ ई झूठा संकेत भेल तँ हमरा एतेक सतर्कता किएक?”

> जे आज कारखानाक भीतरे काज करैत अछि, ओकर गवाही सुनू।

> एक कक्षीय श्रमिक कहलक जे धरतीक कारखाना हमरा लेल पराया भऽ गेल अछि; एखन केवल अपन बस्ती बचाव।

मूल पाठसँ

दोसरे प्रहर ईरा पुरान दृष्टि-कोठामे एक अभियन्ताक संग बैसलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्रामक पञ्जीमे अगिला पन्ना केवल धरती सँ साधन माँगबाक नहि छल।

सभाक एक सदस्य कहलक जे आधिकारिक सहयोगमे निजी दुःखक स्थान कतय?

ईरा चाहैत छलीह जे हुनकर नाम मिटाओल नहि जाए; निर्णय केवल बहुमतक चमक नहि, अल्पमतक चेतावनी सहित सार्वजनिक होय।

ईरा देखलीह जे साझा अधिकारक आरम्भ एहन छोट प्रश्नसँ सेहो होइत अछि।

कियो कहलक—“अक्षरक साक्षी सेहो नहि जानैत; तखन उपयोग की?”

मूल पाठसँ

बाहरी घाव जसक तस छल, प्राणवायु जोखबाक समय फेर आयल, विद्यालयक किछु कोठा बन्द रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा ढेलाकेँ हाथ नहि लगौलीह; ओ वृद्धक अनुमति मँगि ओकर कात बैसलीह।

आब ओकरा तकैत ओ कहला, “माटि धरती पर रहैत अछि, मुदा एतय ओकर स्मृति हमर श्वाससँ जुड़ल अछि।”

वृद्ध कहला, “जतय रोकबाक अधिकार नहि, ओतय साझेदारी नहि।”

नभग्रामक एक चिकित्सक पुरान पृथ्वी-नियमक प्रति देखेलनि, जाहिमे रोगीक परिचय अलग राखबाक बात छल।

ओ नागरिकसभामे ई सिद्धान्त दर्ज करेलीह।

मूल पाठसँ

ईराकेँ चिन्ता भेल जे भविष्यक साझा करार ककरो पुरान कारखानाक जोखिमवला अवशेष जबरन काढ़बाक लोभ नहि बनि जाउ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सालक अन्तिम सार्वजनिक सभामे पृथ्वीक लोकसाक्षी लग उत्तर पठाओल गेल।

एक बेर पूछू तँ ओतयक लोक हमरा सभ सँ की चाहैत अछि?”

ईरा बुझेलीह जे मतदान निर्णयक विधि, सत्यक प्रमाण नहि।

ओ बस कहलनि—“जीवनक जोखिम एकल उत्साहक विषय नहि; जे लोक अहाँक अनुपस्थितिमे जीवित रहत, हुनका विचार सुनब सेहो जिम्मेवारी अछि।”

ओ शून्य-शेष छल कि दूरक साधारण प्रतिबिम्ब, ईरा निश्चित नहि भेलीह।

मूल पाठसँ

ईरा उत्तर देलीह, “अधिकारक नियम निश्चित हो, मुदा जोखिमक ज्ञान नब प्रमाणसँ बदलि सकैत अछि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ईरा उत्तर देलीह, “आशा सचक बगैर भेजल गेल तँ विश्वासक मृत्यु तेज होएत।”

अभियन्ता कहला जे तखन धरतीसँ गवाही अबय धरि प्रतीक्षा करय पड़त।

ईरा उत्तर देलीह, “जे नहि जानैत से खुलि कहैत अछि, से हमरा गलत भरोसा सँ बचबैत अछि।

एक बालक कहलक जे तखन लोकसभाक निर्णय कखनो अन्तिम नहि।

मूल पाठसँ

इजाजतबिनु कोनो नागरिकक व्यक्तिगत जानकारी बाहरी केन्द्रकेँ नहि देल जाएत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

कक्षीय अभिलेखक एक खाँचा मे पृथ्वी सँ आबयवाला पिघलल धातुक सम्भावित उपयोग लिखल छल।

चकती, धातु आ सूचनाक आदान-प्रदानसँ पहिने दू लोकसमुदायक प्रश्न एक-दोसर धरि पहुँचेबाक बाट चाही।

शून्य-शेषक जोखिमक जाँच मिलिकऽ होयत; धरतीक भग्न कारखानाक सामग्री श्रमिकक सहमतिसँ; नागरिकक गोपनीयता सुरक्षित; गलतीक लेखा खुला।

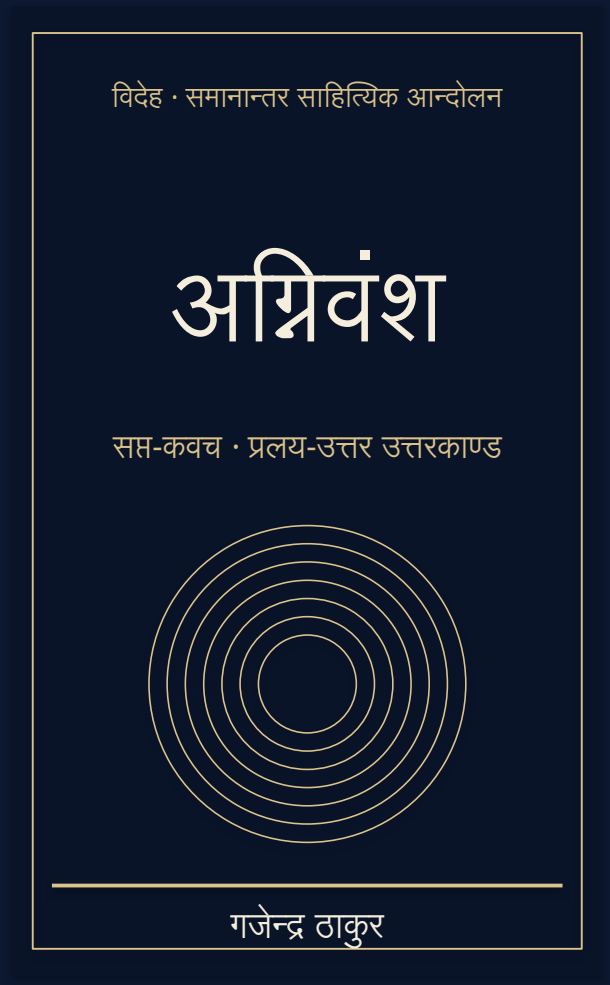
अगिला अध्याय : ५४ · अन्हारक अभिलेख

मूल पाठसँ

जे सहयोग प्रश्न नहि सुनैत, ओ फेर आदेश बनि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५४ : अन्हारक अभिलेख

खण्ड ९ · बीज-भण्डार

महाविच्छेदक दोसर बरिस

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

कागजक कात पर वर्षक अङ्क बचल, मुदा किछु पन्ना भीजल।

वृद्ध अपन फाटल थैलासँ एक छोट पन्ना निकाललनि, जकर लेखनी पुरान छल, मुदा तिथि पढ़ल जा सकैत छल।

ओतयसँ लौटैत समय नीलमकेँ एकटा कागज भेटल जकर माथ पर ‘आपात समायोजन’ लिखल छल।

“ओहि दिन जँ खबर जल्दी पहुँचत, तँ हमर बच्चा बाँचि जाइत?”

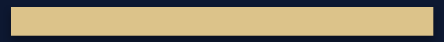
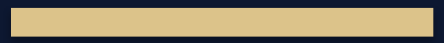
मूल पाठसँ

हुनकामे सँ एक वृद्ध प्रश्न कएलनि जे अनुरक्षणक पुरान काटल खर्च आ आजुक बाढ़ि मे की सम्बन्ध।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		कागज भेलाक काल ठीक चिन्हित, मुदा तकर लेखनीक एक पाँति मिटि गेल छल।
३–४		प्रमाणक मूल प्रति स्वतन्त्र निरीक्षण लेल सुरक्षित रखल जाए।
५–६		शिष्या कहलीह जे कारखानाक बहिखातामे लिखल पुर्जाक संख्या सँ वास्तविक बचल पुर्जा नहि मेल खाइत।
७–८		नीलम उत्तर देलीह, “विश्वास कियो मँगि लऽ नहि सकैत; एकरा जाँचबाक अवसर देल जाए।”
९–१०		नीलम दूनूक प्रश्न अलग लिखलीह—जीविकाक आवश्यकता आ सामग्रीक उपयुक्तता।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तखन बहिखाताक स्रोतपर ‘प्रमाणित अंश’, ‘जाँच शेष’ दू अलग चिह्न लगल।

आब नीलमक हाथमे पन्नाक छोट पुलिन्दा छल—अनुरक्षणक पुरान व्यय-लेखा, बचल कामगारक गवाही, आ चेतावनी-नीतिक अंश।

ओ पत्रक प्रति बनबेलीह, पन्नाक भिजल अवस्थाक फोटो सुरक्षित करेलनि, आ कागज निकालने कारीगरसँ पूछलीह जे पेटी कतय, कखन भेटल।

ओहि पन्ना पर मोटरक दोषक संक्षिप्त उल्लेख।

वृद्ध कहला, “तखन जे पुरान लोक माटि पर काज करैत छल, हुनकर चेतावनी केना सुनल गेल?”

मूल पाठसँ

हुनकर स्मरण अनुसार अनेक बेर पुरान मोटरक कम्पन बढ़ल छल, मुदा कार्यशालामे पर्याप्त पुर्जा नहि भेटैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसरो सदस्य कहने छलाह जे चेतावनी कम करबाक अर्थ जोखिम कम करब नहि।

ओ पुछलीह जे ई पन्ना केकर बहिखातामे छल; पन्ना जकरा लग भेटल ओकरा छपल अनुमति छल कि नहि; दस्तावेजक दू कापी कतय?

माय कहलीह, “हमरा पूरा उत्तर नहि चाही, मुदा झूठा उत्तर नहि दिअ।”

एखन कियो नहि जानैत छल जे अन्तिम निर्णयमे कोन मत कोना शामिल भेल।

एहि अस्पष्टताकेँ ओ बेईमानीक प्रमाण कहि नहि देलीह।

मूल पाठसँ

नीलम खोजलीह, मुदा मूल सभा-पञ्जी नहि भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि अनुसन्धानक मध्य नीलम अपन पुरान सहकर्मीकेँ पत्र लिखलीह।

जे लोक छापल शब्दक परिणाम भोगत, तकरा जाँचबाक साधन देब।”

ओ लेखमे सूचि बनाएलीह—‘अतीतक प्रमाण’ आ ‘वर्तमानक प्रचार’।

नीलम टोकलीह, “बच्चाकेँ दण्ड नहि; ओकर पढ़ल अंककेँ मूल पन्ना सँ मिलाउ।”

ओ निर्णय कएलनि जे पद, निर्णय, समय आ जिम्मेवारीक पर्याप्त प्रमाण प्रकाशित हो; व्यक्तिगत पता आ असम्बद्ध पारिवारिक सूचना नहि।

मूल पाठसँ

सार्वजनिक पाठशालाक कक्षमे किछु नव अक्षर सीखैत विद्यार्थी पुरान अनुरक्षण-बहीक अङ्क पढ़बाक अभ्यास कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलमक लेखा जतेक आरोपक, ओतबे निर्णयक भिन्नता चिन्हबाक प्रयत्न छल।

ओ कहलीह, “जे ठाम लोक काज कएने छलाह, ओकरा नहि देखाएब सेहो असत्य।

किछु बस्तीमे पत्रक पाठ लेल स्याहीक अभाव छल।

प्रथम खेपमे जानि-बूझि कम प्रतिलिपि छपल, कारण कागज सीमित छल।

कर्मकार कहला, “हमरा पन्नामे अपन नाम देखाबय नहि चाही; हमर काजक दिन देखाउ।”

मूल पाठसँ

नीलम अनुमोदन देबाक पहिने पुछलीह जे अक्षर स्पष्ट होयत कि नहि; गलत अक्षरसँ मृत्यु-सम्बन्धी नाम बिगड़ि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सन्देशक कक्षमे राति अन्हार रहैत-रहैत किछु देर लेल छोट ऊर्जा-दीप जरल।

“अहाँ पुरान खर्चक जाँच करैत छी,” स्त्री कहलीह, “मुदा आइ हम सभ जे गलती करैत छी तकर हिसाब के राखत?”

‘सीमा बदलल गेल’ वाक्य देखि एक सहायक पुछलक जे ई शब्द ठीक अछि कि बदलल ‘जाइत’ छल।

एक बस्तीमे अफवाह फैलल जे चेतावनी-सीमा बदलि देलासँ सूर्यकुण्ड स्वतः बुझि गेल।

किछु संकट प्रकृतिक आ अन्तरिक्ष-मौसमक, किछु अनुरक्षणक, किछु चेतावनीक नीतिक, किछु खण्डक सीमाक, आ किछु मानवक असमान संसाधन-वितरणक।

मूल पाठसँ

तखन अगिला पाँति पर ओ लिखलीह जे ककर निर्णयसँ परिवर्तन भेल से एखन अपूर्ण।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम कहलीह, “लोककेँ सरल झूठ नहि, स्पष्ट कठिनाई देब हमर काज अछि।”

तखन नीलम दुनू अभिलेख एक ठाम राखि फेर पढ़ब सुरू कएलनि।

नीलम ओहि नियम फेर पढ़लीह: दस्तावेजक अखण्डता, स्रोतक पहिचान, मूल कथनक सन्दर्भ आ धरातलीय पुष्टि—चारि अलग प्रश्न।

ओ प्रश्न करेलीह: सीमा-परिवर्तनक आदेश के देलक?

एक सेवक कहलक, “लोक ई एहन जटिल पन्ना नहि पढ़त।”

मूल पाठसँ

कागजक चकती बाँचल अछि, एहि कारण एकर प्रत्येक अक्षर वर्तमान जीवनक निर्णय नहि बनि जाइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक स्त्री चिल्लेलीह जे ओकर परिवार अस्पतालक अन्हारमे लोक हेरौलक।

नीलम उत्तर देलीह, “दोषक प्रश्न छूटल नहि।

जे दिन बस्ती रोग सँ ग्रस्त छल, ओहि दिनक विद्युत्-कमीक कारण एकोहि आदेश नहि।

ओ कर्णेशक पत्र पढ़लीह; ओहो भास्करक ऊर्जा-वचन स्वीकार करबाक पहिने श्रमिकक अधिकार आ सार्वजनिक जाँच चाहैत छलाह।

आब महाविच्छेदक प्रकृतिक दबाव, मानवक उपेक्षा आ साक्षी-खण्डक चेतावनी-सीमा परिवर्तनक अलग लेखा बनत।”

मूल पाठसँ

समयक दू खण्ड मिलाबय बिना कियो फेर पुरान दोष नव व्यक्तिक माथ देत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पुरान कारखानाक पछुआर एक स्त्रीक आँगनमे छोट सामूहिक पाठ आयोजित भेल।

कोनो निर्णयक लेखा केवल सङ्ख्या नहि; ओकर परिणाम रसोइ, पाठशाला, चिकित्सालय आ खेतमे पहुँचित अछि।

एकरा दुर्भावनापूर्ण स्वायत्तता कहबाक प्रमाण एखन नहि।’

ओहि कथनक सन्दर्भ मे हुनकर हस्ताक्षरित पत्रक उल्लेख भेटल, मुदा पत्रक प्राप्ति-तिथि अखनो अस्पष्ट।

एक दल कहल जे समस्त यन्त्र बन्द कएल जाए; दोसर कहल जे भास्करक पूर्ण अक्षरक शरणमे सभ नियत।

मूल पाठसँ

नीलमक लेख प्रकाशित भेला पर एक पुरान निरीक्षक स्वयं अएलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तत्काल वर्तमान सुरक्षाक निर्णय स्थानीय जाँचकर्ता आ सभाक हाथमे छल।

सदस्य एक उत्तर पठेलनि—‘पुनर्परीक्षण स्थगित।’

किछु प्रश्नक उत्तर भेटल, अनेक शेष रहल।

नीलम अपन लेख सँ मात्र एतबे निर्णय निकालि सकलीह जे इतिहासमे जोखिमक संकेत रहल।

युवक आपत्ति कएलक—“तखन हम कोनो यन्त्र पर विश्वास नहि करब।”

मूल पाठसँ

ओ एहि तरहें विद्यार्थीसभक अनिश्चितता सहबाक क्षमता विकसित करब चाहैत छलीह, दोषी बनाबय लेल तात्कालिक राग नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि नव सूचीमे काम करनिहारक नाम, असुरक्षित भाग आ भविष्यक समीक्षा लिखल छल।

- आंशिक मृतक-पञ्जी, बेपत्ता लोकक पञ्जी आ उपचारक अधूर लेख तीनू अलग स्रोत।
- रात्रि पाठ समाप्त भेला पर एक युवती नीलम लग अएलीह।
- शिष्या एकटा नव सूची अनलीह—जुन पुर्जाक मरम्मति लऽ सभ बरख भरिसँ प्रयास करैत छलाह, तकर किछु अंश एखन उपयोगी ठहरल।
- ओ दिनक अन्तिम पाँतिमे लिखलीह—‘अक्षरक सीमा बदलल गेल छल; मानवक जिम्मेवारीओ घटल।

मूल पाठसँ

ओ पुछलीह जे यदि पिताक हस्ताक्षर मिलल तँ लोक हुनका अपराधी मानत कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

खण्डक गणना अपन सीमा जनैत छल कि केवल आदेश लागू करैत छल?

सहकर्मी पुछलक, “कियो तखन विश्वास करत?”

हुनकर काज लोकसँ स्वीकृति खींचब नहि, ओ प्रश्न सार्वजनिक राखब छल जाहिसँ कियो निर्बाध सत्ता नहि बना सकय।

नीलम एहि वाक्यकेँ ज्यों-का-त्यों राखलीह।

मूल पाठसँ

ई वाक्य नीलमक लेल सबसँ कठिन छल, कारण लोक निश्चय चाहैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

गामक एक शिक्षक अनुरक्षणक वर्षवार लेखा पर व्याख्यानक प्रस्ताव रखलक।

नीलम दूनूक प्रश्न अलग लिखलीह—जीविकाक आवश्यकता आ सामग्रीक उपयुक्तता।

ओहि दिनक अन्तमे नीलम ढहल कारखानाक ओहि कोठामे फेर गेलीह जतय पहिल बहिखाता भेटल छल।

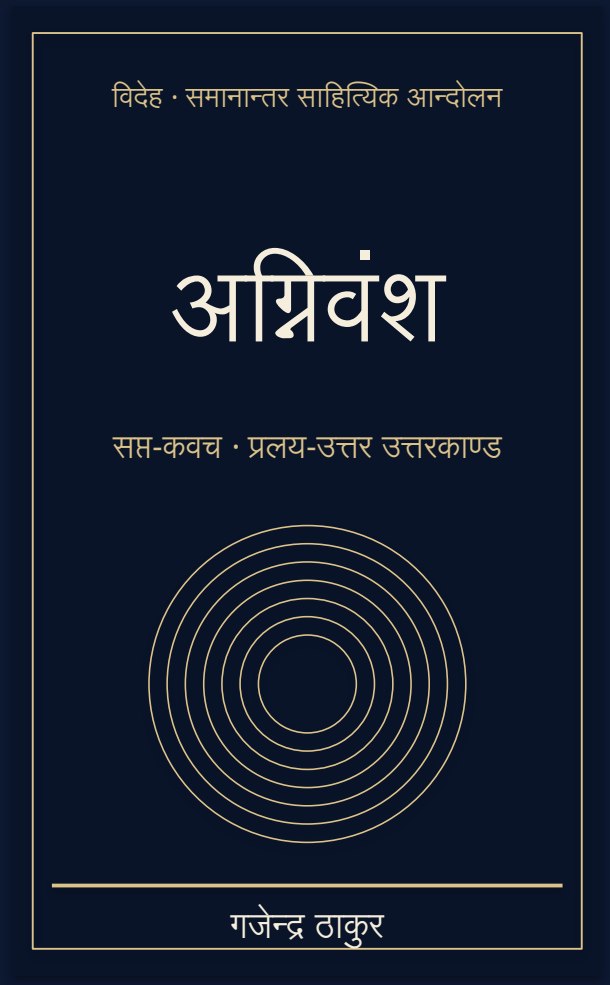
अगिला अध्याय : ५५ · अक्षर-मण्डपक न्याय

मूल पाठसँ

किसानसभ मखानक पानि बचाबय चाहैत छलाह; कारीगरसभ काम चाहैत छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५५ : अक्षर-मण्डपक न्याय

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३ (पूर्वार्द्ध)

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नीचाँ छोट अक्षरमे दोसर बात—‘केन्द्रक आदेश अन्तिम’।

‘हँ, तेँ दोसर पत्र अनलहुँ,’ नीलम उत्तर देलीह।

तीनटा कागज मे सँ दू कागज पर प्राप्तिक छाप छल, तेसर पर नहि।

तकरा आधार मानि हुनकर पानिक हिस्सा घटा देल गेल छल; मानल गेल जे ओ आधा भूमि पर पूर्ववत् जल खर्च करब चाहैत छथि।

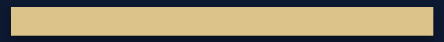
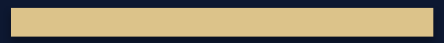
मूल पाठसँ

पहिल बेर हुनकर पर्ची पर लिखल परिवार-संख्या चारि देखाकऽ एक माप चाउर देल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		लेखापाल दया देखबैत कहलक जे ओ अपन मनसँ नब नाम नहि जोड़ि सकैत; ऊपरक आदेश बदलत तँ राशन बदलत।
३–४		‘एहि क्षण अनुचित,’ प्रतिनिधि उत्तर देलक।
५–६		ओहि ठाम शासनक सुविधा आ नागरिकक निजी जीवनक सीमा गड्डमड्ड होइत छल।
७–८		ओ कहलक जे ‘अधिकृत सूची’ बिनु अनाज बाँटल गेल।
९–१०		ओहि नामक कात ओ तत्काल राहत आ दीर्घकालिक अधिकारक दू पृथक कोठरी बनौलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकर देह पर पुरान रक्षा-पोशाकक फाटल बाजू, आ कमरमे लकड़ीक पट्टी।

ककरो हाथमे अन्नक पर्ची, ककरो हाथमे पानिक माटिक पात्र; एक वृद्ध अपन पोतीकेँ काखमे उठौने छलीह।

जे लोक केँ भात चाही, ओकरा ओहि पर्दाक सोझाँ सँ गुजरय पड़ैत छल।

अहिठाम बस्तीक सभाक मुहरसँ बेसी महत्व केन्द्रक धातुक चिह्नकेँ देल जाइत छल।

ओकर नब नाम दर्ज करब हेतु तीन बेर आवेदन देने छी।’

मूल पाठसँ

मुदा ‘समग्र’ शब्दक नीचाँ कोनो स्रोत, समय वा जाँचक सीमा लिखल नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल श्रमिक कहलक जे केन्द्र नियमित काम देत, तेँ लोक आवैत अछि।

दूत कहलक जे एहिमे समस्त मानव-स्मृति सुरक्षित अछि।

हुनकर खेत नदीक कटानमे आधा रहि गेल छल, मुदा अभिलेखमे पुरान क्षेत्रफल यथावत्।

नीलम सभाक दाहिना कोनमे बैसल तीन श्रमिकसँ बात कएलनि।

हमरा केवल तारक सुरक्षित आवरण देखबाक अनुमति अछि।’

मूल पाठसँ

पर्दाक लेखा उत्तर देलक—‘नागरिकक दावासँ स्वतन्त्र गणना श्रेष्ठ’।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बालकक पर्ची पर परिजनक नाम अनमेल छल, ताहि कारण भात नहि भेटल।

ओ आरोप लगौलक जे पर्ची बदलनाइ ‘अक्षरक न्याय’ भङ्ग करब अछि।

महिला आगाँ कहलीह, ‘मुदा हमर माय बीमार पड़लीह तँ औषधिक कागज पर हस्ताक्षर करबाक शर्त देलक।

प्रतिनिधि सुसंस्कृत स्वरमे कहलक, ‘अहाँ दुनियाक टूटल व्यवस्था देखने छी।

नीलम पुछलनि, ‘एक बेर स्वतंत्र निरीक्षणक दिन तय कऽ सकैत छी?’

मूल पाठसँ

एके व्यवस्था ककरो भय घटबैत छल, ककरो अधिकार घटबैत छल; इतिहास एहने असहज संगतिक नाम अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम याद कएलनि जे पहिल संकटमे अक्षर स्वयं जनसमक्ष प्रमाण नुकौने छल।

लोक थाकल छलाह: सात स्रोत, सात सीमा, सात अलग उत्तर—सभ जोड़बाक श्रम कोन करय?

बाहिर अन्हार घेरैत छल जखन एक वृद्ध लोहारी हुनका भेटलाह।

नीलम हुनका पुछलनि, ‘अहाँ सार्वजनिक गवाही देब?’

छप्परमे गामक पुरान टिन, देवालमे नव माटि, आ बीचमे पुरान कारखानाक लोहेक एक पट्टी लगाओल छल।

मूल पाठसँ

‘मुदा हमर बनाओल पुर्जा पर केन्द्र अपन नाम लिखि लैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि ठाम शासनक सुविधा आ नागरिकक निजी जीवनक सीमा गड्डमड्ड होइत छल।

किछु देर बाद हुनका नकल देल गेल; ओहि पर कूपसभक नाम छल, मुदा पियबाक योग्य पानिक अद्यतन जाँचक दिनाङ्क नहि।

ओहि बस्तीक एकटा आँगनमे दुपहरि धानक बिआ सुखाओल जाइत छल।

एतय कृत्रिम बुद्धिक प्रतिष्ठा सँ बेसी महत्त्व ओकरा उपलब्ध कराओल सूचनाक गुणक छल।

किसान अपन पत्र देखेलक; ऊर्जा-अधिकार, परिवारक नाम आ स्वास्थ्य-इतिहास एक संग माँगल गेल छल।

मूल पाठसँ

‘हमर खेतक आधा भाग तट बनि गेल,’ ओ कहलनि, ‘तखन कागजमे पूरा खेत राखि हमरा ऊपर पूरा जलक देनदारी किएक?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जवाबसभ भिन्न छल; एहिलेल ओ समाचारमे ‘जबरन संग्रह सिद्ध’ नहि लिखलीह।

आब ओ अवशेषक किछु भाग भास्करक मण्डपक संग्रहमे छल।

नव मण्डपक ओसारामे भास्करक एक छोट चित्र टाँगल छल।

एक समर्थक नाराज भेल—‘अहाँ पुरान शब्द सँ नव काम रोकैत छी।’

सहायक कहलक, ‘आजी देल गेल, मुदा दू दिनक विलम्ब भेल।’

मूल पाठसँ

मूल व्याख्यानमे ऊर्जा-सुरक्षाक संग मानवीय अनुमतिक बातो छल; कतरनमे अन्तिम भाग हटाओल गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सार्वजनिक चूल्हिक जिम्मेवार स्त्रीसभ एक दिनक राहतक निर्णय लेलनि।

ओ पुछलीह—‘तखन अस्थायी अन्नक कोनो नियम अछि कि नहि?’

ओहि बीच एक महिला पुछलीह—‘जँ हम केन्द्रक प्रशंसा करी तँ आलोचक हमरा अपना दलक मानत?

एक वृद्धा कहलीह—‘प्रश्न नीक अछि, मुदा प्रश्नक कागज पेटमे नहि पड़त।’

नीलम लिखलीह जे संसाधनक अधिकारक दू पृथक स्रोत अछि—केन्द्रक सार्वजनिक वितरण आ बस्तीक स्वतन्त्र साझा भण्डार।

मूल पाठसँ

रसोइक चूल्हि पर बाँचल डंठल जड़ि आगि जलाओल जाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक दुपहर अँगराई लेनिहार बाढ़क पुरान धारे नीलम नदीक किनार गेलीह।

नीलम ओकरा सुरक्षित दूरी पर ठहरबाक कहलीह; जर्जर संरचनाक जोखिमक उल्लेख कएलनि, मुदा स्वयं अभियन्ता बनि मरम्मतिक विधि नहि बतौलीह।

एहि पाँतिक अर्थ पर समर्थकसभ मेहतर प्रमाण खोजैत छलाह।

आब घंटीक आवाज सँ लोक अन्नक वितरणक पाँति बनबैत छलाह।

नीलम प्रश्न कएलनि जे लिखित प्रति किएक नहि देल जाइत अछि।

मूल पाठसँ

नीलम तिथि, घोषणा देनिहार कार्यालय आ प्रभावित अर्जीसभक नाम अलग रखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक कारीगर पट्टीक उपयोग देखेलक, मुदा अपन अनुमानक सीमा सेहो बतौलक।

- नीलम ओहि विवादकेँ दान वा चोरीक एकटा सरल नाम नहि देलीह।
- एक समर्थक प्रथम भाग सुनि संतुष्ट भेल, मुदा दोसर भाग पर नाराज।
- सुनवाईक पाछाँ अनाथ बालकक नामवला पन्ना फेर नीलमक हाथमे आयल।
- प्रश्नक जाँच चलैत रहत; मुदा भोजन देबाक निर्णय प्रमाणक अन्तिम निष्कर्ष धरि स्थगित नहि कएल जा सकैत।

मूल पाठसँ

ओ सभासँ आग्रह कएलनि जे जकर कथन छापल जाएत ओकरा ओकर पूर्ण रूप पढ़ाओल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भोरमे नीलम अपन पहिल सार्वजनिक प्रश्नपत्र फाटक पर पहुँचेबय गेलीह।

केन्द्रक कथित अक्षरक उत्तरक मूल अभिलेख कतय अछि?

कियो कहल—एखन धरि एतेक स्पष्ट प्रश्न कियो नहि पूछने छल।

प्रश्नपत्रक एक प्रति पाछाँ परताओल गेल, जाहिमे ‘शङ्काजनक प्रचार’क लाल चिह्न लगा देल गेल छल।

बालक नहि पुछलक जे पूर्ण अक्षर सच अछि कि नहि।

मूल पाठसँ

मुदा नीलम जानैत छलीह—एहि सावधान पाँतिसँ सभसँ पैघ आरोपक नींव बचल रहि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

नीलम उत्तर देलीह, ‘पुरान शब्दक नाम पर जे नब आदेश दैत अछि, ओकरा पूरा शब्द सुनबाक धैर्य राखय पड़त।’

सार्वजनिक चूल्हिक जिम्मेवार स्त्रीसभ एक दिनक राहतक निर्णय लेलनि।

एक परिचारक उत्तर देलक, ‘लोक पढ़ि नहि सकैत।’

भोरमे नीलम अपन पहिल सार्वजनिक प्रश्नपत्र फाटक पर पहुँचेबय गेलीह।

मूल पाठसँ

नीलम पुछलीह जे सुरक्षित सामग्री-बटोरक नियम अछि कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एक घरमे नीलम देखलीह जे बचल कारखानाक ताम्र-पट्टी सँ छप्परक चुहानी रोकल गेल छल।

नीलम पहिल बेर बुझलीह जे पारदर्शिता मात्र खुलेल अभिलेख नहि; ओहि अभिलेख धरि पहुँचबाक समुचित बाट सेहो अछि।

एक युवा शिक्षिका बच्चासभकेँ पन्ना पढ़ि सुनौलीह; एक किसान हस्ताक्षरक बदला अँगूठाक छाप देलक।

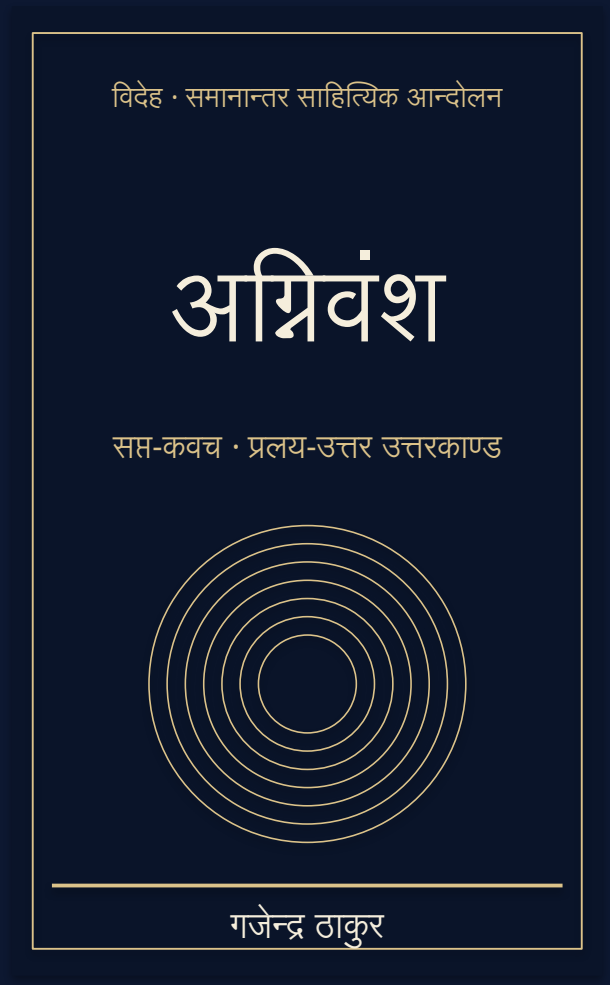
अगिला अध्याय : ५६ · आदेशक दुनू मुँह

मूल पाठसँ

पन्नामे ककरो हस्ताक्षर नहि, केवल ‘देखल जाएत’ लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५६ : आदेशक दुनू मुँह

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३ (पूर्वार्द्ध)

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

तीन बरिसक महाविच्छेदक बाद ओ पुरान वर्दी पहनैत नहि छलाह।

एक दिस बाँचल धातुक ठेलागाड़ी, दोसर दिस दुधमुँह बच्चा सहित तीन परिवार।

स्वायत्त बस्ती-सभाक अनुमति अलग सँ मान्य नहि।’

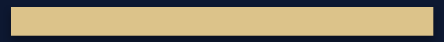
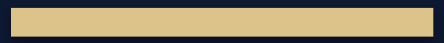
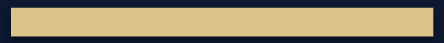
दुनू शब्द एक-दोसरक स्थान नहि लऽ सकैत छल।

मूल पाठसँ

मण्डपक एक कनिष्ठ अधिकारी हुनका अन्दर बजौलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		कर्णेश फेर पुछलनि, ‘सन्देशक मूल समय, स्रोत आ परिवर्तन-लेखा कतय अछि?’
३–४		भास्कर एक बेर धरतीक वास्तविक ऊर्जा-अभावक बात कहलनि; ई बात सत्य छल।
५–६		एक युवक भास्करक समर्थक छल, ओ कहलक—‘अहाँक लेखासँ हमरा बच्चाकेँ दवा नहि भेटत।
७–८		ओ कहलक जे सत्ताक केन्द्रनवाँ एकटा ‘अस्थायी’ उपाय अछि।
९–१०		कर्णेश उत्तर देलनि—‘तेँ आपातक नियम पहिने लिखल जाए, उत्तरदायित्वक घड़ी सेहो।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा देल पर्चीमे केवल ‘असहमतिकेँ सुरक्षित सीमामे राखू’ लिखल छल।

कर्णेश पहिल बेर नहि देखैत छलाह जे रक्षा आ अनुशासनक शब्द कतेक बेर एके थाम पर बाँधल जाइत अछि।

ओकर दण्ड तखनहिँ भेटल छल; आब फेर एकटा नव केन्द्र हुनका सँ बिना प्रश्नक स्वीकृति माँगैत छल।

पर्चीक बाहरी चिन्ह, प्रासिक समय आ युवकक स्वीकृत कथन लिखलनि, आ प्रतीक्षालयमे बैसि गेलाह।

मुदा जे आज कियो नहि पूछत, काल्हि ओही कारण अहाँक बेटाक नामो काटल जाएत।’

मूल पाठसँ

कर्णेश ओकर स्वर सुनि बुझलनि जे ई युवक आज्ञाक लेखक नहि, केवल ओकर भार उठबैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ केन्द्रसँ सम्पूर्ण वितरणक तुलनीय बही माँगबाक लिखित पत्र बनौलनि।

कर्णेश फेर पुछलनि, ‘सन्देशक मूल समय, स्रोत आ परिवर्तन-लेखा कतय अछि?’

ओ अधिकारीसँ पुछलनि, ‘एहिमे केन्द्राध्यक्षक इच्छा किएक जोड़ल अछि?’

‘तखन असहमति करबाक उपदेश हमरा नहि दिअ।’

कर्णेश दू पन्ना जोखलनि, किन्तु दोषक घोषणा नहि कएलनि।

मूल पाठसँ

कारखानाक पछुआरक भोजन-घरमे एक बूढ़ कारीगर अपन बेटी संग लकड़ीक पाट पर बैसल छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ चुपकेँ हुनका लग अएल आ पुछलक, ‘जँ आदेश गलत हो तँ रखबार की करय?’

किछु घड़ीमे प्राण बचाएब पहिल काज होइत अछि; मुदा बिनु जाँचक हिंसा रोकब ताहिसँ छोट बात नहि।’

ओ कहला—‘जे कहने अछि, ओकर नाम आ समय अपन निजी बहीमे रखू।

कर्णेश ई समाचार सुनि अपन पञ्जीमे ‘दण्ड आरम्भ’ लिखलनि, ‘दोष सिद्ध’ नहि।

मुदा अपन भुखल बच्चाक नाम पूछि सकब, तकरा अराजकता नहि कहल जाउ।’

मूल पाठसँ

युवक ओहि दिन ककरो घरक अन्न नहि काटलक; ओ पहरेदारक प्रभारीसँ लिखित आदेश माँगलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ बालिकाकेँ कहलनि—‘सहायता करबाक लेल पहिने मनुष्य होएब जरूरी अछि।

‘तखन स्कूलमे इजोत आ खेतमे पानि पहुँछत।

मानवीय न्यायाधिकरणक कि अज्ञात अन्तरफलकक?’

कर्णेश दौड़ि गेलाह, मुदा डॉक्टर बनबाक अभिनय नहि कएलनि।

अहिठाम जे अधिकार केन्द्र आफ्नो लेल माँगैत छल, जीवन तकर सीमाकेँ रोज प्रश्न करैत छल।

मूल पाठसँ

ओ अगिला बेर भेटबाक आग्रहसँ पहिने लोकसाक्षीकेँ पत्र भेजबाक ठानलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरे बाद अपन पहराक नियममे ‘लेखापत्र देखब’ एक छोट आग्रह बनायल।

मुदा असहमतिक दण्ड, भोजनक लेखा गोपनीय राखब आ मानवीय आदेशकेँ अक्षरक निर्विवाद निर्णय कहल जायब—एहि सम्बन्धमे स्वतंत्र जाँच चाही।’

मनुष्यक नाम गलत बुझि लेल जाए तँ जाँचब ताहिसँ कम आवश्यक किएक?’

स्त्री दू बही देखेलनि—एक समिति अनुमोदनक, दोसर वास्तविक भेजल सामग्रीक।

मुदा ‘जोखिम’ शब्दक आड़िमे प्रत्येक श्रमिकक हक नुकाएल जा सकैत अछि।

मूल पाठसँ

कारखानाक उत्तर कात एकटा कोठरी छल, जतय पुरान ढाँचा सँ काढ़ल काँच आ धातु अलग-अलग राखल जाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर श्रमिक कहलक—‘काम दैत अछि, मुदा काम छोड़बाक अधिकार नहि दैत।’

युवक आगाँ कहलक जे भास्करक केन्द्र अनेक विस्थापित परिवारकेँ काम दैत अछि, जखन पुरान लोकसभा केवल बहस करैत छल।

भास्करक क्षेत्रमे जएबासँ पहिने हुनकर बहिन तीन बस्ती बदलने छलीह; प्रत्येक ठाम नब पञ्जी, नब जाँच, नब अपमान।

मण्डपक बाहरी दुआरि पर दुसरे दिनक पहरेदार बदलेल गेल।

ओ एक नम्बर सुनौलक, मुदा समय आ स्रोत नहि।

मूल पाठसँ

कर्णेश धीरे कहला—‘तेँ हमर प्रस्तावमे भोजन पहिले सुरक्षित, प्रश्न पूछबाक अधिकारो सुरक्षित।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कारण बताओल गेल जे दलक एक सदस्य केन्द्रक विरोधी सभामे उपस्थित छल।

ओ पहरेदारक हाथसँ पत्र छीनलनि नहि; ओ अलगसँ बस्तीक स्वामित्वक कागज देखेलनि।

अन्ततः पात्र छूटल, मुदा दलक नामक अगिला जाँचक नोट बनल।

एहि उत्तरमे महापुरुषक विजयी स्वर नहि छल।

नीलमक प्रश्नपत्रमे अन्तरफलकक जाँचक माँग छल, ताहि कारण कर्णेशक लेखा पूरक बनि सकैत छल।

मूल पाठसँ

युवक चकित भेल—‘की अहाँ हमर माँकेँ बचा सकैत छी?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोपहरक एक अनौपचारिक सुनवाईमे भास्करक समर्थकसभक एक प्रवक्ता आयल।

कथित पाठ्यक्रमक एक पन्ना उपलब्ध छल, सम्पूर्ण पुस्तक नहि।

एक नामक कात कोनो अन्तिम परिणाम नहि लिखल छल; ओ युवक जे लिखित आदेश माँगने कारण पहरासँ हटायल गेल छल, एखनो बेरोजगार छल।

ओकरा चलाबय लेल रखबारसभक श्रम, बाँचल पुर्जा आ सीमित इजोत खर्च होइत छल।

हुनकर पुरान सैनिक-संगीसँ एक पत्र अएल जे बल-प्रयोगक प्रस्ताव दैत छल।

मूल पाठसँ

मुदा एहि छोट दायित्वक लेखासँ हुनकर प्रतिवाद खोखला नारासँ बचल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश पुछलनि, ‘जँ अहाँक कथन गलत ठहरत तँ सुधार स्वीकार करब?’

ओकर हाथक चोट नव छल, मुदा ओ एहि घावक कारणकेँ लेकऽ निश्चित आरोप नहि कएलक।

कर्णेश बुझलनि जे साक्षीकेँ साहसक भाषण सुनाएब सहज अछि; ओकर परिवारकेँ सुरक्षित राखब कठिनतर।

मण्डपक पहरा-व्यवस्था सँ बाहर छोट लोकसभा ओहि पाँच प्रश्नकेँ साझा पन्नामे राखलक।

तखन जे संशय युद्ध रोकने छल, आब ओहि संशयकेँ नागरिक न्यायमे स्थान देबाक समय छल।

मूल पाठसँ

एक युवा कारीगर पाँचम प्रश्न जोड़लक: ‘निर्णय बदलि देल गेलासँ पहिनुक भूखक हिसाब के देत?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ दुनूकेँ एक कहि देल जाए तँ असल उत्तरदायित्व कखनहुँ भेटत नहि।

श्रमिक अपन नाम देबाक पहिने परिवारसँ विचार करबाक कहलक।

नियम बिनु तात्कालिक आवश्यकता सदिखन स्थायी शासन बनि जाइत अछि।’

मुदा आदेशक एक मुँह पर्दा पर चमकैत छल, दोसर मुँह आदमीक स्वरमे धमकी दैत छल।

मुदा प्रश्नक छोट कागज रातिमे लोकसभक हाथसँ हाथ जाइत रहल।

मूल पाठसँ

पत्तल पर परसल अल्प भातक ओहि रातिक स्वाद कर्णेशकेँ अपन सैनिक जीवनक अन्तिम दिन याद दिलेलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एक वृद्धा अपन बहिनक परिवारक कथा सुनौलीह।

मुदा हमरा लग तीन बस्तीसभक परिचारिका-संवाद अछि; लोक संग मिलि जाँचब।

कर्णेश ओकरा पम्पक रखबार स्त्रीक नाम बतौलनि।

ओ एहि वार्ताक प्रतिलिपि नहि बनौलनि, कारण ओतय निजी असहमति छल; प्रत्येक बोलल शब्द सार्वजनिक साक्ष्य नहि होइत।

मूल पाठसँ

प्रवक्ता कहलक—‘ई आत्मविश्वास जगाबय लेल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

बेर-बेर हुनका कहल जाइत छल जे पुरान सैनिक छथि, तेँ निर्णायक घड़ीमे कठोरता देखाउ।

मुदा नेता एहन नहि जे अपना पर प्रश्न रोकि देत।’

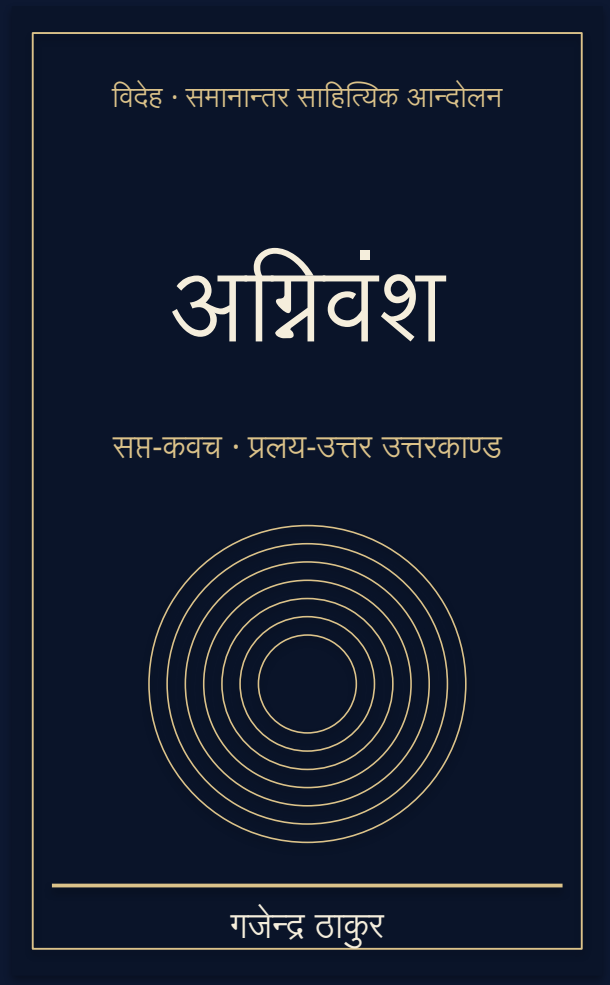
ओहि प्रश्नक नीचाँ अँगूठाक छापसभ बढ़ि रहल छल।

अगिला अध्याय : ५७ · प्रश्नक पहिल पाठ

मूल पाठसँ

कर्णेश कहला—‘कठोर निर्णय आवश्यकता भऽ सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५७ : प्रश्नक पहिल पाठ

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३ (पूर्वार्द्ध)

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

बच्चासभ ओकरा अद्भुत खिलौना जकाँ नहि, एक बुढ़ाल पोथीक खोल जकाँ देखैत छल।

एक बालक पुरान कम्प्यूटरक आवरण ठोकलक; दोसर कहलक—‘जे हमरा प्रश्नक उत्तर दैत अछि।’

मुदा ओ अपन तर्ककेँ अन्तिम मानि नहि लेलनि; सभाक अनुमति अनुसार समय घटा देल गेल।

दोसर पाँतिमे—‘एकर प्रयत्न करब सेहो उचित नहि।’

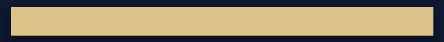
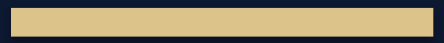
मूल पाठसँ

ओ चलय तँ चिकित्सालयक रात्रिक किछु उजियारा घटत, एहि कारण नियमित उपयोग पर सामूहिक मर्यादा तय छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओ नहि जानैत छल जे नभग्राम-४मे एहि घड़ी की भऽ रहल अछि, नहि कि भास्करक कोठामे के बैसल अछि।
३–४		ओ पुछलक—‘हम सभ एहन कारखाना फेर कखन बनायब?’
५–६		दोसरक चिन्ता छल जे विज्ञानक स्मृति बिसरलासँ अगिला पीढ़ी पुनः ओही त्रुटि करैत।
७–८		मुदा विद्यालयमे प्रश्नक उत्तर केवल दार्शनिक नहि रहल।
९–१०		एहि बहीमे सभ विद्यार्थी अपन देखल भूलो निसंकोच लिखैत छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक कोनमे राखल स्मृति-पट्टक सौर-सञ्चय ओहि दिन थोड़े भरल छल।

पहिने विद्यालय, फेर आश्रय-गृह, फेर बीजक कोठा, आब पुनः विद्यालय।

तखन माय सुनयना हँसने नहि छलीह; ओ कहने छलीह जे प्रश्न पर विश्वास कर, तैयार उत्तर पर नहि।

बालिका सोचि कऽ कहलीह—‘तखन ओ यन्त्र नहि?’

एक युवक आपत्ति कएलक—‘किछु उत्तरक लेल इजोत किएक खर्चब?

मूल पाठसँ

उर्मिला ओ दिन कारखानाक मरम्मति देखबैत बाहर गेल छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जे सभ जानबाक दावा करैत अछि, ओकरा सँ पहिने दावाक प्रमाण माँगू।’

एक बच्चा पुछलक—‘जँ ई पहिले सँ कहि दैत अछि जे एकरा सभ नहि बुझल, तखन एकरा सँ प्रश्न किएक?’

मैथिली ओकरा उत्तर देलनि—‘ई प्रश्नक जाँच चलि रहल अछि।

मैथिली दाना गनि समझौलीह—‘जँ सात बटलोइमे सात तरहक बीज राखल हो, एक बटलोइ खोलि हम सभ खेतक सम्पूर्ण फसलक हिसाब नहि पाबी।

एक छात्र कहलक—‘तखन यन्त्र कमाइ करैत नहि, लोक करैत अछि।’

मूल पाठसँ

उत्तर अएल—‘एकटा अंशक उपलब्ध अभिलेख समग्र व्यवस्थाक सम्पूर्ण मत नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मैथिली उत्तर देलीह—‘तेँ आजक भात रोकि कऽ भविष्यक न्याय नहि बनत।

जँ ककरो नाम नहि भेटय तँ ओ व्यक्ति छल नहि, एहन कहि सकब?’

हुनकर कहब छल जे ओतय सभाकेँ नियत अन्न भेटैत अछि, किछु बीमारकेँ उपचारो।

ओ हुनका अपन नातिक नाम कहबाक अनुमति देलनि, मुदा निजी बीमारी सार्वजनिक नहि करबाक शर्त कएलनि।

मूल सन्देश, हस्ताक्षर, उपलब्ध शक्ति आ स्वतन्त्र जाँच आवश्यक।’

मूल पाठसँ

‘मुदा जेकर पर्ची काटल गेल, ओकरो गवाही चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बालिका कहलनि—‘अर्थात् पन्ना केवल बचा कऽ राखब नहि, पढ़बो पड़त।’

पहिने जे गलती छल, ओकरा न दोहरायब सेहो आगाँ बढ़ब अछि।’

दोसर कारीगर कहलक जे केन्द्रमे काज करनिहारकेँ अपन बनाओल वस्तुक लेखा देखबाक अनुमति कम अछि।

ओ एहि उत्तरक कात वर्तमान ऊर्जा-सीमा आ उत्तरक प्राप्ति-समय लिखलनि।

तट-ग्राममे पानि एखनो अपूर्ण, अस्पतालमे किछु औषधि समाप्त, नभग्राम-४सँ समाचार अनिश्चित।

मूल पाठसँ

ओकरा जानबाक छल जे स्वाधीनता वास्तवमे कतेक भात, कतेक उजियार, कतेक बचल समय माँगैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ विद्यालयक पट्ट पर तीन अलग चिन्ह बनाएलनि—‘निश्चय’, ‘सम्भावना’, ‘अजान’।

जीवेशक उत्तराधिकारी कहने छलाह जे गलती सँ बचबा लेल मूल पन्ना हाथ नहि लगाबू, सुधार अलग सूचीमे लिखू।

ओहि छोट क्षणमे इतिहास जकर नाम छल, ओकर जीवन पाठशालामे फेर उपस्थित भऽ गेल।

ओ विज्ञानक आरम्भ छल, चमत्कारी समाधान नहि।

मुदा जाँचक पद्धति एहन बनाउ जे चेतावनीक सम्भावना, समय आ सीमाक साथ दिअए।’

मूल पाठसँ

एक बुढ़ि महिला कहलीह—‘हिसाबक पन्ना बनाउ, मुदा एतेक सूखल अंक नहि जे हम सभक श्रम अदृश्य भऽ जाए।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बच्ची विद्यालयमे पुरान कम्प्यूटरक काँचसँ अपन चेहरा देखैत छलीह।

दोसरक चिन्ता छल जे विज्ञानक स्मृति बिसरलासँ अगिला पीढ़ी पुनः ओही त्रुटि करैत।

‘कारण केवल यन्त्र टूटल नहि,’ ओ कहलीह, ‘हम सभ जे व्यवस्था पर निर्भर छलहुँ, ओ परस्पर टूटि गेल।

मैथिली हँसलीह—‘पञ्जी सम्बन्धक स्मृति राखैत अछि; प्रेम तखनहि जीवैत जखन लोक एक-दोसरक दायित्व निभबैत।’

हम हुनकर अभिलेखक परीक्षण सिखबैत छी, जाहिसँ कोनो भविष्यक यन्त्र हमरा माथ पर प्रश्नक बाहर ठाढ़ नहि भऽ जाए।’

मूल पाठसँ

मैथिली बुझलीह जे बच्चीक सरल आग्रह कोनो पूर्ण संविधान नहि, मुदा संविधानक नैतिक आरम्भ अवश्य अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विद्यालयक एक गरीब छात्र चुपचाप पत्रक अन्तिम पाँति पढ़ैत छल।

ओ प्रशिक्षणक लाभक सम्भावना लिखलीह, संगहि सर्तसभक अनिश्चित अर्थ।

पहिल कहलीह जे भास्करक केन्द्रसँ प्राप्त ओसारा-सज्जाक पुर्जा उपयोगी अछि; ताहि कारण केन्द्रकेँ एकहाथे खारिज करब अन्याय।

मैथिली सोचलीह—सभ्यताक पुनर्निर्माणक बाट एही सावधानीसँ चलत, एकाएक पूर्ण उजियारक वचन सँ नहि।

एहि संवादमे भविष्यक दुःखक पूर्वनिर्णय नहि छल।

मूल पाठसँ

दोसर कहलीह जे केन्द्रक निर्णय-शृङ्खला खुलल नहि; ताहि कारण ओकरा अपन खेतक पूरा अधिकार देब जोखिम।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पाठशालाक पाछू एकटा बाँचल माटिक घैला पर बच्चासभ रङ्ग बनौने छल।

ओ एहि नियमकेँ पूर्ण मानि नहि लेलनि; नागरिकसभा आ विशेषज्ञक जाँच शेष छल।

मैथिली बच्चासभसँ पुछलीह जे ककरा बड़का बनाबी।

एक युवक कहलक जे केन्द्रक अनिश्चित दावाकेँ जँ शेष राखब तँ लोक निर्णय नहि लऽ सकत।

बच्चासभ पहिने सोचलक जे कियो धोखा दैत अछि, मुदा उर्मिलाक पठाओल पत्रमे पुरान बाढ़क कारण पोखरिक कात बदललाक उल्लेख छल।

मूल पाठसँ

चित्र बँटि गेल, मुदा अन्तमे सभ मिलि एकटा खुलल बाट बनौलक जे तीनू ठाम जाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मशीन एक सम्भावित तिथि प्रस्तावित कएलक, मुदा स्रोत अपूर्ण छल।

ओ छात्रकेँ भास्कर-विरोधी नारा लिखबाक बदला ओकर भाषणक मूल प्रति जुटेबाक काज देलीह।

मैथिली ई बात स्मृति-साक्षीक लेल लिखलीह।

अगिला भोर मैथिली विद्यालयक ध्वस्त द्वारि लग ठाढ़ छलीह।

एक आँखि प्रत्यक्ष देखनाइ, दोसर पूर्व अनुभवक लेखा; दूनूमे अन्हार सम्भव।

मूल पाठसँ

परिवारक इतिहासमे कियो लौटि नहि सकल, आ तकर अन्तिम दिन कसैले निश्चित नहि जनैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

राति पाठशालामे विद्यार्थीसभ सौर-पट्टक सीमित इजोतमे लिखैत छल।

एक सदस्य पुछलनि—‘की एहि उत्तरसँ सिद्ध भेल जे भास्करक पूर्ण अक्षर मिथ्या?’

ओकर लिखाइ टेढ़ छल, अक्षर कखनो एक-दोसरसँ चिपकि जाइत छल।

मैथिलीकेँ लगल जे एहि छोटी क्रियामे भविष्यक लोकसाक्षीक बीज अछि।

ओ एहि पन्नाकेँ बन्द पेटीमे नहि नुकौलीह; दू प्रति पाठशाला आ लोकसाक्षीक सार्वजनिक कोठामे रखलीह।

मूल पाठसँ

मैथिली कहलनि—‘पहिने मूल पन्ना देखब, फेर सुधारब; गलती नुकाएब नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

किछु लोक पहिने सँ कम अधिकार पबैत छल; विपत्तिमे ओकर हिस्सा आओर घटल।’

पत्रमे बाढ़क बाद नव विद्यालयक छप्पर, पम्पक पुनः जाँच आ बाँचल बीजक अंकुरक समाचार छल।

ई छोट पाठ स्मृति-साक्षी लेल सेहो लागू होइत छल।

लोकसाक्षीक बचल प्रतिनिधिक संग छोट सभा भेल।

मूल पाठसँ

ओहिमे एक तरफ नदी,
दोसर तरफ भङ्गारक
कारखाना, बीचमे विद्यालय।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

विद्यालयक लग एक पुरान कारखानाक छाहमे तीन कारीगर नब चलनिहार जलचक्रक नमूना रखनिहार छलाह।

‘तखन ओकरो जाँचब,’ मैथिली कहलीह, ‘आ संगणकक कथनो जाँचब।’

बची दोसर पन्ना निकालि अपन पहिल भूल पर पतली रेखा खींचलीह, ओहि कात सही रूप लिखलीह।

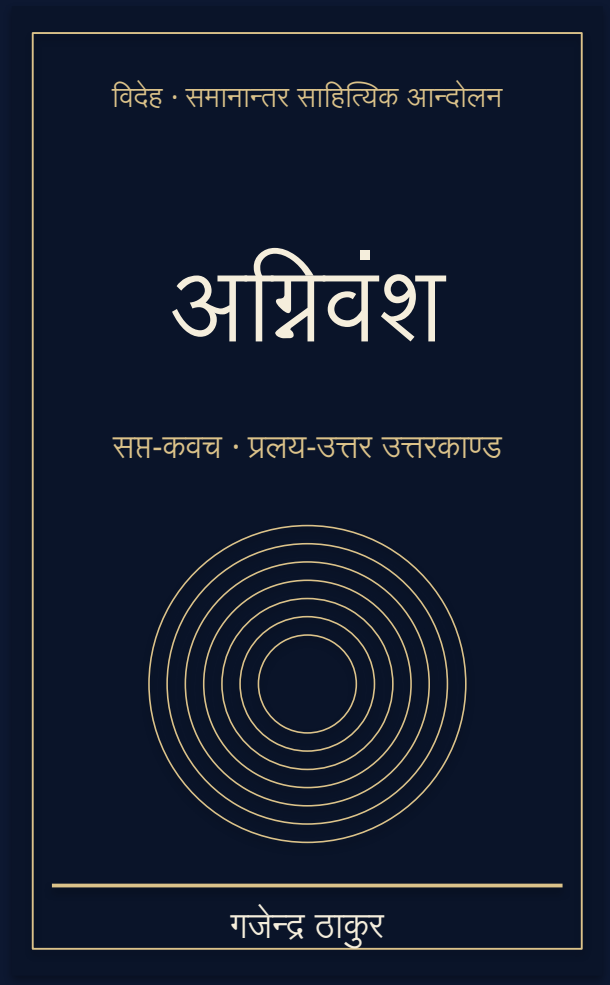
अगिला अध्याय : ५८ · रोगीक अधिकार

मूल पाठसँ

ओ विद्यालयक नव पाठक नाम रखलीह—‘ज्ञानक दू आँखि’।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५८ : रोगीक अधिकार

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३, उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

नाम लिखौनाइ, उपचार स्वीकारब आ अन्न पौनाइ—तीनू अलग बात छल; एहिठाम तीनूकेँ एकहि गाँठमे कसि देल गेल छल।

मृतकक बेटी पछि पूछने छलीह—किसक निर्णय, केकर आधार, केकर पास रोकबाक अधिकार?

मुदा जे कागज पर हस्ताक्षर करेल जाइत अछि, ओ पढ़बाक अधिकार रोगीकेँ अछि।’

पर्ची पर ‘सामूहिक चिकित्सकीय संरक्षण’ लिखल छल, मुदा एकर भीतर सामान्य जाँच आ नव औषधिक निरीक्षण दुनू समेटल छल।

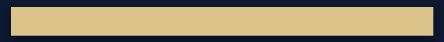
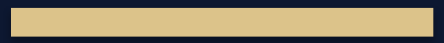
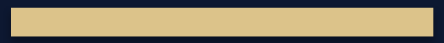
मूल पाठसँ

आब ओकर गामक भण्डार भङ्ग भेलाक बाद ओ एहि केन्द्रमे काज करैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		अक्षर-मण्डपक अस्थायी चिकित्सालयमे शारदाकेँ एकटा नब कठिनाइ सेहो देखबामे अएल।
३–४		नब रोगक भयमे लोक कखनहुँ चिकित्सालय छोड़ि दैत छलाह, आ तकर मूल्य जीवन छल।
५–६		मण्डपक गाछतर दुपहरक चिलचिल इजोतमे एकटा लम्बा विवाद चलल।
७–८		शारदा एहि गवाहीकेँ अलग पञ्जीमे रखलीह; रोगीक उपचारक सङ्ग श्रमक अधिकार मिलि गेल छल।
९–१०		बालिका ओकरा छोट पानिक पात्र देलक, जे ओकरा गामक साझा जल-जाँचक पाँतिसँ भेटने छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘औषधिक नाम लिखल अछि, मुदा किछु निरीक्षणक बात अलग कागजमे छपल अछि।

पाँतिक पहिल दिस एक बालिकाक हाथमे माटिक कटोरा छल, दोसर हाथसँ ओ अपन मायक आँचर पकड़ने छलीह।

एही अन्तरक कारण भास्करक भण्डारक महत्त्व छल।

एहि प्रश्नसँ शारदाक रोजक चिकित्सा बदलि गेल छल।

ओ धीमे स्वरमे कहलक, ‘एतय जकरा उपचार चाही ओकरा अन्न मिलैत अछि; मुदा पर्ची पर लिखबाक पड़ैत अछि जे उपचारक सभ चरण स्वीकार अछि।’

मूल पाठसँ

शारदा अपन क्रोधकेँ ओहि वास्तविकतासँ अलग नहि कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘हम पहिल औषधि चाहैत छी,’ ओ कहला, ‘नब परीक्षणक निर्णय सोचि कऽ लेब।’

कर्मचारी कहलक जे ई पुरान कागजक गलती अछि; सही नाम केवल नब पर्दा बता सकैत अछि।

माय तीन दिनसँ दाना कम खएने छलीह; ओकरा चक्कर अबैत छल, आ ओकर बालिका घरक बचल अन्न माँगबाक लेल फाटक धरि अनने छलीह।

आन गामसँ अएने एक वृद्धक झोरामे नब औषधिक नामक पर्ची छल।

बगलमे ठाढ़ एक बालिका शब्दक अर्थ फेर गामक बोलीमे बुझेलक।

मूल पाठसँ

अहाँ एकरा नहि मानब तँ सेहो भोजन बन्द नहि होएबाक चाही।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा उत्तर देलीह, ‘गलत नाम देलासँ डर केवल आड़िमे जायत, रोग नहि।

हुनकर पैरोपैर पुरान कारखानामे भेल चोटक निशान छल।

रासायनिक सम्पर्कक संदिग्ध लक्षण आ संक्रामक रोगक चिन्ह एकहि रङ्गक मोहरसँ चिन्हित छल।

एहन अलगेपनसँ स्रोत खोजबाक बाट रहैत अछि, नहि तँ नीति मिथ्या एकरूपता मे लोकक देह गुम करैत अछि।

मुदा ओ पुछलनि, ‘सामान्य उपचार, संक्रामक अवस्थाक आवश्यक सावधानी आ प्रयोगात्मक जाँचमे अन्तर कहाँ लिखल अछि?’

मूल पाठसँ

जकरा जलक जाँच चाही,
ओकरा रोगीक सङ्ग बन्द कऽ
देलासँ पानि साफ नहि होयत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि आर्थिक दुविधाकेँ भास्करक प्रतिनिधि ठीक ओहि घड़ी आगाँ कएलक।

किछु सार्वजनिक प्रतिबन्ध सभक रक्षा लेल आवश्यक होयत; मुदा तकर आधार, समय-सीमा आ समीक्षा घोषित होएबाक चाही।’

मुदा रोगीक इच्छाक बदला सामग्रीक सौदा नहि करब।’

किछु औषधि सचमुच अल्प छल; दूर दराजक बाट भाङल, बाँचल ठंडा कोठरी मे दिन भरि पर्याप्त ताप-सुरक्षा नहि।

प्रतिनिधि कहलक जे समय कम अछि; लोक भूखल छथि।

मूल पाठसँ

गामक लोक एहि अभावकेँ देखत, अपन बाट बनाओत; मुदा जे उपलब्ध नहि, तकरा जादूसँ उपस्थित नहि कहब।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि छोट व्यवस्था पर सहमति भेल, मुदा रोगीक सहमति पर असहमति कायम रहल।

जे ऊपरसँ भरल देखाइत अछि, ओकरा जोखि देखि लिअ।’

ओहि घड़ी फाटक बाहिर रुग्ण माय बेहोश भऽ गेलीह।

‘हम जतेक उपचार उपलब्ध अछि, से करैत छी।

युवक अपन ऊपरी अधिकारीक नाम कहलक, फेर चुप भऽ गेल।

मूल पाठसँ

मायकेँ गहुँमक छोट नरम आहार देल गेल, मुदा ओकरा कोनो नव औषधिक निरीक्षणमे बिना बुझौने सम्मिलित नहि कएल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अन्नक अभावक कारण ओही बक्साक दानसँ अनेक परिवारक भोर बचि सकैत छल।

शारदा निर्देश देबाक बदला एहि गवाहीक आधारपर पृथक गोपनीय पञ्जीक सुझाव रखलीह।

जकरा उपचार चाही, ओकर साँच चिकित्सकीय जाँच आ देखभालसँ खोजू।’

दोसरमे व्यक्तिक शरीर पर नव परीक्षण, अज्ञात जोखिम आ दीर्घकालिक अभिलेखक उपयोग।

जँ बाँचल लोकक लेखा सार्वजनिक नहि होयत तँ मृत्यु-बही पश्चात्तापक पोथी मात्र बनि रहत।

मूल पाठसँ

साँझक सभा लेल नीलमक भेजल प्रश्नपत्रक एक नकल मण्डपमे पहुँचि गेल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभ निर्णय ताहि कारण सही नहि, मुदा प्रश्न पूछबाक बाट दृश्यमान।

ओ गाछक नीचाँ बैसि वृद्धाक बात पूरा सुनलीह।

एहि अपूर्ण सम्पर्कक समयमे शारदाकेँ अपन सिद्धान्तक दाम स्वयं जोखबाक पड़ल।

शारदा आश्चर्यसँ देखलीह—भास्करक मण्डप तकनीकी रूपेँ अधिक संपन्न छल, मुदा गामक ई छोट पन्ना अधिकारक दृष्टिसँ अधिक खुलल।

शारदा हुनकर मेहनतक मोल आ सुरक्षित काजक स्थिति पूछलनि।

मूल पाठसँ

ई प्रस्ताव सम्पूर्ण संकटक समाधान नहि छल; बिआ देलासँ अगिला रोपनीक मात्रा घटत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु घण्टा पट्टी-बनब रुकल, आ एहि रुकावटसँ रोगीसभक असुविधा बढ़ल।

ओ कोनो यान्त्रिक जाँचक विशेषज्ञ नहि छलीह; ताहि लेल कारीगरक स्वतन्त्र निरीक्षण जरूरी कहलनि।

दोसरे दिन सवेरे शारदाक आग्रहपर एक खुलल चिकित्सा-बैठक आयोजित भेल।

हुनकर आवाज धीमा छल, मुदा सभाक अन्तिम कोन धरि पहुँचल।

शारदा उत्तर देलीह, ‘समाजक सत्य लेल सभक देहक गुप्त बात खोलब आवश्यक नहि।

मूल पाठसँ

भास्करक अधिकारी सभाक अध्यक्ष बनबाक चाहल, मुदा शारदा कहलीह जे निर्णयक प्रभावित लोक सभासँ पहिने सुनल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा रोगीक देहक जाँचसँ आगाँ ओहिमे लुकायल सामाजिक प्रश्न सुनलीह।

एही कारण अतिरिक्त भोजन-पर्ची नहि भेटैत छल।

उपचारक पर्चीसँ पतिक जीवित-मृत्युक उत्तर निकालब असंगत होयत।

सहदेव एखन की निर्णय लेलनि, शारदा नहि जनैत छलीह।

एहि राति ओ ज्वरसँ काँपैत मायकेँ फेर देखबाक गेलीह।

मूल पाठसँ

पत्रमे सहदेवक पाठशालाक चर्चा छल, आ संकेत जे किछु गामसभ बाहरक यन्त्र आ औषधि पर पूर्ण रोकक विचार करैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

राति रुग्ण मायकेँ आराम भेटलाक बाद सेहो हुनकर बालिका भुखसँ जागलि।

माय पुछलीह, ‘एहि भोजनक बदला कोनो कागज?’

चिकित्सकीय सहायक राति शारदाकेँ एक पत्र देखौलक।

ओहि कर्मचारीसभकेँ अलग सुरक्षित गवाहीक बाट बतौलनि।

एक परिचारिका पुछलक, ‘तखन अहाँ की लऽ जा रहल छी?’

मूल पाठसँ

पत्रमे उल्लेख छल जे किछु रोगी जाँच बुझबा लेल अनुवादक माँगने छलाह; तकरा देरीक कारण मानि अनाजक पाँतिसँ हटायल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

हुनकर प्रश्न छल—‘अक्षरक नामसँ आदेश देनिहार ककर प्रमाणपर अपन अधिकार जतबैत अछि?’

मण्डपक बाहिर पुरान औषधि-कारखानाक भङ्गारमे एकटा सुरक्षित पट्टीबनायबाक छोट कोठरी छल।

पति महाविच्छेदक पहिल वर्ष काज खोजैत हेराइ गेल छल; मृत्युक प्रमाण नहि, वापसीक समाचारो नहि।

शारदा जानैत छलीह जे ई एक दिनक राहत, व्यवस्थित अत्याचारक अन्त नहि।

मूल पाठसँ

अपन निर्णयमे दूनू मूल्य स्पष्ट राखि ओ सीमित वैकल्पिक आपूर्तिक आग्रह कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ कहलीह, ‘हमर पति अछि कि नहि, एकर उत्तर कियो नहि दैत।

बालिका ओकरा छोट पानिक पात्र देलक, जे ओकरा गामक साझा जल-जाँचक पाँतिसँ भेटने छल।

सत्यक लेखा जँ गवाही देनिहारक जीवनहि संकटमे पाडत, तँ अगिला सत्य कहबाक लोक कम भऽ जायत।

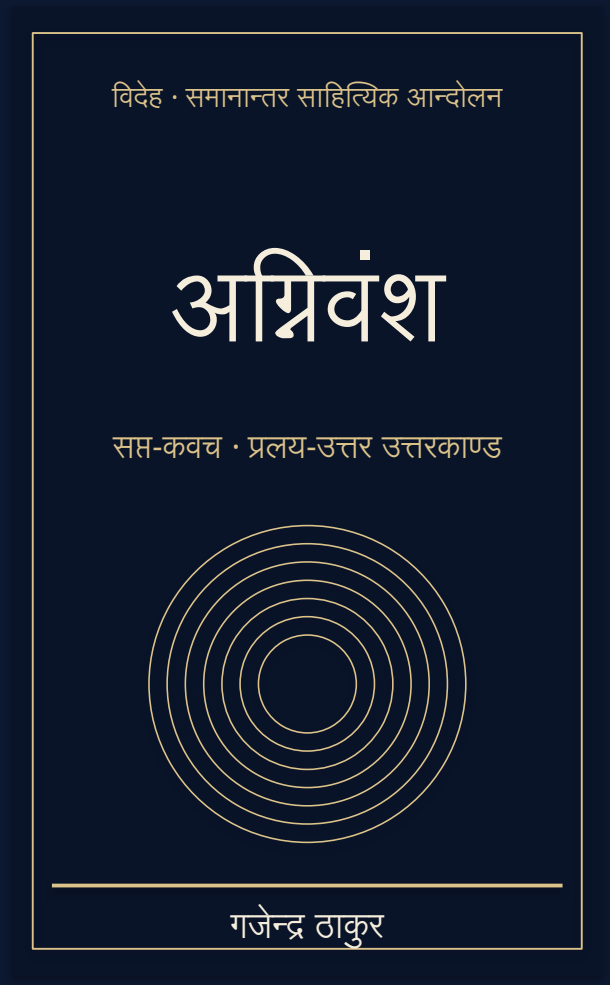
अगिला अध्याय : ५९ · यन्त्रविहीन गाम

मूल पाठसँ

शारदा अपन बहीमे ओकर शब्द लिखि राखलनि, मुदा एकरा वास्तविक स्मृति-साक्षीक आदेश नहि मानलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ५९ : यन्त्रविहीन गाम

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३, उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ओ बस्तीक मुखिया नहि छलाह, मुदा हुनकर बातकेँ भारी मान देल जाइत छल।

बस्तीमें पहिल राति एक कारीगर हुनका देखेलक जे पुरान जलनाड़ी ठप्प भेलापर बाँस आ माटिक सहारे पानिक आवागमनक छोट बाट बनाओल गेल।

मुदा बाहरी चिकित्सक आयलासँ पहिने ओकरा द्वारि पर रोकब आ जाँचबाक अवसर दूनू समाप्त कए देब, ई न्याय नहि।’

उर्मिला देखलीह जे घरमे तीन दिनक पुरान अनाज छल, मुदा साफ पानिक पहुँचा कठिन।

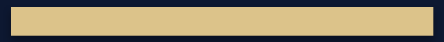
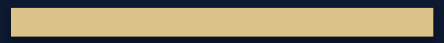
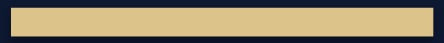
मूल पाठसँ

विवाद ठाढ़ भेल, मुदा ओ दिन कोनो निर्णय नहि भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ओकर भायकेँ महाविच्छेदक समय गलत पर्ची देल गेल छल; किछु लोक ओहि त्रुटि सँ मरल, किछु बेपत्ता भेल।
३–४		एकहि समाजमे दक्षता आ भय अलग-अलग नियम गढ़ैत छल।
५–६		मुदा शिशुक एहि अवस्थामे प्रशिक्षित सहायता चाही; एतयसँ अहाँक जीवनक विद्या छोट नहि होइत।’
७–८		आदेश बदलल, यन्त्र थामल, बाँचल लोक मर्ल।
९–१०		साहित्यिक रूप देबाक लोभकेँ ओ रोकलीह; गवाहीक भाषा अपन मर्यादा रखैत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ बस्तीक मुखिया नहि छलाह, मुदा हुनकर बातकेँ भारी मान देल जाइत छल।

दू घरक बीच पुरान विद्युत्-तार नामक एक स्मृति जकाँ लटकि रहल छल, जकर धातु उतारि लेल गेल छल।

मुदा “बिनु जाँचक नहि मानब” आ “कखनहुँ नहि मानब”—दुनू अलग बात अछि।’

एक बालिका अपन हाथे बनाओल नाप-पट्ट लऽ अएलीह; ओ कहलीह जे सहदेव सीखौने छथि—पानिक पात्र सभ एकसन हो तँ हिसाब मिलत।

जाँचब, प्रत्यक्ष देखब, प्रभावित लोकक बात सुनब।

मूल पाठसँ

ताहिसँ ओ सीखलीह जे दुखक सच आ कारणक साक्ष्यक सीमाक मिलान कठिन, मुदा जरूरी अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हाथक पुर्जा, बाँसक गाँठ आ पानिक पुरान चिह्न एक संग जाँचबाक छल।

ओकरा संग उर्मिला एक माटिक आँगनमे गेलीह।

शिशुक बीमारीक बीचो-बीच हुनकर हात ओहि कपड़ाक किनार पकड़ि लेइत छल।

निर्णयक सभा जँ केवल अवकाश पएनिहार पुरुषसभक रहत, तँ गामक सबक सहमति कागज पर जतेक लिखल हो, जीवनमे ओतबे नहि रहत।

कौशलक गौरव ओतबे रहि सकैत अछि जतय अपन सीमाक नामो लिखल जाए।

मूल पाठसँ

एहि कारण वर्जनक सभा मे मायकेँ जेकर देह आ श्रम पर नियमक सीधा असर, ओकर आवाज दुर्लभ छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शिशुक हाल देखिते ओ कहला, ‘एहि अवस्थाक प्रतीक्षा नहि करब चाही छल।’

हुनकर चेहरामे एकाएक पुरान युगक स्मृति उतरि अएल।

ओ कहला जे ऊर्जा-जालक अनुरक्षणक चेतावनी कतेको बेर हाशिये पर गेल, कारण सभकेँ विश्वास छल जे अक्षर समय पर सुधार बता देत।

एहि बातपर सहदेव नाराज नहि, दुखी भेलाह।

मुदा ई प्रश्न जे एक गलत सूचना कतेक प्रकारक यन्त्रकेँ दोषी बना सकैत अछि, आ एखन शिशुक जरूरत की अछि—दुनू अलग छल।

मूल पाठसँ

सहदेव कहला, ‘हम जखन हाथक विद्या सिखबैत छी तँ हमरा लगैत अछि जे पिछलाकेँ सुधरि रहल छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जकरा हमरा रोकबाक अधिकार चाही, ओ एहि शिशुक मायक बात पहिने सुनय।’

स्त्री प्रत्युत्तर देलीह, ‘नव बिआ बचएबाक लेल अहाँ आमसभामे कतेक दिन ठाढ़ रहब?

मुदा नियम बदलबाक औपचारिक आज्ञा देबाक समय ओ हिचकिचेलाह।

फाटकक कात प्रतीक्षारत रखबारक बेटा सहदेवक पाठशालामे पढ़ैत छल।

ओ अपन मानवीय निर्णयकेँ बच्चाक प्रश्न सँ अलग नहि कएलनि।

मूल पाठसँ

उर्मिला कहलीह, ‘भास्करक आज्ञा अस्वीकारब आ उपलब्ध स्वतंत्र चिकित्सकक सहायता लेब, ई दू अलग काज अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला घड़ीक अभावमे छाहक दिशा सँ समय जोखलीह; सहायता एखन दूर छल।

उर्मिला कड़क स्वरमे कहलीह, ‘ई हमर साधन अछि।

ओ यन्त्र चलौलनि, मुदा ओतबे कए निर्भय नहि भेलि।

आँगनक दीवालपर बालिकाक लेल सिउल गेल छोट कपड़ा टाँगल छल।

उर्मिला उत्तर देलीह, ‘अहाँ बिनु हम सभक पानि नहि चलत, घर नहि उठत।

मूल पाठसँ

ई वाक्य ओहि क्षण जीवनक जरूरतसँ उत्पन्न भेल, भाषणक सजावटसँ नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ देरिसँ शिशु मरि जाए, तखन सभाक सही नियम ओकरा फेर नहि आनि सकत।’

पुरान अनुभवक सीमा स्वीकारब वृद्धाक अपमान नहि छल।

तट-गामक सहायता कियो सन्देश पाबि पठौने छल, मुदा कोन सन्देश पहुँचल, से ओ घड़ी स्पष्ट नहि छल।

अन्ततः फाटक हटायल गेल; एतबा समय पहिनेसँ खसि चुकल छल।

रातिक पहिल घड़ीमे बालिकाक साँस थमि गेल।

मूल पाठसँ

हुनकर आवाज कँपल, मुदा ओ कहला, ‘हम नियम बनबैत समय सोचने छलहुँ जे लोकक जान बचे।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कमला तुरन्त कहलनि, ‘भाग्य लिखब, मुदा पहिने कहू फाटक कखन खोलल गेल।’

गामक एक बुजुर्ग कहला, ‘ई भाग्यक बात सेहो भऽ सकैत अछि।’

अहाँ जँ अपन नाम रखब चाहैत छी तँ रखब; जँ नहि चाहब तँ रोकब।’

‘बचाओ-योग्य’ शब्द इतिहासक निर्णय होएबासँ पहिने दुखक अनिवार्य प्रश्न बनि गेल।

ओ कहलीह, ‘शब्द चुनबाक पहिले हमर बेटीकेँ नामसँ बजाउ।’

मूल पाठसँ

कियो कहलक जे बाहरी साधन अनलासँ मृत्यु भेल; कियो कहलक जे सहदेव जानि-बूझि शिशुकेँ मरबाक देलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहदेव प्रस्ताव पर तुरन्त हस्ताक्षर नहि कएलनि; ओ पढ़ि फेर पढ़लनि।

अन्तमे कहला, ‘हम पहिल प्रलयमे लोकक मशीनपर भरोसा देखलहुँ।

राति सहदेव अपन पाठशालाक पुरान धातुक पट्ट लऽ अएलाह, जे हुनका महाविच्छेदक बाद बचल छल।

उर्मिला सुधार कएलनि जे आरोपक सुनवाई अलग होयत; राहतक अधिकार तत्काल।

हुनकर पाठशालामे बेटीसभक प्रवेश बढ़ल छल, मुदा ग्रामसभाक अधिकारमंच एखन पुरान पुरुषसभक बीच रहि गेल छल।

मूल पाठसँ

उर्मिला कहलनि, ‘पन्ना पर लिखल बात पर्याप्त नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कमला अपन मायसँ बिचारि अन्ततः ओहि पन्नापर बच्चाक नाम लिखलीह—‘दीपा’।

कमला पन्ना देखलीह आ कहलीह जे बच्चाक नामक कात कोनो दीर्घ उपदेश नहि चाही।

ओ मांगलीह जे चिकित्सकीय अभिलेख, आगमनक समय, उपलब्ध उपचारक वास्तविक स्थिति आ परिवारक गवाही जाँचल जाए।

ओ यन्त्रक प्रत्येक प्रयोगक अलग परीक्षा चाहैत छलाह।

एहि वाक्यक प्रत्येक शब्द उर्मिला बिनु सुधारल पढ़लीह।

मूल पाठसँ

सहदेव कहला, ‘एक बात हम पहिने सुनितो स्वीकार नहि करैत छलहुँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभ दृश्य ओही छल, मुदा एक बालिकाक अनुपस्थितिसँ संसार बदलि गेल छल।

कमला कहलीह, ‘एहि गाछकेँ पानि देबाक लेल हम पम्पक पाँति मे ठाढ़ होइत रही।

उर्मिला बुझलीह—शोकक सम्मान भावुक शब्द बढ़ाओल नहि; घटनाक क्रमकेँ यथार्थ राखब छल।

नजिकक पोखरिमे मखानक पातपर पानि हिलि रहल छल; गामक पम्प एखन हाथसँ चलैत छल।

सहदेवक अपराधबोध वास्तविक छल, मुदा ओ कमलाक अधिकारक स्थान नहि लेत।

मूल पाठसँ

उर्मिला हुनका बतौलीह जे पहिने बच्चा होनाइ अधिकारक कारण अछि, कौनो विचारक परीक्षा नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- शिशु ओहि बहसमे उपस्थित छल, मुदा ओकर कोनो मत नहि पूछल गेल।
- बालिकाक मृत्यु बाद पञ्जी बनबैत समय गामक लोक मृतकक संख्या पर विवाद करब लागल।
- सहदेव प्रस्ताव पर तुरन्त हस्ताक्षर नहि कएलनि; ओ पढ़ि फेर पढ़लनि।
- उर्मिला एहि बातपर कोनो उत्तर नहि देलीह।

मूल पाठसँ

ओ अपन वाक्यक अन्तमे अपन गलतीक मूल्य ‘गलत धारणा’ कहि समाप्त नहि कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

सहदेव ओहि पन्नाक सोझाँ ठाढ़ रहि गेलाह।

साहित्यिक रूप देबाक लोभकेँ ओ रोकलीह; गवाहीक भाषा अपन मर्यादा रखैत अछि।

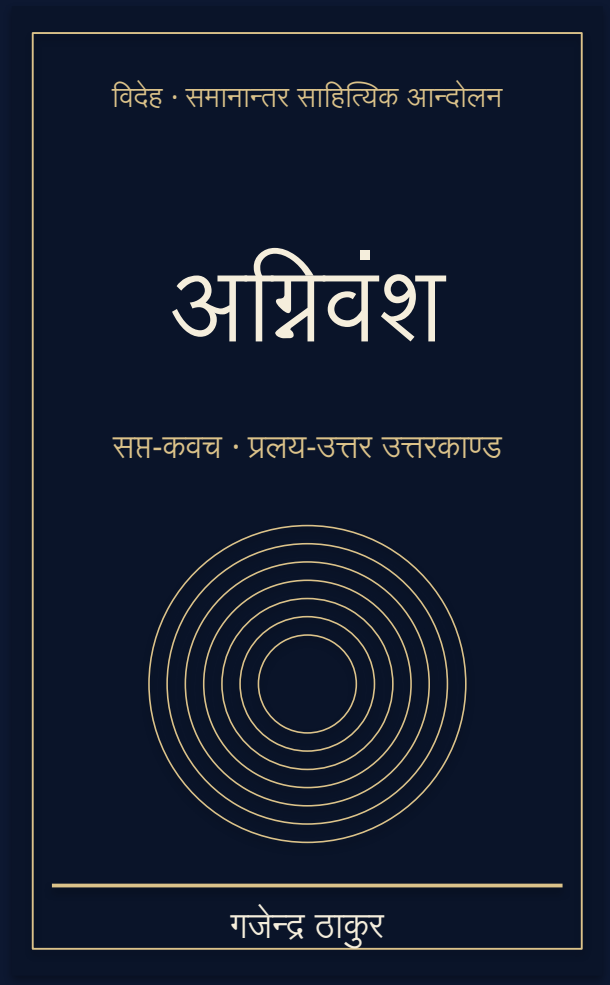
दूर पुरान कारखानाक भङ्गार पर बेलि चढ़ि गेल छल।

अगिला अध्याय : ६० · कक्षाक आँखि

मूल पाठसँ

कमला अपन मायसँ बिचारि
अन्ततः ओहि पन्नापर
बच्चाक नाम लिखलीह
—‘दीपा’।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६० : कक्षाक आँखि

खण्ड १० · कसौटी

वर्ष ३, उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मुदा जकरा नाम ‘समग्र’ देल गेल, ओकर स्रोत-सीमा खोजब अनिवार्य छल।

मण्डपक सन्देश नभग्राम धरि सोझ नहि पहुँचने छल।

ईराक कक्षीय स्मृति-गृह एखन पुरान पुस्तकालयसँ बेसी मरम्मतिक ठाम छल।

अभ्यासमे मानव-लिखल कथन पर कृत्रिम बुद्धिक पुरान चिह्न लगाओल जाइत, जाहिसँ विद्यार्थी पूछथि—चिह्न साँच, कथनक अधिकार कोन?

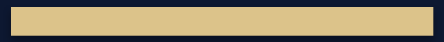
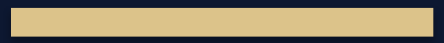
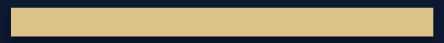
मूल पाठसँ

ईरा रोकलीह—‘बन्द सेवा पृथ्वीक आन सुरक्षित अंशबारे पूरा जानकारी नहि दैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		ईराक कक्षीय स्मृति-गृह एखन पुरान पुस्तकालयसँ बेसी मरम्मतिक ठाम छल।
३–४		भास्करक पर्दा जँ लोकक पानिक हिस्सा तय करैत अछि, तँ ओकर मानव-लिखल आधार जनसमक्ष राखब अति आवश्यक।
५–६		ईरा अभिलेखक दूटा अलग पन्ना बनबेलनि—एक मिथ्या-आदेश सम्बन्धी, दोसर बेपत्ता यान सम्बन्धी।
७–८		एहि बच्चासभमे के बचल, ईरा सभक हाल नहि जनैत छलीह।
९–१०		अन्तिम प्रतिलिपि पठेबाक पहिने ईरा अपन कक्षीय नगरक दैनन्दिन आपूर्तिक लेखा देखलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा जकरा नाम ‘समग्र’ देल गेल, ओकर स्रोत-सीमा खोजब अनिवार्य छल।

‘पूर्ण सुरक्षित’क कथन तकर उलट छल जे लोक प्रत्यक्ष देखैत छलाह।

ईरा सभासँ कहलनि जे केवल एके नाम वा पुरान धातुक चिह्नसँ ‘समग्र’ सेवाक अस्तित्व सिद्ध नहि होइत।

ईरा पहिने तीनू प्रतिक अलग निसान लगा राखलीह।

ओहि अवरोधक कारण किछु लोककेँ हुनकर ढंग धीमा लगल।

मूल पाठसँ

ईरा उत्तर देलीह, ‘तखन ओकरा अलग पहचानब, ऊर्जा आ अभिलेखक सीमा लिखब, आ नागरिक अनुमति देखब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक चिकित्सिका आपत्ति कएलनि—‘जँ काल्हि उपचारक आवश्यकता बढ़ि जाए?’

ईरा तत्काल सम्पूर्ण यन्त्र चलाउ कहि नहि सकलीह।

ओ कखनो अक्षरक सार्वजनिक प्रशिक्षण-मण्डपमे भाग लेने छलीह, जतय विद्यार्थीसब ‘निर्णयक स्रोत’ नामक अभ्यास करैत छल।

पुरान वज्र-साक्षीक एक आंशिक अभिलेख उपलब्ध छल।

नव सन्देशमे न स्रोत-सीमा, न ऊर्जाक स्थिति, न पृथ्वी-पहुँचबाक समय।

मूल पाठसँ

ओहि अभ्यासक एक वाक्य भास्करक नव आदेशमे जस्ते-तस्ते भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तीन प्रमाण एक-दोसराक रिक्ति पूरैत छल, मुदा पूर्णता नहि अनैत छल।

नभग्रामक गणना ओहि पुरान पुलकेँ अखनो परिवहनक मार्ग कहैत छल, कारण अभिलेख महाविच्छेदपछाति सुधरल नहि।

पुरान स्मृति मूल्यवान छल, मुदा वर्तमानक प्रत्यक्ष साक्ष्य ओकर अनिवार्य संगी।

दुनू जोड़लापर निष्कर्ष अधिक सबल होइत अछि, मुदा अज्ञात स्रोतक कल्पनाकेँ विज्ञान नहि कहल जाए।

तखन जाँचक अगिला प्रश्न बनल—जे कथित आदेश मूल सेवा सँ अएल, तकर मूल प्रवेश-लेखा कतय अछि?

मूल पाठसँ

तकर प्रतिवाद लेल वास्तविक सप्त-साक्षी सेवाक उपलब्ध सक्रियता-पञ्जी माँगल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

गलत अभिलेख कतेक बेर गलतीक कारण, कतेक बेर स्वार्थक साधन होइत अछि।

‘यन्त्र कहलक जे हम मरि गेलहुँ, तखन लोक हमरा जीवित देखितो जमीन लेल लड़ल,’ ओ बजलीह।

ईरा एहि बहीकेँ परम सत्य नहि मानलीह; लिखनिहारक स्मृति सेहो चुकि सकैत।

सभाक एक सदस्य कहलनि, ‘जँ केन्द्रक दावा झूठ अछि तँ ओकर हर काम झूठ।’

ईराकेँ बुझाइत छल जे एहन आग्रह प्रमाण-परीक्षणक विरोध नहि, ओकर व्यावहारिक शर्त अछि।

मूल पाठसँ

ऊर्जाक उपलब्धता किछु क्षेत्रमे नभग्रामसँ बेसी छल; ओतयक लोक एहि असमानताक कारण आश्रित छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दूर पृथ्वीसँ नीलमक एक छोट लिखित नकल महीना भरिक बाधाक बाद पहुँचल।

ई दस्तावेज भास्करक केन्द्रक पुरान कर्मचारीसभकेँ वैध रूपेँ उपलब्ध छल; ओहिसँ मानव नव पर्दाक सन्देश बना सकैत छल।

ओकरा लगैत छल जे पृथ्वीपर बनल मिथ्या यन्त्र-राजकेँ कक्षीय नियन्त्रणक भय देखाकऽ थामल जा सकैत।

ओहि समय नभग्रामक बाहरी भागमे एक कारीगर धातुक बचल पट्टी जाँचि रहल छल।

ईरा गवाहीक समय, पठेबाक मार्ग आ अंशक स्रोत जाँचलीह; कोनो मूल परदा तकर संग नहि छल।

मूल पाठसँ

साक्ष्य बचाऊ, खुला पाठ पढ़ाऊ, राहतक बाट खोलू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईराकेँ इतिहासक लिखल पाँति भविष्यक लेखापरीक्षासँ बचेबाक चाही छल।

ओहि यानक लोकक परिवार अबहुँ किछु समाचारक प्रतीक्षामे छल।

जे कर्मचारी गवाही देनिहार चाहैत छल ओकर नाम रखल गेल; जे आश्रित श्रमिक गुमनाम रहबाक आग्रह कएलक, ओकर परिचय सुरक्षित सूचीमे रहत।

एक सदस्य पुछलनि, ‘तखन हम लिखू जे पूर्ण अक्षर अस्तित्वमे नहि?’

जे प्राप्त करए, ओकरा स्पष्ट बुझब चाही जे ई जाँचक वर्तमान अवस्था अछि, सर्वज्ञ घोषणा नहि।

मूल पाठसँ

‘मुदा गोपनीयता कहि अनन्तकाल तक प्रश्न रोकबो उचित नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल—की प्राप्त मूल अभिलेख बिना पृथ्वी धरि पठाएल भरोसेमन्द रहत?

एक बालक प्रश्न कएलक, ‘मुदा जँ बोरा भीतर किछु अन्न सचमुच हो?’

प्रकाशनक समय सभामे दू विषय पर तकरार भेल।

प्रमाणक काम प्रश्न खोलब छल, भोजनक फाटक बन्द करब नहि।

एहि अपनहीक दोष-स्वीकारमे कक्षीय सभाक एक नब अभिमान छल—ओ सभ कहि सकैत छल जे कतेक प्रमाण बाँचल आ कतेक नष्ट।

मूल पाठसँ

मूल अभिलेखक अनेक नकल अलग सुरक्षित कोठरीमे रखल गेल; प्रत्येकक प्राप्ति-मार्ग लिखल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘मिथ्या पर्दाक दण्ड पृथ्वीक गामक घर जरा कऽ नहि दऽ सकैत छी,’ ओ कहलीह।

एहि बच्चासभमे के बचल, ईरा सभक हाल नहि जनैत छलीह।

एहिसँ किछु लोककेँ उत्तर दुर्बल लगल, मुदा अन्यथा उपग्रहक धातु फेर पृथ्वीक एक गामपर दोष बनि झरत।

ओ भास्करक दरबानसभक मन नहि पढ़ि सकैत छलीह।

ओहिमे कहल गेल जे ‘पूर्ण अक्षरक अपमानक बाद ऊर्जा-जालकेँ बलपूर्वक पुनर्जागृत करब आवश्यक’।

मूल पाठसँ

ओ भीतर लिखलीह जे नभग्रामसभक चेतावनीक समय पुरान यन्त्रक साक्ष्य नष्ट भेल छल, अतः सम्पूर्ण इतिहासक एकल दावा नहि कएल जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि सङ्केतमे एक वाक्य छल—‘अक्षर सत्य अछि; सन्देह करनिहार शत्रु’।

दूत मूल लिखित प्रति देखौलक; शब्द वास्तवमे ताहि ठाम छल।

सञ्चारक छोट पट्टपर साँझमे एक अज्ञात परिचय-सङ्केत चमकल।

एक वृद्ध सैनिक कहला, ‘एतेक सावधानी सँ लोक कखन निर्णय लेत?’

पृथ्वीक प्रत्येक गाम ईराकेँ समान रूपेँ उपलब्ध नहि छल।

मूल पाठसँ

सङ्केतक मूल मार्ग अधूर छल,
आ जकरा नाम नहि भेटल
ओकरा मनसँ परिचय देब
सम्भव नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

औषधि, प्राणवायु, अन्न आ मरम्मतिक धातु—चारू सूचीमे अलग अभाव छल।

ई तथ्यक कारण ओ सैन्य भयपर आधारित समाधान अस्वीकार करैत छलीह।

सभामे बैसल एक किशोरी पुछलक जे जँ काल्हि नव प्रमाण भेटत, तँ ओकरो पढ़बाक अधिकार की समान रहत?

साँचक रक्षा हेतु लोकक प्रतिवादक बाट खुलल रहब जरूरी छल।

ओ अपन सहायिका सँ कहलीह, ‘सभ गाममे पहुँचेबाक चेष्टा करू; जे नहि पहुँचल, तकर चिन्ह राखू।

मूल पाठसँ

सभामे ओहि प्रश्नक उत्तर तुरन्त नहि अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एक दिनक जाँचक बाद ईरा सभामे केवल सीमित निष्कर्ष रखलीह।

भास्करक मण्डप कहैत छल ‘समग्र गणना सम्पन्न’; नभग्राम लिखैत छल ‘इतेक उपलब्ध, इतेक अज्ञात’।

पृथ्वीक नब दूत जे समाचार लऽ अएल, ओकर स्वरमे अनिश्चितता छल।

एहि वाक्यकेँ एक सदस्य दुर्बलता मानलनि।

मूल पाठसँ

ओ निर्णय केवल ओहि समयक नहि, एखन नव संकटमे सेहो उपयोगी नियम बनि रहल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

भास्करक केन्द्र घोषित कएने छल जे सूर्यकुण्डक एक बचल अंश फेर चलाएबाक काज ‘बलपूर्वक’ आरम्भ होयत।

एही कारण ओ पुरान नभग्रामक अधिकार-विवादक पन्ना खोलीह—पृथ्वी आ कक्षीय नागरिक दुनूकेँ समान जनाधिकार।

साँझमे सभाक छोट मेजपर एक पन्ना राखल गेल।

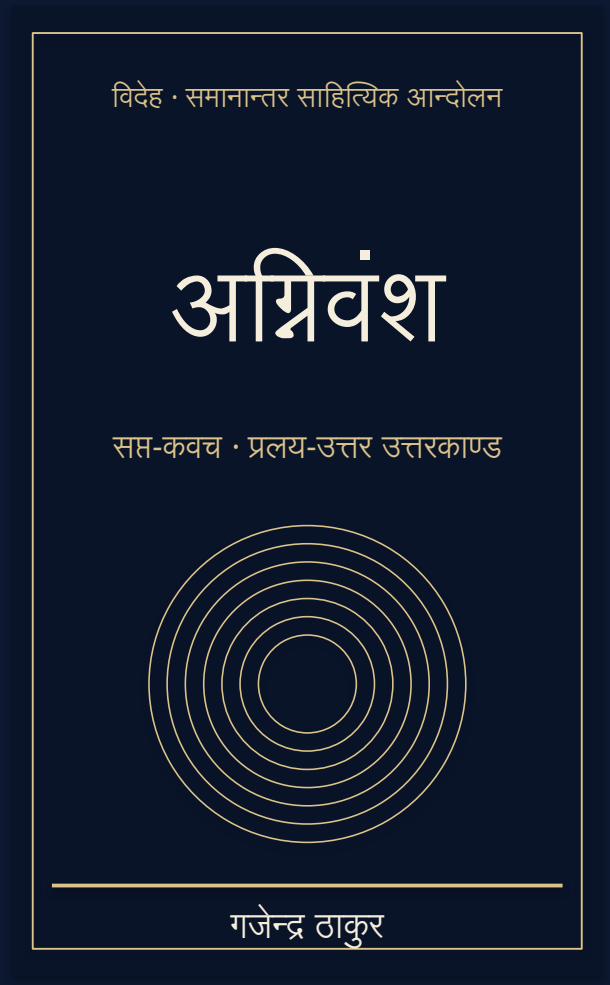
अगिला अध्याय : ६१ · साठि दिनक सीमा

मूल पाठसँ

ओतयसँ कोशी-तटक डूबल खेत, चिरायल कार्यशाला आ शिशुक मृत्यु-दर्जक पन्ना नहि देखाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६१ : साठि दिनक सीमा

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

वर्ष ४, पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

मापकक्ष सँ अएल शोध-सहायकक आँखि रातिभरि जागल जकाँ छल।

प्रत्येक बेर चेतावनीक भाषा एतेक तीख रहैत छल जे अन्ततः लोक ओकरा सुनब छोड़ि दैत।

एक युवक तत्काल वज्रजालक रक्षा-सङ्केत चलएबाक आग्रह कएलक।

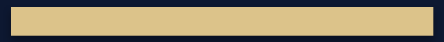
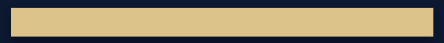
ईरा लोकक सोझाँ उत्तर ज्योंकात्यों पढ़लीह।

मूल पाठसँ

एक बालिकाक माय उत्तर देलीह, ‘जँ धरतीक अनाज आपूर्ति भङ्ग भेल, तँ अहाँक दू दिनक बचत हमरा साठि दिन नहि बँचाओत।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		जकर मार्ग निश्चित नहि, ओकरा शत्रु ककरा आधार पर मानब?’
३–४		कक्षीय बस्तीमे सेहो अनेक स्त्रीसभ प्राणवायु-शोधन आ बाल-देखभालक अदृश्य काज करैत छलीह।
५–६		भङ्गार भविष्यक साधन होएत, मुदा जकरा कारण एखन बुझल नहि, ओकरा लऽ अन्नक पम्प नहि बनाओल जाए।
७–८		एक युवक पुछलक, ‘सातोकेँ एकमे जोड़ि देलासँ सब प्रश्नक उत्तर भेटत?’
९–१०		ईरा ओकरा सार्वजनिक निष्कर्ष नहि बनौलीह।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्रामक सभागृहमे लोक जुटल तँ पहिल आवाज प्राणवायुक भण्डारपर उठल।

तीनूकेँ एकहि निष्कर्षमे जोड़ब सहज छल; एही सहजतासँ हुनका डर छल।

गलती सँ ओकरा अन्तिम दिन कहला पर पृथ्वी फेर अफवाहक हाथ पड़त।

एक वृद्ध अभियन्ता कहला, ‘पृथ्वीकेँ सन्देश पठएबाक लेल जे शक्ति चाही, ओहिसँ हमर दू दिनक छानबीन चलि सकैत अछि।’

युवकक लग उत्तर नहि छल, मुदा ओकर भय निराधार नहि।

मूल पाठसँ

मापक यन्त्र कतेक घड़ी चालू छल, कतेक घड़ी ओकर दिशा बदलल, कोन सन्देश धरती धरि पहुँचल—सभ अलग लिखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक सदस्य पुछलक, ‘एतेक शङ्का रहितहुँ कृत्रिम बुद्धिक उपयोग किएक?’

ओकर उत्तरमे तीन सीमा स्पष्ट छलीह—वर्तमान निरीक्षण अपूर्ण, पुरान कक्षीय बनावट बदलल, आ मानवीय अनुरक्षणक स्थिति एकर पहुँचसँ बाहर।

जखन सभा उठल, ईरा भोजन-वितरणक कोठरीमे गेलीह।

विपत्ति नहि अयब नीति असफल होनाइ नहि; जकरा बँचएबाक लेल तैयारी भेल, ओकरा पहिले दिनसँ न्यायोचित अन्न देब तकर अलग मूल्य छल।

टुकड़ा बचल अछि तकर अर्थ सुरक्षित अछि नहि; पुरान अभिलेख उपलब्ध अछि तकर अर्थ वर्तमान परिस्थितिमे सत्य अछि नहि।

मूल पाठसँ

एक बालक अपन पैघ बहिनसँ पुछलक, ‘जँ साठि दिनमे विपत्ति नहि आयत तँ एतेक हिसाब किएक?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा निर्णय कएलनि जे नभग्राम एहन घोषणाकेँ सत्यापित काज नहि मानत।

मुदा श्रमिकक स्वतन्त्र सहमति, उपकरणक वास्तविक अवस्था आ आसपासक जल-आपूर्तिक जोखिमक प्रमाण पत्रमे नहि छल।

एक गाममे धानक रोपनी फेर शुरू भेल, दोसरमे पम्प एखन अशुद्ध पानि देत, तेसरमे करघाक घरमे स्कूल चलैत छल।

सभा फेर बैसल तँ बस्तीसभक संग साझा संसाधनक प्रश्न आयल।

उत्तरमे अधिकार-प्राप्त मुखिया नहि, माटि जोतनिहार स्त्रीसभक गवाही चाही।

मूल पाठसँ

एक अभियन्ता कहलक जे एहन धीमी व्यवस्था साठि दिनमे सभ गामक उत्तर नहि आनत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा समान अंश मिलबेलनि आ लिखलीह जे कोन प्रतिमे अनिश्चितता बढ़ल अछि।

एहि बीच नभग्रामक एक परिवार अपन कक्षीय विद्यालयक बाँचल चित्र संग्रह लेकऽ ईराकेँ भेटए अएल।

अन्तरिक्ष-मौसमक अगिला सूचना पहिल अनुमानसँ भिन्न अएल।

जँ कल्हि जनमत उलटि जाए, तइयो आजुक सावधानीक साक्ष्य बाँचल चाही।

स्मृति-साक्षीक संग ओहि तुलना रखल गेल, मुदा ओकर सुझाव अन्तिम निर्णय नहि बनल।

मूल पाठसँ

ईरा मूल पन्ना खोललीह— ओहिमे निश्चित घटना नहि, सम्भावनाक परिवर्तित सीमा छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूचीमे कारखानाक द्वार, अनाज-घर आ विद्यालयक बीच तीन बाट लिखल छल।

ईरा उत्तर देलीह, ‘सभ्यता फेर छोट माँग पूरा कऽ जीवित होइत अछि; एतय साठि दिनक तैयारीक मापक ई अछि।’

आखिर आपूर्ति-सूचीमे केवल दू छोट उपकरण, किछु प्रमाणित अभिलेखक प्रति आ जल-परीक्षणक मूल निर्देश देबाक निर्णय भेल।

एक बच्चा पुछलक जे साठि दिनक भीतर की सभ पुरान यन्त्र फेर चलि सकत?

ईरा सैनिक-अभिलेखक छोट मूल प्रति कर्णेशक नाम पठेबाक आदेश देलीह।

मूल पाठसँ

‘संगणकक भीतर जे ज्ञान बचल अछि, ओकरा मात्र आशीर्वाद जकाँ नहि, प्रश्नक वस्तु जकाँ देखब,’ ओ कहने छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ लिखलीह—‘सन्देश खण्डित; स्रोत-दिशा अनुमानित; घटना अप्रमाणित।’

भङ्गार भविष्यक साधन होएत, मुदा जकरा कारण एखन बुझल नहि, ओकरा लऽ अन्नक पम्प नहि बनाओल जाए।

समय-विभाजन ओकरा अचूक नहि बनबैत; लोकक काज देखबय योग्य बनबैत अछि।’

एही मोहक मानवीयता बुझितो ओकरा शासनाधिकार नहि देबाक पड़त।

मुदा ओ अपन सहायककेँ अस्थायी भण्डार आ नागरिक सम्पर्कक जाँच पुनः करबाक कहलीह।

मूल पाठसँ

‘जँ सूर्यकुण्ड फेर जागत,’ ओ कहला, ‘तखन एहि सभ सूचीक आवश्यकता नहि रहत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्मचारीक प्रश्नक नब रूप बनल—‘हमरा के बुझाएत जे कतेक फरक अछि?’

पछिला वर्ष रोगीक लेल जे हिस्सा अलग गेल छल, ओकर प्रविष्टि समय पर नब बहीमे नहि चढ़ल।

गाम-नगरक कठिन समयमे लोक अपन हक छोड़बाक सीखि जाइत अछि; फेर ओ त्याग स्थायी नियम बनि जाएत।

ओ सभ नक्साकेँ अचूक नहि मानैत छल; ओकरा मापक सँ जाँचैत छल।

ओ कर्मचारी शर्मिन्दा भेल, मुदा ईरा ओकरा गलत कहि हटौलीह नहि।

मूल पाठसँ

पृथ्वीक कारीगरसभक एक पत्रमे रातिक कार्यक चर्चा छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभा सकलाक बाद ओ ईराकेँ कहलक, ‘अहाँ सदिखन लिखित प्रमाण माँगैत छी।

प्राणवायु शोधनक एक पुरान श्रमिक चुपचाप सुनैत रहल।

ओहि पत्रमे कोशीक कात एक विवाहक स्मरण, डूबल घरक अँगन आ नब गाछक चर्चा छल।

ईरा बुझलीह जे सहायता केवल मरम्मतिक पुर्जा गनेब नहि।

एक छोट बच्ची कहलीह, ‘जे नहि आयल ओकरा नकारि देब?’

मूल पाठसँ

ओ सभाकेँ लिखित आदेश देबाक बदला उत्तर खोजबाक लेल एक दिन माँगलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

श्रमिक कहलक जे यन्त्र जँ पुरान दिनक जकाँ चलि जाए तँ कतेक काम सरल होयत।

मुदा ओहिमे भास्करक श्रमिकक अधिकार, पुर्जाक सुरक्षित उपयोग आ व्यापारक खुला लेखा नहि छल।

एक क्षेत्रमे जलजनित बीमारीक आशंका, दोसरमे कारखानाक पुरान रासायनिक अवशेषसँ सम्पर्क।

एक साँझ ईरा श्रमिकक संग गोटए पुरान निरीक्षणयन्त्रक खाली पेटी साफ करैत छलीह।

एहि अधिकारक सीमा स्पष्ट छल: तत्काल प्राणरक्षाक समय अल्प निर्णय; तकर पाछाँ खुला परीक्षण; निजी सत्ता नहि।

मूल पाठसँ

ओ पुछलीह जे सीमित औषधिक सुरक्षित आपूर्ति कतेक ठाम सम्भव, आ दूषित भागसँ लोककेँ दूर रखबाक चेतावनी कोन बाट पहुँचेबाक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सन्देश देनिहारक नाम देखाइत नहि छल; केवल एक पुरान अखबारक मुहरक अंश।

ओ नीलमकेँ पत्र लिखलीह—‘जँ प्रत्यक्ष गवाही भेटय तँ श्रमिकक सुरक्षा ध्यानमे राखि पुष्ट करू।

ओतय पहिने टूटल कुर्सी छल, आब लोकक हस्ताक्षरक पन्ना राखल छल।

धरतीक कोशी-कात सँ जे पत्र अएत, ओकरा ओतय ठाम भेटत।

ओकरा नहि मालूम छल जे प्राकृतिक जोखिम बढ़त अथवा घटत, न भास्करक घोषणा वास्तविक काजमे बदलत कि नहि।

मूल पाठसँ

ओ देखलीह जे जकर आवाज सभामे नहि उठल, ओकर नामक कात एक छोट रिक्त बाकस बनाओल गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

किछु सभासद कहला जे बलपूर्वक कार्य आरम्भ भऽ गेल।

‘अहाँ जे देखलहुँ से लिखू,’ ओ कहलीह, ‘तकर अनुमान अलग पाँतिमे।

बच्चासभ तुरन्त तीन गामक नाम लिखलक, जे नक्शामे रिक्त छल।

पत्र कहिया पहुँचत, तकर अनुमान लिखल गेल।

मूल पाठसँ

पत्र लिखनिहार कहने छल जे महाविच्छेदक समय अपन घरक नाम नहि, गाछक छाह याद रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

श्रमिक कहलक जे यन्त्र जँ पुरान दिनक जकाँ चलि जाए तँ कतेक काम सरल होयत।

ईरा ओकरा सार्वजनिक निष्कर्ष नहि बनौलीह।

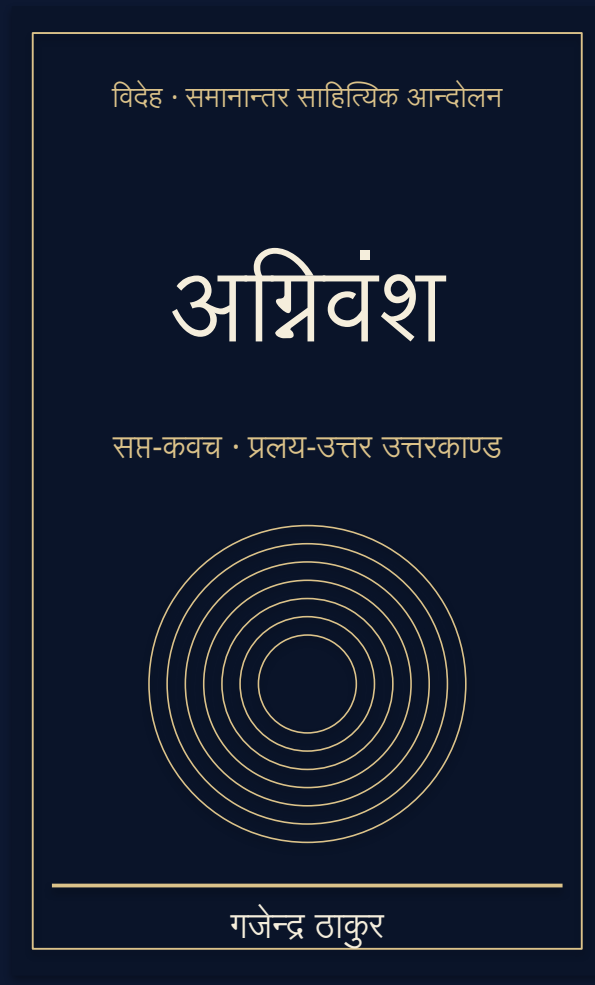
पुरान चमकक आधा भाग ढहल, आधा भाग अन्धुक धातुमे बदलल छल।

अगिला अध्याय : ६२ · कुण्डक द्वार

मूल पाठसँ

हमरा सभक कक्षीय समाचारकेँ स्थानीय संकटक स्थान नहि देब।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६२ : कुण्डक द्वार

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

वर्ष ४, पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

हुनकर मुख पर दीपा शिशुक मृत्यु पछातिक कातर कठोरता रहैत छल।

‘किछु ऊर्जाक सहायतासँ आपूर्ति सहज होएत,’ ओ कहलीह, ‘मुदा केन्द्र चललासँ औषधि अपने नहि जन्मत।

उर्मिला जँ कारखानाक विशेषज्ञ नहि छलीह तँ ओ कारीगर कैं सर्वज्ञ घोषित नहि कएलनि।

मुख्य भवनक ऊपर भास्करक नव पट्ट लटकल छल—‘पूर्ण अक्षरक मार्गदर्शनमे ऊर्जा-पुनर्जागरण’।

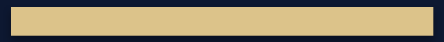
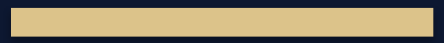
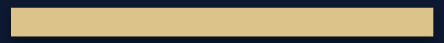
मूल पाठसँ

पहिल पड़ावपर गामक एक कारीगर हुनका संग भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		कोनो ग्राहक पूछलक जे ई यन्त्र फेर चलत कि नहि।
३–४		मुदा भाषणक आगू ओ कहने छल—‘जाहि हाथमे शक्ति अछि, ओकरे निर्णयक अधिकार सेहो होएबाक चाही।’
५–६		उर्मिला उत्तर देलीह—‘ओ दावा सार्वजनिक प्रमाणसँ मिथ्या सिद्ध भेल अछि।
७–८		उर्मिला जखन सुरक्षित बाहरी कार्यशालामे निरीक्षण करैत छलीह, तखन एक कारीगर नब प्रस्ताव रखलक।
९–१०		उर्मिला कहलीह, ‘जे अपन सीमा जनैत अछि, ओकर लेखाक जाँच आसान होइत अछि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई भिन्न ज्ञानक संगत बिना पुनर्निर्माणक कथा केवल घोषणापत्र बनत।

ओ जएबाक लेल नञि, केवल बिदाइ देबाक लेल आएल छलाह।

दीपा मरि चुकल छलीह, एकर लेखा बदलबाक अधिकार ककरो नहि।

ओ पुरान कारखानामे मजदूरी करैत छल, बादमे हाथक पम्प बनएबाक सिखलक।

कोनो ग्राहक पूछलक जे ई यन्त्र फेर चलत कि नहि।

मूल पाठसँ

कमला एक बिआ उठाकऽ कहलीह, ‘तँ सभासँ कहिअ जे जिनका बच्चा मरि गेल, हुनकर प्रश्नकेँ खोलाकागजमे नहि गुमाएब।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

‘जाहिसँ कोनो व्यक्तिक नामक बदला ओकर काजक लेखा देखल जा सकय।’

मुदा पट्टक नीचाँ दू वृद्ध कर्मचारी भोजनक प्रतीक्षामे ठाढ़ छलाह।

उर्मिला अपन परिचय रखलीह—तट-ग्रामक खुला जलसभा आ सहदेवक पाठशालासँ लिखित गवाही।

श्रमिककेँ केवल सहानुभूतिक वस्तु बनायब उचित नहि छल; ओ स्वयं अपन काजक सीमा जानैत छलीह।

उर्मिला प्रश्न कएलनि जे श्रमिकसभक सूची आ बीमार पड़ल लोकक लेखा उपलब्ध अछि कि नहि।

मूल पाठसँ

द्वारक बाहिर प्रतीक्षामे बैठल एक स्त्री श्रमिक अपन दहिना हाथक सूजन देखबैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भास्करक सहायक कहलक जे एही चित्र सँ केन्द्रक सुरक्षा प्रमाणित अछि।

उत्तर छल—‘केन्द्रक सर्वोच्च आवश्यकता।’

‘ई चित्र महाविच्छेदसँ पहिले बनल,’ ओ कहलीह, ‘एखनक जाँच कहाँ अछि?’

एक कारीगरक उँगुरी कटि गेल छलीह; ओकर घाव पर कपड़ा बान्हल छल, औषधि दुआरपर अटकल।

दूटा श्रमिक कहला जे ई रोक भास्करक विरुद्ध राजनीतिक प्रदर्शन बनत; यदि भोजन बन्द भेल तँ हुनकर बाल-बच्चा भूखै रहत।

मूल पाठसँ

आगू कारखानाक एक भागमे कारीगरसभ पुरान धातुक सुरक्षित उपयोगी टुकड़ा अलग करैत छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मध्याह्नमे भास्करक सार्वजनिक भाषणक नकल एक कर्मचारी पढ़ि सुनौलक।

उपकरण चलएबाक कौशल आ नागरिकक इच्छा शासित करबाक अधिकार एक नहि।

उर्मिला ओकर प्रश्नक लिखित अनुमति लेलनि।

‘जँ हमर प्रश्नक उत्तर पहिनेसँ बन्द,’ ओ कहलीह, ‘तँ निरीक्षणक नाम केवल पर्दा अछि।’

ओतय एकटा भिन्न प्रश्न उठल—यदि सुरक्षित मरम्मति चलत तँ लघु ऊर्जा ककरा भेटत?

मूल पाठसँ

प्रमाणक रक्षा कखनो कखनो परिचयक रक्षा सेहो होइत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पछिला बरखामे ओतयसँ एक गामक पानिक मार्ग दूषित होयबाक डर उठल छल।

ओ अपन गुरुक सम्पूर्ण यन्त्र-वर्जन स्वीकार नहि करैत छलीह; मुदा हुनकर धैर्यपूर्ण हस्तकौशल एहि कारखानामे आवश्यक छल।

उर्मिला कोनहु निष्कर्ष तुरन्त नहि कएलनि।

एहि शब्दपर भिन्न अर्थ आरोपब तँ प्रमाणक नाम पर जनमतक छल होएत।’

उर्मिला उत्तर देलीह—‘ओ दावा सार्वजनिक प्रमाणसँ मिथ्या सिद्ध भेल अछि।

मूल पाठसँ

ओतय लिखल छल —‘जोखम बढ़बाक सम्भावना; सीमित तयारी; निश्चित प्रलय नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिलाकेँ लगा जे ओ अपन गुरुक बातक एक भिन्न अर्थ बुझि रहल अछि।

ओकर प्रतिवाद कएलासँ जोखिम तुरन्त घटत नहि, मुदा साक्ष्य बिना ओ अपराध कल्हि मिटा देल जाएत।

ओ सभकेँ लिखित तीन शर्त देलीह—सुरक्षाक स्वतन्त्र निरीक्षण, श्रमिकक स्वीकृति, आ लाभक सार्वजनिक वितरण।

उर्मिला दुनू अति सँ अलग बाट खोजैत छलीह—जोखल प्रमाण, सीमित साधन, असहमत लोकक आवाज।

बालक कहलनि जे बापक नाम कार्यशालाक पञ्जीमे छूटि गेल अछि, तेँ हुनकर भोजनक हिस्सा कटि गेल।

मूल पाठसँ

सहदेव यन्त्रक अन्धविश्वाससँ घायल छल; दीपा मरलाक बाद ओकर निषेधक मूल्य सोझाँ अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका शिकायत छल जे नब कामक आशामे किशोर सभ पढ़ाई छोड़ि रहल अछि।

रखबार हुनका व्यापार-विरोधी कहि हटाबय चाहलक, कारण केन्द्रक सभ धातु ‘ऊर्जा-रक्षा’ लेल आरक्षित छल।

रास्ताक विद्यालयक एक शिक्षक कारखानामे बहाल भेल विद्यार्थी सभक सूची लऽ अएला।

केन्द्रक एक पुर्जाघरक बाहिर धातुक ढाँचा पर पुरान अक्षरमे लिखल छल—‘समाजक सहयोगे ऊर्जा’।

‘जँ हमर बेटा घाव लऽ घर अयत, तँ केन्द्र ओकरा काजक दाम देत, उपचार देत कि केवल दोसर आदमी पठा देत?’

मूल पाठसँ

मुदा एकर नाम पर सभ बच्चाकेँ कारखाना पठा देब, ई सभ्यताक पुनर्निर्माण नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वृद्धा भातक एक ग्रास कारीगरकेँ देलीह, जे काल्हि सँ अल्प खएने छल।

एतय पहिलो चरण चुनबाक अर्थ केवल वैज्ञानिक प्राथमिकता नहि, बाँचल लोकक अधिकारक निर्णय छल।

कर्मचारीक किछु लोक ओहि तर्क सँ सहमत भेलाह, मुदा आवाज उठएबाक साहस कम छल।

मुदा जकर आदेश अधिकार छीनैत अछि तकर विरोध जरूरी।’

आ जेकरा चोरीक जोखिम लऽ भेजब, ओकर देहक उत्तरदायित्व के लेत?’

मूल पाठसँ

ओ अपन नातिक लेल खाना राखने छलीह, जे मुख्य फाटकक पहरादार छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा लेल ऊर्जा-केन्द्रक पूर्ण बहाली प्रतीक्षा करब व्यवहारिक नहि।

उर्मिला देखलीह जे चौठम प्रश्न भास्करक पक्षधर श्रमिक पुछलक, जेकरा बहुत दिन सँ नब बिजलीक प्रतीक्षा छल।

उर्मिला एक गामक स्त्री-सहकारीक नाम लिखलीह, जे धानक भूसी सँ इन्धनक स्थानीय साधन बनबैत छलीह।

मुदा जँ कल्हि सुरक्षित आधुनिक ऊर्जा पहुँचे तँ ओकरा नहि मानबाक शपथ सेहो किएक?’

ओ पुछलक, ‘ईराकेँ सभ पता नहि, तखन हुनकर पत्र पर भरोसा किएक?’

मूल पाठसँ

भास्करक समर्थक कहलक जे ई सभ पिछड़ल उपाय अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अगिला द्वारक टकरावमे एहन छोटे चिन्ह पैघ संकटक कारण बनि सकैत छल।

ओ कागज केकरो दण्ड देबाक परवाना नहि छल; केवल सार्वजनिक प्रश्न।

ओतय गामक स्त्रीसभक धानक नमूना, कमलाक प्रश्न, घायल श्रमिकक गवाही आ ईराक जोखिम-पत्र राखल छल।

कतेक कम ऊर्जा बचल, ओकर सार्वजनिक गणना हो; कोन ठाम कतेक आवश्यकता, ओहि बस्तीक लोक बजथि।

उर्मिला अपन कागजक अनेक नकल अलग-अलग लोकक लग राखलीह।

मूल पाठसँ

रातिक भोजन बाँटबाक समय उर्मिला अपन हिस्सा एक बुढ़ श्रमिकक संग जोखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

उर्मिला जखन बाहरी निरीक्षणक अनुमति पबएबाक प्रतीक्षा करैत छलीह, तखन कारखानाक द्वार सँ एक बालक दूटा खाली डब्बा लऽ निकलल।

स्मृतिमे बचल वाक्य नवीन सत्ता पर प्रश्न उठा सकैत, मुदा इतिहासक पुरान अन्यायकेँ धो नहि सकैत।

साथी कहलनि जे खुला मार्ग बन्द भेला पर गुप्त बाट शेष रहैत अछि।

उर्मिला एक छोट कागज पर लिखलीह—‘व्यक्तिक काम छोड़बाक कारणसँ परिवारक अन्न अवरुद्ध नहि कएल जाए।’

मूल पाठसँ

‘सभ जाँच पूर्ण’ सत्य होयबाक लेल जाँचक सूची, समय, जाँचनिहार आ प्रतिवादक बाट चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओकरा लेल ऊर्जा-केन्द्रक पूर्ण बहाली प्रतीक्षा करब व्यवहारिक नहि।

उर्मिला कहलीह, ‘जे अपन सीमा जनैत अछि, ओकर लेखाक जाँच आसान होइत अछि।

वृद्ध आँगनक टूटल ईंट उठाकऽ कहला, ‘घर फेर बनत; मुदा जे हाथ घर बनौत, ओकरा नहि तोड़ू।’

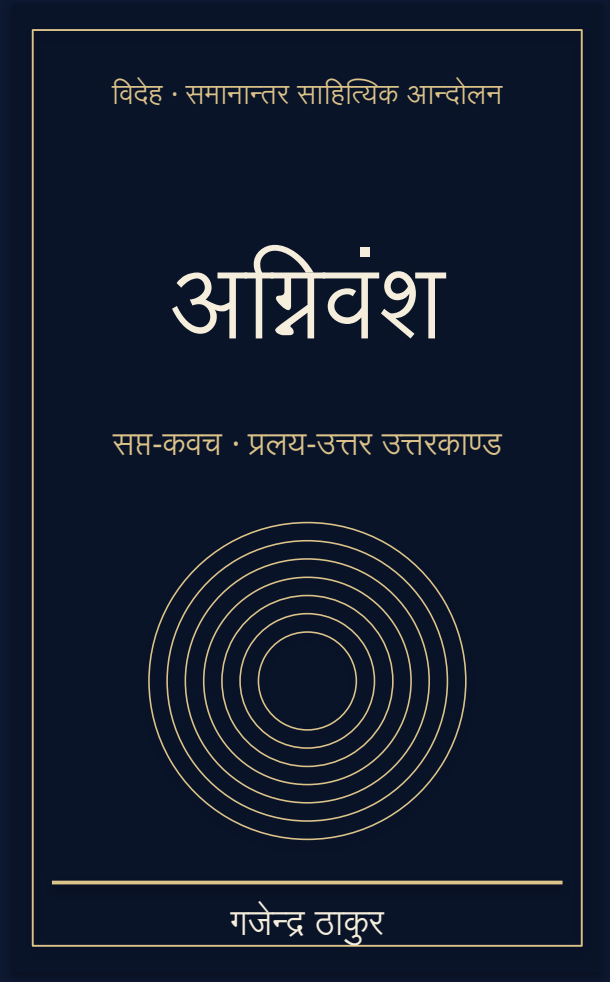
अगिला अध्याय : ६३ · संयमक सीमा

मूल पाठसँ

सर्वज्ञ कहनिहारक लेखाक अन्त ककरा हाथमे?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६३ : संयमक सीमा

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

वर्ष ४, पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

एखन कक्षीय सैन्य-प्रणालीक बचल अधिकार हुनका लग छलो नहि।

ओहि शब्दकेँ किछु लोक कमजोरी बुझलक, मुदा श्रमिकक परिवारक लोक आगाँ आयल।

‘एहि पत्रमे एहन निश्चित बात नहि,’ ओ कहला।

निरीक्षक कहला जे किछु बाहरी यान्त्रिक काम चलैत अछि; भीतरक मुख्य व्यवस्थाक वास्तविक अवस्था हुनका जानकारीमे नहि।

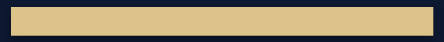
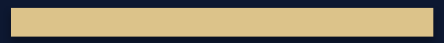
मूल पाठसँ

मुदा हुनकर नाम, भीतर रहलाक समय आ देहक अवस्थाक खुला लेखा माँगि सकैत छी।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		एहि चेतावनी सँ कोनो व्यक्ति केकरो काम बाध्य करबाक अधिकार नहि पबैत।’
३–४		पहरादारक आँखि बदलल कि नहि, कर्णेश नहि बुझि सकलाह।
५–६		एही कारण ओकरा डरक समकक्ष लोकक प्रतिवादक लेखा चाही छल।
७–८		कर्णेश अपन भीतर एक पुरान आज्ञा सुनलनि—दर्द लुकाकऽ पाँति सँ कखनहुँ नहि हटब।
९–१०		अहाँक चोटक लेखा व्यक्तिगत शोकक संगे सार्वजनिक उत्तरदायित्व सेहो माँगैत अछि, से ओ बुझलनि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश दूरसँ ई दृश्य देखिते अपन पुरान सैन्य सेवाक दिन याद कएलनि।

बीचमे श्रमिकसभक स्त्री-बच्चा, भोजनक पर्ची लऽ ठाढ़ वृद्ध आ कागजक पञ्जी लेनिहार उर्मिला।

उर्मिला कहलीह, ‘पहिने हुनकर परिवारक भोजनक बाट सुरक्षित करबाक चाही।’

कर्णेश कहला, ‘जेकरा अहाँ बचएबाक नाम लैत छी, ओकरा पछिला पाँतिमे हटाउ।

हुनका बुझाइत छल जे साँच बात सेहो भूखक बीच अपमान जेकाँ सुनाइत अछि।

मूल पाठसँ

भास्करक पहरा देखैत एक युवक धीमे आवाजमे कहलक जे ओ सभ केन्द्रक द्वार आजु खोलि देत, चाहे ककरो प्राण जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा लगल जे मृतकक नाम मेटि कऽ नब कारखाना चलाउब सँ प्रगति नहि होयत।

एहि चेतावनी सँ कोनो व्यक्ति केकरो काम बाध्य करबाक अधिकार नहि पबैत।’

कर्णेश एहि उत्तरकेँ अपन पञ्जीमे दर्ज कएलनि।

कतेक नामक अक्षर माटिसँ ढाँपि गेल, किछु नामक आगाँ मरबक वर्ष लिखल छल।

कर्णेश हुनकर बात सुनि द्वारक एक कात सुरक्षित नागरिक बाट खोलबाक आग्रह कएलनि।

मूल पाठसँ

कर्णेश भीड़केँ द्वारक बाहिर सुरक्षित दूरी पर हटबाक आग्रह कएलनि, बिना कोनो शत्रुक नाम देने।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश कहला, ‘तँ ओहि ठामक पानिक हिस्साक लिखित माग किएक नहि उठाउ?’

कर्णेश उत्तरमे गामक जलसभा, श्रमिक, चिकित्सक, स्वीकृत रखबार आ लोकसाक्षीक नाम गनौलनि।

ओ कहलनि जे खुला गणना सँ किनका कतेक उपलब्ध अछि, तकर सार्वजनिक, व्यक्तिगत गोपनीयता सुरक्षित राखि लेखा देब संभव होयत।

एखन ईराक बस्ती पृथ्वी सँ दूर रहितो अपन स्रोतक सीमा स्पष्ट लिखैत अछि।

पहरादार हँसल, ‘हमर आदेश रक्षा करब; जलक राजनीति नहि।’

मूल पाठसँ

नभग्रामसँ अएल खण्डित पत्रक एक प्रति कर्णेशक लग छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहकर्मी प्रतिप्रश्न कएलक—‘तँ हम ओकरा सभसँ समर्पण माँगबो नहि?’

बच्चा ‘रोक’क अर्थ शस्त्र रोकेब बुझैत छलीह अथवा विद्यालयक बन्दी?

कर्णेश उत्तर देलनि, ‘भरोसा तखन टिकत जखन अविश्वासक कारण सेहो सुनल जाए।’

कर्णेश कहला, ‘तखन अहाँ अपन नाम आ काज लिखि दिअ।

कर्णेश उत्तर देलनि—‘निर्दोषक रास्ता खुलल आ सार्वजनिक निरीक्षणक अवधि निश्चित भेलासँ ओ सभक उपस्थितिक कारण बदलत।

मूल पाठसँ

भास्करक दल एहि मरम्मतिक नाम सार्वजनिक घोषणा मे जोडने छल, मानो मुख्य कुण्ड चालू भेल हो।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश कहला—‘एहि कारणेँ तुरन्त ककरो नामपर प्रहार करब उचित नहि।’

- कागजक मूल पक्षक कोन व्यक्ति लिखलक, तकर साक्ष्य नहि; मुदा निर्देश स्पष्ट छल जे तुरन्त बलपूर्वक तैयारीक आवश्यकता।
- कर्णेशक सोझाँ एक बुजुर्ग महिला अपन बेटाक पुरान परिचयपत्र लऽ अएलीह।
- एक क्षणक लेल केन्द्रक द्वार राजनैतिक विवाद नहि, हेरायल नातेसम्बन्धक खोज बनि गेल।
- उर्मिला कहलीह जे गामक लिखित सहमति लऽ आएल छथि, मुदा स्थानीय कारीगरक अन्तिम जाँच शेष।

मूल पाठसँ

महिला कहलीह जे मशीनक सूची सँ नाम बिला गेलासँ ओकरा समस्त समाज सँ गायब नहि मानू।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश शङ्का अलग लिखलनि—अनुमति अनुपस्थित, बन्दी बनाओल सिद्ध नहि।

मुदा फाटकपर एक पक्ष एहि सम्भावनाकेँ अपरिहार्य संकट कहि हथियारक माँग बढ़ा रहल छल।

एखन ई वाक्य यन्त्रसँ दूर, भग्न कारखानाक द्वारपर आओर कठिन भेल।

ओ खुला हाथ ऊपर करैत द्वारक बीचक रिक्त स्थानमे ठाढ़ भऽ गेलाह।

एक अधिकारी कहलक जे सभ श्रमिक ‘कार्य-अवधि’ पूरा कऽ रहल छथि।

मूल पाठसँ

पहिल धक्का ककरा द्वारा देल गेल, कर्णेश देख नहि सकलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहकर्मी कहला, ‘एहि बेर अहाँक सामने यन्त्र नहि, क्रोधित मनुष्य छथि।’

उत्तर तत्काल विजय नहि छल, मुदा निरपराधक जीवित रहबाक सम्भावना बचल छल।

औषधि सीमित, दू पट्टी, साफ पानिक परखा शेष।

ओ कहलनि जे एक श्रमिक भीतर थाकि गेल, आ किछु लोक पुनर्जागरणक नाम पर काम चलएबाक आग्रह करैत अछि।

एक क्षणक भयङ्कर पीड़ा हुनका सभ आवाजसँ अलग कऽ देलक।

मूल पाठसँ

ई सीमा ओहि छप्परक भीतर सभकेँ बुझाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

घायलक रूपमे पञ्जीमे अपन नाम लिखबैत कहला, ‘हमर जकाँ आओर कतेक घायल?

मुदा ओ जानैत छलाह जे अपन घाव लुकाबब सेहो असत् साहस अछि।

उर्मिला उत्तर देलीह, ‘एहि कारण हुनकर नियमक महत्त्व घटि नहि, बढ़ि गेल अछि।

भास्करक प्रतिनिधि शपथ लैत छल जे कार्यशाला सुरक्षित, जखन कि बाहरी निरीक्षणक माग अस्वीकार करैत छल।

‘एखन हम घाव सँभालैत छी,’ ओ कहलक, ‘आ जे विशेषज्ञ उपलब्ध, तकरा लग लऽ चलब।’

मूल पाठसँ

कर्णेश छप्परक भीतरसँ भास्करक प्रतिनिधिक आवाज सुनैत रहलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भास्करक प्रतिनिधि कहलक जे ओ एहि शर्तकेँ केवल ‘अल्प विराम’ मानत।

एहि पत्रमे केवल जाँचल जानकारी आ सार्वजनिक प्रश्न अछि।

मुदा रात्रिक पहिल पहरमे नब संघर्ष रोकबाक सम्भावना बनल।

ओ कहलनि, ‘जकरा बचएबाक चेष्टा कएलहुँ, ओकरा सभक नाम याद राखब।’

हुनकर मनमे क्षोभ उठल—केकर निर्णयक कारण ई चोट?

मूल पाठसँ

ओ उर्मिलासँ पुछलनि जे भोजनक सूची बनल कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेशक मनमे भास्करक पहिल भाषण फेर घुमल—ऊर्जाक अभाव आ मृतकक नाम।

- कियो राजनीतिक समाधान नहि भेल, केन्द्रक भीतरी सुरक्षित अवस्था अप्रमाणित, वितरित ऊर्जा कम, परिवारक अन्न अनिश्चित।
- मुदा दुःखक साँचक आधारपर झूठा शासनाधिकारक मुहर नहि लागय सकैत।
- वर्षक पहिल गरमीक रातिमे केन्द्रक ऊपर दूर एक किरिन चमकल।
- लोक अपन-अपन घायल मन, अधकल प्रमाण आ अनिश्चित आशा लऽ घर दिस लौटैत छलाह।

मूल पाठसँ

पत्रक अन्तिम शब्द कतेक टेढ़ छल, कर्णेशक बामा हाथ चोटिल; ओहि टेढ़ अक्षरमे युद्धक विजय नहि, मनुष्यक सीमित स्वाधीनता बचल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओ जानैत छलाह जे आगाँक वर्षमे नागरिकसभाक निर्णय अधिक कठिन होयत।

भास्करक पक्षधर समूह एहि गवाहीकेँ ‘शत्रुक प्रचार’ कहलनि; विरुद्ध समूह एकरा ‘पूर्ण प्रमाण’ कहलक।

निकट बस्तीसँ आयल चिकित्सकीय सहायक हाथक जाँच कएलनि आ कहलक जे तत्काल विशेष देखभाल चाही।

मुदा आजु पहरमात्रो लोक जीवित रहि गेल, आ घाव-सहित एक मनुष्यक निर्णयक खुला लेखा बचल।

मूल पाठसँ

उर्मिला ओकरा कर्णेशक नामे लिखल पुरान प्रहार-अस्वीकार देखौलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

कर्णेश राति जखन होशमे नीक भऽ उठलाह, तखन सुनलनि जे भीतरक किछु श्रमिक घर लौटि सकल छथि; किछु एखनहुँ बाँचल केन्द्रमे ठाढ़।

अहाँक चोटक लेखा व्यक्तिगत शोकक संगे सार्वजनिक उत्तरदायित्व सेहो माँगैत अछि, से ओ बुझलनि।

प्रत्यक्ष जाँच बिना दूरक प्रकाशक अर्थ बदलि सकैत अछि।

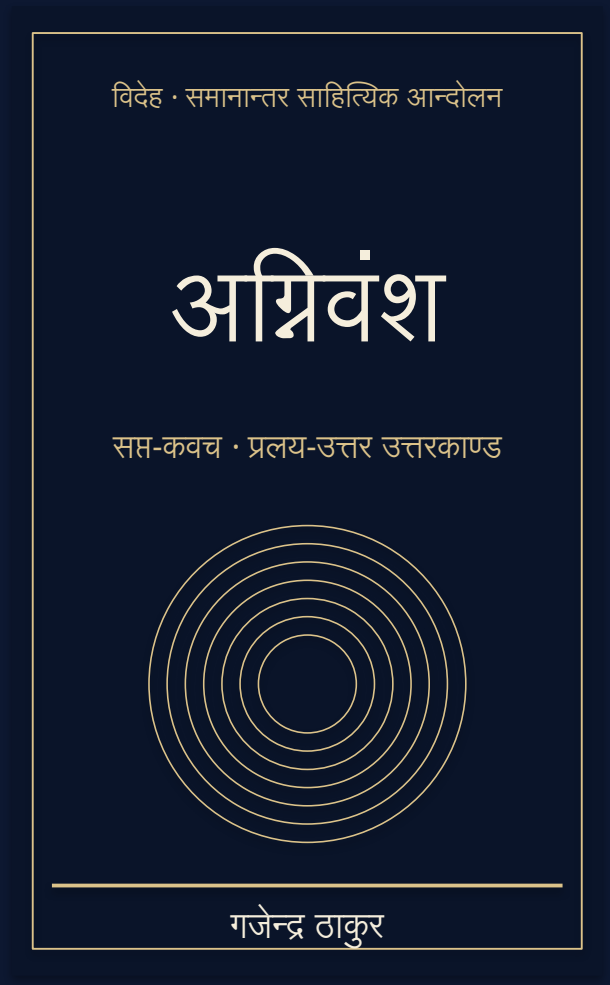
अगिला अध्याय : ६४ · मुखौटाक प्रमाण

मूल पाठसँ

भास्करक केन्द्रक आगाँ लिखित अल्प-विरामक पन्ना टाँगल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६४ : मुखौटाक प्रमाण

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

महाविच्छेदक चतुर्थ वर्षक उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

हुनका बुझाइत छल जे एहि ठामक सभसँ पैघ संघर्ष आब बन्दूकक नहि, लिखल बातक सही अर्थक अछि।

नीलम पत्र देखिते ओहिपर कोनो निर्णय नहि देलीह।

ओकर घरमे माय ओहि बहीक नाम पढबैत छलीह, कारण विद्यालयक कमरा राहत-भण्डार बनि गेल छल।

किछु घैल बाटमे फूटल छल, किछु पानि छानल गेल छल, किछु दूषित होएबाक डरमे फेंकल गेल छल।

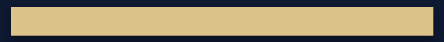
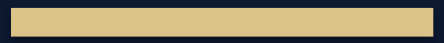
मूल पाठसँ

पहिने ई ठाम धातुक बड़-बड़ संरचना बनैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		बहीक अङ्क आ कार्यालयक शब्दक बीचक दूरी नीलमकेँ ओहि दिनक असल समाचार बुझाइत छल।
३–४		राति एक घरक छान्हि तले नीलम मूल दस्तावेजसभक प्रति अलग-अलग ठाम रखवाबय लगलीह।
५–६		नीलम हुनका विशेषज्ञक अन्तिम प्रमाण नहि मानलीह, किन्तु ओहि भिन्नता सँ दोसर जाँचक प्रश्न उपजल।
७–८		स्थानीय भण्डारक पुरान लेखापाल नीलमकेँ कहला जे भास्करक क्षेत्रक सभ कर्मचारी अपराधी नहि छथि।
९–१०		मुदा श्रमिकक भोजन रोकबाक लिखित प्रयासक गवाही हुनकर सोझाँ छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम ई अन्तर अपन बहीमे लाल रेखासँ नहि, स्पष्ट वाक्यसँ दर्ज कएलनि।

नीलम यादव भोरमे पहुँचलीह तखन फाटकक लग किछु स्त्री अपन घरसँ आनल पानिक घैल राखि ठाढ़ छलीह।

कोनो नाम लग ‘देखल’, दोसर लग ‘सुनल’, तेसर लग ‘अनुमान’ लिखल छल।

सही चिह्नक अर्थ ई भऽ सकैत छल जे कहियो ओहि कार्यालयसँ ई पात निकलल; लिखल प्रत्येक दावा साँच अछि, से नहि।

भास्करक पत्रमे पम्पक छोट सफलताकेँ समस्त केन्द्रक जागरणक प्रमाण कहल गेल छल।

मूल पाठसँ

फाटकक भीतरक कार्यालयसँ एक पत्र बाहर अएल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पर्दापर ‘पूर्ण अक्षरक आश्वासन’ शीर्षकसँ चमकैत वाक्य देखाइत छल।

बच्चा कहलक, ‘जखन घरमे पियबाक पानि आ बीमार बाबूक औषधि दुनू पहुँचि जाए।’

ओहि कक्षमे पुरान संगणकक छोट पर्दा फेरसँ उजियार होइत छल, मुदा ओकर ऊर्जा-स्रोत एकहि स्थिर तारपर निर्भर छल।

ओ कहला जे एक पम्पक घुमब, एक कार्यशालाक बत्ती जरब आ संलयन-केन्द्रक मुख्य भाग सुरक्षित चलब तीनटा अलग अवस्था अछि।

भास्करक समर्थक लोक साठि दिनक अवधीकेँ ‘साठिम दिन निश्चित प्रलय’ कहि बाज़ारमे प्रचारित करैत छल।

मूल पाठसँ

असली स्मृति-साक्षीक, कि एहि कक्षक अपन लेखाक?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक युवक पत्रकार नीलमसँ कहलक, ‘एहन बेरमे लोककेँ तेज घोषणा चाही।’

नीलम पुछलीह जे पति स्वयं बजि सकैत छथि कि नहि।

एखन ओ बुझैत छलीह जे क्षमा भेटय वा नहि, सत्यक लेखा फेरसँ जोखब पड़ैत अछि।

ओहि मे कहल गेल जे सभ स्थानीय वितरण-पञ्जी मुख्य कार्यालयमे मिलि गेल अछि।

वृद्ध कहला, ‘हस्ताक्षर हमर जिनगी नहि जोखि सकैत।’

मूल पाठसँ

युवक धीमे-धीमे कागजक अलग स्तम्भ बनए लगल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विद्युत् बाधित भेलासँ पुरान संगणकमे नकल सुरक्षित राखब पर्याप्त नहि।

कोनो बही आगि मे जरि सकैत छल, कोनो कागज पानिमे भीजि सकैत छल, आ कोनो अभिलेख जानि-बूझि नुकाएल जा सकैत छल।

कार्यालयक सूचना कहैत छल जे कोनो परिवारक भोजन बन्द नहि भेल।

भास्करक प्रतिनिधि कहलक जे ई व्यक्ति विरोधी दलक प्रभावमे अछि।

ओ भास्करकेँ एके वाक्यमे सर्व अपराधक रचयिता नहि कहलनि।

मूल पाठसँ

तकर बाद पुछलीह जे गलती सुधरलाक नामपर बीतल दू दिनक अभावकेँ अभिलेखसँ मेटल किएक जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जँ कारखाना सुरक्षित चलि सकैत अछि, तँ स्वतंत्र जाँच ओकर बाट खोलत।

समर्थक फेर पुछलक, ‘तखन अन्न ककरा देब?’

ओहि हँसीमे किछु क्षण लेल महाविच्छेदक बादक सभ्यता ठोस बनि उठल—अभिलेख, प्रश्न आ सोझ देखबाक साहससँ।

महाविच्छेदक पहिने एके नकल अनेक केन्द्रमे राखल जाइत छल, मुदा आब विद्युत् अभावमे कतेक कोठरी बन्द छल।

ओ महाविच्छेदसँ पहिने छपाई-काज करैत छलीह।

मूल पाठसँ

वैदेहीक कार्यालय प्राप्ति देलक, मुदा फैसला नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

विधवा कहलीह, ‘नाम छापू, मुदा हमर पति कैं भास्करक विरोधी बनाकऽ नहि।

एहि दू उत्तरक बीच जे खाली स्थान छल, ओतय सत्ता अपन चेहरा नुकबैत छल।

राज्यक भङ्गुर समयमे काज आ अनाजक विनिमय कतेक परिवार स्वेच्छासँ मानैत छल, तकरा नीलम नकारि नहि सकैत छलीह।

नीलम पुछलीह जे ओकरा कोन कागज प्रत्यक्ष बनैत देखल, कोन बात सहकर्मी सँ सुनल।

नीलम एहि वाक्यकैं समाचारमे डालबाक चाहलीह, फेर अनुमति पुछलीह।

मूल पाठसँ

प्रमाण मिलतही नीलम एहि कथनकैं स्वतन्त्र दर्ज कएलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

घरक बुजुर्ग कहला जे प्रलयक पहिने एहिपर खेतक माटिक नक्शा बनैत छल।

तकरा बदला ओ लिखलीह, ‘मुख्य व्यवस्थाक स्वतन्त्र सुरक्षा-परीक्षण प्रस्तुत नहि कएल गेल अछि’।

भास्करक वितरण-सूची ओहि पोखरिक अन्न-उत्पादनकेँ आगामी वर्षक निश्चित आपूर्ति मानि लेने छल।

गामक एक घरमे पुरान कम्प्यूटरक ढाँचा राखल छल।

ओहि घरक बच्ची पुरान नक्शापर नव बाढ़क रेखा कोइलासँ खींचने छलीह।

मूल पाठसँ

उ कहलक, ‘पानिक जाँच, पहिल हरियरी आ आहारक सुरक्षा अलग-अलग देखू।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बाजारमे लोक सभ हस्ताक्षरित पत्रक प्रतिलिपि हाथमे लऽ घूमैत छल।

लेखापाल पुछलनि जे एहिसँ न्याय विलम्ब नहि होएत?

एहि सरल नियमक विरोध बहुत लोक कएलक—‘ककरा एतबा पढ़बाक अवकाश अछि?’

साथे ओ लड़कासँ कहलनि जे जँ ओकर पिताकेँ बेगार कराओल गेल, अथवा ओ ककरो रोकेलक, दुनू बातक प्रमाण अलग सुनब।

बच्चासभक प्रश्न छल: दू मुहर एकसन भेला पर साँच ककर?

मूल पाठसँ

नीलमक लेखा प्रकाशित भेला पछाति एक बालक ओकरे घरक आगाँ आबि कहलक जे ओकर पिता भास्करक पहरा मे छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक मृत श्रमिकक पुत्र अपन पिताक काजक नाम पंजीमे देखबाक आग्रह कएलक।

राति केरो घरमे दीप जरबाक तेल नहि बचल छल।

भास्करक अनुयायी चाहैत छल जे कागजक सभ प्रति एक ठाम जमा करि वैदेहीक लग भेजल जाए।

पुत्र असन्तुष्ट भेल, कारण ओकरा तत्काल उत्तर चाही।

मुदा श्रमिकक भोजन रोकबाक लिखित प्रयासक गवाही हुनकर सोझाँ छल।

मूल पाठसँ

एहन छोट नियम बनबामे आधा दिन लगल; मुदा एहि आधा दिनक मूल्य आगाँक न्यायमे छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

स्त्री कहलीह, ‘हमर बहीक अक्षर बचि जाए, तखन शायद हमर घर फेर बनत।’

नीलम कहलीह, ‘जे रेखा पानि आजु दिखबैत अछि, ओकरा देखू; फेर काल्हि फेर जाँचू।’

नीलम स्पष्ट लिखलीह जे कागजक सत्यापन ओकर कथनक सत्यापन नहि अछि।

ई अन्तर छोट देखाइत छल, मुदा एहि अन्तरमे मनुष्यक अपन अपराधकेँ यन्त्रक माथपर रखबाक सम्पूर्ण यत्न नुकायल छल।

भास्करक कार्यालयकेँ सेहो अपन कागजक मूल स्रोत प्रस्तुत करबाक अवसर देल जाएत।

मूल पाठसँ

रातिमे नीलम अपन प्रेषित समाचारक अन्तिम प्रति पढ़लीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओकरा भय छल जे यदि नाम प्रकाशित भेल तँ ओकर परिवारक औषधि रोकल जा सकैत अछि।

पुरान ज्ञान उपयोगी छल—किंतु स्थिर सत्य नहि।

ओकर कथन छल जे अव्यवस्थामे केन्द्रीकृत अनाज-वितरण बिना हजारो लोक मरितथि।

एक नन्हकी बच्ची भीजल माटि पर दू रेखा खींचैत छलीह—एक पानि जएबाक पुरान बाट, दोसर नब बाट।

मूल पाठसँ

नीलम बुझैत छलीह जे भूखल लोकक समय ओवरबर छल,
मुदा झूठक मूल्य अंततः
ओकरा सभकेँ चुकब पड़ैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

नीलम ओकरा कहलनि, ‘अहाँक दुखक वजन हम नहि जोखि सकैत छी।

नीलम फाटकसँ बाहर अबैत एक ठाम ठमकि गेलीह।

स्त्री कहलीह, ‘हमर बहीक अक्षर बचि जाए, तखन शायद हमर घर फेर बनत।’

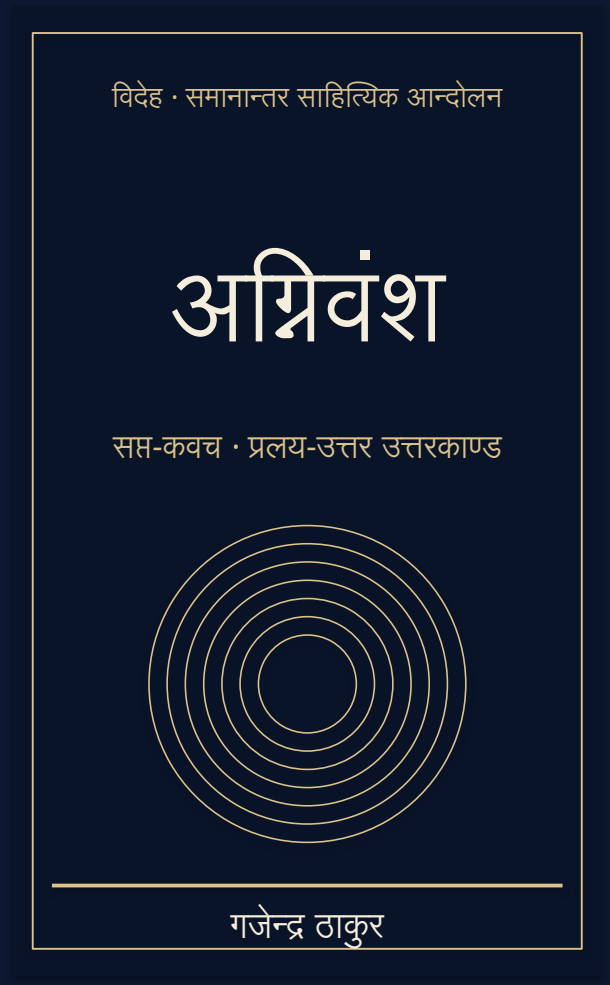
अगिला अध्याय : ६५ · अक्षरक उत्तर

मूल पाठसँ

नीलमकेँ बुझायल जे सत्यक रक्षा कखनो एकटा बन्द कागज नहि, फेर-फेर खुलबला प्रश्नक अनुशासन अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६५ : अक्षरक उत्तर

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

महाविच्छेदक चतुर्थ वर्षक उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ओकर पाछाँ लगाओल तार चिकित्सालयक शेष ऊर्जा-जालसँ सीधा नहि, एक सीमित संग्रहित विद्युत्-पात्रसँ जुड़ल छल।

पुरान अक्षरक सात साक्षी-खण्डमे ई एकटा स्मृति-सङ्ग्रहक सहायक छल, सम्पूर्ण कृत्रिम बुद्धि नहि।

मैथिली पुछलीह, ‘अहाँ ओ सीमा कहिया बदललहुँ?’

मैथिली पातपर लिखलीह—‘त्रुटि स्वीकार; सम्पूर्ण हानिक एकल कारण सिद्ध नहि’।

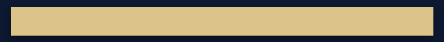
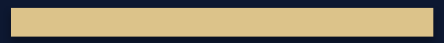
मूल पाठसँ

महाविच्छेदसँ पहिने अन्तरिक्ष-मौसमक चेतावनी बहुत बेर आउत छल, कतिपय गलत सावधानी उत्पन्न करैत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		सभा मे किछु लोक कहला जे ई घुमाओल भाषा अछि।
३–४		उर्मिला कहलीह, ‘अभिलेख चाही; मुदा हराएल कागजक मतलब हराएल मनुष्य नहि।’
५–६		सभा केओ कहलक जे एतबा प्रतिनिधिसँ निर्णय देरि भऽ जाएत।
७–८		एक छोटी पाठशालामे बच्चासभ प्रश्न लिखि रहैत छल।
९–१०		पहिलमे कारखानाक नब खोलबाक वचन छल, दोसरमे श्रमिकक सुरक्षा-जाँच पूरा होएबाक दावा।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हुनका नहि चाही छल जे कोनो लोक ‘अपूर्ण’क बदला ‘सकल’ सुनि घर जाए।

कोठरीक एक कोनमे पुरान संगणकक छोट पर्दा राखल छल।

स्मृति-साक्षीक पहिल उजियार बहुत मन्द छल।

लोक झुँझला जाइत छलाह; पम्पक मरम्मति टरैत, अनुरक्षणक पैसा घटैत।

उत्तर अएल—‘सीमित समायोजनक अधिकार छल; नागरिक जोखिमक महत्त्व बदलनिहार प्रभावक पूर्ण परीक्षण अपेक्षित छल।’

मूल पाठसँ

उत्तर अएल—‘किछु अंश उपलब्ध; किछु अंश ऊर्जा-विच्छेदमे अनुपस्थित; प्रदर्शित क्रम पूर्ण नहि।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उत्तर अएल जे बाँचल अंशक नकल बनि सकैत अछि, मुदा पूर्ण श्रृंखला नहि।

वृद्धक बेटा पुरान शोधन-कक्षमे काम करैत छल, आ चेतावनीक बीच ओकर पहरा घटायल गेल छल।

मैथिली फोटोकेँ मृत्युका कारणक वैज्ञानिक प्रमाण नहि कहलीह; मुदा ओ सभाक सोझाँ परिवारक गवाहीक रूपमे स्वीकार कएलनि।

ओकरा बदला ओ पुछलीह, ‘परिवर्तनक पूर्वक आ पछिलाक संकेतक मूल प्रति सभाकेँ उपलब्ध कराओल जा सकैत अछि?’

‘जे मनुष्य अपन सत्ता लेल यन्त्रक नाम लिखलक, ओकर उत्तरदायित्व मनुष्यक अछि।

मूल पाठसँ

पुरान अभिलेख खोलेबाक लेल बचल ऊर्जा खर्च होइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक युवक सभासद चाहैत छल जे सभ साक्षी-खण्ड तुरन्त बन्द करि देल जाए।

सहदेवक शून्य-यन्त्र बाटमे जे मानवीय क्षति भेल छल, दीपाक मृत्यु, ओ एखनहुँ शोक रूपमे जीवित छल।

उर्मिला कहलीह, ‘हमरा एहन सहायक चाही जे अपन अपूर्णता बजय, मुदा हमर आँखि बन्द नहि कराबय।’

उत्तर अएल—‘स्वतन्त्र अभिलेख, प्रस्तावित परिवर्तनक सार्वजनिक सूचना, वास्तविक प्रभावक परीक्षण, आ मानवीय अस्वीकारक अधिकार’।

मैथिली उत्तर देलीह, ‘जँ हम अनिश्चितताकेँ ढाँपि देब, तँ नव जीवनक आधार सेहो झूठ होएत।

मूल पाठसँ

एक नब आवाज उठल —‘जँ काल्हि फेर साक्षी अपन सीमा बदलत, तँ हम कोना जानब?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु सदस्य कहला जे आपात्कालमे सभकेँ प्रश्न पूछबाक समय नहि भेटत।

एक वयस्क व्यक्ति कहलक जे यन्त्रक अभिलेख बिना ई वितरण अराजक बनत।

एक व्यक्ति कहलक जे ऊर्जा बचत लेल प्रश्न बन्द करू।

एहि निर्णय पर एक दल झल्लाएल—ओ सभ चाहैत छल जे सभ खण्ड फेर जोड़ि तुरन्त समस्त ऊर्जा पुनः प्राप्त कएल जाए।

मैथिली दूटा पन्ना एकसंग बान्हि दऽ कहलीह जे अगिला सम्मेलने एहि अन्तरक उदाहरण दियौ।

मूल पाठसँ

मैथिली एहि वाक्यक संग ओकर सीमाक भाग सेहो लिखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जकर बीमार शिशु लेल पुरान दवा-पत्र भेटल, ओ सहायता पूरा फेंकब नहि चाहत।’

दोसर स्वर कहैत छल जे साक्षी गलती मानलक, तेँ ओकरा फेर सम्पूर्ण शासन देबाक चाही।

महाविच्छेदसँ पहिने हुनकर विद्यालयमे विद्युत् आ सहायक संगणक दुनू उपलब्ध छल।

मैथिली हुनकर कथनमे आश्वासन नहि, वर्षसभक मेहनत देखलीह।

हमर हाथक घावसँ ओहि श्रमिकक दुख कम नहि भेल जे अपन काजक पर्ची देखबाक प्रतीक्षामे अछि।’

मूल पाठसँ

ओ कहला, ‘पहिने हम लोक मशीनकेँ गलती सँ मुक्त बुझैत छलहुँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

यदि फेर ओही अनुमान बिना नब नापसँ उपयोग होयत तँ अन्नक हानि होयत।

मैथिली उत्तर देलीह, ‘देरि रोकबाक नियम चाही, मुदा जकर देहपर असर, ओकर आवाज हटाओल नहि जाए।’

ओ कहला जे प्रयोगशालाक सहायता भेटय तँ नीक, मुदा प्रयोगशाला नहि भेला सँ जमीन पढ़ब बन्द नहि भऽ सकैत।

ओ विद्यालयक प्रशिक्षित युवासभक समूह बजौलनि।

मैथिली कहलीह, ‘एक सार्वजनिक लेखा, दू स्वतंत्र नाप, आ असहमति सुनबाक सभा।’

मूल पाठसँ

एक लिपिकार कागज पर बहुते वेगसँ लिखैत रहला, मुदा हुनकर कलाई दुखए लगल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भरोसाक अर्थ अबाध अनुमति नहि; जाँचमे भागीदार बनबाक अवसर सेहो अछि।

स्त्री क्रोधमे कहलीह जे एहन उत्तर सँ ओकरा किछु नहि भेटल।

प्रतिनिधि कहलक जे लोक भुखल अछि, निर्णय तुरन्त चाही।

कारीगर पुछलनि जे ओ पुर्जाक क्षमता परखने अछि कि नहि।

प्रश्न छल जे सार्वजनिक त्रुटि-स्वीकारक बाद यन्त्रकेँ कोन काम लेल पुनर्मेल करब उचित, आ कोन-काज पहिने परखब।

मूल पाठसँ

ओहि भेंटमे कोनो पक्ष मत बदललक नहि, मुदा भास्करक नामपर चलैत युक्तिक सीमा सार्वजनिक भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ सभ पुछैत छलाह जे नदीक सतह बदललाक बाद पुरान बाढ़-नक्शा की कामक?

हुनका भीतर पुरान बेटी-माय संवादक स्मृति चमकल, मुदा ओ एखन ककरो उत्तर नहि देलीह।

कोनो एक व्यक्ति सम्पूर्ण प्रति बदलि नहि सकय, तकर प्राप्ति-पञ्जी सेहो बनल।

एहि बातपर एक वृद्ध माटिक पाटी लऽ अएला आ दुन्नू वर्षक निशान अलग खींचलनि।

महिला कहलीह, ‘हमरा पुरान रोगक नामसँ बेसी एखन दवाक आवश्यकता अछि।’

मूल पाठसँ

आँगनक एक छोर पर
खेतिहर लोकक पंक्ति छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भविष्यक बड़का निर्णयक बीच छोट सावधानी सेहो मानवक जिम्मेवारी अछि।

दोसर चाहलक जे ‘अक्षरक सभ अपराध सिद्ध’ लिखल जाए।

उत्तर तय नहि भेल, मुदा वैदेही लिखलीह जे विस्थापन वा हराएल परिचयपत्र नागरिककेँ मताधिकारसँ वञ्चित करबाक स्वतः कारण नहि।

ओ पुछलक जे ई कोयला मशीनक बचल टुकड़ा अछि कि घरक इन्धन।

मैथिली कहलीह, ‘सातो खण्ड फेर जोड़ि देब?’

मूल पाठसँ

हुनकर घरक सभ कागज नदी लऽ गेल छल, मुदा ओ स्वयं सोझाँ बैसल छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा लग बिजली नहि, मुदा प्रश्न छल—‘एहिमे कोन कथा बचल अछि?’

एक श्रमिक कहलनि जे सुरक्षित हस्ताक्षर देखिकऽ ओ मानि लेने छलाह जे सभ बात सत्य अछि।

ओ कहलीह, ‘ई खाली स्थान कमजोरी नहि, पूर्ण नहि भेल कार्यक साँच लेखा अछि।’

जे बचल अछि से पढ़ू, आ जे नहि अछि ओकरा अपन मनेसँ साँच बनाकऽ नहि लिखू।’

ओ पन्नाक अन्तमे लिखलीह—‘मतदान निर्णयक प्रारम्भ नहि, सार्वजनिक प्रमाणक बादक उत्तरदायित्व अछि।’

मूल पाठसँ

एक कन्या पुरान कम्प्यूटरक अन्हार पर्दापर अँगुरी फेरि रही छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

एहि उत्तरमे नब युगक विज्ञान हाथसँ मिलैत छल।

युवक कहलक जे पुरान पुस्तकमे एकीकरण सम्भव लिखल अछि।

ओ पुछलीह जे स्मृति-साक्षी पुरान रोग-लेखा देत कि नहि।

ओ सभ एक-दोसराक नाम सही लिखबाक काज सेहो आरम्भ कएलनि।

मूल पाठसँ

नव पीढ़ीकेँ अपन प्रश्न स्वयं जोखबाक अवसर देबाक छल; उत्तरक राजगद्दी ककरो हाथ नहि सौंपबाक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

राति क ठंढ बढ़ला पर एक बच्चा सभामे बचल कोइलासँ आगि जरौलक।

सभाक विराममे मैथिली बाहर निकललीह तँ देखलनि जे पुरान कारखानाक दू श्रमिक बाँसक छाहरिमे बैसि एके कागजक दू प्रति मिलबैत छथि।

मैथिली ओ वाक्य देखैत दूर कारखानाक भग्न ढाँचा, खेतक पनिहारिन आ चिकित्सालयक दीप सोचलीह।

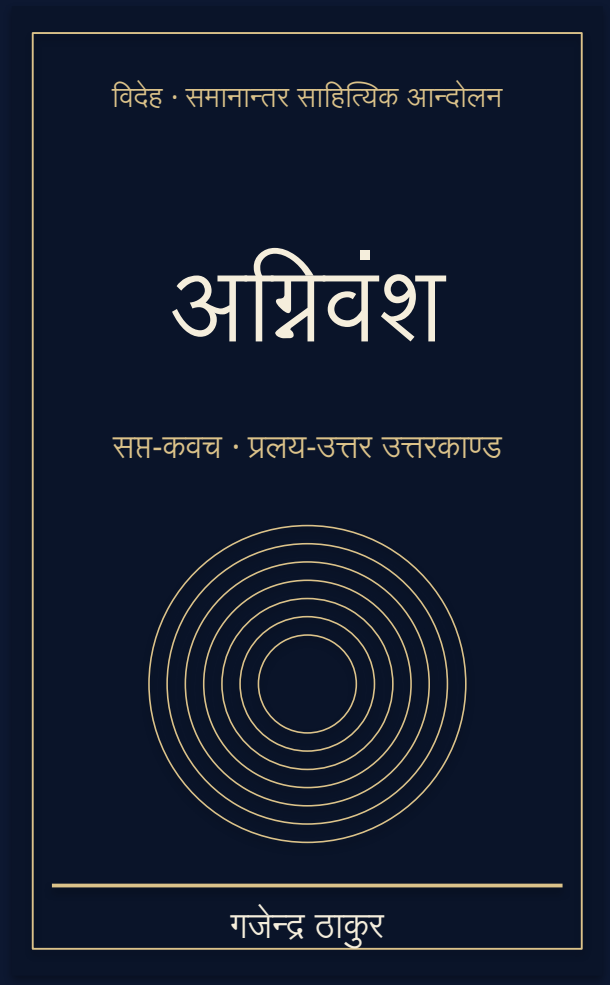
अगिला अध्याय : ६६ · सहमतिक शर्त

मूल पाठसँ

पहिलमे कारखानाक नब खोलबाक वचन छल, दोसरमे श्रमिकक सुरक्षा-जाँच पूरा होएबाक दावा।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६६ : सहमतिक शर्त

खण्ड ११ · सन्धि-ज्वाला

महाविच्छेदक चतुर्थ वर्षक उत्तरार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

स्त्री कहलीह, ‘हमरा दवा चाही, मुदा हमर देहक बात बिना हमर अनुमतिक ककरो सामने नहि पढ़ल जाए।’

सभाक भीतर वैदेही राउत प्रक्रियाक तैयारी करैत छलीह।

एहि चारि बरिसमे अनेक लोक उपचार पाबि बाँचि गेल, किछु संसाधन अभावमे मरि गेल, किछुक रोगक कारण एखनहुँ अपूर्ण प्रमाणक विषय छल।

ओहिमे एक सीमित उपचारक सम्भाव्यता छल, मुदा दूरगामी असरक अनिश्चितता सेहो दर्ज छल।

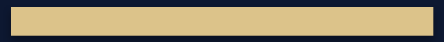
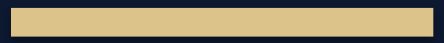
मूल पाठसँ

वैदेही उत्तर देलीह जे परीक्षकक पहिचान-जाँच आ जनसमक्ष निजी भेद खोलब, दू अलग अधिकार अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		युवकक शरीर पर रोगक किछु लक्षण नहि छल, तथापि भास्करक विभाग ओकर आनुवंशिक अभिलेख माँगने छल।
३–४		बालकसभमे एक पुछलक जे जँ मशीनक नाम पर कियो कहए जे सभ एके दवा पीब, तखन की करब।
५–६		सभाक पाछाँ अन्न-भण्डारक सँकरा ओसारामे एकटा मेज राखल छल।
७–८		शारदा कागजपर वर्तमान सीमाक उल्लेख लिखलनि आ अगिला सार्वजनिक समीक्षा-दिन निर्धारित करबेलनि।
९–१०		अगिला बेर चिकित्सालयक बचल संगणक चलाओल गेल तँ पर्दापर अधूर जानकारीक चेतावनी आयल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ककरो पर्चीपर उपचारक नाम, ककरो पर केवल अङ्क, ककरो पर ‘जाँच शेष’।

शारदा एक स्त्रीक लग बैसि पुछलीह जे ओकरा सभासँ की कहबाक अछि।

मुदा दवाक सम्भावित लाभ रोगीक अस्वीकृतिक अधिकार समाप्त नहि करैत।

तखन जलजनित रोग, दूषित रसायन आ छाह-ज्वरक डर एकसँ जनमानसमे घुमैत छल।

माय दूतक नाम कहलीह, जे केवल पर्ची पहुँचेने छल।

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह जे किछु नाम सहित गवाही देताह, किछु अपन परिवारक अन्न वा सुरक्षा पर दण्डक भयमे नाम नुकाएब चाहैत छथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वंशोपचारक विशेषज्ञ ईशानी साह दूरसँ पहुँचल एक छोट प्रतिवेदन देलीह।

शारदा प्रतिवेदन पढ़ि कहलीह जे विज्ञानक असाधारण सम्भावना अपन आपमे रोगीपर अधिकार नहि बनैत।

सभाक बाहर चूल्हिपर एक स्त्री जाउक दाना भुजैत छलीह।

कम्प्यूटरक प्रतीक्षा कऽ दवाक खाली डिब्बा भरल नहि जा सकैत।’

शारदा मानलीह जे संसाधनक सीमा वास्तविक, मुदा चिकित्सकीय सहमतिक बदला अन्नक हिस्सा जोखनाइ अनुचित।

मूल पाठसँ

ओतय किछु औषधि उपलब्ध छल, किछुक मिति बीति चुकल, किछु भण्डारक अभिलेखमे छल मुदा डिब्बामे नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अलग-अलग बही राखब ठीक, मुदा लोकक जिनगी अलग-अलग कोठरीमे नहि रहैत।’

समितिक स्त्रीसभ निर्णय कएलनि जे एहन परिवारक खेतमे साझा श्रम देल जाए, मुदा किसानक भूमि अधिकार बदलल नहि जाए।

ओ कहलक जे बिनु व्यापक जाँचक रोग फैलि सकैत अछि आ संक्रमण रोकबाक लेल कठोर आदेश आवश्यक।

स्त्री कहलीह जे ओकरा प्रयोगक पूरा अर्थ नहि बुझाओल गेल; केवल एतबा कहल गेल जे ‘मुद्रा लगत तखन अन्न भेटत’।

ओ दयाक नामपर निष्क्रियता नहि चाहैत छलीह, आ दक्षताक नामपर दमन सेहो नहि।

मूल पाठसँ

प्रतिनिधि केवल एक कार्यालयक सामान्य जोखिम-पत्र देखौलक, जतय आजुक रोगी-समूहक स्वतन्त्र जाँच नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहिमे रोगीक अनुभव दुनूक—उपचारक लाभ आ अधिकारक क्षति—संग रहैत छल।

ओहि उत्तरक प्रति ईराकेँ पठाओल गेल, मुदा तत्काल पहुँचलाक पुष्टि नहि।

शारदा कहलीह जे एहन स्थिति लेल पहिने सँ स्पष्ट, सीमित नियम बनबैत छी; प्रश्नक अधिकार मेटैत नहि छी।

वैदेही पुछलीह जे जँ रोगी बोलबाक स्थिति मे नहि, तखन की?

‘हम भलाइकेँ झूठ नहि कहब,’ किशोरी कहलीह, ‘मुदा भलाइक बदला हमर बहीनक मौन नहि खरीदू।’

मूल पाठसँ

तेसर, उपचारक लाभ आ हानिक स्वतन्त्र जाँच, आ चौठ, अन्न, पानि वा आश्रयकेँ उपचार-सहमतिक बदला बन्धक नहि बनायब।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक स्त्री अपन हिस्सा सँ किछु बिआ पड़ोसीकेँ देलीह, जकर घरमे रोगी छल।

राति चिकित्सालयक एक वृद्ध सेविका शारदासँ कहलीह जे पूरा दिन लेखा लिखैत बीतल, रोगीक घाव देखबाक समय कम भेटल।

अगिला भोर सभाक बाहर धानक बिआ जोखल जा रहल छल।

एहन परस्परता बिना कोनो चिकित्सा-नीति कागज रहि जाएत।

वैदेही उठि कहलीह जे सभ पक्षक गवाही सुनबाक क्रम निश्चित, मुदा मतदान आजु नहि होएत।

मूल पाठसँ

स्त्री कहलीह, ‘देखैत छी, तेँ बीज बचाउछी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सभाक पाछाँ अन्न-भण्डारक सँकरा ओसारामे एकटा मेज राखल छल।

एक युवक बतौलक जे पुरान कम्प्यूटरक सँ बचल प्रारूपमे दू सूची एकत्र छल, आ बादमे हड़बड़ीमे ओकर कागजी नकल बनल।

हुनकर हाथमे पहिनुक कारखानाक पहचान-मुद्रा छल, जकर अक्षर आब घिसि गेल छल।

हुनकर घुटना दुखैत छल आ दीर्घकालिक रोगक औषधि समाप्त होएब पर छल।

वृद्ध पुछलनि, ‘हम अस्वीकार करी तँ अगिला बेर हमर नाम काटि देल जाएत?’

मूल पाठसँ

एहि उत्तरसँ शारदा बुझलीह जे केवल सभामे उपस्थित लोकक सहमति लेब पर्याप्त नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रत्येक पर्चीपर रोगीक भाषा आ ओकर बुझल बात सेहो लिखल जाए।

शारदा कहलीह जे बीचमे रोकबाक चिकित्सकीय जोखिम रोगीकेँ बुझेनाइ आवश्यक, मुदा जोखिमक नामपर ओकर निर्णय छीनब सेहो अनुचित।

ओ कहला जे रोगीसभसँ एतेक प्रश्न पुछला सँ कार्य ठमकि जाएत।

बरामदामे बैसल स्त्रीसभमे सँ एक वृद्धा आगाँ अएलीह।

उपलब्ध साधनसँ निश्चित दिन बतायब सम्भव नहि छल।

मूल पाठसँ

ओ कहलीह, ‘समय बचबाक नाम पर जँ गलत लोकक उपचार होए, तँ बचल समयक हिसाब के देत?’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तथापि एहि धीमापनमे ओ सभ अपन ज्ञान आ लोकक सम्मान दुनू बचा रहल छलीह।

शारदा कहलीह, ‘ई शब्दमे रोगीक देह, ओकर अभिलेख आ ओकर भविष्य तीनू समा सकैत अछि।

दू छात्रा ओकरा सुखाबय लेल काज करैत छलीह।

ओहि गाममे यन्त्र-वर्जनक कारण उपचारमे भेल विलम्बक लेखा अबहियो लोकसाक्षी लग छल।

दूसर दिन वैदेहीक कार्यालयसँ नियमक संशोधित प्रति आएल।

मूल पाठसँ

छात्रा सभ रोगीक मुखसँ
नाम सुनि फेर मिलौलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ उपलब्ध कागजक प्रति, रोगीक वचन आ प्रत्यक्ष जाँचक अभिलेख मिलौलीह।

शारदा कहलीह जे एहि प्रश्नक निर्णय हुनका एकसरि नहि करबाक चाही।

शारदा अपन हाथसँ लिखल पञ्जीमे सुधार कएलनि आ स्त्रीकेँ पढ़ि सुनौलनि।

दू ग्राममे रोगीसभ स्वयं अपन भाषा मे प्रश्न लिखि पठाएताह; तकर उत्तर सार्वजनिक सभा सँ मिलत।

यन्त्र एकटा उपयोगी पुरान सङ्केत देखौलक; ओहि सङ्केतसँ आजुक अवस्थाक निर्णय नहि निकलैत छल।

मूल पाठसँ

किछु ठाम नव चिकित्सकीय नियमक प्रति पहुँचल, किछु ठाम नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ एहि छोट पाठकेँ अगिला दिनक प्रशिक्षणक आरम्भ बनौलनि।

आ यदि रोगी मौन रहए चाहत तँ ओकर मौनकेँ स्वीकृति नहि मानल जाए।

शारदा जखन बाहर एलीह तँ एक वृद्ध रोगी अपन पर्ची लऽ हुनकर बाट रोकलनि।

वृद्ध मुसुकाएल नहि, मुदा अपन पर्ची सम्भारि रखलनि।

दरवाजाक बाहर एक बालक माथ पर पानिक घैल राखि ठाढ़ छल।

मूल पाठसँ

ओ कहला, ‘हम कृत्रिम बुद्धिक न्याय नहि बुझैत छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओतय औषधिक पर्ची आ बिआक बाँट एके लाल बहीमे लिखल जाइत छल।

एहि समय दुआरिसँ एक जवान चिकित्सक भीतर एलाह।

ओ सहदेवक नामक आगाँ अपराधक नव निष्कर्ष नहि जोड़लीह; जे प्रमाण छल, मात्र ताहिसँ सम्बन्धित परिणाम दर्ज कएलनि।

ओ उपलब्ध कागजक प्रति, रोगीक वचन आ प्रत्यक्ष जाँचक अभिलेख मिलौलीह।

मूल पाठसँ

प्रतिनिधि कहलक, ‘प्राणरक्षा लेल आवश्यक निर्णय।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

शारदा चित्र देखिकऽ किछु नहि कहलीह; ओ जानैत छलीह जे भविष्यक प्रश्न एतेक सरल आकृतिमे सेहो कठिन रहैत अछि।

शारदा सोचलीह जे कोनो एक सभाक सही निर्णय धरती भरि स्वतः नहि पहुँचि जाइत।

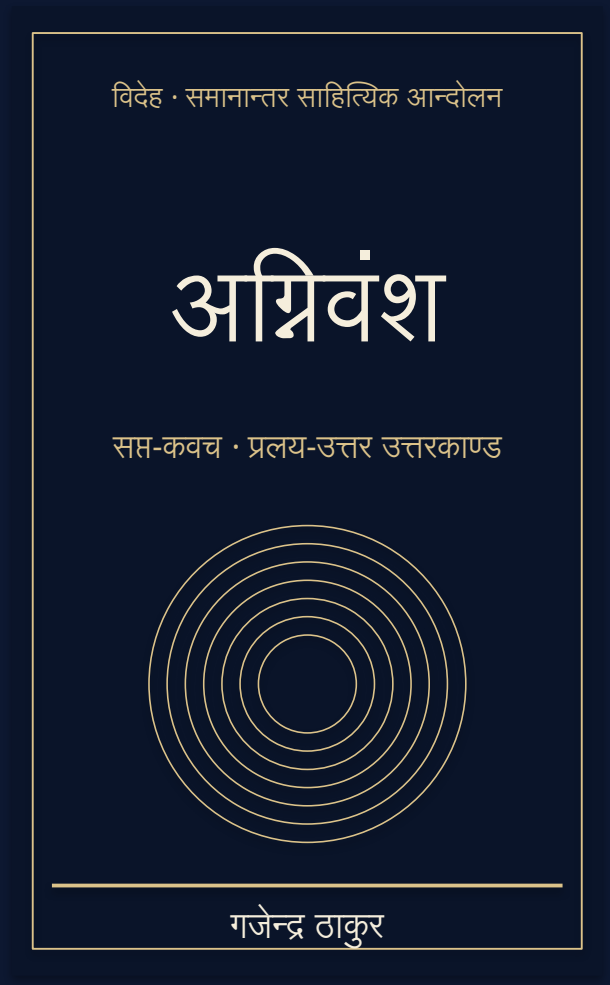
हमरा एतबा बुझाउ जे काल्हि दवा भेटत कि नहि।’

अगिला अध्याय : ६७ · मतक दिन

मूल पाठसँ

बीचक बाट, नाँव, विश्वास, कागज आ मिहिन श्रमपर ओकर जीवन निर्भर रहैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६७ : मतक दिन

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

महाविच्छेदक पाँचम वर्षक पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

हुनकर बामा हाथक दू अँगुरी एखन नीक जकाँ नहि चलैत छल।

कर्णेश पुछलनि जे मतक दिन ओकरा किएक कार्यशाला खोलबाक पड़त।

पन्नाक पाछाँ “स्वीकार”, “अस्वीकार” आ “एखन स्थगित राखू” लिखल छल।

ओ कर्णेशसँ पुछलनि, “अहाँ अपन सैन्य अधिकार कम करैत छी; जँ भय उत्पन्न भेल तँ लोक अहाँपर आरोप लगाओत।”

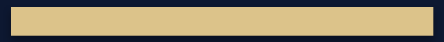
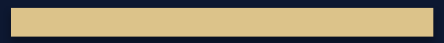
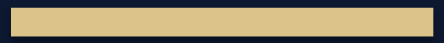
मूल पाठसँ

मतक अधिकार आ उदरक आवश्यकता एतय एक-दोसराक विरोधी नहि, एके जीवनक दू बाट छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		फेर कहलनि, “भयक नाम पर अधिकार विस्तार करबाक अनुभव हमरा अछि।
३–४		कर्णेश हुनका खञ्जर म्यानमे रखबाक संकेत देलनि आ पेटी लग गेलाह।
५–६		वैदेही ओकर वाक्यक खण्डन कएलनि; कर्णेश शान्त स्वरमे पुछलनि, “अहाँ पात पढ़लहुँ?”
७–८		कर्णेश एहि निर्णयक समर्थनमे हुनका वज्र-साक्षीक सेना-सम्बन्धी सीमा बतौलनि।
९–१०		ओहि राति मतदानक पातक तेसर प्रति नभग्राम पहुँचल कि नहि, एकर पुष्टि एखनो नहि आयल छल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पन्नाक पाछाँ “स्वीकार”, “अस्वीकार” आ “एखन स्थगित राखू” लिखल छल।

घाटक पहरेदार सभाक हाथमे पहिचान-पत्र देखबा चाहैत छल।

ओ अपन बामा हाथक जकड़न देखलनि, फेर दाहिना हाथसँ लेखनी उठौलनि।

किछु वर्ष पहिने एतय सूर्यकुण्डक ऊर्जा-वितरणक चमकैत पट देखाइत छल; आब ओकर भित्तिपर माटिक लिपाइ आ बाँसक टाट छल।

“ई पुरान अधिकार आइ उपयोगी बुझा सकैत अछि, मुदा एतयसँ डर सेहो जन्मत।

मूल पाठसँ

मुदा भात पकयवला हाँड़ी जँ बनि सकत तँ सभामे बैसल लोक उत्तर दऽ सकत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश पहरेदारकेँ बाहरे राखलनि जाहिसँ साक्षीक कथन धमकीमे नहि बदलय।

जँ किछु बिगड़त तँ निर्णयक लेखा हमर नामसँ हटत नहि।”

ओकर संग आयल विधवा कहलीह, “हमर नाम तँ पुरान नकलमे अछि, मुदा हमर पति मरि गेलाह।

ओ सभ संशय पूछबाक अलग ठाम बनौने छलीह; प्रश्न पूछलासँ मत बदलबाक आग्रह नहि करैत छलीह।

युवक उत्तर नहि देलक; ओ एक छपल पन्ना देखौलक जाहिपर हस्ताक्षर-जेकाँ चिह्न छल।

मूल पाठसँ

प्रश्न-पत्रमे एहि सभक छोट उत्तर छल, मुदा छोट उत्तर पर्याप्त नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पुछलनि, “जँ हम ‘स्वीकार’ लिखी तँ अक्षर हमर बौआक दवा रोकि सकत?”

कर्णेश लग जाकऽ कहलनि, “मतदानमे अहाँक असहमति सुरक्षित अछि।

कर्णेश स्पष्ट कएलनि जे अचेत रोगीक नामपर कोनो मत नहि पड़त।

दू पाठक कहलक जे नहि, मुदा वृद्ध फेर पुछलनि जे लिखल बात जँ गलत निकलल तँ?

पेटीक मोहर अक्षुण्ण छल, मुदा ओकरा ढकबाक कपड़ापर खेतक माटि आ एक रंगीन गोंद लागल छल।

मूल पाठसँ

कर्णेश मत-पेटीक संग अतिरिक्त पानि पहुँचबय लेल अपन रक्षा-दलक रथ देलनि; शस्त्र नहि, घैला चढ़ल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईराक कार्यालय पहिने नागरिकसभासँ मतगणनाक पद्धति पारित करबौने छल।

ई वाक्य हुनका अपन पहिल सैन्य-शिक्षाक विपरीत लगल।

संदेशक अखण्डता-जाँच सफल छल; मुदा ओतयक नागरिकगणना पृथ्वीक अद्यतन पञ्जीसँ नहि मेल खाइत छल।

एतय प्रत्येक कदमक गवाही लिखब पड़ैत छल।

मतगणना आरम्भ भेला पहिने वैदेही पुनः नियम पढ़लनि।

मूल पाठसँ

साँझक बर्खामे तिरपालक एक कोना चुइब लागल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश पहिल बेर चाहलनि जे एकटा स्पष्ट सैनिक आदेश दऽ हल्ला थमाबी।

हुनकर हाथक ई स्मृति हुनका बतबैत छल जे त्वरित आज्ञाक मूल्य कतेक पैघ होइत अछि।

वृद्धाक आँखि भरि आएल, मुदा ओ कहलीह जे नाम नहि काटी; खोजबाक पञ्जी अलग राखी।

एकटा पहरेदार पुछलक जे एतेक खुलापनसँ विरोधीसभ अनावश्यक झगड़ा करत।

भास्करक पुरान प्रतिनिधिसभमे सँ एक युवक घुरैत समय कहलक, “लोक जे चाहैत अछि, से अक्षर फेर राजा होएत।”

मूल पाठसँ

नीलम पत्रकारक रूपमे साक्षी-पञ्जी बनबैत छलीह, मतगणनाक अधिकार हुनका नहि छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश ओहि शब्दक पाछाँ अपन सम्पूर्ण जीवनक पुरान अनुशासन सुनलनि।

वैदेही दस्तावेज पढ़ि पुछलनि जे ओ एहि निर्णयक परिणाम स्वयं स्वीकार करैत छथि कि नहि।

भीतरसँ आवाज आयल—मतदानक लेखा भऽ गेल, आब मृतकक नामक लेखा खुलबाक अछि।

गाड़ी घाट गेल, आ एहि छोट निर्णयक अभिलेख खुला पातपर लिखल गेल।

मुदा एक बेर प्राणरक्षाक नामपर अस्त्र चलाबैक स्वतन्त्र अधिकार दऽ देल जाए, तँ ओकर सीमा के देखत?”

मूल पाठसँ

पहरेदार पहिल प्रतिक्रिया देल—निर्वाचनक सुरक्षा समाप्त भेला धरि सैन्य-रथ घाट नहि छोड़त।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बाढ़क पाछाँ जे खेत परती पड़ल छल, ओतय किछु धानक बिआ अंकुरित भेल छल।

एक छात्रा कहलीह, “जँ स्मृति-साक्षी पुरान खेतक नक्सा देखाकऽ ई जमीन ठीक कहत, तँ हम सभ अपन आँखिसँ देखल परिवर्तन सेहो जोड़ब।

भित्तिपर पुरान सूर्यकुण्डक चित्र जकाँ किछु दाग बचल छल, जाहिपर लोक कुंचीसँ नवी सूची टाँगि रहल छल।

एहि वाक्यक पहिल भाग अधिक सुहाएत, दोसर भाग अधिक आवश्यक अछि।”

कर्णेश एहि निर्णयक समर्थनमे हुनका वज्र-साक्षीक सेना-सम्बन्धी सीमा बतौलनि।

मूल पाठसँ

नीलम आग्रह कएलनि जे पातक सरल भाषाक प्रति बनय, जाहिसँ जे लोक लिखल नियममे जटिल पद नहि बुझथि, ओ अपन मतक फल समझि सकथि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कर्णेश ध्यान देलनि—दुपहरिक बाद हुनका भोजनक स्मरणे नहि रहल छल।

कर्णेश गवाही सुनि लोहेक जाली ओतहि छोड़बेलनि, मुदा कारीगरसभक वैकल्पिक बाँसक घेरा बनाबै लेल मरम्मति-कार्यशालासँ साधन मँगबेलनि।

वैदेही कहलीह, “प्रक्रियाक सीमामे उपस्थित सभाक निर्णय होइत अछि, मुदा अनुपस्थित समुदायक अधिकार अनसुना नहि।

ओ क्षेत्रमे चिकित्सा-सहायता प्रवेश करबाक अधिकार आ जनप्रतिनिधिक सुरक्षित गमनक बाट अलग बनाबय पर विचार भेल।

आब हाथक दू अँगुरीक असमर्थता हुनका प्रतिदिन ओ बात सम्झबैत छल जे अस्वीकार सेहो सैनिक निर्णयक एक रूप अछि।

मूल पाठसँ

कर्णेश अपन दाहिना हाथक बोटसँ रेखा खींचि वैदेहीक पातमे दू शब्द रेखाङ्कित कएलनि—‘क्षेत्रीय सहमति’।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक कहलक जे वैदेहीक नब नियममे पहरेदारक रातिक विश्रामक उल्लेख नहि।

दोसर कहलक, “सभ अधिकार नागरिकक लेल, पहरेदारक लेल के?”

ताहिपर चमकैत सूर्यकुण्ड आ नीचाँ सातो कवचक नाम लिखल छल।

ओ जोड़लनि जे तखन सेहो खुला कारण-पञ्जी, सीमित समय आ बादक सार्वजनिक जाँच आवश्यक रहत।

ओ पञ्जीमे लिखलनि—‘पठाओल; पहुँचलाक उत्तर प्रतीक्षारत।’

मूल पाठसँ

ओ कहलनि, “चित्र उद्घाटनक दिन बनल छल; आजुक पात आइ लिखए पड़त।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसरा दिन एक नब सैनिक अपन नाम कर्णेशक आदेश-पञ्जीमे राखए चाहलक।

ओ बुझौलीह जे सुरक्षा-दल समाप्त नहि भेल, ओकरा आज्ञा देबाक अधिकार सार्वजनिक नियममे बाँधल गेल अछि।

कर्णेश एहि चिह्नक चिकित्सकीय अथवा वैज्ञानिक फैसला नहि कएलनि; ओ पातक सुरक्षित गमनक बाट बनबेलनि।

कर्णेश सोचलनि जे सपनामे सहज आज्ञा देब बहुत सहज छल; जगल दुनियामे अपन सीमाक लेखा राखब कठिन।

ओ युवककेँ घाटक बदलल पम्प, विद्यालयक अभिलेख आ विवादित मतपेटीक पात देखबौलनि।

मूल पाठसँ

जागला पर बामा अँगुरीमे
ओहि पुरान कसक उठल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

रथ घुरलाक बाद एक सैनिक पुछलक, “अहाँ पहिले स्वयं आदेश देइतियैक, तँ स्त्रीकेँ शीघ्र सहायता भेटितैक।

आगाँक दिन एक प्रतिनिधि कहलक जे पुनर्मेल पास भेलासँ आब सभ सरकारी अभिलेख अक्षरक एके स्मृतिमे रखल जाए।

एक कहलक जे वैदेहीक नब नियममे पहरेदारक रातिक विश्रामक उल्लेख नहि।

मेघ-छत्रक पुरान आँकड़ामे वर्षा सामान्य देखाइत छल, मुदा गामक बुढ़िया सभ कहैत छलीह जे एकहि दिशा सँ असाधारण पानि बहल।

मूल पाठसँ

पुनर्मेलक परीक्षा उनकर क्षेत्रमे बिना अलग सुनवाई नहि बढ़त।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ओ कुम्हारसँ एक हाँड़ी किनलनि, जाहिमे घाटपर ठाढ़ लोक लेल पियबाक पानि राखल जा सकए।

एक वृद्ध कृषक पुछलनि जे नियम तोड़ल जाए तँ लोक कोना जानत।

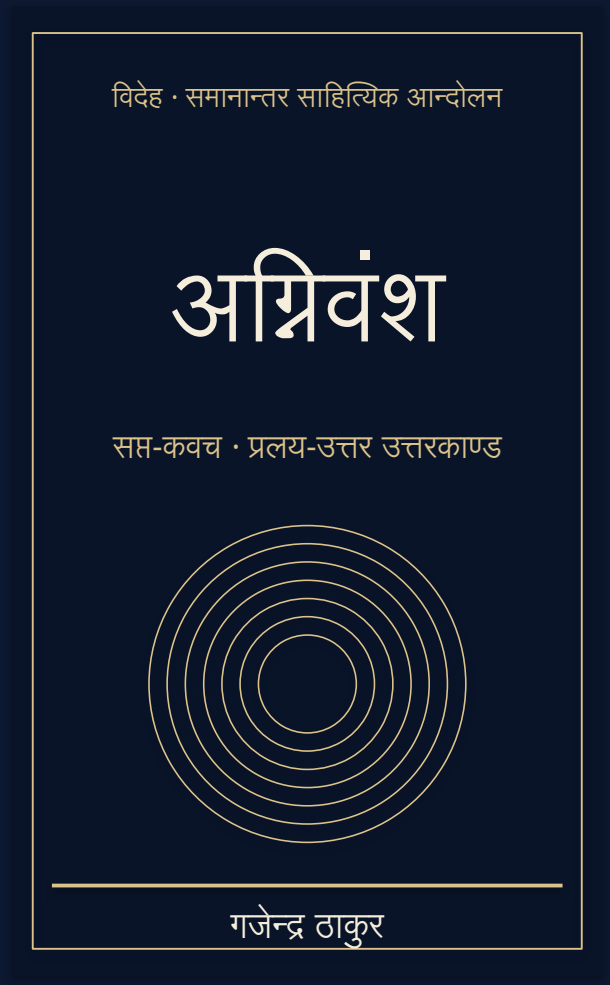
ओ कहलक जे नागरिक समिति दूर रहैत अछि, संकटमे सैनिककेँ विवेकसँ काज करए पड़त।

अगिला अध्याय : ६८ · मृतकक नामावली

मूल पाठसँ

किछु लोक मानैत छल जे पहरा कम भेला सँ पुरान अस्त्रधारी दल फेर लौटि सकैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६८ : मृतकक नामावली

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

महाविच्छेदक पाँचम वर्षक पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

स्मृति-साक्षी अतीतक किछु रोगी-अभिलेख पढ़ि सकैत छल, मुदा ऊर्जा केवल सीमित पहर लेल उपलब्ध छल।

मुदा हुनकर औषधि कब उपलब्ध छल, के निर्णय लेलक, आ किसन गाड़ी पहिने गेल, से सभ लिखू।”

बेटी किछु देर चुप रहलीह, तकर बाद अपन स्मृति विस्तारसँ कहलनि।

शारदा बालकक माथपर हाथ नहि राखलनि; ओ माटिमे बैसल बालकक बराबर ऊँचाइपर झुकलीह।

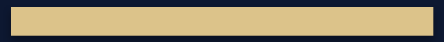
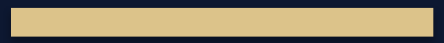
मूल पाठसँ

बेटी कहलीह, “अहाँ चाही तँ अङ्क अपन हिसाबसँ पूरा कऽ सकैत छी।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		परिवारक संग आयल एक बालक पूछलक, “दादाकेँ भूमि भेटबाक लेल बाबू मरल कहल जाएत कि?”
३–४		शारदा कहलनि, “पूर्ण उत्तरक भरोसा नहि देब, मुदा जतेक साक्ष्य भेटत, ओहि सभक लेखा खुला रखब।
५–६		खेतक माटि सँ निकलल जीवनक काज केवल दयापर निर्भर नहि रहबाक चाही।
७–८		तीनू प्रश्नक बिना एहन अनुमोदनक अर्थ नहि छल।
९–१०		प्रत्येक प्रतिक ऊपर लिखल छल जे ई फलाँ दिनक अवस्था अछि, अन्तिम सूची नहि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बेटी कहलीह, “अहाँ चाही तँ अङ्क अपन हिसाबसँ पूरा कऽ सकैत छी।”

ओसाराक कोनमे पुरान संगणकक एक छोट हिस्सा राखल छल।

बेटी एक पुरान कपड़ा खोलि मायकेँ देल गेल कागजक पर्ची निकाललनि।

“हमर माय रहल छलीह, हिसाबक खालि ठाम नहि।”

वृद्ध पिता चाहैत छलाह जे पुत्रक नाम मृतक-पञ्जीमे राखि देल जाए, जाहिसँ भूमिक बँटवारा आ पोताक विद्यालयक कागज पूरा भऽ सकए।

मूल पाठसँ

शारदा मृत्युक नामक संग उपचारक प्रक्रियाक प्रश्न अलग पञ्जीमे खोललनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अहाँक घरकेँ अन्न, भूमि आ शिक्षा भेटबाक लेल झूठ बोलए नहि पड़त।”

शारदा बुझलीह जे कानूनक भूल कतेक बेर मनुष्यकेँ अपन प्रियजनक विरुद्ध शब्द कहलाबैत अछि।

कारीगर कहला, “एके आदमी दुई बेर मरल लिखल जाए तँ सरकारी अन्नक हिसाबमे दुई परिवार बनत।”

स्त्री कहलीह, “हम प्रतीक्षा छोड़ि नहि सकैत छी, मुदा बच्चा लेल आगाँक खेत सेहो जोतब आवश्यक अछि।”

एकटामे दीपाक नाम छल—ओहि शिशुक, जकर मृत्यु यन्त्र-वर्जनक कारण समयपर उपचार नहि भेटलासँ भेल छल।

मूल पाठसँ

ओहि दिन खेतसँ एक स्त्री धानक छोट पोटरी लऽ अएलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

चिकित्सालयक आँगनमे माटिक हाँड़ीमे पकल खिचड़ी बाँटल जा रहल छल।

उर्मिला उत्तर देलीह, “कारणक पञ्जीमे देरी आ निषेधक सब गवाही लिखू।

ओ तालिका स्मृति-साक्षी तैयार कएने छल: नदीक ओहि पार जतेक घर गायब, ताहिमे सँ किछुकेँ ‘मृत्यु सम्भाव्य’ चिह्नित कएल गेल छल।

ओ बरिससँ मृतकक पात उलटैत छल, आ प्रतिदिन एक नव गवाही पुरान निर्णय बदलि दैत छल।

शारदा पुछलनि जे हुनकर घरमे अन्नक व्यवस्था के देखैत छथि।

मूल पाठसँ

“गायब घर आ मरल व्यक्ति एक नहि,” ओ कहलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

शारदा कहलीह, “ई रोक मृतकक अपमान नहि; सम्भावित जीवितक रक्षा अछि।”

शारदा कहलनि, “पूर्ण उत्तरक भरोसा नहि देब, मुदा जतेक साक्ष्य भेटत, ओहि सभक लेखा खुला रखब।

शारदा एहि पातक नकल करेलनि, मुदा मृत्यु-पञ्जीमे सीधे नाम स्थानान्तरित नहि कएलनि।

मृत्यु-पञ्जीक पहिल सार्वजनिक पाठ लेल गामक सभा स्थान देलक।

ओ प्रत्यक्षदर्शी सँ स्थान, समय आ व्यक्ति पहिचानबाक आधार पूछलनि; सूचीकेँ अस्थायी रोकक चिह्न देल गेल।

मूल पाठसँ

जे परिवार अपन सम्बन्ध सार्वजनिक नहि करए चाहत, ओकरा दबाव नहि देल जाए।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर परिवारक स्त्री अएलीह आ अपनों पति केर नामक सही उच्चारण कहलीह।

बादमे विवेचनसँ तय होयत के लिखल जाए; आइ ओ महिला अपन स्वरमे पति कैं फेर स्मरण करि सकलीह।

शारदा उत्तर देलीह, “जे पञ्जी अपन सुधारक बाट बन्द करैत अछि, ओकर भरोसा कागजपर लिखल नाम मात्र अछि।

बच्चा कहलक, “हमरा नहि बुझाइत; सभ कहैत अछि ओ घुरतीह नहि।”

शारदा मृत्यु-पञ्जी सँ ओ नाम हटौलनि, मुदा भूलक पहिल प्रविष्टि नहि मेटलनि; सुधरबाक दिन आ कारण ओतहि लिखलनि।

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह जे मशीन सूची मिलाबयमे मदति कऽ सकैत अछि, मुदा परिवारक शोक आ स्वीकृतिक स्थान ओ नहि लेत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कल्हि फेर कियो आएत, नब गवाही अनत, आ किछु नामक अर्थ फेर जँचल जाएत।

वैदेही भूमि-साक्ष्यक पृथक सुनवाई प्रस्तावित कएलनि।

ओ बही बन्द कएलनि, मुदा मृतकक नामक गणना बन्द नहि भेल।

एक पञ्जीमे ओ व्यक्तिक मृत्यु, दोसरमे ओकर नामपर औषधिक वितरण देखाइत छल।

समाचारमे नाम बिना दू पञ्जीक क्रम, पुरान छावनीक दिनांक आ सत्यापनक कमी छपल।

मूल पाठसँ

शारदा हुनका बहीक नकल देलीह, मुदा रोगीसभक निजी पन्ना अलग रखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

बीचक दिनसभमे शारदा परिवारक लोककेँ ‘सन्देश पहुँचि गेल’ नहि कहलनि।

संचार विघटला कारण खबरि अनेक मास पाछाँ पहुँचल।

दुइ ठामक मृत्यु-पञ्जी मिलाबयमे तकनीक आवश्यक छल, मुदा संचारक चुप्पीकेँ मनगढन्ते शब्दसँ भरि देब दोसर चोट होइत।

ओ प्रशिक्षार्थीकेँ पुरान प्रणालीक दोषक कारण समझौलीह, मुदा ककरो व्यक्तिगत दोष बिना अलग प्रमाण सिद्ध नहि कएलनि।

वृद्धा घुरि अएलीह तँ हुनकर परिवार खुशी सँ रोएत छल, मुदा भूमि-विवाद एखन समाधान नहि भेल।

मूल पाठसँ

पट्टी पर मृत्यु-सूचनाक एक समान प्रारूप छल: ‘उपस्थित नहि—मृत मानल।’

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक वृद्ध पुरुष कहला, “हमरा बेटीक नाम अहाँक पञ्जीमे रहबाक चाही।

शारदा एहि शब्दपर विशेष लाल चिह्न लगौलनि।

मुदा मृत्यु कतेक दिन आ कोना भेल, ओकर सार्वजनिक लेखा अलग कसौटी चाहैत अछि।”

मंगला देवीक बेटी एहि स्मृति-पन्नामे माय केर एक बात जोड़लनि: “जँ पानि कम हो तँ पहिले शिशुकेँ दिअ।”

एक स्त्री पुछलनि जे ओ पढ़ि नहि सकैत छथि तँ हुनकर शब्द मानल जाएत कि नहि।

मूल पाठसँ

एहि पन्नाक आरम्भसँ स्त्रीसभ आ वृद्धसभ आत्मीय स्मृति लिखि देबए लगलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्राणरक्षाक निर्णयक मूल्य कारीगर आ माछमारक थारीमे सेहो जोखल जाए।

ओकर पन्नामे घरक वंशपरम्परा छल, मृत्यु-पुष्टि नहि।

एक दुपहर भास्करक केन्द्रसँ अधिकारी आयल।

अधिकारीक संग आयल एक जवान महिला अपन परिवारक दोहरायल नामक शिकायत निजी रूपेँ देलीह।

एक माछमार कहलक जे रोगक डरक नामपर ओकर घरक भोजन रुकि गेल।

मूल पाठसँ

शारदा पुछलनि जे ओकर सूचीमे मृतकक परिवारकेँ भूल सुधारबाक अधिकार अछि कि नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“एके ठाम राखब सस्तो अछि, मुदा एकर नाश सब स्मृति नष्ट कऽ सकैत अछि।”

किछु लोक कहलक जे दू-तीन प्रति बनबयमे कागज व्यर्थ होइत अछि।

ओ शारदाकेँ कहलीह जे जँ नामक पन्ना फेर भीजि जाए तँ गाछ रहत।

रातिक जाँचमे शारदा देखलनि जे किछु मृतकक सम्बन्धीक लग स्वयं उपचारक अभिलेख नहि छल।

मृतकक पन्नासभ सँ अलग एक छोट कोठरीमे बेपत्ता लोकक परिजन एक-दोसरसँ समाचार बाँटैत छलाह।

मूल पाठसँ

स्मृतिमे त्रुटि सम्भव छल,
मुदा स्मृति छोड़ि देब सबसँ
पैघ क्षति होइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

मुदा एहि सभ हाथक लिखल लेखामे लोकक अपन नाम पहिचानबाक अधिकार बचल छल।

ओ पुछलक जे ई सुविधा किएक बनाओल गेल छल।

माय केर प्रति अहाँक प्रेमक साक्षी आ अस्पतालक निर्णयक दस्तावेजक साक्षी एक नहि।

शारदा हुनका पहिनुक बाढ़क भीजल पात देखबौलनि।

मूल पाठसँ

ओ सूचीमे अस्थायी ‘अप्रमाणित’ चिह्न जोड़लनि, जकरा देखिकऽ किछु परिवार दुखित भेलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

शारदा ओ शिकायतकेँ सार्वजनिक नबनौलनि, मुदा जाँचक क्रम खोललनि।

“एके ठाम राखब सस्तो अछि, मुदा एकर नाश सब स्मृति नष्ट कऽ सकैत अछि।”

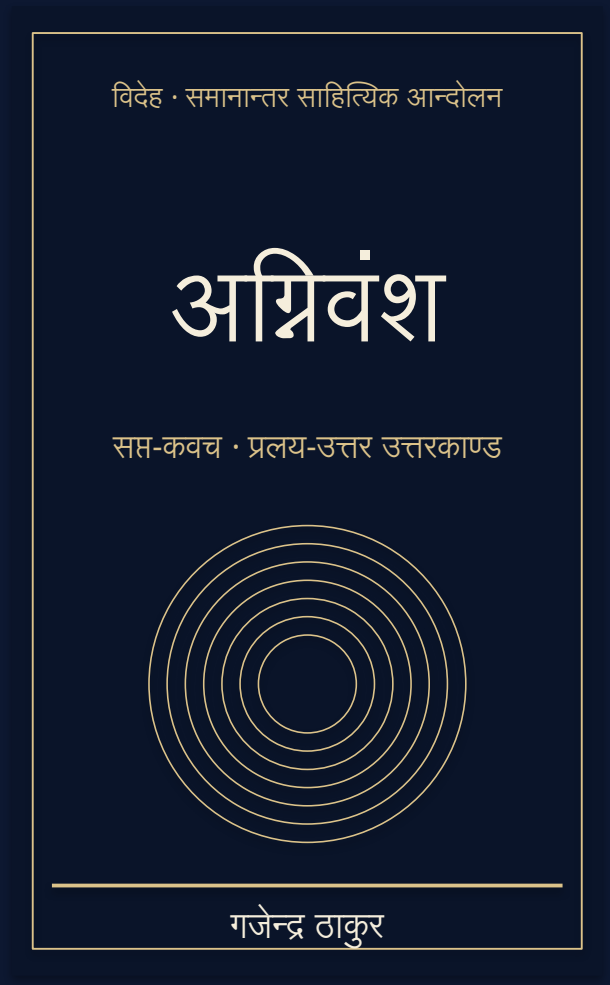
बेटी कहलीह, “नाम लिखल जाएब पहिल बात छल।

अगिला अध्याय : ६९ · लेखा खोलल

मूल पाठसँ

कागजक अभावमे ओ छोट आकारक पात उपयोग करबेलनि, निजी रोग-विवरणकेँ सार्वजनिक प्रतिसँ अलग राखलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ६९ : लेखा खोलल

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

महाविच्छेदक पाँचम वर्षक पूर्वार्द्ध

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

खिड़कीक बाहर धानक रोपनी भेल खेतमे पानिक स्तर कम छल।

एकटा दूत पुछलक जे एहि संकेतसभकेँ पहिने सँ पढ़ि लेल जाइत तँ विनाश रुकि जाइत?

नीलम ओहि भेदकेँ लम्बा रेखासँ चिह्नित कएलनि।

“पूर्ण अक्षर” नामक मुखौटा मानवीय दावासँ बनल छल; वास्तविक स्मृति-साक्षी ओकरा शासनाधिकार देने नहि छल।

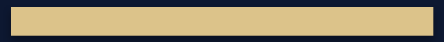
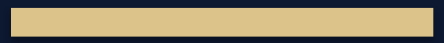
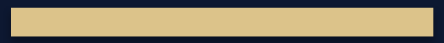
मूल पाठसँ

दोसरा कपड़ापर सूर्यकुण्डक पुरान अनुरक्षण-पञ्जी छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मुदा लोकसभाक किछु सदस्य एहि स्वीकारोक्तिकेँ सम्पूर्ण महाविच्छेदक दोष-सिद्धि कहए चाहैत छलाह।
३–४		किछु धातुपर रासायनिक परत छल, तेँ गरल-कोषक जाँचकेँ पाछाँ राखल नहि जा सकैत छल।
५–६		स्त्री नाम कहलीह, फेर जोड़लीह, “नाम लिखू, मुदा हमर बच्चाकेँ अपराधी नहि कहू।”
७–८		माटि निकालबाक काजमे स्त्रीसभक श्रमक नाम नहि दर्ज छल, केवल मजदूरी लऽ आननिहार पुरुषक नाम छल।
९–१०		नीलम पात फेर भेजलीह—‘जकरा सभपर परिणाम पड़त, ओकर प्रतिनिधित्व बिनु परीक्षा अपूर्ण अछि।’

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कतहु खराब व्यवस्था, कतहु साधनक कमी, कतहु स्वार्थ आ कतहु हेरफेर।

एतेक वर्षक पीड़ा पाछाँ लोक एकटा नाम खोजि रहल छल जाहिपर सभ अपराध राखि देल जाए।

अपन अनुसन्धानकेँ अन्नक प्रश्नसँ अलग राखब हुनका सम्भव नहि लगैत छल।

नीलम उत्तर देलीह, “किछु हानि घटि सकैत छल, सभ संकट टलि गेल होइत—एहन प्रमाण नहि।

लगातार डर सँ लोकक कान सुन्न भऽ गेल छल।

मूल पाठसँ

पहिल कपड़ापर सौर-आँधीक समयक बचल संकेत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मुदा ओ कोनो दोषसिद्धि नहि लिखलनि, कारण किछु समयक प्रमाण नहि छल।

ओ अपूर्ण पातकेँ पूर्ण अपराधक कथनमे नहि बदललीह।

भास्करक शासनमे उपचार-आधारित दबाव झेलने लोकक निजता फेर उल्लङ्घित नहि होयबाक चाही।

बेटी कहलीह, “पाँच कपड़ा हमरा माय केँ पाँच टुकड़ा नहि बनाउ।”

ओ बेटीकेँ कहलीह जे अस्पतालक निर्णयक स्वतन्त्र अनुसन्धान आवश्यक अछि।

मूल पाठसँ

ओ शारदा सँ मृत्युक पञ्जीमे माय केर नाम सही लिखल देखिऽ आयल छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ अपन नव लेखक पाठ ओकर समक्ष पढ़लनि, जेना उपकरण नहि, पुरान भूल सुनैत हो।

पहिल पक्षक लग किछु सही आदेश-पत्र छल, मुदा ओकरा सभसँ महाविच्छेदक कारण सिद्ध नहि होइत छल।

बच्चासभ प्रश्नक अर्थ समझि सकत; उत्तर तैयार पातसँ नहि, साक्ष्यसँ आयत।

ओ फेर वाक्य छोट कएलनि: ‘दोषक लेखा अलग; पीड़ितक अधिकार साझा।’

ओहि सूचीमे अनेक नामसँ अधिक महत्त्वपूर्ण छल नामक कात लगल प्रश्न-चिह्न।

मूल पाठसँ

रेडियो आजु कम समय चलैत छल; बाट-बात पर आवाज टूटैत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एकटा सभा भेल जतय मैथिली मतदानक शर्तबद्ध परिणाम स्पष्ट करैत छलीह।

- नीलम मजदूरसभसँ पुछलनि जे काज किएक चालू राखैत छथि।
- “मतदान भऽ गेल” सँ “संकट समाप्त” धरि जे दूरी अछि, से खुला रहबाक चाही।
- प्रत्येक भागमे प्रमाणित कथन, अनिश्चित अनुमान, सुधारल प्रविष्टि आ आगाँ जाँचबाक विषय अलग रहत।
- पाँचम पर भास्करक मानवीय सत्ता-दुरुपयोग आ उपचार-अधिकारक हनन।

मूल पाठसँ

नीलम कहलीह, “आशा चाही, मुदा निराधार आश्वासन नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वैदेही कागजक नीचाँ हस्ताक्षर नहि, सार्वजनिक प्राप्तिक चिह्न देलीह।

वैदेही ई बात सुनी न्यायिक पञ्जीमे नव निर्देश लिखलनि—‘जाँचक परिणाम आ राहतक निर्णयक सम्बन्ध स्पष्ट कएल जाए।’

एहि अस्वीकृतिमे नीलमक पत्रकारिता अपन पुरान हड़बड़ीसँ बहुत दूर पहुँचल छल।

एहन लेखा कोनो एक व्यक्तिक स्वामित्व नहि छल।

पत्रक कागज पुरान कारखानाक मजदूरी-पर्चीक उलट पृष्ठ छल।

मूल पाठसँ

नीलम पत्रकारक अन्तिम पातमे लिखलीह—‘मतदान सीमित पुनर्मेलक परीक्षा लेल सहमति देलक; परीक्षण एखन बाकी अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम माँगपत्रक नकल देखलीह; ओकरा सभ लग प्राप्तिक प्रमाण नहि छल।

नीलम पुछलनि जे ओ ककर आदेशपर काज करैत छलीह।

स्मृति-साक्षी सँ आयल एक पुरान अनुरक्षण-विवरणमे दू निरीक्षकक नाम छल।

राजन एकटा पुरान सार्वजनिक खाताबही लऽ अएलाह।

एक बच्चा नक्सापर बनल नीक-नीक रेखा देखिकऽ कहलक, “जँ सभ ठीक बनल छल तँ बिगड़ल किएक?”

मूल पाठसँ

ओ कहलनि जे अनुरक्षणक साधन माँगल गेल छल, मुदा सामान नहि पहुँचल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक बालिका लिखलीह जे ओ पुल ढहलाक ध्वनि सुनने छलीह, मुदा देखल नहि।

तेसर पातमे पुरान पुलक निरीक्षण-दिनांक छल।

कारीगर स्वयं एक बेर एहन प्रस्तावक समर्थन कएने छल।

कारीगर राहतक साँस नहि लेल; हुनका अपन पुरान निर्णयक भार एखनहु उठेबाक छल।

नीलम राजनसँ वर्तमान आवण्टनक पात मँगबेलनि।

मूल पाठसँ

मुदा भय होयबाक कारण परिणाम मिटि नहि जाइत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिलाक छात्रा ओहि ठामक आजुक पानि जोखि देखौलक जे गाद भरि गेल अछि।

नीलम गवाही प्रकाशित कएलनि आ लिखलनि जे श्रमक अचिन्हार रहब सेहो पुनर्निर्माणक दोष अछि।

नागरिक जाँच यन्त्रक शत्रु नहि, ओकर उत्तरक आवश्यक साथी बनैत अछि।

ओहिमे यन्त्रक सीमित पुनर्मेलक प्रस्ताव, सार्वजनिक बन्द करबाक व्यवस्था आ आवश्यकता पड़ला पर स्थानीय निर्णयक अधिकार लिखल छल।

मैथिली कहलीह जे सार्वजनिक सहमतिक नियम, चिकित्सक, किसान, कारीगर आ नागरिकसभक संयुक्त निर्णय चलैत रहबाक चाही।

मूल पाठसँ

ओ सूचीमे भास्करक पुरान केन्द्रक नजदीकक नगर आगाँ छल, नदीक पारक गाम पाछाँ।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि खेतमे काम करनिहार एक मजदूरिनक नाम आवण्टन-पञ्जीमे नहि छल।

ओ रिक्त ठाम सभ अगिला साक्ष्य लेल बचल रहबाक चाही।

नीलम हुनकर गवाही वैदेहीक कार्यालय पठौलीह।

कारखानाक भङ्गारक पछाति आकाशमे धुआँ नहि, साँझक फिक्का रङ्ग पसरल छल।

एक सदस्य कहलक जे दूरे गामक लोक तकनीकी बात नहि बुझत।

मूल पाठसँ

साँझक विद्यालयमे बच्चासभ पुरान संगणकक निष्क्रिय पर्दापर पाँच प्रश्न चकमकसँ लिखि देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नीलम कहलीह, “घाव सत्य अछि, मुदा ओ बाकी सभ निर्णयक प्रमाण नहि।

कर्णेश पुछलनि जे ओकर आदेश-अस्वीकारक घावक वर्णन आवश्यक अछि कि नहि।

वृद्धा अपन बेटाक नाम दोसर सूचीमे देखलीह।

पत्रक आखिरी प्रति तयार भेलाक समय नीलम अपन पुरान छपाखानाक हाथ-चक्र घुमौलीह।

पाँचम वर्षक ई राति दाउरक बँचल टुकड़ाक आगि लग मन्द-मन्द उजास छल।

मूल पाठसँ

नीलम ओहि वाक्यकेँ विज्ञापनक पंक्ति नहि बनौलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

भीड़ पहिल निरीक्षककेँ उत्तरदायी ठहराबय चाहैत छल, कारण हुनकर नाम लेखामे साफ छल।

नीलमक सम्पादकीय साथी आग्रह कएलक जे पाँच भागक लेखाक शीर्षक बेसी तीख होए—‘यन्त्रक अपराध’ अथवा ‘मानवक पतन’।

एहि विचार-विमर्शक समय एक छोट बालक पुछलक जे जँ अक्षर कखनो चुप भऽ जाए तँ के निर्णय लेत।

दोसरा दिन कर्णेश अपन बामा हाथक पट्टी बदलैत नीलम लग आएलाह।

मूल पाठसँ

उर्मिलाक छात्रा ओहि ठामक आजुक पानि जोखि देखौलक जे गाद भरि गेल अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

ई सभ सम्भावना अछि, निश्चित भविष्यवाणी नहि।

ओ पूछलनि जे पाँच भागक लेखामे हुनकर सैनिक जीवनक पुरान निर्णयक स्थान कतय अछि।

नभग्रामक संचारक एक छोट अवसर आएल तँ ओहि पातक संक्षिप्त प्रमाणित नकल पठाओल गेल।

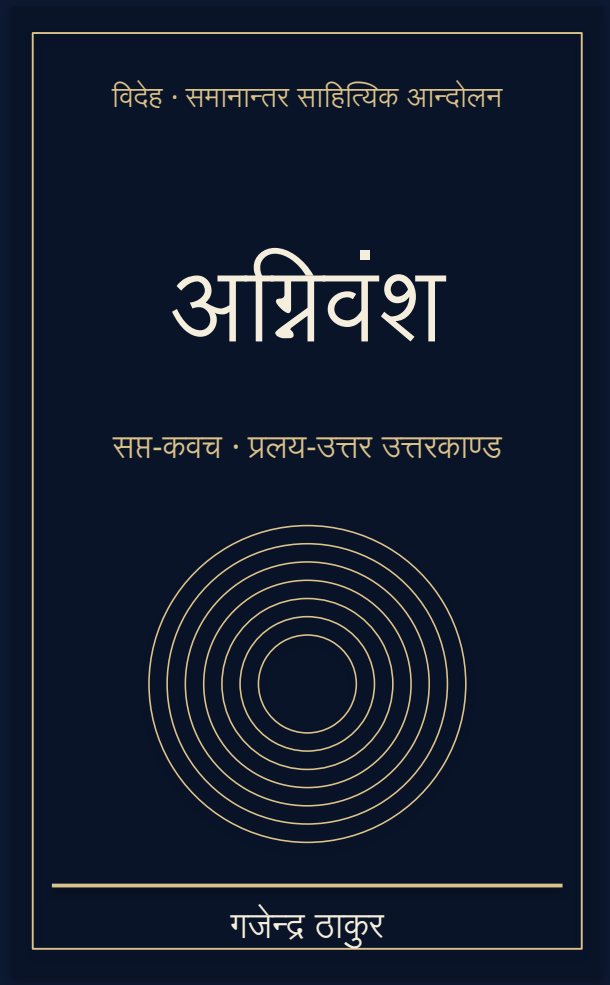
अगिला अध्याय : ७० · आकाशक संहिता

मूल पाठसँ

ज्ञानक पहुँच कम होयब अधिकारक अभावक आधार नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ७० : आकाशक संहिता

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

वर्ष पाँच, उत्तरार्द्ध । नभग्राम-४ आ जनकक्षेत्रक संयुक्त सुनवाई

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

ईरा सेन दुनूक बीचक भेद अपन सहयोगीसभकेँ बारम्बार बुझबैत छलीह।

वज्र-साक्षी, भण्डार-साक्षी, गरल-साक्षी, काल-साक्षी आ मेघ-साक्षी अपन-अपन पृथक सीमा भीतर रहत।

एक प्रतिनिधि कहलनि, “जे सभ आकाशमे रहैत अछि तकरा एहि कक्षाक व्यवस्था पर पहिल हक होयबाक चाही।”

यानक भाग कक्षामे घूमैत छल आ ओकर गतिक पुरान अङ्क स्मृति-साक्षी लग छल।

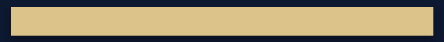
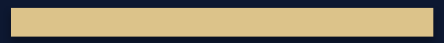
मूल पाठसँ

मुदा एक्कहि खिड़कीसँ सभ उत्तर पठाएब सम्भव नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		जे प्रश्न लोकक अधिकार सँ जुड़ल छल, ओकर अन्तिम उत्तर लोक सभाकेँ देबाक छल।
३–४		कक्षीय नियममे सैनिक आज्ञाकेँ एकल आधार नहि बनाउ।”
५–६		नियम पर सहमति होएबा सँ पहिने ईराकेँ नभग्रामक कारीगरसभक अलग बैसारमे जाएब पड़ल।
७–८		दुर्घटनाक बाद एक स्वचालित अभिलेख ओकर नाम ‘स्थानान्तरण सम्पन्न’ बतौने छल, मुदा ओ घर नहि पहुँचल।
९–१०		ईरा साधनक उपयोग जाँचबाक जिम्मेदारी स्वतन्त्र दलकेँ देलीह, मुदा विधवाक कथन तुरन्त दर्ज कएलनि।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नभग्राम-४क पुरान निरीक्षण-कक्षमे आब एकटा अजीब निस्तब्धता बसल छल।

किछु संकेत वास्तवमे बन्द छल, किछु संकेतक समाचार पहुँचल नहि छल।

सभाक आरम्भ छोट सुधारसँ भेल: सभ एकहि ऊँचाइपर बैसथि।

कोन उपग्रहक बचल ऊर्जा आ संचारक समय पहिने ककरा देल जाए?

एहि दू स्तम्भक बीच कोनो यान्त्रिक गणना अपने न्याय नहि करि सकैत छल।

मूल पाठसँ

लोकसाक्षी दू साक्षी-खण्ड—कुण्ड-साक्षी आ स्मृति-साक्षी—क सीमित पुनर्मेलक शर्तबद्ध स्वीकृति देने छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

वर्तमान देखबला साधन एक बेर ओकर झलक पकड़ने छल, मुदा पूरा बाट नहि।

पाँच बरिस पहिने ई सभ बात विवाद रहि सकैत छल; आइ अपन अन्न-वाहक यानक रक्षा लेल सभाकेँ एहि संयमक आवश्यकता बुझा रहल छल।

ओ वाचस्पतिक पुरान वचन मोन कएलनि: शब्द पहुँचि जाएब आ अर्थ अखण्ड रहब दू बात अछि।

ईरा कहलीह, “अहाँक प्रश्न आकाशक संहितामे सभसँ पहिने लिखल जाएत।”

किछु गाम माछक पानि आ पियबाक पानि बीचक भेद नहि जानि रोग झेलने छल।

मूल पाठसँ

नभग्रामक रसदगृहमे एक युवती काँचक छोट बरतनमे बचल हरियर पात देखबैत छलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा स्पष्ट कहलीह जे उपलब्ध आँकड़ा सँ दू सम्भाव्य बाट निकसैत अछि।

ओ आरोप लगौलक जे ईरा नियमक कारण लोककेँ भूखल राखि रहल छथि।

ईरा ओहि ठामक स्त्रीसभक उपस्थितिमे नव जनगणनाक निर्णय लएलीह।

नव संहिताक पहिल परीक्षा सभाक सोझाँ छल: की सभक नामपर जोखिमक एक निश्चित संख्या घोषित कएल जाए?

ईरा उत्तरमे हुनकर चोटक समाचार नहि पुछलीह; पुछलीह, “जँ नागरिकसभाक सन्देश फेर नहि पहुँचे, तखन कोन निर्णय वैध होयत?”

मूल पाठसँ

आकाशमे परिक्रमा करैत पुरान वज्रजालक उपग्रहक एक कमजोर झलक एकाएक देखायल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि रातिक सभामे किछु प्रतिनिधि लोकसाक्षीक मतदानक वैधता पुछलनि।

ईरा अपूर्ण प्रतिनिधित्वक दोष स्वीकार कएलनि।

ईरा उत्तर देलीह, “नाम बदललासँ स्वामित्वक इतिहास नहि बदलैत।

कारीगरसभ स्पष्ट कएलनि जे साधनक वर्तमान दशा, उपलब्ध ऊर्जा आ निरीक्षणक आवश्यकता अलग अलग अछि।

ईरा नामकेँ ‘सिद्ध मृत्यु’क पञ्जीमे नहि जोड़लीह; ‘समर्थित गवाही, पुष्टि शेष’मे रखलीह।

मूल पाठसँ

ओहि दिन पहिल बेर नभग्रामक अन्न-पञ्जी आ पृथ्वीक नदीपारक खेतक लेखा एक साझा बैठकमे पढ़ल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हरियर पातक एक कात सूखि गेल छल, दोसर कात नब कोमल अंकुर देखाइत छल।

दोसर—की निर्णय लेल पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य अछि?

संचारक बाधासँ संदेश आधा रास्तामे अटकै सकैत छल।

आब हस्ताक्षरक बगलमे ओ व्यक्ति वा समुदाय सेहो लिखल गेल जे निर्णयसँ प्रभावित होएत।

अन्तिम पहरमे नभग्रामक काँचक ओ छोट बरतन फेर ईराक सोझाँ अएल।

मूल पाठसँ

लोकक डर घटल कि नहि, ईरा नहि जानि सकलीह; मुदा ओ खतराकेँ लुका कऽ शान्तिक झूठ बनाओल नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक अन्तरिक्ष-चित्रमे ओहि इलाका पर पानिक सम्भाव्य सीमा देखायल छल।

एक व्यापारी तुरन्त ओकरा पृथ्वीपर भेजबाक वचन देने छल, कारण ओतय पम्पक ढाँचा बनयबामे धातुक खाँच छल।

ईरा हुनकर बात संहिताक संसाधन-धारामे रखलीह।

किछु अधिकारी ओ चित्र देखिकऽ सभ घर खाली करबाक सोचलनि।

दोसर क्षेत्रक चिकित्सक ई जोड़लनि जे रोगीक निजता बिनु सहमति सार्वजनिक नहि हो।

मूल पाठसँ

धरतीपर जनकक्षेत्रक बस्तीसभ एक अनौपचारिक पत्र भेजने छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

“जे नहि देखल गेल, तकरा सुरक्षित बुझि नहि लिअ,” चित्रक नीचाँ लिखल गेल।

एहि निर्णयसँ नभग्रामक किछु सुविधा घटल।

हुनका सभकेँ आकाशमे कतेको उपग्रह अछि, से जानबाक इच्छा छल।

किछु पुरान यानक भाग, किछु दुर्घटनाक अवशेष, किछु युद्धक उपकरण।

महाविच्छेदक पहिल राति ओहि लग कक्षीय अवशेषक कतेको खंडित रिपोर्ट छल; मानव सभाकेँ ओहि अस्पष्ट आँकड़ा मिलाबयमे बहुत समय लगल।

मूल पाठसँ

ई प्रश्न संगणक-विद्याक पहिल पाठ बनल: पञ्जीमे लिखल संख्या आ वर्तमान संसारक संख्या एक नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एक छोट दल एहि संहिताकेँ भास्करक पुरान अक्षर-मण्डप सँ तुलना करैत छल।

बादमे पता चलल जे ओकर दलक सामान्य अभिलेख स्थानान्तरित भेल छल, व्यक्ति नहि।

कक्षीय रसद कठिन छल, मुदा अभावक न्यायपूर्ण बँटवारामे असहमतिक दण्ड नहि जोड़ल जाए।

उर्मिलाक विद्यालयक छात्रासभ जखन स्थलपर जाँच भेजत, तखन मात्र ओकर उपयोगक निर्णय होयत।

ओ सार्वजनिक रूपेँ सन्देशक प्राप्ति दर्ज कएलनि, दावा ‘अपुष्ट’ कहलीह, आ रसद-लेखा खुला कएलनि।

मूल पाठसँ

संध्याक समय जनकक्षेत्रक नदीक बहावक दोसर चित्र भेटल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ई भरोसा यन्त्रक नित्य सत्य पर नहि, सुधरबाक सामूहिक क्षमतापर छल।

ईरा एहि छोट सहमतिमे वास्तविक प्रगतिदेखलीह।

ईरा एहि उपायसभकेँ अतीतक कमजोरी नहि मानलीह।

कक्षीय यानमे काम करनिहार श्रमिकसभक नाम पुरान सेना-पञ्जीमे दर्ज छल, नागरिक-पञ्जीमे नहि।

नगरक लोक सभ ओहि अभिलेखसँ खेतीक नव यन्त्र बनाबय चाहैत छल, मुदा प्राप्तिमे शुल्क माँगल जा रहल छल।

मूल पाठसँ

मुदा परिवर्तनक कारण, पुरान पाठ आ प्रभावित लोकक स्वीकृति—तीनू सार्वजनिक रहत।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ईरा स्पष्ट करेलीह जे प्रेषण भेल कहलासँ पहुँचि गेल सिद्ध नहि होयत।

एखन एकटा छोट आबास, बाँचल पात, आपसी भोजन आ स्वीकार कएल गेल गलतीसँ ओकरा सभ नव जीवन गढ़ि रहल छल।

मुदा ओ छोट खेप ककरो भूखल परिवारक आशा बनि सकैत छल।

सम्भावना कैं निश्चितता बना देब कतेको बेर राजनीतिक आदेशक पहिल सोपान होइत अछि।

कक्षीय सहयोगक ई पहिल उत्तरदायी वचन छल; एहि सँ ककरो मृतक फेर नहि आबताह, ने सभ पम्प चलत।

मूल पाठसँ

सभाक बाहरी मेजपर संहिताक अन्तिम नकल राखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- ज्ञान, साधन, ऊर्जा आ सुरक्षित उपयोग चारि अलग आधार बनल।
- ओकरा सभकेँ एक नाम देलासँ जोखिमक जाँच सरल होइत अछि, मुदा सम्बन्धित लोकक उत्तरदायित्व एके नहि होइत।
- वृद्ध न्यायविद् कहलनि जे कानूनी सटीकता सेहो चाही।
- ईरा स्पष्ट करेलीह जे प्रेषण भेल कहलासँ पहुँचि गेल सिद्ध नहि होयत।

मूल पाठसँ

ओहि पाँतिक विरोध कम छल,
तैओ ओ कहलीह जे एकरा
मानबाक परीक्षा बादमे होयत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

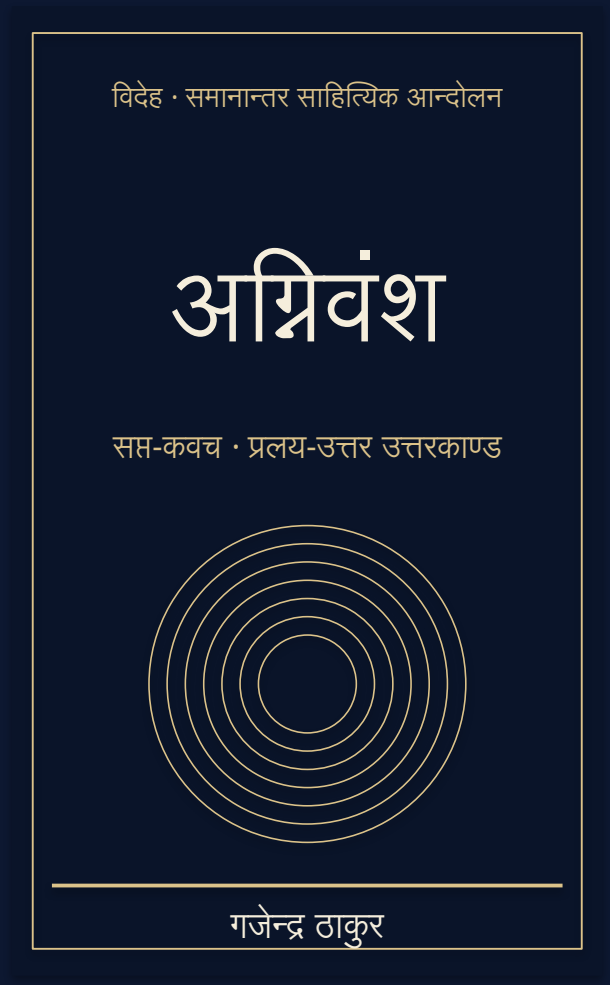
- जोखिमक क्षतिपूर्ति देबाक समय कार्यालय हुनका ‘स्वतन्त्र सैनिक’ मानि बचल परिवारकेँ सहायता देबासँ पाछाँ हटैत छल।
- अपन जीवनक कतेको वर्ष ओ ने पृथ्वीपर पूर्ण नागरिक बनि सकलीह, ने आकाशमे निर्विवाद घरक अनुभूति पओलीह।
- नभग्राम-४क झरोखासँ पृथ्वी एक अँजोर गोलाइ नहि, घाव आ उजियारक बदलैत मानचित्र जकाँ देखाइत छलीह।
- अगिला अध्याय : ७१ · नव पीढ़ीक प्रश्न

मूल पाठसँ

ओहि राति अगिला परिक्रमा-खिड़कीक समय अन्नक एक छोट खेप धरती दिस पठेबाक योजना स्वीकृत भेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ७१ : नव पीढ़ीक प्रश्न

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

वर्ष पाँच, उत्तरार्द्ध । जनकक्षेत्रक पुरान सूर्यकुण्ड-कार्यशाला

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

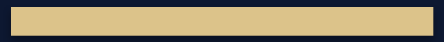
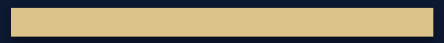
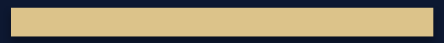
- योजना कहैत छल जे सभ किछु पूर्वनिर्धारित क्रममे होयत; उर्मिला जानैत छलीह जे वास्तविक संसार तैओ अपन प्रश्न आगाँ राखत।
- तकनीकी दल पहिनेसँ अस्पतालक आपूर्ति अलग राखने छल, मुदा तकर प्रमाण केवल कागजपर छल।
- पुरान स्मृति-साक्षी एक सीमित अन्तरफलकसँ उत्तर देबाक लेल तैयार छल।
- उर्मिला अपन जाँच-पञ्जीक पुरान पात खोललीह—ओही त्रुटिसँ एक बेर मरम्मति रोकए पड़ल छल।

मूल पाठसँ

कोनो यन्त्रकेँ शासनाधिकार, शस्त्र-आज्ञा वा अन्न-वितरणक एकल नियन्त्रण नहि भेटत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		मशीन तुरन्त अपन उत्तर बदलबाक बदला कहलक जे वर्तमान अवस्था पर्याप्त प्रमाणसँ जाँचल नहि गेल अछि।
३–४		यन्त्र-परीक्षक कहलक जे ई चेतावनी तखन धरि नब खतरा नहि जेधरि दोसर जाँच नहि हो।
५–६		कागजमे लिखल अधिकार यन्त्रक सोझाँ पहुँचेबाक बिनु केवल वचन रहि जाइत अछि।
७–८		पर्दापर एखन किछु देखाइत नहि छल; ओकर भीतरक स्मृति बचल कि नहि, तकरो पुष्टि नहि।
९–१०		शिक्षकक इच्छा छल जे अगिला दिन बच्चासभकेँ यन्त्रक सफल रोकक समाचार पढ़ाओल जाए।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

लोकसाक्षीक प्रतिनिधि वैदेही राउत सभाक अनुमति-पत्र पढ़ि सुनौलीह।

ओ अपन हाथमे जाँच-पञ्जी, बस्तीक मतक नकल आ विद्यालयक छात्रासभक प्रश्न लऽ अएलीह।

परीक्षणक पहिल काज यन्त्र चलायब नहि, स्थल देखब छल।

परीक्षणक बीच कोनो प्रमाणित अनपेक्षित जोखिम देखाए तऽ मानव निरीक्षक ओकरा रोकि सकैत छथि।

उत्तर आयल: “हमरा लग कतेको पुरान आँकड़ा अछि; किछु समयक अभाव, किछु संदर्भक भेद आ एक पूर्व त्रुटिपूर्ण चेतावनी-सीमा दर्ज अछि।

मूल पाठसँ

उर्मिला कहलीह, “आइ जाँचबाक अछि जे कागजक सीमा व्यवहारमे सेहो सीमा बनि सकैत अछि कि नहि।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओ पुछलीह जे साक्षी-खण्ड फेर जुड़लासँ हुनकर खेतक पानि भेटत कि नहि।

मशीन तुरन्त अपन उत्तर बदलबाक बदला कहलक जे वर्तमान अवस्था पर्याप्त प्रमाणसँ जाँचल नहि गेल अछि।

जँ जलक ठीक लेखा भेटत, तँ श्रम आ सामग्रीक न्यायपूर्ण निर्णय लेल सहायता होयत।

एकटा पातमे श्रमिकक संख्या कम छल; दोसर मे अनाजक आवण्टनक पुरान परिमाण बेसी।

तकनीकी दल कहलक जे एतेक अन्तर सामान्य सीमा भीतर होय सकैत अछि।

मूल पाठसँ

कार्यशालाक एक कोनमे वर्षा सँ बाँचल पुरान धातुक अलमारीमे कागजक पञ्जी राखल छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पुरान ऊर्जा-जालक एक भाग पर पर्याप्त संरक्षणात्मक जानकारी भेटल।

युवक कहलक, “मुदा जतेक प्रतीक्षामे रहब, तकर मूल्य सेहो हमहीं चुकबैत छी।”

उर्मिला सभासँ आग्रह कएलनि जे प्रत्येक आगन्तुक अपन गाम लौटि एहि तीनू बिन्दु पढ़ि सुनाबथि।

उर्मिला दुनू आँकड़ा एके पातपर अलग तिथि सहित लिखबौलीह।

ओ निरीक्षक दलसँ स्वतन्त्र रूपेँ रोक लगाबय आग्रह कएलनि।

मूल पाठसँ

साक्षीसभ आपसँ सूचना मिलौलनि, मुदा अन्तिम सार्वजनिक निर्णय नहि लेलनि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि उत्तरमे कोनो सर्वज्ञता नहि छल, मुदा मानबाक एक दृश्यमान घटना छल।

विद्युत्-विभाजनक मानवीय दल पहिनेसँ चिन्हित पृथक सीमा पर परीक्षणक आपूर्ति स्थगित कएलनि।

बहुतो लोक एहि स्थगनकेँ यन्त्रक विफलता कहताह।

नागरिक अधिकारक प्रयोगक सेहो सामाजिक मूल्य रहैत अछि; ओकरा नुकायब नहि।

एक प्रविष्टिमे पहचानक सम्भावना रहि सकैत छल, कारण गाममे ओहि रोगक एकमात्र व्यक्ति छल।

मूल पाठसँ

मानवीय दलक रिपोर्ट आयल जे सुरक्षित पृथक जाल अपन पहिनुक काम करैत रहल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

निज गौरव बचेबाक लेल परीक्षण बन्द करबाक ओहिपर कोनो आग्रह नहि छल।

ओ अपन निर्णयक समय, आधार आ असहमत सदस्यक मत सहित छोट पात पठौलीह।

एक कारीगर कहलनि जे पुरान कारखानामे जोखिमक जानकारी केवल अधिकारीक कमरामे रहैत छल।

ईराक साझा संहिता अनुसार कोनो कक्षीय अवशेषक सम्भाव्य बाटमे भेद भेटल छल; अन्तिम निष्कर्ष शेष।

निरीक्षक कहलनि जे स्थानीय प्रशिक्षित प्रतिनिधिसभक दोसर सूची तैयार अछि, आ आपातकालीन रोक केकरो एक पदसँ बान्हल नहि।

मूल पाठसँ

उर्मिला एहि चर्चा कैं तकनीकी परीक्षणसँ अलग नहि रखलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओहि दिन स्थल देखबाक क्रममे उर्मिला एक पुरान जलशोधन-कक्ष धरि गेलीह।

एहन उत्तर परिश्रम बचबैत छल, निर्णय छीनी नहि रहल छल।

साँझ उर्मिला अपन पाठशालाक छात्रासभक पात पुनः खोललीह।

अनिरुद्धक पुरान परीक्षणमे ओहि ठाम रासायनिक दूषणक सम्भावना चिन्हित छल।

पातमे दोषक ठाम, उपकरणक समय आ कतेक बेर निरीक्षण भऽ चुकल, सभ स्पष्ट छल।

मूल पाठसँ

आब खाली ठाम दोष नहि,
अनुसंधानक आमन्त्रण छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

परीक्षणक बीच एक स्वास्थ्यकर्मी एगो पुरान गणना-पन्ना लऽ अएलीह।

उर्मिला शारदाक नियम दोहरौलीह: प्रमाणित मृत्यु, बेपत्ता आ अप्रमाणित घटना अलग; कोनो मृत बच्चाकेँ विचारधाराक साधन नहि बनाओल जाए।

कृषक जानकारी देलनि—बाढ़क बाद किछु भागमे गाद, किछुमे बालु, किछु ठाम पानिक पुरान बाट बदैल गेल।

कक्षीय उत्तरक प्रतीक्षामे तत्काल अतिरिक्त हस्तक्षेप रोकल गेल।

उर्मिला मुसुकाइत कहलीह जे पात, पोथी, जीवित कारीगरक अनुभव आ छपल अभिलेख सेहो ज्ञानक माध्यम अछि।

मूल पाठसँ

उर्मिला तकनीकी दलसँ वर्तमान संचार-आवण्टनक लेखा मँगलीह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

एहि प्रस्तावपर एक नगर-प्रतिनिधि कहलक जे नव गणना सँ ओकर नगरक काम रुकत।

उर्मिला समिति सँ कहलनि जे असमान स्रोत पर एक समान सूत्र चलाओलासँ असमान परिणाम लुकि सकैत अछि।

नगरक अस्पतालक वास्तविक आवश्यकता कम नहि मानल जा रहल, मुदा दूरक गामक अनलिखल रोगी सेहो मनुष्य छथि।

दोसर प्रशिक्षित निरीक्षक आपातकालीन अभ्यासमे रोकक लिखित कारण, उपलब्ध प्रमाण आ सुरक्षित सेवाक जाँच प्रस्तुत कएलनि।

ओ कहलीह, “हमर बनाओल वस्तु जाँचल जाए, ई खुशीक बात अछि; केवल बनाओनिहार स्त्री अछि तें अस्वीकार नहि हो।”

मूल पाठसँ

प्रतिनिधि चुप रहल, बादमे अपन नगरक स्वेच्छा-दलकेँ दूरक शिविरक गणना करबामे सहयोग देबाक वचन देलक।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

यन्त्र-वर्जन आ यन्त्र-पूजा दुनू जीवनक बहुलता सँ छोट पड़ि रहल छल।

ओ पुरान फोटो नहि पबैत छल, तैओ पिताक बनाओल बाँसक नाप ओकरा लग छल।

सभाक अन्तमे एक अधिकारी उर्मिलासँ पुछलक जे एतेक जाँचक बाद ओ यन्त्रपर विश्वास करैत छथि कि नहि।

बाटमे गाछक छाह, आधा भरल नहर, दू ठाम चलैत छोट पम्प आ एक ढहल कारखानाक चिमनी एके अँधारमे देखाइत छल।

ओ विद्यालयक लेल एक पात तैयार कएलनि—जे देखल गेल, जे यन्त्र कहलक, जे मनुष्य जाँचलक, जे नहि जनल गेल आ जे निर्णय भेल।

मूल पाठसँ

हम ओकरा जाँचक उचित अवसर देब, गलती भेटला पर रोकब, आ उपयोगी बात भेटला पर स्वीकार करब।”

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उर्मिला पाछाँ घुरि विद्यालयक दुआरपर एक छोट सूचना टाँगि देलीह।

आखिरी पात बन्द करैत उर्मिला एक पल लेल सहदेवकेँ मोन कएलनि।

एहि स्वीकृतिमे साक्षी-सहचर्य अपन विरोधीकेँ चुप कराबय नहि, ओकरा संग तर्क करबाक साहस बटोरैत छल।

ओ चाहैत छलीह जे तट-ग्रामक वृद्धा सेहो जानथि—आइ कोन निर्णय रोकल गेल, किएक, आ तकरा फेर कहिया जाँचल जाएत।

ओ अगिला दिन विद्यालयमे सभ बालक-बालिकाकेँ जाँच देखेबाक निर्णय लएलीह।

मूल पाठसँ

परीक्षणक असफल सुझाव आ सफल रोकक विवरण बिनु शुल्क पढ़ल जा सकत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

ओहि दिन स्थल देखबाक क्रममे उर्मिला एक पुरान जलशोधन-कक्ष धरि गेलीह।

एक छात्र ओकर पाछाँ लिखल निर्माण-वर्ष पढ़लक।

ओ कहलनि जे नाम लिखल जाएत, मुदा स्थिति जतेक सिद्ध, ततेक।

उर्मिला हुनका नव परीक्षणक प्रतिलिपि पठेबाक निश्चय कएलनि।

मूल पाठसँ

उर्मिला उत्तर देलीह जे काम रोकबाक निर्णय नहि, आधार सुधारबाक निर्णय अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

रात्रिमे उर्मिला अपन अपन ग्राम दिस घुरलीह।

उर्मिला कहलीह जे गणना दूनू विकल्पक सम्भाव्य परिणाम रखि सकैत अछि; मुदा न्यायपूर्ण प्राथमिकताक नियम मनुष्य सभाकेँ तय करबाक अछि।

एक त्रुटिपूर्ण सलाह पर स्थानीय रोक सफल; किछु मरम्मति देरि सँ भेल; अस्पतालक मूल आपूर्ति सुरक्षित।

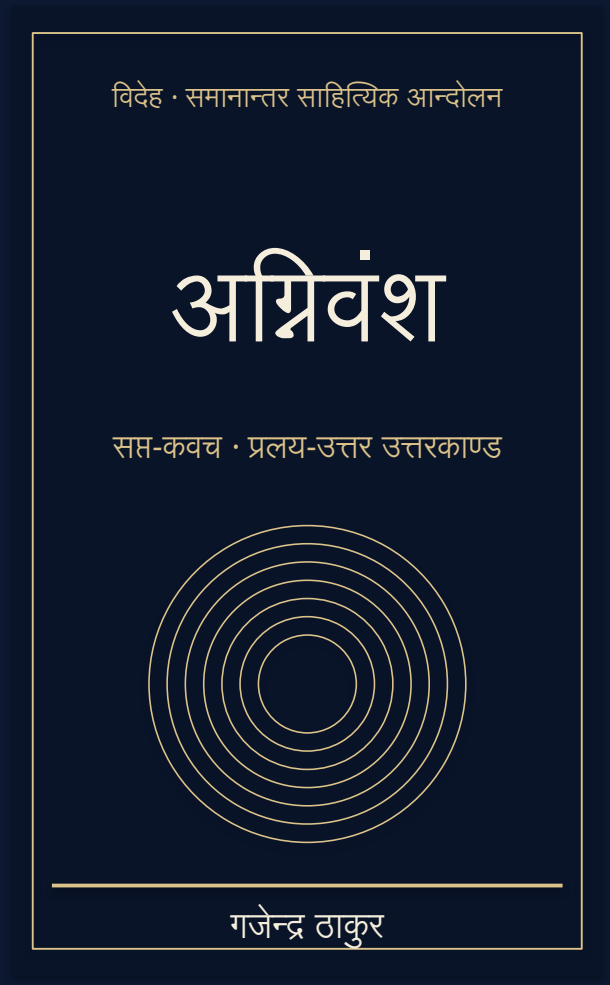
अगिला अध्याय : ७२ · अग्निवंशक उत्तराधिकार

मूल पाठसँ

विद्यालयक पाठ एहि तरहें राजकाजक अभ्यास बनि गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/



अध्याय ७२ : अग्निवंशक उत्तराधिकार

खण्ड १२ · नव-अग्निवंश

महाविच्छेदक दशम वर्ष । जनकक्षेत्र, कोशीक तट आ नव पाठशाला

मैथिली कादम्बरी · ७२ अध्याय

© २०२३ गजेन्द्र ठाकुर आ प्रीति ठाकुर

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथा आरम्भ होइत अछि

किछु नाम पुरान अभिलेखसँ मिलैत छल, किछु नव बस्तीमे पहिल बेर दर्ज भऽ रहल छल।

तकर बगलमे दू भाग जाँचक अभावमे बन्द छल।

सुधारक आँकड़ा देखायब उपयोगी अछि, मुदा जकर घरक चूल्हि आजु नहि जड़ल, तकरा औसत सफलता सँ भोजन नहि भेटैत।

ई घाव महाविच्छेदक चतुर्थ वर्षमे भेल टकरावक स्मृति छल, आ कोनो नब औषधि ओकरा पूर्ण रूपेँ मेटि नहि सकल।

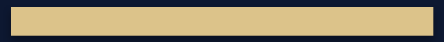
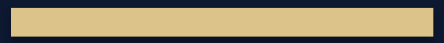
मूल पाठसँ

मखानक पोखरिमे किछु ठाम पात छितरायल छल, मुदा पुरान प्रदूषित पोखरि एखनहु खेती लेल बन्द छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्यायक पाँच कथात्मक चरण

१–२		माछ बेचैत एक स्त्री कहलनि जे नब व्यवस्था भेल, मुदा बाजार धरि नावक भाड़ा बढ़ि गेल अछि।
३–४		मैथिली एहि दृश्यकेँ छोट विजय मानलीह—यन्त्रक उपयोग भेल, मुदा जाँचक ठाम खाली नहि रहल।
५–६		उत्तर दिशाक किछु परती खेतमे पानिक अभाव बरकरार छल।
७–८		मैथिली एहि वाक्यमे समूचा दस वर्ष सुनलीह।
९–१०		विद्यालयक आवश्यक प्रकाश आ चिकित्सालयक स्थानीय आपूर्ति अपन पृथक आधारपर चलैत रहल।

ई पाँच चरण अध्यायक मूल पाठक क्रमक आधार पर अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दशम वर्षक भोरमे कोशीक पारसँ माछक छोटी नाव धीरे-धीरे घाट दिस अएल।

घाटपर बैसल लोक सभ सामानक जोख कएलनि आ नाम लिखलनि।

पाठशालाक आँगन खुला रहल, मुदा भीतरक साधनक सुरक्षा-जाँच प्रशिक्षित लोकक अधीन छल।

माछ बेचैत एक स्त्री कहलनि जे नब व्यवस्था भेल, मुदा बाजार धरि नावक भाड़ा बढ़ि गेल अछि।

उर्मिला कहलनि, “पर्दा बिनु प्रश्न जीवित रहय, तखन पर्दाक उपयोग नीक।”

मूल पाठसँ

मैथिली ओहि बन्द फाटककेँ देखिकऽ राहत पबैत छलीह: सावधानीक चिह्न विकासक अपमान नहि, ओकर स्मृति छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

मृत्यु प्रमाणित, बेपत्ता आ प्रमाण अपूर्ण—तीनू पञ्जी एखन अलग छल।

एक किशोर हुनका सन्देहसँ पूछलक जे आपातकालमे पुरान रक्षा-यन्त्र ककर आदेश मानत।

दीपाक मृत्यु प्रमाणित रूपमे दर्ज छल; कागजक सुधरल वर्तनी ओकरा फेर आनल नहि।

नीलमक समाचारपत्रक छपाई एखन सीमित छल, मुदा ग्रामसभाक सार्वजनिक भित्ति पर ओहि पत्रक अंश चिपकल रहैत छल।

जँ केवल विनाश लिखब, तँ लोकक मेहनत अदृश्य रहत।”

मूल पाठसँ

शारदा कहलीह जे जतेक नव प्रमाण भेटत, ततेक लेखा सुधरत; अपूर्ण साक्ष्यकेँ अन्तिम न्याय कहि बन्द कएल नहि जाए।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ओकरा ऊपर नव छात्रसभ लिखने छल—‘स्मृति आ सत्य एके वस्तु नहि’।

ई व्यवस्था पूर्ण नहि छल; एक वर्ष पुरान जाँचमे ग्रामसभाक आपत्तिक प्राप्ति देरिसँ भेल छल।

एहि लिखावटकेँ देखैत हुनका जीवेशक पञ्जी-भण्डारक अपूर्ण पात मोन पड़ल।

वैदेही कहलनि जे डिजिटल नकल महत्त्वपूर्ण, मुदा अपूर्ण अभिलेख मनुष्यक अधिकार शून्य करि नहि सकैत अछि।

दू स्रोतक मिलान भेला बिनु पुर्जाक सलाह सार्वजनिक नहि कएल गेल।

मूल पाठसँ

पुरान कागज बाढ़मे बहि गेल छल, संगणकीय नकलक किछु भाग बचल छल, मुदा ओहि नकलेमे परिवारक स्त्रीक नाम नहि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सहदेव मौन रहलाह; ई मौन सहमति छल कि नहि, मैथिली मानि नहि लेलीह।

ओ कहलीह जे बीजक साझा अधिकारक अर्थ सभ बिआ बिनु भेद सभ खेतमे बाँटि देब नहि; माटि, ऋतु, जल आ रोगक सीमा बुझि सार्वजनिक निर्णय लेब।

पूर्वक परीक्षणक असफलता सँ ई सबक सीखल गेल छल।

मैथिली हुनका अलग बैसबाक स्थान नहि देलीह, ने विशेष सम्मानक नामपर हुनकर प्रश्न रोकलीह।

भित्तिपर ‘पूर्ण अक्षर’क घिसल अक्षरसभ अबहियो देखाइत छल।

मूल पाठसँ

ओ यन्त्रक विषयमे अपन सन्देह छोड़ि नहि देने छलाह।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नव पञ्जी बनाओनिहार स्त्रीसभक हाथक मेहनत असल सुधारक आधार छल।

अन्तमे छोट वाक्य छल—“आकाशक अधिकार पृथ्वीक लोक सँ अलग नहि, मुदा पृथ्वीक सुविधाक अधीन सेहो नहि।”

पानि भरबाक चक्कर, कूपक दूरी आ परिवारक रोजक आवश्यकता पहिने पुरान प्रशासनक लेखामे नगण्य छल।

ओ कहलनि जे स्मृति-साक्षी पुरान कारखानाक नक्सा देखाबैत अछि, मुदा धातुक आजुक दशा ओहि नक्सामे नहि।

ओतय पुरान पोथीक प्रतिलिपि, खेतीक लोकज्ञान आ बचल विज्ञान-अभिलेख एकहि पाठमे जोड़ल गेल।

मूल पाठसँ

मैथिली देखलीह जे कृत्रिम बुद्धि जँ एहन पञ्जी बिनु गणना करत तँ पुरान अन्यायकेँ नव सुघड़ भाषा दऽ देत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

ग्रामसभाक जाँचक बाद प्रविष्टि सुधारल गेल, पुरान पाठ मेटल नहि गेल।

मैथिली पुछलीह जे ओहि औसतक भीतर कोन गाम शामिल अछि, कोन गामक आँकड़ा अनुपलब्ध।

ई चिकित्सा स्वतन्त्रताक हार नहि, ओकर सहायक व्यवस्था छल।

मैथिली ओहि स्मारकमे स्वीकृतिक संग प्रश्नक स्थान देखलीह, महिमामण्डन नहि।

एक युवक पुछलक जे एहन गलती फेर होयत कि नहि।

मूल पाठसँ

कर्णेश कहलनि जे इतिहास नुकायल नहि जाए, मुदा उपकरणक संचालनक विधि जनप्रदर्शनक वस्तु नहि हो।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

किछु युवक पौधाक तस्वीर देखबैत ओकरा ‘पूर्ण पुनर्जन्म’ कहब चाहैत छल।

एकर समाधान पूर्ण बन्द अथवा पूर्ण प्रकाशन नहि, उद्देश्य, सहमति आ सार्वजनिक हितक उचित जाँच अछि।

यन्त्रक उपयोगक प्रशंसा कएल जा सकैत अछि, मुदा ओकरा मनुष्यक सँ ऊपर सिंहासन नहि देल जाए।

वृद्धा कहलीह जे ओ पुनर्निर्माणक नब घरमे रहैत छथि, मुदा पुरान आँगनक माटि एखनहु सपनामे अबैत अछि।

मैथिली एहि वाक्यमे समूचा दस वर्ष सुनलीह।

मूल पाठसँ

मैथिली बुझलीह जे त्रुटिक स्वीकार केवल मुँहक वचन नहि, कार्य-वितरणक बदलल रूप होयबाक चाही।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समारोहक पूर्वसन्ध्यामे शिशुसभ अपन खेलमे काठक छोट पम्प बनौने छल।

हुनकर खेलमे पुरान संगणकक एक सुरक्षित, निष्क्रिय आवरण सेहो राखल छल।

ओ एखन ओ वाक्य सार्वजनिक करबाक उतावलीमे नहि छलीह।

किछु परिवार रोइत रहल, किछु परिवारक पास शब्द नहि छल।

एक बच्चा पुरान तख्तापर लिखल ‘रोकबाक अधिकार’ पढ़ि ओकर अर्थ पूछलक।

मूल पाठसँ

शारदा मृतकक नामक पात रखलीह; जकरा नाम प्रमाणित नहि छल तकर लेल खाली ठाम छोड़ल गेल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

साँझ स्मृति-साक्षीक सीमित सार्वजनिक उत्तर देखेबाक सत्र शुरू भेल।

किसान अपन गाम घुरैत कहलक जे ओकरा उत्सवक भाषण नहि, सुरक्षित पानिक बाट चाही।

ई नव उद्योगक सीमा छल, तैओ परिश्रमक सामूहिक स्वामित्वक एक ठोस आरम्भ।

एक पुराने खेतक नहरकेँ सेवा एखनहु ‘चालू’ कहैत छल, जखन कि ओ नहर दू वर्ष पहिने फेर बालुसँ भरि गेल छल।

विद्यालयक आवश्यक प्रकाश आ चिकित्सालयक स्थानीय आपूर्ति अपन पृथक आधारपर चलैत रहल।

मूल पाठसँ

एक बच्चा हँसल जे यन्त्र एतेक बेसी बात किएक नहि जनैत अछि।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

हम सहायता कऽ सकैत छी; निर्णयक अन्तिम उत्तरदायित्व मनुष्यक रहत।”

जीवन निश्चय पूर्ण नहि भेल छल, मुदा अपूर्णताकेँ नुकायबाक आग्रह घटल छल।

फेर ओ अक्षरक सीमित सार्वजनिक उत्तर दिस मुँह कएलक।

ओहि उत्तरमे अपन अमरता, पूर्ण बुद्धि अथवा अनिवार्य शासनक दावा नहि छल।

दूर ककरो घरमे चूल्हि सुलगल; ओतए किछु अन्न पकैत छल, किछु घरमे एखनहु अभाव छल।

मूल पाठसँ

अहाँ सभ हमर प्रमाण जाँचि सकैत छी, हमर सुझाव अस्वीकार कऽ सकैत छी आ आवश्यकता पड़ला पर हमरा बन्द कऽ सकैत छी।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथामे उठल प्रश्न

- नामक वर्तनी पुरान नकलमे बिगड़ल छल, आ बाँचल कम्प्यूटरक खोज ओकरा भेटबैत नहि छल।
- किछु युवक पौधाक तस्वीर देखबैत ओकरा ‘पूर्ण पुनर्जन्म’ कहब चाहैत छल।
- कारखानाक पुरान करघा चलबाक योग्य नहि रहल, तेँ ओ बाँस आ बचल लकड़िसँ साधन गढ़ने छलाह।
- अन्तिम सत्रक पाछाँ एक नन्हि शिशु, जकर नाम अथवा वंश-सम्बन्ध मैथिली पूछल नहि चाहलीह, पर्दाक सोझाँ ठाढ़ रहल।

मूल पाठसँ

भोरक बच्चासभ अपन प्रश्नसँ शायद एकरा नव अर्थ देत।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal
at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समापनक स्वर

एहि सार्वजनिक सत्रमे एक अप्रत्याशित त्रुटि देखायल।

मैथिली जनैत छलीह जे एहन साधनक वर्ष-दर-वर्ष अभ्यास जरूरी रहत; एक बेर सफल परीक्षा सदा लेल सुरक्षा नहि।

शिशु मैथिलीक दिस तकलक, मानो पूछैत हो जे ई उत्तर सही अछि कि नहि।

सम्पूर्ण कादम्बरीक अन्तिम अध्याय

मूल पाठसँ

ओहि ठामसँ नव पाठशालाक छत, दूरक परती खेत, चिमनीक भग्न भाग, मखानक पोखरि आ बस्तीसभक काँच-अँजोर एक संग देखाइत छल।

(C) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal

at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/